शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION
सत्यमेव जयते

unicef
for every child

डेवलपमेंट ऑपरेशन इंजीनियर



ऑप्टिकल इंजीनियर



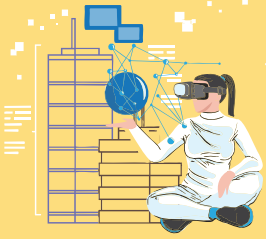
मर्चेंट नेवी



भारत-तिब्बत सीमा बल



ऑगमेंटेड रियलिटी इंजीनियर



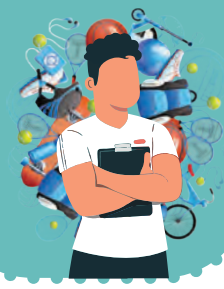
फुल स्टैक डेवलपर



असिस्टेंट कैटरिंग मैनेजर



स्पोर्ट्स इक्विपमेंट मैनेजर



करियर के समुचित अवसरों का अन्वेषण मार्ग

करियर कार्ड

विद्यार्थियों हेतु करियर पथ प्रदर्शिका

भाग–2

कॉमर्शियल ड्राइवर



टूर गाइड



टी टेस्टर



मास्टर हैंड एम्ब्रॉयडरर



क्रिमिनोलॉजिस्ट



बॉटनिस्ट



फायर फाइटर



इंटरनेशनल रिलेशन स्पेशलिस्ट





एक कदम स्वच्छता की ओर

करियर के समुचित अवसरों का अन्वेषण मार्ग

करियर कार्ड

विद्यार्थियों हेतु करियर पथ प्रदर्शिका

भाग – 2



23113 – करियर के समुचित अवसरों का अन्वेषण मार्ग करियर कार्ड, भाग 2

ISBN 978-93-5729-462-1

प्रथम संस्करण

मई 2025 ज्येष्ठ 1947

PD 2T BS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2025

₹ 775.00

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरु 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट— धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781021 फोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *एम.वी. श्रीनिवासन*

मुख्य संपादक : *बिज्ञान सुतार*

मुख्य उत्पादन अधिकारी (प्रभारी) : *जहान लाल*

मुख्य व्यापार प्रबंधक : *अमिताभ कुमार*

उत्पादन अधिकारी : *दीपक जैसवाल*

आवरण

फात्मा नासिर

एन.सी.ई.आर.टी. वॉटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा क्राउन प्रिंटर्स, बी-20/1, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-II, नई दिल्ली 110020.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India



संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों और अभिभावकों की सहायता हेतु प्रत्येक विद्यालय में एक सुदृढ़ मार्गदर्शन एवं परामर्श तंत्र की स्थापना पर बल दिया गया है। इन परामर्श प्रकोष्ठों को विद्यार्थियों की आकांक्षाओं संबंधी समस्याओं का समाधान करने और उन्हें अपनी पसंद और अभिलाषा को जारी रखने में सहायता करने हेतु एक प्रणाली को लागू करने का कार्य सौंपा गया है।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF), नई दिल्ली के साथ मिलकर एक व्यापक "कैरियर मार्गदर्शन पुस्तक" तैयार की है, जिसमें 500 कैरियर कार्ड शामिल हैं। यह प्रत्येक विद्यार्थी को उनके भावी कैरियर के बारे में सही निर्णय लेने के लिए आवश्यक उपकरण और ज्ञान उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विभिन्न व्यवसायों का एक आशुचित्र प्रदान करते हुए, प्रमुख उत्तरदायित्वों, अपेक्षित योग्यताओं और संभावित कैरियर विकल्पों को दर्शाते ये कैरियर कार्ड उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाए गए हैं, जिससे हमारे विद्यार्थियों के लिए *कैरियर* अन्वेषण एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक अनुभव बन जाता है।

मुझे हर्ष है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर कैरियर कार्डों जैसी विशेषता से युक्त दो खंडों में संकलित "कैरियर मार्गदर्शन पुस्तक" का विमोचन किया जा रहा है।

मैं अपने सभी विद्यार्थियों को *कैरियर गाइड* से लाभान्वित होने और एक सफल *कैरियर* के लिए उक्त पुस्तक में दी गई जानकारी का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

जयन्त चौधरी
JAYANT CHAUDHARY

सत्यमेव जयते

कौशल विकास और उद्यमशीलता
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं
शिक्षा राज्य मंत्री
भारत सरकार
Minister of State (Independent Charge) for
Skill Development and Entrepreneurship
and Minister of State for Education
Government Of India



संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि पीएसएस केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई) ने संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), भारत के सहयोग से व्यापक "कैरियर मार्गदर्शन पुस्तक" के दो खंड तैयार किए हैं।

500 कैरियर कार्ड वाले दो खंडों को देश भर के छात्रों के लिए एक अमूल्य संसाधन के रूप में तैयार किया गया है। हमारे युवा शिक्षार्थियों की विविध रुचियों और आकांक्षाओं को पूरा करने हेतु प्रत्येक कार्ड विविध प्रकार के कैरियर विकल्पों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि "कैरियर मार्गदर्शन पुस्तक" विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होगी और उनकी शैक्षिक और व्यवसायपरक यात्रा में मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

यह पहल छात्रों को ज्ञान और कौशल के माध्यम से सशक्त बनाने तथा उनके भविष्य के बारे में सभी पहलुओं की जानकारी प्रदान करते हुए इच्छित निर्णय लेने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता पर बल देती है।

मैं उन सभी योगदानकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस सपने को साकार करने के लिए अथक परिश्रम किया है। आइए हम सब मिलकर शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करते रहें और हर बच्चे को उसकी पूरी क्षमता का अनुभव कराने के अवसर सृजित करें।

जयन्त चौधरी

Office: Room No. 104-A, 'C' Wing, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001
Phone : +91-11-23384327, 23381302, E-mail: mosedu-jc@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy



संदेश

मुझे अंत्यन्त हर्ष है कि पीएसएस केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई) द्वारा संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) भारत के सहयोग से एक व्यापक कैरियर मार्गदर्शन पुस्तक तैयार की गई है। आज के गतिशील नौकरी बाजार में, हमारे युवाओं को जटिलताओं से निपटने हेतु भली-भांति तैयार रहना चाहिए। यह गाइड विभिन्न कैरियर विकल्पों, कौशल आवश्यकताओं और सफलता के मार्गों के बारे में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जिससे यह हमारे छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बन जाती है।

इस कैरियर गाइड बुक की एक असाधारण विशेषता यह है कि इसमें 500 कैरियर कार्ड शामिल हैं। ये कार्ड उपयोगकर्ता-अनुकूल प्रारूप में प्रमुख जिम्मेदारियों, अपेक्षित योग्यताओं और संभावित कैरियर संभावनाओं पर विशेष प्रकाश डालते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कैरियर अन्वेषण न केवल आकर्षक बल्कि जानकारीपूर्ण भी हो। मुझे विश्वास है कि हमारे देश के विद्यार्थी और शिक्षक समुदाय दोनों ही इन कार्डों का उपयोग करेंगे ताकि विचारकों, रचनाकारों और समाधानकर्ताओं की हमारी अगली पीढ़ी तैयार हो सके। यह पुस्तक ब्लॉक स्तर के परामर्शदाताओं के लिए बहुत उपयोगी होगी जो हमारे विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे।

मैं पीएसएससीआईवीई और यूनिसेफ की टीम के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने कैरियर कार्ड के निर्माण में योगदान दिया।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्
श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110016
फोन: +91-11-26519154, 26964712
फैक्स: +91-11-26519159
ई-मेल: director.ncert@nic.in

NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL
RESEARCH AND TRAINING
Sri Aurobindo Marg, New Delhi 110016
Phone: +91-11-26519154, 26964712
Fax: +91-11-26519159
Email: director.ncert@nic.in

प्रोफेसर दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
Professor Dinesh Prasad Saklani
Director

निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् का संदेश



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (NCERT) की स्थापना भारत में विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु शैक्षिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। परिषद्, विद्यालयी शिक्षा एवं शिक्षक शिक्षा के क्षेत्रों के पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियाँ, मूल्याँकन सहित लगभग सभी पहलुओं में अनुसंधान, विकास और क्षमता निर्माण के उद्देश्यों पर कार्य करती है। परिषद्, विद्यालयी शिक्षा के अंतर्गत मार्गदर्शन, परामर्श तथा कौशल विकास सहित सभी पाठ्यचर्या क्षेत्रों में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। अपनी स्थापना के पश्चात, परिषद् ने वर्षों तक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षक-प्रशिक्षकों, स्कूल प्रशासकों, सेवारत विद्यालयी शिक्षकों और मार्गदर्शन कर्मियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में, परिषद् ने "तमन्ना" नामक एक अभिरुचि परीक्षा भी विकसित की है, जो उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की रुचियों की पहचान में हितधारकों को सहायता प्रदान करती है।

विद्यालयी शिक्षा में कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों को अपने करियर से संबंधित कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लेने होते हैं, जैसे– विषयों का चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा अपनी रुचियों, योग्यताओं और आकांक्षाओं के आधार पर करियर की दिशा निर्धारित करना। ऐसे समय में यदि विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी उपलब्ध हो तो वे अधिक सचेत और उपयुक्त निर्णय ले सकते हैं। इस प्रकार, करियर मार्गदर्शन विद्यार्थियों के भावी जीवन की दिशा निर्धारित करने में एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा यूनिसेफ के 'भारतीय संयुक्त राष्ट्र बाल कोश' के सहयोग से विभिन्न क्षेत्रों में आजीविका के अवसरों की उपलब्धता और उन तक पहुँच के मार्ग को दर्शाने वाली 500 करियर कार्डों से युक्त एक पथ-प्रदर्शिका विकसित की गई है। यह पथ-प्रदर्शिका राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की चौथी वर्षगाँठ के अवसर पर आपके समक्ष प्रस्तुत की जा रही है। मुझे न केवल आशा है बल्कि पूर्ण विश्वास है कि यह पथ-प्रदर्शिका करियर मार्गदर्शन एवं परामर्श के दृष्टिकोण से अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

मैं परामर्शदाताओं, शिक्षकों और शिक्षाविदों से आग्रह करता हूँ कि वे इस पथ-प्रदर्शिका का सक्रिय उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को भविष्य के करियर विकल्पों को समझने और समझाने में सहयोग करें।

मुझे विश्वास है कि विद्यार्थी विभिन्न करियर क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त कर, अपनी शिक्षा एवं करियर विकल्पों का विवेकपूर्ण मूल्यांकन कर, सुनियोजित और सशक्त निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

नई दिल्ली

निदेशक,
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

MESSAGE FROM REPRESENTATIVE UNICEF, INDIA



Choosing a career path is a big step for anyone. Imagine how daunting it can be for an adolescent. Yet, many secondary students often miss out on essential guidance for their educational and professional development. This information is crucial to help them move smoothly from secondary school to higher education and into decent work. Career guidance empowers students to discover their interests, strengths, and passions, paving the way to their dream careers.

UNICEF's initiative to establish 500 career pathways across the country is designed to unlock students' potential. Following the Ministry of Education's guidance, UNICEF India has customized career cards into two volumes. These have been compiled into books in collaboration with PSSCIVE - Bhopal. These resources will be invaluable in helping students make informed decisions about their futures.

The Ministry of Education's push to integrate career guidance and mentoring at secondary and higher secondary levels will further support students in navigating their future paths. Additionally, the Ministry's strategic move to deploy academic resource persons for career counseling at the block level is truly commendable. This initiative aligns perfectly with the goal of building a comprehensive support system that helps students choose their career paths wisely.

UNICEF is delighted to support the Ministry of Education in this crucial endeavor, acting as a guiding light for diverse professional trajectories and advocating for the right fit for each student. We are eager to continue our partnership with the Ministry to ensure the success and impact of this career guidance program.

Ms. Cynthia McCaffrey
Representative
UNICEF India Country Office

करियर कार्ड के बारे में

प्रस्तावना

शिक्षा का उद्देश्य छात्रों के शैक्षिक, व्यावसायिक, व्यक्तिगत, सामाजिक, नैतिक एवं शारीरिक सभी पहलुओं में समग्र विकास को बढ़ावा देना है ताकि उन्हें श्रेष्ठ एवं महत्वपूर्ण नागरिक बनने में सहायता मिल सके। शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु मार्गदर्शन और परामर्श, जीवन के सभी क्षेत्रों में बच्चों के व्यक्तिगत विकास को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं। मार्गदर्शन एवं परामर्श यह सुनिश्चत करते हैं कि समस्त छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए शिक्षा, सार्थक एवं संपूर्ण हो। ये सेवाएँ न केवल छात्रों को स्वयं तथा अन्य लोगों को समझने में सहायता करती हैं, बल्कि उन्हें व्यक्तिगत, सामाजिक, शैक्षणिक एवं करियर से संबंधित चिंताओं को संभालने में भी सहायता करती हैं। वे अध्ययन की प्रभावी आदतें, प्रेरणा विकसित करने, सीखने या विषय से संबंधित मुद्दों की पहचान करने, भविष्य के लिए विद्यालय के वर्षों की प्रासंगिकता को प्रदर्शित करने तथा करियर विकल्पों के लिए आवश्यक कौशल, दृष्टिकोण एवं रुचियों का निर्माण करने में सहायक होते हैं।

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परामर्श के महत्व को विद्यालयी शिक्षा के एक प्रमुख घटक के रूप में रखा गया है। यह विद्यार्थियों के लिए विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में शीघ्र जानकारी देने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। करियर, किसी व्यक्ति के आजीवन सीखने, काम करने, व्यापक प्रशिक्षण एवं नए कौशल प्राप्त करने की यात्रा है। विद्यालयों में करियर काउंसलिंग कम आयु में आरंभ करने के लिए डिजाइन की गई है, जो विद्यार्थियों को उनकी रुचियों, योग्यताओं एवं आकांक्षाओं का पता लगाने और विभिन्न करियर क्षेत्रों तथा अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करने में सहायता करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, प्रत्येक छात्र की व्यक्तिगत आवश्यकताओं, रुचियों एवं क्षमताओं पर विचार करते हुए करियर मार्गदर्शन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की अनुशंसा करती है। करियर संबंधी परामर्श अलग-अलग व्यक्तियों के लिए अलग-अलग होनी चाहिए, जिससे विद्यार्थियों को अपने भविष्य के बारे में समुचित निर्णय करने में सहायता मिल सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 करियर परामर्श सेवाओं को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी और ऑनलाइन संसाधनों के उपयोग को भी प्रोत्साहित करती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, करियर मूल्यांकन उपकरण और ऑनलाइन डेटाबेस, विद्यार्थियों को करियर विकल्पों, महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय प्रवेश, छात्रवृत्ति एवं अन्य प्रासंगिक संसाधनों के बारे में नवीनतम जानकारी प्रदान करते हैं।

स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 के अनुसार, माध्यमिक स्तर पर प्रयोगात्मक अनुप्रयोगों पर बल दिया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को व्यवसाय की भूमिका के बारे में गहरी समझ विकसित करने की आवश्यकता होती है। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन एवं परामर्श, उनकी क्षमताओं को पहचानने, समझने और उनका सामना करने के कौशल में सुधार करने, निर्णय लेने में सुधार करने, उत्तम संबंधों को बढ़ावा देने और जीवन की चुनौतियों के अनुकूल एवं आत्म-निर्देशित बनने में सहायता करते हैं।

करियर कार्ड के बारे में

इस प्रदर्शिका में सम्मिलित करियर कार्ड विभिन्न सेवाओं (नौकरियों) के प्रति व्यापक सूचनाएँ प्रदान करते हैं, जिसमें आवश्यक व्यक्तित्व लक्षणों एवं उपलब्ध संभावित छात्रवृत्तियों के साथ-साथ ऋण प्रावधानों एवं अपेक्षित आय के विवरण पर भी प्रकाश डाला गया है। ये करियर कार्ड, प्रत्येक करियर के लिए आवश्यक शैक्षिक मार्गों की रूपरेखा बताते हैं। क्षेत्र या उद्योग में विशिष्ट कार्य वातावरण एवं अपेक्षित प्रोन्नतियों का भी वर्णन करते हैं। इसके अतिरिक्त ये करियर कार्ड इस बारे में जानकारी देते हैं कि कहाँ और किन संस्थानों में अध्ययन करना है तथा संबंधित क्षेत्र में सफल लोगों के उदाहरण या केस अध्ययन दिए गए हैं, जो प्रत्येक करियर विकल्प का समग्र दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

करियर कार्ड का उपयोग

करियर पथ प्रदर्शिका में दिए गए करियर कार्ड शिक्षकों, परामर्शदाताओं एवं विद्यार्थियों के लिए विभिन्न करियर विकल्पों का पता लगाने और समझने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकते हैं। प्रभावी उपयोग के लिए यहाँ कुछ दिशा-निर्देश दिए गए हैं—

शिक्षकों/परामर्शदाताओं के लिए

नौकरी का विवरण, आवश्यक कौशल, शिक्षा मार्ग और संभावित करियर विकास सहित प्रत्येक करियर कार्ड की सामग्री को समझें।

- करियर कार्ड का उपयोग करने के उद्देश्यों को परिभाषित करें, जैसे कि करियर अन्वेषण, कौशल पहचान या संभावित करियर के साथ रुचियों को संरेखित करना इत्यादि।
- विद्यार्थियों को करियर कार्डों का प्रयोजन बताएँ कि किस प्रकार विभिन्न करियर विकल्पों का पता करने के लिए उनका प्रयोग किया जा सकता है।
- सामूहिक चर्चा, भूमिका-निर्वहन या करियर दिवस आयोजनों जैसी वार्ता गतिविधियों में करियर कार्ड सम्मिलित करें।
- ऐसी गतिविधियाँ तैयार करें, जिनमें विद्यार्थी कार्ड बना सकें करियर पर शोध कर सकें और कक्षा में अपनें निष्कर्ष बता सकें।
- विद्यार्थियों को इसके लिए प्रोत्साहित करें कि उन्होंने करियर के बारें में क्या सीखा उनकी रुचियों तथा कौशल के बारें में बताएँ
- **करियर मैपिंग**– विद्यार्थी अपने स्तर से विभिन्न करियर विकल्पों वाले करियर मैप बना सकते हैं।
- **रोल प्ले**– विद्यार्थी करियर कार्ड से उन्हें सौंपे गए व्यवसाय के अनुरूप वास्तविक जीवन में एक दिन की भूमिका निभाते हैं, जिससे उन्हें करियर के दायित्वों एवं चुनौतियों को समझने में सहायता मिलती है।
- **करियर मेला**– एक करियर मेला आयोजित करें, जहाँ विद्यार्थी पोस्टर, प्रस्तुतियाँ या इंटरैक्टिव डिस्प्ले का उपयोग करके अपने द्वारा शोध किए गए करियर को प्रस्तुत करते हैं।
- **सहकर्मी चर्चाएँ**– विद्यार्थी के लिए समूह चर्चाएँ आयोजित करें ताकि वे विभिन्न क्षेत्रों में करियर के बारे में अपनी सीख साझा कर सकें और समानताओं और अंतरों पर चर्चा कर सकें।
- **कौशल और रुचियों का मिलान**– विद्यार्थी को कार्ड पर दर्शाए गए करियर के साथ अपने कौशल और रुचियों का मिलान करवाएँ।
- **व्यावसायिक बातचीत**– विद्यार्थियों से बात करने के लिए कार्ड पर दर्शाए गए करियर से पेशेवरों को आमंत्रित करें।
- **अतिरिक्त संसाधन**– विद्यार्थियों को रुचि के करियर, जैसे– वेबसाइट, किताबें या सामुदायिक कार्यक्रम तलाशने के लिए और संसाधन प्रदान करें।

विद्यार्थियों के लिए

करियर कार्ड से जानकारी का उपयोग अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक शैक्षिक और करियर लक्ष्य निर्धारित करने के लिए करें। नौकरी के विवरण, आवश्यक शिक्षा, सामान्य दिन-प्रतिदिन के दायित्वों एवं दीर्घकालिक करियर संभावनाओं पर ध्यान दें।

- करियर कार्ड से जुड़ी चर्चाओं और गतिविधियों में सक्रिय रहें।
- करियर के उन पक्षों के बारे में पूछताछ करें, जो आपको रोचक लगते हैं या अस्पष्ट लगते हैं।
- व्यापक समझ प्राप्त करने के लिए करियर कार्ड से प्राप्त जानकारी को अन्य विश्वसनीय स्रोतों के साथ क्रॉस-रेफरेंस करें।
- सोचें कि कौन-से करियर आपकी रुचियों, कौशलों एवं मूल्यों के साथ प्रतिध्वनित होते हैं।
- करियर के लिए उन आवश्यक कौशलों को पहचानें, जिनमें आपकी रुचि है और शिक्षा या पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से उन कौशलों को विकसित करने की योजना बनाएँ।
- अपने करियर की रुचियों को आगे बढ़ाने के तरीके के बारे में सलाह के लिए शिक्षकों, परामर्शदाताओं या सलाहकारों से पूछने में संकोच न करें।

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता और अखंडता**] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित।

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प.), करियर कार्ड वाली 500 करियर पथ प्रर्दशिका के विकास एवं प्रकाशन में विभिन्न व्यक्तियों एवं संस्थाओं से प्राप्त मार्गदर्शन, सहायता एवं योगदान के प्रति आभार व्यक्त करती है। परिषद्, इस पहल में निरंतर प्रोत्साहन एवं सहायता हेतु विद्यालयी शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करती है।

परिषद्, इस पथ प्रदर्शिका के विकास में विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की की *संयुक्त सचिव* प्राची पांडे को दूरदर्शी नेतृत्व एवं प्रेरणा हेतु विशेष धन्यवाद देती है। इस प्रदर्शिका के निर्माण में सतत सहयोग एवं समन्वय हेतु विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के *वरिष्ठ सलाहकार* (व्यावसायिक शिक्षा) समीर डेनियल को भी धन्यवाद देती है।

परिषद्, दीपक पालीवाल, *संयुक्त निदेशक* और विनय स्वरूप मेहरोत्रा, *प्रोफेसर* और *प्रमुख*, पाठ्यक्रम विकास एवं मूल्यांकन केंद्र, पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, रा.शै.अ.प्र.प., भोपाल द्वारा प्रदान किए गए शैक्षणिक नेतृत्व एवं संस्थागत सहयोग की भूरि-भूरि प्रशंसा करती है।

परिषद्, यूनिसेफ इंडिया की भागीदारी एवं योगदान के प्रति भी आभारी हैं। परिषद्, इस पुस्तिका को आकार देने में बहुमूल्य इनपुट, विशेषज्ञता एवं सहयोग हेतु सईम महमूद, *शिक्षा विशेषज्ञ* (एडटेक); प्रमिला मनोहरन, *शिक्षा विशेषज्ञ*; दीप्ति मधुरा, *शिक्षा सलाहकार*; तथा ऋषिकेश नागूरकर, *शिक्षा सलाहकार* (एडटेक) को भी हार्दिक धन्यवाद देती है, जिनके सामूहिक प्रयासों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और हितधारकों को समय पर, सुलभ एवं आकर्षक करियर की जानकारी देने हेतु 500 करियर कार्ड्स वाली इस पथ प्रदर्शिका की गुणवत्ता एवं प्रासंगिकता को महत्वपूर्ण रूप से समृद्ध किया है ।

परिषद्, इस प्रदर्शिका को अंतिम रूप देने में किए गए सहयोग हेतु *अध्यक्ष*, प्रकाशन प्रभाग एवं सभी सदस्यों के प्रति भी आभारी है। परिषद्, इस प्रदर्शिका के लेआउट तथा प्रारूपण हेतु अजय कुमार प्रजापति, रानी और संजू शर्मा *डी.टी.पी. ऑपरेटर* (संविदा) और सुरेन्द्र कुमार, *प्रभारी डी.टी.पी. प्रकोष्ठ* के प्रति आभार ज्ञापित करती है।

परिषद्, इस प्रदर्शिका की प्रूफरीडिंग हेतु प्रियंका, मुंशी रजा, *प्रूफरीडर* (संविदा) तथा भाषा संपादन हेतु अतुल कुमार गुप्ता, *सहायक संपादक* (संविदा) एवं जगन्नाथ प्रसाद मैठाणी, *सलाहकार संपादक* (संविदा) के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित करती है।

भारत का संविधान

भाग – 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य– भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह—

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे।

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे।

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे।

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे।

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें, जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे, जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों।

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवाशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे।

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखें।

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे।

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे।

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके; और

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

विषय सूची

करियर कार्ड के बारे में *xiii*

करियर कार्ड का उपयोग *xiv*

अभियांत्रिकी

एयरोनॉटिकल इंजीनियर 449

ऑटोमोबाइल इंजीनियर 451

जैवसूचना विज्ञान अभियंता 453

जैवचिकित्सा अभियंता 455

जैव प्रौद्योगिकी अभियंता 457

प्रसारण अभियंता 459

कालीनों के लिए कैड डिजाइनर 461

कैड आभूषण डिजाइनर 463

सिरेमिक टेक्नोलॉजिस्ट/इंजीनियर 465

रसायन अभियंता 467

सिविल इंजीनियर/स्ट्रक्चरल इंजीनियर 469

कोरोजन इंजीनियर 471

डिजाइन इंजीनियर 473

डेवलपमेंट ऑपरेशंस इंजीनियर 475

इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर 477

इलेक्ट्रॉनिक डिजाइनर/वी.एल.एस.आई./एम्बेडेड सिस्टम डिजाइनर 479

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियंता 481

पर्यावरण अभियंता 483

अग्नि और सुरक्षा अभियंता 485

खाद्य अभियंता 487

फुटवियर डिजाइनर 489

फॉरेंसिक इंजीनियर 491

भू-सूचना विज्ञान अभियंता 493

ग्राफिक डिजाइनर 495

इंडस्ट्रियल डिजाइनर 497

औद्योगिक अभियंता 499

इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियर 501

मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर 503

मरीन इंजीनियर 505

मैकेनिकल इंजीनियर 507

मेटलर्जी इंजीनियर 509
खनन अभियंता 511
नैनो टेक्नोलॉजी/नैनोसाइंस इंजीनियर 513
ऑप्टिकल इंजीनियर 515
पेट्रोलियम इंजीनियर 517
फार्मास्युटिकल इंजीनियर 519
प्रिंटिंग इंजीनियर/टेक्नोलॉजिस्ट 521
प्रक्रिया अभियंता 523
उत्पाद डिजाइनर 525
गुणवत्ता आश्वासन अभियंता 527
रेलवे अभियंता 529
रोबोटिक्स इंजीनियर 531
विक्रय अभियंता 533
स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और ऑटोमेशन इंजीनियरिंग 535
साउंड इंजीनियर 537
टेक्सटाइल इंजीनियर 539
टूल इंजीनियर 541
जल संसाधन अभियंता 543

राजकीय सेवाएँ

अग्निवीर 547
सीमा सुरक्षा बल 549
सी.आई.एस.एफ. अधिकारी 551
तटरक्षक 553
सी.आर.पी.एफ. अधिकारी 555
सीमा शुल्क अधिकारी 557
एफ.एस.एस.ए.आई. अधिकारी 559
ग्रामीण डाक सेवक 561
भारतीय प्रशासनिक सेवा 563
भारतीय वायु सेना अधिकारी 565
भारतीय थल सेना अधिकारी 567
भारतीय विदेश सेवा 569
भारतीय वन सेवा 571
भारतीय होमगार्ड 573
भारतीय नौसेना अधिकारी 575
भारतीय पुलिस सेवा 577
भारतीय रेलवे लेखा सेवा 579

भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा 581
भारतीय रेलवे विद्युत अभियंता सेवा 583
भारतीय रेलवे अभियंता सेवा 585
भारतीय रेलवे यांत्रिक अभियंता सेवा 587
भारतीय रेलवे सेवा सिग्नल अभियंता 589
भारतीय रेलवे भंडार सेवा 591
भारतीय रेलवे यातायात सेवा 593
भारतीय राजस्व सेवा 595
आयकर निरीक्षक 597
आई.टी.बी.पी. अधिकारी 599
लोको पायलट 601
मर्चेंट नेवी 603
पुलिस आरक्षक 605
रेलवे सुरक्षा बल 607
सशस्त्र सीमा बल अधिकारी 609
पुलिस उप-निरीक्षक 611

सूचना एवं प्रौद्योगिकी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंजीनियर 615
ऑगमेंटेड रियलिटी इंजीनियर 617
बिग डेटा विश्लेषक 619
ब्लॉकचेन डेवलपर 621
क्लाउड इंजीनियर 623
कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर 625
कंप्यूटर नेटवर्क वास्तुकार 627
कम्प्यूटर साइंस इंजीनियर 629
संगणक वैज्ञानिक 631
साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ 633
डाटा वैज्ञानिक 635
डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर 637
फुल स्टैक डेवलपर 639
गेम डिजाइनर और डेवलपर 641
हेल्पडेस्क विश्लेषक 643
सूचना प्रौद्योगिकी इंजीनियर 645
इंटरनेट ऑफ थिंग्स सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट 647
नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर 649
प्रोग्रामर/कोडर/सॉफ्टवेयर इंजीनियर 651
एस.ई.ओ. प्रबंधक 653

सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन पैकेजर 655
सिस्टम एनालिस्ट 657
यूजर एक्सपीरियंस डिजाइनर 659
वर्चुअल रियलिटी इंजीनियर 661
वेब एनालिस्ट 663
वेब डिजाइनर 665

प्रबंधन

सहायक खान-पान प्रबंधक 669
बी.पी.ओ. कार्यकारी 671
कार्यक्रम प्रबंधक 673
मानव संसाधन प्रबंधक 675
इन्वेंटरी प्रबंधक 677
नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग एग्जीक्यूटिव 679
क्रय एवं सामग्री प्रबंधक 681
खुदरा प्रबंधक 683
ग्रामीण विकास प्रबंधक/विशेषज्ञ 685
बिक्री एवं विपणन प्रबंधक 687
खेल एजेंट/प्रबंधक 689
खेल उपकरण प्रबंधक 691

संचालन, रसद एवं आतिथ्य

एयर होस्टेस/परिचारक 695
हवाई यातायात नियंत्रक 697
एयरक्राफ्ट पायलट 699
एयरलाइन कार्गो असिस्टेंट 701
वायुयान ग्राहक सेवा कार्यकारी 703
एयरलाइन ग्राउंड सपोर्ट इक्विपमेंट ऑपरेटर 705
नीलामकर्ता 707
बारटेंडर/मिक्सोलॉजिस्ट 709
बुलडोजर ऑपरेटर 711
कोल्ड चेन प्रक्रिया प्रबंधक विशेषज्ञ 713
व्यावसायिक वाहन चालक 715
कन्वेयर संचालन और रख-रखाव तकनीशियन 717
वितरण प्रबंधक 719
खाद्य और पेय प्रबंधक 721
फ्रंट ऑफिस एसोसिएट 723
रसद विश्लेषक 725

रसद प्रबंधक 727
मल्टी-टास्किंग स्टाफ 729
नेचर गाइड 731
कार्यालय प्रशासक 733
संचालन प्रबंधक 735
पैकेज डाइंग मशीन ऑपरेटर 737
बंदरगाह परिचालन प्रबंधक 739
सचिव/निजी सहायक 741
वाइन परिचारक 743
आपूर्ति शृंखला प्रबंधक 745
टूर गाइड 747
टूर ऑपरेटर 749
परिवहन प्रबंधक 751
यात्रा सलाहकार 753
शहरी योजनाकार 755

सार्वजनिक नीति, कानून एवं सुरक्षा

पंच 759
कॉर्पोरेट कानूनी सलाहकार/अनुपालन अधिकारी 761
जासूस 763
अग्निशामक 765
मानवाधिकार वकील 767
अंतर्राष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ 769
न्यायाधीश 771
वकील/विधि अधिकारी/अधिवक्ता 773
चिकित्सक कानूनी सलाहकार 775
पेटेंट वकील 777
चुनाव विश्लेषक 779
सार्वजनिक नीति सलाहकार 781
सामाजिक कार्यकर्ता 783
खेल वकील 785
नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड 787

अनुसंधान एवं विकास

मानव विज्ञानी 791
पुरातत्ववेत्ता 793
खगोल भौतिकीविद् 795
वनस्पतिशास्त्री 797

बाल विकास विशेषज्ञ 799
अपराध विज्ञानी 801
संग्रहाध्यक्ष 803
कोशिका विज्ञानी/कोशिका प्रौद्योगिकीविद् 805
डेटा संग्रहकर्ता या क्षेत्र सर्वेक्षण प्रगणक 807
जनसांख्यिकीविद् 809
परिस्थितिकी विज्ञानी 811
अर्थशास्त्री 813
अभियांत्रिकी भौतिक विज्ञानी 815
अंग्रेजी साहित्य विद्वान 817
पुरालेखवेत्ता 819
फोरेंसिक वैज्ञानिक 821
आनुवंशिक अभियंता 823
भूगोलवेत्ता 825
भूविज्ञानी 827
इतिहासकार 829
गणितज्ञ 831
मौसम विज्ञानी 833
संग्रहालय विज्ञानी 835
नैनो वैज्ञानिक 837
जीवाश्म विज्ञानी 839
भौतिक विज्ञानी 841
राजनीति वैज्ञानिक 843
वैज्ञानिक सहायक 845
भूकंप विज्ञानी 847
समाजशास्त्री 849
अंतरिक्ष वैज्ञानिक 851
सांख्यिकीविद् 853
विष विज्ञानी 855
विषाणु विज्ञानी 857
प्राणी विज्ञानी 859

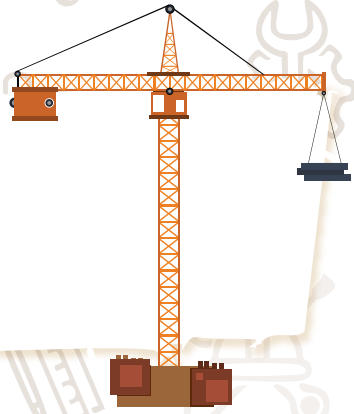
तकनीकी एवं व्यापार कौशल

एप्लीक आर्टिसन 863
सहायक सौंदर्य चिकित्सक 865
सहायक बढ़ई (लकड़ी का फर्नीचर) 867
असिस्टेंट फाल्स सीलिंग और ड्राईवॉल इंस्टॉलर 869

असिस्टेंट फिटर (लेवलिंग, अलाइनमेंट और बैलेंसिंग)	871
असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट	873
सहायक सर्वेक्षक	875
ऑटो सर्विस तकनीशियन	877
ऑटो/ई-रिक्शा चालक एवं तकनीशियन	879
ऑटोमोटिव इलेक्ट्रीशियन	881
बाँस की चटाई बुनकर	883
बाँस उपयोगी उत्पाद टेलर	885
केक आर्टिस्ट	887
शिविर सहायक	889
सी.सी.टी.वी. इंस्टॉलेशन तकनीशियन	891
शेफ	893
बाल देखभालकर्ता (गैर-नैदानिक)	895
चॉकलेटियर	897
सी.एन.सी. ऑपरेटर (टर्निंग)	899
कॉफी टेस्टर/बरिस्ता/क्यू ग्रेडर	901
निर्माण-चित्रकार और सज्जाकार	903
क्रोशिया लेस मेकर-फर्निशिंग	905
डोर्स एंड विंडोज फिक्सर	907
ड्राफ्ट्समैन	909
डी.टी.एच. सेट टॉप बॉक्स इंस्टॉलेशन और सर्विस तकनीशियन	911
इलेक्ट्रिक वाहन संयोजन तकनीशियन	913
इलेक्ट्रीशियन (सामान्य)	915
ई-कचरा संग्रहकर्ता	917
फील्ड तकनीशियन (अन्य घरेलू उपकरण)	919
फिटर (इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक असेंबली)	921
फिटर (फेब्रिकेशन)	923
फिटर (मैकेनिकल असेंबली)	925
फिटर (प्रोसेसिंग)	927
खाद्य एवं पेय सेवा प्रबंधक	929
जनरल हाउसकीपर	931
हेल्पर (बढ़ई)	933
हेल्पर फेब्रिकेशन	935
होम डिलीवरी बॉय	937
होम कुक	939
हाउसकीपिंग अटेंडेंट (मैनुअल क्लीनिंग)	941
औद्योगिक उत्पादन कार्यकर्ता (खाद्य प्रसंस्करण)	943

इंस्टॉलर – फ्रेमलेस ग्लास डोर्स/विंडोज 945
जूट हथकरघा बुनकर 947
रसोईघर प्रबंधक 949
लैपिडारिस्ट 951
चमड़ा तकनीशियन 953
लाइट मोटर व्हीकल ड्राइवर 955
राजमिस्त्री (सामान्य) 957
राजमिस्त्री (पत्थर) 959
राजमिस्त्री (टाइलिंग) 961
मास्टर हैंड एम्ब्रॉयडर (हैंड क्राफ्टेड टेक्सटाइल्स) 963
मैकेनिकल फिटर 965
मल्टी-स्किल टेक्नीशियन (इलेक्ट्रिकल) 967
मल्टी-स्किल टेक्नीशियन (फूड प्रोसेसिंग) 969
तेल प्रौद्योगिकीविद् 971
बोरिंग मशीन ऑपरेटर 973
पेस्ट्री शेफ 975
प्लंबर 977
रेफ्रिजरेशन तकनीशियन 979
खुदरा कोषपाल 981
रिटेल स्टोर ऑपरेशन असिस्टेंट 983
रूम अटेंडेंट 985
रबर प्रौद्योगिकीविद् 987
स्व-नियोजित ई-टेलर 989
सिलाई मशीन संचालक 991
शोरूम होस्टेस/परिचारक 993
स्मार्टफोन रिपेयर तकनीशियन 995
सोलर एवं एल.ई.डी. तकनीशियन 997
स्पा थेरेपिस्ट 999
स्टोन कटर (कटिंग मशीन ऑपरेटर) – स्टोन क्राफ्ट 1001
स्टोर कीपर (कंस्ट्रक्शन) 1003
स्ट्रिंगिंग/बीडिंग आर्टिस्ट (फैशन ज्वेलरी) 1005
शर्करा प्रौद्योगिकीविद् 1007
टी टेस्टर 1009
टूर ऑपरेटर 1011
टावर तकनीशियन 1013
प्रशिक्षु शेफ/सहायक रसोइया 1015
अपशिष्ट संग्रहकर्ता 1017
वुड पालिशर 1019

अभियांत्रिकी



एयरोनॉटिकल इंजीनियर

एयरोनॉटिकल इंजीनियर का कार्य सुरक्षित रूप से फ्यूल एफिशिएंट मशीनों को डिजाइन और विकसित करना होता है, जो कि स्पेस में उड़ान भर सकें। इनमें हवाई जहाज, हेलीकाप्टर, सैटेलाइट, मिसाइल, ड्रोन और स्पेसक्राफ्ट सम्मिलित होते हैं। हवाई जहाजों का निरीक्षण और उन्हें उड़ने लायक होने की अनुमति देना भी एयरोनॉटिकल इंजीनियर का ही उत्तरदायित्व होता है।



व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं का डिजाइन और निर्माण करना पसंद हो।
- आपको वस्तुओं की कार्यप्रणाली जानना पसंद हो और आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आपको चीजें सही क्रम से रखना और समस्याओं का विश्लेषण करना पसंद हो।
- ड्राइंग बनाने में आपकी रुचि हो।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को एक स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले छात्रों, महिलाओं और उत्तर पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **6,000–1,33,333*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. एयरोनॉटिकल या एरोस्पेस अभियांत्रिकी (बी.टेक./बी.ई.) में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

एरोस्पेस/एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग के लिए आपको राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा (जे.ई.ई. मेन्स, जे.ई.ई. एडवांस्ड आदि) या ए.एम.ई. सी.ई.टी. में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

एरोनॉटिकल/एरोस्पेस इंजीनियर की आय ₹ **18,750–1,51,250*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.amecet.in/aeronautical-engineering-salary-in-india.php

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— एयरोनॉटिकल या एयरोस्पेस इंजीनियर भारतीय वायु सेना, रक्षा मंत्रालय, एयरलाइंस उद्योग, विमानन कंपनियों या अनुसंधान एजेंसियों में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— ये एक पूर्णकालिक कार्य होता है। कार्य करने का समय सप्ताह में 40 घंटे तक का हो सकता है। सप्ताह में 7 दिन 24 घंटे काम करने वाले संस्थानों में ओवरटाइम भी सामान्य बात है। आप या तो ऑफिस में काम कर सकते हैं या उन इकाइयों में जहाँ उपकरणों को डिजाइन और संग्रहीत किया जाता है, आप वहाँ परीक्षण का कार्य कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

स्नातक ट्रेनी इंजीनियर → एयरक्राफ्ट इंजीनियर/हवाई सुरक्षा अधिकारी → वरिष्ठ इंजीनियर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम एयरोनॉटिकल या एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, असम
4. भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम, तमिलनाडु
5. इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
6. जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
7. राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान
8. पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. एम.आई.टी. मणिपाल, कर्नाटक
2. दयानंद सागर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. सत्यभामा विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, सत्यभामा विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु
4. कुमारगुरु कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयम्बटूर, तमिलनाडु
5. डॉ. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. निट्टे मीनाक्षी प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बन्नारी अम्मन प्रौद्योगिकी संस्थान, बन्नारी, तमिलनाडु
8. मद्रास प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)





कार्य क्षेत्र से उदाहरण

कल्पना चावला, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में वैमानिकी इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला थीं। पीएच.डी. करने के बाद वे नासा से जुड़ गईं और वर्ष 1997 में अपना पहला अंतरिक्ष मिशन आरंभ करने के बाद उनका करियर और जीवन एक स्वर्णिम इतिहास है। वह इस क्षेत्र के सभी लोगों के लिए एक प्रेरणा हैं।*

स्रोत— https://www.thomasnet.com/insights/famous-aerospace-engineers/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

ऑटोमोबाइल इंजीनियर

ऑटोमोबाइल इंजीनियर, ऑटोमोबाइल जैसे– कार, ट्रक, मोटरसाइकिल, स्कूटर आदि और संबंधित उप इंजीनियरिंग सिस्टम की डिजाइनिंग, विकास, निर्माण, परीक्षण, मरम्मत और सर्विसिंग से संबंधित कार्य करते हैं। ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग का एक प्रारूप है और इंजीनियरिंग के विभिन्न पहलुओं की विशेषताओं का उपयोग करती है, जैसे– मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक, सॉफ्टवेयर और सुरक्षा इंजीनियरिंग।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी सोच विश्लेषणात्मक हो।
- आपको समस्याएँ सुलझाना पसंद हो।
- आपकी डिजाइन करने में रुचि हो।
- आपके पास अनुकूलन क्षमता हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन— तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएँ प्रदान करता है। इनमें प्रगति छात्रवृत्ति, लड़कियों के लिए और सक्षम छात्रवृत्ति, दिव्यांग लड़कों के लिए है। हालाँकि यह विशेष रूप से ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के लिए नहीं है, लेकिन इस क्षेत्र के पात्र विद्यार्थी इन छात्रवृत्तियों के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना— यह छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **2,00,000–5,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में बी.टेक./बी.ई करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पूरा करें। स्नातक (यू.जी.) पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय/राज्य/विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षाओं, जैसे– जे.ई.ई. मेन, जे.ई.ई. एडवांस्ड, बी.आई.टी.एस.ए.टी., एम.एच.टी. सी.ई.टी. आदि में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

ऑटोमोबाइल इंजीनियर की आय ₹ **16,333–2,00,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/automobile-engineer-salary-SRCH_KO0,19.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग उद्योग, उत्पादन संयंत्रों, सर्विस स्टेशनों, बीमा कंपनियों, परिवहन निगमों, वाहन डिजाइन कंपनियों, मोटरस्पोर्ट कंपनियों, ईंधन कंपनियों, अनुसंधान प्रयोगशालाएँ।

कार्य वातावरण— आप अधिकांशतः किसी कार्यालय में काम करेंगे; हालाँकि, आपको किसी विशिष्ट घटक के उत्पादन की देख-रेख के लिए निर्माण स्थलों और असेंबली लाइनों का दौरा करना पड़ सकता है। आपके कार्य के आधार पर कार्य समय में बदलाव हो सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

ऑटोमोबाइल इंजीनियर → प्रोजेक्ट इंजीनियर → सीनियर ऑटोमोबाइल इंजीनियर

अथवा

ऑटोमोबाइल इंजीनियर → प्रोडक्ट इंजीनियर → प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग मैनेजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम ऑटोमोबाइल/ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बार्टन हिल, तिरुवनंतपुरम, केरल
2. लालभाई दलपतभाई कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद, गुजरात
3. वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, मुंबई, महाराष्ट्र
4. जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
6. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पटना, बिहार
7. राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश
8. गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड रिसर्च, पुणे, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
2. एस.आर.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कट्टनकुलथुर, तमिलनाडु
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. पी.एस.जी. टेक, कोयंबटूर, तमिलनाडु
5. प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर, पंजाब
7. पी.जी.पी. पॉलीटेक्निक कॉलेज, नमक्कल, तमिलनाडु
8. के.ई. सोसाइटीज राजारामबापू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, उराँ इस्लामपुर, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

पूनम सिंह, देश की पहली महिला हैं, जिन्होंने सरकार द्वारा संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.) से ऑटोमोबाइल मैकेनिक कोर्स किया तथा उसके बाद अप्रेंटिसशिप पूर्ण की। ऑटोमोबाइल मैकेनिक कोर्स तथा अप्रेंटिसशिप पूरा करने के लिए उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। मारुति सुजुकी मान सर्विस सेंटर, मेरठ में एक पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त थीं, उनके कार्यों में प्रत्येक कार का आकलन करना, यह सुनिश्चित करना कि इसकी ठीक से सर्विस की जा रही है और ग्राहकों के प्रश्नों का उत्तर देना सम्मिलित था।*

स्रोत— https://www.motoroids.com/news/meet-poonam-singh-indias-first-iti-certified-lady-car-mechanic-and-presidents-medal-winner/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

जैवसूचना विज्ञान अभियंता

जैवसूचना विज्ञान अभियंता का कार्य डी.एन.ए. जैसे अणुओं पर केंद्रित होता है। यह कंप्यूटर विज्ञान, जीवविज्ञान और इनके डेटा को जोड़ते हैं, ताकि अनुवांशिक जानकारी के साथ विशेषज्ञों को समाधान प्रदान किया जा सके। इन इंजीनियरों के पास अनुवांशिक, प्रयोगशाला तकनीकों एवं अनुसंधान प्रोटोकॉल में विशेषज्ञता होती है, यह इंजीनियर जैविक डेटा का विश्लेषण करने के लिए जैव सूचना विज्ञान पद्धति का उपयोग करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान एवं गणित विषय में रुचि हो।
- आप प्रयोग करना पसंद करते हों।
- आप कंप्यूटर पर कुशलता के साथ काम कर सकते हों।
- आपके पास तर्कशीलता का कौशल हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 40,000–3,25,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. जैवसूचना अभियांत्रिकी में स्नातक (बी.टेक./बी.ई./बी.एससी.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक/एम.ई./एम.एससी.) करें।

अथवा

बायोइंफॉर्मेटिक्स में डिप्लोमा करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई. मेन, जे.ई.ई. एडवांस्ड आदि), राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. आदि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. आदि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

जैवसूचना विज्ञान अभियंता की आय
₹ 10,200–83,334* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Bioinformatician/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप शैक्षणिक क्षेत्र में शोधकर्ताओं और विश्वविद्यालयों के अलावा दवा कंपनियों के साथ भी काम कर सकते हैं।

वातावरण— सामान्यतः कंपनियाँ सप्ताह में 5 से 6 दिन और रोजाना 8 से 9 घंटे काम करती हैं। यह समय अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकता है साथ ही पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जैवसूचना विज्ञान अनुसंधान प्रशिक्षु → जैवसूचना विज्ञान इंजीनियर → जैवसूचना विज्ञान अनुसंधान लीड → वरिष्ठ जैवसूचना विज्ञान अभियंता → जैवसूचना विज्ञान प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम जैवसूचना विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. बक्सी जगबंधु विद्याधर स्वायत्त महाविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा
2. गवर्नमेंट होलकर साइंस कॉलेज, इंदौर, मध्य प्रदेश
3. पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स सेक्टर 42, चंडीगढ़
4. जमाल मोहम्मद कॉलेज, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
5. कृषि महाविद्यालय और अनुसंधान संस्थान, तंजावुर, तमिलनाडु
6. मद्रास वेटरनरी कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
7. शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
8. आंध्र यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. डॉ. डी.वाई. पाटिल आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
2. श्री कृष्णा आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोयम्बटूर, तमिलनाडु
3. सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र
4. अनवारुल उलूम कॉलेज, हैदराबाद, तेलंगाना
5. स्टेला मैरिस कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
6. सेंट अलॉयसियस कॉलेज स्वायत्त, मंगलुरु, कर्नाटक
7. यूनियन क्रिश्चियन कॉलेज, अलुवा, केरल
8. गुरु नानक खालसा कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



जैवचिकित्सा अभियंता

जैवचिकित्सा अभियंता, चिकित्सा उद्योग के लिए नवाचार और डिजाइन के माध्यम से तकनीकी समाधानों के लिए काम करते हैं। ये हेल्थ केयर में उपयोग किए जाने वाले कृत्रिम अंगों, उपकरणों, सॉफ्टवेयर और अन्य उपकरणों को डिजाइन करने और बनाने से जुड़े काम करते हैं। बायोमेडिकल इंजीनियर रोगी की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार और उसे प्रभावी बनाने के साथ ही चिकित्सा उद्योग की कार्यक्षमता उन्नयन के लिए भी यह कार्य करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप एक समूह में काम करना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- विज्ञान और गणित में आपकी रुचि हो।
- आप समस्याओं को हल करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना: यह छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 25,000–2,00,000 प्रति वर्ष के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी में बी.टेक./बी.ई./बी.एससी. करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक.) करें।

प्रवेश के लिए, आपको जे.ई.ई. मेन में उत्तीर्ण होना आवश्यक है और आई.आई.टी. में प्रवेश के लिए इसके बाद जे.ई.ई. एडवांस्ड में भी उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अन्य प्रवेश परीक्षाएँ भी दी जा सकती हैं, जैसे जी.ए.टी.ई./बी.आई.टी.एस.ए.टी. आदि।

कृपया नामांकन के दौरान कोर्स अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

जैवचिकित्सा अभियंता की आय **₹ 16,000–80,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Biomedical_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— अस्पताल, क्लीनिक, अनुसंधान संस्थान, चिकित्सा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में आपको प्रतिदिन 8 घंटे या इससे अधिक भी काम करना पड़ सकता है। आप सामान्यतः टीम के एक हिस्से के रूप में काम करेंगे और अन्य क्षेत्रों में विशेषज्ञों के साथ सहयोग और संवाद करने की अपेक्षा कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

फील्ड सर्विस तकनीशियन → अभियंता/सेवा प्रबंधक → प्रोजेक्ट इंजीनियर → प्रोजेक्ट अभियंता प्रबंधक/ प्रोडक्ट डेवलपमेंट प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम अभियांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, तमिलनाडु
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
4. बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश
5. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे, महाराष्ट्र
6. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़
7. भारतीय इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, शिबपुर, पश्चिम बंगाल
8. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई. सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
2. इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
3. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
4. सत्यभामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
5. करुणा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
6. एमिटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, हरियाणा
7. एस.आर.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कल्लंकुथुर, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

निकोलस डिफ्रैंको एक जैवचिकित्सा अभियंता हैं, जो ओहायो में लुब्रीजोल लाइफ साइंसेज में एक एप्लीकेशन वैज्ञानिक के रूप में काम कर रहे हैं। निकोलस के मुताबिक उन्हें चिकित्सा क्षेत्र में रुचि थी, लेकिन विज्ञान और प्रौद्योगिकी की ओर भी उनका रुझान था। जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी ने मुझे लोगों की सहायता करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और बीमारियों का अधिक प्रभावी ढंग से इलाज करने और दुनिया को बेहतर बनाने में सहायता की।*

स्रोत— https://www.linkedin.com/in/nicholasdifranco/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

जैव प्रौद्योगिकी अभियंता

जैव प्रौद्योगिकी (बायो टेक्नोलॉजी) अभियंता, मानव जीवन में सुधार के लिए जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, अभियांत्रिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग से उपकरण और उत्पाद विकसित करते हैं। ये बीमारियों से लड़ने, पर्यावरण की रक्षा करने और स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग करने में सहायता करने का काम करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान और गणितीय कार्यों में रुचि हो।
- आप एक समूह में काम करना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप समस्याओं को हल करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- डी.बी.टी. बायोटेक्नोलॉजी एलिजिबिलिटी टेस्ट— यह परीक्षा भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित की जाती है। इसका उद्देश्य जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान के क्षेत्र में जूनियर रिसर्च फेलोशिप प्रदान करने के लिए योग्य उम्मीदवारों का चयन करना है। सफल उम्मीदवारों को रुपये 25,000 प्रतिमाह का मध्येतावृत्ति, साथ ही नियमानुसार हाउस रेंट अलाउंस और रुपये 30,000 की वार्षिक आकस्मिक राशि दी जाती है। प्रदर्शन संतोषजनक होने पर फेलोशिप की अवधि अधिकतम पाँच वर्ष है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,112–9,32,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. जैव प्रौद्योगिकी में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

अथवा

अनुभव के लिए इस क्षेत्र से संबंधित एक ऑनलाइन कोर्स करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

जैव प्रौद्योगिकी अभियंता की आय ₹ **10,000–78,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/biotechnology-engineer-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— जैव प्रौद्योगिकी अभियंता चिकित्सा उपकरण निर्माण, दवा उत्पादन, अनुसंधान, विकास और शिक्षा के क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— अधिकतर जैव प्रौद्योगिकी अभियंता प्रयोगशालाओं में काम करते हैं। इसमें गहन शोध कार्य सम्मिलित होता है। इस क्षेत्र में आपको अन्य अभियंताओं या तकनीशियनों के साथ काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

शोध तकनीशियन → शोध वैज्ञानिक → शोध कार्यक्रम/टीम लीड → प्रयोगशाला प्रबंधक → प्रयोगशाला निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, महाराष्ट्र
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड
6. भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
8. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(आवेदन करने से पहले कृपया जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला, पंजाब
2. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
3. आर.वी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. हाल्दिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पश्चिम बंगाल
5. एस.आर.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कल्लंकुथुर, तमिलनाडु
6. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
7. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
8. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

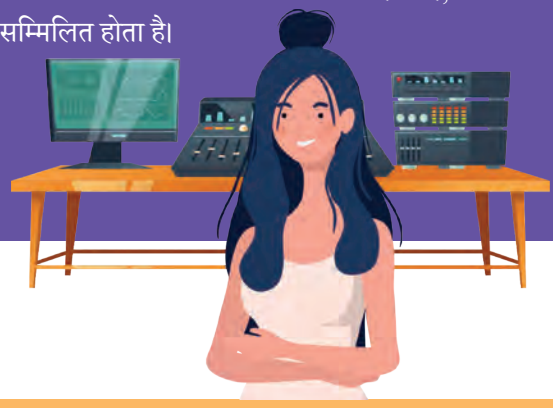
वर्षा बिस्वाल एक उद्यमी और "तृप्ति डेरी" की संस्थापक हैं। पेशे से वह एक जैव प्रोद्योगिकी अभियंता हैं। उन्होंने बी.टेक. और एम.टेक. की पढ़ाई कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, ओडिशा से की है। वर्तमान में वह ओडिशा यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी में जूनियर रिसर्च फेलो के रूप में कार्यरत हैं और हाल ही में उन्होंने उत्कल यूनिवर्सिटी से पीएच.डी. की है।*

स्रोत— https://interviewtimes.net/77184-2/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

प्रसारण अभियंता

प्रसारण अभियंता (ब्रॉडकास्ट इंजीनियर), टेलीविजन, रेडियो और स्टूडियो प्रसारण में तकनीकी, ध्वनि, वीडियो और ऑडियो उपकरणों की स्थापना, सुपरवाइज, रख-रखाव और मरम्मत के लिए उत्तरदायी होते हैं। ब्रॉडकास्ट मीडिया प्रौद्योगिकी में संचार की विभिन्न तकनीकें सम्मिलित होती हैं, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तकनीक का उपयोग कर दूरस्थ स्थानों पर भी डेटा भेजना सम्मिलित होता है।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी श्रवण क्षमता बहुत अच्छी हो।
- आप समय प्रबंधन में अच्छे हों।
- आपको तकनीकी ज्ञान हो।
- आप कम समय में अपनी प्रतिक्रिया देने में सक्षम हों।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन सक्षम छात्रवृत्ति योजना— यह योजना तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए बनाई गई है। इस छात्रवृत्ति के तहत रुपये 30,000 तक की ट्यूशन फीस और 10 महीनों के लिए प्रतिमाह रुपये 2,000 का आकस्मिक भत्ता प्रदान किया जाता है।
- ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन प्रगति छात्रवृत्ति लड़कियों के लिए— यह छात्रवृत्ति ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा प्रदान की जाती है, तकनीकी शिक्षा, जिसमें इंजीनियरिंग के क्षेत्र सम्मिलित हैं, का अध्ययन कर रही लड़कियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से है।
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 90,000–4,50,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग/दूरसंचार इंजीनियरिंग/सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर या पी.जी. डिप्लोमा करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई. मेन, जे.ई.ई. एडवांस्ड आदि), राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. आदि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. आदि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

प्रसारण अभियंता की आय **₹ 15,300–82,750*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Broadcast_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ब्रॉडकास्ट स्टूडियो, रिकॉर्डिंग स्टूडियो, मनोरंजन स्थल।

कार्य वातावरण— आपका अधिकतर कार्य स्टूडियों के अंदर रहेगा। आपको संभवतः बाहर भी काम करना हो सकता है। कुछ सीजन में काम का दबाव काफी अधिक हो सकता है, जिसमें कई कार्यक्रम एक के बाद एक होते हैं या कम अंतराल पर होते हैं। इस क्षेत्र में कार्यावधि तय नहीं होती, आपको काम के अनुरूप समय देना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सिस्टम इंजीनियर → प्रोजेक्ट इंजीनियर → इंजीनियरिंग मैनेजर

अथवा

सिस्टम इंजीनियर → सलाहकार → प्रोडक्शन मैनेजर → प्रोडक्शन डायरेक्टर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
2. पेरियार विश्वविद्यालय, सलेम, तमिलनाडु
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, राजस्थान
4. आई.आई.आई.टी. भुवनेश्वर, ओडिशा
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, उत्तराखंड
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
7. आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी, पटना, बिहार
8. असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, हरियाणा
2. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
3. प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. चितकारा यूनिवर्सिटी, बद्दी, हिमाचल प्रदेश
5. लिंग्या विद्यापीठ, फरीदाबाद, हरियाणा
6. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
7. जी इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया आर्ट्स, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मेहविश बुच, भारत की पहली महिला आउटडोर प्रसारण अभियंता हैं। वह वर्तमान में बी.टी.वी.आई. के साथ काम करती है। उन्होंने अपना बी.टेक. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, हरियाणा से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में किया और इसके बाद जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से प्रसारण पत्रकारिता में पी.जी. डिप्लोमा किया।*

स्रोत— https://www.mid-day.com/mumbai-guide/mumbai-food/article/outdoor-broadcasting-engineer-mehvish-buch--18464199

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कालीनों के लिए कैड डिजाइनर

कंप्यूटर एडेड डिजाइन (सी.ए.डी.) कालीनों में बुनाई के लिए डिजाइन विकसित करने में सहायता करता है। सॉफ्टवेयर का उपयोग विभिन्न पैटर्न और रंगों में डिजाइन बनाने के लिए किया जाता है, जो कालीनों के अंतिम रूप को देखने में सहायता करता है। इसमें आप कालीनों के नए-नए डिजाइन बनाने के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग करना सीखते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी कला और चित्रकला में गहरी रुचि हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप स्वतंत्र रूप से काम करने में सक्षम हों।

छात्रवृत्ति

- एस.टी. विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप और छात्रवृत्तियाँ
- ए.आई.सी.टी.ई. स्वानाथ छात्रवृत्ति योजना— अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.) की यह योजना विशिष्ट श्रेणी के विद्यार्थियों को प्रति वर्ष 50,000 की वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जैसे कि अनाथ, कोविड-19 के कारण मरने वाले माता-पिता के बच्चे और सैन्य कार्रवाई में बलिदान हुए सशस्त्र बलों और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के बच्चे।
- रिलायंस फाउंडेशन अंडरग्रेजुएट छात्रवृत्ति— डिजाइन सहित विभिन्न क्षेत्रों में 5,000 मेधावी स्नातक विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति।
- योग्यता-सह-साधन-आधारित छात्रवृत्ति— इसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों के गरीब और मेधावी विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है ताकि वे व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों में आगे बढ़ सकें।
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

पाठ्यक्रम शुल्क स्नातक डिग्री के लिए **₹ 20,000 से 1,00,000** प्रति वर्ष तक है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. **माध्यमिक शिक्षा (9वीं-12वीं)**— वैकल्पिक पाठ्यक्रमों या व्यावसायिक कार्यक्रमों के माध्यम से आधारभूत डिजाइन सिद्धांतों और बुनियादी कैड कौशल पर ध्यान केंद्रित करें।
2. **डिप्लोमा**— कपड़ा और कालीन डिजाइन में विशेषज्ञता वाले कैड-केंद्रित डिप्लोमा कार्यक्रम में दाखिला लें।
3. **स्नातक/स्नातकोत्तर**— उन्नत कैड प्रशिक्षण के साथ डिजाइन, कपड़ा प्रौद्योगिकी या संबंधित क्षेत्रों में डिग्री प्राप्त करें।
4. **डॉक्टरेट अध्ययन/अल्पकालिक पाठ्यक्रम**— विशेषज्ञता को निखारने के लिए कालीन डिजाइन के लिए कैड में शोध या अल्पकालिक प्रमाणन पाठ्यक्रम लें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

कालीनों के लिए कैड डिजाइनर की आय **₹ 15,000–73,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Computer Aided_Design_(CAD)_Designer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कालीन डिजाइन करने वाली कंपनियाँ, डिजाइनिंग हाउस, कालीन निर्माता।

उद्यमिता— आप डिजाइन हाउस और कालीन निर्माताओं के लिए एक डिजाइनर के रूप में फ्रीलांस कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आपको प्रतिदिन 8–9 घंटे और प्रति सप्ताह 5–6 दिन काम करना पड़ सकता है। कई बार आपको अवधि से अधिक भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

ट्रेनी डिजाइनर → कैड डिजाइन → सीनियर डिजाइन

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न विभागों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान, भदोही, उत्तर प्रदेश
2. शासकीय कला और शिल्प महाविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. पी.एम.टी. अकादमी, नई दिल्ली
4. जे.डी. फैशन टेक्नोलॉजी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
5. राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

ओबीटी कालीन सात से अधिक गाँवों की शिल्पकारी का उपयोग करता है और अब कालीनों को डिजाइन करने के लिए कैड डिजाइन सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है। वे (ओबीटी कालीन वाले) कहते हैं—"पहले ग्राहक हमें डिजाइन देने के लिए उपयोग करते थे, लेकिन कैड के साथ हम उन्हें उसी के लिए विकल्प देते हैं।" वे उसी के लिए 15+ कैड कालीन डिजाइनरों की एक टीम नियुक्त करते हैं।*

स्रोत— https://www.youtube.com/watch?v=LmeuRWz4DRo

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कैड आभूषण डिजाइनर

कैड आभूषण डिजाइनर, कागज पर हाथ से 2डी ड्राइंग बनाने के बजाय कंप्यूटर की सहायता से आभूषणों की डिजाइन तैयार करते हैं। कैड आभूषण डिजाइनर को सामान्यतः हाथ से तैयार टुकड़ों को 3डी डिजाइन किए गए आभूषणों के साथ जोड़ना पड़ता है।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी कलात्मक व्यवसायों में रुचि हो।
- आपको कंप्यूटर पर कार्य करने का ज्ञान हो।
- आप वस्तुओं का निर्माण करना पसंद करते हों।
- आप निर्देशों का पालन करना पसंद करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान की 'सार्थक' और 'उड़ान' योजनाएँ— राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान दो छात्रवृत्ति योजनाएँ— 'सार्थक', एक वित्तीय सहायता योजना और 'उड़ान', एक योग्यता-आधारित योजना प्रदान करता है। इन छात्रवृत्तियों का उद्देश्य आभूषण डिजाइन सहित फैशन और डिजाइन पाठ्यक्रम करने वाले विद्यार्थियों का समर्थन करना है।
- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, स्वनाथ छात्रवृत्ति योजना— अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा पेश की गई, यह योजना विशिष्ट श्रेणी के विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष रुपये 50,000 की वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जैसे कि अनाथ, कोविड-19 के कारण मरने वाले माता-पिता के बच्चे और सैन्य कार्रवाई में शहीद हुए सशस्त्र बलों और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के बच्चे।
- जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका-इंडिया छात्रवृत्ति— जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका इंडिया कैंपस में अपने जेमोलॉजी, ज्वेलरी और डिजाइन कार्यक्रमों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करता है। आवेदक उपलब्ध छात्रवृत्तियों के लिए ही एक आवेदन भर सकते हैं।

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–9,80,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. जेमोलॉजी में स्नातक (बी.एस.सी.) करें, इसके बाद आप डिजाइन कैड (जेम एंड ज्वैलरी स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा जारी जी. एंड जे./क्यू. 2303 के साथ संरेखित कार्यक्रम) के लिए प्रमाणित प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

अथवा

किसी भी वर्ग में 10+2 के बाद जेमोलॉजी में बी.एससी. करें, फिर आप किसी भी विषय में एम.डेस. कर सकते हैं, इसके बाद सी.ए.डी.* के लिए एक सर्टिफिकेट प्रशिक्षण ले सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

कैड आभूषण डिजाइनर की आय ₹ **14,500–71,200*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Computer_Aided_Design_(सीएडी)_Designer/वेतन

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप आभूषण निर्माण इकाइयों के साथ-साथ फुटकर समान बेचने वाली दुकानों में भी काम कर सकते हैं।

उद्यमिता— आप इस क्षेत्र में व्यक्तिगत अभ्यास भी आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— काम का समय सामान्यतः प्रतिदिन 8–9 घंटे व सप्ताह में 5–6 दिन होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कैड डिजाइनर → सुपरवाइजर → हेड डिजाइनर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम डिजाइन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कोकराझार, असम
3. राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश
4. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान,भोपाल, मध्य प्रदेश
5. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, आंध्र प्रदेश
6. राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश
7. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
8. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सी.एम.जे. विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय
2. आर्टेमिसिया कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, इंदौर, मध्य प्रदेश
3. ए.पी.जे. कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स, जालंधर, पंजाब
4. एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. अलख प्रकाश गोयल शिमला विश्वविद्यालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश
6. अमृता स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, कोच्चि, केरल
7. एमिटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा
8. कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर त्रिवेंद्रम, केरल

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

फराह खान अली एक भारतीय जेमोलॉजिस्ट और ज्वैलरी डिजाइनर के साथ-साथ फराह खान फाइन ज्वैलरी की संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। उन्होंने जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका, सांता मोनिका, कैलिफोर्निया, यू.एस.ए. से जेमोलॉजी और ज्वैलरी डिजाइन में स्नातक की पढ़ाई की है। वह कैड आभूषण डिजाइनर में भी कुशल हैं।

स्रोत— https://www.rough-polished.com/en/news/50367.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सिरेमिक टेक्नोलॉजिस्ट/इंजीनियर

सिरेमिक तकनीक, अकार्बनिक एवं गैर-धातु सामग्री से वस्तुओं को बनाने का विज्ञान और तकनीक है। सिरेमिक टेक्नोलॉजिस्ट दवा, निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, सैन्य, ऑप्टिकल फाइबर, खेल और परिवहन आदि के क्षेत्र में इस तकनीक का उपयोग करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं के निर्माण में रुचि हो।
- आपकी विज्ञान और गणित में रुचि हो।
- आप स्वतंत्र रूप से काम करने में अच्छे हों।
- आपको प्रयोग करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- स्वामी विवेकानंद छात्रवृत्ति— यह छात्रवृत्ति पश्चिम बंगाल के मेधावी और आर्थिक रूप से वंचित विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है। कोलकाता में गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड सिरेमिक टेक्नोलॉजी जैसे सिरेमिक इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थी इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। पाठ्यक्रम एवं अध्ययन के स्तर के आधार पर छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष रुपये 60,000 तक हो सकती है।
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 31,000–10,63,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. सिरेमिक इंजीनियरिंग में बी.एससी./बी.ई./बी.टेक. करें।

अथवा

सिरेमिक इंजीनियरिंग में डिप्लोमा का विकल्प चुनें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सिरेमिक टेक्नोलॉजिस्ट/इंजीनियर की आय
₹ 13,500–1,70,657* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/ceramic-engineer-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सिरेमिक कारखाने, सिरेमिक अनुसंधान प्रयोगशाला, राजकीय अनुसंधान प्रयोगशाला, परामर्श फर्म्स।

कार्य वातावरण— कंपनियाँ सामान्यतः हफ्ते में 5 से 6 दिन और रोजाना 8–9 घंटे काम करती हैं। यह कंपनी से कंपनी में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

अनुसंधान प्रशिक्षु → सिरेमिक टेक्नोलॉजिस्ट/इंजीनियर → अनुसंधान गतिविधियों के सहयोगी प्रबंधक → अनुसंधान प्रबंधक → अनुसंधान प्रमुख



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. आंध्र यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बी.एच.यू., वाराणसी, उत्तर प्रदेश
3. एन.आई.टी. राउरकेला, ओडिशा
4. विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बेलगाम, कर्नाटक
5. अलगप्पा कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
6. लुखधीरजी इंजीनियरिंग कॉलेज, मोरबी, गुजरात
7. गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड सिरेमिक टेक्नोलॉजी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. प्रो. राजेंद्र सिंह विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. पी.डी.ए. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुलबर्गा, कर्नाटक
2. ए.के.एस. यूनिवर्सिटी, सतना, मध्य प्रदेश
3. आदित्य कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, सतना, मध्य प्रदेश
4. मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़, राजस्थान
5. आर.एन. शेट्टी ग्रामीण पॉलिटेक्निक, भटकल, कर्नाटक
6. स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश
7. भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान
8. श्री कृष्ण विश्वविद्यालय, छतरपुर, मध्य प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

उमा चौधरी, ड्यूपॉन्ट में वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मुख्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी अधिकारी थीं (दिसंबर 2010 से सेवानिवृत्त)। वह माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक के लिए उत्प्रेरक, प्रोटॉन कंडक्टर, सुपरकंडक्टर्स और सिरेमिक पैकेजिंग सहित सिरेमिक सामग्री के विज्ञान में माहिर हैं। उमा चौधरी का जन्म बॉम्बे (अब मुंबई), भारत में हुआ था। वह पहली बार हाईस्कूल में विज्ञान में रुचि रखने लगी और वर्ष 1968 में विज्ञान स्नातक की डिग्री के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के लिए बॉम्बे विश्वविद्यालय में भौतिकी का अध्ययन किया। उसके बाद उन्होंने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैल्टेक) में स्नातक और मास्टर डिग्री हासिल की। वह अब ड्यूपॉन्ट कंपनी में एक सेवानिवृत्त मुख्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी अधिकारी हैं।*

स्रोत— https://www.sciencehistory.org/historical-profile/uma-chowdhry

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

रसायन अभियंता

रसायन अभियंता, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं गणित के सिद्धांतों को ऐसी समस्याओं का समाधान करने में प्रयोग करते हैं, जो मटेरियल या कच्चे माल को उपयोगी उत्पादों में बदलने से संबंधित होती हैं। कैमिकल इंजीनियर विभिन्न उद्योगों में प्लांट और मशीनरी के डिजाइन, निर्माण और संचालन के लिए उत्तरदायी होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान और गणित में रुचि हो।
- आप तकनीकी प्रयोगों को पसंद करते हों।
- आपको समस्याओं व परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आप संख्याओं के साथ काम करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- स्वामी विवेकानंद छात्रवृत्ति— यह छात्रवृत्ति पश्चिम बंगाल के मेधावी और आर्थिक रूप से वंचित विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है। कोलकाता में गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड सिरेमिक टेक्नोलॉजी जैसे सिरेमिक इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थी इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। पाठ्यक्रम एवं अध्ययन के स्तर के आधार पर छात्रवृत्ति राशि प्रति वर्ष रुपये 60,000 तक हो सकती है।
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–10,00,000*** के बीच होता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कैमिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक./बी.ई. करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

कृपया नामांकन के दौरान कोर्स अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

रसायन अभियंता की आय ₹ **16,000–84,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Chemical_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कैमिकल इंजीनियर पूरे भारत में कई औद्योगिक संयंत्रों, रिफाइनरियों, पेट्रोकेमिकल कंपनियों में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— कंपनियाँ सामान्यतः सप्ताह में 6 दिन और प्रतिदिन 8–10 घंटे तक काम करती हैं। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक अभियंता → रसायन अभियंता → वरिष्ठ रसायन अभियंता → प्रोसेस अभियंता → प्रोडक्शन मैनेजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कैमिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर,पश्चिम बंगाल
5. जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता,पश्चिम बंगाल
6. अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
7. जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
8. मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, राजस्थान
9. इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
10. रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
2. बिरला प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, पिलानी, राजस्थान
3. वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, वेल्लोर, तमिलनाडु
4. निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
5. थापर विश्वविद्यालय, पंजाब
6. बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा,झारखंड
7. मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर,राजस्थान
8. सत्यभामा विश्वविद्यालय, चेन्नई,तमिलनाडु
9. आर्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और आईटी, जयपुर, राजस्थान
10. अरावली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, फरीदाबाद, हरियाणा

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

कृष्णा देव प्रसाद निगम एक भारतीय कैमिकल इंजीनियर हैं और प्रतिष्ठित हम्बोल्ट रिसर्च अवार्ड पाने वाले भारत के पहले कैमिकल इंजीनियर भी हैं। कानपुर से कैमिकल इंजीनियरिंग में स्नातक पूरा करने के बाद, प्रोफेसर निगम ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा हेतु स्वच्छ व हरित प्रौद्योगिकी के विकास के लिए अनुसंधान गतिविधियों में बहुत सक्रिय रूप से सम्मिलित हो गए। वह अब न्यूयॉर्क एकेडमी ऑफ साइंसेज से जुड़े हुए हैं।*

स्रोत— web.iitd.ac.in/~kdpnigam/humbolt.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सिविल इंजीनियर/स्ट्रक्चरल इंजीनियर

सिविल इंजीनियर, सार्वजनिक और निजी भवनों, जल प्रणालियों, हवाई अड्डों और सड़कों जैसी संरचनाओं का डिजाइन और रख-रखाव करते हैं। स्ट्रक्चरल इंजीनियर उन संरचनाओं और सामग्रियों का विश्लेषण, डिजाइन, निर्माण और रख-रखाव करते हैं, जो लोड को काउंटरैक्ट या सुदृढ़ करते हैं। एक सिविल इंजीनियर के कार्य दायित्वों में पुल, कारखाना, टावर आदि के निर्माण और मरम्मत की योजना बनाना और इनका पर्यवेक्षण करना, अनुमानित लागत और विस्तृत चित्र तैयार करना, सामग्री, मशीनरी और उपकरणों आदि की व्यवस्था करना सम्मिलित है।

व्यक्तिगत गुण

- आप तर्कशील व्यक्ति हों और आलोचनात्मक सोच रखते हों।
- आप गणितीय कार्यों में दक्ष हों।
- आपमें संचार कौशल हो और टीम का नेतृत्व कर सकते हों।
- आप सूक्ष्म विवरणों पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन सक्षम छात्रवृत्ति योजना— यह योजना तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए बनाई गई है। इस छात्रवृत्ति के तहत रुपये 30,000 तक की ट्यूशन फीस और 10 महीनों के लिए प्रतिमाह रुपये 2,000 का आकस्मिक भत्ता प्रदान किया जाता है।
- ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन प्रगति छात्रवृत्ति लड़कियों के लिए— यह छात्रवृत्ति ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा प्रदान की जाती है, तकनीकी शिक्षा, जिसमें इंजीनियरिंग के क्षेत्र सम्मिलित हैं, का अध्ययन कर रही लड़कियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से है।
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 2,00,000–7,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक./बी.ई. करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सिविल इंजीनियर/स्ट्रक्चरल इंजीनियर की आय
₹ 19,000–90,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— http://bitly.ws/AXEx

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप स्थानीय अधिकारियों, राजकीय विभागों, रेलवे, पानी/बिजली/गैस कंपनियों के साथ काम करेंगे। आप सिविल इंजीनियरिंग ठेकेदारों/परामर्शदाताओं के रूप में भी काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आपको स्थानीय यात्रा करने और इंजीनियरों की टीम को संभालने का दायित्व मिल सकता है। निर्माण कंपनियाँ सामान्यतः सप्ताह में 5 या 6 दिन और प्रतिदिन 8 या 9 घंटे काम करती हैं। यह कंपनी से कंपनी में भिन्न हो सकता है। यदि आपका अपना रोजगार है, तो कार्य अवधि कम या अधिक हो सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सिविल इंजीनियर, स्ट्रक्चरल → सीनियर सिविल इंजीनियर → प्रोजेक्ट मैनेजर → असिस्टेंट जनरल मैनेजर → डिवीजन/ऑफरिंग/डोमेन के प्रमुख → कंपनी प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम सिविल इंजीनियरिंग/स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग विभागों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, उत्तराखंड
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर, ओडिशा
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, उत्तर प्रदेश
6. कोयंबटूर प्रौद्योगिकी संस्थान, कोयंबटूर, तमिलनाडु
7. मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बुरला, ओडिशा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. चितकारा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
2. पेट्रोलियम और ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
3. कलिंग औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा
4. शास्त्र डीम्ड यूनिवर्सिटी, तंजावुर, तमिलनाडु
5. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर, पंजाब
6. जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
7. एमिटी यूनिवर्सिटी, रायपुर, छत्तीसगढ़
8. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

भारत की पहली महिला सिविल इंजीनियर, **शकुंतला ए. भगत** ने कई नवीन डिजाइनों का नेतृत्व किया और क्वाड्रिकॉन की स्थापना की। यह मुंबई स्थित एक निर्माण फर्म है, जिसने यू.के. यू.एस.ए . और जर्मनी सहित दुनिया भर में 200 पुलों को डिजाइन किया है। वे सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला थीं। वर्ष 1960 में, भगत ने पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय से सिविल और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की और आई.आई.टी. मुंबई में सिविल इंजीनियरिंग की सहायक प्रोफेसर और भारी संरचना प्रयोगशाला प्रमुख के रूप में अध्यापन भी किया। वर्ष 2012 में उनका निधन हो गया।*

स्रोत— https://www.thebetterindia.com ›

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कोरोजन इंजीनियर

क्षय अभियंता (कोरोजन इंजीनियर), धातु के पुल, तेल, गैस पाइपलाइन, खान और अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं, जैसे– विनिर्माण संयंत्र या बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं में औद्योगिक मशीनरी पर जंग की मरम्मत या रोकथाम के तरीके निर्धारित करते हैं। ये मुख्य रूप से अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करके सामग्रियों के क्षरण को रोकने का प्रयास करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान और गणित में रुचि हो।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप कंप्यूटर संबंधी कार्यों में दक्ष हों।
- आप टीम में काम करने में सहज हों।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- ए.एम.पी.पी. ई.एम.ई.आर.जी. इंडिया स्कॉलरशिप— एसोसिएशन फॉर मैटेरियल्स प्रोटेक्शन एंड परफॉरमेंस (ए.एम.पी.पी.) भारत में संक्षारण विज्ञान और इंजीनियरिंग में करियर बनाने वाले उत्कृष्ट विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है। प्रत्येक पुरस्कार के तहत रुपये 1,50,000 प्रदान किए जाते हैं। पात्रता में पूर्णकालिक पीएच.डी. या एम.टेक. में नामांकित होना आवश्यक है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग या मैटेरियल्स साइंस में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद कोरोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एम.टेक. कर सकते हैं। उसके बाद धातुकर्म इंजीनियरिंग में पीएच.डी. कर सकते हैं।

अथवा

स्नातक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोरोजन प्रौद्योगिकी में पीजी डिप्लोमा कर सकते हैं।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान कोर्स अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

कोरोजन इंजीनियर की आय ₹ **36,084–1,67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/corrosion-engineer-salary-SRCH_KO0,18.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— निर्माण, ऊर्जा उद्योग, ऑन और ऑफ शोर ड्रिलिंग ऑपरेशन, औद्योगिक निर्माण, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग और खनन उद्योग।

कार्य वातावरण— शोध का समय सामान्यतः सप्ताह में 5 या 6 दिन और प्रतिदिन 8 या 9 घंटे के लिए तय किया जाता है। यह संस्थानों में भिन्न-भिन्न हो सकता है और पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रोजेक्ट इंजीनियर → सिस्टम इंजीनियर → इंजीनियरिंग मैनेजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
5. जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई, तमिलनाडु
7. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल
8. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना, बिहार

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
2. बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
3. वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, वेल्लोर, तमिलनाडु
4. निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात
5. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब
6. बिड़ला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा, झारखंड
7. मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
8. सत्यभामा विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



डिजाइन इंजीनियर

डिजाइन इंजीनियर, विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों में डिजाइन इंजीनियरिंग प्रक्रिया पर केंद्रित होता है। डिजाइन इंजीनियर, डिजाइन बनाने और प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं के निर्माण में रुचि हो।
- आप कंप्यूटर कार्यों में दक्ष हों।
- आप टीम में कार्य करने में सहज हों।
- आपको किसी वस्तु की कार्य प्रक्रिया को समझने में गहरी रुचि हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंस स्कॉलरशिप— फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंस भारत में मान्यता प्राप्त संस्थानों में डिजाइन इंजीनियरिंग सहित स्नातक इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम करने वाले आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है। छात्रवृत्ति में ट्यूशन फीस और अन्य शैक्षणिक खर्च सम्मिलित हैं।
- संस्कृति-गेडेस स्कॉलरशिप— संस्कृति फाउंडेशन डिजाइन इंजीनियरिंग सहित योजना और वास्तुकला में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों का समर्थन करने के लिए गेडेस छात्रवृत्ति प्रदान करता है। छात्रवृत्ति राशि और पात्रता मानदंड आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–8,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. बी.टेक./बी.ई. करें। डिजाइन इंजीनियरिंग में डिग्री लेने के बाद एम.टेक./एम.ई. करें।

अथवा

किसी भी वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें, इसके बाद बैचलर ऑफ डिजाइन में डिग्री करें तथा मास्टर ऑफ डिजाइन की डिग्री लें। यह करने के बाद आप इंजीनियरिंग डिजाइन में पी.जी. डिप्लोमा का विकल्प चुन सकते हैं।

बी.टेक. में प्रवेश के लिए जे.ई.ई. मेन्स उत्तीर्ण करना होगा।

आपको जे.ई.ई. मेन उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। आई.आई.टी. में प्रवेश के लिए जे.ई.ई. एडवांस्ड आवश्यक है। अन्य प्रवेश परीक्षाएँ, जैसे– आई.सी.ए.आर./जी.ए.टी.ई./ए.आई.ई.ई.ए./एम.एच.टी. सी.ई.टी./यू.पी.सी.ए.टी.ई.टी./ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी./सी.जी. पी.ए.टी./एस.एच.आई.ए.टी.एस. प्रवेश परीक्षा/सी.सी.एस. एच.ए.यू. प्रवेश परीक्षा/राजस्थान जे.ई.टी./एग्रीसेट भी दी जा सकती हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

डिजाइन इंजीनियर की आय ₹ **15,000–84,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Design_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप थर्मल पॉवर, गैस टर्बाइन, कृषि क्षेत्र, एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन आदि जैसे क्षेत्रों में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर/इंटर्न डिजाइनर → डिजाइन इंजीनियर → सीनियर डिजाइन इंजीनियर → लीड डिजाइन इंजीनियर → तकनीकी प्रबंधक → प्रोजेक्ट मैनेजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग/डिजाइन विभाग द्वारा संचालित जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, नई दिल्ली
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
4. जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. एन.आई.टी. सुरथकल, मैंगलोर, कर्नाटक
6. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात
7. इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, कोल्लम, केरल
8. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अलख प्रकाश गोयल शिमला विश्वविद्यालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश
2. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
3. डी.जे. एकेडमी ऑफ डिजाइन, कोयम्बटूर, तमिलनाडु
4. हंसराज महिला महाविद्यालय, जालंधर, पंजाब
5. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, नई दिल्ली
6. इंटरनेशनल स्कूल ऑफ डिजाइन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
7. कलिंग औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा
8. ख्याति स्कूल ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद, गुजरात

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

राजीव चंद्रशेखर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री होने के साथ-साथ केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री भी हैं। वह एक भारतीय राजनेता, उद्यमी और टेक्नोक्रेट हैं और भाजपा से कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाले उच्च सदन (राज्य सभा) में संसद सदस्य के रूप में अपना तीसरा कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। 1986–1991 के बीच उन्होंने इंटेल में सीनियर डिजाइन इंजीनियर और 80486 और पेंटियम माइक्रोप्रोसेसरों पर सी.पी.यू. आर्किटेक्ट के रूप में काम किया। उन्होंने 1986 में इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ शिकागो से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री पूरी की।

स्रोत— https://rajeev.in/about/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

डेवलपमेंट ऑपरेशंस इंजीनियर

डेवलपमेंट ऑपरेशंस इंजीनियर, किसी कंपनी में ऑटोमेशन को लागू करते हैं, ताकि उसकी उत्पादकता बढ़ाई जा सके। डेवलपमेंट ऑपरेशंस इंजीनियर टूल्स, वातावरण और प्रक्रियाओं के माध्यम से सॉफ्टवेयर के विकास और संचालन के लिए उत्तरदायी होते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर कार्यों में दक्ष हों।
- आप समस्याओं एवं परिस्थितियों का विश्लेषण कर सकते हों।
- आपको विवरणों के बारे में पता हो।
- आप टीम में कार्य करने में सहज हों।

छात्रवृत्ति

- इंजीनियरिंग विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ— आप इंजीनियरिंग-विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ जैसे कि इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर प्रोग्राम 2022, छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना इत्यादि चुन सकते हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इंडिया छात्रवृत्ति पुरस्कार 2025— इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी इंडिया छात्रवृत्ति पुरस्कार भविष्य के इंजीनियरिंग नेताओं को पहचानता है और उनका पोषण करता है। छात्रवृत्ति का उद्देश्य इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता प्रदर्शित करने वाले विद्यार्थियों का समर्थन करना है।
- पी.एम. यशस्वी छात्रवृत्ति योजना— भारत सरकार द्वारा आरंभ की गई, पीएम यशस्वी योजना आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के मेधावी विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। छात्रवृत्ति में ट्यूशन फीस, पुस्तक भत्ते और रहने का खर्च सम्मिलित है।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in, शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है, पोर्टल पर कभी भी विद्यार्थी बैंकों में शिक्षा ऋण आवेदनों को देख सकते हैं, आवेदन कर सकते हैं और शिक्षा ऋण की तथागत स्थिति के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं, उदाहरण के लिए, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, आदि।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ **40,000– 1,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कम्प्यूटर विज्ञान या सूचना प्रणाली (बी.एससी./बी.ई./बी.टेक./बी.सी.ए.) में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री पूरी करें, इसके बाद उसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक/एम.एससी./एम.सी.ए. /एम.ई.) करें।

अथवा

गणित में स्नातक (बी.एससी.) करें, इसके बाद उसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.एससी.) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

डेवलपमेंट ऑपरेशंस इंजीनियर की आय
₹ **30,334–1,67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Development_Operations_(DevOps)_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप आईटी कंपनियों में या विभिन्न कंपनियों के आईटी विभाग में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में कार्य का समय सामान्यतः सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

उद्यमिता— आप इस क्षेत्र में फ्रीलांसिंग कर सकते हैं या अपनी खुद की कंपनी में काम कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

रिलीज मैनेजर → डेवलपमेंट ऑपरेशंस टेस्ट इंजीनियर → डेवलपमेंट ऑपरेशंस क्लाउड इंजीनियर → डेवलपमेंट ऑपरेशंस आर्किटेक्ट

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. एप्लाइड साइंस कॉलेज (आई.एच.आर.डी.), कुन्द्रा, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कुंभकोणम, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. अखिल भारतीय प्रबंधन अध्ययन संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्र कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बैंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फोई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

जसलीन कौर, कनाडा की मार्टेलो टेक्नोलॉजीज, में ऑपरेशन टीम में डेवलपमेंट ऑपरेशंस सिक्योरिटी के रूप में काम करती हैं। वे प्रवेश परीक्षण और स्कैनिंग करके अनुप्रयोगों की कमजोरियों का प्रबंधन करती है। उन्होंने कॉनकॉर्डिया यूनिवर्सिटी, मॉन्ट्रियल क्यू.सी. से सूचना सुरक्षा प्रणाली में मास्टर्स किया है और उन्होंने वर्ष 2015 से भारत में एक सुरक्षा इंजीनियर के रूप में अपना करियर आरंभ किया। पहले उन्होंने एक राजकीय संगठन के साथ इंटर्नशिप की और फिर कुछ प्रमाणन कार्य किए।*

स्रोत— https://martellotech.com/blog/martellos-women-in-tech-series-devops-security/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर

इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स दोनों ही क्षेत्र विद्युत से संबंधित हैं। विद्युत उपकरण, वोल्टेज और करंट उत्पन्न करते हैं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वोल्टेज और करंट को नियंत्रित करते हैं, इसलिए इलेक्ट्रिकल इंजीनियर मुख्य रूप से विद्युत शक्ति के उत्पादन, संचारण और वितरण से संबंधित होते हैं। जबकि इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर घटकों, उपकरणों, प्रणालियों का विकास और परीक्षण करते हैं, जो ऊर्जा स्रोत के रूप में बिजली का प्रयोग करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान में रुचि हो।
- आपको समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आपकी समस्याओं का समाधान करने में रुचि हो।
- आपका विश्लेषणात्मक रूप से कार्य करने में सक्षम हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन प्रगति छात्रवृत्ति लड़कियों के लिए— यह छात्रवृत्ति ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा प्रदान की जाती है, तकनीकी शिक्षा, जिसमें इंजीनियरिंग के क्षेत्र सम्मिलित हैं, का अध्ययन कर रही लड़कियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से है।
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 2,800–18,62,600* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन और जीव विज्ञान) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. इलेक्ट्रिकल/कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक./बी.ई.) की डिग्री करें।

अथवा

इलेक्ट्रिकल या कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करें।

अथवा

इलेक्ट्रिकल/कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक के बाद स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको जे.ई.ई. मेन्स उत्तीर्ण करना आवश्यक है। आई.आई.टी. में प्रवेश के लिए जे.ई.ई. एडवांस की आवश्यकता होती है। अन्य प्रवेश परीक्षाएँ, जैसे– गेट/बिटसेट आदि भी दी जा सकती हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर की आय
₹ 12,500–90,333* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/electronics-and-electrical-engineer-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

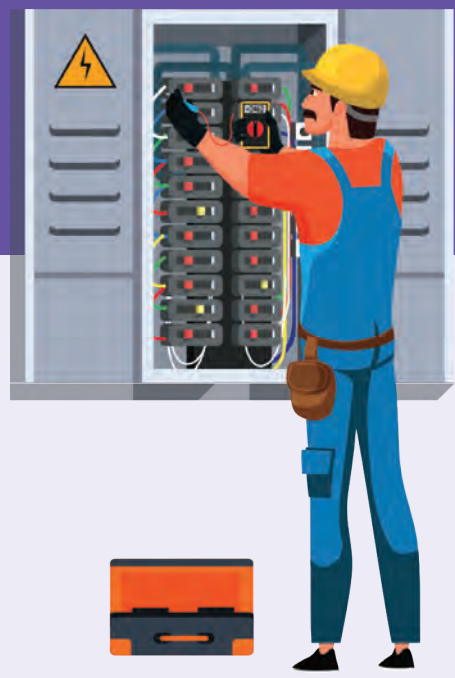
कार्य स्थल— बिजली निर्माण कंपनियाँ, बिजली पारेषण कंपनियाँ, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान निर्माण क्षेत्र, दूरसंचार, कंप्यूटिंग, निर्माण, ऊर्जा, परिवहन और उपयोगिता कंपनियाँ और सशस्त्र बल।

कार्य वातावरण— इस कार्यक्षेत्र में यात्रा करनी पड़ सकती है और आपको टीम का नेतृत्व करना पड़ सकता है। आपसे प्रतिदिन कम से कम 8 घंटे या आवश्यकता पड़ने पर अधिक काम करने की अपेक्षा की जाती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक → तकनीशियन → ऑपरेटर → इंजीनियर
विद्युत वितरण → पर्यवेक्षक → परियोजना प्रबंधक



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड
7. राजकीय पॉलिटेक्निक, मुंबई, महाराष्ट्र
8. राजकीय पॉलिटेक्निक, पुणे, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
3. शारदा यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
5. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, राजस्थान
6. मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
7. प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

गगनदीप सिंह मथारू एक इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर हैं। उन्होंने वी.आई.टी. विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और म्यूनिख के तकनीकी विश्वविद्यालय से कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में परास्नातक डिग्री प्राप्त की। गगनदीप यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल, यूनाइटेड किंगडम के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में InnovEOX प्रोजेक्ट में मैरी क्यूरी अर्ली स्टेज रिसर्चर हैं।*

स्रोत— https://innoveox.eu/esr2-gagandeep-singh-matharoo/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

इलेक्ट्रॉनिक डिजाइनर/वी.एल.एस.आई./ एम्बेडेड सिस्टम डिजाइनर

इलेक्ट्रॉनिक डिजाइनर/वी.एल.एस.आई./एम्बेडेड सिस्टम डिजाइनर, उत्पादों में एम्बेडेड सिस्टम को डिजाइन करते हैं। यह बहुत ही छोटे इलेक्ट्रॉनिक सर्किट को डिजाइन करते हैं, जो कंप्यूटर चिप्स में पाए जाते हैं। ये ऐसी मशीनरी बनाते हैं, जो अन्य उपकरणों में उपयोग होती हैं, जैसे– कार, मोबाइल और घरेलू उपकरण आदि।



व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर कार्यों में दक्ष हों।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप दिए गए निर्देशों का पालन करते हों।
- आप टीम में कार्य करना पसंद करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन प्रगति छात्रवृत्ति लड़कियों के लिए— यह छात्रवृत्ति ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा प्रदान की जाती है, तकनीकी शिक्षा, जिसमें इंजीनियरिंग के क्षेत्र सम्मिलित हैं, का अध्ययन कर रही लड़कियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से है।
- ए.आई.सी.टी.ई. सक्षम छात्रवृत्ति योजना— इस योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और वी.एल.एस.आई. सहित तकनीकी डिग्री हासिल करने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों का समर्थन करना है। यह ट्यूशन फीस और अन्य शैक्षणिक खर्चों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–10,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 करें।
2. प्रौद्योगिकी (बी.टेक.)/इंजीनियरिंग (बी.ई.) में इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में स्नातक करें, इसके बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.ई.) करें।

अथवा

प्रौद्योगिकी (बी.टेक.)/इंजीनियरिंग (बी.ई.) में इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री पूरी करें, इसके बाद विद्युत परिपथ (वी.एल.एस.आई.) में विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.एस.) करें।

प्रवेश के लिए, आपको जे.ई.ई. मेन्स, उत्तीर्ण करना होगा। आई.आई.टी. में प्रवेश के लिए जे.ई.ई. एडवांस की आवश्यकता होती है। अन्य प्रवेश परीक्षाएँ, जैसे– गेट/बी.आई.टी.एस.ए.टी., आदि दी जा सकती हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

इलेक्ट्रॉनिक/वी.एल.एस.आई./एम्बेडेड सिस्टम डिजाइनर की आय ₹ **25,000–2,50,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Very-Large-Scale_Integration_(VLSI)_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— उत्पाद कंपनियाँ, आईपी कंपनियाँ, फाउंड्री, सेवा कंपनियाँ और ई.डी.ए. कंपनियाँ।

कार्य वातावरण— कार्य समय सप्ताह में 5 से 6 दिन, प्रतिदिन 8 से 9 घंटे होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर वी.एल.एस.आई. डिजाइनर → सीनियर वी.एल.एस.आई. डिजाइनर → डिजाइन डायरेक्टर → चीफ डिजाइन ऑफिसर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, कानपुर
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, रुड़की, उत्तराखंड
7. राजकीय पॉलिटेक्निक, मुंबई, महाराष्ट्र
8. राजकीय पॉलिटेक्निक, पुणे, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

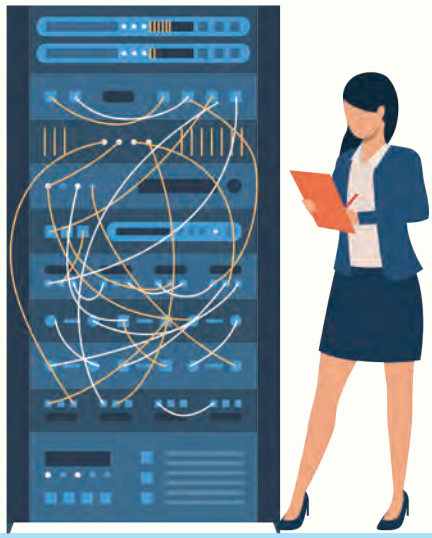
(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. बिरला प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, पिलानी, राजस्थान
3. शारदा यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
5. बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा, रांची, झारखंड
6. मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
7. प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

वेंकट सिम्हाद्री एक भारतीय विद्युत अभियंता हैं, जो एम्बेडेड सिस्टम इंजीनियरिंग के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने आंध्र विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है और न्यूजर्सी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एम.एस. पूरा किया है। उन्होंने टाइम टू मार्केट, इंफोटेक एंटरप्राइजेज, गीगाकॉम सेमीकंडक्टर जैसी कंपनियों में काम किया है और वर्तमान में मोसचिप के सी.ई.ओ. और प्रबंध निदेशक हैं।

स्रोत— https://www.cxotoday.com/interviews/india-emerges-as-a-leader-with-strong-presence-of-major-semiconductor-companies-vlsi-expert-venkata-simhadri/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियंता

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी में इलेक्ट्रॉनिक्स, माइक्रोप्रोसेसर, सॉलिड-स्टेट डिवाइस, डिजिटल और एनालॉग संचार उपकरणों आदि का डिजाइन, निर्माण, योजना और परीक्षण सम्मिलित है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी में अभियंता संचार और प्रसारण संबंधी प्रणालियों के निर्माण की भी देख-रेख करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान और गणित में रुचि हो।
- आपको किसी वस्तु की कार्य प्रक्रिया को समझने में गहरी रुचि हो।
- आपको समस्याओं तथा स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आपको मशीनों के साथ काम करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन प्रगति छात्रवृत्ति लड़कियों के लिए— यह छात्रवृत्ति ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा प्रदान की जाती है, तकनीकी शिक्षा, जिसमें इंजीनियरिंग के क्षेत्र सम्मिलित हैं, का अध्ययन कर रही लड़कियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से है।
- ए.आई.सी.टी.ई. सक्षम छात्रवृत्ति योजना— इस योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और वी.एल.एस.आई. सहित तकनीकी डिग्री हासिल करने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों का समर्थन करना है। यह ट्यूशन फीस और अन्य शैक्षणिक खर्चों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 40,000–1,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. ज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग/कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक.) करें।

अथवा

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग/संचार इंजीनियरिंग में स्नातक करने के बाद स्नातकोत्तर (एम.टेक.) करें।

प्रवेश के लिए आपको राष्ट्रीय स्तर, जैसे– जे.ई.ई. मेन्स, जे.ई.ई. एडवांस आदि राज्य स्तर, जैसे– डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. आदि या संस्थान स्तर, जैसे– वी.ई.टी., आई.पी. आदि पर आयोजित प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियंता की **₹ 20,500–84,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/electronics-communication-engineer-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियाँ या दूरसंचार कंपनियों, निर्माताओं या संचार उपकरणों और प्रणालियों के इंस्टॉलर के रूप में कार्य कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— कंपनियाँ सामान्यतः हफ्ते में 5 से 6 दिन और रोजाना 8 से 9 घंटे काम करती हैं। यह अलग-अलग कंपनी में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर तकनीशियन → इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर → वरिष्ठ तकनीकी प्रबंधक

अथवा

जूनियर तकनीशियन → कम्युनिकेशन इंजीनियर → वरिष्ठ तकनीकी प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी, बड़ौदा, गुजरात
3. आलिया यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम
5. गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, अहमदाबाद, गुजरात
6. गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयम्बटूर, तमिलनाडु
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
8. तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान, मणिपाल, कर्नाटक
3. वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, वेल्लोर, तमिलनाडु
4. एस.आर.एम. यूनिवर्सिटी चेन्नई, तमिलनाडु
5. निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
6. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, असम
7. कलिंग औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान, बदरघुनाथपुर, ओडिशा
8. डॉ. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

राजीव सूरी भारतीय मूल के सिंगापुर स्थित व्यापारिक कार्यकारी हैं, जिन्होंने वर्ष 1989 में भारत के मंगलूरु विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक किया। उन्होंने अपने पेशेवर जीवन की शुरुआत कैलकॉम इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रोडक्शन इंजीनियर के रूप में की। आई.सी.एल. इंडिया और चर्चगेट ग्रुप, नाइजीरिया में पाँच साल बिताने के बाद, वर्ष 1995 में वे एन.एस.एन. इंडिया में सिस्टम मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जुड़े। एक दशक के भीतर ही वह नोकिया नेटवर्क्स एशिया पैसिफिक के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट के पद तक पहुँच गए और 1 अक्टूबर 2009 को उन्हें नोकिया सॉल्यूशन्स और नेटवर्क्स (तत्कालीन नोकिया सिएमेंस नेटवर्क्स) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।*

स्रोत— https://manipal.edu/mu/alumni/eminent-personalities/list/rajeev-suri.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

पर्यावरण अभियंता

पर्यावरण इंजीनियर, मृदा विज्ञान, जीव विज्ञान एवं रसायन विज्ञान के सिद्धांतों का उपयोग करके कचरे का निपटान, मिट्टी का कटाव, जल एवं वायु प्रदूषण के लिए समाधान खोजते हैं। ये प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तकनीकी उपकरण डिजाइन करते हैं। ये पर्यावरण तथा जन स्वास्थ्य में सुधार के लिए भी उत्तरदायी होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में उत्तम हो।
- आप समस्याओं का विश्लेषण और समाधान करने में सक्षम हों।
- आप एक टीम में काम करना पसंद करते हों।
- आप पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर चिंतन करते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 20,000–2,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. पर्यावरण इंजीनियरिंग में बी.टेक./बी.ई. करें और साथ ही पर्यावरण इंजीनियरिंग या संबद्ध क्षेत्र में एम.टेक./एम.ई. करें।

अथवा

पर्यावरण इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

पर्यावरण अभियंता की आय **₹ 30,000–82,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/environmental-engineer-salary-SRCH_KO0,22.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (राज्य सरकार), वैज्ञानिक एवं तकनीकी परामर्श सेवाएँ, पेट्रोकेमिकल उद्योग, हाइड्रो-केमिकल उद्योग, जनता के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए काम करने वाले गैर-राजकीय संगठन, अनुसंधान और नवाचार में सम्मिलित संगठन।

कार्य वातावरण— आपको प्रतिदिन कम से कम 8 घंटे काम करना होगा और आवश्यकता पड़ने पर ओवरटाइम भी करना पड़ सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

पर्यावरण इंजीनियरिंग तकनीशियन → पर्यावरण विज्ञान इंजीनियर → पर्यावरण विज्ञान स्वास्थ्य और सुरक्षा अधिकारी → पर्यावरण अनुपालन निरीक्षक → परियोजना अधिकारी → प्रोफेसर/वैज्ञानिक/शोधकर्ता

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र, हरियाणा
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, उत्तराखंड
3. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल, तेलंगाना
4. दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
5. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, महाराष्ट्र
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धनबाद, झारखंड
8. जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, चेन्नई, तमिलनाडु
2. वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (वी.जे.टी.आई.), मुंबई, महाराष्ट्र
3. सिंघानिया यूनिवर्सिटी, झुंझुनू, राजस्थान
4. श्री के.जे. पॉलिटेक्निक, भरूच, गुजरात
5. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे, महाराष्ट्र
6. यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर, राजस्थान
7. श्री रामस्वामी मेमोरियल यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
8. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

डॉ. राकेश कुमार ने राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (सी.एस.आई.आर.) के निदेशक के रूप में कार्य किया। उन्होंने पर्यावरण इंजीनियरिंग में आर.टी.एम नागपुर विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की। उन्हें पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग के सभी क्षेत्रों, विशेष रूप से वायु प्रदूषण नियंत्रण एवं प्रबंधन, शहरी वायु गुणवत्ता निगरानी, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य में व्यापक अनुभव है। डॉ. कुमार ने घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास में योगदान दिया है, जिसकी वजह से देश में मौलिक परिवर्तन आया है।*

स्रोत— https://inair-neeri.res.in/team-member/22

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

अग्नि और सुरक्षा अभियंता

अग्नि और सुरक्षा अभियंता, किसी स्थापत्य की संरचना एवं डिजाइन में आग से होने वाले जोखिमों को रोकने और कम करने के लिए काम करते हैं। ये निर्धारित करते हैं कि किसी संरचना को आग लगने की स्थिति में प्रभावी ढंग से निपटने में किस प्रकार के अग्नि सुरक्षा उपकरणों की आवश्यकता होती है।

व्यक्तिगत गुण

- आप समूह में काम करना पसंद करते हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हो।
- आपको क्षेत्र की बारीकियों का पता हो।
- आपकी लोगों की समस्याएँ सुलझाने और उनकी सहायता करने में रुचि हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ **20,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. आग और सुरक्षा/अग्नि सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन/अग्नि और औद्योगिक इंजीनियरिंग में स्नातक करें।

अथवा

अग्नि और सुरक्षा/अग्नि सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन/अग्नि और औद्योगिक इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करें।

अथवा

स्नातक के बाद अग्नि और सुरक्षा प्रबंधन में एम.बी.ए. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

अग्नि एवं सुरक्षा अभियंता की आय
₹ **50,000–1,20,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/fire-engineer-salary-SRCH_KO0,13.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— फायर इंजीनियर्स राजकीय फायर सेवाओं, औद्योगिक स्थानों, जैसे– कारखानों और मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स, हवाई अड्डा, स्टेडियम, अनुसंधान प्रयोगशालाएँ, कॉलेज, विश्वविद्यालय और अन्य उच्च-इमारतें।

कार्य वातावरण— आपको कार्यालयी समय सुबह 10 से शाम 5 तक काम करना होता है, यदि आप किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं या यात्रा कर रहे हों, तो कार्य समय अधिक हो सकता है। आपको निरीक्षण, आग की जाँच या प्रशिक्षण प्रदान करने का दायित्व भी दिया जा सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

फायर ऑपरेटर → लीडिंग फायर मैन → फायर प्रिवेंशन ऑफिसर → सहायक मंडल अधिकारी → मंडल अधिकारी → उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी → मुख्य अग्निशमन अधिकारी
इंजीनियर → निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र
2. राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र
3. विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल, कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि, केरल
4. हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन, गुजरात
5. राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा एवं सुरक्षा प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. दरभंगा इंजीनियरिंग कॉलेज, दरभंगा, बिहार
7. छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई, छत्तीसगढ़
8. राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान, मुबारकपुर, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. इंजीनियरिंग स्कूल, पेट्रोलियम और ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
2. रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
3. ओ.पी.जे.एस. विश्वविद्यालय, सादुलपुर, राजस्थान
4. संदीप विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र
5. गलगोटिया विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश
6. मेडी-कैप्स विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
7. जे.एस. विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश
8. सिंघानिया विश्वविद्यालय, झुंझुनू, राजस्थान

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



दूरस्थ शिक्षा संस्थान
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

हर्षिनी कान्हेकर भारत की पहली महिला फायर फाइटर हैं, जिन्होंने अपने सपने को पूरा करने के लिए लड़कों के कॉलेज में प्रवेश लिया। उन्होंने नागपुर में नेशनल फायर सर्विस कॉलेज से स्नातक किया। उनकी नौकरी ने उन्हें महीनों तक घर से दूर रखा, लेकिन उन्होंने तमाम मुश्किलों के बावजूद जीत प्राप्त की।*

स्रोत— https://shesightmag.com/the-insourcing-story-of-harshini-kanhekar-the-first-woman-firefighter-in-india/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

खाद्य अभियंता

खाद्य या फूड इंजीनियरिंग, खाद्य निर्माण से संबंधित एक वैज्ञानिक और बहु-विषयक क्षेत्र है। कच्चे माल को खाद्य के रूप में बदलने में नई औद्योगिक प्रक्रियाओं को लागू करने के लिए खाद्य इंजीनियर उत्तरदायी होते हैं। इस क्षेत्र में पैकेजिंग, भंडारण और वितरण भी सम्मिलित है।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान में रुचि हो।
- आपको टीम में काम करना पसंद हो।
- किसी वस्तु की कार्य प्रक्रिया को समझने में आपकी गहरी रुचि हो।
- आपके पास वनस्पतियों और जीवों को पहचानने की क्षमता हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन प्रगति छात्रवृत्ति लड़कियों के लिए— यह छात्रवृत्ति ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा प्रदान की जाती है, तकनीकी शिक्षा, जिसमें इंजीनियरिंग के क्षेत्र सम्मिलित हैं, का अध्ययन कर रही लड़कियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से है।
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **15,000–16,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

विज्ञान वर्ग (भौतिक, रसायन और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें। कृषि इंजीनियरिंग/खाद्य इंजीनियरिंग/खाद्य विज्ञान /खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी/जैव रासायन (बायोकेमिकल) इंजीनियरिंग या अन्य संबद्ध विषयों में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

खाद्य अभियंता की आय ₹ **42,000–75,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Skill=Food_Process_Engineering/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— खाद्य अभियंता, खाद्य उद्योग, शिक्षा, राजकीय एजेंसियों, अनुसंधान केंद्रों, परामर्श फर्मों, दवा कंपनियों, स्वास्थ्य सेवा फर्मों और उद्यमशीलता परियोजनाओं में काम करते हैं।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में आपको कार्यालय या फैक्ट्री में काम करना होगा। यहाँ आपको उपकरणों से आने वाली तेज आवाज का सामना करना पड़ सकता है। आप बहुत गर्म या बहुत ठंडे तापमान के संपर्क में आ सकते हैं। यहाँ आप प्रति सप्ताह 35 से 40 घंटे तक काम करेंगे। सप्ताहांत में भी आपको काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

फूड लैब अटेंडेंट → खाद्य अभियंता → वरिष्ठ खाद्य अभियंता → संचालन प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम खाद्य तकनीकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
3. तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम
4. अलगप्पा कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
5. राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान, तंजावुर, तमिलनाडु
6. वॉग इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
7. केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर, केरल
8. एन.आई.टी. राउरकेला, ओडिशा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. सिंघानिया विश्वविद्यालय, झुंझुनू, राजस्थान
2. डॉ. डी.वाई. पाटिल जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
3. धनलक्ष्मी श्रीनिवासन इंजीनियरिंग कॉलेज, पेरम्बलुर, तमिलनाडु
4. मुसलियार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तिरुवनंतपुरम, केरल
5. जया प्रौद्योगिकी संस्थान, कांचीपाडी, तमिलनाडु
6. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. पारुल यूनिवर्सिटी, बड़ौदा, गुजरात
8. कलासलिंगम अनुसंधान और शिक्षा अकादमी, कृष्णनकोइल, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

प्रियंका अग्रवाल, यूनाइटेड ब्रेवरीज लिमिटेड (यू.बी.एल.) में उत्पाद विकास कार्यकारी (प्रोडक्ट डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव) हैं। उनके दायित्वों में विभिन्न व्यंजनों को नए-नए तरीकों से तैयार करने हेतु प्रयोग करना, कच्चे माल की गुणवत्ता जाँच करना, प्रक्रियाधीन और अंतिम उत्पाद और प्रीमियम ब्रांड के उत्पादन के लिए विभिन्न साइटों पर शोध करना सम्मिलित है। अग्रवाल ने फूड टेक्नोलॉजी और प्रोसेसिंग में बी.टेक. किया है।*

स्रोत— https://www.peoplematters.in/article/diversity/brewing-change-how-women-are-redefining-the-indian-beer-industry-35282

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

फुटवियर डिजाइनर

फुटवियर डिजाइनर, जूते व चप्पलें बनाने के लिए नए-नए डिजाइन तैयार करते हैं। फुटवियर डिजाइनर, अपने ग्राहकों को संतुष्ट करते हुए वर्तमान रुझानों के आधार पर नए उत्पाद निर्माण करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं के निर्माण में रुचि हो।
- आप रचनात्मक हों।
- आप कुशल संवादकर्ता हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्ति योजना— उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए जो उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें डिजाइन पाठ्यक्रम भी सम्मिलित है। पात्र विद्यार्थी राज्य के छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।
- मुख्यमंत्री मेधावी योजना (मध्य प्रदेश)— डिजाइन सहित व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा छात्रवृत्ति योजना। आवेदन ऑनलाइन जमा किए जा सकते हैं।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–8,64,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

किसी भी वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
शू डिजाइनिंग में स्नातक (बी.डेस.) करें, इसके बाद उसी विषय में एम.डेस. करें।

अथवा

किसी भी वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण, इसके बाद स्नातक (बी.डेस.) करें और शू डिजाइनिंग में एम.डेस. करें।*

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

फुटवियर डिजाइनर की आय ₹ **30,000–1,15,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/footwear-designer-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप डिजाइन परामर्श फर्मों, जूते उत्पादन और व्यापारिक कंपनियों, फुटकर और थोक कंपनियों, आयात या निर्यात उद्योग, मर्चेंडाइजिंग कंपनियों, उत्पाद निर्माण कंपनियों, कॉर्पोरेट व्यवसायों आदि में काम कर सकते हैं।

उद्यमिता— आप स्वयं एक फुटवियर डिजाइनर कंपनी भी आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— काम का समय सामान्यतः प्रतिदिन 8–9 घंटे तथा सप्ताह में 5–6 दिन होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

ट्रेनी फुटवियर डिजाइनर → फुटवियर डिजाइनर → सीनियर फुटवियर डिजाइनर → डिजाइन लीड

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम डिजाइन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, चंडीगढ़
2. फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, चेन्नई, तमिलनाडु
3. फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, जोधपुर, राजस्थान
4. केंद्रीय फुटवियर प्रशिक्षण केंद्र, पुंजली, पश्चिम बंगाल
5. केंद्रीय फुटवियर प्रशिक्षण संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
6. फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, मध्य प्रदेश
7. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात
8. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, गुवाहाटी, असम

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. आर्टेमिसिया कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, इंदौर, मध्य प्रदेश
2. ए.पी.जे. कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स, जालंधर, पंजाब
3. अलख प्रकाश गोयल शिमला विश्वविद्यालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश
4. अमृता स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, कोच्चि, केरल
5. एमिटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा
6. भारतीय कला और डिजाइन संस्थान, नई दिल्ली
7. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

पायल कोठारी एक भारतीय फुटवियर डिजाइनर हैं, जो "वेरुश्का" की संस्थापक हैं, जो देश के प्रमुख डिजाइनर फुटवियर स्टोर्स में से एक है। पायल ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से पढ़ाई की है और उन्होंने एक्सेसरी डिजाइन (बी) की तकनीकी कला में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है।

स्रोत— https://fashionfad.in/designer-biography/payal-kothari/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

फॉरेंसिक इंजीनियर

फॉरेंसिक इंजीनियर ऐसे उत्पादों, सामग्रियों, संरचनाओं और घटकों की जाँच करते हैं, जो या तो खराब हो जाते हैं या जिससे व्यक्ति और संपत्ति को नुकसान हो सकता है। फॉरेंसिक इंजीनियर वाहन या यांत्रिक दुर्घटनाओं को भी संभालते हैं और इनके कारणों का पता लगाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाने वाली मेथोडोलॉजी को भी निर्धारित करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान में रुचि हो।
- किसी वस्तु की कार्य प्रक्रिया को समझने में आपकी गहरी रुचि हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप किसी वैज्ञानिक समस्या को हल करने हेतु कंप्यूटर का उपयोग जानते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक, रसायन और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. फॉरेंसिक विज्ञान/इंजीनियरिंग की कोई भी शाखा/फार्मेसी/कंप्यूटर एप्लीकेशन/गणित/दंत चिकित्सा या एम.बी.बी.एस. में स्नातक करें।

अथवा

उपरोक्त किसी भी विषय में स्नातक करने के बाद उसी या संबंधित विषय में स्नातकोत्तर कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

फॉरेंसिक इंजीनियर की आय ₹ **25,000-95,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.erieri.com/salary/job/forensic-engineer/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— बड़े निगम, छोटी इंजीनियरिंग फर्म, स्वतंत्र सलाहकार, बीमा कंपनियाँ, कानूनी फर्म और राजकीय एजेंसीज।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में आपके कार्यालय या प्रयोगशाला में काम करने की संभावना है। आपको सप्ताह में 5–6 दिन और रोजाना 8–9 घंटे तक काम करना पड़ सकता है। आपको जाँच स्थल की यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु अभियंता/फोरेंसिक साइंस इंजीनियर → फोरेंसिक साइंस प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम फॉरेंसिक विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
2. महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल
3. मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
4. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
5. सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
6. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र
7. गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
8. मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. क्रिस्तु जयंती कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. जे.एस.एस. एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, मैसूर, कर्नाटक
4. पारुल यूनिवर्सिटी, बड़ौदा, गुजरात
5. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
6. कलासलिंगम एकेडमी ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन, कृष्णनकोइल, तमिलनाडु
7. करुणा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज, कोयम्बटूर, तमिलनाडु
8. रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

शॉन ब्रैडी एक फॉरेंसिक इंजीनियर, सोसाइटी ऑफ कंस्ट्रक्शन लॉ ऑस्ट्रेलिया के निदेशक हैं और सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र के विशेषज्ञों के पैनल के सदस्य हैं। उन्होंने स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में पीएच.डी. की है। वर्ष 2019 में शॉन ब्रैडी को क्वींसलैंड सरकार के प्राकृतिक संसाधन, खान एवं ऊर्जा विभाग द्वारा वर्ष 2000 से 2019 तक क्वींसलैंड की खानों और खदानों में सभी घातक दुर्घटनाओं की समीक्षा करने के लिए नियुक्त किया गया था, जिसके लिए उन्होंने उद्योग और नियामक दोनों के लिए 11 अनुशंसाएँ दीं, जिसमें उन्होंने मृत्यु दर और घटना दर को कैसे कम करें, इसके सुझाव दिए।*

स्रोत— https://www.bradyheywood.com.au/brady-review/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भू-सूचना विज्ञान अभियंता

भू-सूचना विज्ञान इंजीनियरिंग, भूगोल, कार्टोग्राफी, भू-विज्ञान, विज्ञान और इंजीनियरिंग की संबंधित शाखाओं की समस्याओं का समाधान करने के लिए सूचना विज्ञान की बुनियादी संरचना के विकास और उपयोग पर बल देती है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको बाहर काम करना पसंद हो।
- आप प्रयोग करना पसंद करते हों।
- आपकी विज्ञान और गणित में रुचि हो।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **15,000–14,51,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक, रसायन और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. भू-सूचना विज्ञान इंजीनियरिंग में बी.एस.सी./बी.ई./बी.टेक. करें।

अथवा

जियोइन्फॉर्मेटिक्स में डिप्लोमा करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भू-सूचना विज्ञान अभियंता की आय ₹ **22,000–60,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/geo-informatics-salary-SRCH_KO0,15.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— राजकीय या निजी अंतरिक्ष एजेंसी, परिवहन कंपनी, सिविल इंजीनियरिंग या आर्किटेक्चर फर्म, इंटेलिजेंस फर्म, भूकंप निगरानी केंद्र, मौसम निगरानी स्टेशन, सैन्य कमांड और नियंत्रण केंद्र, एक शोध प्रयोगशाला या विश्वविद्यालय।

कार्य वातावरण— कंपनियाँ सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करती हैं। यह कंपनी से कंपनी में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जिओ-इन्फॉर्मेटिक्स सहायक → जिओ-इन्फॉर्मेटिक्स इंजीनियर → जिओ-इन्फॉर्मेटिक्स मैनेजर

अथवा

जी.आई.एस. प्रशिक्षु → जी.आई.एस. तकनीशियन→ जी.आई.एस. ऑपरेटर → जी.आई.एस. कार्यकारी→ जी.आई.एस. विश्लेषक → जी.आई.एस. विशेषज्ञ→ जी.आई.एस. विशेषज्ञ → जी.आई.एस. प्रबंधक → जी.आई.एस. ऑपरेशंस मैनेजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
6. आंध्र विश्वविद्यालय कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
7. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुइंडी, चेन्नई, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
2. एस.आर.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
3. सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
4. मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
5. पार्क कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु
6. यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, उत्तराखंड
7. अमृता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, केरल
8. एशियन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, इंफाल, मणिपुर

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

ऐनी हेल मिगलेरेज की संस्था रेडिएंट अर्थ फाउंडेशन, भू-स्थानिक विश्लेषण प्रदान करती है, जो इमेजरी और मैपिंग डेटा का उपयोग करके सूचित निर्णय लेने को सशक्त बनाती है, ताकि विकासशील दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों को हल करने में सहायता मिल सके। रेडिएंट अर्थ की स्थापना से पहले, उन्होंने नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के कोस्टल सर्विसेज सेंटर के प्रमुख के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने 10 वर्षों तक संगठन के रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस. कार्यक्रमों का निर्देशन किया। मिगलेरेज ने साउथ कैरोलिना विश्वविद्यालय से भूगोल में दोनों अपनी डिग्री स्नातक और स्नातकोत्तर प्राप्त की हैं।*

स्रोत— https://geospatialworldforum.org/2019/speakers-bio.asp?id=gwf2019A31

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

ग्राफिक डिजाइनर

ग्राफिक डिजाइनर, उन्नत कंप्यूटर सॉफ्टवेयर की सहायता से संदेशों को संप्रेषित करने के लिए दृश्य सामग्री या ग्राफिक बनाते हैं। ग्राफिक डिजाइनर मुख्य रूप से प्रकाशित, मुद्रित या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए ब्रोशर, विज्ञापन या अन्य चित्रित सामग्री तैयार करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी कलात्मक कार्यों में रुचि हो।
- आपकी कंप्यूटर पर कार्य करने में रुचि हो।
- आप टीमों के साथ काम करने में सहज हों।
- आपको काम करते समय विवरणों पर ध्यान देना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्ति योजना— उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए जो उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें डिजाइन पाठ्यक्रम भी सम्मिलित है। पात्र विद्यार्थी राज्य के छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।
- मुख्यमंत्री मेधावी योजना (मध्य प्रदेश)— डिजाइन सहित व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा छात्रवृत्ति योजना। आवेदन ऑनलाइन जमा किए जा सकते हैं।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 30,000–19,41,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. ग्राफिक डिजाइन/वेब डिजाइन या किसी समान विषय में स्नातक (बी.डिजाइन) करें।

अथवा

ग्राफिक डिजाइन/वेब डिजाइन या किसी समान विषय में बी.डिजाइन करें, इसके बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.डिजाइन) करें।

किसी भी विषय में स्नातक (बी.डिजाइन) करें, इसके बाद ग्राफिक डिजाइन में पीजी डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

ग्राफिक डिजाइनर की आय **₹ 12,083–35,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/graphic-designer-salary-SRCH_KO0,16.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— प्रिंट हाउस, टेलीविजन उद्योग, डिजाइन समूह केंद्र, विज्ञापन उद्योग, गेम विकास कंपनियाँ, ई-कॉमर्स, समाचार और पत्रिकाएँ, पैकेजिंग उद्योग, मल्टीमीडिया कंपनियाँ आदि।

उद्यमिता— आप स्वयं की डिजाइनिंग कंपनी भी स्थापित कर सकते हैं, जहाँ आप अपने क्लाइंट की आवश्यकतो को पूरा करेंगे।

कार्य वातावरण— आपको सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना पड़ता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर डिजाइनर → ग्राफिक्स डिजाइनर → सीनियर ग्राफिक्स डिजाइनर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम डिजाइन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात
2. पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
3. तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे, महाराष्ट्र
4. राजस्थान आई.एल.डी. स्किल्स यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
5. थुनछथ मलयालम विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल
6. पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

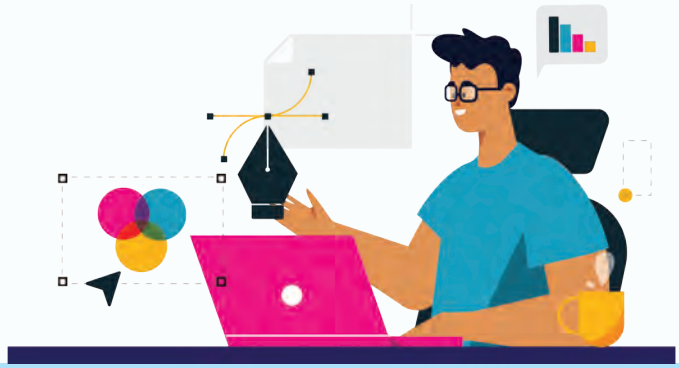
1. इंटरनेशनल स्कूल ऑफ डिजाइन, पुणे, महाराष्ट्र
2. यूनाइटेड वर्ल्ड इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद, गुजरात
3. अजिंक्य डी.वाई. पाटिल विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
4. ए.पी.जे. श्याम विश्वविद्यालय, सोहना, तमिलनाडु
5. आर्क एकेडमी ऑफ डिजाइन, जयपुर, राजस्थान
6. ऑरो यूनिवर्सिटी, सूरत, गुजरात
7. डी.वाई. पाटिल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पिंपरी-चिंचवाड़, महाराष्ट्र
8. डी.वाई. पाटिल विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सुजाता केशवन एक भारतीय ग्राफिक डिजाइनर हैं, जो "रे एंड केशवन" की सह-संस्थापक भी हैं, जो भारत में स्थित एक ब्रांड डिजाइन फर्म है। केशवन ने वर्ष 1984 में अहमदाबाद के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और उसके बाद येल विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ आर्ट से ग्राफिक डिजाइन में मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री हासिल की। वर्ष 2016 में केशवन ने उद्यमियों रवि प्रसाद और मीता मल्होत्रा के साथ मिलकर एक हस्तशिल्प विलासी फैशन ब्रांड, वाराणा डिजाइन लिमिटेड की सह-स्थापना की।*

स्रोत— https://design.careers360.com/articles/most-popular-indian-graphic-designers)

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

इंडस्ट्रियल डिजाइनर

इंडस्ट्रियल डिजाइनर, कार, घरेलू उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स और खिलौने, जैसे– निर्मित उत्पादों के लिए अवधारणाएँ विकसित करते हैं। ये कला, व्यवसाय और इंजीनियरिंग को मिलाकर ऐसे उत्पादों का निर्माण करते हैं, जिनका उपयोग लोग दैनिक जीवन में करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी वस्तुओं के निर्माण में रुचि हो।
- आप कलात्मक व्यवसायों में रुचि रखते हों।
- आप समूह में काम करने में सहज हों।
- आप कंप्यूटर पर काम करने में सहज हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- आई.डी.सी. स्कूल ऑफ डिजाइन, आई.आई.टी. बॉम्बे— एम.डी.एस. विद्यार्थियों को 24 महीने के लिए रुपये 2,500 प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान करता है और पीएच.डी. विद्यार्थियों के लिए, पहले दो वर्षों के लिए रुपये 6,000 और उसके बाद रुपये 6,400 की छात्रवृत्ति प्रदान करता है।
- अवंतिका विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति— डिजाइन विद्यार्थियों के लिए वेद व्यास छात्रवृत्ति, विक्रम छात्रवृत्ति और अर्जुन छात्रवृत्ति जैसी विभिन्न छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 40,000–15,76,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. इंडस्ट्रियल डिजाइन में स्नातक (बी.डिजाइन) डिग्री करें।

अथवा

बैचलर ऑफ डिजाइन के बाद संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम. डिजाइन) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

इंडस्ट्रियल डिजाइनर की आय **₹ 20,000–1,67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Industrial_Designer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— परीक्षण सुविधा केंद्र, डिजाइन केंद्र, ग्राहकों के प्रदर्शनी स्थल, उपयोगकर्ताओं के घर या कार्यस्थल, उत्पाद विनिर्माण स्थल।

उद्यमिता— आप कोई प्राइवेट फर्म भी आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— यहाँ आप सामान्यतः सप्ताह में 5–6 दिनतथा प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करेंगे। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु इंडस्ट्रियल डिजाइनर → इंडस्ट्रियल डिजाइनर → वरिष्ठ इंडस्ट्रियल डिजाइनर → डिजाइन लीड

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम डिजाइन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड
2. औद्योगिक डिजाइन केंद्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
3. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, गुवाहाटी, असम
4. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश
5. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, सोनीपत, हरियाणा
6. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अमरावती, आंध्र प्रदेश
7. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, ओडिशा
8. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
2. डी.जे. अकादमी ऑफ डिजाइन, कोयंबटूर, तमिलनाडु
3. निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
4. प्रियदर्शनी इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्चर एंड डिजाइन, नागपुर, महाराष्ट्र
5. सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे, महाराष्ट्र
6. टेर्ना इंजीनियरिंग कॉलेज, नवी मुंबई, महाराष्ट्र
7. यूनाइटेड वर्ल्ड इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद, गुजरात
8. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

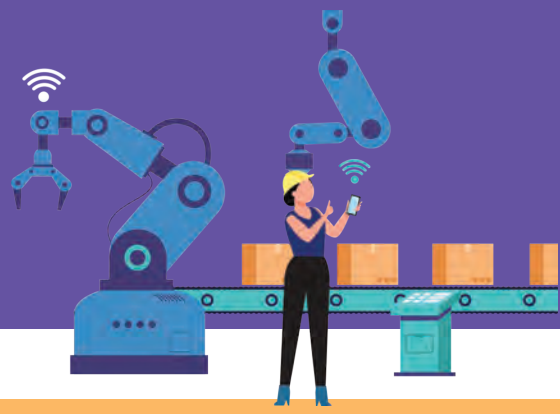
मान सिंह एक भारतीय उत्पाद/औद्योगिक डिजाइनर के साथ-साथ एच.ओ.एफ. के डिजाइन निदेशक भी हैं, जो एक पुरस्कार विजेता भारतीय फर्नीचर ब्रांड है। उन्होंने अहमदाबाद के राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान से डिजाइन में स्नातक किया है। मान सिंह ने 2009 और फिर 2010 में एले डेकोर इंटरनेशनल डिजाइन अवार्ड जीता है।*

स्रोत— https://shop.hofindia.com/mann-singh-collection-2

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

औद्योगिक अभियंता

औद्योगिक अभियंता, किसी उद्योग की समग्र उत्पादकता को बढ़ाने से संबंध रखते हैं। औद्योगिक अभियंता उत्पादन प्रक्रिया में समग्र डिजाइन और उपयोगिता में सुधार के लिए नए तरीके खोजने के लिए प्रयासरत रहते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपको सिस्टम डिजाइन और प्रक्रिया अनुकूलन का ज्ञान हो।
- आप उत्पाद की गुणवत्ता के प्रति सजग हों।
- आप कार्य, गति और समय का ध्यान रखते हों।
- लेआउट डिजाइन में रुचि रखते हों।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना— यह छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **52,000–25,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक, रसायन और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. औद्योगिक इंजीनियरिंग/मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक/बी.ई.) करें।

अथवा

रसायन, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक./बी.ई.) करें।

अथवा

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करें। इसके बाद बी.ई./बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में लैटरल एंट्री से प्रवेश प्राप्त करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

औद्योगिक अभियंता की आय ₹ **12,500–70,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.pw.live/exams/gate/industrial-engineer-salary/

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर, बिजली कंपनियाँ, स्टील कंपनियाँ व तेल और गैस क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— कंपनियाँ सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और रोजाना 8 से 9 घंटे काम करती हैं। यह कंपनी से कंपनी में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

औद्योगिक अभियंता → वरिष्ठ औद्योगिक अभियंता → परियोजना प्रबंधक → औद्योगिक इंजीनियरिंग प्रमुख → महाप्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बाम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
3. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
4. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु
5. रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सतारा पॉलिटेक्निक, जाकटवाड़ी, महाराष्ट्र
2. राष्ट्रीय विद्यालय कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात
5. जे.एस.एस. अकादमी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
7. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
8. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट, ग्वालियर, मध्य प्रदेश

इंस्टीट्यूशन रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

कैरोलीन रोजास एक औद्योगिक अभियंता हैं, जो डब्ल्यू. आई.आई.ई. अकादमी की कार्यकारी निदेशक हैं। वह एस.जी.एस. अकादमी, पेरू में एक अकादमिक कोऑर्डिनेटर के रूप में भी काम करती हैं, जो नए उत्पादों का विकास करती हैं, इकाई की रणनीति और उपलब्धि में सुधार करती हैं और संस्था के ग्रेजुएट्स को पढ़ाने हेतु मुख्य प्रभारी है। उन्होंने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग से अपनी शिक्षा पूरी की थी और बाद में पेरू के पिउरा विश्वविद्यालय से एम.बी.ए. किया। वह ओपन ऑनलाइन कोर्स प्रदाता कोर्सेरा की प्रशिक्षकों में से एक हैं।*

स्रोत— https://www.coursera.org/instructor/~110069673

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियर

इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियर, उपकरणों की निगरानी और नियंत्रण के लिए उपयोग में लाए जाने वाले उपकरणों को डिजाइन, विकसित एवं स्थापित करने का काम करते हैं। इसके साथ ही वे इनका प्रबंधन व संचालन भी करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी उपकरण डिजाइनिंग में रुचि हो।
- आपको नियंत्रण प्रणाली का ज्ञान हो।
- आपको सेंसर और ट्रांसड्यूसर का ज्ञान हो।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना— यह छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 4,000–16,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियर की आय **₹ 30,000–80,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Instrumentation_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— उत्पादन कंपनियाँ, राजकीय और निजी इंजीनियरिंग फर्म, रक्षा ठेकेदार, बायोमेडिकल फर्म, स्टील प्लांट, थर्मल प्लांट, रासायनिक कंपनियाँ।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में आपका अधिकतर समय उपकरणों के लिए ब्लूप्रिंट डिजाइन करने में बीतता है। आपको कारखानों या वैसी ही अन्य व्यवस्था में डिजाइन विकसित करने, परीक्षण और उपकरणों को बनाए रखने और उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में बहुत समय बिताना पड़ सकता है, जिसके चलते विभिन्न स्थानों की यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

तकनीशियन इंस्ट्रूमेंटेशन → इंस्ट्रूमेंटेशन सुपरवाइजर



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना
2. गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, मुंबई, महाराष्ट्र
3. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
4. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोकराझार, असम
5. गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, अहमदनगर, महाराष्ट्र
6. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
7. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, त्रिची, केरल
8. गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अमरावती, महाराष्ट्र
9. संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लोंगोवाल, पंजाब

निजी संस्थान

(आवेदन करने से पहले कृपया जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला, पंजाब
2. कलकत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. श्रीमती इंदिरा गांधी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मुंबई, महाराष्ट्र
5. वल्लुरुपल्ली नागेश्वर राव विज्ञान ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, तेलंगाना
6. सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई तमिलनाडु
7. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
8. हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

राजेंद्र पी. पाटिल एक औद्योगिक सलाहकार हैं और वर्तमान में टोटल प्लांट कंपनी में पॉवर प्लांट के प्रमुख हैं। उन्होंने इंस्ट्रूमेंटेशन में बी.ई. किया था और उन्हें इस क्षेत्र में 35 साल का अनुभव है।*

स्रोत— https://www.upskul.tech/courses/certified-industrial-instrumentation-professional/

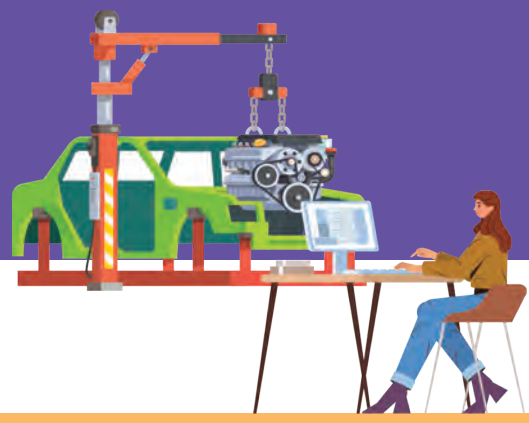
**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर

मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर, कंप्यूटर नेटवर्क, रोबोट, स्वचालित (ऑटोमैटेड) मशीन, मशीन टूल्स और मटेरियल-हैंडलिंग उपकरण के डिजाइन और संचालन से संबंधित कार्य करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी रचनात्मक कार्यों में रुचि हो।
- आपकी सोच आलोचनात्मक हो और समयाएँ सुलझाने में सक्षम हों।
- आपकी मशीनी कार्यों में रुचि हो।
- आप डेटा विश्लेषण और उसके क्रियान्वयन में सक्षम हों।
- आप भौतिक विज्ञान एवं गणित में दक्ष हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना— यह छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 23,000–4,45,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. मैन्युफैक्चरिंग साइंस एंड इंजीनियरिंग में बी.टेक./बी.ई. करें।

अथवा

निर्माण विज्ञान एवं अभयांत्रिकी में डिप्लोमा/बी.वी.ओ.सी. या सर्टिफिकेट कोर्स करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको जे.ई.ई. मेन्स/जे.ई.ई. एडवांस्ड/बी.आई.टी.एस.ए.टी./एस.आर.एम.जे.ई.ई./के.ई.ए.एम./वी.आई.टी.ई.ई.ई./यू.पी.सी.ई.टी./यू.पी.सी.ई.टी./आई.पी.यू.सी.ई.टी. जैसी प्रवेश परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर की आय **₹ 16,166–83,333*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— एयरोस्पेस उद्योग, ऑटोमोटिव उद्योग, कंस्ट्रक्शन और बिल्डिंग सेवाएँ, भारतीय सशस्त्र बल और रक्षा मंत्रालय, विनिर्माण उद्योग, इंजीनियरिंग परामर्शदाता संस्थान आदि।

कार्य वातावरण— मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर, कार्यालय, कारखाने, संयंत्र, प्रयोगशाला, निर्माण स्थल या एक तेल/गैस उत्पादन स्थल में काम कर सकता है। मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर के काम का मानक समय 40 घंटे प्रति सप्ताह होता है, जिसके अतिरिक्त आवश्यकता पड़ने पर ओवरटाइम भी करना हो सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर → डिजाइन इंजीनियर → प्रोडक्ट इंजीनियर → प्रोडक्ट इंजीनियरिंग मैनेजर

या

क्वालिटी एश्योरेंस इंजीनियर → क्वालिटी एश्योरेंस मैनेजर

या

सीनियर मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर → मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियरिंग मैनेजर → डायरेक्टर ऑफ मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियरिंग

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम उत्पादन अभियांत्रिकी/उत्पादन अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
2. अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु
3. गुइंडी इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लोंगोवाल, पंजाब
5. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और विनिर्माण संस्थान, कांचीपुरम, तमिलनाडु
6. राष्ट्रीय उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची, झारखंड
7. शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
8. शासकीय टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर, बेंगलुरु, कर्नाटक

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
2. पारुल यूनिवर्सिटी, बड़ौदा, गुजरात
3. वेल्लोर, इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
4. आचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. जे.एस.एस. अकादमी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश
6. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु
7. प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मीनू नरीमन दस्तूर, भारत में इंजीनियरिंग और धातु विज्ञान के अग्रणी माने जाने वाले परामर्शदाता हैं। उन्होंने वर्ष 1938 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। लौह अयस्क पेलेटाइजिंग और गैस आधारित डायरेक्ट रिडक्शन शाफ्ट भट्टियों को विकसित करने के अतिरिक्त, उन्होंने भारत में पहले कोयला आधारित डायरेक्ट रिडक्शन प्लांट के लिए सलाहकार के रूप में काम किया। उन्हें भारतीय कौशल और विशेषज्ञता को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकसित करने के लिए याद किया जाता है, जिसके चलते भारत में आयातित प्रौद्योगिकी का दोबारा प्रयोग किया जा सका है।*

स्रोत— business-standard.com/article/beyond-business/engineering-metallurgy-doyen-passes-away-104010601020_1.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मरीन इंजीनियर

मरीन इंजीनियर, जहाज पर सभी प्रमुख उपकरणों के संचालन, रख-रखाव और मरम्मत के लिए उत्तरदायी होते हैं। ये छोटी और मछली पकड़ने वाली नौकाओं से लेकर पनडुब्बियों और विमान वाहकों तक को डिजाइन और निर्माण करने के लिए नौसेना के वास्तुकारों के साथ काम करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान और गणितीय कार्यों में रुचि हो।
- आपको लोगों की परेशानियों को सुलझाना पसंद हो।
- आप संख्या या चार्ट के साथ काम करना पसंद करते हों।
- आपकी विश्लेषणात्मक सोच हो और गहन रूप से सोचने में सक्षम हों।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 15,000–15,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. समुद्री इंजीनियरिंग/नौसेना वास्तुकला और जहाज निर्माण/नौसेना वास्तुकला और महासागर इंजीनियरिंग में स्नातक करें।

अथवा

मरीन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मरीन इंजीनियर की आय **₹ 12,500–3,33,400*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Marine_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— इस क्षेत्र में सभी प्रकार के जहाजों, जैसे– फेरी, कार्गो जहाज और होवरक्राफ्ट, क्रूज लाइनर, सैन्य जहाज, पनडुब्बियाँ आदि पर काम करना पड़ सकता है।

कार्य वातावरण— यहाँ आप पालियों में काम करेंगे, जो 8 से 12 घंटे की हो सकती है। फिर भी आपको कभी भी इमरजेंसी में ड्यूटी के लिए बुलाया जा सकता है। इस कार्य हेतु आपको यात्रा भी करनी पड़ सकती है। आपको इंजन कक्ष में भी काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु या कनिष्ठ इंजीनियर → पाँचवां इंजीनियर → चतुर्थ इंजीनियर → तृतीय इंजीनियर → द्वितीय इंजीनियर → मुख्य इंजीनियर → तकनीकी प्रमुख → तकनीकी प्रबंधक/अधीक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम मरीन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. मरीन इंजीनियरिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, मुंबई, महाराष्ट्र
4. इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
5. इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. पेरुन्थलैवर कामराजार इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कराईकल, पुदुच्चेरी
7. इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
8. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेल्स इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड स्टडीज, वेल्स यूनिवर्सिटी चेन्नई, तमिलनाडु
2. सी.वी. रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, ओडिशा
3. स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोच्चि, केरल
4. श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई, तमिलनाडु
5. श्रीनिवास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैंगलोर, कर्नाटक
6. मोहम्मद सथक इंजीनियरिंग कॉलेज, कीलाकराई, तमिलनाडु
7. कोयंबटूर मरीन कॉलेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
8. समुंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मैरीटाइम स्टडीज, पुणे, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सोनाली बनर्जी भारत की पहली महिला समुद्री इंजीनियर हैं। उन्होंने कोलकाता के तारातला स्थित मरीन इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट में समुद्री इंजीनियरिंग में बी.ई. किया। बाद में उन्हें मोबिल शिपिंग कंपनी द्वारा छह महीने के प्री-सी कोर्स के लिए चुना गया। यह व्यावहारिक प्रशिक्षण उन्हें सिंगापुर, श्रीलंका, थाईलैंड, हांगकांग, फिजी और ऑस्ट्रेलिया के बंदरगाहों तक ले गया। 26 अगस्त, 2001 को सोनाली ने इतिहास रचा जब वह एक मोबिल शिपिंग कंपनी के जहाज पर सवार हुईं और आधिकारिक रूप से जहाज के मशीन रूम की कमान संभालने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।*

स्रोत— https://www.thebetterindia.com/157195/india-first-woman-maritime-officer-sonali-banerjee-news/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मैकेनिकल इंजीनियर

मैकेनिकल इंजीनियर, हर प्रकार के उद्योग में सभी प्रकार के यांत्रिक उपकरणों, उपकरणों, इंजनों और मशीनों का डिजाइन, विकास, निर्माण और परीक्षण करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपको भौतिक विज्ञान और गणित का ज्ञान हो।
- आप रचनात्मक और नवाचारी हों।
- आप परियोजना प्रबंधन में कुशल हों।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना— यह छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 20,000–2,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.एस.सी./बी.ई. करें।

अथवा

मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.एस.सी./बी.ई. करें और इसी वर्ग में एम.एस.सी./एम.ई. करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।
कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

कृपया नामांकन के दौरान कोर्स अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मैकेनिकल इंजीनियर की आय **₹ 20,000–80,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/mechanical-engineer-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप इंजीनियरिंग सेवाओं, अनुसंधान, विकास एवं विनिर्माण में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आपको कार्यालयों में काम करना होगा। कभी-कभी समस्या वाले स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। इस कार्य में आपको प्रतिदिन 8–9 घंटे और प्रति सप्ताह 5–6 दिन काम करना पड़ेगा।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

असिस्टेंट इंजीनियर → मैकेनिकल इंजीनियर → सीनियर मैकेनिकल इंजीनियर → ऑपरेशंस मैनेजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
2. इंजीनियरिंग कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
3. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
4. जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
7. एल.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद, गुजरात
8. वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(आवेदन करने से पहले कृपया जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
2. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
3. एस.आर.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
4. दयानंद सागर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. आर.वी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु
7. रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. बी.एम.एस. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

पद्मश्री से सम्मानित **लीला पूनावाला** कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला हैं। उन्होंने इंग्लैंड में रुस्टन और हॉर्न्सबी में एक प्रशिक्षु (अप्रेंटिस) के रूप में अपना करियर आरंभ किया। बाद में उन्होंने एक प्रशिक्षु इंजीनियर के रूप में एक स्वीडिश कंपनी अल्फा लवल ज्वाइन कर ली, जो भारी उद्योग के लिए विशेष उत्पादों के उत्पादन और समाधानों में काम करती है। वह कंपनी में कई पदों पर रहीं और बाद में उन्हें चेयरपर्सन चुना गया।*

स्रोत— Economictimes.indiatimes.com/how-alfa-lavals-lila-poonawalla-is-leveraging-lessons-from-career-to-promote-higher-education-for-underprivileged-girls/articleshow/34829121.सीएमएस?from=mdr

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मेटलर्जी इंजीनियर

धातुकर्म या मेटलर्जी इंजीनियर अलग-अलग प्रयोगों के लिए विभिन्न तरीकों से धातुओं को डिजाइन करने, बनाने या उत्पादन करने की प्रक्रिया का हिस्सा होते हैं। वे धातुओं को उनके अयस्कों से अलग करके उन्हें शुद्ध करते हैं और उपयोग के लिए तैयार करते हैं, जिससे उत्पाद तैयार किये जा सकें। वे धातु की गुणवत्ता में सुधार के लिए उत्तरदायी होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आपको गणित और विज्ञान में अत्यधिक रुचि हो।
- आपको समूह में काम करना पसंद हो।
- आप तर्कसंगत विचार और तर्कशीलता में अच्छे हों।
- आप समस्याओं के समाधान पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना— यह छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ **2,00,000–13,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. धातुकर्म इंजीनियरिंग में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।
धातु विज्ञान इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री (बी.ई./बी.टेक.) पूरी करें और उसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.ई./एम.टेक.) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मेटलर्जी इंजीनियर की आय ₹ **18,000–30,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/metallurgical-engineer-salary-SRCH_KO0,22.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— खनन उद्योग विशेष रूप से लोहा और इस्पात उद्योग, अनुसंधान प्रयोगशालाएँ, मोटर वाहन उद्योग, विमान निर्माण उद्योग, राजकीय और निजी शिक्षा संस्थान।

कार्य वातावरण— आपको कार्यालय या प्रयोगशालाओं में इंजीनियरों की टीम के साथ काम करना पड़ सकता है। आपको फैक्ट्रियों या कारखानों में भी काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → सहायक मेटलर्जिस्ट → मेटलर्जिस्ट → वरिष्ठ मेटलर्जिस्ट → महाप्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चैन्नई, तमिलनाडु
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
5. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिची, केरल
6. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरतकल, कर्नाटक
7. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल, तेलंगाना
8. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.जी.आई.टी.), हैदराबाद, तेलंगाना
2. स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जैन यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
4. एस.आर.एम. यूनिवर्सिटी, अमरावती, आंध्र प्रदेश
5. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
6. स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, ओ.पी. जिंदल यूनिवर्सिटी, रायगढ़, छत्तीसगढ़

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

जूली शटलवर्थ एक योग्य मेटलर्जिस्ट हैं, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया, चीन और तंजानिया में खनन उद्योग में काम करने 20 वर्षों का अनुभव है। उनका करियर प्लांट मेटलर्जिस्ट, सीनियर मेटलर्जिस्ट, प्रोसेस सुपरिंटेंडेंट, प्रोसेस मैनेजर से लेकर कई तरह के जनरल मैनेजर पदों से पदोन्नत होते हुए आगे बढ़ा। हाई स्कूल में, वह विज्ञान जैसे कि भूविज्ञान, रसायन विज्ञान से लेकर खगोल विज्ञान तक, से लगाव था। विश्वविद्यालय के दौरान खनन स्थल में हुए एक अनुभव ने उन्हें इस उद्योग में काम करने के लिए प्रेरित किया।*

स्रोत— https://www.businessnews.com.au/Person/Julie-Shuttleworth

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

खनन अभियंता

खनन अभियंता, पृथ्वी से खनिज निकालने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपने कौशल का प्रयोग करते हैं। खनन इंजीनियर के रूप में आप खदानों एवं अन्य सतही और भूमिगत संचालनों का सुरक्षित एवं कुशल विकास सुनिश्चित करेंगे। खनन इंजीनियर की भूमिका में तकनीकी ज्ञान एवं प्रबंधन कौशल के साथ अपने आस-पास के वातावरण पर इन संरचनाओं के प्रभावों को समझना सम्मिलित है।

व्यक्तिगत गुण

- आप यात्राएँ और बाहर काम करना पसंद करते हों।
- आप विश्लेषणात्मक समस्याओं को हल करने में कुशल हों।
- आप में योग्य संगठनात्मक कौशल हों।
- आप विज्ञान और गणितीय कार्यों में दक्ष हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 2,00,000–8,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. माइनिंग इंजीनियरिंग में बी.टेक/.बी.ई. करें।

अथवा

माइनिंग इंजीनियरिंग में डिप्लोमा कर सकते हैं।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

खनन अभियंता की लगभग आय **₹ 20,000–90,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Mining_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारत भर में खनन कंपनियाँ, खनन वित्त एवं परामर्श कंपनियाँ, पर्यावरण परामर्श, उत्खनन और निष्कर्षण कंपनियाँ।

कार्य वातावरण— खनन कंपनियाँ सामान्यतः सप्ताह में 6 दिन और प्रतिदिन 8-10 घंटे काम करती हैं। यह कंपनी से कंपनी में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर माइनिंग इंजीनियर → माइन प्लानिंग इंजीनियर → सीनियर माइनिंग इंजीनियर→ माइन सुपरवाइजर → स्थायी प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम खनन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. आई.आई.ई.एस.टी., शिवपुर, पश्चिम बंगाल
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
3. वी.एन.आई.टी., नागपुर, महाराष्ट्र
4. यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना
5. राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान, सुरथकल, कर्नाटक
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बी.एच.यू., वाराणसी, उत्तर प्रदेश
7. राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान, राउरकेला, ओडिशा
8. सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. आदर्श कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अंगुल, ओडिशा
2. आचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. आदित्य इंजीनियरिंग कॉलेज, सुरमपल, आंध्र प्रदेश
4. आदित्य कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, सतना, मध्य प्रदेश
5. गांधी एकेडमी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, नलगोंडा, रामपुरम, तेलंगाना
6. गोदावरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, राजामुंद्री, आंध्र प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

चंद्राणी प्रसाद वर्मा, देश की पहली महिला खनन अभियंता के रूप में जानी जाती हैं। वह अब नागपुर में केंद्रीय खनन और ईंधन अनुसंधान संस्थान में प्रमुख वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत हैं, कुछ कठिनाई के साथ खनन में डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश मिला, क्योंकि प्रबंधन किसी महिला को सीट देने से संकोच कर रहा था। बाद में, खनन में बी.टेक की डिग्री के लिए, चंद्रानी को अदालत में संघर्ष करना पड़ा और उसे 'विशेष केस' के आधार पर प्रवेश मिला। खनन क्षेत्र में नौकरी पाना आसान नहीं था और यही अपेक्षित था। अंत में, वर्ष 2001 में उन्हें सी.एस.आई.आर. में प्रोजेक्ट फेलो के रूप में नौकरी मिल गई। चंद्रानी ने रॉक यांत्रिकी एवं संख्यात्मक मॉडलिंग में पीएच.डी. भी की है।*

स्रोत— https://www.thehindu.com/education/careers/light-at-the-end-of-the-tunnel/article26444712.ece

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

नैनो टेक्नोलॉजी/नैनोसाइंस इंजीनियर

नैनो टेक्नोलॉजी/नैनोसाइंस इंजीनियरिंग में बहुत छोटे पैमाने पर सामग्रियों का अध्ययन, विकास एवं सुधार किया जाता है, ताकि उन्हें उपयोगी और प्रभावी सामग्रियों, संरचनाओं, उपकरणों में बदला जा सके।



व्यक्तिगत गुण

- आपमें परिपक्व अनुसंधान कौशल हो।
- आप तकनीकी रूप से दक्ष हों।
- आपकी रचनात्मकता और नवाचारों में रुचि हो।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना— यह छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 2,00,000–13,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. नैनो टेक्नोलॉजी/नैनोसाइंस में बी.एस.सी./बी.टेक. करें।

अथवा

नैनो टेक्नोलॉजी/नैनोसाइंस में डिप्लोमा करें।

अथवा

माइक्रोबायोलॉजी/लाइफ साइंसेस/वनस्पति/जूलॉजी/फूड साइंस/फूड टेक्नोलॉजी/बी.ई./बी.फार्मा/एम.बी.बी.एस./बी.डी.एस./बी.एच.एम.एस./बी.यू.एम.एस./बी.ए.एम.एस. या किसी अन्य अनुशासन में कोई स्नातक/बी.टेक./बी.एस.सी. करें।

अथवा

स्नातक डिग्री करें और उसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

नैनो टेक्नोलॉजी/नैनोसाइंस इंजीनियर की आय
₹ 20,000–1,00,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/sa/aries/nano-technologies-salaries/appli cations-engineer

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— स्वास्थ्य, फार्मास्युटिकल, कृषि, पर्यावरण, खाद्य और पेय जैसे उद्योग, राजकीय और निजी अनुसंधान संस्थान।

कार्य वातावरण— कंपनियाँ सामान्यतः हफ्ते में 5 से 6 दिन और रोजाना 8 से 9 घंटे काम करती हैं। यह कंपनी से कंपनी में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर रिसर्चर/इंजीनियर → एप्लीकेशन इंजीनियर → रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंजीनियर्स → शोध निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
2. चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
3. सी.एम.जे. विश्वविद्यालय, जोरबत, मेघालय
4. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड
5. इंस्टीट्यूट ऑफ गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस इंडिया, नई दिल्ली
6. टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
7. यशवंतराव चव्हाण विज्ञान संस्थान, सतारा, महाराष्ट्र

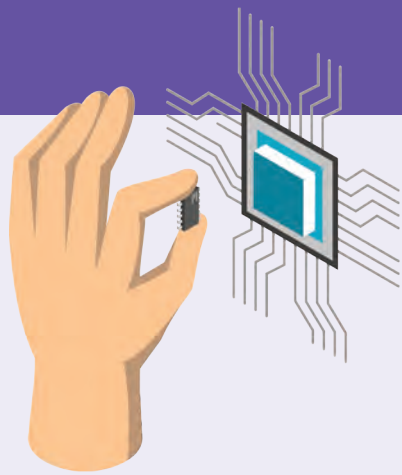
निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. एस.आर.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
2. स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
3. एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
5. भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, चेन्नई, तमिलनाडु
6. डॉ. चंद्रमोहन झा विश्वविद्यालय, शिलॉन्ग, मेघालय
7. भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान
8. इंडिया एजुकेशन सेंटर (आई.ई.सी.) विश्वविद्यालय, बद्दी कैंपस, हिमाचल प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

प्रतिमा आर. सोलंकी, विशेष सेंटर फॉर नैनोसाइंस (एस.सी.एन.एस.), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जे.एन.यू.), नई दिल्ली में सहायक प्रोफेसर के रूप में काम करती हैं और वर्तमान में एस.सी.एन.एस. में नैनो बायोग्रुप का नेतृत्व कर रही हैं। उनका समूह वर्तमान में ओरल कैंसर का पता लगाने, विटामिन और माइक्रोफ्लुइडिक-आधारित मायकोटॉक्सिन का पता लगाने के लिए नैनो बायोचिप के विकास पर काम कर रहा है। इसके मुख्य अनुसंधान क्षेत्र नैनो तकनीक के तरीकों, उपकरणों और सामग्रियों का विभिन्न बायोसेंसर प्लेटफार्मों के साथ एकीकरण करना है ताकि उन्हें पर्यावरण और नैदानिक विश्लेषण में लागू किया जा सके।*

स्रोत— https://www.jnu.ac.in/content/partima

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

ऑप्टिकल इंजीनियर

ऑप्टिकल इंजीनियर, प्रकाशिकी, यानी प्रकाश के व्यवहार का अध्ययन करते हैं, ताकि प्रकाश और ऑप्टिकल तकनीक के उपयोग से उपकरणों को डिजाइन और निर्माण कर सकें। इसके लिए उन्हें प्रकाश के विज्ञान को समझना और लागू करना आवश्यक होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान और गणित में रुचि हो।
- आप किसी वैज्ञानिक समस्या को हल करने के लिए कंप्यूटर का उपयोग कर सकते हों।
- आप प्रयोग करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान/गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. ऑप्टिकल इंस्ट्रूमेंटेशन/ऑप्टिक्स और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स/एयरोस्पेस इंजीनियरिंग/एवियोनिक्स/इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और किसी भी संबंधित क्षेत्र में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

ऑप्टिकल इंजीनियर की आय ₹ **20,000–1,58,667*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Optical_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— एयरोस्पेस उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक और प्रकाश उद्योग, कपड़ा क्षेत्र, वैज्ञानिक उपकरणों या ऑप्टोमैकेनिकल उपकरण (माइक्रोस्कोप, टेलीस्कोप, लेजर, सेंसर, फाइबर-ऑप्टिक केबल) और राजकीय संस्थाएँ।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में आपको बाहरी स्थानों और प्रयोगशालाओं में काम करना होगा। आप प्रतिदिन 8–9 घंटे और प्रति सप्ताह 5–6 दिन काम कर सकते हैं। आपको शोध परियोजनाओं को पूरा करने या रिपोर्ट लिखने के लिए देर रात या सप्ताहांत में काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

इंजीनियर → प्रोजेक्ट मैनेजर/प्रोजेक्ट इंजीनियर → सीनियर प्रोडक्ट मैनेजर/सीनियर ऑप्टिकल इंजीनियर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जवाहरलाल नेहरू आर्किटेक्चर और फाइन आर्ट्स यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना
2. दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नई दिल्ली
3. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
4. भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
6. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश
7. अलगप्पा चेट्टियार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, शिवगंगा, तमिलनाडु
8. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
9. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. स्वर्णिम स्टार्टअप और इनोवेशन यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात
2. पी.पी. सवानी यूनिवर्सिटी, सूरत, गुजरात
3. मंगलम स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, कोट्टायम, केरल
4. बी.एम.एस. स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. सनराइज यूनिवर्सिटी, अलवर, राजस्थान
6. श्रीमती मनोरमाबाई मुण्डले कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, नागपुर
7. अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात
8. हिंदू कॉलेज ऑफ डिजाइन, आर्किटेक्चर और प्लानिंग, सोनीपत, हरियाणा

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

जोशुआ बेरियर, मैरीलैंड की ग्रीनबेल्ट में नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर में एक ऑप्टिकल इंजीनियर हैं। उन्होंने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप, रोमन स्पेस टेलीस्कोप और पार्कर सोलर प्रोब जैसी 20 से अधिक अंतरिक्ष उड़ान परियोजनाओं में काम किया है। वर्तमान में, वह अंतरिक्ष के लायक रोवर लिडार के लिए ए.आई. एंड टी. का नेतृत्व कर रहे हैं, जो चंद्र, मंगल और अन्य अलौकिक (एक्सट्राटेरेस्ट्रियल) सतहों पर पहिएदार वाहनों की सुगमता हेतु डिजाइन किया गया। यह अपनी तरह का पहला 3डी इमेजिंग सिस्टम होगा।*

स्रोत— https://directory.imts.com/8_0/sessions/speaker-details.cfm?speakerid=168&

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

पेट्रोलियम इंजीनियर

पेट्रोलियम इंजीनियर, देश की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए तेल और गैस प्राप्त करने में सहायता करते हैं। पेट्रोलियम इंजीनियर, पृथ्वी की सतह के नीचे जमे हुए तेल और गैस को निकालने के तरीकों को डिजाइन और विकसित करते हैं। पेट्रोलियम इंजीनियर पुराने कुओं से तेल और गैस निकालने के नए तरीके भी खोजते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं के निर्माण में रुचि हो।
- आप प्रयोग करना पसंद करते हों।
- आपकी विज्ञान और गणित में रुचि हो।
- आप बाहर काम करने में सहज हों।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 15,000–15,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बी.ई./बी.टेक./बी.एससी. करें।

अथवा

स्नातक करें और उसके बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.ई./एम.टेक./एम.एस.सी.) करें।

अथवा

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पूरा करें और उसके बाद रिसर्च पेट्रोलियम रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल्स में एम.एस. करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

पेट्रोलियम इंजीनियर की आय **₹ 16,750–2,00,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Petroleum_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप पूरे भारत में तटवर्ती और अपतटीय तेल और गैस कंपनियों के साथ-साथ पेट्रोलियम और पेट्रोल रिफाइनिंग कंपनियों दोनों में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— इस नौकरी में सामान्यतः यात्रा सम्मिलित होती है। कंपनियाँ सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करती हैं। यह कंपनी से कंपनी में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

एसोसिएट केमिकल इंजीनियर → पेट्रोलियम इंजीनियर → सीनियर केमिकल इंजीनियर, पेट्रोलियम

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम केमिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. मुगनेरम बैंगर मेमोरियल यूनिवर्सिटी, जोधपुर, राजस्थान
2. जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश
3. अलगप्पा कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
4. जाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
5. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
6. शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, जोधपुर, राजस्थान
7. राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी, अमेठी, उत्तर प्रदेश
8. डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, डिब्रूगढ़, असम

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
3. मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
4. एम.आई.टी. डब्ल्यू.पी.यू. फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे, महाराष्ट्र
5. कोनेरू लक्ष्मैया एजुकेशन फाउंडेशन, गुंटूर, आंध्र प्रदेश
6. आदित्य इंजीनियरिंग कॉलेज, सुरमपलेम, आंध्र प्रदेश
7. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जयपुर, राजस्थान
8. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, ग्वालियर, मध्य प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

संचिता बनर्जी, ऑयल इंडिया लिमिटेड की पहली महिला इंजीनियर हैं। वह कलकत्ता विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा हैं, जहाँ उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की, वर्ष 1985 में वह ऑयल इंडिया लिमिटेड में सम्मिलित हुईं और एल.पी.जी ऐक्स्ट्रैक्शन प्लांट में शिफ्ट इंजीनियर के रूप में काम करना आरंभ किया। असम में उन्होंने प्राकृतिक गैस से एल.पी.जी निकालने के लिए क्रायोजेनिक प्रक्रिया का प्रयोग किया। संगठन के भीतर, वह मातृत्व अवकाश, चाइल्ड केयर लीव पर नीतियों को लाने में सहायक रही हैं और महिला कर्मचारियों के लिए विदेशी प्रशिक्षण और विदेशी पोस्टिंग, जूनियर कर्मचारियों के लिए प्रबंधन प्रशिक्षण आदि मुद्दों पर उन्होंने काम किया है। वह अब ऑयल इंडिया लिमिटेड में एक सेवानिवृत्त कार्यकारी निदेशक हैं।*

स्रोत— https://www.accenture.com/in-en/about/inclusion-diversity/vaahini-sanchita-banerjee

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

फार्मास्युटिकल इंजीनियर

फार्मास्युटिकल इंजीनियर, गुणवत्ता नियंत्रण पर बल देते हुए विभिन्न प्रकार की दवाओं के निर्माण और उत्पादन से संबंधित कार्य करते हैं। इस क्षेत्र का प्राथमिक लक्ष्य दवा पर ध्यान केंद्रित करना है, जिसमें इसकी योजना, खुराक और साइड इफेक्ट्स सम्मिलित होते हैं। इसमें बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग और कैमिकल इंजीनियरिंग के विभिन्न पहलू सम्मिलित हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी तार्किक क्षमता अच्छी हो।
- आपकी समस्याओं का समाधान करने में रुचि हो।
- आपकी शोध और प्रयोगों में रुचि हो।
- आप टीम के साथ काम करने में सहज हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं एवं उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,96,000–7,40,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित/जीव विज्ञान) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक./बी.ई.) करें।

अथवा

संबंधित विषय में स्नातकोत्तर (एम.ई./एम.टेक.) करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान कोर्स अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

फार्मास्युटिकल इंजीनियर की आय ₹ **20,000–90,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/pharmaceutical-engineer-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— फार्मास्युटिकल कंपनियाँ, विश्वविद्यालय, अनुसंधान प्रयोगशालाएँ और राजकीय एजेंसियाँ।

कार्य वातावरण— आप अधिकांशतः प्रयोगशालाओं में काम करेंगे। आपको प्रतिदिन 8 घंटे और सप्ताह में 5 या 6 दिन कार्य करना होगा। यह संस्थाओं पर निर्भर करेगा।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

गुणवत्ता नियंत्रण विश्लेषक → औषधि विश्लेषक → औषधि निरीक्षक → आर. एंड डी. प्रबंधक



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धनबाद, झारखंड
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
3. डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद, महाराष्ट्र
4. अलगप्पा कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
5. अन्ना विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
6. रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
7. मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कल्याणी, पश्चिम बंगाल
8. आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एडं एग्रीकल्चर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. बी.वी. राजू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, तेलंगाना
3. काकीनाडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजिकल साइंसेज, रामचंद्रपुरम, आंध्र प्रदेश
4. पी.पी. सवानी यूनिवर्सिटी, सूरत, गुजरात
5. हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु
6. महेंद्र इंजीनियरिंग कॉलेज, नमक्कल, तमिलनाडु
7. के.एस. रंगासामी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, तिरुचेंगोडे, चेन्नई, तमिलनाडु
8. धनलक्ष्मी श्रीनिवासन इंजीनियरिंग कॉलेज, पेराम्बलूर, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

रिची सेठी, मर्क लाइफ साइंसेज में बायोप्रोसेस सिस्टम विशेषज्ञ हैं। वर्तमान में वह एक गतिशील युवा के रूप में, फार्मास्युटिकल उद्योग में डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग के लिए महत्वपूर्ण बायोप्रोसेस उपकरण के डिजाइन का नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने लगभग 4 साल पहले भारत की प्रमुख दवा कंपनी बायोकॉन के साथ अपने कैरियर की शुरुआत की थी। भारत में फार्मास्युटिकल उद्योग के विकास के बारे में अत्यधिक आशावादी रिची का मानना है कि महिलाएँ इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) बॉम्बे से बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री प्राप्त की है और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से स्नातक इंजीनियरिंग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। *

स्रोत— https://ispe.org/people/richi-sethi

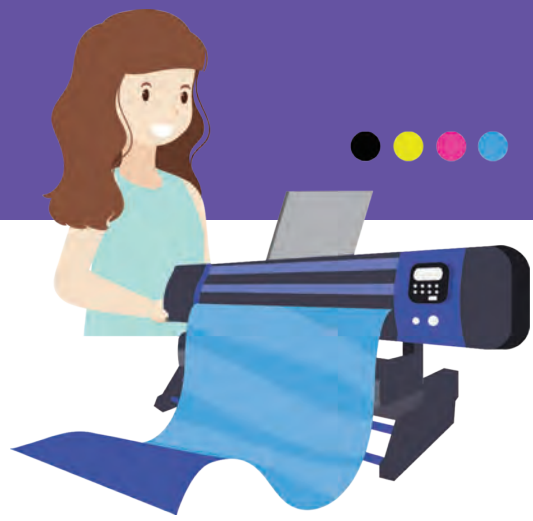
**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

प्रिंटिंग इंजीनियर/टेक्नोलॉजिस्ट

प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, प्रिंटिंग प्रेस के संचालन, डिजाइन और उत्पादन पर केंद्रित है। वर्तमान में इसका प्रचलन शून्य हो गया है और कंप्यूटरीकृत हो चुकी है। यह वैज्ञानिक, तकनीकी और रचनात्मक क्षमताओं का मिश्रण है।

व्यक्तिगत गुण

- आप रचनात्मकता पर ध्यान देते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आपकी समस्याओं को हल करने में रुचि हो।
- आपके पास परिपक्व संचार कौशल हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ **4,000–12,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. प्रिंटिंग इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक./बी.ई.) करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

प्रिंटिंग इंजीनियर/टेक्नोलॉजिस्ट की आय
₹ **15,000– 50,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/printing-technician-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— अनुसंधान संस्थान, प्रिंटिंग प्रेस के मालिक, विज्ञापन एजेंसियाँ, राजकीय विभाग, बैंक और निजी प्रकाशन गृह, मोटर वाहन उद्योग।

कार्य वातावरण— आप सामान्यतः ऑफिस व्यवस्था में कंप्यूटर सिस्टम के साथ काम करेंगे। स्थापित उपकरणों की जाँच करने के लिए क्षेत्र का भ्रमण करना अपेक्षित है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

अनुसंधान प्रशिक्षु → प्रिंटिंग टेक्नोलॉजिस्ट → वरिष्ठ टेक्नोलॉजिस्ट → अनुसंधान प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गिंडी, तमिलनाडु
3. गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा
4. प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
5. गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
2. सिंघानिया विश्वविद्यालय, झुंझुनू, राजस्थान
3. पी.वी.जी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और जी.के. पाटे वाणी प्रबंधन संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
4. अविनाशलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर विमेन, कोयंबटूर, तमिलनाडु
5. इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी, कालीकट यूनिवर्सिटी मलप्पुरम, केरल
6. सोमानी पी.जी. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, रेवाड़ी, हरियाणा
7. रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना, राजस्थान
8. इलाहिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मुवात्तुपुझा, केरल

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

पंकज बोकडिया ने अपने दोस्तों **मधुर चौहान** और **अक्षय दुघर** के साथ मिलकर चेन्नई में प्रिंट्रोव नाम से एक टेक-कंपनी बनाई। बहुत कम उम्र में ही उनकी रुचि ई-कॉमर्स, सॉफ्टवेयर और प्रिंटिंग में बढ़ गई। उनके पास कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गिंडी से प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी में इंजीनियरिंग की डिग्री है। प्रिंट-ऑन-डिमांड क्षेत्र में प्रवेश करने का निर्णय लेने से पहले उन्होंने 3डी प्रिंटिंग और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग जैसी विभिन्न तकनीकों के साथ प्रयोग किया।

स्रोत— https://yourstory.com/2017/08/printrove-startup-print-on-demand

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

प्रक्रिया अभियंता

प्रक्रिया अभियंता, निर्माण उद्योग में औद्योगिक प्रक्रियाओं को डिजाइन, कार्यान्वित और अनुकूलित करते हैं। एक प्रोसेस इंजीनियर विज्ञान के अपने ज्ञान का उपयोग ऐसी सामग्री बनाने के लिए करते हैं, जिसका लोग प्रतिदिन उपयोग कर सकें। प्रोसेस इंजीनियरिंग में पेट्रोकेमिकल, कृषि, रसायन, उन्नत सामग्री, खाद्य, खनिज प्रसंस्करण, फार्मास्यूटिकल्स आदि जैसे उद्योगों की एक विस्तृत शृंखला सम्मिलित है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान और गणितीय कार्यों में रुचि हो।
- आप प्रयोग करना पसंद करते हों।
- आप समस्याओं या परिस्थितियों का विश्लेषण करना जानते हों।
- आप कंप्यूटर कार्यों में सक्षम हों।
- आप समस्या समाधान और प्रक्रिया नियोजन में सक्षम हों।
- आपके पास डिजाइन कौशल हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 50,000–4,50,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. प्रोसेस इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक./बी.ई./बी.एससी.) की डिग्री करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान कोर्स अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

प्रक्रिया अभियंता की आय **₹ 17,833–83,334*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Process_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप मैकेनिकल असेंबली, पेट्रोकेमिकल्स, कृषि, ऑटोमोटिव, बायोटेक्निकल, भौतिक विकास, खनन, परमाणु और फार्मास्युटिकल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— कंपनियाँ सामान्यतः सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करती हैं। यह कंपनियों में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक अभियंता → प्रक्रिया अभियंता → प्रक्रिया अभियंता प्रबंधक → महाप्रबंधक → निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम केमिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
3. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिची, केरल
4. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरतकल, कर्नाटक
5. मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
8. नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
2. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन एंड रिसर्च, भुवनेश्वर, ओडिशा
3. यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
4. हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, तमिलनाडु
5. कारुण्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेस, कोयंबटूर, तमिलनाडु
6. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
7. दयानंद सागर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

इसाबेल पजमीनो-मेयोर्गा एक प्रक्रिया अभियंता और मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में डॉक्टरेट शोधकर्ता हैं। उन्होंने मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर प्रोसेस इंटीग्रेशन से पीएच.डी. की है। इक्वाडोर के क्विटो में Escuela Politécnica Nacional से स्नातक होने के बाद, उन्होंने एक सीमेंट कंपनी में उत्पाद विकास इंजीनियर का पद ग्रहण किया। वह वर्तमान में मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में केमिकल इंजीनियरिंग में पीएच.डी. की दिशा में काम कर रही है।*

स्रोत— https://www.aiche.org/chenected/2022/08/meet-process-engineer-isabel-pazmino-mayorga

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

उत्पाद डिजाइनर

उत्पाद डिजाइनर आरंभ से अंत तक किसी उत्पाद की डिजाइन प्रक्रिया या मौजूदा उत्पाद में सुधार के लिए कार्य करते हैं। उत्पाद डिजाइनर को ऑटोमोबाइल और परिवहन डिजाइनर के रूप में भी जाना जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं के संग्रह और निर्माण में रुचि हो।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना जानते हों।
- आप कार्य के दौरान विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन प्रगति छात्रवृत्ति लड़कियों के लिए— यह छात्रवृत्ति ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा प्रदान की जाती है, तकनीकी शिक्षा, जिसमें इंजीनियरिंग के क्षेत्र सम्मिलित हैं, का अध्ययन कर रही लड़कियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से है।
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–9,20,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. उत्पाद डिजाइन में स्नातक (बी.डेस.) करें, इसके बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.डेस.) करें।

अथवा

किसी भी विषय में स्नातक करें, उसके बाद उत्पाद डिजाइन में स्नातकोत्तर (एम.डेस.) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

उत्पाद डिजाइनर की आय ₹ **25,000–1,67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Product_Designer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप मोटर वाहन निर्माण कंपनियों के साथ-साथ मोटर वाहन उत्पादों और सिस्टम निर्माताओं के साथ काम कर सकते हैं।

उद्यमिता— आप एक निजी संस्थान आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— काम का समय सामान्यतः प्रतिदिन 8–9 घंटे तथा सप्ताह में 5–6 दिन होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

उत्पाद डिजाइन इंजीनियर/उत्पाद डिजाइनर → उत्पाद डिजाइन प्रबंधक → उत्पाद डिजाइन प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम डिजाइन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात
2. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, गांधीनगर, गुजरात
3. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, कुरुक्षेत्र, हरियाणा
5. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
6. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, जोरहाट, असम
7. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, भोपाल, मध्यप्रदेश
8. पंडित लक्ष्मीचंद राज्य विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा

निजी संस्थान

(आवेदन करने से पहले कृपया जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. भारतीय डिजाइन और नवाचार स्कूल, मुंबई, महाराष्ट्र
2. एम.आई.टी. डिजाइन संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
3. पर्ल अकादमी, नई दिल्ली
4. यूनाइटेड वर्ल्ड इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद, गुजरात
5. श्रृष्टि मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट, डिजाइन और टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. एमिटी स्कूल ऑफ डिजाइन, नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. रैफल्स डिजाइन संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
8. आर्च कॉलेज ऑफ डिजाइन और बिजनेस, जयपुर, राजस्थान

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

पार्थ पारिख एक प्रोडक्ट डिजाइनर हैं, जिन्होंने अगस्त 2015 में "डिजाइन क्लिनिक इंडिया" की स्थापना की। यह कंपनी इंटीरियर, फर्नीचर और लाइट डिजाइन के क्षेत्र में कार्य करती है। "डिजाइन क्लिनिक" अपनी प्रेरणा अपने देश भारत से लेती है। पार्थ ने मिलान स्थित डेमस एकेडमी से प्रोडक्ट डिजाइन में स्नातकोत्तर किया है। पार्थ के डिजाइन भारतीय विरासत से प्रेरित हैं, जिनमें भारत की डिजाइन संवेदनाओं और सौंदर्यशास्त्र को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की इच्छा निहित है।

स्रोत— https://www.newindianexpress.com/lifestyle/fashion/2017/mar/18/when-india-plays-muse-1582151.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

गुणवत्ता आश्वासन अभियंता

गुणवत्ता आश्वासन अभियंता (क्वालिटी एश्योरेंस इंजीनियर), किसी कंपनी द्वारा विकसित सभी उत्पादों और सेवाओं पर परीक्षण की योजना एवं कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी होते हैं। आई.टी. में, गुणवत्ता आश्वासन इंजीनियर उत्पाद के लॉन्च से पहले किसी उत्पाद में त्रुटियाँ खोजते हैं और उन्हें ठीक करते हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर समस्याओं को ठीक करने के लिए डेवलपर्स के साथ काम करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप विश्लेषणों पर ध्यान देते हों।
- आपके कार्यों में धैर्य और निरंतरता हो।
- आपका संचार कौशल सशक्त हो।
- आप समय प्रबंधन का पालन करते हों।

छात्रवृत्ति

- इंजीनियरिंग विशिष्ट छात्रवृत्ति— आप इंजीनियरिंग-विशिष्ट छात्रवृत्ति, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर प्रोग्राम 2022, छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022 आदि का विकल्प चुन सकते हैं।
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 45,000–10,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर साइंस/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक./बी.एस.सी./बी.सी.ए.) करें।

अथवा

किसी भी क्षेत्र में स्नातक के बाद उसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए.) करें।

अथवा

किसी भी क्षेत्र में स्नातक के बाद सूचना प्रणाली में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए./एम.एस.) करें।

अथवा

सूचना प्रणाली में स्नातकोत्तर डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

गुणवत्ता आश्वासन अभियंता की आय
₹ 35,000– 70,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/qa-engineer-salary-SRCH_KO0,11.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— उद्योग, जिसमें ऑटोमोटिव, मेडिकल डिवाइस और खाद्य/पेय सम्मिलित हैं।

उद्यमिता— आप इस क्षेत्र में फ्रीलांसिंग कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— कार्य समय सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन होते हैं, प्रतिदिन 8 से 9 घंटे कार्य करना पड़ता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

गुणवत्ता आश्वासन विश्लेषक/अभियंता → वरिष्ठ गुणवत्ता आश्वासन विश्लेषक/अभियंता → गुणवत्ता आश्वासन नेतृत्व

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्करचार्य कॉलेज ऑफ अप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ अप्लाइड साइंस, तिरुवनंतपुरम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कुंभकोणम, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्यप्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्र कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बैंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु
12. थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

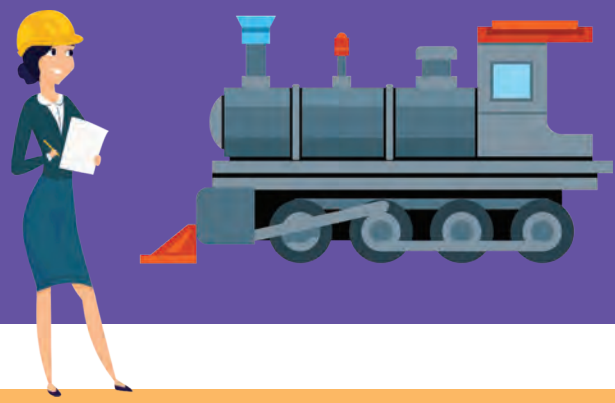
प्रिया पी. कुलकर्णी, अमेरिकन एक्सप्रेस में क्वालिटी इंजीनियर हैं। उन्होंने विजयनगर इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में स्नातक के बाद उन्होंने अमन पी.यू. कॉलेज से पी.सी.एम.सी.एस. में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने ब्रॉड्रिज फाइनेंशियल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और आई.बी.एम. इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियों में काम किया है।*

स्रोत— sripriyapkulkarni.com/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

रेलवे अभियंता

रेलवे अभियंता, सभी प्रकार की रेल परिवहन प्रणालियों के डिजाइन, निर्माण और संचालन से संबंधित होते हैं। रेलवे इंजीनियरिंग में अधिकांशतः अलग-अलग तरह की इंजीनियरिंग सम्मिलित होती है, जैसे– सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग आदि।



व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं की कार्य प्रणाली को जानने में रुचि हो।
- आपकी विज्ञान और गणित में रुचि हो।
- आपको वस्तुओं के निर्माण में रुचि
- आपको बाहर काम करना पसंद हो।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **6,000–20,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. रेलवे इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.एस.सी./बी.टेक.) करें।

अथवा

रेलवे इंजीनियरिंग/मेट्रो रेल प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा करें।

अथवा

किसी अन्य संबंधित क्षेत्र में स्नातक के बाद स्नातकोत्तर करें।

रेलवे क्षेत्र में नौकरी के लिए, आपको सामान्य इंजीनियरिंग के अलावा रेलवे भर्ती बोर्ड के सीनियर सेक्शन इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर (आर.आर.बी. एस.एस.ई. जे.ई.), भारतीय इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा (आई.ई.एस./ई.एस.ई .जो यू.पी.एस.सी. द्वारा आयोजित की जाती है) जैसी परीक्षाओं के अतिरिक्त जे.ई.ई. (एडवांस्ड और मेन्स) जैसी परीक्षाओं को पास करना होगा।

कृपया नामांकन के दौरान कोर्स अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

रेलवे अभियंता की आय ₹ **33,000–1,41,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/salaries/indian-railways-salaries/engineer

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप भारतीय रेलवे में रेल इंजीनियर, जूनियर रेल इंजीनियर, रेलवे इंजीनियर प्रबंधक, इन्वेंट्री कंट्रोल प्रबंधक, कार्गो ऑपरेशंस विशेषज्ञ, भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर आदि के रूप में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— कंपनियों में सामान्यतः सप्ताह में 5–6 दिन और रोजाना 8–9 घंटे काम करना होता है। यह कंपनियों में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक अभियंता → वरिष्ठ सेक्शन अभियंता → जूनियर स्केल अधिकारी → वरिष्ठ स्केल अधिकारी → सहायक डिविजनल अभियंता → डिविजनल अभियंता → वरिष्ठ डिविजनल अभियंता



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम रेलवे इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, जमालपुर, बिहार
2. भारतीय रेलवे वित्तीय प्रबंधन संस्थान, सिकंदराबाद, तेलंगाना
3. इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ सिग्नल इंजीनियरिंग एंड टेलीकम्युनिकेशंस, सिकंदराबाद, तेलंगाना
4. इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, पुणे, महाराष्ट्र
5. इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, नासिक, महाराष्ट्र
6. भारतीय रेलवे लॉजिस्टिक्स और मटिरियल प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
7. भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
8. भारतीय रेलवे ट्रैक मशीन प्रशिक्षण केंद्र, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
2. एम.आई.टी. कॉलेज ऑफ रेलवे इंजीनियरिंग एंड रिसर्च, बार्शी, महाराष्ट्र
3. रेलवे अकादमी, बड़ौदा, गुजरात

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

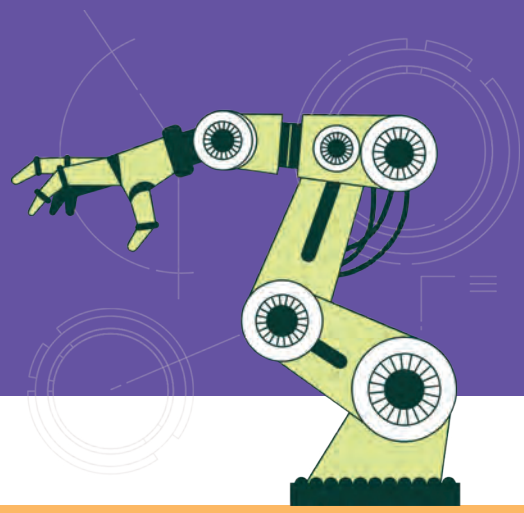
श्री आलोक कंसल एक आई.आर.एस.ई. अधिकारी हैं, जो कि आई.आई.टी .रुड़की के एक प्रतिष्ठित विद्यार्थी रहे हैं। वे भारतीय रेलवे की पहली हाई स्पीड ट्रेन शताब्दी एक्सप्रेस की शुरुआत से जुड़े पहले सहायक इंजीनियरिंग अधिकारी रहे हैं। वह अब पश्चिमी रेलवे, भारत में महाप्रबंधक हैं।*

स्रोत— https://thelivenagpur.com/2021/04/30/alok-kansal-takes-over-addition-charge-of-general-manager-central-railway/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

रोबोटिक्स इंजीनियर

रोबोटिक्स इंजीनियर, रोबोट के डिजाइन, निर्माण, अनुप्रयोग और संचालन के लिए उत्तरदायी होते हैं, जो मनुष्यों की सहायता के लिए तैयार किए जाते हैं। वे सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित मशीनों का परीक्षण भी करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान और गणित में रुचि हो।
- आपकी विश्लेषण तथा समस्या समाधान में रुचि हो।
- आप कंप्यूटर पर कार्य करने में सक्षम हों।
- आप अलग तरह से सोचते हों।
- आपकी सॉफ्ट स्किल्स में रुचि हो।
- आपकी सेंसर और एक्चुएटर्स में रुचि हो।
- आपकी प्रोटोटाइपिंग और रैपिड डेवलपमेंट में रुचि हो।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना— यह छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **70,000–3,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित के साथ 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. रोबोटिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक./बी.ई.) करें।

अथवा

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक./बी.ई.) के बाद रोबोटिक्स इंजीनियरिंग में एम.टेक. करें।

अथवा

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा भी कर सकते हैं।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

रोबोटिक्स इंजीनियर की आय ₹ **10,250–83,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Robotics_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

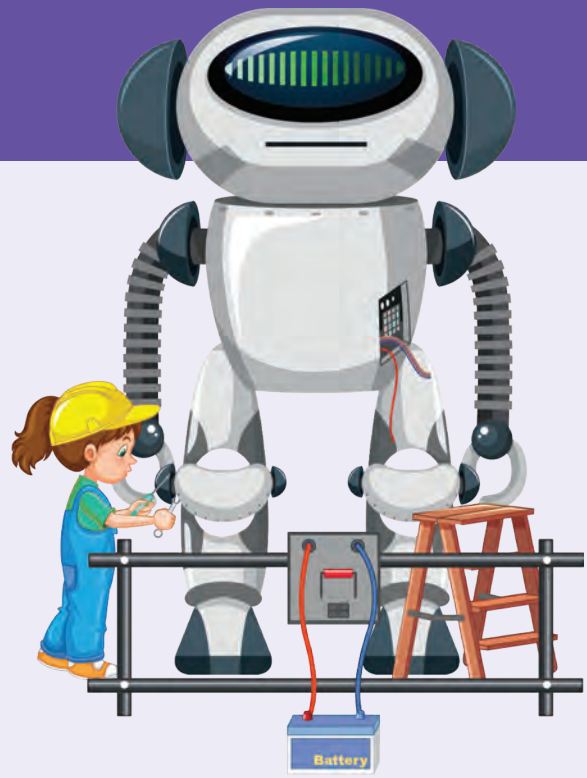
कार्य स्थल— रक्षा उद्योग के विनिर्माण संयंत्र प्रयोगशालाएँ, चिकित्सा उपकरण निर्माण, एयरोस्पेस फर्म, अनुसंधान संस्थान।

कार्य वातावरण— आपको सामान्यतः इनडोर कार्य करना पड़ सकता है। इस दौरान आपको ध्वनि प्रदूषण वाले वातावरण में भी काम करना होता है। आपको प्रतिदिन 8 घंटे काम करना होता है साथ ही ओवरटाइम भी करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

रोबोटिक्स तकनीशियन → रोबोटिक्स इंजीनियर → सेल्स इंजीनियर → महाप्रबंधक



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
2. केंद्रीय उपकरण डिजाइन संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
3. केंद्रीय उपकरण कक्ष और प्रशिक्षण केंद्र, भुवनेश्वर, ओडिशा
4. ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
5. इंजीनियरिंग महाविद्यालय, वडकरा, केरल
6. इंजीनियरिंग महाविद्यालय, पथनपुरम, केरल
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
8. रक्षा प्रौद्योगिकी उन्नत संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. एस.आर.एम. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
2. पी.एस.जी. प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु
3. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एल.पी.यू.), जालंधर, पंजाब
4. भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
5. जैन विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. अम्मन प्रौद्योगिकी संस्थान, बन्नारी, तमिलनाडु
7. अमृता इंजीनियरिंग स्कूल, कोयंबटूर, तमिलनाडु
8. डॉ. डी.वाई. पाटिल प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

तान्या रघुवंशी, पियर रोबोटिक्स में सह-संस्थापक और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी हैं, यह एक स्टार्टअप है, जो मनुष्यों के साथ काम करने हेतु सहयोगी रोबोट डिजाइन करता है। उन्होंने आई.आई.टी. दिल्ली से बी.टेक. किया।*

स्रोत— https://www.f6s.com/tanyaraghuvanshi

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

विक्रय अभियंता

विक्रय अभियंता के पास विक्रय किए जा रहे उत्पाद का तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ बाजार की अच्छी समझ होती है। आजकल सेल्स इंजीनियर एक सलाहकार के रूप में भी काम करते हैं। वे ग्राहकों को वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों और सेवाओं को समझने में सहायता करते हैं। कभी-कभी सेल्स इंजीनियर बाजार की माँग को समझने में सहायता करने के लिए बाजार अनुसंधान भी करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।
- आपको वस्तुओं की कार्य प्रक्रिया को जानने में रुचि हो।
- आपकी समस्याओं तथा परिस्थितियों के विश्लेषण में रुचि हो।
- आप अपने लिए लक्ष्य निर्धारित करते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **2,500–6,75,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक की उपाधि के बाद मार्केटिंग और सेल्स मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

विक्रय अभियंता की आय ₹ **15,300–63,667*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Sales_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सेल्स इंजीनियर सामान्यतः तकनीकी कंपनियों के साथ-साथ तकनीकी उत्पादों का डिजाइन और निर्माण करने वाली स्वतंत्र बिक्री फर्मों में भी काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में आपको लंबे समय तक बाहर रहना पड़ सकता है। आपको सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना होता है। यह अवधि कंपनियों में भिन्न हो सकती है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

असिस्टेंट सेल्स इंजीनियर → सेल्स इंजीनियर/एग्जीक्यूटिव → सीनियर सेल्स एक्जीक्यूटिव → एरिया मैनेजर/टेरिटरी मैनेजर → सेल्स मैनेजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
3. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
4. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरतकल, कर्नाटक
5. मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
8. नेताजी सुभाष टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. एकेडमी ऑफ बिजनेस एंड इंजीनियरिंग साइंस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
2. अजय बिनाय इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कटक, ओडिशा
3. आदर्श कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अंगुल, ओडिशा
4. औरंगाबाद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, महाराष्ट्र
5. राजधानी इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पलक्कड़, केरल
6. अन्नपूर्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, तमिलनाडु
7. आर्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड आई.टी., जयपुर, राजस्थान
8. अरावली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, फरीदाबाद, हरियाणा

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

तान्या रघुवंशी, पियर रोबोटिक्स की सह-संस्थापक और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी हैं, यह एक ऐसा स्टार्टअप है, जो मनुष्यों के साथ काम करने हेतु सहयोगी रोबोट डिजाइन करता है। उन्होंने आई.आई.टी. दिल्ली से बी.टेक. किया था।*

स्रोत— https:l/www.f6s.com/tanyarag huvanshi

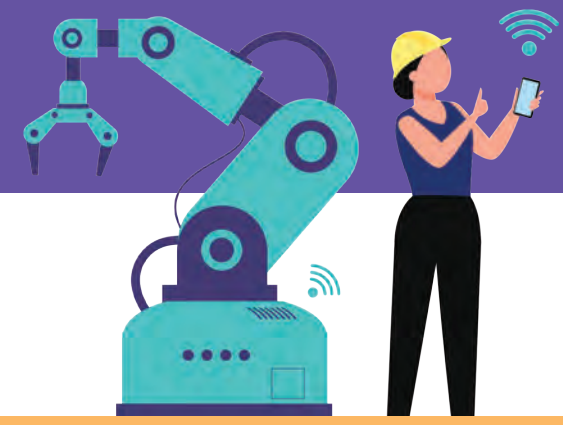
**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और ऑटोमेशन इंजीनियरिंग

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, एक तकनीक-आधारित प्रक्रिया है, जो उत्पादों के उत्पादन के लिए इंटरनेट से जुड़ी मशीनरी का उपयोग करती है। इसका मुख्य उद्देश्य ऑपरेशनों को स्वचालित करने और डेटा विश्लेषण का उपयोग करके मैन्युफैक्चरिंग प्रदर्शन को बेहतर बनाने के अवसरों की पहचान करना है। यह स्वचालन, बड़े डेटा विश्लेषण और कम्प्यूटरीकृत नियंत्रणों के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं को अनुकूलित करता है, जो लागत को कम कर उत्पादकता बढ़ाते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी वस्तुओं के विश्लेषण में रुचि हो।
- आपकी समस्याओं का समाधान करने में रुचि हो।
- आपको विज्ञान व गणितीय कार्य पसंद हों।
- आपकी सॉफ्ट स्किल्स में रुचि हो।
- आपकी सिस्टम एकीकरण एवं प्रक्रिया अनुकूलन में रुचि हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना— यह छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,60,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग में (भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और ऑटोमेशन इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एम.ई.) करें।

प्रवेश के लिए आपको राष्ट्रीय, राज्य या विश्वविद्यालय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं (जे.ई.ई. मेन्स, टी.एन.ई.ए., एम.ई.टी., के.सी.ई.टी., वी.आई.टी.ई.ई. आदि) में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और ऑटोमेशन इंजीनियरिंग की आय ₹ **18,000–90,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Automation_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप निजी एवं राजकीय क्षेत्र के साथ-साथ सार्वजनिक उपक्रमों जैसे कि आई.एस.आर.ओ., डी.आर.डी.ओ., इंडियन ऑयल आदि में काम कर सकते हैं। आप उन निजी इंजीनियरिंग कंपनियों में भी काम कर सकते हैं, जो राजकीय और कॉर्पोरेट फर्मों को तकनीकी परामर्श प्रदान करती हैं। प्रमुख उद्योगों में ऑटोमोबाइल, एरोनॉटिकल, पॉवर, ऊर्जा और उपयोगिताएँ, एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन उद्योग, निर्माण संयंत्र, तेल और गैस अन्वेषण, रिफाइनिंग उद्योग, कृषि क्षेत्र, शिपिंग उद्योग, बैंक, बीमा, वित्तीय संस्थाएँ, शिक्षण और अनुसंधान संगठन सम्मिलित हैं।

कार्य वातावरण— आपको इनडोर काम करना होता है और यात्रा की आवश्यकता नहीं होती। इस क्षेत्र में सामान्य कार्य अवधि 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन होते हैं।

अपेक्षित विकास पथ

ऑटोमेशन इंजीनियर → सीनियर क्वालिटी एश्योरेंस इंजीनियर → क्वालिटी एश्योरेंस मैनेजर → प्रोजेक्ट मैनेजर

अथवा

ऑटोमेशन इंजीनियर → क्वालिटी एश्योरेंस लीड → सीनियर बिजनेस एनालिस्ट

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
3. संत लोंगवाल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, लोंगवाल पंजाब
4. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और निर्माण संस्थान, कांचीपुरम, तमिलनाडु
5. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और निर्माण संस्थान, जबलपुर, मध्य प्रदेश
6. विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, द्वारका, नई दिल्ली
8. गांधी इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बड़ा रघुनाथकर, ओडिशा
9. रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
10. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. बिरला प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, पिलानी, राजस्थान
2. जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, जयपुर, राजस्थान
3. तमिलनाडु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, करुमाथम्पट्टी, तमिलनाडु
4. पेट्रोलियम और ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, उत्तराखंड
5. हिंदुस्तान प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, केलंबक्कम, तमिलनाडु
6. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा, पंजाब
7. भारती विद्यापीठ (डीम्ड यूनिवर्सिटी), पुणे, महाराष्ट्र
8. जैन विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. द नेओटिया विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

कोरिना पिप एक परीक्षण और ऑटोमेशन लीड हैं, उनका कार्य जावा, सेलेनियम, टेस्टएनजी, स्प्रिंग, मेवेन और अन्य आधुनिक फ्रेमवर्क्स और टूल्स के उपयोग और परीक्षण पर केंद्रित है। अपने 11 से अधिक वर्षों के परीक्षण करियर में उन्होंने नेविगेशन उपकरणों, विमानन सॉफ्टवेयर और ऑनलाइन गेमिंग तथा ऑटोमोटिव उद्योगों में काम किया है।*

स्रोत— https://testautomationu.applitools. com/instructors/corina_pip.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

साउंड इंजीनियर

साउंड इंजीनियर, रिकॉर्डिंग या लाइव प्रदर्शन में तकनीकी पक्ष के लिए उत्तरदायी होते हैं। यह ध्वनि के स्तर और आउटपुट की गुणवत्ता को मापते और प्रबंधित करते हैं। साउंड इंजीनियर, भौतिक ध्वनि उपकरण, जैसे– स्पीकर, मिक्सिंग कंसोल और माइक्रोफोन के रख-रखाव का भी ध्यान रखते हैं। यह रिकॉर्ड किए गए ट्रैक की समीक्षा कर सकते हैं और उनमें सुधार करने के लिए उन्हें संपादित भी कर सकते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान में रुचि हो।
- आपको वाद्ययंत्र बजाना या गाना पसंद हों।
- आप एक रचनात्मक प्रवृत्ति के व्यक्ति हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का पालन करते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **45,000–13,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक, रसायन और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. साउंड इंजीनियरिंग/एकॉस्टिक इंजीनियरिंग/साउंड और म्यूजिक टेक्नोलॉजी/इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग/कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/मैकेनिकल इंजीनियरिंग/कंप्यूटर विज्ञान और संबद्ध विषय में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

**कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।*

अपेक्षित आय

साउंड इंजीनियर की आय ₹ **25,000–50,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/audio-engineer-salary-SRCH_KO0,14.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आपको प्रोडक्शन हाउस, थिएटर, संगीत कंपनियाँ, फिल्म निर्माण एजेंसियाँ, ध्वनि प्रौद्योगिकी कंपनियाँ आदि में काम करना होगा।

कार्य वातावरण— संभवतः आपको एक टीम का नेतृत्व करना पड़ सकता है, जिस परियोजना पर आप काम करेंगे आपको उससे जुड़े विभिन्न लोगों के साथ सहयोग करना होगा। आप सामान्यतः सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन न्यूनतम 8–9 घंटे काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त भी आपको काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

रिकॉर्डिस्ट → साउंड इंजीनियर → साउंड इंजीनियरिंग मैनेजर

अथवा

वर्कर/हेल्पर → साउंड असिस्टेंट → सीनियर साउंड असिस्टेंट → साउंड इंजीनियर → सीनियर साउंड इंजीनियर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. कॉलेज ऑफ अप्लाइड साइंस, वडक्केनचेरी, पलक्कड़, केरल
2. गवर्नमेंट फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
5. फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे, महाराष्ट्र
6. श्री अरबिंदो सेंटर फॉर आर्ट्स एंड कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
7. श्री अन्नामचार्य गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड डांस, हैदराबाद, तेलंगाना
8. सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सेज विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
2. रिसाली प्रबंधन संस्थान, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
3. गार्डन सिटी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. सी.एम.आर. विश्वविद्यालय (विज्ञान अध्ययन विद्यालय), बेंगलुरु, कर्नाटक
5. सीमेडू स्कूल ऑफ प्रो-एक्सप्रेशनिज्म, पुणे, महाराष्ट्र
6. देवीप्रसाद गोयनका प्रबंधन कॉलेज ऑफ मीडिया स्टडीज, मुंबई, महाराष्ट्र
7. रायट बहरा विश्वविद्यालय, मोहाली, पंजाब
8. एंजल्स म्यूजिक अकादमी, जयपुर, राजस्थान

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मीना नारायणन को भारत की पहली महिला साउंड इंजीनियर माना जाता है। उन्होंने अपने पति ए. नारायणन के साथ काम किया, जो शुरुआती तमिल सिनेमा में सबसे प्रशंसनीय निर्देशकों में से एक थे। उन्होंने बताया कि उन्हें इस क्षेत्र में कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं मिला, लेकिन फिल्म इतिहासकार एस. थिओडोर भास्करन ने अपनी पुस्तक द मैसेज बियरर्स में लिखा है कि उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग पर ध्यान दिया और दो वर्षों में अनुभव प्राप्त किया। वह कर्नाटक संगीत में प्रशिक्षित थीं।*

स्रोत— https://bit.ly/3hZKB4Q

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

टेक्सटाइल इंजीनियर

टेक्सटाइल इंजीनियर, फैब्रिक, यार्न और फाइबर बनाने के लिए विज्ञान और इंजीनियरिंग तकनीकों का इस्तेमाल करते हैं। ये टेक्सटाइल फाइबर के उत्पादन में प्रयोग की जाने वाली मशीनरी को डिजाइन करते हैं। साथ ही ये टेक्सटाइल संबंधी प्रक्रियाओं को डिजाइन करने तथा उन्हें नियंत्रित करने के लिए भी उत्तरदायी होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप समूह में काम करने में सहज हों।
- आप समस्याओं का विश्लेषण और समाधान में रुचि रखते हों।
- आप रचनात्मक प्रवृत्ति के हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 30,000–5,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में बी.ई./बी.टेक. करें।

अथवा

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में बी.ई./बी.टेक. करें और फिर टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में एम.टेक. करें।

अथवा

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

टेक्सटाइल इंजीनियर की आय **₹ 12,000–50,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3vAbj7h

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कपड़ा निर्माण, डिजाइनिंग और बिक्री कंपनियाँ, अनुसंधान संस्थान, सलाहकार, कॉलेज और विश्वविद्यालय।

कार्य वातावरण— आपको कारखानों या स्टूडियो में काम करना पड़ सकता है। यहाँ आपको सप्ताह में प्रतिदिन 8 घंटे काम करना होगा। इस दौरान कार्य अवधि अधिक भी हो सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

रिसर्च ट्रेनी → टेक्सटाइल टेक्नोलॉजिस्ट → सीनियर टेक्नोलॉजिस्ट → एसोसिएट मैनेजर रिसर्च एक्टिविटीज → मैनेजर रिसर्च → रिसर्च प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
2. भारतीय इंजीनियर्स संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. ओडिशा प्रौद्योगिकी और अनुसंधान विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा
4. जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश
5. हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, सासन, हिमाचल प्रदेश
6. महाराजा रणजीत सिंह पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, बठिंडा, पंजाब
7. जवाहरलाल नेहरू राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, सुंदरनगर, हिमाचल प्रदेश
8. राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. ओम प्रकाश जोगेंद्र सिंह विश्वविद्यालय, राजगढ़, राजस्थान
2. डी.के.टी.ई. सोसाइटी वस्त्र और इंजीनियरिंग संस्थान, इचलकरंजी, महाराष्ट्र
3. श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
4. पी.एस.जी. एडवांस्ड स्टडीज संस्थान, कोयंबटूर, तमिलनाडु
5. पानीपत इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, पानीपत, हरियाणा
6. जवाहरलाल दरदा इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, यवतमाल, महाराष्ट्र
7. यू.पी. टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
8. पी.के. विश्वविद्यालय, शिवपुरी, मध्य प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मोनिक मैसन एक डच उद्योगपति और टेक्सटाइल इंजीनियर हैं, जो उद्योग हेतु स्थायी समाधान तलाशने में माहिर है। वे वेस्ट टू वियर की संस्थापक भी हैं, जिसमें पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक की बोतलों से धागे और कपड़े बनाने का कार्य होता है। मैसन ने एम्स्टर्डम पॉलिटेक संस्थान से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में स्नातक किया है।*

स्रोत— https://euclidnetwork.eu/top_women/top-100-women-in-social-enterprise-2/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

टूल इंजीनियर

टूल इंजीनियर, इलेक्ट्रॉनिक और तकनीकी उपकरणों के निर्माण और डिजाइनिंग से संबंधित कार्य करते हैं। उनके कार्य में उपकरण डिजाइन करना, उपकरण को आगे बढ़ाना और काम को तेज और आसान बनाने के लिए मौजूदा उपकरणों में बदलाव करना भी सम्मिलित होता है। इसके अलावा वह डाई-कास्ट डिजाइन, फिक्स्चर, डिजाइनिंग जिग्स और प्लास्टिक मोल्ड्स का निर्माण भी करते हैं। इसके लिए उन्हें मेट्रोलॉजी और मापन में माहिर होना आवश्यक है।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान और गणित में रुचि हो।
- आपको समस्याएँ सुलझाने और परिस्थितियों का विश्लेषण करने में रुचि हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप समय का प्रबंधन अच्छे से करते हों।
- आपके पास डिजाइन कौशल हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना— यह छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **6,000–3,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. टूल इंजीनियरिंग में स्नातक करें।

अथवा

टूल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा/बी. वॉक. करे।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

टूल इंजीनियर की आय ₹ **16,333–83,333*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Tooling_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी कंपनियाँ।

कार्य वातावरण— आप सामान्यतः अपना कार्य कार्यालयों, संयंत्रों या कारखानों में करेंगे। आपको जानकारी एकत्र करने और निर्माण तथा डिजाइन टीम के साथ समन्वय करने के लिए निर्माण संयंत्रों और कारखानों की यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

टूल इंजीनियर → मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर → सीनियर मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर → विनिर्माण इंजीनियरिंग प्रबंधक

अथवा

टूल इंजीनियर → डिजाइन इंजीनियर → डिजाइन इंजीनियरिंग प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. इंडो-जर्मन टूल रूम औरंगाबाद, महाराष्ट्र
3. इंजीनियरिंग और ग्रामीण प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
4. केंद्रीय उपकरण डिजाइन संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
5. दिल्ली उपकरण इंजीनियरिंग संस्थान, नई दिल्ली
6. श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, पलवल, हरियाणा
7. पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, कपूरथला, पंजाब
8. शासकीय सी.पी.सी. पॉलिटेक्निक, मैसूर, कर्नाटक

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. मुरुगप्पा पॉलिटेक्निक कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
2. सेंट सोल्जर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर, पंजाब
3. आर.वी. इंजीनियरिंग कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. थापर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, पटियाला, पंजाब
5. जी.एल.ए. विश्वविद्यालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश
6. के.एम.सी.टी. पॉलिटेक्निक कॉलेज, कोझिकोड, केरल
7. ए.डब्ल्यू.एच. पॉलिटेक्निक कॉलेज, कोझिकोड, केरल
8. चंडीगढ़ पॉलिटेक्निक कॉलेज, मोहाली, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

पी.वी. राजलक्ष्मी, एशिया की पहली महिला टूल एंड डाई इंजीनियर हैं। अब वह बंगलौर में एक इंजीनियरिंग सर्विस चलाती हैं, जिसे मंत्र लीस्टुंग कहा जाता है, जहाँ डिजाइन और निर्माण में प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके माध्यम से व्यक्तियों और उद्योगों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते है। पी.वी. राजलक्ष्मी ने टूल एंड डाई मेकिंग में एन.टी.टी.एफ., केरल से वर्ष 1982 में अपना डिप्लोमा पूरा किया। फिर एन.टी.टी.एफ., बेंगलुरु में 5 साल औद्योगिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में काम किया। कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद प्रशिक्षण संस्थान आरंभ किया ताकि विभिन्न उद्योगों में कर्मचारियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षित किया जा सके।*

स्रोत— https://www.nttftrg.com/about-us/alumni/p-v-rajalakshmi

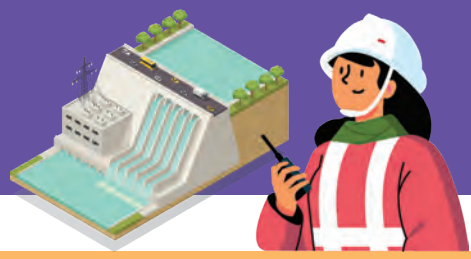
**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

जल संसाधन अभियंता

जल संसाधन अभियंता (वाटर रिसोर्स इंजीनियर), जल प्रणालियों को विकसित करने के लिए योजनाएँ बनाकर उन्हें क्रियान्वित करते हैं, जिनके माध्यम से हमें स्वच्छ, सुरक्षित पानी मिलता है। जल संसाधन इंजीनियर पूरे शहर में कई निर्माण परियोजनाओं में प्रभावी ढंग से जल वितरण का प्रयास करते हैं। वे समग्र रूप से अधिक पानी और ऊर्जा के संरक्षण के लिए नए डिजाइन और रणनीतियाँ तैयार करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं की कार्य प्रणाली को जानने में रुचि हो।
- आप को विज्ञान और गणित जैसे विषय पसंद हों।
- आप समस्याओं व परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप दबाव में भी काम करने में सक्षम हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **40,000–10,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. जल संसाधन इंजीनियरिंग में बी.टेक./बी.ई./बी.एससी. करें।

अथवा

जल संसाधन इंजीनियरिंग में बी.टेक./बी.ई./बी.एससी. करें और उसके बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.ई/एम.एससी.) करें।

अथवा

सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक./बी.ई./बी.एस.सी. करें और उसके बाद जल संसाधन इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर (एम.टेक/एम.ई./एम.एससी.) करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

जल संसाधन अभियंता की आय ₹ **39,000–73,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/water-resources-engineer-salary-SRCH_KO0,24.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप निर्माण इकाइयों, केंद्रीय भूजल बोर्ड, राजस्थान लोक सेवा आयोग और जल संसाधन मंत्रालय जैसे राजकीय निकायों या हाइड्रोलिक्स और जल प्रबंधन से संबंधित निजी संगठनों में भी काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— कंपनियाँ सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करती हैं। यह अलग-अलग कंपनी में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। यह एक फील्ड जॉब है और इसके लिए आपको कभी-कभी अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहयोगी इंजीनियर → जल संसाधन इंजीनियर → कार्यकारी इंजीनियर → वरिष्ठ इंजीनियर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश
2. कृष्णा विश्वविद्यालय, रुद्रावरम, आंध्र प्रदेश
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
8. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिची, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. बीर टिकेंद्रजीत विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर
2. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ डायबिटीज एंड रिसर्च, नरनपुरा, गुजरात
3. क्रेआ विश्वविद्यालय, श्री सिटी, आंध्र प्रदेश
4. कोनेरू लक्ष्मैया एजुकेशन फाउंडेशन विश्वविद्यालय, वेड्डूरवरम, आंध्र प्रदेश
5. हिंदुस्तान प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
6. अंगड़ी प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान, सावगोन, कर्नाटक
7. भीमन्ना खंड्रे प्रौद्योगिकी संस्थान, भालकी, कर्नाटक
8. रॉयल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, गुवाहाटी, असम

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

एवलिन कॉर्टेज-डेविस, लॉस एंजिल्स डिपार्टमेंट ऑफ वॉटर एंड पॉवर में निदेशक, जल इंजीनियरिंग और तकनीकी सेवाओं, के पद पर नियुक्त होने वाली पहली लैटिन और दूसरी महिला हैं। उन्होंने वर्ष 1992 में यू.सी.एल.ए. सैमुएली से सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की है और अब 25 वर्षों से अधिक के लिए, सिविल इंजीनियर के पद पर कार्यरत होते हुए जल उद्योग से अनुभव प्राप्त किया है। वह अब लॉस एंजिल्स में हैं। *

स्रोत— https://www.ceed.ucla.edu/alumni-highlight-evelyn-cortez-davis/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

राजकीय सेवाएँ



अग्निवीर

अग्निपथ योजना के तहत 17 से 23 वर्ष की आयु के युवाओं को चार साल के लिए उनकी पसंद की सैन्य सेवा में भर्ती किया जाता है। इस कार्यकाल के बाद 25% अग्निवीरों को नियमित किया जाता है और शेष 75% को नागरिक जीवन में लौटने की अनुमति दी जाती है। इन 4 वर्षों की अवधि में उन्हे ऐसे कई कौशल प्रदान किए जाते हैं, जो उन्हें रोजगार दिलाने में सहायक होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप लोगों की सहायता करना पसंद करते हों।
- आप बाहर काम करने में सहज हों।
- आप देश की सेवा और शौर्य का प्रदर्शन करने के इच्छुक हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **15,000–1,00,000*** के बीच है।

स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- 10वीं या 12वीं पास, भूमिका की आवश्यकतानुसार।
- **चयन प्रक्रिया**— फिजिकल फिटनेस टेस्ट— दौड़, पुश-अप्स, सिट-अप्स और अन्य शारीरिक मानक।
- **मेडिकल परीक्षा**— शारीरिक और चिकित्सा फिटनेस सुनिश्चित करती है।
- **लिखित परीक्षा**— सामान्य ज्ञान, गणित, तर्कशक्ति और बेसिक साइंस (प्रवेश श्रेणी के अनुसार) पर आधारित।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

अग्निवीर की आय ₹ **30,000–40,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://tinyurl.com/mt6nj5nm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आपको एक गैर-कमीशन अधिकारी के रूप में भारतीय नौसेना, भारतीय थल सेना, भारतीय वायु सेना के अधीन रखा जाएगा।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए सप्ताह में 6–7 दिन होता है। पालियों में कार्य करना पड़ सकता है। आपसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने की उम्मीद की जाती है। अधिकांशतः काम बाहर का होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

निजी → कॉर्पोरल → सार्जेंट → सार्जेंट मेजर

अथवा

सीमैन → लीडिंग सीमैन → पेटी ऑफिसर → चीफ पेटी ऑफिसर

अथवा

एयरक्राफ्टमैन → लीडिंग एयरक्राफ्टमैन → सार्जेंट → वारंट ऑफिसर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. रक्षा मंत्रालय प्रशिक्षण केंद्र, भारत के विभिन्न स्थानों पर
2. महाराष्ट्र रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
3. उत्तर प्रदेश सैनिक अकादमी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
4. सैनिक स्कूल, घोड़ाखाल, नैनीताल, उत्तराखंड
5. राष्ट्रीय सैन्य विद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक

निजी संस्थान

1. टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
2. एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश और जयपुर व गुरुग्राम परिसर
3. एन.आई.आई.टी. फाउंडेशन, गुरुग्राम, हरियाणा और देशभर में केंद्र
4. मिनर्वा अकादमी, मोहाली, पंजाब
5. इंटरनेशनल कॉलेज फॉर सिक्योरिटी स्टडीज, नई दिल्ली



सीमा सुरक्षा बल

सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.), भारत सरकार का एक सीमा सुरक्षा संगठन है, जिसे रक्षा की पहली पंक्ति के रूप में जाना जाता है और भारत के सात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सी.ए.पी.एफ.) में से एक है। बी.एस.एफ. जवान, राजस्थान और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों में सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देने तथा उस क्षेत्र में तस्करी और सीमा पार करने के अपराधों, जैसे– अनधिकृत प्रवेश या निकास को रोकने के लिए उत्तरदायी है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको लोगों की सहायता करना पसंद हों।
- आप बाहर काम करने में सहज हों।
- आप देश की सेवा और शौर्य का प्रदर्शन करने के इच्छुक हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1–2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **15,000–1,00,000*** के बीच है।

स्नातक (3 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी भी विषय-वर्ग में कक्षा 10 या 10+2 उत्तीर्ण करें। व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, निजी संस्थानों या सरकार द्वारा संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों द्वारा नेतृत्व, शारीरिक फिटनेस या आपदा प्रबंधन में अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूर्ण करें।
- व्यावसायिक संस्थानों और रक्षा प्रशिक्षण अकादमियों द्वारा प्रदान किए जाने वाले रक्षा अध्ययन, सीमा सुरक्षा या सुरक्षा प्रबंधन में डिप्लोमा करें।
- विश्वविद्यालयों और रक्षा-संबंधित संस्थानों द्वारा प्रदान किए जाने वाले रक्षा अध्ययन, सुरक्षा प्रबंधन या लोक प्रशासन में स्नातक की डिग्री करें।
- रक्षा संचालन, सुरक्षा विश्लेषण और नेतृत्व में उन्नत ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करते हुए रक्षा अध्ययन, राष्ट्रीय सुरक्षा या सामरिक अध्ययन में मास्टर डिग्री करें।
- **प्रतियोगी परीक्षाएँ**— बी.एस.एफ. अधिकारी बनने के लिए, उम्मीदवारों को सहायक कमांडेंट जैसे पदों के लिए कर्मचारी चयन आयोग (एस.एस.सी.) या संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) द्वारा आयोजित परीक्षाओं को उत्तीर्ण करना होगा।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सीमा सुरक्षा बल अधिकारी की आय

₹ **23,000– 1,20,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://recruitmentresult.com/bsf-salary/#BSF_SI_Salary_2022

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप 192 बटालियनों में से किसी बटालियन के साथ-साथ मरीन विंग, एयर विंग और आर्टिलरी रेजिमेंट जैसी विशेष इकाइयों में रोजगार पा सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए सप्ताह में 6–7 दिन होता है। पालियों में कार्य करना पड़ सकता है। आपसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने की उम्मीद की जाती है। अधिकांशतः काम बाहर का होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

असिस्टेंट कमांडेंट → डिप्टी कमांडेंट → कमांडेंट → डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डी.आई.जी.) → इंस्पेक्टर जनरल (आई.जी.) → एडिशनल डायरेक्टर जनरल (ए.डी.जी.) → स्पेशल डायरेक्टर जनरल → डायरेक्टर जनरल (डी.जी.)

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. बी.एस.एफ. अकादमी, टेकनपुर, मध्य प्रदेश
2. सेंट्रल स्कूल ऑफ वेपन एंड टैक्टिक्स, इंदौर, मध्य प्रदेश
3. प्रशिक्षण केंद्र और स्कूल, हजारीबाग, झारखंड
4. बी.एस.एफ. संचार और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
5. इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल संचार केंद्र, बेंगलुरु, कर्नाटक



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

तनुश्री पारीक वर्ष 2013 में बी.एस.एफ. में महिलाओं को सम्मिलित करने के बाद से भारत की पहली महिला लड़ाकू अधिकारी हैं। तनुश्री पारीक ने 15 अगस्त, 2019 को श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस परेड का नेतृत्व करने का गौरव भी प्राप्त किया है।*

स्रोत— hhttps://www.indianyouth.net/bsfs-first-woman-combat-officer-tanushree-pareek-inspires-youth/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सी.आई.एस.एफ. अधिकारी

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.) केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल का एक और विंग है और सबसे बड़ा औद्योगिक सुरक्षा बल है। सी.आई.एस.एफ. अधिकारी का प्राथमिक उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण परमाणु ऊर्जा संयंत्रों जैसी औद्योगिक इकाइयों के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सैन्य ग्रेड सुरक्षा और चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान करना है।

व्यक्तिगत गुण

- आप लोगों की सहायता करते हों।
- आप बाहर काम करने में सहज हों।
- आप देश की सेवा और शौर्य का प्रदर्शन करने में रुचि रखते हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–30,000*** के बीच है।
डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–60,000*** के बीच है।
स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **40,000–1,50,000*** के बीच है।
स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी भी विषय-वर्ग में कक्षा 10 या 12 उत्तीर्ण करें। व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों या निजी संस्थानों द्वारा नेतृत्व, शारीरिक फिटनेस या आपदा प्रबंधन में अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूर्ण करें।
- रक्षा अध्ययन, सुरक्षा प्रबंधन या सार्वजनिक सुरक्षा में डिप्लोमा करें। ये कार्यक्रम व्यावसायिक संस्थानों द्वारा प्रदान किए जाते हैं और सुरक्षा संचालन, प्रबंधन और रक्षा रणनीतियों में बुनियादी ज्ञान प्रदान करते हैं।
- रक्षा अध्ययन, सुरक्षा प्रबंधन या लोक प्रशासन में स्नातक की डिग्री करें।
- रक्षा अध्ययन, राष्ट्रीय सुरक्षा या सामरिक अध्ययन में मास्टर डिग्री करें।
- सी.आई.एफ.एस. अधिकारी बनने के लिए, उम्मीदवारों को सहायक कमांडेंट जैसे पदों के लिए कर्मचारी चयन आयोग (एस.एस.सी.) या संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सी.आई.एस.एफ. अधिकारी की आय
₹ **56,100– 2,15,900*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— pensionersportal.gov.in/seventhCPC/7cpc_report_eng.pdf

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप 9 क्षेत्रों (हवाई अड्डे, उत्तर, उत्तर-पूर्व, पूर्व, पश्चिम, दक्षिण, प्रशिक्षण, दक्षिण-पूर्व, मध्य) में से किसी एक के साथ-साथ फायर विंग में भी रोजगार पा सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए सप्ताह में 6–7 दिन होता है। पालियों में कार्य करना पड़ सकता है। आपसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने की उम्मीद की जाती है। अधिकांशतः काम बाहर का होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

असिस्टेंट कमांडेंट → डिप्टी कमांडेंट → कमांडेंट → डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल → इंस्पेक्टर जनरल → एडिशनल डायरेक्टर जनरल → स्पेशल डायरेक्टर जनरल → डायरेक्टर जनरल

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे, महाराष्ट्र
2. सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना
3. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल अकादमी, गुजरात
4. विभिन्न राज्यों में पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज (सुरक्षा प्रबंधन और कानून प्रवर्तन में संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करते हैं)

निजी संस्थान

1. सुरक्षा और सुरक्षा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
2. भारतीय सुरक्षा और सुरक्षा स्कूल, मुंबई, महाराष्ट्र
3. विश्वास प्रशिक्षण अकादमी, पुणे, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

रश्मि बेदवाल लिंगभेद से मुक्त होकर, सी.आई.एस.एफ. की डिप्टी कमांडेंट हैं और कर्नाटक के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (के.आई.ए.) टर्मिनल पर सुरक्षा की निगरानी करती हैं। उन्होंने वर्ष 2013 में यू.पी.एस.सी. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सी.ए.पी.एफ.) सहायक कमांडेंट परीक्षा उत्तीर्ण की और पुरुष-प्रधान क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है।*

स्रोत— https://thelogicalindian.com/tags/Rashmi-Bedwal

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

तटरक्षक

भारतीय तटरक्षक (आई.सी.जी.), रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्यरत एक समुद्री सशस्त्र बल है। आई.सी.जी. समुद्री क्षेत्रों में भारत के समुद्री और अन्य राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए उत्तरदायी होते है। वे अपतटीय और अन्य संरचनाओं को सुरक्षा प्रदान करते हैं। तथा मछुआरों को सुरक्षा भी प्रदान करते हैं और तस्करी विरोधी अभियानों में सहायता करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप लोगों की सहायता करते हों।
- आप बाहर काम करने में सहज हों।
- आपने टीम में काम किया हों।
- आप नए उत्तरदायित्वों को लेने में सक्षम हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हों।

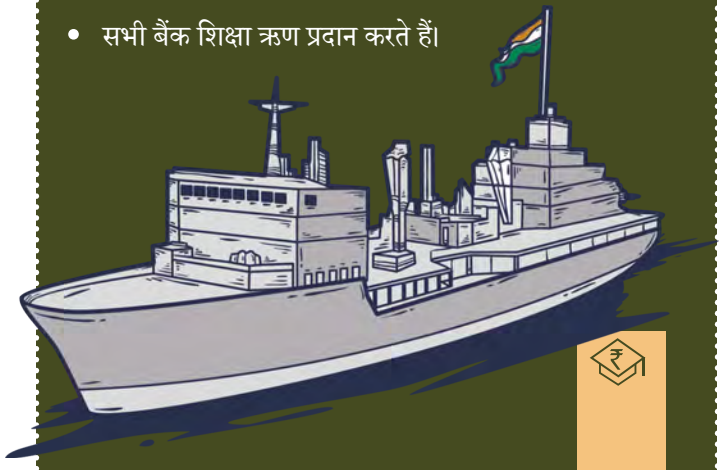
छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–30,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–60,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **40,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी भी विषय-वर्ग (विज्ञान या वाणिज्य को प्राथमिकता) में कक्षा 10 या कक्षा 12 उत्तीर्ण करें।
- समुद्री संस्थानों या व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा प्रदान किए जाने वाले समुद्री सुरक्षा, अग्निशमन या जीवन रक्षक कार्यों में अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूर्ण करें।
- नॉटिकल साइंस, मरीन इंजीनियरिंग या मरीन टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा करें। विभिन्न समुद्री प्रशिक्षण अकादमियों द्वारा यह डिप्लोमा प्रदान किया जाता है और समुद्री संचालन, नेविगेशन और जहाज संचालन में आधार प्रदान करता है।
- नॉटिकल साइंस में बैचलर ऑफ साइंस (बी.एससी. नॉटिकल साइंस) या मरीन इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (बी.ई.) करें।
- मरीन इंजीनियरिंग, समुद्री सुरक्षा या रक्षा अध्ययन में मास्टर डिग्री करें।
- तटरक्षक अधिकारी बनने के लिए, उम्मीदवारों को भारतीय तटरक्षक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, शारीरिक फिटनेस, मूल्यांकन और साक्षात्कार सम्मिलित हैं, जिसमें नेविगेशन, जहाज संचालन और सुरक्षा प्रोटोकॉल जैसे विषय सम्मिलित हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

तट रक्षक की आय ₹ **56,100–2,25,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://joinindiancoastguard.cdac.in/pay_perks_officers#:~:text=Starting%20Basic%20Pay,issued%20from%20time%20to%20time.

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— उन्हें भारतीय तट रक्षक, भारत सरकार द्वारा काम पर रखा जाएगा।

कार्य वातावरण— आपको समुद्र में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। पालियों में कार्य करना पड़ सकता है। आपसे यात्रा करने और चुनौतीपूर्ण स्थितियों से निपटने की उम्मीद की जाएगी। अधिकांशतः काम बाहर का होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

असिस्टेंट कमांडेंट → डिप्टी कमांडेंट → कमांडेंट → कमांडेंट → डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल → इंस्पेक्टर जनरल → एडिशनल डायरेक्टर जनरल → डायरेक्टर जनरल

अथवा

यान्त्रिक → उत्तम यंत्रिक → प्रधान यंत्रिक → सहायक अभियंता → उत्तम सहायक अभियंता → प्रधान सहायक अभियंता

अथवा

नाविक → उत्तम नाविक → प्रधान नाविक → अधिकारी → उत्तम अधिकारी → प्रधान अधिकारी

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय तटरक्षक अकादमी, एझिमाला, केरल
2. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे, महाराष्ट्र
3. सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना
4. भारतीय नौसेना अकादमी, एझिमाला, केरल
5. समुद्री इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

1. समुंद्रा समुद्री अध्ययन संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
2. अंतर्राष्ट्रीय समुद्री अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु
3. टी.एम.आई. अकादमी ऑफ मरीन स्टडीज, मुंबई, महाराष्ट्र
4. तोलानी समुद्री संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

नूपुर कुलश्रेष्ठ, भारतीय तट रक्षक के डी.आई.जी. के रूप में पदोन्नत होने वाली पहली महिला थीं। वह 23 से अधिक वर्षों से सेवा में हैं। कुलश्रेष्ठ को लगता है कि उनका उदाहरण अन्य भारतीय महिलाओं के लिए उनके पदचिह्नों पर चलने का मार्ग प्रशस्त करेगा*

स्रोत— https://www.shethepeople.tv/top-stories/inspiration/nupur-kulshrestha-dig-of-indian-coast-guard/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सी.आर.पी.एफ.अधिकारी

सी.आर.पी.एफ. अधिकारी की मुख्य भूमिका केंद्र सरकार को भीड़ नियंत्रण, दंगा नियंत्रण, मानवीय बचाव अभियान जैसे कार्य करके कानून, व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने में सक्षम बनाना है। वे बड़े पैमाने पर सुरक्षा व्यवस्था के समग्र समन्वय में सहायता करने के साथ-साथ युद्ध की स्थिति में देश की सैन्य रक्षा में सहायता भी करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप लोगों की सहायता करते हों।
- आप बाहर काम करने में सहज हों।
- आप देश की सेवा और शौर्य का प्रदर्शन करने के इच्छुक हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–30,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–60,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **40,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी भी विषय-वर्ग में कक्षा 10 या 12 उत्तीर्ण करें (विज्ञान या कला को प्राथमिकता दी जाएगी)।
- व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, निजी संस्थानों या सरकार द्वारा संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों द्वारा नेतृत्व, शारीरिक फिटनेस, सुरक्षा प्रबंधन या आपदा प्रबंधन में अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूर्ण करें।
- रक्षा अध्ययन, सुरक्षा प्रबंधन, सार्वजनिक सुरक्षा या आपदा प्रबंधन में डिप्लोमा करें। विभिन्न व्यावसायिक संस्थानों द्वारा प्रदान किया जाता है।
- रक्षा अध्ययन, सुरक्षा प्रबंधन या लोक प्रशासन में स्नातक की डिग्री करें।
- रक्षा अध्ययन, राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन या सामरिक अध्ययन में मास्टर डिग्री करें।
- सी.आर.पी.एफ. अधिकारी बनने के लिए, उम्मीदवारों को विशेष रूप से सहायक कमांडेंट जैसी भूमिकाओं के लिए कर्मचारी चयन आयोग (एस.एस.सी.) या संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सी.आर.पी.एफ.अधिकारी की आय ₹ **25,000–2,25,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.99notes.in- /blogs/crpf-salary/ #:~:text=The%20month-ly%20salary%20of%20 Central, Consumer%20Pri ce%20Index%20(CPI).

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप सी.आर.पी.एफ. की 243 बटालियनो में से किसी बटालियन में भी रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए सप्ताह में 6–7 दिन होता है। पालियों में कार्य करना पड़ सकता है। आपसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने की उम्मीद की जाती है। अधिकांशतः काम बाहर का होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

असिस्टेंट कमांडेंट → डिप्टी कमांडेंट → कमांडेंट → डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डी.आई.जी.) → इंस्पेक्टर जनरल (आई.जी.) → एडिशनल डायरेक्टर जनरल (ए.डी.जी.) → स्पेशल डायरेक्टर जनरल → डायरेक्टर जनरल (डी.जी.)

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सी.आर.पी.एफ. संस्थान

1. आंतरिक सुरक्षा अकादमी, माउंटआबू, राजस्थान
2. सी.आर.पी.एफ. अकादमी, माउंटआबू, गुरुग्राम, हरियाणा
3. केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय, नीमच, मध्य प्रदेश
4. काउंटर इंसर्जेंसी और आतंकवाद विरोधी स्कूल, सिलचर, असम



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

एनी अब्राहम आर.ए.एफ. (रैपिड एक्शन फोर्स) में पहली महिला आई.जी. के रूप में नियुक्त, एनी अब्राहम ने इतिहास रचने के साथ-साथ नीली डंगारियों की लौकिक काँच की छत को तोड़ने में भी कामयाबी हासिल की है। इब्राहीम ने घोषणा की कि वे आर.ए.एफ. को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी।*

स्रोत— timesofindia.indiatimes.com/india/crpf-gets-its-first-women-inspector-generals/articleshow/95259692.cms

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सीमा शुल्क अधिकारी

सीमा शुल्क अधिकारी, एक राजकीय अधिकारी होता है, जो देश में आयात और निर्यात किए गए सामानों पर शुल्क के कार्यान्वयन और संग्रह के लिए नियम प्रदान करते है। सीमा शुल्क अधिकारी, सीमा शुल्क कानून लागू करने के लिए उत्तरदायी होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप टीम में काम करने में सहज हों।
- आप विवरण पर ध्यान देते हों।
- आप लोगों की समस्याओं को हल करने में सहज हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।
डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000– 70,000*** के बीच है।
स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **40,000–1,50,000*** के बीच है।
स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी भी विषय-वर्ग में में कक्षा 12 उत्तीर्ण करें।
- व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों या निजी संस्थानों द्वारा पेश किए जाने वाले सीमा शुल्क निकासी, आयात या निर्यात प्रक्रियाओं, रसद प्रबंधन या व्यापार कानूनों में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम करें।
- सीमा शुल्क प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, रसद या निर्यात और आयात प्रक्रियाओं में डिप्लोमा करें।
- वाणिज्य (बी.कॉम), व्यवसाय प्रशासन (बी.बी.ए.), अर्थशास्त्र या अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में स्नातक की डिग्री करें।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, सीमा शुल्क प्रबंधन या लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानूनों, सीमा शुल्क विनियमों और प्रशासन पर केंद्रित उन्नत अध्ययन।
- सीमा शुल्क अधिकारी बनने के लिए, उम्मीदवारों को भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क) के पद के लिए कर्मचारी चयन आयोग (एस.एस.सी.) या संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करना होगा।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सीमा शुल्क अधिकारी की आय ₹ **56,100–2,00,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.cgstandcustomsbbsr.nic.in-/wp-content/up-loads/2020/09/Monthly-Remuneration-received-by-officers-employees-Including-system-of-compensation -Section41b-x.pdf

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— हवाई अड्डे तथा सीमा पर।

कार्य वातावरण— यह डेस्क जॉब नहीं है। आप एक टीम को संभालने की संभावना नहीं रखते हैं। स्थानीय यात्रा जॉब प्रोफाइल का भाग नहीं है। यह ट्रांसफरेबल जॉब है। आप सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

हवलदार → प्रधान हवलदार → सहायक उप-निरीक्षक → कर सहायक/उप-निरीक्षक → कार्यकारी सहायक → सीमा फीस, निरीक्षक → अधीक्षक/वरिष्ठ खुफिया अधिकारी/जिला अफीम अधिकारी/मूल्यांकन कार्यालय → सहायक आयुक्त → उपायुक्त → संयुक्त आयुक्त → अतिरिक्त आयुक्त → आयुक्त → प्रधान आयुक्त → मुख्य आयुक्त/महानिदेशक → मुख्य आयुक्त

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नशीले पदार्थ अकादमी, फरीदाबाद, हरियाणा
2. लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली
3. सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना
4. भारतीय राजस्व सेवा अकादमी, नई दिल्ली
5. अखिल भारतीय प्रबंधन संघ, नई दिल्ली

निजी संस्थान

1. निर्यात और आयात प्रबंधन संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
2. सीमा शुल्क एवं प्रबंधन अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु
3. अंतर्राष्ट्रीय निर्यात और आयात प्रबंधन संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. एपेक्स कस्टम्स अकादमी, पुणे, महाराष्ट्र

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

योगेंद्र गर्ग केंद्रीय माल और सेवा कर, कस्टम्स और सेंट्रल एक्साइज सेवा, गुवाहाटी के मुख्य आयुक्त हैं। वे उत्तर-पूर्व क्षेत्र में अप्रत्यक्ष करों के लिए जोनल प्रमुख भी हैं। गर्ग ने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर से मार्केटिंग और वित्तीय प्रबंधन में पी.जी.डी.एम. किया है।*

स्रोत— https://meghalayamonitor.com/call-to-identify-special-talent-on-customs-day/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

एफ.एस.एस.ए.आई. अधिकारी

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई.), भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्तसाक्षी निकाय है, जो खाद्य सुरक्षा एवं मानक को बढ़ावा देता है। हर साल, प्राधिकरण की एक सूची जारी करता है, जिसे वे सी.बी.टी. परीक्षाओं के माध्यम से भरा जाता है। नौकरी प्रोफाइल आई.टी. सहायक से लेकर खाद्य सुरक्षा अधिकारी तक होती है। उत्तरदायित्वों में प्रशासनिक सहायता प्रदान करने से लेकर लाइसेंस जारी करने और खाद्य नमूनों का विश्लेषण करना सम्मिलित है।

व्यक्तिगत गुण

- आप नए उत्तरदायित्वों लेने में तत्पर रहते हों।
- आप सभी तरह के लोगों से सहजता से बात करते हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 10,000–50,000* के बीच है।
डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 20,000– 70,000* के बीच है।
स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 40,000–1,50,000* के बीच है।
स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 50,000–2,50,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी भी विषय-वर्ग में (अधिमानतः वाणिज्य या विज्ञान) में कक्षा 12 उत्तीर्ण करें।
- व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों या निजी संस्थानों द्वारा पेश किए जाने वाले सीमा शुल्क निकासी, आयात/निर्यात प्रक्रियाओं, रसद प्रबंधन या व्यापार कानूनों में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम करें।
- सीमा शुल्क प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, रसद या निर्यात और आयात प्रक्रियाओं में डिप्लोमा करें।
- वाणिज्य (बी.कॉम), व्यवसाय प्रशासन (बी.बी.ए.), अर्थशास्त्र या अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में स्नातक की डिग्री करें।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, सीमा शुल्क प्रबंधन या लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानूनों, सीमा शुल्क विनियमों और प्रशासन पर केंद्रित उन्नत अध्ययन।
- सीमा शुल्क अधिकारी बनने के लिए, उम्मीदवारों को भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क) के पद के लिए कर्मचारी चयन आयोग (एस.एस.सी.) या संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करना होगा।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

एफ.एस.एस.ए.आई. अधिकारी की आय
₹ 25,000–2,18,200* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://sites.fssai.gov.in/fssaideputation/files/advertisement.pdf

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारत भर में एफ.एस.एस.ए.आई. के कार्यालय।

कार्य वातावरण— आप एक कार्यालय सेट-अप में काम करेंगे। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का एक भाग होने की संभावना है। यह एक स्थानांतरण योग्य नौकरी है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक → सहायक प्रबंधक → प्रशासनिक अधिकारी → केंद्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी → तकनीकी अधिकारी → उप प्रबंधक → प्रबंधक → खाद्य विश्लेषक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
3. तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम
4. अलगप्पा कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
5. राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान, तंजावुर, तमिलनाडु
6. वॉग कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
7. केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर, केरल
8. एन.आई.टी. राउरकेला, राउरकेला, ओडिशा
9. आई.के. गुजराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, कपूरथला, पंजाब
10. मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. सिंघानिया विश्वविद्यालय, झुंझुनू, राजस्थान
2. डॉ. डी.वाई. पाटिल जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान संस्थान, नवी मुंबई, महाराष्ट्र
3. धनलक्ष्मी श्रीनिवासन इंजीनियरिंग कॉलेज, पेरम्बलुर, तमिलनाडु
4. मुसलियार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तिरुवनंतपुरम, केरल
5. जया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कांचीपदी, तमिलनाडु
6. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. पारुल यूनिवर्सिटी, बड़ौदा, गुजरात
8. कलसलिंगम एकेडमी ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन, कृष्णनकोइल, तमिलनाडु
9. कारुण्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
10. बल्लारपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बल्लारपुर, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

इशानी रॉय ने वर्ष 2018 से भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई.) में खाद्य सुरक्षा अधिकारी हैं। उन्होंने उत्तर बंग कृषि विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल से बागवानी में बी.एस.सी. की डिग्री प्राप्त की है।*

स्रोत— https://www.quora.com/profile/Ishani-Roy-50

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

ग्रामीण डाक सेवक

ग्रामीण डाक सेवक (जी.डी.एस.), डाक टिकट एवं स्टेशनरी की बिक्री और डाक हस्तांतरण में पोस्टमास्टर या उप-पोस्टमास्टर की सहायता करते हैं। वे रेलवे मेल सेवाओं (आर.एम.एस.) में भी सम्मिलित होते हैं। जैसे बैग खोलना एवं बंद करना और बैग परिवहन।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी फाइल रख-रखाव या टाइप करने में रुचि हों।
- आप नए उत्तरदायित्वों लेने में तत्पर रहते हों।
- आपको वस्तुएं व्यवस्थित रखना पसंद हो।





छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (3–6 महीने)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–20,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (3–6 महीने)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **3,000–15,000*** के बीच है।

डाक सेवाओं से संबंधित प्रशिक्षण— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–25,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- गणित, अंग्रेजी और स्थानीय भाषा (राज्य के अनुसार) में उत्तीर्ण अंकों के साथ कक्षा 10वीं उत्तीर्ण करें।
- राज्य या क्षेत्र की स्थानीय भाषा में दक्षता अनिवार्य है, जिसके लिए कक्षा 10वीं तक स्थानीय भाषा का अध्ययन करना आवश्यक है।
- अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान से बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण सर्टिफिकेट (न्यूनतम 60 दिनों की अवधि) होना चाहिए।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

ग्रामीण डाक सेवक की आय

₹ **10,000– 29,380*** के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://indiapostgdsonline.cept.gov.in/Notifications/Model_Notification.pdf

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— विभागीय कार्यालय जैसे उप-डाकघर, प्रधान डाकघर आदि।

कार्य वातावरण— आप एक कार्यालय सेट-अप में काम करेंगे। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का भाग नहीं है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 3 से 5 घंटे काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

ग्रामीण डाक सेवक → मल्टी टास्किंग स्टाफ → डाकिया → डाक सहायक → डाक अधिकारी → पोस्ट ऑफिस अधिकारी → वशिष्ठ पोस्ट ऑफिस अधिकारी

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

भारत में किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा अनुमोदित कोई भी विद्यालय।



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सुमन बप्पा, कोलकाता में इंडिया पोस्ट में शाखा पोस्ट मास्टर हैं। उन्होंने टेक्नो इंडिया साल्ट लेक (टी.आई.एस.एल.) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. किया है।*

स्रोत— https://www.quora.com/profile/Suman-Bappa

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय प्रशासनिक सेवा

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस .) के अधिकारी केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और अन्य वैधानिक नियामक संस्थानों, जैसे– सेंट्रल बैंक (आर.बी.आई.), एस.ई.बी.आई. और चुनाव आयोग में कुछ प्रमुख पदों पर रहते हैं। वे मुख्य रूप से उन्हें आवंटित क्षेत्रों में सामान्य प्रशासन एवं कानून व्यवस्था को विनियमित करने और निगरानी करने के लिए उत्तरदायी हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप लोगों की समस्याओं को हल करने में सक्षम हों।
- आप नए उत्तरदायित्वों को लेने हमेशा तत्पर रहते हों।
- आपको लोगों की सहायता करना पसंद हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (3–6 महीने)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **40,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान या शासन में डिप्लोमा प्रशासनिक कार्य और शासन सिद्धांतों की मूल बातें समझने में सहायक हो सकता है।
2. यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा में बैठने के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है। राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, अर्थशास्त्र या कानून जैसे विषयों में डिग्री प्रशासनिक भूमिकाओं के लिए प्रासंगिक ज्ञान प्रदान कर सकती है।
3. मास्टर डिग्री आवश्यक नहीं है, अपितु लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान या अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में अध्ययन आपकी समझ को विकसित कर सकती है, जो आपको साक्षात्कार चरण में या सेवा के दौरान लाभान्वित कर सकती है। जिन उम्मीदवारों ने अपना एम.बी.बी.एस. अंतिम वर्ष पूरा कर लिया है, लेकिन अभी तक अपनी इंटर्नशिप पूरी नहीं की है, वे आवेदन कर सकते हैं।
4. यू.पी.एस.सी. द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की आय ₹ **56,100–2,25,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://centralwaqfcouncil.gov.in/ system/-iles/Advertise-ment-Post-Assistant- Administrative-Officer-deputation pdf

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियाँ, विभाग और मंत्रालय।

कार्य वातावरण— आपको घर के अंदर और बाहर दोनों जगह काम करने की आवश्यकता होगी। आप अधिकारियों की टीम को संभालेंगे। स्थानीय यात्रा जॉब प्रोफाइल का एक भाग है। यह स्थानांतरणीय जॉब है। आप सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

केंद्रीय स्तर पर

सहायक सचिव → अवर सचिव → उप-सचिव → निदेशक → संयुक्त सचिव → अतिरिक्त सचिव → सचिव → भारत के कैबिनेट सचिव

राज्य स्तर पर

अवर सचिव → उप-सचिव → संयुक्त सचिव → विशेष सचिव-सह-निदेशक → सचिव-सह-आयुक्त → प्रमुख सचिव → अतिरिक्त मुख्य सचिव → मुख्य सचिव

जिला स्तर पर

अनुविभागीय दंडाधिकारी → अपर जिलाधिकारी → जिलाधिकारी → संभागीय आयुक्त → संभागीय आयुक्त

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी, उत्तराखंड
2. राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, विभिन्न राज्य

निजी संस्थान

1. चाणक्य आई.ए.एस. अकादमी, नई दिल्ली
2. वाजिराम एंड रवि, नई दिल्ली
3. दृष्टि आई.ए.एस., नई दिल्ली
4. ए एल.एस. आई.ए.एस. अकादमी, नई दिल्ली
5. इनसाइट्स आई.ए.एस., बेंगलुरु, कर्नाटक

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) अधिकारी **दिव्या मित्तल** वर्तमान में मिर्जापुर की जिलाधिकारी हैं। वे उत्तर प्रदेश कैडर के 2013 बैच से हैं। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु से एम.बी.ए. किया है।*

स्रोत— https://mirzapur.nic.in/profile-2/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय वायु सेना अधिकारी

भारतीय वायु सेना अधिकारी (आई.ए.एफ.), देश को सभी हवाई खतरों से बचाते हैं और भारतीय सशस्त्र बलों (भारतीय नौसेना और भारतीय सेना) के अन्य दो अंगों के साथ निकट संपर्क में काम करते हैं, ताकि सभी खतरों से भारतीय क्षेत्र की रक्षा की जा सके। भारतीय वायु सेना अधिकारी को प्राकृतिक आपदा की स्थिति में मानवीय खोज और बचाव कार्य करने की भी आवश्यकता होती है।

व्यक्तिगत गुण

- आप लोगों की सहायता करना पसंद करते हों।
- आप बाहर काम करने पसंद करते हों।
- आप देश की सेवा और शौर्य का प्रदर्शन करने के इच्छुक हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 20,000–1,00,000*** के बीच है।
डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 30,000–1,50,000*** के बीच है।
स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 50,000–2,00,000*** के बीच है।
स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 1,00,000–3,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण, विशेषकर विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित)।
2. इसके बाद आपको लिखित परीक्षा और फिर साक्षात्कार देना होगा। सभी उम्मीदवारों को फिजिकल और मेडिकल टेस्ट पास करना होगा।

अथवा

विज्ञान वर्ग में स्नातक करें और संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा और साक्षात्कार के लिए उपस्थित हों। सभी उम्मीदवारों को फिजिकल और मेडिकल टेस्ट पास करना होगा।

अथवा

तकनीकी प्रवेश के लिए, जे.ई.ई. एडवांस, जे.ई.ई. मेन, मेट, वी.आई.टी.ई.ई.ई., एम.एच.टी. सी.ई.टी., एस.आर.एम.जे.ई.ई., सी.ओ.एम.ई.डी.के., यू.जी.ई.टी., के.सी.ई.टी. आदि जैसी प्रवेश परीक्षाओं को पास करने के बाद इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.ई./बी. टेक.) डिग्री प्राप्त करें।

भारतीय सशस्त्र बलों में प्रवेश के लिए आपको विभिन्न लिखित परीक्षाओं, एस.एस.बी. साक्षात्कार और विभिन्न चिकित्सा परीक्षाओं को भी पास करना होगा, जिसके बाद आप अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में सम्मिलित हो सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय वायुसेना अधिकारी की आय
₹ 56,100–2,50,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://careerairforce.nic.in-/pay-and-benefits

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप भारतीय वायु सेना के पाँच ऑपरेशनल और दो फंक्शनल कमांड में से किसी में भी नौकरी पा सकते हैं। एक प्रवेश स्तर के अधिकारी से एक सेक्शन के भीतर 3 शाखाओं, यानी फ्लाइंग ब्रांच, टेक्निकल ब्रांच और ग्राउंड ब्रांच में से किसी में काम करने की उम्मीद की जाती है।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए सप्ताह में 6–7 दिन होता है। पालियों में कार्य करना पड़ सकता है। आपसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने की उम्मीद की जाती है। अधिकांशतः काम बाहर का होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

फ्लाइंग ऑफिसर → फ्लाइट लेफ्टिनेंट → स्क्वाड्रन लीडर → विंग लीडर → ग्रुप कैप्टन → एयर कमोडोर → एयर वाइस मार्शल → एयर मार्शल

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे, महाराष्ट्र
2. वायु सेना अकादमी, डुंडीगल, तेलंगाना

निजी संस्थान

1. बालनोई अकादमी, नई दिल्ली
2. कैवलियर इंडिया, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. मिनर्वा अकादमी, चंडीगढ़
4. ओलिव ग्रीन्स इंस्टीट्यूट, चंडीगढ़
5. द कैवलियर, नई दिल्ली



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

गुंजन सक्सेना, देश की सबसे प्रसिद्ध फ्लाइंग ऑफिसर्स में से एक हैं। वे देश की सबसे लोकप्रिय महिला आई.ए.एफ. अधिकारियों में से एक हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद सशस्त्र बलों में सम्मिलित होने का फैसला किया। वे वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में एक अनुभवी होने के साथ-साथ युद्ध क्षेत्र में उड़ान भरने वाली पहली महिला भी हैं।*

स्रोत— indiatimes.com/news/india/the-untold-story-of-the-first-women-warriors-of-kargil-gunjan-saxena-and-srividya-rajan-258983.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय थल सेना अधिकारी

भारतीय थल सेना, भारतीय सशस्त्र सेनाओं का सबसे बड़ा अंग है और उसकी थल आधारित शाखा है। भारतीय सेना के एक अधिकारी की मुख्य उत्तरदायित्वों देश की सुरक्षा, अखंडता और एकता सुनिश्चित करना है। वे देश को अंदरूनी और बाहरी दोनों ही खतरों से बचाते है और जब भी और जहाँ भी आवश्यकता हो मानवीय बचाव अभियान भी चलाते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप देश की सेवा और शौर्य का प्रदर्शन करने के इच्छुक हों।
- आप निर्देशों का अच्छी तरह से पालन करते हों
- आप विवरणों पर भी ध्यान देते हों।
- आपमें उच्च सत्यनिष्ठा और नेतृत्व क्षमता हो।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 6,000–10,46,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें (विज्ञान वर्ग, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित को प्राथमिकता)।
2. इसके बाद आपको राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एन.डी.ए.) की परीक्षा में उपस्थित होना होगा और फिर एस.एस.बी. साक्षात्कार देना होगा। सभी उम्मीदवारों को शारीरिक और चिकित्सा परीक्षण पास करना होगा।

अथवा

विज्ञान वर्ग में स्नातक करें और संयुक्त रक्षा सेवा (सी.एस.डी.) परीक्षा और सेवा चयन बोर्ड (एस.एस.बी.) साक्षात्कार में उपस्थित हों। सभी उम्मीदवारों को शारीरिक और चिकित्सा परीक्षण पास करना होगा।

अथवा

तकनीकी प्रवेश के लिए, इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.ई./बी.टेक.) की डिग्री प्राप्त करें, जो जे.ई. एडवांस्ड, जे.ई. मेन, एम.ई.टी.ए. वी.आई.टी.ई.ई.ई.ए. एम.एच.टी. सी.ई.टी.ए. एस.आर.एम.जे.ई.ई.ए. कोमेडके, यू.जी.ई.टी.ए. के.सी.ई.टी आदि जैसे प्रवेश परीक्षाओं को पास करने के बाद हो। भारतीय सशस्त्र बलों में प्रवेश के लिए, आपको विभिन्न लिखित परीक्षाओं, एक एस.एस.बी. साक्षात्कार और विभिन्न चिकित्सा परीक्षाओं को पास करना होगा, जिसके बाद आप अधिकारियों की प्रशिक्षण अकादमी में सम्मिलित हो सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय थल सेना अधिकारी की आय
₹ 56,100–2,50,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Sala-ries/army-officer-salary-SRCH_KO0,12.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय सेना के रैंक धारक रैंक के आधार पर या तो किसी रेजिमेंट के साथ काम कर सकते हैं, किसी रेजिमेंट की अगुआई कर सकते हैं या किसी ट्रेनिंग अकादमी में भी काम कर सकते हैं। उनका समय-समय पर देश के अलग-अलग भागों में स्थानांतरण होता रहता है।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त होने की आवश्यकता होती है और कठोर परिस्थितियों और परिवेश का सामना करने में भी सक्षम होने की आवश्यकता होती है। आपको कठोर शारीरिक प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है। आपको देश के किसी भी हिस्से में तैनाती दी जा सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

लेफ्टिनेंट → कप्तान → मेजर → लेफ्टिनेंट कर्नल → कर्नल → ब्रिगेडियर → मेजर जनरल → लेफ्टिनेंट जनरल→ जनरल → फील्ड मार्शल

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून, उत्तराखंड
2. अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु
3. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे, महाराष्ट्र
4. सैन्य नर्सिंग सेवा प्रशिक्षण संस्थान, भारत के विभिन्न स्थान में उपस्थित

निजी संस्थान

1. बालनोई अकादमी, नई दिल्ली
2. कैवलियर इंडिया, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. मिनर्वा अकादमी, चंडीगढ़, पंजाब
4. ओलिव ग्रीन्स इंस्टीट्यूट, चंडीगढ़, पंजाब
5. तथागत अकादमी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

दिव्या अजित कुमार, भारतीय सशस्त्र बलों में एक थल-वायु सेना अधिकारी हैं। वह पहली जनरेशन की सैनिक हैं जिन्होंने ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी, चेन्नई से अपना प्रशिक्षण पूरा किया है। वह पहली महिला अधिकारी हैं जिन्हें स्वॉर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया है, जो कि सामान्यतः सेना द्वारा सर्वश्रेष्ठ कैडेट को दिया जाता है। उन्होंने वर्ष 2015 में गणतंत्र दिवस पर सेना की पहली महिला टुकड़ी का नेतृत्व भी किया। कुमार वर्तमान में अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, चेन्नई में कार्यरत हैं।

स्रोत— https://www.indianyouth.net/story-captain-divya-ajith-kumar-inspire-youth/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय विदेश सेवा

भारतीय विदेश सेवा (आई.एफ.एस.) की स्थापना विदेशों में राजनीतिक, वाणिज्यिक, काउंसलर और अन्य सभी कार्यों को संभालने के लिए की गई थी। एक राजनयिक के रूप में विदेश सेवा अधिकारी को विभिन्न प्रकार के मुद्दों पर देश और विदेश दोनों में भारत के हितों को प्रोजेक्ट करने की आवश्यकता होती है। इनमें द्विपक्षीय राजनीतिक एवं आर्थिक सहयोग, व्यापार और निवेश संवर्धन, सांस्कृतिक संपर्क, प्रेस और मीडिया संपर्क के साथ-साथ बहुपक्षीय मुद्दों को देखना भी सम्मिलित होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप महत्वाकांक्षी हों।
- आप लोगों की समस्याओं को हल करने में सक्षम हों।
- आप नए उत्तरदायित्वों को लेने के लिए तत्पर रहते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष))— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–2,00,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–3,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशिष्ट प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है।
- अंतर्राष्ट्रीय संबंध, राजनीति विज्ञान या लोक प्रशासन में डिप्लोमा शासन, कूटनीति और वैश्विक मामलों की मूल बातें समझने में सहायता कर सकता है, जो यू.पी.एस.सी. की तैयारी के लिए उपयोगी है।
- यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा में बैठने के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है। राजनीति विज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अर्थशास्त्र या कानून में डिग्री राजनयिक भूमिकाओं के लिए प्रासंगिक ज्ञान प्रदान कर सकती है।
- मास्टर डिग्री आवश्यक नहीं है लेकिन अंतर्राष्ट्रीय संबंध, राजनीति विज्ञान या लोक प्रशासन में मास्टर डिग्री वैश्विक कूटनीति, अंतर्राष्ट्रीय कानून और शासन की आपकी समझ को विकसित कर सकती है, जो परीक्षा और साक्षात्कार चरण के दौरान आपको लाभान्वित कर सकती है।
- यू.पी.एस.सी. द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय विदेश सेवा अधिकारी की आय ₹ **60,000–2,24,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://doe.gov.in/files/cenetral-pay_document/7cpc_report_eng.pdf

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियाँ, विभाग और मंत्रालय।

कार्य वातावरण— आपकी पोस्टिंग भारत या विदेश में होने की संभावना है। आप एक ऑफिस सेट-अप में काम करेंगे। आप अधिकारियों की टीम को संभालेंगे। यह ट्रांसफरेबल जॉब है। आप सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

भारत

अवर सचिव → उप-सचिव → परामर्शदाता निदेशक → संयुक्त सचिव → अतिरिक्त सचिव → सचिव

प्रवासी

अताशे/तृतीय सचिव → द्वितीय/प्रथम सचिव → प्रथम सचिव → निदेशक → मंत्री/डी.सी.एम. राजदूत → राजदूत/उच्चायुक्त → राजदूत/उच्चायुक्त

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली
2. चाणक्य आई.ए.एस. अकादमी, नई दिल्ली
3. ए.एल.एस. आई.ए.एस. अकादमी, नई दिल्ली
4. वाजीराम और रवि, नई दिल्ली
5. राउज आई.ए.एस. स्टडी सर्किल, नई दिल्ली
6. खान स्टडी ग्रुप, नई दिल्ली
7. बालनोई अकादमी, नई दिल्ली



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

चोनिरा बेलियप्पा मुथम्मा वर्ष 1949 में यू.पी.एस.सी. परीक्षा पास करने वाली और भारतीय विदेश सेवा का विकल्प चुनने वाली पहली महिला थीं। कोडागु के विराजपेट में जन्मी, उन्होंने चेन्नई के वीमेंस क्रिश्चियन कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य में स्नातक किया और चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज से उसी में स्नातकोत्तर किया हो।

स्रोत— https://starofmysore.com/a-toast-to-diplomats/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय वन सेवा

भारतीय वन सेवा अधिकारी एक प्रमुख सिविल सेवक होते हैं, जो भारत सरकार की तीन अखिल भारतीय सेवाओं में से एक भारतीय वन सेवा में कार्य करते हैं। भारतीय वन सेवा अधिकारियों का दायित्व देश के वनों और वन्यजीवों के संरक्षण, प्रबंधन और सुरक्षा का होता है। वे केंद्रीय, राज्य और जिला स्तरों पर वन विभागों में काम करते हैं और भारत के विशाल प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप वानिकी और वन्य जीवन में रुचि रखते हों।
- आप लोगों की समस्याओं को हल करने में सहज हों।
- आप नए उत्तरदायित्वों लेने के लिए हमेशा तत्पर रहते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–20,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,00,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,00,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–20,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशिष्ट प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है।
- वानिकी, वन्यजीव संरक्षण या पर्यावरण विज्ञान में डिप्लोमा वन प्रबंधन और संरक्षण प्रथाओं की आधारभूत समझ प्रदान कर सकता है, जो यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा के लिए लाभदायक है।
- यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा में बैठने के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है। प्रमुख डिग्रियों में बी.एस.सी. (वानिकी), बी.एस.सी. (वनस्पति विज्ञान/प्राणी विज्ञान), बी.एस.सी. (पर्यावरण विज्ञान) या बी.टेक. (पर्यावरण इंजीनियरिंग) सम्मिलित हैं, क्योंकि वे आई.एफ.एस. करियर के लिए प्रासंगिक ज्ञान प्रदान करते हैं।
- मास्टर्स डिग्री आवश्यक नहीं है लेकिन वानिकी, वन्यजीव जीव विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान या वनस्पति विज्ञान/प्राणी विज्ञान में मास्टर डिग्री पारिस्थितिकी तंत्र, वन प्रबंधन और संरक्षण की आपकी समझ को विकसित कर सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय वन सेवा अधिकारी की आय ₹ **38,000–41,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/range-forest-officer-salary-SRCH_KO0,20.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— राज्य के वन विभाग।

कार्य वातावरण— आपको घर के अंदर और बाहर दोनों जगह काम करने की आवश्यकता होगी। आप अधिकारियों की टीम को संभालेंगे। स्थानीय यात्रा जॉब प्रोफाइल का एक भाग है। यह ट्रांसफरेबल जॉब है। आप सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

उप-वन संरक्षक → वन संरक्षक → मुख्य वन संरक्षक → अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक → प्रधान मुख्य वन संरक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून, उत्तराखंड

निजी संस्थान

1. चाणक्य आई.ए.एस. अकादमी, नई दिल्ली
2. ए.एल.एस. आई.ए.एस. अकादमी, नई दिल्ली
3. वाजीराम और रवि, नई दिल्ली
4. राउ आई.ए.एस. स्टडी सर्किल, नई दिल्ली
5. खान स्टडी ग्रुप, नई दिल्ली
6. ओलिव ग्रीन्स इंस्टीट्यूट, चंडीगढ़, पंजाब



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

परवीन कस्वां, 2016 बैच के भारतीय वन सेवा की अधिकारी हैं। वे राजस्थान के मिर्जावाली मेर गाँव के रहने वाली हैं। कासवान ने वर्ष 2008 में एमिटी विश्वविद्यालय से एयरोस्पेस, वैमानिकी और वैमानिकी/अंतरिक्ष अभियांत्रिकी में बी.टेक. किया। उन्होंने देहरादून में स्थित वन अनुसंधान संस्थान से वानिकी में स्नातकोत्तर किया है।*

स्रोत— http://bit.ly/3HagCQe

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय होमगार्ड

भारतीय होमगार्ड, भारतीय पुलिस का एक सहायक निकाय है, जो किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में समुदाय के भीतर व्यवस्था लागू करने और बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है। होम गार्ड का मुख्य कर्तव्य आवश्यक सेवाओं के रख-रखाव में सहायता करना, सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देना, कमजोर वर्गों की सुरक्षा में प्रशासन की सहायता करना, सामाजिक-आर्थिक एवं कल्याणकारी गतिविधियों में भाग लेना और नागरिक सुरक्षा कर्तव्यों का पालन करना है।

व्यक्तिगत गुण

- आप लोगों की सहायता करना पसंद करते हों।
- आप बाहर काम करने में सहज हों।
- आप देश की सेवा और शौर्य का प्रदर्शन करने के इच्छुक हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ 5,000–15,000* के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ 10,000–25,000* के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ 5,000–15,000* के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ 10,000–30,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशिष्ट प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है, लेकिन अभ्यर्थी, होमगार्ड बनने के लिए आधारभूत ज्ञान और व्यावहारिक कौशल विकसित करने हेतु आपदा प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा या नागरिक सुरक्षा में अल्पकालिक पाठ्यक्रम पूर्ण कर सकते हैं।
- आपदा प्रबंधन, नागरिक सुरक्षा या अग्नि सुरक्षा में डिप्लोमा आपातकालीन प्रतिक्रिया, सार्वजनिक सुरक्षा और सामुदायिक सेवा की मूल बातें समझने में सहायक हो सकता है, जो होम गार्ड कर्तव्यों के लिए प्रासंगिक हैं। हालाँकि अनिवार्य नहीं है, लेकिन सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री एक लाभ हो सकता है। शारीरिक शिक्षा, सामाजिक कार्य या सामाजिक विज्ञान में डिग्री सामुदायिक सेवा, कानून प्रवर्तन और आपदा प्रबंधन में प्रासंगिक ज्ञान प्रदान कर सकती है।
- यद्यपि यह आवश्यक नहीं है, लेकिन आपदा प्रबंधन, सार्वजनिक सुरक्षा या सामुदायिक सेवा में मास्टर डिग्री आपातकालीन प्रतिक्रिया और सुरक्षा प्रोटोकॉल की आपकी समझ को विकसित कर सकती है, जो आपको इस क्षेत्र में लाभान्वित कर सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय होम गार्ड की आय ₹ 9,000–12,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/pro-file/home-guard-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप शहरी और ग्रामीण राज्यों में होमगार्ड के रूप में रोजगार पा सकते हैं, जो पुलिस की सहायता करता है और सहायक सहायता प्रदान करता है। आप सीमावर्ती राज्यों में बॉर्डर विंग होमगार्ड के रूप में भी काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए सप्ताह में 6–7 दिन होता है। पालियों में कार्य करना पड़ सकता है। आपसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने की उम्मीद की जाती है। अधिकांशतः काम बाहर का होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सिविलियन → ट्रेनी होम गार्ड → होम गार्ड

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा कॉलेज, नागपुर, महाराष्ट्र
2. राज्य गृह रक्षक प्रशिक्षण केंद्र, भारत के विभिन्न स्थान में स्थित

निजी संस्थान

1. राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा कॉलेज, नागपुर, महाराष्ट्र
2. भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, भारत के विभिन्न स्थान में स्थित
3. भारतीय अग्नि इंजीनियरिंग संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

के. राधा, केरल की पहली महिला होम गार्ड अधिकारी, के. राधा ने केरल की पहली महिला आई.पी.एस. अधिकारी आर. श्रीलेखा के साथ बैठक की व्यवस्था करके केरल में महिला होम गार्ड अधिकारियों का समर्थन किया और उसमें सफलता प्राप्त की।*

स्रोत— newindianexpress.com/states/kerala/2020/nov/05/kasaragod-first-to-get-woman-home-guard-2219486.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय नौसेना अधिकारी

भारतीय नौसेना, भारतीय सशस्त्र बलों की समुद्री शाखा है और दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित समुद्री सेना बलों में से एक है। एक भारतीय नौसेना अधिकारी से देश के लिए किसी भी और सभी समुद्री खतरों को रोकने और देश के लिए किसी भी खतरे को बेअसर करने में अन्य दो सशस्त्र बलों (सेना और वायु सेना) की सहायता करने की उम्मीद की जाती है। एक भारतीय नौसेना अधिकारी के काम में नेविगेशन, फंसे हुए लोगों को बचाना और भारी मशीनरी का सामान्य रख-रखाव और देखभाल भी सम्मिलित है।

व्यक्तिगत गुण

- आप लोगों की सहायता करना पसंद करते हों।
- आप बाहर काम करने में सहज हों।
- आप देश की सेवा और शौर्य का प्रदर्शन करने के इच्छुक हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करना चाहते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–3,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें। विशेषकर विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित)।
2. इसके बाद आपको लिखित परीक्षा और फिर साक्षात्कार देना होगा। सभी उम्मीदवारों को फिजिकल और मेडिकल टेस्ट पास करना होगा।

अथवा

किसी भी विज्ञान स्ट्रीम में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें और संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा और साक्षात्कार के लिए उपस्थित हों। सभी उम्मीदवारों को फिजिकल और मेडिकल टेस्ट पास करना होगा।

अथवा

तकनीकी प्रवेश के लिए, ई.ई. एडवांस्ड, जे.ई.ई. मेन, मेट, वी.आई.टी.ई.ई.ई., एम.एच.टी. सी.ई.टी., एस.आर.एम.जे.ई.ई., सी.ओ.एम.ई.डी.के., यू.जी.ई.टी., के.सी.ई.टी. आदि जैसी प्रवेश परीक्षाओं को पास करने के बाद इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.ई./बी.टेक.) डिग्री प्राप्त करें।

भारतीय सशस्त्र बलों में प्रवेश के लिए, आपको विभिन्न लिखित परीक्षाओं, एस.एस.बी. साक्षात्कार और विभिन्न चिकित्सा परीक्षाओं को भी पास करना होगा, जिसके बाद आप अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में सम्मिलित हो सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय नौसेना अधिकारी की आय ₹ **56,100–2,50,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.joinindiannavy.gov.in/en/page/pay-scale-of-officers.html

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप कार्यकारी, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल जैसी प्रमुख शाखाओं में व्यापक रूप से छांटे गए 14 संवर्गों में से किसी एक में भारतीय नौसेना में सम्मिलित हो सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए सप्ताह में 6–7 दिन होता है। पालियों में कार्य करना पड़ सकता है। आपसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने की उम्मीद की जाती है। अधिकांशतः काम बाहर का होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

उप लेफ्टिनेंट → लेफ्टिनेंट → लेफ्टिनेंट कमांडर → कमांडर → कप्तान → कमोडोर → रियर एडमिरल → वाइस एडमिरल → एडमिरल → ग्रैंड एडमिरल

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

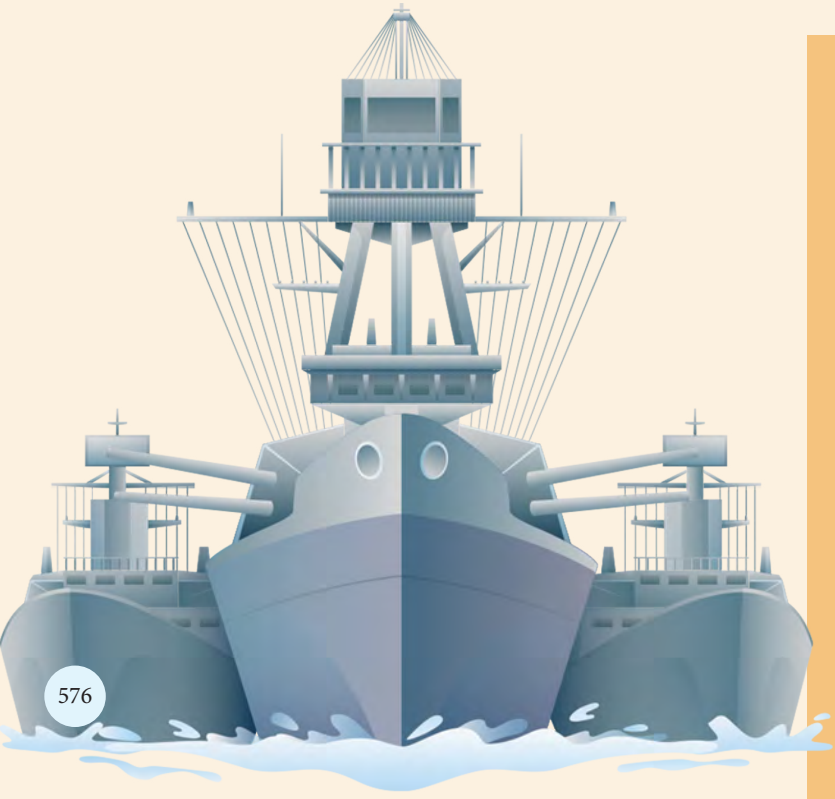
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला, पुणे, महाराष्ट्र
2. भारतीय नौसेना अकादमी, एझिमाला, केरल
3. नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
4. रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, विभिन्न स्थान, भारत

निजी संस्थान

1. चाणक्य आई.ए.एस. अकादमी, नई दिल्ली
2. वाजीराम और रवि, नई दिल्ली
3. ए.एल.एस. आई.ए.एस. अकादमी, नई दिल्ली
4. टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

आर. मीरा, नीलगिरि अचानाकल गाँव से आने वाली सबसे बड़े जातीय समुदाय, बडगास की पहली महिला नौसेना अधिकारी हैं। 22 सप्ताह के प्रशिक्षण को पूरा करने के बाद, उन्होंने केरल के एझिमाला में भारतीय नौसेना अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और कोच्चि में नौसेना आयुध निरीक्षणालय संवर्ग में ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए सब-लेफ्टिनेंट बन गईं।*

स्रोत— https://www.deccanchronicle.com/nation/in-other-news/300522/meera-first-badaga-woman-to-become-naval-officer.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय पुलिस सेवा

भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.), तीन अखिल भारतीय सेवाओं में से एक है तथा अन्य दो आई.ए.एस. एवं आई.एफ.एस. हैं। आई.पी.एस. अधिकारी राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर पुलिस बलों को वरिष्ठ स्तर का नेतृत्व प्रदान करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप महत्वाकांक्षी हों।
- आप लोगों की समस्याओं को हल करने में सक्षम हों।
- आप नए उत्तरदायित्वों को लेने के लिए हमेशा तत्पर हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशिष्ट प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है, लेकिन उम्मीदवार यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा (सी.ए.सई.) की तैयारी के लिए आधारभूत ज्ञान निर्मित करने के लिए सामान्य अध्ययन, लोक प्रशासन या समसामयिक मामलों में अल्पकालिक पाठ्यक्रम पूर्ण कर सकते हैं।
- लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान या आपराधिक कानून में डिप्लोमा कानून प्रवर्तन और प्रशासनिक कार्य की मूल बातें समझने में सहायक हो सकता है।
- यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा में बैठने के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है।
- लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, कानून या आपराधिक न्याय में मास्टर डिग्री शासन और कानून प्रवर्तन की आपकी समझ को विकसित कर सकती है, जो साक्षात्कार चरण के दौरान या सेवा करते समय लाभदायक हो सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी की आय ₹ **56,100–2,70,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://timespro.com/blog/a-comprehen-sive-guide-to-ips-salary-structure-in-india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियाँ, विभाग और मंत्रालय।

कार्य वातावरण— आपको घर के अंदर और बाहर दोनों जगह काम करने की आवश्यकता होगी। आप अधिकारियों की टीम को संभालेंगे। स्थानीय यात्रा जॉब प्रोफाइल का एक भाग है। यह ट्रांसफरेबल जॉब है। आप सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

पुलिस उपाधीक्षक → सहायक पुलिस अधीक्षक → पुलिस अधीक्षक → पुलिस उप-महानिरीक्षक → पुलिस महानिरीक्षक → अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक → पुलिस महानिदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना
2. केंद्रीय जासूसी प्रशिक्षण संस्थान, भारत के विभिन्न स्थान में स्थित
3. भारतीय पुलिस अकादमी, भारत के विभिन्न स्थान में स्थित

निजी संस्थान

1. चाणक्य आई.ए.एस. अकादमी, नई दिल्ली
2. वाजीराम और रवि, नई दिल्ली
3. ए.एल.एस. आई.ए.एस. अकादमी, नई दिल्ली
4. सिविल सेवा कोचिंग संस्थान, भारत के विभिन्न स्थान में स्थित

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

रेणुका मिश्रा वर्तमान में उत्तर प्रदेश पुलिस की राज्य विशेष जाँच टीम का नेतृत्व करती हैं। उन्हें पुलिस सेवा का 32 साल का अनुभव है। उन्होंने अन्नामलाई विश्वविद्यालय से आपराधिक न्याय/पुलिस विज्ञान में एम.ए. किया है।*

स्रोत— http://bit.ly/3JjZf2b

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय रेलवे लेखा सेवा

भारतीय रेलवे लेखा सेवा के अधिकारी भारतीय रेलवे के खातों और वित्त के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी होते हैं। इस कार्य का एक आवश्यक भाग सभी लेन-देन की जाँच करना और केवल उन लेन-देन को रिकॉर्ड करना है, जो रेलवे के राजस्व के लिए वैध रूप से उत्तरदायी है।

व्यक्तिगत गुण

- आप खर्च और आय का सटीक रिकॉर्ड रख सकते हों।
- आपको विज्ञान में रुचि हों।
- आप गणित में अच्छे हों।
- आप में नेतृत्व क्षमता हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 10,000–50,000* के बीच है।
डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 20,000–70,000* के बीच है।
स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 30,000–1,50,000* के बीच है।
स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 50,000–2,50,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. अभियांत्रिकी, वाणिज्य या चार्टर्ड अकाउंटेंसी में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

3. यू.पी.एस.सी. द्वारा आयोजित भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय रेलवे लेखा सेवा अधिकारी की आय
₹ 56,100–1,82,200* प्रतिमाह हो सकती है।

स्त्रोत— https://testbook.com/ias-preparation/indian-railway-accounts-service-iras-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय रेलवे, राजकीय एजेंसिजयाँ तथा मंत्रालय के विभाग।

कार्य वातावरण— आप एक कार्यालय सेट-अप में काम करेंगे। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का एक भाग होने की संभावना है। यह एक स्थानांतरण योग्य नौकरी है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक वित्तीय सलाहकार/सहायक मंडल वित्तीय प्रबंधक/सहायक कार्यशाला लेखा अधिकारी/सहायक वित्तीय सलाहकार (यातायात) → वरिष्ठ सहायक वित्तीय सलाहकार/मंडल वित्तीय प्रबंधक/कार्यशाला लेखा अधिकारी/वरिष्ठ सहायक वित्तीय सलाहकार → उप-वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा कार्यालय → उप-वित्तीय

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग/वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
3. भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात
4. भारतीय प्रबंधन संस्थान, कलकत्ता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, वेल्लोर, तमिलनाडु
2. बिड़ला प्रौद्योगिकी संस्थान, राजस्थान
3. एस.आर.एम. विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, कत्तनकुलथुर, तमिलनाडु
4. नरसी मोंजी प्रबंधन अध्ययन संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा

भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (आई.आर.पी.एस.) के अधिकारी भारतीय रेलवे के कर्मचारियों के कल्याण का काम संभालते हैं। चूँकि रेलवे में 15 लाख से अधिक कर्मचारी हैं, इसलिए आई.आर.पी.एस. अंतर-सेवा संबंधों और रोजगार की स्थितियों के प्रबंधन में अहम भूमिका निभाते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप खर्च और आय का सटीक रिकॉर्ड रख सकते हों।
- आपको विज्ञान में रुचि हों।
- आप गणित में अच्छे हों।
- आप में नेतृत्व क्षमता हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- कोई विशेष प्रमाणपत्र आवश्यक नहीं है, लेकिन उम्मीदवार मानव संसाधन प्रबंधन, श्रम कानून या सामान्य अध्ययन में अल्पकालिक पाठ्यक्रम कर सकते हैं।
- मानव संसाधन प्रबंधन, सार्वजनिक प्रशासन या श्रम कानून में डिप्लोमा कर्मियों के प्रबंधन, शासन के सिद्धांतों और श्रम से संबंधित कानूनों की मूल बातें समझने में सहायक हो सकता है।
- यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए सरकार से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक डिग्री अनिवार्य है। मानव संसाधन प्रबंधन, सार्वजनिक प्रशासन, व्यवसाय प्रशासन या समाजशास्त्र में डिग्री भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा में प्रशासनिक भूमिकाओं के लिए प्रासंगिक ज्ञान प्रदान कर सकती है।
- हालाँकि आवश्यक नहीं है, मानव संसाधन प्रबंधन, सार्वजनिक प्रशासन, श्रम कानून या व्यवसाय प्रशासन (एम.बी.ए.) में मास्टर डिग्री आपकी मानव संसाधन प्रबंधन की समझ को गहरा कर सकती है, जो साक्षात्कार चरण या सेवा के दौरान आपके लिए लाभदायक हो सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा अधिकारी की आय ₹ **15,600–2,15,900*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://iikd.in/indian-railway-personnel-service-irps/

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय रेलवे, राजकीय एजेंसियाँ और मंत्रालय के विभाग

कार्य वातावरण— आप एक कार्यालय में काम करेंगे। आपको एक टीम को संभालना होगा। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का भाग नहीं है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना होगा।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक कार्मिक अधिकारी → वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी/मंडल कार्मिक अधिकारी → उप-मुख्य कार्मिक अधिकारी/वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी → मुख्य कार्मिक अधिकारी/मंडल रेल प्रबंधक/अपर मंडल रेल प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
2. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कानपुर, उत्तर प्रदेश
3. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गुवाहाटी, असम
4. मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश
5. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद, गुजरात
6. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंगलुरु, कर्नाटक

निजी संस्थान

1. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
2. एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई, महाराष्ट्र
3. शारदा यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

आनंद मधुकर, 1997 सिविल सेवा परीक्षा बैच के भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (आई.आर.पी.एस.) अधिकारी हैं। वर्तमान में, वे वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग में संयुक्त सचिव स्तर पर विशेष कार्य अधिकारी के पद पर तैनात हैं। मधुकर ने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से इतिहास में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है।*

स्रोत— https://nhb.org.in/anand-madhukar-profile/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय रेलवे विद्युत अभियंता सेवा

भारतीय रेलवे विद्युत अभियंता सेवा के अधिकारी भारतीय रेलवे के विद्युत अभियंता संगठन के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें तकनीकी और गैर-तकनीकी विभाग भी देखने होते हैं। तकनीकी विभागों में सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिग्नलिंग एवं टेलीकॉम और इसी तरह के विषयों से निपटने वाले कई अन्य विभाग सम्मिलित हैं। संचालन और आवाजाही का नियंत्रण यातायात सेवाओं द्वारा किया जाता है। गैर-तकनीकी विभागों में सामान्य सेवाएँ जैसे कि लेखा, कार्मिक प्रबंधन, रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) या सुरक्षा आदि सम्मिलित हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान में रुचि हो।
- आप गणित में अच्छे हों।
- आपक नेतृत्व करने में सक्षम हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. विद्युत अभियांत्रिकी में तीन साल का डिप्लोमा या विद्युत अभियांत्रिकी में स्नातक करें।

अथवा

संबद्ध क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय रेलवे विद्युत अभियंता सेवा के अधिकारी की आय ₹ **50,000–1,04,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/salaries/indian-railways-salaries/electrical-engineer

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय रेलवे, राजकीय एजेंसियाँ और मंत्रालय विभाग।

कार्य वातावरण— आप एक कार्यालय में काम करेंगे। आपको एक टीम को संभालना होगा। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का भाग नहीं है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना होगा।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक विद्युत अभियंता → मंडल विद्युत अभियंता → उप मुख्य विद्युत अभियंता/वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता → मुख्य विद्युत सामान्य अभियंता/लोको अभियंता → कर्षण अभियंता → वितरण अभियंता → मुख्य विद्युत अभियंता → अतिरिक्त सदस्य विद्युत एवं महाप्रबंधक → सदस्य विद्युत

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड
7. राजकीय पॉलिटेक्निक, मुंबई, महाराष्ट्र
8. राजकीय पॉलिटेक्निक, पुणे, महाराष्ट्र
9. निट्टे मीनाक्षी प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
10. पी.एस.जी. पॉलिटेक्निक कॉलेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
3. शारदा यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
5. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची, झारखंड
6. मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
7. प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. सत्यभामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
9. एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

यतेंद्र कुमार वर्तमान में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक (ए.जी.एम.) हैं। वे भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स सेवा के 1988 बैच के हैं और वर्ष 1990 में रेलवे में सम्मिलित हुए। कुमार ने आगरा के दयालबाग शैक्षणिक संस्थान से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया है।*

स्रोत— https://morungexpress.com/yatendra-kumar-takes-charge-as-agm-of-nf-railway

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय रेलवे अभियंता सेवा

भारतीय रेलवे अभियंता सेवा के अधिकारी, भारतीय रेलवे की सभी अचल संपत्तियों, जैसे पटरियाँ, पुल, भवन, सड़क, जलापूर्ति आदि के रख-रखाव के लिए उत्तरदायी होते हैं। इसके अतिरिक्त, वे नई संपत्तियों, जैसे– नई लाइनें, गेज परिवर्तन, दोहरीकरण और अन्य विस्तार और विकास कार्यों के निर्माण के लिए भी उत्तरदायी होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं का निर्माण करना पसंद हो।
- आप गणित में अच्छे हों।
- आप में नेतृत्व क्षमता का गुण हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशिष्ट प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है। सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग या संबंधित क्षेत्रों में डिप्लोमा इंजीनियरिंग कार्य, विशेष रूप से रेलवे के बुनियादी ढाँचे और प्रणालियों की मूल बातें समझने में सहायक हो सकता है।
- यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा में बैठने के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग या संबंधित क्षेत्रों में इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक./बी.ई.) की डिग्री अनिवार्य है।
- स्नातकोत्तर आवश्यक नहीं है, लेकिन इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री (जैसे, सिविल, मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एम.टेक.) रेलवे डिजाइन, बुनियादी ढाँचे के विकास या परिवहन प्रणालियों जैसे विशेष क्षेत्रों में आपके ज्ञान को मजबूत कर सकती है, जो साक्षात्कार चरण या सेवा के दौरान लाभदायक हो सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय रेलवे अभियंता सेवा के अधिकारी की आय ₹ **35,800–1,41,600*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/salaries/indian-railways-salaries/engineer

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय रेलवे।

कार्य वातावरण— आप एक कार्यालय में काम करेंगे। आपको एक टीम को संभालना होगा। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का भाग नहीं है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना होगा।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक मंडल इंजीनियर मंडल इंजीनियर → वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर → उप-मुख्य विद्युत इंजीनियर → मुख्य विद्युत इंजीनियर → सदस्य रेलवे बोर्ड (विद्युत) अध्यक्ष रेलवे बोर्ड

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम सिविल इंजीनियरिंग/स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग विभागों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, महाराष्ट्र
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
6. कोयंबटूर प्रौद्योगिकी संस्थान, कोयंबटूर, तमिलनाडु
7. मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. वीर सुरेन्द्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बुरला, ओडिशा
9. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
10. दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. चितकारा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
2. यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
3. कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, ओडिशा
4. सस्त्र डीम्ड यूनिवर्सिटी, तंजवुर, तमिलनाडु
5. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पगवारा, पंजाब
6. जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, राजस्थान
7. एमिटी यूनिवर्सिटी, रायपुर, छत्तीसगढ़
8. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
9. के.आई.आई.टी. स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, भुवनेश्वर, ओडिशा
10. सिल्वर ओक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अहमदाबाद, गुजरात

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

1985 बैच के आई.आर.एस.ई. अधिकारी **मनोज शर्मा** ने ईस्ट कोस्ट रेलवे में महाप्रबंधक के पद पर कार्यभार संभाला है। नई नियुक्ति से पहले शर्मा मुंबई में सेंट्रल रेलवे (सी.आर.) के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) के पद पर कार्यरत थे। शर्मा रुड़की विश्वविद्यालय से डिग्री और आई.आई.टी. दिल्ली से प्रौद्योगिकी में मास्टर डिग्री के साथ सिविल इंजीनियर हैं। वे 1987 में भारतीय रेलवे में सम्मिलित हुए थे।*

स्रोत— http://bit.ly/3WN3qqo

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय रेलवे यांत्रिक अभियंता सेवा

भारतीय रेलवे सेवा के यांत्रिकी अभियंता मुख्य रूप से भारतीय रेलवे के रोलिंग स्टॉक के डिजाइन, निर्माण, तैनाती और रख-रखाव के लिए उत्तरदायी होते हैं। रोलिंग स्टॉक से तात्पर्य उन सभी इंजनों और गाड़ियों से है जिनका उपयोग रेलवे में किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं का निर्माण करना पसंद हो।
- आप गणित में अच्छे हों।
- आप में नेतृत्व क्षमता हो।
- आपकी सभी प्रकार की यांत्रिक वस्तुओं को ठीक करने में रुचि हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- कोई विशिष्ट प्रमाणीकरण की आवश्यकता नहीं है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग या संबंधित क्षेत्रों में डिप्लोमा मैकेनिकल प्रणालियों की मूल बातें समझने में लाभदायक हो सकता है, जो आई.आर.एस.एम.ई. अधिकारियों की भूमिका के लिए आवश्यक है। यह अनिवार्य नहीं है लेकिन एक उपयोगी पृष्ठभूमि प्रदान कर सकता है।
- यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा के लिए उपस्थित होने के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग या संबंधित क्षेत्रों (जैसे, प्रोडक्शन इंजीनियरिंग, ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग) में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है। डिग्री किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से होनी चाहिए।
- स्नातकोत्तर आवश्यक नहीं है लेकिन मैकेनिकल इंजीनियरिंग या संबंधित क्षेत्रों (जैसे, थर्मल इंजीनियरिंग, औद्योगिक इंजीनियरिंग) में मास्टर डिग्री मैकेनिकल सिस्टम और रेलवे में उन्नत ज्ञान प्रदान कर सकती है, जो आपको प्रशिक्षण के दौरान और एक अधिकारी के रूप में आपकी भूमिका में लाभान्वित कर सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय रेलवे यांत्रिक अभियंता की आय ₹ **16,700–83,400*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/salaries/indian-railways-salaries/mechanical-engineer

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय रेलवे।

कार्य वातावरण— आप एक कार्यालय में काम करेंगे। आपको एक टीम को संभालना होगा। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का भाग नहीं है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना होगा।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक यांत्रिक इंजीनियर → मंडल यांत्रिक इंजीनियर → वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर → मंडल रेल प्रबंधक → मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (योजना) → मुख्य यांत्रिक इंजीनियर → महाप्रबंधक → अतिरिक्त सदस्य (यांत्रिक इंजीनियरिंग) → सदस्य (यांत्रिक) → अध्यक्ष (रेलवे बोर्ड)

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

पाठ्यक्रम मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
2. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे, महाराष्ट्र
3. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
4. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
6. एल.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद, गुजरात
7. वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. एम.आई.टी. मणिपाल, कर्नाटक
2. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, आंध्र प्रदेश
3. एस.आर.एम. यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
4. दयानंद सागर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. आरवी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु
7. रामैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. बी.ए.म.एस. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अनुपम शर्मा पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक हैं। भारतीय रेलवे यांत्रिक इंजीनियर सेवा (आई.आर.एस.एम.ई.) के अधिकारी शर्मा 1982 में एक विशेष श्रेणी प्रशिक्षु के रूप में भारतीय रेलवे में सम्मिलित हुए थे। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से वित्तीय प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद से सार्वजनिक प्रबंधन और नीति (पी.जी.डी.-पी.एम.पी.) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया है और इटली के मिलान में बोकोनी विश्वविद्यालय और अमेरिका के पिट्सबर्ग में कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय में नेतृत्व पाठ्यक्रम में भाग लिया है।*

स्रोत— http://bit.ly/3WN3qqo

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय रेलवे सेवा सिग्नल अभियंता

भारतीय रेलवे सेवा के सिग्नल अभियंता सिग्नलिंग और दूरसंचार अवसंरचना की योजना बनाना, डिजाइन, कमीशनिंग और रख-रखाव का कार्य करते हैं। ये रेलवे प्रणाली की सुरक्षित, कुशल और समयनिष्ठ ट्रेन संचालन को सुनिश्चित करते हैं, साथ ही भारतीय रेलवे की लाइन क्षमता को बढ़ाने में भी सहायता करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान संबंधी कार्यों में रुचि हो।
- आप गणितीय कार्यों में दक्ष हों।
- आपको किसी टीम का नेतृत्व करना आता हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशेष प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है। रेलवे में उपयोग की जाने वाली सिग्नलिंग प्रणाली की मूल बातें समझने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग या सिग्नल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा सहायक हो सकता है।
- यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा में बैठने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग या दूरसंचार इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है। डिग्री किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से होनी चाहिए।
- स्नातकोत्तर आवश्यक नहीं है, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, दूरसंचार इंजीनियरिंग, सिग्नल इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री सिग्नलिंग सिस्टम और रेलवे में उन्नत ज्ञान प्रदान कर सकती है, जो आपको प्रशिक्षण के दौरान और एक अधिकारी के रूप में आपकी भूमिका में लाभ पहुँचा सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय रेलवे सिग्नल अभियंता की आय ₹ **22,000–67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/railway-signal-engineer-salary-SRCH_KO0,23_IP2.htms

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय रेलवे, राजकीय एजेंसियाँ और मंत्रालयों के विभाग।

कार्य वातावरण— आप कार्यालय में टीम का नेतृत्व करने का काम करेंगे। यहाँ स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का भाग नहीं है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना होगा।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक सिग्नल और दूरसंचार अभियंता → वरिष्ठ सिग्नल और दूरसंचार अभियंता → उप मुख्य सिग्नल और दूरसंचार अभियंता → मुख्य सिग्नल और दूरसंचार अभियंता → मुख्य योजना अभियंता (सिग्नल और दूरसंचार) → मुख्य सिग्नल अभियंता → मुख्य संचार अभियंता → मुख्य सिग्नल और दूरसंचार अभियंता

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियर विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, असम
4. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई, तमिलनाडु
5. जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना
6. राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान
7. पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
2. दयानंद सागर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. सत्यभामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
4. डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. निट्टे मीनाक्षी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. बन्नारी अम्मन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु
7. मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

एन. काशीनाथ रेलवे बोर्ड के सदस्य (सिग्नल और दूरसंचार) हैं। वे भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियर्स सेवा (आई.आर.एस.एस.ई.) के 1980 बैच के हैं। इस पद पर आने से पहले, वे रेलवे बोर्ड में महानिदेशक (सिग्नल और दूरसंचार) के पद पर कार्यरत थे। काशीनाथ ने जबलपुर के राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में स्नातक किया है।*

स्रोत— https://pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=189798

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय रेलवे भंडार सेवा

भारतीय रेलवे भंडार सेवा (आई.आर.एस.एस.) अधिकारी, ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के लिए आवश्यक स्टॉक और गैर-स्टॉक वस्तुओं की खरीद के लिए उत्तरदायी होते हैं। ये प्रशिक्षित प्रोफेशनल रोलिंग स्टॉक (लोकोमोटिव, कोच, वैगन आदि), बुनियादी ढाँचे (ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, भवन आदि), परिसंपत्तियों के संचालन (चिकनाई वाले तेल आदि) और कार्यशालाओं में उत्पादन और मरम्मत का उचित रख-रखाव सुनिश्चित करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप सजग और संगठित व्यक्ति हों।
- आप लोगों से अपने निर्देशन में काम करवा सकते हों।
- आप नेतृत्व करना पसंद करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशिष्ट प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है। रेलवे के स्टोर और आपूर्ति प्रबंधन प्रणाली की मूल बातें समझने के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैटेरियल मैनेजमेंट या लॉजिस्टिक्स में डिप्लोमा सहायक हो सकता है।
- यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा में बैठने के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है। इंजीनियरिंग डिग्री, लॉजिस्टिक्स, मैटेरियल मैनेजमेंट या सप्लाई चेन मैनेजमेंट कोर्स इस भूमिका के लिए प्रासंगिक ज्ञान प्रदान कर सकते हैं।
- स्नातकोत्तर आवश्यक नहीं है लेकिन लॉजिस्टिक्स, मैटेरियल मैनेजमेंट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन या संबंधित क्षेत्रों में मास्टर डिग्री रेलवे स्टोर सिस्टम के प्रबंधन में उन्नत ज्ञान प्रदान कर सकती है, जो आपको प्रशिक्षण के दौरान और एक अधिकारी के रूप में आपकी भूमिका में लाभान्वित कर सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय रेलवे भंडार सेवा अधिकारी की आय ₹ **78,400–1,00,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/salaries/indian-railways-salaries/store-incharge

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय रेलवे और अन्य राजकीय विभाग या मंत्रालय।

कार्य वातावरण— आपको घर के अंदर और बाहर दोनों जगह काम करने की आवश्यकता होगी। आप गोदामों और लोको शेडों का दौरा करेंगे। आप अधिकारियों की टीम को संभालेंगे। आप सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक सामग्री प्रबंधक → मंडल सामग्री प्रबंधक → वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक / उप मुख्य सामग्री प्रबंधक → मुख्य सामग्री प्रबंधक → प्रधान सामग्री प्रबंधक → महाप्रबंधक → सदस्य (राजकीय सचिव के समकक्ष)

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत के विभिन्न स्थान में स्थित
2. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत के विभिन्न स्थान में स्थित
3. भारतीय प्रबंधन संस्थान, भारत के विभिन्न स्थान में स्थित
4. भारतीय रेलवे रसद और सामग्री प्रबंधन संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
5. भारतीय सामग्री प्रबंधन संस्थान, भारत के विभिन्न स्थान में स्थित

निजी संस्थान

1. रसद और विमानन प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
2. इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मीडिया, पुणे, महाराष्ट्र
3. लोयोला इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, चेन्नई, तमिलनाडु

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मुकुल मोहन, भारतीय रेलवे में उप-मुख्य सामग्री प्रबंधक हैं। मोहन ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल से बी.टेक. किया है। उनकी जिम्मेदारियों में आपूर्ति शृंखला प्रबंधन, भंडारण और परिवहन सम्मिलित है। वर्ष 2005–2007 के बीच मोहन केंद्रीय जल आयोग में सहायक निदेशक थे।*

स्रोत— https://coffeemug.ai/contact/mukul-mohan-543b597/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय रेलवे यातायात सेवा

भारतीय रेलवे यातायात सेवा अधिकारी, माल और यात्रियों के सुचारु और शीघ्र परिवहन के लिए उत्तरदायी होते हैं। वह संपत्ति का उचित उपयोग सुनिश्चित करता है। इसे रेलवे की विभिन्न संपत्तियों, जैसे– ट्रैक, वैगन, इंजन, सिग्नल आदि की देखभाल करने वाले सेवा विभागों के साथ समन्वय करके प्राप्त किया जाता है। रेलवे यातायात विभाग की दो मुख्य धाराओं— संचालन एवं वाणिज्यिक में इन अधिकारियों को तैनात किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप सावधान और संगठित व्यक्ति हों।
- आप लोगों से अपने निर्देशन में काम करवा सकते हों।
- आप में नेतृत्व क्षमता हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- कोई विशिष्ट प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है। रेलवे यातायात प्रबंधन की मूल बातें समझने के लिए लॉजिस्टिक्स, परिवहन प्रबंधन, लोक प्रशासन या रेलवे संचालन में डिप्लोमा सहायक हो सकता है। यह अनिवार्य नहीं है लेकिन उपयोगी पृष्ठभूमि ज्ञान प्रदान कर सकता है।
- यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा में बैठने के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है।
- लोक प्रशासन, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान या परिवहन प्रबंधन जैसे विषयों में डिग्री भारतीय रेलवे में प्रशासनिक भूमिकाओं के लिए प्रासंगिक ज्ञान प्रदान कर सकती है।
- स्नातकोत्तर आवश्यक नहीं है लेकिन परिवहन प्रबंधन, लोक प्रशासन, लॉजिस्टिक्स, सार्वजनिक नीति या रेलवे प्रबंधन में मास्टर डिग्री उन्नत ज्ञान और विशेष कौशल प्रदान कर सकती है, जो साक्षात्कार चरण के दौरान और एक अधिकारी के रूप में आपकी भूमिका में लाभदायक हो सकता है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय रेलवे यातायात सेवा अधिकारी की आय **₹ 56,100–2,18,200*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://testbook.com/ias-preparation/irts-indian-railway-traffic-service

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय रेलवे और अन्य राजकीय विभाग या मंत्रालय।

कार्य वातावरण— आपको घर के अंदर और बाहर दोनों जगह काम करने की आवश्यकता होगी। आप गोदामों और लोको शेडों का दौरा करेंगे। आप अधिकारियों की टीम को संभालेंगे। आपको सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक मंडल यातायात प्रबंधक → मंडल यातायात प्रबंधक → वरिष्ठ मंडल यातायात प्रबंधक → उप-मुख्य परिचालन प्रबंधक → मुख्य परिचालन प्रबंधक → प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक → सदस्य यातायात, रेलवे बोर्ड

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
2. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ टूल डिजाइन, हैदराबाद, तेलंगाना
3. सेंट्रल टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर, भुवनेश्वर, ओडिशा
4. ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
5. इंजीनियरिंग कॉलेज, वडकारा, केरल
6. इंजीनियरिंग कॉलेज, पठानपुरम, केरल
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, उत्तर प्रदेश
8. उन्नत प्रौद्योगिकी रक्षा संस्थान (डी.आई.ए.टी.), पुणे, महाराष्ट्र
9. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
10. वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. एस.आर.एम. यूनिवर्सिटी चेन्नई, तमिलनाडु
2. पी.एस.जी. टेक. कोयम्बटूर, तमिलनाडु
3. एल.पी.यू. जालंधर, पंजाब
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे, महाराष्ट्र
5. स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जैन विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. बन्नारी अम्मन प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु
7. अमृता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, कोयम्बटूर, तमिलनाडु
8. डॉ. डी.वाई. पाटिल प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
9. करुणा विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
10. राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अजय शुक्ला, भारतीय रेल यातायात सेवा (आई.आर.टी.एस.) के 1979 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं। वर्तमान में वे एक अतिरिक्त सदस्य (वाणिज्यिक) रेलवे बोर्ड के सदस्य हैं। शुक्ला ने लखनऊ विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक और इतिहास में स्नातकोत्तर किया है।*

स्रोत— https://www.indianbureaucracy.com/ajay-shukla-takes-charge-as-new-member-traffic-railway-board/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भारतीय राजस्व सेवा

भारतीय राजस्व सेवा (आई.आर.एस.), भारत सरकार में संगठित सिविल सेवाओं के बीच समूह-ए की सबसे बड़ी केंद्रीय सेवा है। आई.आर.एस. अधिकारी विकास, सुरक्षा और शासन के लिए राजस्व एकत्र करने के लिए उत्तरदायी होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप महत्वाकांक्षी हों।
- आप लोगों की समस्याओं को हल करने में सक्षम हों।
- आप नए उत्तरदायित्वों को लेने के लिए तत्पर रहते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशेष प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है। लोक प्रशासन, वित्त या कराधान जैसे क्षेत्रों में डिप्लोमा प्रशासनिक कार्यों और वित्तीय प्रणालियों में सहायक अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है। हालाँकि अनिवार्य नहीं है, लेकिन ऐसे डिप्लोमा आधार प्रदान कर सकते हैं।
- यू.पी.एस.सी. सिविल सेवा परीक्षा में बैठने के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है।
- स्नातकोत्तर आवश्यक नहीं है लेकिन अर्थशास्त्र, वित्त, कराधान या कानून जैसे प्रासंगिक क्षेत्रों में मास्टर डिग्री आपके ज्ञान को मजबूत कर सकती है और सेवा के दौरान लाभप्रद हो सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी की आय ₹ **56,100–2,25,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.studyiq.com/articles/irs-salary/#:~:text=What%20is%20the%20salary%20of,2%2C25%2C00 0%20per%20month

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियाँ, विभाग और मंत्रालय।

कार्य वातावरण— आप एक ऑफिस सेट-अप में काम कर रहे होंगे। आप अधिकारियों की टीम को संभालेंगे। स्थानीय यात्रा जॉब प्रोफाइल का एक भाग होने की संभावना है। इसमें स्थानांतरण संभव है। आपको सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक आयकर आयुक्त → आयकर उपायुक्त → संयुक्त आयकर आयुक्त → अतिरिक्त आयकर आयुक्त → आयकर आयुक्त → प्रधान आयकर आयुक्त → मुख्य आयकर आयुक्त → प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी, उत्तराखंड
2. राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी, नागपुर, महाराष्ट्र
3. भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

निजी संस्थान

1. चाणक्य आई.ए.एस. अकादमी, भारत के कई स्थान में स्थित
2. वाजीराम और रवि आई.ए.एस. संस्थान, नई दिल्ली
3. दृष्टि आई.ए.एस. अकादमी, नई दिल्ली
4. ए.एल.एस.आई.ए.एस. कोचिंग, भारत के कई स्थान में स्थित
5. विजन आई.ए.एस., भारत के कई स्थान में स्थित

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

भारतीय राजस्व सेवा (आई.आर.एस.) अधिकारी **नितिन गुप्ता** वर्तमान में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष हैं। ये आयकर कैडर के 1986 बैच से हैं। उन्होंने मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक किया है।*

स्रोत— https://www.ndtv.com/india-news/revenue-service-officer-nitin-gupta-is-new-central-board-of-direct-taxes-chairman-3103951

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

आयकर निरीक्षक

आयकर निरीक्षक, भारत के आयकर विभाग में कार्यरत एक राजकीय अधिकारी होता है, जो वित्त मंत्रालय का भाग है। आयकर निरीक्षक की प्राथमिक भूमिका देश के आयकर कानूनों और विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना और लागू करना है। यह पद कर प्रणाली की अखंडता को बनाए रखने, कर चोरी का पता लगाने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि व्यक्ति और व्यवसाय अपने करों का समुचित एवं यथासमय भुगतान करें।

व्यक्तिगत गुण

- आप नए उत्तरदायित्व लेने के लिए तत्पर रहते हों।
- आपको पहेलियाँ सुलझाने में रुचि रखते हों।
- आपको टीम के साथ काम करना पसंद करते हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **68,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशिष्ट प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है। लोक प्रशासन, वित्त या कराधान जैसे क्षेत्रों में डिप्लोमा प्रशासनिक कार्यों और वित्तीय प्रणालियों में सहायक अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है। हालाँकि अनिवार्य नहीं है, लेकिन ऐसे डिप्लोमा आधार हो सकते हैं।
- एस.एस.सी. सी.जी.एल. परीक्षा में बैठने के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है।
- स्नातकोत्तर आवश्यक नहीं है लेकिन अर्थशास्त्र, वित्त, कराधान या कानून जैसे प्रासंगिक क्षेत्रों में मास्टर डिग्री आपके ज्ञान को मजबूत कर सकती है और सेवा के दौरान लाभदायक हो सकता है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

आयकर निरीक्षक की आय ₹ **45,000–72,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/inspector-salary-SRCH_KO0,9.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सी.बी.डी.टी. (केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) के कार्यालय।

कार्य वातावरण— आप एक कार्यालय व्यवस्था में काम करेंगे। स्थानीय यात्रा जॉब प्रोफाइल में सम्मिलित नहीं है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

आयकर निरीक्षक → आयकर अधिकारी → सहायक आयुक्त → उपायुक्त → अतिरिक्त/संयुक्त आयुक्त → आयुक्त → प्रधान आयुक्त → मुख्य आयुक्त → आई.टी. मुख्य आयुक्त

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी, नागपुर, महाराष्ट्र
2. भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान, नई दिल्ली
3. राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली
4. केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली

निजी संस्थान

1. टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
2. पियर्सन प्रोफेशनल, मुंबई, महाराष्ट्र
3. करियर पावर, नई दिल्ली
4. आई.एम.एस. लर्निंग रिसोर्सेज, मुंबई, महाराष्ट्र

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मंजू बाला, भारतीय ट्रैक और फील्ड एथलीट हैं, जो हैमर थ्रो में प्रतिस्पर्धा करती हैं। उन्होंने 2022 राष्ट्रीय अंतर-राज्य सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, चेन्नई में पहला स्थान हासिल किया। जब हथौड़ा नहीं चलाते थे, तब राजस्थान के चुरू के रहने वाले बाला एक आयकर निरीक्षक हैं। वह महाराणा प्रताप पुरस्कार (2012–13) की प्राप्तकर्ता हैं।*

स्रोत— http://bit.ly/3JoplRJ

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

आई.टी.बी.पी. अधिकारी

भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.) या भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की एक शाखा है, जो उच्च ऊँचाई वाले अभियानों में विशेषज्ञता रखती है। आई.टी.बी.पी. अधिकारी की मुख्य भूमिका भारत और तिब्बत की सीमा में शांति और सुरक्षा बनाए रखना है, जो लद्दाख से लेकर म्यांमार तक फैली हुई है, साथ ही तस्करी जैसे सीमा पार अपराधों को रोकना है।

व्यक्तिगत गुण

- आप लोगों की सहायता करना पसंद करते हों।
- आप बाहर काम करने में सहज हों।
- आप देश की सेवा और शौर्य का प्रदर्शन करने के इच्छुक हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण, विशेषकर विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित)।
2. किसी भी अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम में स्नातक (बी.टेक./बी.ई./बी.एससी.) करें।
3. स्नातक के बाद आई.टी.बी.पी. भर्ती कार्यक्रम में सम्मिलित हों।

अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए, आपको जे.ई.ई. एडवांस्ड, जे.ई.ई. मेन, मेट, वी.आई.टी.ई.ई.ई., एम.एच.टी., सी.ई.टी., एस.आर.एम.जे.ई.ई., सी.ओ.एम.ई.डी.के., यू.जी.ई.टी., के.सी.ई.टी. आदि जैसी परीक्षाओं को पास करना होगा।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

आई.टी.बी.पी. अधिकारी की आय ₹ **56,100–1,77,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://testbook.com/itbp-assis-tant-commandant/salary-job-pro- file#:~:text=ITBP%20offers%20a%20comprehen sive%20salary,56%2C100%201%2C77%2C500

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप आई.टी.बी.पी. में रोजगार पा सकते हैं और 15 सेक्टरों और 05 फ्रंटियर्स के साथ 60 बटालियनों के बल का भाग बन सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए सप्ताह में 6–7 दिन होता है। पालियों में कार्य करना पड़ सकता है। आपसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने की उम्मीद की जाती है। अधिकांशतः काम बाहर का होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

असिस्टेंट कमांडेंट → डिप्टी कमांडेंट → कमांडेंट → डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डी.आई.जी.) → इंस्पेक्टर जनरल (आई.जी.) → एडिशनल डायरेक्टर जनरल (ए.डी.जी.) → स्पेशल डायरेक्टर जनरल → डायरेक्टर जनरल (डी.जी.)

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना
2. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी, उत्तराखंड
3. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून, उत्तराखंड
4. सी.ए.पी.एस. अकादमी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

1. चाणक्य आई.ए.एस. अकादमी, नई दिल्ली
2. वाजीराम और रवि, नई दिल्ली
3. ए.एल.एस. आई.ए.एस. अकादमी, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. शंकर आई.ए.एस. अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु
5. खान स्टडी ग्रुप, पटना, बिहार



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सरकार द्वारा वर्ष 2016 में आई.टी.बी.पी. में महिला अधिकारियों को अनुमति देने के बाद **प्रकृति** ने उसी वर्ष अपने पहले प्रयास में सी.ए.पी.एफ. में अधिकारियों की भर्ती के लिए यू.पी.एस.सी. परीक्षा पास की। देहरादून में अपना प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्हें आगे सहायक कमांडेंट (ए.सी.) के रूप में नियुक्त किए जाने की उम्मीद है।*

स्रोत— ndtv.com/india-news/in-a-first-itbp-inducts-two-women-officers-in-combat-2505635

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

लोको पायलट

लोको पायलट एक ट्रेन चालक होता है, जो लोकोमोटिव को संचालित एवं नियंत्रित करने के लिए उत्तरदायी होता है। वे गति, ब्रेकिंग और आपात स्थितियों का जवाब देकर सुरक्षित और समय पर ट्रेन संचालन सुनिश्चित करते हैं। इस भूमिका के लिए तकनीकी विशेषज्ञता और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना आवश्यक होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको बाहर काम करना पसंद हो।
- आपको नेतृत्व करने में रुचि हो।
- आप स्पष्ट दिशा-निर्देशों का पालन करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशेष प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है। यांत्रिक इंजीनियरिंग, विद्युत इंजीनियरिंग या रेलवे परिवहन में डिप्लोमा लोकोमोटिव और ट्रेन संचालन की बुनियादी अवधारणाओं को समझने के लिए लाभदायक हो सकता है।
- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरिंग, विद्युत इंजीनियरिंग या रेलवे इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री आवश्यक है।
- स्नाकोत्तर आवश्यक नहीं है, लेकिन रेलवे इंजीनियरिंग, यांत्रिक इंजीनियरिंग या विद्युत इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में मास्टर डिग्री उन्नत ज्ञान प्रदान कर सकती है जो करियर में लाभदायक हो सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

लोको पायलट की आय **₹ 20,000–60,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/loco-pilot-salary-SRCH_KO0,10.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय रेलवे।

कार्य वातावरण— यह एक फील्ड जॉब है। स्थानीय यात्रा जॉब प्रोफाइल का एक महत्वपूर्ण भाग है। यह एक स्थानांतरणीय कार्य है। आपके सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करने की संभावना है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक लोको पायलट → लोको पायलट → वरिष्ठ लोको पायलट → लोको फोरमैन → स्टेशन प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय रेलवे मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग संस्थान, जमालपुर, बिहार
2. रेलवे प्रशिक्षण संस्थान, कपूरथला, पंजाब
3. राष्ट्रीय भारतीय रेल अकादमी, वडोदरा, गुजरात

निजी संस्थान

अखिल भारतीय रेलवे भर्ती बोर्ड कोचिंग संस्थान, भारत के विभिन्न स्थानों पर स्थित

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मिनु मुबारका सी, केरल की निवासी, दक्षिण पश्चिम रेलवे जोन में सहायक लोको पायलट हैं। उन्होंने इलेक्ट्रिकल और कम्युनिकेशंस इंजीनियरिंग में एम.टेक. किया है और इसके बाद रेलवे भर्ती बोर्ड की सहायक लोको पायलट परीक्षा पास की।*

स्रोत— http://bit.ly/3Hgqckv

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मर्चेंट नेवी

मर्चेंट नेवी अधिकारी, वाणिज्यिक जहाजों पर काम करता है एवं जहाज के सुरक्षित और कुशल संचालन के लिए उत्तरदायी होता है। वे नेविगेशन, कार्गो हैंडलिंग और जहाज के समग्र कामकाज के विभिन्न पहलुओं का प्रबंधन करते हैं। मर्चेंट नेवी अधिकारी यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा की देखरेख करने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने में सम्मिलित होते हैं। उन्हें जहाजों को चलाने, समुद्री संचालन का प्रबंधन करने और समुद्र में आपात स्थितियों को संभालने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप नेतृत्व करने में सक्षम हों।
- आप नए उत्तरदायित्वों को लेने के लिए तत्पर हों।
- आप बाहर काम करने में सहज हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,00,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,00,000–4,00,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **2,00,000–6,00,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **3,00,000–8,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशेष प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है।
- भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के साथ 10+2 पूरा करने के बाद नॉटिकल साइंस, मरीन इंजीनियरिंग या संबंधित क्षेत्रों में डिप्लोमा किया जा सकता है।
- नॉटिकल साइंस, मरीन इंजीनियरिंग या किसी भी संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री सामान्यतः आवश्यक होती है। यह 10+2 (विज्ञान विषयों के साथ) पूरा करने और आवश्यक प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद किया जाता है।
- स्नातकोत्तर अनिवार्य नहीं है लेकिन मरीन इंजीनियरिंग, नॉटिकल साइंस या शिपिंग मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री क्षेत्र में किसी की विशेषज्ञता को और बढ़ा सकती है और उन्नत करियर के अवसर खोल सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मर्चेंट नेवी पेशेवर की आय ₹ **30,000–2,50,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.learningroutes.in- /blog/salaries-in-merchant-navy

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— समुद्री उद्योग का व्यवसायिक क्षेत्र, जिसमें यात्री जहाज, कार्गो कैरीअर्ज़, तेल और गैस टैंकर सम्मिलित हैं।

कार्य वातावरण— आप घर से दूर समुद्र में काफी समय बिताएंगे। आप कठोर मौसम की स्थिति में काम करेंगे। आपके पास 9–5 की दिनचर्या नहीं होगी बल्कि पालियों में कार्य करना होगा। आपके एक टीम का नेतृत्व करने की संभावना है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

मुख्य अधिकारी/मेट → दूसरा अधिकारी/मेट → तीसरा अधिकारी/मेट → डेक कैडेट

अथवा

मुख्य/प्रथम अभियंता → द्वितीय अभियंता/प्रथम सहायक अभियंता → तृतीय अभियंता/द्वितीय सहायक अभियंता → चौथा अभियंता/तृतीय सहायक अभियंता → पाँचवाँ अभियंता/इंजन कैडेट → विद्युत अधिकारी (ई.टी.ओ.)

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु
2. टी.एस. चाणक्य, मुंबई, महाराष्ट्र
3. इंडियन मैरीटाइम यूनिवर्सिटी, मुंबई, महाराष्ट्र
4. भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, कोच्चि, केरल
6. समुद्री प्रशिक्षण संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
7. केंन्द्रीय मात्स्यिकी समुद्री एवं इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान, कोच्चि, केरल
8. मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. तोलानी समुद्री संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
2. हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मैरीटाइम ट्रेनिंग, चेन्नई, तमिलनाडु
3. समुद्री शिक्षा और प्रशिक्षण अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु
4. वी.ई.एल.एस. स्कूल ऑफ मैरीटाइम स्टडीज, थालाबुर, तमिलनाडु
5. हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मैरीटाइम ट्रेनिंग महाविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु
6. अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संस्थान, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. प्रवीण्या इंस्टीट्यूट ऑफ मरीन इंजीनियरिंग एंड मैरीटाइम स्टडीज, विजयनगरम, आंध्र प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

राधिका मेनन, भारतीय मर्चेंट नेवी टीम की पहली महिला कप्तान हैं। वर्ष 2015 में, उन्होंने मर्चेंट नेवी के लिए अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पण के लिए समुद्र पुरस्कार में असाधारण वीरता प्राप्त करने वाली दुनिया की पहली महिला होने के रूप में एक नया रिकॉर्ड बनाया। 12वीं कक्षा के बाद, मेनन ने डेढ़ साल के रेडियो कोर्स के लिए कोच्चि के ऑल इंडिया मरीन कॉलेज में दाखिला लिया। उन्होंने एक रेडियो अधिकारी के रूप में समुद्री उद्योग में प्रवेश किया।*

स्रोत— https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

पुलिस आरक्षक

पुलिस आरक्षक, सबसे निचले दर्जे का पुलिस कर्मचारी होते हैं। वह अपनी बीट में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उत्तरदायी होते हैं। वह सम्मन और वारंट भी देते हैं, अपराधियों को गिरफ्तार करते हैं, यातायात को नियंत्रित करते हैं और महत्वपूर्ण राजकीय प्रतिष्ठानों एवं संपत्ति की देखभाल करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप सावधान और संगठित व्यक्ति हों।
- आप लोगों की सहायता करने में सक्षम हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशिष्ट प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है।
- कानून प्रवर्तन, लोक प्रशासन या आपराधिक न्याय में डिप्लोमा पुलिस कार्य की मूल बातें समझने में सहायक हो सकता है, लेकिन यह अनिवार्य नहीं है।
- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री सामान्यतः आवश्यक होती है। राजनीति विज्ञान, कानून या आपराधिक न्याय जैसे क्षेत्रों में डिग्री कानूनी प्रणालियों और कानून प्रवर्तन प्रथाओं को समझने के लिए लाभदायक होती हैं।
- स्नातकोत्तर आवश्यक नहीं है लेकिन लोक प्रशासन, आपराधिक न्याय या कानून में मास्टर डिग्री कानून प्रवर्तन, सार्वजनिक सुरक्षा और शासन में उन्नत ज्ञान प्रदान कर सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

पुलिस आरक्षक की आय ₹ **20,000–34,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/police-constable-salary-SRCH KO0,16.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— राज्य सरकारें।

कार्य वातावरण— यह एक फील्ड जॉब है। आप एक टीम को नहीं संभालेंगे। स्थानीय यात्रा इस जॉब प्रोफाइल का एक महत्वपूर्ण भाग है। पुलिस स्टेशन सामान्यतः सप्ताह में 7 दिन और प्रतिदिन 24 घंटे काम करते हैं। यह एक पुलिस स्टेशन से दूसरे पुलिस स्टेशन में भिन्न हो सकता है। पालियों में कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

पुलिस आरक्षक → वरिष्ठ पुलिस आरक्षक → हेड आरक्षक → पुलिस के सहायक उप-निरीक्षक → उप-निरीक्षक → पुलिस निरीक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना
2. केंद्रीय पुलिस प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना

निजी संस्थान

1. पैरामाउंट कोचिंग सेंटर, नई दिल्ली
2. भारत पुलिस अकादमी, जयपुर, राजस्थान
3. राव आई.आई.टी. अकादमी, मुंबई, महाराष्ट्र

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

कांस्टेबल **मीना घोडके**, बीड महाराष्ट्र की रहने वाली हैं। वर्तमान में वे, जिला मानव तस्करी विरोधी इकाई का भाग है। घोडके अपने गाँव की पहली व्यक्ति हैं, जो अपने गाँव में एक कांस्टेबल के पद तक पहुँची हैं। अपने जीवन में कुछ करने की इच्छा के साथ, उन्होंने 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद पुलिस भर्ती की परीक्षा दी।*

स्रोत— https://www.reuters.com/article/us-india-women-police-idUSKCN1TZ1ZZ

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

रेलवे सुरक्षा बल

रेलवे सुरक्षा बल को सामान्यतः आर.पी.एफ. कहा जाता है, जो भारतीय रेल के उच्च सुरक्षा बलों में से एक है। आर.पी.एफ. का प्राथमिक कार्य यात्रा करने वाले यात्रियों और उनकी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। वे रेलवे संपत्ति की सुरक्षा का भी ध्यान रखते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि उसे कोई नुकसान न हो।

व्यक्तिगत गुण

- आप लोगों की सहायता करने में सक्षम हों।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों
- आप एक टीम में काम करने में सक्षम हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशिष्ट प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है।
- कानून प्रवर्तन, सुरक्षा प्रबंधन या संबंधित क्षेत्रों में डिप्लोमा रेलवे सुरक्षा की मूल बातें समझने में सहायक हो सकता है। हालाँकि यह अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह भूमिका के लिए उपयोगी ज्ञान प्रदान कर सकता है।
- आर.पी.एफ. भर्ती परीक्षा में बैठने के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री आवश्यक है। कानून, लोक प्रशासन या सुरक्षा प्रबंधन में डिग्री लाभदायक हो सकती है।
- स्नातकोत्तर अनिवार्य नहीं है लेकिन कानून, लोक प्रशासन या सुरक्षा अध्ययन में मास्टर डिग्री सुरक्षा प्रोटोकॉल की आपकी समझ को मजबूत बना सकती है, जो साक्षात्कार या सेवा के दौरान आपके लिए लाभदायक हो सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

रेलवे सुरक्षा बल आरक्षक की आय ₹ **27,900–52,030*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.careerpower.in/blog/rpf-constatic-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय रेल सेवाएँ।

कार्य वातावरण— पालियों में कार्य करना पड़ सकता है और आपको नियमित रूप से यात्रा करनी होगी। व्यस्ततम अवधि के दौरान काम के घंटे बढ़ सकते हैं।

अपेक्षित विकास पथ

आर.पी.एफ. आरक्षक → आर.पी.एफ. प्रमुख आरक्षक → आर.पी.एफ. सहायक उप-निरीक्षक → आर.पी.एफ. उप-निरीक्षक → आर.पी.एफ. निरीक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. रेल परिवहन संस्थान, नई दिल्ली
2. भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी, बड़ौदा, गुजरात
3. केंद्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

1. भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
2. राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
3. अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

आर.पी.एफ. में सब-इंस्पेक्टर **रेखा मिश्रा** वर्ष 2014 में छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, मुंबई में रेलवे सुरक्षा बल में सम्मिलित हुईं। रेखा मिश्रा को घर से भागे या तस्करी का शिकार हुए, 950 बच्चों को बचाने और उनके परिवार से मिलाने के लिए प्रसिद्धि प्राप्त हुई है। उनके अनुकरणीय कार्य ने उन्हें महिला सशक्तिकरण में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2017 में नारी शक्ति पुरस्कार भी मिलता है।

स्रोत— https://www.ndtv.com/offbeat/meet-the-policewoman-who-has-saved-over-950-runaway-and-trafficked-kids-2385457

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सशस्त्र सीमा बल अधिकारी

सशस्त्र सीमा बल अधिकारी (एस.एस.बी.) नेपाल और भूटान के साथ भारत की सीमाओं की रक्षा करते हैं। वर्ष 1963 में स्थापित सशस्त्र सीमा बल मुख्य रूप से सीमा पार अपराध व तस्करी के साथ-साथ देश और उसके क्षेत्रों की सीमा के भीतर अन्य राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को रोकने का कार्य करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको लोगों की सहायता करना पसंद हो।
- आप बाहर काम करने में सहज हों।
- आपमें देश की सेवा और शौर्य का प्रदर्शन करने का जज्बा हो।
- आप स्पष्ट निर्देशों का पालन करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट (6 महीने–1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा (1 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक (3–4 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर (2 वर्ष)— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशिष्ट प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है।
- कानून प्रवर्तन, सुरक्षा प्रबंधन या संबंधित क्षेत्रों में डिप्लोमा कानून प्रवर्तन सिद्धांतों और प्रथाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है।
- एस.एस.बी. भर्ती परीक्षा में बैठने के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री आवश्यक है। कानून, लोक प्रशासन या आपराधिक न्याय जैसे क्षेत्रों में डिग्री इस भूमिका के लिए अत्यधिक प्रासंगिक हैं।
- अनिवार्य नहीं होने पर भी, कानून, सुरक्षा अध्ययन, लोक प्रशासन या संबंधित क्षेत्रों में मास्टर डिग्री सुरक्षा, कानून प्रवर्तन और लोक प्रशासन की समझ को मजबूत कर सकती है। एस.एस.बी. भर्ती में सामान्यतः शैक्षिक योग्यता के अलावा विशिष्ट शारीरिक और मानसिक फिटनेस मानदंड सम्मिलित होते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सशस्त्र सीमा बल अधिकारी की आय ₹ **21,700–69,100*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://testbook.com/ssb-constable/salary#:~:text=The%20sala- ry%20for%20SSB%20Constable, salary%20of%20%E2%82%B9%203.3%20Lakhs,

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप एस.एस.बी. की विभिन्न बटालियनों में कार्य कर सकते हैं, जिनमें कई विभाग हैं, जैसे— ऑपरेशन और इंटेलिजेंस, कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशासन, प्रावधान एवं संचार, चिकित्सा और इसी तरह के अन्य विभाग।

कार्य वातावरण— कार्य का समय सामान्यतः सप्ताह में 6 से 7 दिन होता है और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे कार्य करना होता है। पालियों में कार्य करना पड़ सकता है। आपसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने की उम्मीद की जाती है। अधिकतम कार्य बाहर होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

उप-निरीक्षक, पुलिस → पुलिस निरीक्षक → सहायक/उप-पुलिस अधीक्षक → अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक → पुलिस अधीक्षक → वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक → पुलिस उप-महानिरीक्षक → पुलिस महानिरीक्षक → अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक → पुलिस महानिदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना
2. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल प्रशिक्षण कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
3. एसएसबी अकादमी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश
4. निदेशालय सामान्य, सशस्त्र सीमा बल, नई दिल्ली

निजी संस्थान

1. टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
2. दिल्ली पुलिस अकादमी, नई दिल्ली
3. जयपुर पुलिस अकादमी, जयपुर, राजस्थान
4. भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली
5. भारतीय विद्या मंदिर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

केंद्रीय अर्धसैनिक बल का नेतृत्व करने वाली पहली महिलाओं में से एक **अर्चना रामासुंदरम** ने राजस्थान विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक करने के बाद पुलिस अधिकारी के रूप में अपना करियर चुना। उन्हें 3 फरवरी, 2016 को सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) की महानिदेशक (डी.जी.) के रूप में नियुक्त किया गया था।

स्रोत— https://www.samanyagyan.com/eng/biography-archana-ramasundram

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

पुलिस उप-निरीक्षक

पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एस.आई.) एक कानून प्रवर्तन अधिकारी होता है, जो पुलिस स्टेशनों के प्रबंधन और जाँच करने के लिए प्रभारी के रूप में कार्य करता है। सब-इंस्पेक्टर पुलिस विभागों में एक मध्यम प्रबंधन रैंक के रूप में कार्य करते हैं, जो विभिन्न पुलिसिंग कार्यों की देखरेख और समन्वय के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे कि अपराधों की जाँच करना, कांस्टेबलों की निगरानी करना और कानून और व्यवस्था की स्थितियों को संभालना। वे इंस्पेक्टर और पुलिस उपाधीक्षक (डी.एस.पी.) जैसे उच्च-रैंकिंग अधिकारियों को रिपोर्ट करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप नए उत्तरदायित्व लेने के लिए तत्पर हो।
- आप हर तरह के लोगों से बात करने में सहज हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का पालन करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क

सर्टिफिकेट— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** के बीच है।

स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

- किसी विशेष प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है।
- कानून प्रवर्तन, पुलिस प्रशासन या संबंधित क्षेत्रों में डिप्लोमा पुलिस विभागों के कामकाज में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता कर सकता है।
- सब-इंस्पेक्टर के लिए पुलिस भर्ती परीक्षा में उपस्थित होने के लिए किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री अनिवार्य है। कानून, अपराध विज्ञान या लोक प्रशासन में डिग्री भूमिका के लिए एक प्रासंगिक आधार प्रदान कर सकती है।
- स्नातकोत्तर आवश्यक नहीं है लेकिन अपराध विज्ञान, कानून, लोक प्रशासन या संबंधित क्षेत्रों में मास्टर डिग्री कानून प्रवर्तन में आपके ज्ञान को मजबूत कर सकती है और प्रशिक्षण एवं साक्षात्कार के दौरान आपको लाभान्वित कर सकती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

पुलिस उप-निरीक्षक की आय ₹ **35,000–71,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/sub-inspector-salary-SRCH_KO0,13.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— पुलिस स्टेशन।

कार्य वातावरण— आपकी नौकरी की भूमिका में आपको घर के अंदर और बाहर दोनों जगह काम करने की आवश्यकता होगी। आप एक टीम को संभालने की संभावना नहीं रखते हैं। स्थानीय यात्रा जॉब प्रोफाइल का एक भाग है, क्योंकि आपको घटना स्थल पर उपस्थित रहना होगा और आवश्यक कार्रवाई करनी होगी। यह स्थानांतरणीय नौकरी है। आपको सप्ताह में 6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करने की संभावना है। यदि स्थिति की माँग हो तो आपको सप्ताहांत और लंबे समय तक काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

उप-निरीक्षक, पुलिस → पुलिस निरीक्षक → सहायक/उप-पुलिस अधीक्षक → अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक → पुलिस अधीक्षक → वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक → पुलिस उप-महानिरीक्षक → पुलिस महानिरीक्षक → अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक → पुलिस महानिदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना
2. भारतीय पुलिस अकादमी, नई दिल्ली
3. सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना
4. राज्य पुलिस प्रशिक्षण अकादमी, भारत के विभिन्न स्थान में स्थित

निजी संस्थान

1. भारतीय पुलिस संस्थान, नई दिल्ली
2. आर.के. शर्मा अकादमी, नई दिल्ली
3. चाणक्य अकादमी, जयपुर, राजस्थान
4. पैरामाउंट कोचिंग सेंटर, नई दिल्ली

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

विजया लक्ष्मी देवी, ओडिशा की पहली और भारत की तीसरी महिला सब-इंस्पेक्टर थीं। वे ढेंकानाल जिले से ताल्लुक रखती थीं और वर्ष 1962 में राज्य पुलिस बल में सम्मिलित हुई थीं। उन्होंने रेवेंशॉ विश्वविद्यालय, कटक से स्नातक की पढ़ाई की थी।*

स्रोत— http://bit.ly/3kOqmYU

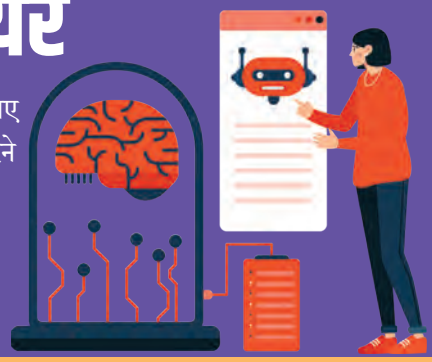
**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सूचना एवं प्रौद्योगिकी



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंजीनियर

आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस या ए.आई. इंजीनियर, एप्लिकेशन और सिस्टम विकसित करने के लिए ए.आई. और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग करते हैं। वे संगठनों को अधिक कुशलता से कार्य करने में सहायता करते हैं और इस प्रक्रिया में लाभ में वृद्धि होती है।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान में रुचि हो।
- आप रचनात्मक हों।
- आप किसी वैज्ञानिक समस्या को हल करने के लिए कंप्यूटर का उपयोग कर सकते हों।
- आप मानव व्यवहार का अध्ययन करने में रुचि रखते हों।

छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 43,400–10,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/गणित/सांख्यिकी/कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें या ए.आई. और मशीन लर्निंग में डिप्लोमा प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री पूरी करने के बाद कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग/आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग/रोबोटिक्स/एवियोनिक्स/इलेक्ट्रॉनिक्स/इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग/डेटा विज्ञान/डेटा इंजीनियरिंग/सूचना विज्ञान और इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रिकल सिग्नल प्रोसेसिंग/कंप्यूटर नेटवर्किंग/एप्लाइड भाषा विज्ञान/कम्प्यूटेशनल भाषा विज्ञान और संबद्ध क्षेत्रों में स्नातकोत्तर करें।

अथवा

गणित/सांख्यिकी/कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें और फिर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित एक ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स करें। प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर पर (जे.ई.ई. मेन, जे.ई.ई. एडवांस आदि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी., ई.ए.एम.सी.ई.टी. आदि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. आदि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंजीनियर की आय
₹ 42,000–1,33,333* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3WlJIm5

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सॉफ्टवेयर और तकनीकी कंपनियाँ, राजकीय और निजी अनुसंधान सुविधाएँ और इंजीनियरिंग संस्थान आदि।

कार्य वातावरण— आप कार्यालय में काम करेंगे। आपको दूसरे लोगों के साथ मिलकर काम करना होगा, जैसे कि डेटा वैज्ञानिक और कंप्यूटर विशेषज्ञ। सामान्यतः आपको दिन में 8 घंटे काम करना होगा, लेकिन कभी-कभी आपको ज्यादा भी काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कनिष्ठ अभियंता → वरिष्ठ अभियंता → प्रधान अभियंता/अभियांत्रिकी प्रबंधक → उपाध्यक्ष → मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

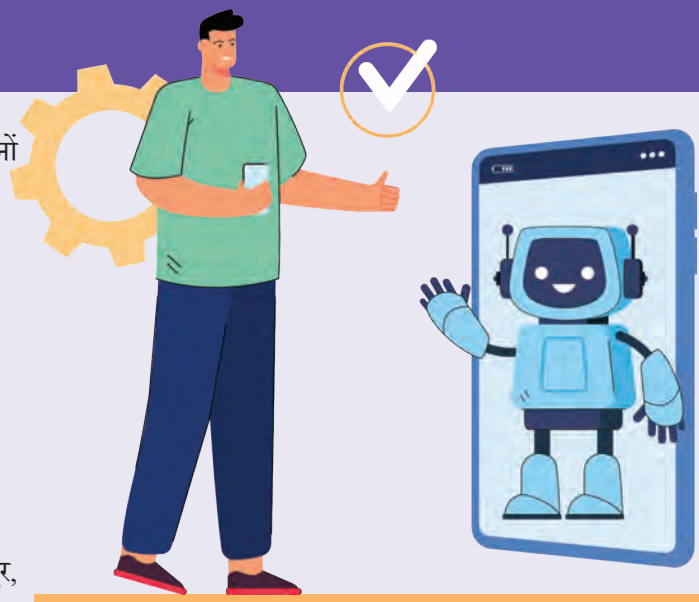
1. भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. उस्मानिया विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, हैदराबाद, तेलंगाना
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
4. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
7. इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश
8. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर, राजस्थान

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
2. एस.आर.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
3. सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पुणे, महाराष्ट्र
4. बंगलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
6. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. हल्दिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हल्दिया, पश्चिम बंगाल

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

रोहित शर्मा, भारत के अग्रणी ए.आई. इंजीनियरों में से एक है। उन्होंने 2010 के दशक की शुरुआत में मशीन लर्निंग एल्गोरिदम पर काम करते हुए अपना करियर आरंभ किया। और जल्दी ही प्रमुखता हासिल कर ली। आरंभ में ए.आई. का कोई औपचारिक प्रशिक्षण न होने के बावजूद, उन्होंने कंप्यूटर विज्ञान में अपनी पृष्ठभूमि और डेटा-संचालित समाधानों में गहरी रुचि का लाभ उठाया। पिछले कुछ वर्षों में शर्मा ने कई शीर्ष-स्तरीय तकनीकी कंपनियों के साथ सहयोग किया, प्राकृतिक भाषा प्रौद्योगिकी और गहन शिक्षण में अपनी विशेषज्ञता को निखारा। आज, उन्हें ए.आई. अनुसंधान और विकास में विशेष रूप से स्वचालित निर्णय लेने वाली प्रणालियों के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। वे कार्यशालाओं और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से उभरते ए.आई. इंजीनियरों को सक्रिय रूप से सलाह भी देते हैं।

स्रोत— www.techgig.com/ai-pioneer-rohit-sharma

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

ऑगमेंटेड रियलिटी इंजीनियर

ऑगमेंटेड रियलिटी इंजीनियरिंग एक ऐसी तकनीक है, जो किसी व्यक्ति को वास्तविक दुनिया पर वर्चुअल तत्वों (जैसे टेक्स्ट, चित्र आदि) को देखने में सहायता करती है। यह तकनीक सामान्यतः गेमिंग उद्योग में उपयोग की जाती है। ऑगमेंटेड रियलिटी इंजीनियर वह व्यक्ति होता है, जो ऑगमेंटेड रियलिटी वातावरण बनाने के लिए तकनीक का उपयोग करता है।



व्यक्तिगत गुण

- आपको चीजें असेंबल करना पसंद हो।
- आप रचनात्मक हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप कंप्यूटर की अच्छी समझ रखते हों।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 6,000–7,50,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग/ऑगमेंटेड रियलिटी इंजीनियरिंग में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई. मेन, जे.ई.ई. एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

ऑगमेंटेड रियलिटी इंजीनियर की आय
₹ 60,000–1,40,000* प्रतिमाह के बीच है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/ Sala-ries/ar-vr-developer-salary-SRCH_KO0,15.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ऑगमेंटेड इंजीनियर के रूप में आप खेल विकास कंपनियों, आईटी कंपनियों, रियल एस्टेट क्षेत्र और शिक्षा क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

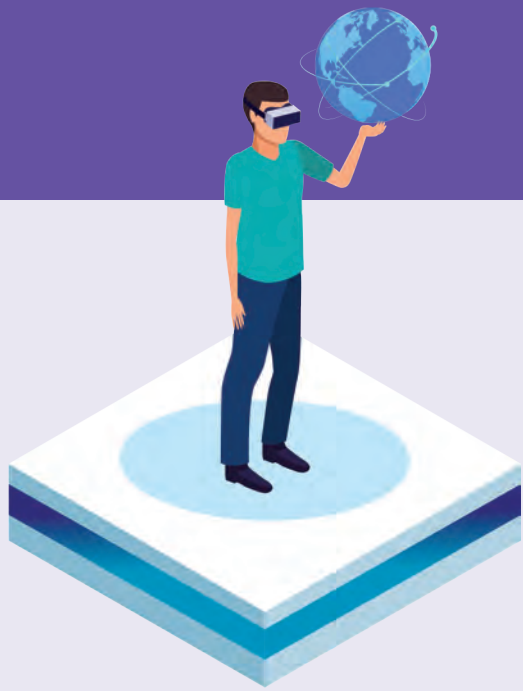
उद्यमिता— एक ऑगमेंटेड रियलिटी इंजीनियर के रूप में आप इस क्षेत्र में अपना खुद का स्टार्टअप व्यवसाय या कंपनी आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— यह सामान्यतः एक ऑफिस जॉब होती है। आप जिस कंपनी में काम करते हैं, उसके आधार पर पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

मेटावर्स बिजनेस एनालिस्ट → सीनियर मेटावर्स बिजनेस एनालिस्ट → टेक्निकल लीड
अथवा
डिजिटल डिजाइनर → एक्सटेंडेड रियलिटी डेवलपर → सीनियर सोल्यूशन आर्किटेक्ट



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, असम
4. पेरियार विश्वविद्यालय, सेलम, तमिलनाडु
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर, राजस्थान
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड
7. अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. नॉर्थकैप विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा
2. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
3. प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. चितकारा विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश
5. लिंगयास विद्यापीठ, फरीदाबाद, उत्तर प्रदेश
6. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मेसरा, जयपुर, राजस्थान

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

गायत्री श्री एक वरिष्ठ ए.आर. हैं, जो स्पार्क ए.आर., लेंस स्टूडियो और यूनिटी श्री डी की विशेषज्ञ हैं। वे कोलोराडो विश्वविद्यालय की एक पूर्व छात्रा हैं, जहाँ उन्होंने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में स्नातक किया। वर्तमान में गायत्री मेटा कम्पनी, जो फेसबुक की मूल कंपनी है, उसके साथ स्पार्क ए.आर. पाठ्यक्रम डिजाइनर है। ऑगमेंटेड रियलिटी ने उन्हें मंत्रमुग्ध किया और वह इस क्षेत्र में बदलाव लाना चाहती थीं, जिसे सामान्यतः पुरुष संरक्षित माना जाता है।*

स्रोत— https://anchor.fm/eddie-avil/episodes/GROWING-GANG-OF-WOMEN-CODERS-FROM-INDIA---GAYATHRI-SHRI---SNR-AUGMENTED-REALITY-DEVELOPER--FANISKO-e17tbqb

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

बिग डेटा विश्लेषक

बिग डेटा विश्लेषक बड़ी मात्रा में डेटा एकत्रित करने, जाँचने और विश्लेषण करने के लिए उन्नत विश्लेषण एनालिटिक तकनीकों का उपयोग करते हैं। इसका उपयोग बाजार प्रवृत्ति, अंतर्दृष्टि या परख और बाजार के पैटर्न खोजने के लिए किया जाता है। यह कंपनियों को अपने संगठन के प्रबंधन में अधिक सूचित निर्णय लेने में सहायता करता है।



व्यक्तिगत गुण

- आप समस्याओं को हल करना जानते हों।
- आप समस्याओं/परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप अनुसंधान में रुचि रखते हों।
- आप गणित और सांख्यिकी में दक्षता रखते हों।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 1,05,000–3,60,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. आईटी/डेटा विज्ञान/कम्प्यूटेशनल इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.एससी./बी.सी.ए./बी.टेक) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री प्राप्त करें और उसी विषय में स्नातकोत्तर प्राप्त करें

अथवा

स्नातकोत्तर स्तर पर डिप्लोमा या प्रमाणपत्र प्राप्त करें।

कई संस्थान 10+2 परिणामों के आधार पर बिग डेटा एनालिटिक्स पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं, कुछ संस्थान प्रवेश के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा आयोजित करते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

बिग डेटा विश्लेषक की आय **₹ 22,000–83,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Data_Analyst/Salary/37461315/Big-Data-Analytics

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— निवेश बैंक, हेज फंड और निजी इक्विटी फर्म, स्वास्थ्य सेवा उद्योग, विपणन, रिटेल, बैंकिंग, सॉफ्टवेयर और तकनीकी कंपनियाँ, राजकीय और निजी अनुसंधान सुविधाएँ।

कार्य वातावरण— आप सामान्यतः एक ऑफिस सेट-अप में काम करेंगे, आपको डेटा वैज्ञानिकों, आई टी विशेषज्ञों आदि जैसे लोगों के साथ टीमों में काम करने की आवश्यकता होगी। सामान्यतः पर आपको दिन में आठ घंटे काम करने होंगे, लेकिन कार्यभार और समय सीमा के आधार पर आपको अधिक घंटे काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

बिग डेटा विश्लेषक → बिग डेटा इंजीनियर → डेटा वैज्ञानिक → डेटा आर्किटेक्ट → डेटाबेस प्रबंधक



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रबंधन संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
2. भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
4. भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
6. अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु
7. चंडीगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़
8. भारतीदासन विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. एस.आर.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
2. प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली
4. इंस्टीट्यूट ऑफ गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस इंडिया, नई दिल्ली
5. आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, नागार्जुन नगर, आंध्र प्रदेश
6. लोयोला एकेडमी, हैदराबाद, तेलंगाना
7. सत्यभामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

एमी ओ'कॉनर वर्तमान में प्रीसाइसली कंपनी में मुख्य डेटा और सूचना अधिकारी के रूप में काम करती हैं। वर्ष 2013 में हैडूप डिस्ट्रीब्यूटर क्लौडेरा में सम्मिलित हुईं, वे नोकिया कम्पनी से आयी थीं, जहाँ उन्होंने बिग डेटा के वरिष्ठ निदेशक के रूप में काम किया था। क्लौडेरा में उनकी भूमिका थी, ग्राहकों को सलाह देना कि वे बिग डेटा समाधानों को अपनाएँ। प्रीसाइसली में, वह आई.टी. और सूचना सुरक्षा टीम का नेतृत्व करती हैं, जहाँ वह और उनकी टीम एक सुरक्षित 'सास'-आधारित उद्यम प्रणाली (SaaS based enterprise systems) ईकोसिस्टम का निर्माण कर रही है, दो कंपनियों को एकीकृत कर रहीं हैं, जो पहले सिंकसॉर्ट और पिटनी बोवेस सॉफ्टवेयर एंड डेटा के नाम से जानी जाती थीं।*

स्रोत— https://conferences.oreilly.com/strata/strata-ca-2019/public/schedule/speaker/167430.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

ब्लॉकचेन डेवलपर

ब्लॉकचेन एक प्रकार का डेटाबेस है, जिसका उपयोग सूचनाओं को संग्रहीत और व्यवस्थित करने के लिए किया जाता है। यह तकनीक व्यवसायों में किसी तीसरे पक्ष को सम्मिलित किए बिना सुरक्षित लेन-देन करने की अनुमति देती है। ब्लॉकचेन डेवलपर्स, ब्लॉकचेन एप्लिकेशन और सिस्टम का निर्माण, रख-रखाव और उसकी डिजाइन करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर काम करने में कुशल हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप बारीकियों पर ध्यान देते हों।
- आप टीम में काम करने में सहज हों।



छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–5,20,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

अथवा

स्नातक के बाद, प्रक्रिया स्वचालन/ ब्लॉकचेन में एम.बी.ए. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

ब्लॉकचेन डेवलपर की आय ₹ **20,000–4,17,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Skill=Blockchain_Technology/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— आप देश भर में या विदेशों में कई आई.टी. कंपनियों में कार्य कर सकते हैं।

उद्यमिता— आप इस क्षेत्र में फ्रीलांसिंग के साथ-साथ अपनी कंपनी भी आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर ब्लॉकचेन डेवलपर → सीनियर ब्लॉकचेन डेवलपर → प्रिंसिपल ब्लॉकचेन डेवलपर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. अशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता
9. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
2. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, बड़ौदा, गुजरात
3. केरला यूनिवर्सिटी ऑफ डिजिटल साइंसेज इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनंतपुरम, केरल
4. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा, पंजाब
5. द नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, हरियाणा
6. सम्राट अशोक टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, विदिशा, मध्य प्रदेश
7. षणमुग आर्ट्स साइंस टेक्नोलॉजी रिसर्च एकेडमी, तंजावुर, तमिलनाडु
8. एस.आर.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेंगलपट्टू, तमिलनाडु
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मंजू मोहन एक टेक कंपनी 'आयोनिक्स टेक्नोलॉजीज' की सी.ई.ओ. और सह-संस्थापक हैं। मोहन के पास यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेस्टर्न ओंटारियो (कनाडा) से कंप्यूटर साइंस और इकोनॉमिक्स में स्नातक की डिग्री है और सैन फ्रांसिस्को स्टेट यूनिवर्सिटी से इंस्ट्रक्शनल डिजाइन में स्नातकोत्तर डिग्री है। वे यूजर एक्सपीरियंस डिजाइन में कुशल हैं और ब्लॉकचेन तकनीक में पारंगत हैं। वे वर्तमान में इरविन, कैलिफोर्निया में रहती है।*

स्रोत— wef.org.in/manju-mohan/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

क्लाउड इंजीनियर

क्लाउड इंजीनियर आई.टी. पेशेवर होते हैं, जो क्लाउड कंप्यूटिंग से संबंधित सभी तकनीकी पहलुओं के लिए उत्तरदायी होते हैं, जिसे तेजी से नवाचार और अधिक लचीले संसाधनों की पेशकश करने के लिए इंटरनेट पर कंप्यूटिंग सेवाओं के वितरण के रूप में परिभाषित किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर कार्य करने में कुशल हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप एक कुशल संवादकर्ता हों।



छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 45,400–10,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर साइंस/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक/बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

इसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री के साथ स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

क्लाउड इंजीनियर की आय **₹ 22,750–1,67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Cloud_Solutions_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप टेक कंपनियों या बड़े, स्थापित संगठनों में काम कर सकते हैं, जिनके पास एक बड़ा आई.टी. या क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर है।

उद्यमिता— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

कार्य वातावरण— आप इस पेशे में फ्रीलांसिंग कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रवेश स्तर के तकनीशियन → मध्य स्तर के क्लाउड इंजीनियर → वरिष्ठ क्लाउड इंजीनियर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. एडी पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभनगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सत्यवती दिवादरी ने भारत में आई.टी. और साइबर सुरक्षा और क्लाउड कंप्यूटिंग में दो दशकों से अधिक समय बिताया है। वे माइक्रो फोकस में एंटरप्राइज सिक्योरिटी आर्किटेक्चर और साइबर रेस क्लाउड सी.टी.ओ. की प्रमुख हैं। उन्होंने 'बिट्स' पिलानी से एम.टेक. किया और अब बैंगलोर में रहती हैं।*

स्रोत— https://www.womensweb.in/2022/08/women-trailblazers-in-the-world-of-cloud-computing-in-india-sept22wk1sr/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर, कंप्यूटर हार्डवेयर में प्रगति करके नई कंप्यूटर तकनीक को गति देने में सहायता करते हैं। ऐसा करने के लिए, वे कंप्यूटर सिस्टम और उनके कम्पोनेंट्स का अनुसंधान, डिजाइन, विकास और परीक्षण करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप विश्लेषणात्मक सोच रखते हों।
- आप समस्या-समाधान में कुशलता रखते हों।
- आपके पास तकनीकी योग्यता हो।
- आप रचनात्मकता हों।
- आप टीम वर्क में कार्य करने में सहज हों।

छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 45,000–10,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर साइंस/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक/बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

इसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक/एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री के साथ स्नातक करें।

अथवा

कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग में पी.जी. डिप्लोमा पूरा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर की आय **₹ 13,100–1,67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Hardware_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप विनिर्माण क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और उत्पादों को बनाने, कंप्यूटर सिस्टम, डिजाइन सेवाओं, आई.टी. और वेब-होस्टिंग कंपनियों आदि में काम कर सकते हैं।

उद्यमिता— आप इस क्षेत्र में फ्रीलांसिंग कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

हार्डवेयर इंजीनियर → सत्यापन इंजीनियर → वरिष्ठ हार्डवेयर डिजाइन इंजीनियर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. एडी पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभनगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मीनाक्षी चटर्जी, एप्पल में हार्डवेयर इंजीनियर हैं। वे एक सिस्टम इंटीग्रेटर और पी.सी.बी. डिजाइनर हैं। वे पहले ट्विटर के साथ काम करती थीं। उन्होंने बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बी.आई.टी.एस.), पिलानी से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स में स्नातक की डिग्री और भौतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर किया है तथा कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स (यू.सी.एल.ए.) से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की है।*

स्रोत— https://feminisminindia.com/2017/05/16/top-women-engineers-india/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कंप्यूटर नेटवर्क वास्तुकार

कंप्यूटर नेटवर्क वास्तुकार (आर्किटेक्ट), वाइड एरिया नेटवर्क से इंट्रानेट तक विभिन्न प्रकार के डाटा संचार नेटवर्क का डिजाइन, निर्माण और रख-रखाव करते हैं। परिनियोजन के बाद, वे नेटवर्क का प्रबंधन करते हैं और किसी भी समस्या के बढ़ने पर उसका निवारण भी करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर काम करने में सहज हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप एक सहज संवादकर्ता हों।



छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 45,000–10,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर साइंस/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

इसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक/एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री के साथ स्नातक करें।

अथवा

सूचना प्रणाली में पी.जी. डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

कंप्यूटर नेटवर्क वास्तुकार की आय
₹ 83,334– 2,50,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Network_Architect/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप वित्त और बीमा, शैक्षिक सेवाओं, दूरसंचार, कंप्यूटर सिस्टम डिजाइन और संबंधित सेवाओं जैसे उद्योगों में काम पा सकते हैं।

उद्यमिता— आप इस पेशे में फ्रीलांसिंग कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। शिफ्ट सिस्टम लागू है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर नेटवर्क तकनीशियन → कंप्यूटर नेटवर्क वास्तुकार → वरिष्ठ नेटवर्क वास्तुकार

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

जेमी स्मिथ, आर.एस.ए. सुरक्षा के लिए मुख्य कंप्यूटर विश्लेषक और साइबर सुरक्षा अधिकारी हैं, जो कई प्रकार की क्षमताओं और विशेषज्ञता के साथ डिजिटल जोखिम का प्रबंधन करने में सहायता करते हैं। उन्होंने न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी प्राप्त की है। स्मिथ कंपनी के लिए सभी साइबर सुरक्षा संचालन चलाते हैं और वह 21वीं सदी के कौशल, जैसे– ए.आई. इंटेलिजेंस, महत्वपूर्ण सोच, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, संचार कौशल और व्यापक कंप्यूटर ज्ञान के साथ एकीकृत है।*

स्रोत— https://gurucul.com/news/the-top-25-women-leaders-in-cybersecurity-of-2022

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कंप्यूटर साइंस इंजीनियर

एक कंप्यूटर साइंस इंजीनियर, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों प्रक्रियाओं की सूचना प्रणाली के डिजाइन, कार्यान्वयन और प्रबंधन से संबंधित कार्य करता है। एक कंप्यूटर वैज्ञानिक के रूप में, आप कम्प्यूटेशन के सिद्धांत और कम्प्यूटेशनल सिस्टम के डिजाइन के विशेषज्ञ हैं। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभिन्न विषयों जैसे इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, इत्यादि के साथ जुड़ी है।

व्यक्तिगत गुण

- आप रचनात्मक प्रवृत्ति के हों।
- आपकी विज्ञान विषय में रुचि हों।
- आपके पास एक तर्कशील बुद्धि हो और आप आलोचनात्मक सोच रखते हों।
- आप समस्याएँ हल करने में रुचि रखते हों।
- आप किसी भी बात को जल्दी से समझने की क्षमता रखते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 2,00,000– 6,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.ई./बी.टेक.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.ई./एम.टेक.) करें।

प्रवेश के लिए आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

कंप्यूटर साइंस इंजीनियर की आय **₹ 25,000–81,917*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://timespro.com/blog/computer-science-en gineer-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— विश्वविद्यालय, अनुसंधान, उद्योग, राजकीय और निजी व्यावसायिक संगठन, आई.टी. और आई.टी. उत्पाद कंपनियाँ।

कार्य वातावरण— यह एक डेस्क-जॉब होगी, हालाँकि दूरस्थ कार्य एक विकल्प हो सकता है। आप निरंतर प्रौद्योगिकी का उपयोग करेंगे, जिसमें मोबाइल फोन, लैपटॉप और टैबलेट सम्मिलित हैं। यदि आप हार्डवेयर में विशेषज्ञ हैं, तो आप सर्किट बोर्ड, की-बोर्ड और मॉनिटर संभालेंगे। कंप्यूटर इंजीनियर अन्य इंजीनियरों, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों और ग्राहकों के साथ वहीं उपस्थित रहकर या दूरस्थ रूप से काम कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कंप्यूटर साइंस इंजीनियर → सिस्टम इंजीनियर → सलाहकार → प्रोजेक्ट मैनेजर → इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट मैनेजर

अथवा

कंप्यूटर साइंस इंजीनियर → वरिष्ठ सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर → सूचना प्रौद्योगिकी प्रोजेक्ट मैनेजर → सूचना प्रौद्योगिकी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
2. सी.ओ.ई.पी. टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
3. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
4. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
6. दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
7. एल.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद,
8. वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
2. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
3. एस.आर.एम. यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
4. दयानंद सागर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. आर.वी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. पी.एस.जी. टेक्नोलॉजी कोयंबटूर, तमिलनाडु
7. रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. बी.एम.एस. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

कविता बाला, कॉर्नेल एन्न.एस. बोवर्स कॉलेज ऑफ कंप्यूटिंग एंड इंफॉर्मेशन साइंस की डीन हैं। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे से बी.टेक. करने के बाद स्नातक और पीएच.डी. की डिग्री मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से प्राप्त की है। बाला कंप्यूटर विजन और कंप्यूटर ग्राफिक्स की विशेषज्ञ हैं, उन्होंने रिकग्निशन और विसुअल सर्च; सामग्री मॉडलिंग तथा अक्विजिशन; रियलिस्टिक, फिजिकली बेस्ड रेंडरिंग और भौतिक धारणा जैसी शोध परियोजनाओं का नेतृत्व किया। बाला के शोध को ऑटोडेस्क के कोर रेंडरिंग इंजन में उद्योग द्वारा अपनाया गया है और उन्होंने ग्रोकस्टाइल की सह-स्थापना की, जो एक दृश्य पहचान ए.आई. कंपनी है तथा जिसकी शुरुआत आई.के.ई.ए. के ऑगमेंटेड रियलिटी एप्लिकेशन के साथ एकीकृत विजन सर्च और शॉपिंग टूल के रूप में हुई और जिसे बाद में 2019 में फेसबुक द्वारा अधिगृहीत किया गया।*

स्रोत— https://www.engineering.cornell.edu/facademy-directory/kavita-bala

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

संगणक वैज्ञानिक

संगणक वैज्ञानिक, संगणना के सैद्धांतिक पक्ष पर काम करते हैं, जबकि हार्डवेयर पक्ष पर हार्डवेयर इंजीनियरों का ध्यान केंद्रित होता है। हालाँकि संगणक वैज्ञानिक अपने शोध के विशिष्ट क्षेत्रों, जैसे– सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर ग्राफिक्स आदि पर ध्यान केंद्रित करते हैं, उनकी नींव कंप्यूटिंग का सैद्धांतिक अध्ययन है।

व्यक्तिगत गुण

- आपके पास विश्लेषणात्मक कौशल हो।
- आपके पास प्रोग्रामिंग प्रवीणता (पायथन, जावा, सी++, आदि) हो।
- आप समस्या-समाधान की क्षमता रखते हों।
- आपकी गणित में रुचि हो।



छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **45,000–10,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

संगणक वैज्ञानिक की आय ₹ **35,500–3,34,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Computer_Scientist/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक अनुसंधान फर्मों, शैक्षिक संस्थानों, सोशल मीडिया कंपनियों, सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर निर्माण कंपनियों, राजकीय क्षेत्रों, वित्तीय सेवा प्रदाताओं आदि जैसे उद्योगों में काम पा सकते हैं।

उद्यमिता— आप इस डोमेन में फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कनिष्ठ संगणक वैज्ञानिक → वरिष्ठ संगणक वैज्ञानिक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
9. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

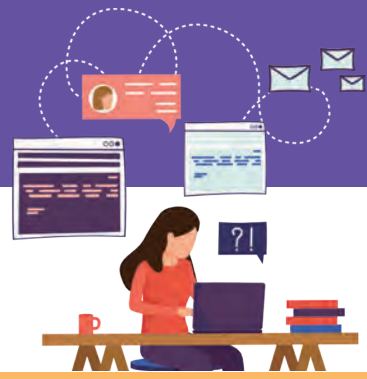
गीता मंजूनाथ, एक उद्यमी और कंप्यूटर वैज्ञानिक हैं। वे बेंगलुरू स्थित एकग स्टार्टअप निरामाई हेल्थ एनालिटिक्स के, जो ए.आई. के माध्यम से गैर-आक्रामक, विकिरण मुक्त स्तन कैंसर जाँच प्रदान करता है, के संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। उन्होंने कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बी.ई. किया है और आई.आई.एस.सी. से डाटा माइनिंग, सिमेंटिक वेब में पी.एच.डी. की है। उन्हें कर्नाटक से कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल, टी.आर. शमन्ना राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और 2009 में शीर्ष 50 नैसकॉम आई.टी. इनोवेटर्स में से एक के रूप में नामित किया गया था तथा वे हेल्थकेयर श्रेणी में प्रौद्योगिकीविदों के लिए एम.आई.टी. टेक रिव्यू ग्रैंड चैलेंज-2010 की विजेता भी थीं।

स्रोत— https://rising.analyticsindiamag.com/speaker/geetha-manjunath/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ एक पेशेवर होता है, जो किसी संगठन के कंप्यूटर सिस्टम, नेटवर्क और डेटा को साइबर खतरों से बचाने के लिए उत्तरदायी होता है। उनकी प्राथमिक भूमिका कमजोरियों की पहचान करना, साइबर हमलों को रोकना और सुरक्षा उल्लंघनों का जवाब देना है। वे सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करते हैं, जोखिम आकलन करते हैं और जानकारी की सुरक्षा और डिजिटल संपत्तियों की अखंडता और गोपनीयता बनाए रखने के लिए विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपके पास प्रभावशाली संचार कौशल हो।
- आपकी लोगों की समस्याओं को हल करने में रुचि हो।
- आपको समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना अच्छा लगता हो।
- कंप्यूटर में कार्य करने में रुचि हो।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 90,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.ई.) करें।

अथवा

आप साइबर सुरक्षा में डिप्लोमा/सर्टिफिकेशन कर सकते हैं। प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ की आय **₹ 24,000–84,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Cyber_Security_Analyst/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— विभिन्न उद्योग जैसे बैंक, सरकार, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा और बी.एफ.एस.आई. क्षेत्र में सक्रिय रूप से साइबर सुरक्षा कर्मी की भर्ती की जाती है।

कार्य वातावरण— अधिकांश साइबर सुरक्षा प्रोफेशनल पूर्णकालिक रोजगार के लिए सप्ताह में लगभग 40 घंटे कार्यालय को देते हैं। हालाँकि, प्रौद्योगिकी रिलीज या प्रोग्राम अपडेट के दौरान, अधिकांशतः कार्य अवधि से अधिक घंटों की आवश्यकता होती है। कभी-कभी सिस्टम को रातों रात या सप्ताह के आख़िरी दो दिनो में अपडेट या रख-रखाव की आवश्यकता होती है। साइबर सुरक्षा कर्मी विभिन्न कार्य के स्थानों पर सलाह प्रदान करने हेतु यात्रा भी कर सकते हैं|

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ → साइबर सुरक्षा विश्लेषक → साइबर सुरक्षा प्रबंधक

अथवा

साइबर अपराध विश्लेषक → साइबर सुरक्षा सलाहकार → साइबर सुरक्षा प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, उत्तर प्रदेश
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, असम
4. आई.आई.एस.टी. तिरुवनंतपुरम, केरल
5. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई, तमिलनाडु
6. जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना
7. राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कोटा, राजस्थान
8. पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, मणिपाल, कर्नाटक
2. दयानंद सागर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. सत्यभामा यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
4. कुमारगुरु कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु
5. डॉ. अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. एन.आई.टी.टी.ई. मीनाक्षी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बन्नरी अम्माँ इंस्टटीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु, इरोड, तमिलनाडु
8. मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

लक्ष्मी हंसपाल, ऐमीजौन डिवाइसेस एंड सर्विसेज में ग्लोबल मुख्य सुरक्षा अधिकारी हैं। डिजिटल परिवर्तन लाने और सामाजिक रूप से जागरूक वाणिज्य को बढ़ावा देने के प्रति उत्साहित हंसपाल सिलिकॉन वैली के कई स्टार्टअप को सलाह भी देती हैं और आठ क्लाउड कंपनियों के सलाहकार बोर्ड का हिस्सा बनकर काम करती हैं। उन्होंने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी से बी.ई. की डिग्री और बोस्टन यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में मास्टर ऑफ साइंस (एम.एस.) किया है।*

स्रोत— https://www.crunchbase.com/person/lakshmi-hanspal

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

डाटा वैज्ञानिक

डाटा वैज्ञानिक मुख्य रूप से किसी संगठन को निर्णय लेने में सहायता करने के लिए डाटा एकत्र, विश्लेषण और व्याख्या करते हैं। वे इस प्रक्रिया में उन्नत विश्लेषिकी तकनीकों, जैसे– कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, गणितीय मॉडलिंग आदि का उपयोग करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर काम करने में कुशल हों।
- आप संख्याओं के साथ काम करने में रुचि रखते हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप व्यावहारिक सोच रखते हों।



छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **45,000–10,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

गणित वर्ग से स्नातक (बी.एससी.) के बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

डाटा वैज्ञानिक की आय ₹ **29,000–1,67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Data_Scientist/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आपकी टेक स्टार्ट-अप्स, राजकीय एजेंसियों, बड़ी कंपनियों और शोध संस्थानों में काम करना पड़ सकता हैं।

उद्यमिता— आप इस डोमेन में फ्रीलांसिंग के साथ-साथ आपके द्वारा बनाए गए स्टार्टअप में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कनिष्ठ डाटा वैज्ञानिक → डाटा वैज्ञानिक → वरिष्ठ डाटा वैज्ञानिक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अमरजीत कौर ग्यारह साल से अधिक के अनुभव वाली एक शोध वैज्ञानिक हैं। वर्तमान में वे रिलायंस जियो में सीनियर डाटा साइंस मैनेजर के रूप में काम करती हैं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में विशेषज्ञता के साथ कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी में पीएच.डी. की है। वे कारकों को सीमित करने की सीमाओं को आगे बढ़ाना चाहती हैं ताकि अधिक महिलाएँ एस.टी.ई.एम. के क्षेत्र में अपना करियर आरंभ करने के लिए प्रेरित हों।*

स्रोत— https://indiaai.gov.iNArticle/amarjeet-kaur-sr-data-science-manager-reliance-jio

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर

डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर, मुख्य रूप से विशिष्ट डेटाबेस के लिए उत्तरदायी होते हैं। वे डेटाबेस की वास्तविक सामग्री के लिए उत्तरदायी न होते हुए भी उसके सटीक, पूर्ण और समय पर अद्यतन करने की प्रक्रियाओं को लागू करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर कार्य करने में कुशल हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप नेतृत्व करना पसंद करते हों।
- आप एक कुशल संवादकर्ता हों।

छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–10,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर की आय ₹ **20,417–84,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Database_Administrator_(DBA)/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप बहुराष्ट्रीय कंपनियों, आई.टी. कंपनियों, गैर-आई.टी. कंपनियों, बीमा, बैंकिंग, वित्त, स्टार्ट-अप्स में काम पा सकते हैं।

उद्यमिता— आप इस पेशे के साथ-साथ अपनी कंपनी में भी फ्रीलांसिंग कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर डेटाबेस प्रशासक → समर्थन विशेषज्ञ डेटाबेस प्रशासक → डेटाबेस डेवलपर → डेटा विश्लेषक/डेटाबेस डेटा इंजीनियर → वरिष्ठ डेटाबेस व्यवस्थापक/विशेषज्ञ डेटाबेस प्रबंधक → डेटाबेस आर्किटेक्ट → डेटा सुरक्षा प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है— https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

डोना फाइलर ने प्रबंधन सूचना प्रणाली में एकाग्रता के साथ व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वे गार्डनरवेब में डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर के रूप में काम करती हैं। 2019 में, ग्राहक सेवा के प्रति उनके समर्पण के लिए उन्हें स्टाफ सदस्य पुरस्कार मिला।*

स्रोत— https://digitalcommons.gardner-webb.edu/cgi/viewcontent.cgi?article=1177&context=gardner-webb-newscenter-archive

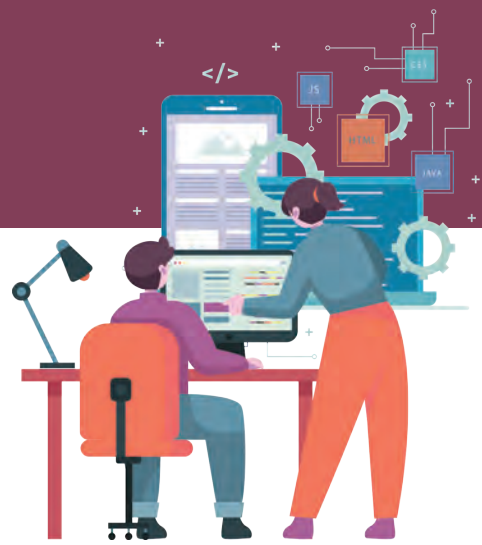
**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

फुल स्टैक डेवलपर

फुल स्टैक डेवलपर, वेब एप्लिकेशन के क्लाइंट और सर्वर दोनों छोर को विकसित करने के लिए कार्य करते हैं। इस अर्थ में, वे एक एंड-टू-एंड सेवा प्रदान करते हैं और उन परियोजनाओं में कार्य कर सकते हैं, जिनमें डेटाबेस और यूजर फेसिंग वेबसाइट बनाना सम्मिलित है।

व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर काम करने में कुशल हों।
- आप समस्याओं या परिस्थितियों का विश्लेषण करना जानते हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।



छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–10,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

फुल स्टैक डेवलपर की आय ₹ **24,000–1,67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।*

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Full_Stack_Software_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आपको आई.टी. कंपनियों में काम मिल सकता है।

उद्यमिता— आप इस पेशे में फ्रीलांसिंग के साथ-साथ अपनी कंपनी में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

फ्रेशर डेवलपर → फुल स्टैक डेवलपर → सीनियर फुल स्टैक डेवलपर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

ब्रैंडन लियोन एक फुल स्टैक वेब डेवलपर है, जिन्हें फ्रंटएंड डेवलपमेंट, विशेष रूप से Vue.js पर जुनून है। उन्होंने मिशिगन यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएशन किया है। ल्योंस वर्तमान में अमेज़ॅन वेब सेवाओं (ए.डब्ल्यू.एस.) में एक पूर्ण स्टैक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम कर रहे हैं।*

स्रोत— https://cynicaldeveloper.com/guests/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

गेम डिजाइनर और डेवलपर

गेम डेवलपर सॉफ्टवेयर इंजीनियर, प्रोग्रामर या वैज्ञानिक होते हैं, जो वीडियो गेम का परीक्षण, डिजाइन और रख-रखाव करते हैं। गेम डिजाइनर एक टीम के सदस्य के रूप में काम कर सकते हैं और गेम में मौजूद पर्यावरण के लेआउट में अंतिम निर्णय लेते हैं। गेम डिजाइनर, एक इंजीनियर होने के साथ-साथ एक डिजाइनर भी होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर काम करने में कुशल हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का समझने व सुलझाना पसंद करते हों।
- आपकी वीडियो गेम खेलने में रुचि हो।
- आप टीम में काम करने में कुशल हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 40,000–19,98,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. इसके बाद गेम डिजाइन और एनीमेशन में स्नातक (बी.डेस.) करें। उसके बाद उसी विषय में एम.डेस. करें।*

अथवा

विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें, फिर गेम डिजाइन और एनीमेशन में बी.एससी./सूचना प्रौद्योगिकी में बी.ई., उसके बाद उसी विषय में एम.एससी./एम.ई. करें।

अथवा

किसी भी वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें, फिर किसी भी विषय में स्नातक (बी.डेस.) करें, उसके बाद गेम डिजाइनिंग में पी.जी. डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

गेम डिजाइनर और डेवलपर की आय
₹ 16,667–1,67,000* प्रतिमाह के बीच है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Video_Game_Designer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप गेम कंपनियों के साथ-साथ प्रोडक्शन हाउस में वी.एफ. एक्स. कलाकार के रूप में काम कर सकते हैं।

उद्यमिता— आप अपना इंडी गेम स्टूडियो स्थापित कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

असिस्टेंट/जूनियर गेम डिजाइनर → सीनियर गेम डिजाइनर → डिजाइन मैनेजर → डिजाइन डायरेक्टर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम डिजाइन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
2. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, गांधीनगर, गुजरात
4. डॉ. वाई.एस.आर. आर्किटेक्चर एंड फाइन आर्ट्स यूनिवर्सिटी, कडप्पा, आंध्र प्रदेश
5. तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे, महाराष्ट्र
6. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अहमदाबाद, गुजरात
7. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, जोरहट, असम
8. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश

निजी संस्थान

(आवेदन करने से पहले कृपया जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है या नहीं)

1. आर्टेमिसिया कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, इंदौर, मध्य प्रदेश
2. एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा, पंजाब
4. शारदा यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
5. यूनाइटेड वर्ल्ड इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद, गुजरात
6. व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल, मुंबई, महाराष्ट्र
7. सी.जी. एनिमेशन अकादमी, पुणे, महाराष्ट्र
8. सी.एम.आर. यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ साइंस स्टडीज, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

पूर्णिमा सीतारमन, भारतीय गेमिंग उद्योग में प्रमुख व्यक्तियों में से एक हैं और उन्होंने गेमिंग उद्योग में महिलाओं के प्रति महत्वपूर्ण पहचान प्राप्त की है। उन्होंने पिल्लई कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सूचना प्रौद्योगिकी में बी.ई. किया है। वह पिनाका इंटरएक्टिव की सह-संस्थापक हैं और उन्होंने फार्मविले और बायोशॉक जैसी दुनिया की कुछ सबसे उल्लेखनीय गेमिंग फ्रेंचाइजी में काम किया है। वर्ष 2020 में, जब उन्हें वीमेन इन गेम्स हॉल ऑफ फेम में सम्मिलित किया गया, तब वे वैश्विक प्रशंसा प्राप्त करने वाली पहली भारतीय गेम डिजाइनर बनीं।

स्रोत— https://www.republicworld.com/technology-news/gaming/poornima-seetharaman-indian-game-designer-in-global-hall-of-fame.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

हेल्पडेस्क विश्लेषक

हेल्पडेस्क विश्लेषक, तकनीकी पेशेवर होते हैं, इन्हें कंपनी के ग्राहकों को किसी भी आई.टी. से संबंधित मामले, जैसे– कंप्यूटर हार्डवेयर, एप्लिकेशन, नेटवर्क और ऑपरेटिंग सिस्टम के मुद्दों के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने का काम सौंपा जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपके पास अच्छा संचार कौशल हो।
- आपके पास अच्छी तकनीकी कौशल हो।
- आपके पास समस्या-समाधान की क्षमता हो।
- आपमें समस्याओं का समाधान करने की क्षमता हो।



छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–10,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

कंप्यूटर साइंस में पी.जी. डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

हेल्प डेस्क विश्लेषक की आय ₹ **16,500–53,100*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Service_Desk_Analyst/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप उद्योगों की एक विस्तृत शृंखला में संगठनों के आई.टी. विभाग में काम पा सकते हैं।

उद्यमिता— आप इस पेशे में फ्रीलांसिंग कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

हेल्प डेस्क टेक्नीशियन → एडमिनिस्ट्रेटर/नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर → सिस्टम आर्किटेक्ट/डिजाइन आर्किटेक्ट

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
9. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
7. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
8. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
9. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
10. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
11. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

बिली अब्बास, लीड्स, यू.के. से सर्विस डेस्क विश्लेषक हैं, जिन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी में विज्ञान स्नातक (बी.एस.) पूरा किया है। वे एस.डी.आई. बेस्ट सर्विस डेस्क एनालिस्ट फाइनलिस्ट में भी थे। वे वर्तमान में लीड्स बेकेट विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं।*

स्रोत— https://www.servicedeskinstitute.com/we-had-a-chat-to-our-service-desk-analyst-of-the-year-2020-finalists/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सूचना प्रौद्योगिकी इंजीनियर

सूचना प्रौद्योगिकी इंजीनियर, कंपनी के कंप्यूटर सिस्टम को डिजाइन, इंस्टॉल और मेंटेन करते हैं। वे हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और नेटवर्किंग सिस्टम के परीक्षण, विन्यास और समस्या निवारण के लिए जिम्मेदार हैं। आई.टी. इंजीनियरों की आवश्यकता कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और परियोजनाओं का प्रबंधन करने के लिए भी हो सकती है।



व्यक्तिगत गुण

- आप मौखिक संचार में अच्छे हों।
- आप विवेक बुद्धि और तर्क शक्ति में अच्छे हों।
- आपको समस्याओं को हल करने में रुचि रखते हों।
- आप नवाचार करते हों।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 30,000–8,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.ई.) सूचना प्रौद्योगिकी/कंप्यूटर विज्ञान/कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग/डेटा साइंस एवं इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में करें।

अथवा

स्नातक क बाद संबंधित या उसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सूचना प्रौद्योगिकी इंजीनियर की आय
₹ 25,000–1,67,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/ research/ IN/Job Software_Engineer/ Salary?loggedin

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— प्रौद्योगिकी, वित्त, ई-कॉमर्स, चिकित्सा, रक्षा और अन्य क्षेत्रों जैसे लगभग सभी क्षेत्रों में आई.टी. विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। पूरे भारत में विभिन्न आई.टी. फर्मों में कई अवसर उपलब्ध हैं।

कार्य वातावरण— आई.टी. इंजीनियर कार्यालय के माहौल में काम करते हैं। उन्हें कभी-कभी समय सीमा को पूरा करने के लिए या आपातकालीन स्थितियों में अतिरिक्त घंटे काम करने की आवश्यकता हो सकती है। सामान्यतः आई.टी. इंजीनियर निश्चित घंटों तक काम करते हैं। आई.टी. इंजीनियर किसी संगठन में पूर्णकालिक आधार पर या अंशकालिक या घंटे के आधार पर एक फ्रीलांसर के रूप में काम कर सकते हैं। इस करियर में घर से कार्य करने की सुविधा दी जा सकती है। पालियो में काम करने के लिए आई.टी. इंजीनियर की आवश्यकता पड़ सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर आई.टी. अभियंता → वरिष्ठ आई.टी. अभियंता → सॉफ्टवेयर डेवलपर → टीम लीडर → प्रोजेक्ट मैनेजर, सूचना प्रौद्योगिकी

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
2. लालभाई दलपतभाई कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद, गुजरात
3. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, नासिक, महाराष्ट्र
5. गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, मुंबई, महाराष्ट्र
6. अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
7. एन.आई.एम.एस. यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
8. गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक फॉर गर्ल्स, अहमदाबाद, गुजरात

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
2. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु
3. दयानंद सागर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
5. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, झारखंड

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

कुंतल चक्रवर्ती पेशे और शिक्षा से एक आई.टी. इंजीनियर हैं। उन्होंने सिमेंस और एटोस में सिस्टम इंजीनियर और नेटवर्क इंजीनियर के रूप में काम किया है। उन्होंने पश्चिम बंगाल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से सूचना प्रौद्योगिकी में बी.टेक. किया है। चक्रवर्ती की वर्तमान रुचि ए.आई. और मशीन लर्निंग (एम.एल.) में है।*

स्रोत— https://www.techopedia.com/contributors/kuntal-chakraborty

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

इंटरनेट ऑफ थिंग्स सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट

आई.टी. पेशेवर, जो कार्यनीति बनाने और संगठनों में इंटरनेट ऑफ थिंग्स समाधानों की तैनाती की देख-रेख के लिए उत्तरदायी होते हैं, उन्हें इंटरनेट ऑफ थिंग्स सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट कहा जाता है। वे इंटरनेट ऑफ थिंग्स तकनीक के व्यावहारिक उपयोग और अनुप्रयोग विकसित करते हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट सामान्यतः प्रक्रिया विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए इंजीनियरों और विक्रेता के साथ काम करता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर कार्य करने में कुशल हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप एक कुशल संवादकर्ता हों।



छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **40,000–5,40,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान/इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) में स्नातक/(बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी) सॉल्यूशन आर्किटेक्ट की आय ₹ **50,000–4,50,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/ research/IN/Job Software_Archtect/ Salary/e5a6e350/Internet-of-Things-IoT

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप दूरसंचार उद्योग में आई.टी. सेवाओं और परामर्श, औद्योगिक मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद निर्माण क्षेत्र में भी काम पा सकते हैं।

उद्यमिता— आप इस डोमेन में फ्रीलांसिंग कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर इंटरनेट ऑफ थिंग्स सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट → सीनियर इंटरनेट ऑफ थिंग्स सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
9. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
7. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
8. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
9. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
10. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
11. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

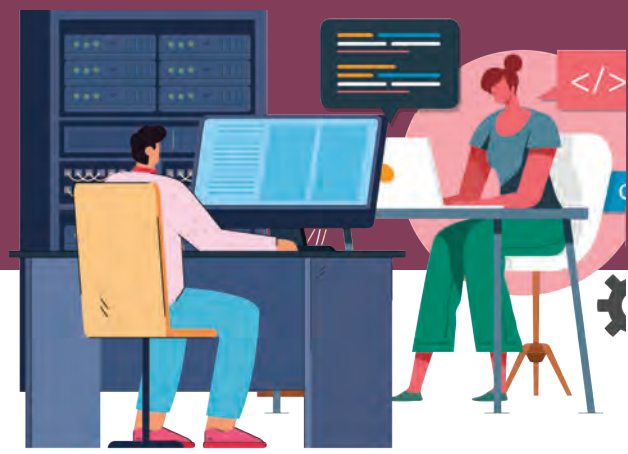
डेनिलो डियाज, माइक्रोसाफ्ट के साथ एक इंटरनेट ऑफ थिंग्स सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट है। उन्होंने अर्कांडिया विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक के साथ-साथ प्रबंधन में एम.बी.ए. पूरा किया है। डियाज सभी आकार के संगठनों की सहायता करने पर केंद्रित है जो आई.ओ.टी. उनके उद्योग में लाता है।*

स्रोत— https://www.iotforall.com/webinar/softeq-75-of-iot-projects-fail

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर

नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर, कार्य किसी कंपनी में कंप्यूटर नेटवर्क के सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों से संबंधित होता है। वे तकनीकी नेटवर्क की देखरेख और रख-रखाव के लिए उत्तरदायी होते हैं और कंप्यूटर नेटवर्क के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर कार्य करने में कुशल हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप नेतृत्व करने में सक्षम हों।

छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 20, 000– 2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

नेटवर्क इंजीनियरिंग में स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर की आय **₹ 16,084–83,334*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Network_Administrator/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप वास्तुकला, इंजीनियरिंग और संबंधित सेवाओं के साथ-साथ कंप्यूटर सिस्टम डिजाइन सेवाओं में भी काम कर सकते हैं।

उद्यमिता— आप इस डोमेन में फ्रीलांसिंग कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

नेटवर्क इंजीनियरिंग प्रशिक्षु → नेटवर्क इंजीनियरिंग सहायक → नेटवर्क प्रशासक → मुख्य नेटवर्क प्रशासक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

ब्रेंट डी. स्टीवर्ट, उत्तरी कैरोलिना में कॉमस्कोप में एक नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर हैं, जहाँ वे एक अंतरराष्ट्रीय आई.पी. नेटवर्क के डिजाइन और कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करते हैं। ब्रेंट ने नेटवर्क सलाहकार के रूप में और प्रमाणित सिस्को प्रशिक्षक के रूप में फाइबर-ऑप्टिक निर्माण अनुसंधान एवं विकास में काम किया है। उन्होंने लेनोर-राइन कॉलेज से भौतिकी में बी.एस. की डिग्री प्राप्त की और वर्तमान में जेम्स मैडिसन विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान/सूचना सुरक्षा में एम.एस. पूरा कर रहे हैं। वे वर्तमान में उत्तरी कैरोलिना में रहते हैं।*

स्रोत— http://etutorials.org/Misc/ccnp+bsci+exam+certification+guide/About+the+Author/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

प्रोग्रामर/कोडर/सॉफ्टवेयर इंजीनियर

कंप्यूटर प्रोग्रामर, अपने क्लाइंट की आवश्यकताों को पूरा करने के लिए सॉफ्टवेयर का डिजाइन, विकास और परीक्षण करते हैं। वे प्रोग्राम में बग्स की खोज करते हैं और प्रोग्राम की समग्र उपयोगिता को बेहतर बनाने के लिए उन बग्स को हटाने का प्रयास भी करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर काम करने में कुशल हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप एक कुशल संवादकर्ता हों।



छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 30,000–10,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

सूचना प्रणाली में स्नातकोत्तर डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

प्रोग्रामर/कोडर/सॉफ्टवेयर इंजीनियर की आय
₹ 20,750 –83,334* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Software_Engineer_%2F_Developer_%2F_Programmer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप आई.टी. कंपनियों में काम कर सकते हैं।

उद्यमिता— आप इस डोमेन में फ्रीलांसिंग कर सकते हैं और साथ ही अपनी कंपनी भी आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर डेवलपर → सॉफ्टवेयर डेवलपर → सीनियर डेवलपर → लीड डेवलपर → सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर → टेक्निकल लीड-इंजीनियरिंग मैनेजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

शालिनी साह, मेटा में सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग मैनेजर के पद पर काम करती हैं। उन्होंने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बी.टेक. किया है। एन.आई.टी. दुर्गापुर पूर्व छात्र संघ और ए.सी.एम. एन.आई.टी. सूरत के पूर्व उपाध्यक्ष, हरि राम चौधरी के अनुसार, साह को भारत में सर्वश्रेष्ठ महिला कोडर माना जाता है।*

स्रोत— https://www.codechef.com/users/mischievous_me

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

एस.ई.ओ. प्रबंधक

एस.ई.ओ. (सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन) का उद्देश्य सर्च इंजन में वेबसाइट्स को बेहतर रैंक देने में सहायता करना है। एस.ई.ओ. प्रबंधक के द्वारा ऐसे विजिटरों को खोजने के लिए आवश्यक कार्यनीति प्रदान करने हेतु प्रशिक्षित किया जाता है, जिन्हें किसी विशेष सेवा की आवश्यकता होती है और फिर उन्हें ग्राहक में परिवर्तित करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर काम करने में कुशल हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप नए उत्तरदायित्वों को लेने में सहज एवं प्रवीण हों।
- आप एक कुशल संवादकर्ता हों।



छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) पूरा करें।

अथवा

सूचना प्रणाली/डिजिटल मार्केटिंग में स्नातक के बाद स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

अंग्रेजी/मास कम्युनिकेशन में स्नातक (बी.ए.) करें और उसके बाद सूचना प्रणाली/डिजिटल मार्केटिंग में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

एस.ई.ओ. प्रबंधक की आय ₹ **19,500–84,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Search_Engine_Optimization_(SEO)_Manager/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप किसी भी कंपनी या व्यवसाय, जो अधिक लोगों तक पहुँचना चाहता है, उसमें ऑनलाइन उपस्थिति के साथ काम कर सकते हैं, जैसे कि स्टार्टअप, शैक्षणिक संस्थान आदि।

उद्यमिता— आप अपनी कंपनी में काम करने के साथ-साथ इस पेशे में फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

एस.ई.ओ. विश्लेषक → एस.ई.ओ. युक्तिकार → एस.ई.ओ. प्रबंधक → एस.ई.ओ. प्रमुख → एस.ई.ओ. निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
9. भारतीय संचार संस्थान, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

स्टेफनी कैस्टिलो, द न्यूयॉर्क टाइम्स के लिए एसोसिएट एस.ई.ओ. मैनेजर हैं। पहले वे हर्स्ट मैगज़ीन और टाइम इंक के समाचार समूह जैसे मीडिया हाउस के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने किंग्स कॉलेज से अंग्रेजी और मास कम्युनिकेशन में बी.ए. किया है।*

स्रोत— https://www.oprahdaily.com/author/209917/stephanie-castillo/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन पैकेजर

एप्लिकेशन पैकेज या सॉफ्टवेयर पैकेज प्रोग्राम या मॉड्यूल का एक संग्रह है, जो कुछ सामान्य एप्लिकेशन पर निर्देशित होता है और इसे एक विशिष्ट प्लेटफॉर्म की आवश्यकताों के अनुरूप बनाया जा सकता है। एक सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन पैकेजर संगठनों की आवश्यकताों और मौजूदा प्रक्रियाओं का विश्लेषण करता है, आवश्यक परिवर्तनों का आकलन करता है और कस्टम सॉफ्टवेयर लिखता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर कार्य करने में सहज हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करने में रुचि रखते हों।
- आप स्पष्ट निर्देशो का अनुसरण करते हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।



छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–5,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रणाली में स्नातक/(बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन पैकेजर की आय ₹ **23,000–1,00,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://in.talent.com/salary?job=application+packaging

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप आई.टी. कंपनियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम पा सकते हैं।

उद्यमिता— आप इस क्षेत्र में फ्रीलांसिंग कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु सॉफ्टवेयर पैकेजर → सॉफ्टवेयर पैकेजर → वरिष्ठ सॉफ्टवेयर पैकेजर → पैकेजिंग प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

किरण मतंगी, फ्लेक्षेरा एप्लिकेशन रेडीनेस उत्पाद लाइन–एडमिन स्टूडियो और वर्कफ़्लो प्रबंधक के लिए तकनीकी उत्पाद प्रबंधक हैं। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है, इसके बाद मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। किरण को एप्लिकेशन पैकेजिंग में आठ साल से अधिक का अनुभव है।*

स्रोत— https://appmanagevent.com/index.php/speakers/519-kiran-mantagi-flexera

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सिस्टम एनालिस्ट

सिस्टम एनालिस्ट, आई.टी. पेशेवर होते हैं, जिनका मुख्य काम यह सुनिश्चित करना होता है कि सिस्टम, इन्फ्रास्ट्रक्चर और कंप्यूटर सिस्टम प्रभावी रुप से और कुशलता से कार्य कर रहे हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर कार्य करने में कुशल हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करने में रुचि रखते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप एक कुशल संवादकर्ता हों।

छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **45,000–10,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर/(एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

सूचना प्रणाली में स्नातकोत्तर डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सिस्टम एनालिस्ट की आय ₹ **20,667–83,334*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Systems_Analyst/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप सीधे किसी संगठन के लिए या ठेकेदारों के रूप में अधिकांशतः सूचना प्रौद्योगिकी फर्म के लिए काम कर सकते हैं।

उद्यमिता— आप इस पेशे में फ्रीलांसिंग पा सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर सिस्टम एनालिस्ट → सीनियर सिस्टम एनालिस्ट

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
9. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मंजुला गंटा, ए.डी.पी. इंक में एप्लीकेशन डेवलपमेंट, ग्लोबल प्रोडक्ट एंड टेक्नोलॉजी की निदेशक हैं। उन्होंने गणित में स्नातक की डिग्री हासिल की और साथ ही राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एन.आई.आई.टी.) से सिस्टम मैनेजमेंट प्रोग्राम में डिप्लोमा कोर्स में दाखिला लिया। बाद में उन्होंने वित्त में एम.बी.ए. की डिग्री प्राप्त की।*

स्रोत— https://www.adp.com/spark/articles/2020/05/adp-women-in-stem-manjula-ganta.aspx

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

यूज़र एक्सपीरियंस डिजाइनर

डिजिटल दुनिया में 'यू एक्स' का मतलब है, वह सब कुछ जो किसी डिजिटल उत्पाद के साथ उपयोगकर्ता की बातचीत को प्रभावित करता है। इसलिए, यू एक्स डिजाइनर के रूप में आप यह सुनिश्चित करेंगे कि वेबसाइट या एप्लिकेशन या डिजिटल सेवा का उपयोग करने वाले व्यक्तियों के लिए 'उपयोगकर्ता अनुभव' जितना संभव हो उतना आसान हो।



व्यक्तिगत गुण

- आप रचनात्मक सोच रखते हों।
- आपको प्रयोग करना पसंद हों।
- आप एक अच्छे संवादकर्ता हों।

छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 6,630–5,28,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. यूजर एक्सपीरियंस डिजाइन/कंप्यूटर साइंस या इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री करें।

अथवा

स्नातक के बाद स्नातकोत्तर करें।

अथवा

यू.एक्स. डिजाइन में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा कोर्स करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

यूज़र एक्सपीरियंस डिजाइनर की आय
₹ 21,000–1,50,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=UX_Designer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कोई भी कंपनी जो एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर या डिजिटल प्रोडक्ट पर काम करती है, उसे यू.एक्स. डिजाइनर की आवश्यकता होगी। अंतर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेशन, डिजिटल कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी कंपनी, सॉफ्टवेयर कंपनी आदि।

उद्यमिता— आप एक फ्रीलान्स यू.एक्स. डिजाइनर बन सकते हैं।

कार्य वातावरण— आपको ऑफिस या स्टूडियो में काम करना होगा, समय सीमा के अंदर काम पूरा करना होगा। आपको कई लोगो से बात करनी हो सकती है और इसके साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना पड़ सकता है। इस सबके चलते आपके काम का समय अनियमित होने की संभावना है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

यूज़र एक्सपीरियंस → वरिष्ठ यू.एक्स. डिजाइनर → लीड यूज़र एक्सपीरियंस डिजाइनर या प्रिंसिपल यू.एक्स. डिजाइनर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. आई.डी.सी. स्कूल ऑफ डिजाइन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
2. डिपार्टमेंट ऑफ डिजाइन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, गुवाहाटी, असम
3. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद, गुजरात
4. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, गांधीनगर, गुजरात
5. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, कुरुक्षेत्र, हरियाणा
7. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
8. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, जोरहाट, असम

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. श्रृष्टि स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. यू.आई.डी., कर्णवती यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात
3. चितकारा स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, चितकारा यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
4. सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे, महाराष्ट्र
5. महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे, महाराष्ट्र
6. अपेजेय इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, नई दिल्ली
7. सुशांत स्कूल ऑफ डिजाइन, अंशल यूनिवर्सिटी, हरियाणा
8. यू.पी.ई.एस. स्कूल ऑफ डिजाइन, देहरादून, उत्तराखंड
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



वर्चुअल रियलिटी इंजीनियर

वर्चुअल रियलिटी (वी.आर.) वास्तविक दिखने वाली वस्तुओं और छवियों के साथ एक कंप्यूटर-प्रौद्योगिकी-संचालित वातावरण है, जो उपयोगकर्ताओं को अपने वातावरण में पूरी तरह तल्लीन होने की भावना प्रदान करता है। इसलिए एक आभासी वर्चुअल रियलिटी इंजीनियर ऐसा व्यक्ति है जो एक वर्चुअल रियलिटी वातावरण बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है जिसे एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे वी.आर. हेडसेट्स में अनुभव किया जा सकता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर कार्य करने में कुशल हों।
- आप गैजेट के साथ कार्य करने में सहज हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप आँकड़ों के साथ काम करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 45,000–21,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक, रसायन और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. आर्टिफिशियल इंजीनियरिंग और वर्चुअल रियलिटी में बी.एससी./बी.ई./बी.टेक. की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

प्रवेश के लिए आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

वर्चुअल रियलिटी इंजीनियर की आय
₹ 30,000–60,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Skill=Virtual_Reality/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— गेमिंग उद्योग, मनोरंजन उद्योग, स्वास्थ्य देखभाल, ऑटोमोटिव उद्योग, शिक्षा।

कार्य वातावरण— सामान्यतः कंपनियाँ सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करती हैं। यह कंपनी से कंपनी में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर डेवलपर → वर्चुअल रियलिटी इंजीनियर → वरिष्ठ डेवलपर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, असम
4. पेरियार विश्वविद्यालय, सलेम, तमिलनाडु
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर, राजस्थान
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर, भुवनेश्वर, ओडिशा
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. नॉर्थकैप विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा
2. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
3. प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. चितकारा विश्वविद्यालय, बद्दी, हिमाचल प्रदेश
5. लिंगयाज विद्यापीठ, फरीदाबाद, हरियाणा
6. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

श्री आर्यमान वीर, एम.वाइ.आर.ई. कैपिटल के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं, जो एक टेक इनेबल्ड फ्रैक्शनल ओनरशिप प्लेटफार्म है। आर्यमन के पास नेटवर्क्ड एंड सोशल सिस्टम्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री है और पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय से सिस्टम्स इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री है। इंजीनियरिंग में उनकी पृष्ठभूमि और एल्गोरिदम और बिग डेटा एनालिटिक्स में गहरी दिलचस्पी ने उन्हें एक अच्छे मॉडल की कल्पना करने में सहायता की है जो रियल एस्टेट क्षेत्र में सुरक्षित और लाभ देने वाले निवेश में रुचि रखने वाले दर्शकों की आवश्यकता को पूरा करता है।*

स्रोत— https://www.digitalfirstmagazine.com/india-edition-august-2021-virtual-reality-trends-in-2021/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

वेब एनालिस्ट

वेब एनालिस्ट यह निर्धारित करते हैं कि वेबसाइट पर उपयोगकर्ता गतिविधियों को ट्रैक और विश्लेषण करके वेबसाइट को कितना ट्रैफिक प्राप्त होता है। वे किसी वेबसाइट पर विजिटर की संख्या और पेज व्यू की संख्या के बारे में जानकारी एकत्र करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर काम करने में कुशल हों।
- आप संस्थाओं के साथ कार्य करना पसंद करते हों।
- आप समस्याओं तथा परिस्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- अभियांत्रिकी संबंधी कुछ विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ, जैसे– इंडसइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति, बाबा गुरबचन सिंह छात्रवृत्ति योजना, सैमसंग स्टार स्कॉलर कार्यक्रम 2022, केंद्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति, जे.एस.पी.एन. छात्रवृत्ति 2022, एन.टी.पी.सी. छात्रवृत्ति योजना 2022, उत्कृष्टता फाउंडेशन छात्रवृत्ति 2022, आर.डी. सेठना ऋण छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **45,000–10,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रणाली में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.सी.ए./बी.ई.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.टेक./एम.एससी./एम.सी.ए./एम.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

सूचना प्रणाली में स्नातकोत्तर डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

वेब एनालिस्ट की आय ₹ **16,500–75,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Web_Analyst/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप किसी भी कंपनी या व्यवसाय जो अधिक लोगों तक पहुँचना चाहता है, जैसे कि स्टार्ट-अप, शैक्षणिक संस्थान आदि में ऑनलाइन उपस्थिति के साथ काम कर सकते हैं।

उद्यमिता— आप अपनी कंपनी में काम करने के साथ-साथ इस पेशे में फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कनिष्ठ वेब एनालिस्ट → वरिष्ठ वेब एनालिस्ट

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अय्या नादर जानकी अम्मल कॉलेज, शिवकाशी, तमिलनाडु
3. आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली
6. कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस, कुंडरा कोल्लम, केरल
7. गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान
8. ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वालथुर, तमिलनाडु
2. ए.डी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू वल्लभ नगर, गुजरात
3. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. आचार्य प्रफुल्ल चंद्रा कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बेंगलोर सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बापतला इंजीनियरिंग कॉलेज, बापतला, आंध्र प्रदेश
8. बॉनी फाई कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
9. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान
10. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक
11. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
12. थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

निखलेश पटेल आई मीडिया डिजाइंस में वरिष्ठ वेब विश्लेषक हैं। उन्होंने बी.एम.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट से कंप्यूटर साइंस में बी.टेक. पूरा किया है, जिसके बाद उन्होंने कॉनकॉर्डिया यूनिवर्सिटी से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में मास्टर्स इन एप्लाइड साइंस किया। वे एल.ए.एम.पी./डब्ल्यू.ए.एम.पी. पर्यावरण पर कस्टम वेब एप्लिकेशन विकसित करने और मोबाइल वेब सेवाओं के लिए ए.पी.आई. डिजाइन करने के लिए उत्तरदायी हैं।*

स्रोत— https://userpeek.com/blog/web-analysts-you-should-follow/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

वेब डिजाइनर

वेब डिजाइनर, ग्राहकों को उनकी वांछित जानकारी तक पहुँच प्रदान करते हुए वेबसाइटों को इंटरैक्टिव, गतिशील, आकर्षक बनाने के लिए उत्तरदायी होते हैं। यह वेबसाइट या वेब पेजों का डिजाइन और लेआउट बनाने के लिए उत्तरदायी होते हैं। वेब डिजाइनर एकदम नई वेबसाइट पर काम कर सकते हैं या पहले से मौजूद साइट को अपडेट कर सकते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप कंप्यूटर पर कार्य करने में प्रवीण हों।
- आप काम करते समय विवरण पर ध्यान देते हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद करते हों।
- आप किसी टीम में काम करना पसंद करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 19,000–2,50,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. मल्टीमीडिया और वेब डिजाइन में बी.एससी./बी.ए. कर सकते हैं। उसके बाद ई-कॉमर्स और वेब डिजाइन में एम.एससी./एम.ए. करें।

अथवा

किसी भी विषय में 10+2 उत्तीर्ण करें, इसके बाद स्नातक करें, तथा वेब डिजाइन में पी.जी. डिप्लोमा कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

वेब डिजाइनर की आय **₹ 10,000–62,416*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Web_Designer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप सॉफ्टवेयर कंपनियों, आई.टी. परामर्शदाताओं, विशेषज्ञ वेब डिजाइन कंपनियों, बड़े कॉर्पोरेट संगठनों और कंप्यूटर सिस्टम का उपयोग करने वाले किसी भी संगठन में काम कर सकते हैं।

उद्यमिता— आप ग्राहकों को अपनी सेवाएँ देने वाली अपनी वेब डिजाइनिंग कंपनी भी आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः आपको सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करेंगे। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

असिस्टेंट/जूनियर गेम डिजाइनर → सीनियर गेम डिजाइनर → डिजाइन मैनेजर → डिजाइन डायरेक्टर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम डिजाइन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राजकीय कॉलेज, राजमुंदरी, आंध्र प्रदेश
2. अमरदीप सिंह शेरगिल मेमोरियल कॉलेज, मुकांदपुर, पंजाब
3. राजकीय पॉलिटेक्निक, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
4. राजकीय पॉलिटेक्निक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
5. इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर साइंस, उज्जैन, मध्य प्रदेश
6. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
7. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. डी पॉल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोच्चि, केरल
2. डी.के.टी.ई. सोसाइटीज टेक्सटाइल एंड इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट, इछलकरंजी, महाराष्ट्र
3. हंसराज महिला महाविद्यालय, जालंधर, पंजाब
4. इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कंप्यूटर ग्राफिक्स, हैदराबाद, तेलंगाना
5. आई.सी.ए.टी. डिजाइन एंड मीडिया कॉलेज, हैदराबाद, तेलंगाना
6. ल्यालपुर खालसा कॉलेज, जालंधर, पंजाब
7. सेवन स्टार एकेडमी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. एशियन एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, पटियाला, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

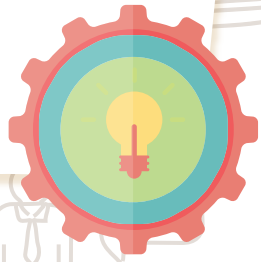
कार्य क्षेत्र से उदाहरण

क्रिश कोयर एक फ्रंट एंड वेब डेवलपर और वेब डिजाइनर होने के साथ-साथ कोडपेन के सह-संस्थापक हैं, जो प्रयोग-निर्मित एच.टी.एम.एल., सी.एस.एस. और जावास्क्रिप्ट कोड स्निपेट्स के परीक्षण और प्रदर्शन के लिए एक ऑनलाइन समुदाय है। क्रिस ने विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय से ग्राफिक डिजाइन में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। अब वह शॉपटॉक के नाम से जाने जाने वाले वेब डेवलपमेंट पॉडकास्ट की सह-मेजबानी करते हैं।*

स्रोत— https://www.creativebloq.com/web-design/names-every-designer-should-know-11135423

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

प्रबंधन



सहायक खान-पान प्रबंधक

सहायक खान-पान प्रबंधक (असिस्टेंट कैटरिंग मैनेजर), खान-पान आपूर्ति का प्रबंधन करने और सुविधाओं हेतु वित्त और वित्त संबंधी प्रशासनिक कार्यों का प्रबंधन करने के लिए उत्तरदायी होते हैं। वे कैंटीन, कियोस्क और अन्य विशेष खाद्य आउटलेट इकाइयों को चलाने के साथ-साथ निर्बाध सेवा प्रदान करने के लिए इन्वेंट्री बनाए रखने में सहायता करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपका संचार कौशल अच्छा हो।
- आप टीम के साथ कार्य करने में सहज हों।
- आप अपने काम में अच्छे हों।

छात्रवृत्ति

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एन.एस.पी.)— आप इस पोर्टल के माध्यम से खान-पान प्रबंधन में पाठ्यक्रम करने वाले विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। केंद्र और राज्य सरकारों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और अन्य विभागों द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्तियाँ भी उपलब्ध हैं। सभी नवीनतम जानकारियों के लिए scholarships.gov.in पर जाएँ।
- विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना— खान-पान प्रबंधन, जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति। सभी नवीनतम जानकारियों के लिए socialjustice.nic.in पर जाएँ।

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क स्नातक डिग्री (3–4 वर्ष)
₹ 20,000–1,50,000*
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (2 वर्ष)
₹ 30,000–2,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट

किसी भी विषय-वर्ग में (अधिमानतः गृह विज्ञान या संबंधित विषयों के साथ) कक्षा 10 या 12 उत्तीर्ण करें। व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, निजी संस्थानों या सरकार द्वारा संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों द्वारा प्रदान किए जाने वाले खानपान, खाद्य सुरक्षा, पेय सेवा या आतिथ्य प्रबंधन में अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा करें।

डिप्लोमा

होटल प्रबंधन में डिप्लोमा, खानपान प्रबंधन में डिप्लोमा, व्यावसायिक संस्थानों और पॉलिटेक्निक द्वारा प्रदान किया जाता है।

स्नातक

कक्षा 12 उत्तीर्ण करने के पश्चात (अधिमानतः गृह विज्ञान या संबंधित वर्ग के साथ) होटल प्रबंधन में स्नातक (बी.एच.एम.) अथवा होटल और खानपान प्रबंधन में बी.एससी. करें।

स्नातकोत्तर

स्नातकोत्तर डिग्री बड़े खान-पान संचालन, इवेंट प्लानिंग और होटल प्रबंधन के प्रबंधन में उन्नत ज्ञान प्रदान करती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सहायक खान-पान प्रबंधक की आय
₹ 10,000–12,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3YOP5LG

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— होटल, रेस्तरां, भोजनालय, पर्यटन शिविर।

कार्य वातावरण— आपको सप्ताह में 6 दिन तथा प्रतिदिन कम से कम 10–12 घंटे काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। साथ ही ओवरटाइम भी करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक → फ्लोर मैनेजर → सहायक खानपान प्रबंधक → खानपान प्रबंधक / प्रभारी

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम होटल प्रबंधन संस्थानों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल संकेत के लिए है।

सरकारी संस्थान

1. होटल प्रबंधन संस्थान, बारडेज, गोवा
2. होटल प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
3. होटल प्रबंधन संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. होटल प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. होटल प्रबंधन संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
6. होटल प्रबंधन संस्थान, तिरुवनंतपुरम, तमिलनाडु
7. होटल प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
8. होटल प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. होटल प्रबंधन संस्थान औरंगाबाद, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
5. ओबेरॉय सेंटर ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान—

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

के.एम. पिल्लै, बड़ौदा के निकट एक कारखाने में काम करते थे। कारखाने में हुई हड़ताल के कारण लगभग 2800 लोगों के खान-पान की व्यवस्था भी ठप हो गई। पिल्लै की आयु उस समय मात्र 28 वर्ष थी, जब उन्होंने हड़ताल से ठप हुई खान-पान सेवाओं को पुनः आरभ किया। आज वे नोएडा स्थित कैटरिंग कंपनी, पी.वाई.एक्स. इंडस्ट्रियल कैटरर्स के प्रमुख हैं, जो एयरटेल, बिड़ला सॉफ्ट, ग्लोबल लॉजिक और टेक महिंद्रा जैसे कॉर्पोरेट्स के 8,000 से अधिक कर्मचारियों को भोजन प्रदान करती है। पिल्लै का लक्ष्य प्रतिदिन 11,000 लोगों को भोजन उपलब्ध कराना है और वे अपनी कंपनी को इस दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं।*

स्रोत— https://www.businesstoday.in/magazine/new-business/story/catering-to-success-12479-2007-04-05

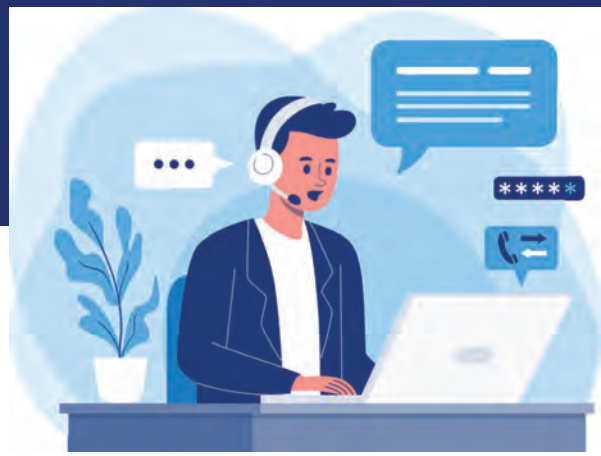
**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

बी.पी.ओ. कार्यकारी

बी.पी.ओ. कार्यकारी (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग कार्यकारी), व्यावसायिक प्रक्रियाओं की आउटसोर्सिंग से संबंधित विभिन्न कार्यों को संभालने के लिए जिम्मेदार होता है। इन कार्यों में ग्राहक सहायता, तकनीकी सहायता, डेटा प्रविष्टि, बैंक-ऑफिस संचालन और संगठन की आवश्यकता के आधार पर बहुत कुछ सम्मिलित हो सकता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप अच्छा बोल और लिख सकते हों।
- आप एक अच्छे श्रोता हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

सर्टिफिकेट/डिप्लोमा (6 महीने–1 वर्ष)
₹ 10,000–50,000*
स्नातक डिप्लोमा (1–2 वर्ष)
₹ 20,000–1,00,000*
स्नातकोत्तर डिप्लोमा (1–2 वर्ष)
₹ 30,000–2,00,000*

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें (गैर-तकनीक की वाक् आधारित बी.पी.ओ. की नौकरी की लिए)।

अथवा

मार्केटिंग, कॉमर्स, बैंकिंग या बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक करें (तकनीकी गैर-वाक् आधारित बी.पी.ओ. नौकरी के लिए)।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

बी.पी.ओ. कार्यकारी की आय **₹ 16,367–49,583*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://in.talent.com/salary?job=bpo+executive

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— बहुराष्ट्रीय आई.टी. कंपनियों की ग्राहक सहायता, मानव संसाधन, प्रशिक्षण और लॉजिस्टिक्स विभाग।

कार्य वातावरण— यह एक डेस्क जॉब है। आरंभिक स्तर पर आप किसी टीम को नहीं संभालेंगे। स्थानीय यात्रा जॉब प्रोफाइल का भाग नहीं है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। आपको सप्ताह में 6 दिन और प्रतिदिन 9–10 घंटे काम करने की संभावना है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहयोगी → विशेषज्ञ → टीम लीड → प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन या वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत के विभिन्न शहरों में स्थित
2. मानव संसाधन विकास संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल
3. कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा भारत के विभिन्न शहरों में स्थापित कौशल विकास केंद्र
4. विभिन्न राज्यों, जैसे– पंजाब, महाराष्ट्र में स्थित राज्य कौशल विकास केंद्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यूजीसी से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत के विभिन्न शहरों में स्थित
2. एप्टेक, भारत के विभिन्न शहरों में स्थित
3. टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. जेवियर प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा
5. मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज, भारत के विभिन्न शहरों में स्थित

दूरस्थ शिक्षा संस्थान—

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

वीरेंद्र कैथ, भारत के सबसे प्रसिद्ध ढोल वादकों में से एक हैं। वे वर्ष 2012 से फ्रीलांसिंग कर रहे हैं। वर्तमान में, वे मेटल बैंड डेमोनिक रिसरेक्शन एंड स्क्राइब से जुड़े हुए हैं। उनका एक हिंदी रॉक बैंड है, जिसका नाम स्पर्श है। कैथ ने मुंबई के सिद्धार्थ कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स से बी.कॉम. की डिग्री हासिल की है। उन्होंने बी.पी.ओ. एक्जीक्यूटिव के रूप में अपना करियर आरंभ किया, अंततः उन्हें संगीत में अपनी पहचान मिली।*

स्रोत— https://www.therocktologist.com/interview-with-virendra-kaith.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कार्यक्रम प्रबंधक

कार्यक्रम प्रबंधक, छोटे-बड़े कार्यक्रमों, जैसे– शादियों, व्यापारिक बैठकें, सम्मेलनों आदि का आयोजन करते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि कार्यक्रम सुचारू रूप से चलता रहे और यदि कोई समस्या आती है, तो उसका समाधान करें।



व्यक्तिगत गुण

- आप टीम में काम करने में सहज हों।
- आप चीजों को एक साथ रखना या चीजों को जोड़ना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप सजग और संगठित हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **40,000–5,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।।
2. बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बी.बी.ए.)/होटल मैनेजमेंट में स्नातक करें।

अथवा

इवेंट मैनेजमेंट/होटल/हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट आदि में डिप्लोमा करें।

अथवा

स्नातक डिग्री प्राप्त करने के बाद उसी या संबद्ध क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

कार्यक्रम प्रबंधक की आय ₹ **16,000–33,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3XnTiVK

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— कार्यक्रम प्रबंधन संगठन, होटल और बैंक्वेट हॉल, आदि।

कार्य वातावरण— आपको एक टीम नेतृत्व करना होगा। आपको काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। आप सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम कर सकते हैं। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है। आवश्यकता पड़ने पर आपको और अधिक भी कार्य करना पड़ सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

इवेंट कोऑर्डिनेटर / असिस्टेंट इवेंट मैनेजर →
इवेंट मैनेजर / सीनियर इवेंट कोऑर्डिनेटर →
सीनियर इवेंट मैनेजर / इवेंट डायरेक्टर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद, गुजरात
2. भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु, कर्नाटक
4. भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर, मध्य प्रदेश
5. भारतीय सामाजिक कल्याण एवं व्यापार प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. भारतीय प्रबंधन संस्थान चेन्नई, तमिलनाडु
7. शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, नई दिल्ली
8. राज्य होटल प्रबंधन संस्थान, रोहतक, हरियाणा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. तृतीय इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट, नई दिल्ली
2. नेशनल एकेडमी ऑफ इवेंट मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट, मुंबई, महाराष्ट्र
3. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट, नई दिल्ली
4. इम्पैक्ट इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट, नई दिल्ली
5. एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश
6. स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
7. अजिंक्य डी.वाई. पाटिल यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
8. जैन यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ran king.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

वंदना मोहन, देश की पहली महिला कार्यक्रम प्रबंधक हैं। उनकी कंपनी बैकस्टेज प्रोडक्शंस (अब द वेडिंग डिजाइन कंपनी) भी पूर्ण महिला इवेंट-मैनेजमेंट कंपनी है। उन्होंने राजनीति विज्ञान में स्नातक किया। मोहन अब तक 500 से अधिक शादियों में इवेंट-मैनेज करवा चुकी हैं।*

स्रोत— https://wow.outlookbusiness.com/vandana-mohan/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मानव संसाधन प्रबंधक

मानव संसाधन (एच.आर.) प्रबंधक, संगठन के लिए उपयुक्त कर्मचारियों की भर्ती के लिए उत्तरदायी होते हैं। ये मानव संसाधन (एच.आर.) विभाग में काम करते हैं तथा कंपनियों में विशिष्ट भूमिकाओं वाले उम्मीदवारों से मुलाकात, साक्षात्कार व समन्वय करते हैं और नए कर्मचारियों की नियुक्ति करते हैं। ये मुआवजा लाभ और सेवा समाप्ति का प्रबंध भी करते हैं। किसी भी कंपनी में एच.आर. विभाग एक सुरक्षित, स्वस्थ, तनाव मुक्त कार्य वातावरण बनाने और आंतरिक नीतियों पर दस्तावेज तैयार करने के लिए उत्तरदायी होता है।



व्यक्तिगत गुण

- आपके पास असाधारण पारस्परिक और संचार कौशल हो।
- आप दूसरों के साथ बातचीत करने में कुशल हों।
- आप लोगों के साथ आस-पास रहना पसंद करते हों।
- आप दूसरों को देखने और सुनने की इच्छा रखते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 12,000–1,50,000* के बीच है।*

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।।
2. मानव संसाधन में स्नातक (बी.बी.ए.) करें।

अथवा

मानव संसाधन प्रबंधन में स्नातकोत्तर करें।

अथवा

स्नातक (बी.ए./बी.एससी./बी.बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद मानव संसाधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मानव संसाधन प्रबंधक की आय
₹ 50,000–2,00,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Human_Resources_(HR)_Manager/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— संगठन के सुचारू संचालन के लिए सभी संगठनों को अधिक मानव संसाधन पेशेवरों की आवश्यकता होती है। आप राजकीय और निजी दोनों संस्थानों के लिए काम कर सकते हैं।

उद्यमिता— कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद, मानव संसाधन पेशेवर अपनी एजेंसियां आरंभ कर सकते हैं या स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप एक ऑफिस सेटअप में काम करें, अन्य सभी टीमों के साथ सहयोग करें और लोगों से रोजाना बातचीत करें। मानव संसाधन व्यवसायियों से भी उम्मीद की जाती है कि वे इवेंट मैनेजमेंट को समझें और साथ ही संगठन के भीतर समारोहों को सुविधाजनक बनाएँ।

अपेक्षित विकास पथ

एच.आर. इंटर्न → एच.आर. एक्जीक्यूटिव → असिस्टेंट मैनेजर → मैनेजर

इस भूमिका में पूर्णकालिक और अंशकालिक काम के अवसर उपलब्ध हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. लाला लाजपत राय कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली
3. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
4. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
6. विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल
7. मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई,, तमिलनाडु
8. उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यूजीसी से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. एमिटी इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, नोएडा, उत्तर प्रदेश
2. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई, महाराष्ट्र
4. सीएमआर यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर, पंजाब
6. कलिंगा यूनिवर्सिटी, नया रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़
7. सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking. html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

हेमा रविचंदर मानव संसाधन के क्षेत्र में एक अग्रणी विचारक हैं। भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद से अपनी प्रबंधन की डिग्री पूरी करने के बाद, उन्होंने वर्ष 1983 में मोटर इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड के साथ अपना करियर आरंभ किया। बाद में वर्ष 1992 में वह इंफोसिस में एच.आर. के प्रमुख के रूप में सम्मिलित हुईं। हेमा को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिसमें तीन एच.आर. प्रोफेशनल ऑफ द ईयर अवार्ड् और '25 सबसे शक्तिशाली भारतीय महिलाओं' की सूची में सम्मिलित है। सुश्री रविचंदर अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में प्रमुख समाचार पत्रों में कॉलम भी लिखती हैं।

स्रोत— https://hi.londonspeakerbureau.com/speaker-profile/hema-ravichandar/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

इन्वेंटरी प्रबंधक

इन्वेंटरी प्रबंधन से संबंधित कार्यों को निर्देशित करने और प्रबंधित करने के लिए एक इन्वेंटरी प्रबंधक उत्तरदायी होते हैं। ये उत्पादन योजना का समन्वय और योजना बनाते हैं, इन्वेंट्री का प्रबंधन करते हैं और अंतिम उत्पाद की योजना बनाते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप अपनी चीजों को व्यवस्थित रखना पसंद करते हों।
- आप काम करते समय विवरण पर ध्यान देते हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।
- आप नेतृत्व करना पसंद करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–3,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण (वाणिज्य को वरीयता)।
2. व्यावसाय प्रशासन/व्यवसाय प्रबंधन में स्नातक (बी.बी.ए./बी.बी.एम.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक पूर्ण करने के बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

इन्वेंटरी प्रबंधक की आय ₹ **15,200–83,400*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Inventory_Manager/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— उत्पादन इकाइयाँ, निजी और सार्वजनिक उत्पादन कंपनियाँ, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, कूरियर कंपनियाँ, कुटीर आधारित उद्योग, शिपिंग कंपनियाँ, सेना इत्यादि।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

इन्वेंटरी क्लर्क/कार्यकारी → इन्वेंटरी पर्यवेक्षक/सहायक प्रबंधक → इन्वेंटरी प्रबंधक → वरिष्ठ इन्वेंटरी प्रबंधक → रसद प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली
2. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू
3. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
4. पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
5. भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक, हरियाणा
6. दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
7. प्रबंधन विज्ञान विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
8. भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. रायसोनी समूह संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र
2. सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान
3. आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. शरणबासवा विश्वविद्यालय, गुलबर्गा, कर्नाटक
5. आर्केड बिजनेस कॉलेज, पटना, बिहार
6. ऑक्सब्रिज बिजनेस स्कूल, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. ज्योति निवास कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranki ng.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

श्रबणी सेनगुप्ता ने वित्तीय क्षेत्र में अपना करियर आरंभ किया जहाँ उन्होंने इस उद्योग में आने से पहले 10 साल तक काम किया। उन्होंने अर्थशास्त्र में स्नातक की पढ़ाई पूरी की है, जिसके बाद उन्होंने एस.वी.के.एम. के नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एन.एम.आई.एम.एस.) से मार्केटिंग में एम.बी.एम. किया। आज वे डी.एच.एल. एक्सप्रेस इंडिया की ग्राहक सेवा की उपाध्यक्ष हैं।*

स्रोत— http://cargotalk.in/women-in-logistics-making-a-mark/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग एग्जीक्यूटिव

नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग एग्जीक्यूटिव (के.पी.ओ.), नॉलेज इंटेंसिव गतिविधियों को आउटसोर्स करने की प्रक्रिया है। जिस व्यक्ति को सामान्यतः काम की जिम्मेदारी दी जाती है, उसे के.पी.ओ. कार्यकारी कहा जाता है और उसके पास सामान्यतः किसी विशेष क्षेत्र में एडवांस्ड डिग्री और विशेषज्ञता होती है।



व्यक्तिगत गुण

- आप हर तरह के लोगों से बात करने में सहज हों।
- आप एक अच्छे श्रोता हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का अनुसरण करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 1,00,000–9,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. वाणिज्य या विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. मार्केटिंग/फाइनेंस/एकाउंटिंग आदि में बैचलर (बी.कॉम./बी.एससी./बी.बी.एम./बी.बी.ए.) डिग्री करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में मास्टर (एम.कॉम./एम.बी.ए./एम.एससी./एम.बी.एम.) डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग एग्जीक्यूटिव की आय **₹ 23,958–1,40,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://in.talent.com/salary?job=international+kpo

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— निवेश बैंक, ब्रोकरेज हाउस, वित्तीय संस्थान आदि।

कार्य वातावरण— यह एक डेस्क जॉब है। प्रवेश स्तर पर आप किसी टीम को हैंडल नहीं करेंगे। स्थानीय यात्रा जॉब प्रोफाइल का भाग नहीं है। आपके पास नियमित काम के घंटे होने की संभावना रहेगी। आपको सप्ताह में 5–6 दिन, प्रतिदिन 9–10 घंटे काम करने की संभावना रहेगी।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

के.पी.ओ. एग्जीक्यूटिव → एसोसिएट एग्जीक्यूटिव → वरिष्ठ एसोसिएट वरिष्ठ के.पी.ओ. पूर्व-के.पी.ओ. प्रबंधक → टीम लीडर वरिष्ठ के.पी.ओ. प्रबंधक → सहायक-फंड प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
3. शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, नई दिल्ली
4. भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, कोच्चि कैंपस, कोच्चि, केरल
5. गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
6. दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
7. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
8. रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध है।)

1. स्कूल ऑफ बिजनेस, पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
2. स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, डॉ. डी.वाई. पाटिल विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
3. आई.बी.एस. बिजनेस स्कूल, हैदराबाद, तेलंगाना
4. वी.आई.टी. बिजनेस स्कूल, चेन्नई, तमिलनाडु
5. जामिया हमदर्द, नई दिल्ली
6. ए.आई.एम.एस. इंस्टीट्यूट्स, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. टेक्नो इंडिया विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.h tml



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

विजय भिसे वर्तमान में श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, मुंबई में एक टीम लीडर के रूप में काम करते हैं। उन्होंने पहले एटोस सिंटेल में के.पी.ओ. अधिकारी के रूप में काम किया था। भिसे ने विद्या प्रतिष्ठान, सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, महाराष्ट्र से वित्तीय प्रबंधन में एम.बी.ए. किया है और पुणे के तुलजाराम चतुरचंद कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक किया है।*

स्रोत— https://rocketreach.co/vijay-bhise-email_112909814

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

क्रय एवं सामग्री प्रबंधक

क्रय एवं सामग्री प्रबंधक की प्राथमिक भूमिका अन्य प्रबंधकों के साथ सहयोग करना और आपूर्ति की आवश्यकताों को निर्धारित करना है। वे उद्योग की आवश्यकता अनुसार आपूर्ति खरीदते हैं। कभी-कभी, वे सामान प्राप्त करने और भंडारण प्रक्रियाओं का समन्वय और पर्यवेक्षण भी करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप अपनी चीजों को व्यवस्थित रखना पसंद करते हों।
- आप कार्य करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।
- आप नेतृत्व करना पसंद करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ **1,71,000–16,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण (वाणिज्य को वरीयता)।
2. बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन/बिजनेस मैनेजमेंट में स्नातक (बी.बी.ए./बी.बी.एम.) की डिग्री करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच

अपेक्षित आय

क्रय और सामग्री प्रबंधक की आय
₹ **30,200– 1,67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Materials_Manager/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— उत्पादन इकाइयाँ, निजी और सार्वजनिक उत्पादन कंपनियाँ, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, कूरियर कंपनियाँ, कुटीर आधारित उद्योग, शिपिंग कंपनियाँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रबंधन प्रशिक्षु/फ्रंटलाइन पर्यवेक्षक → क्रय और सामग्री प्रबंधक → वरिष्ठ क्रय और सामग्री प्रबंधक → रसद प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली
2. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू
3. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
4. पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
5. भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात
6. दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
7. सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र
8. भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. रायसोनी समूह संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र
2. सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान
3. आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. शरणबासवा विश्वविद्यालय, गुलबर्गा, कर्नाटक
5. आर्केड बिजनेस कॉलेज, पटना, बिहार
6. ऑक्सब्रिज बिजनेस स्कूल, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. ज्योति निवास कॉलेज बेंगलुरु, कर्नाटक
8. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस, होसूर, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

पी.डी.पी. समूह की उप-महाप्रबंधक **अनुश्री सेन** का कहना है— चूँकि वे एक महिला थीं, इसलिए उन्हें इस उद्योग में अपने ग्राहकों और सहयोगियों के सामने अपनी योग्यता साबित करने में काफी समय लगा। उन्होंने सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय से मानव संसाधन प्रबंधन/कार्मिक प्रशासन में एम.बी.ए. पूरा किया है। वे पहली बार ग्राहक सेवा कार्यकारी के रूप में एक अंतरराष्ट्रीय माल अग्रेषण कंपनी में सम्मिलित हुईं और वहीं से आगे बढ़ीं।*

स्रोत— http://cargotalk.in/women-in-logistics-making-a-mark/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

खुदरा प्रबंधक

खुदरा प्रबंधक, सामान और सेवाओं की बिक्री के लिए रिटेल आउटलेट के दिन-प्रतिदिन के कामकाज का प्रबंधन करते हैं। वे किसी भी फुटकर सामान के स्टोर की सफलता के लिए उत्तरदायी हैं। एक रीटेल प्रबंधक स्टोर के कर्मचारियों की देख-रेख करता है, ग्राहकों की संतुष्टि बनाए रखता है और इन्वेंट्री और स्टॉक की देख-रेख करता है। फुटकर सामान के प्रबंधन में विभिन्न भूमिकाएँ हैं। रिटेल मैनेजर, स्टोर मैनेजर, वेयरहाउस मैनेजर, ब्रांड मैनेजर, कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव, इमेज प्रमोटर, मर्चेंडाइज मैनेजर, डिपार्टमेंट मैनेजर आदि।

व्यक्तिगत गुण

- आपके पास उत्कृष्ट संचार और जन-प्रबंधन कौशल हो।
- आप निर्णय लेने में कुशल हों।
- आप योजना बनाने और समन्वय करने में रुचि रखते हो।
- आप समस्याओं को हल करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 20,000–4,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय संयोजन के साथ 10+2 उत्तीर्ण करें।।
2. रिटेल मैनेजमेंट में बैचलर (बी.बी.ए.) डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

रिटेल मैनेजमेंट में स्नातक पूरा करें और फिर रिटेल मैनेजमेंट/मार्केटिंग में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा करें या रिटेल मैनेजमेंट में बैचलर डिग्री प्राप्त करें और फिर रिटेल मैनेजमेंट में एम.बी.ए. करें बैचलर डिग्री के लिए प्रवेश के लिए आपको इन प्रवेश परीक्षाओं में से किसी एक में उत्तीर्ण होना चाहिए— सी.ई.टी., सेट, डी.यू.जे.ए.टी. आदि और पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री के लिए आपको निम्नलिखित में से किसी भी परीक्षा में उत्तीर्ण होना चाहिए— कैट/एक्स ए.टी./जी.एम.ए.टी./स्नेप /एन.एम.ए.टी./सीमैट।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

खुदरा प्रबंधक की आय **₹ 25,000–75,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/retail-manager-salary-SRCH_KO0,14.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— खुदरा (रिटेल) कंपनियाँ-स्टोर, शोरूम, सुपर मार्केट, डिपार्टमेंट स्टोर, रिटेल व्यवसाय।

कार्य वातावरण— आप पर्यवेक्षी जिम्मेदारियों के साथ डेस्क और कार्यालय उन्मुख वातावरण में काम करेंगे।

आपको वरिष्ठ अधिकारियों और अधिकारियों की एक टीम की निगरानी करने की आवश्यकता होगी। कुछ यात्रा सम्मिलित हो सकती है।

सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे कार्य है। यह संगठन-से-संगठन में भिन्न होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

विक्रेता → बिक्री पर्यवेक्षक, खुदरा (रिटेल) व्यापार → प्रबंधक, खुदरा व्यापार → महाप्रबंधक, (रिटेल) व्यापार → निदेशक, (रिटेल) व्यापार → कार्यकारी मालिक, (रिटेल) व्यापार

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
2. लाला लाजपत राय कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली
3. शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, नई दिल्ली
4. जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली
5. सिडेनहम कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, मुंबई, महाराष्ट्र
6. सेरामपुर कॉलेज, सेरामपुर, पश्चिम बंगाल
7. गवर्नमेंट कॉलेज, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश
8. गवर्नमेंट कॉलेज ऑटोनॉमस, राजमुंद्री, आंध्र प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. एमिटी इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, नोएडा, उत्तर प्रदेश
3. नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई, महाराष्ट्र
4. फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर, राजस्थान
5. लोयोला कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
6. एम.सी.एम. डीएवी कॉलेज फॉर वुमन, चंडीगढ़
7. डॉ. डी.वाई. पाटिल आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
8. जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर, झारखंड

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

नंदिता सिन्हा, पहले फ्लिपकार्ट में काम करती थीं, उन्होंने 1 जनवरी 2022 को मिंत्रा में सी.ई.ओ. के रूप में कार्यभार संभाला। अपनी भूमिका में, वे खुदरा (रिटेल) रणनीति और योजना, व्यवसाय निष्पादन, आपूर्ति-शृंखला की माँग और ग्राहकों की संतुष्टि के लिए उत्तरदायी हैं। नंदिता सिन्हा के पास ई-कॉमर्स और एफ.एम.सी.जी. में 16 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड से अपना करियर आरंभ किया और बाद में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के लिए काम किया।

स्रोत— https://thenewsmen.co.in/high-flyers/nandita-sinha-know-the-ceo-of-myntra/87713

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

ग्रामीण विकास विशेषज्ञ/प्रबंधक

ग्रामीण विकास अधिकारी, राज्य सरकार का एक अधिकारी होता है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के विकास कार्यों से संबंधित होता है। वह मुख्य रूप से विकासात्मक योजनाओं की निगरानी और उन्हें सौंपे गए क्षेत्रों में उनके कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी होता है। ग्रामीण विकास पेशेवर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता और आर्थिक कल्याण में सुधार के तरीकों का अध्ययन, प्लानिंग, आयोजन, निर्देशन और नियंत्रण करते हैं। वे कृषि, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, सामाजिक स्थितियों, अर्थव्यवस्था, रोजगार, प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन, बैंकिंग और वित्त, प्रौद्योगिकी और उद्योगों में मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित कृषि योजनाओं, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगों के लिए योजनाएँ, मनरेगा, स्वास्थ्य और चिकित्सा सुविधाएँ आदि से संबंधित कार्य करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप सबके साथ वार्तालाप में सहज हों।
- आप नेतृत्व करने में सक्षम हों।
- आप चीजों को व्यवस्थित करना पसंद करते हों।
- आप एक टीम में काम करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 45,000–3,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. ग्रामीण अध्ययन/ग्रामीण विकास/ग्रामीण प्रबंधन में स्नातक।

अथवा

ग्रामीण प्रबंधन/ग्रामीण विकास में डिप्लोमा करें।

अथवा

किसी भी विषय में स्नातक के बाद ग्रामीण विकास/ग्रामीण प्रबंधन या किसी भी संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

3. ग्रामीण प्रबंधन में यू.जी., पी.जी. कोर्स कराने वाले प्रबंधन संस्थानों में प्रवेश के लिए आपको कैट/एक्स.ए.टी./आई.आर.एम.ए.एस.ए.टी./एम.ए.टी./स्नैप/सी.मैट. जैसी प्रवेश परीक्षाओं में से किसी एक परीक्षा को उत्तीर्ण करना होगा।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

ग्रामीण विकास विशेषज्ञ/प्रबंधक की आय
₹ 50,000–2,50,000* प्रतिमाह के बीच है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/ rural-development-manager-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— पंचायती राज संस्थान, ग्रामीण सहकारिता, गैर राजकीय संगठन, कृषि व्यवसाय, सार्वजनिक या निजी क्षेत्र ग्रामीण विकास पहल या नेतृत्व की भूमिका वाले दाता-वित्तपोषित कृषि विकास परियोजनाएँ।

उद्यमिता— आप अपना स्टार्ट-अप आरंभ कर सकते हैं या ग्रामीण समुदायों के कल्याण के लिए गैर राजकीय संगठन या स्वैच्छिक एजेंसी भी आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— इसमें व्यापक क्षेत्र का काम और यात्रा सम्मिलित है। सामान्यतः आपके पास एक कार्यालय होगा, लेकिन आप जिस प्रकार के संगठन में काम कर रहे हैं, उसके आधार पर नियमित रूप से क्षेत्र में भी काम करेंगे।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

ग्रामीण विकास विशेषज्ञ → वरिष्ठ ग्रामीण विकास → विशेषज्ञ → ग्रामीण विकास प्रबंधक → वरिष्ठ ग्रामीण → विकास प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
2. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान
3. महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
4. सम्बलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा
5. कौशाली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, धारवाड़, कर्नाटक
6. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर
7. सेंटर फॉर स्टडीज इन रूरल मैनेजमेंट, गुजरात विद्यापीठ, गांधीनगर, गुजरात
8. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. के.एस.आर.एम., भुवनेश्वर, ओडिशा
2. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, कलकत्ता, पश्चिम बंगाल
3. इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, जयपुर, राजस्थान
4. इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, आनंद, गुजरात
5. जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस, रांची, झारखंड
6. जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर, ओडिशा

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सहाना मिश्रा को लिंग, सतत कृषि और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर काम करने का 24 साल का अनुभव है। उन्होंने महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए सामूहिक रूप से निर्माण करने में बड़े पैमाने पर काम किया है। सहाना ने एम.पी., ओडिशा और बिहार में राजकीय विभागों के साथ मिलकर काम किया है। वे राजकीय और गैर-राजकीय एजेंसियों के साथ साझेदारी में जमीनी स्तर पर बड़े पैमाने की विकास परियोजनाओं को डिजाइन करने और लागू करने में कुशल है। वे अर्थशास्त्र में स्नातक हैं और उनके पास ग्रामीण प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा है और वे संयुक्त राज्य अमेरिका में मैक्केन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल लीडरशिप में लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम में फेलो थीं।*

स्रोत— https://www.pradan.net/who-we-are/#ourteam

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

बिक्री एवं विपणन प्रबंधक

बिक्री एवं विपणन (सेल्स एवं मार्केटिंग) एक महत्वपूर्ण कॉर्पोरेट कार्य है, जो सेवा/उत्पाद के मार्केटिंग और माँगों को बिक्री में परिवर्तित करने पर केंद्रित है। बिक्री और विपणन प्रबंधक विपणन रणनीति का विकास करना, बाजार का अनुसंधान करना, प्रचार और विज्ञापन बनाना, जनसंपर्क संभालना आदि कार्य करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप लोगों को मनाने या प्रभावित करने की कोशिश करना पसंद करते हों।
- आपके पास बेहतरीन संचार कौशल हों।
- आप अपने लिए नए लक्ष्य निर्धारित करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,00,000–3,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।।
2. किसी भी विधा में स्नातक करें, उसके बाद बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.) में पी.जी. डिप्लोमा/स्नातकोत्तर करें। स्नातक में प्रवेश के लिए आपको इन प्रवेश परीक्षाओं में से किसी एक में उत्तीर्ण होना चाहिए— सी.ई.टी., सेट, डी.यू. जे.ए.टी. आदि और स्नातकोत्तर के लिए आपको निम्नलिखित में से किसी भी परीक्षा में उत्तीर्ण होना चाहिए— कैट/एक्स. ए.टी./जी.एम.ए.टी./स्नेप/एन.एम.ए.टी./सीमैट

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

बिक्री और विपणन प्रबंधक की आय ₹ **24,000– 84,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Sales_and_Marketing_Manager/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— कॉर्पोरेट घराने, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ, निजी कंपनियाँ, निगम, बैंक।

कार्य वातावरण— यह डेस्क जॉब नहीं है, आपको स्थानीय/देशव्यापी यात्रा करनी पड़ सकती है। आपको किसी दल का नेतृत्व करना पड़ सकता है। काम के घंटे दिन-प्रतिदिन बदलते रहते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

बिक्री प्रतिनिधि → बिक्री पर्यवेक्षक → क्षेत्र बिक्री प्रबंधक → क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक/आंचलिक बिक्री प्रबंधक → सामान्य बिक्री प्रबंधक → निदेशक बिक्री

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन या वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात
2. भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. प्रबंधन अध्ययन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
5. सिडेनहम कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, मुंबई, महाराष्ट्र
6. भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोझिकोड, केरल
7. भारतीय प्रबंधन संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
8. मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर/ग्वालियर, मध्य प्रदेश
2. पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय, सूरत, गुजरात
3. लाल बहादुर शास्त्री प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, इंदौर, मध्य प्रदेश
4. प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
5. इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, नई दिल्ली
6. आई.बी.एम.आर. आई.बी.एस., बेंगलुरु, कर्नाटक
7. इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
8. नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking .html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

गौतम विज, टायर से लेकर अन्य उपकरणों तक और ग्लोबल कंज्यूमर हेल्थकेयर (जी.सी.एच.सी.) में रैनबैक्सी में यू.पी., उत्तरांचल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में काम कर रहे हैं। लखनऊ से वाणिज्य स्नातक में डिप्लोमा धारक विज का मानना है कि वे किसी भी परिस्थिति में काम कर सकते हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिलिप्स लाइटिंग, गॉडफ्रे फिलिप्स और एम.आर.एफ. टायर्स में एक डिस्ट्रीब्यूटर सेल्समैन के रूप में की तथा अपनी सीख और अनुभव को कार्य में लाने के लिए वे अधिक विविध भूमिकाओं में चले गए। वे अब रैनबैक्सी सेंट्रल में क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक हैं।

स्रोत— https://economictimes.indiatimes.com/meet-indias-top-salesmen/articleshow/768185.cms

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

खेल एजेंट/प्रबंधक

खेल प्रबंधक, सहायता प्राप्त करने, एथलेटिक गतिविधियों की देखरेख करने और खेल के व्यापार पक्ष को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल प्रबंधक एथलीटों को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित होने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करना भी सुनिश्चित करता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपकी खेलों में रुचि हो।
- आप टीम में काम करना पसंद करते हों।
- आप एक कुशल संवादकर्ता हों।
- आप नए उत्तरदायित्वों को लेने के लिए तत्पर हों।
- आप समस्याओं को हल करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **25,000–5,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।।
2. बिजनेस मैनेजमेंट/स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में स्नातक (बी.बी.ए../बी.कॉम) करें या उसी क्षेत्र में स्नातक के बाद स्नातकोत्तर (एम.बी.ए./एम.कॉम) की डिग्री प्राप्त करें या स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

खेल प्रबंधक या एजेंट की आय ₹ **64,185–1,10,592*** प्रतिमाह के बीच है।

स्रोत— https://www.salaryexpert.com/salary/job/sports-management/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— पेशेवर खेल टीमें, माइनर लीग टीमें, कॉलेज या हाई स्कूल स्तर की एथलेटिक्स आदि।

उद्यमिता— आप खेल प्रबंधन का अपना व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप एक कार्यालय सेटिंग में काम करेंगे, लेकिन एक एथलेटिक सीजन के दौरान, आपको बड़े कार्यक्रमों के लिए यात्रा करने की आवश्यकता हो सकती है। आपके अन्य एथलेटिक्स पेशेवरों, टीम के सदस्यों, मीडियाकर्मियों या भागीदारों के साथ बैठकें करने की संभावना है। जब आप नियमित घंटे काम कर रहे होंगे, आपको खेल के मौसम के दौरान लंबे समय तक काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक प्रबंधक → खेल प्रबंधक

अथवा

सहायक प्रबंधक → खेल प्रबंधक → खेल निदेशक

अथवा

सहायक प्रबंधक → खेल प्रबंधक → स्वयं के व्यवसाय के सीईओ

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड बिजनेस मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक, हरियाणा
4. अलगप्पा विश्वविद्यालय, कराइकुडी, तमिलनाडु
5. जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान
6. स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात
7. एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
8. तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स एंड मैनेजमेंट, मुंबई, महाराष्ट्र
2. जॉर्ज कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. आयरनवुड स्पोर्ट्स मैनेजमेंट ग्लोबल एकेडमी, मुंबई, महाराष्ट्र
4. श्यामाप्रसाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. स्कूल ऑफ मैनेजमेंट डॉ. डी.वाई. पाटिल विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
6. के.जे. सोमैया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, मुंबई, महाराष्ट्र
7. एम.आई.टी. स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, पुणे, महाराष्ट्र
8. आई.एस.बी.आर. बिजनेस स्कूल, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

विल्बर लासराडो, इन्वेंटिव स्पोर्ट्स यू.के. में प्लेयर रिलेशन मैनेजर हैं। उन्होंने मैनेजमेंट स्टडीज में स्नातक किया है। 25 वर्षीय विल्बर लासराडो को भारतीय फुटबॉल में सबसे प्रमुख एजेंटों में से एक माना जाता है। वे एरोन डी'कोस्टा, ऑगस्टिन फर्नांडीस, अलीश सावंत, संजय बालमुचु, बियाक्लिन पैटे और अभिषेक दास जैसे खिलाड़ियों के मैनेजर रह चुके हैं।*

स्रोत— https://www.wionews.com/sports/making-a-football-agent-wilbur-lasrado-342430

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

खेल उपकरण प्रबंधक

खेल उपकरण प्रबंधक किसी खेल टीम द्वारा उपयोग किए जाने वाले उपकरणों और कपड़ों के भंडारण (स्टॉकिंग), व्यवस्था, रख-रखाव और निगरानी के लिए उत्तरदायी होते हैं। वे यह भी सुनिश्चित करते हैं कि खिलाड़ियों द्वारा उपयोग किए जाने से पहले सभी उपकरण सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करें।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी खेलों में रुचि हो।
- आप टीम में काम करना पसंद करते हों।
- आप नए उत्तरदायित्वों को लेने के लिए तत्पर रहते हों।
- आप चीजों को व्यवस्थित करना पसंद करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–5,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. खेल प्रबंधन में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

अथवा

स्नातक के बाद प्रमाणन पाठ्यक्रम करें।

अथवा

स्नातक के बाद खेल उद्योग में इंटर्नशिप करें, उसके बाद खेल प्रबंधन में स्नातकोत्तर करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

खेल उपकरण प्रबंधक की आय ₹ **9,000–1,26,042*** प्रतिमाह के बीच है।

स्रोत— https://in.talent.com/salary?job=equipment+manager

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— पेशेवर खेल टीमें, मामूली लीग टीमें, कॉलेज या हाई स्कूल स्तर की एथलेटिक्स और खेल उपकरण कंपनियाँ आदि।

उद्यमिता— आप अपनी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट कंपनी आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आपके खेल सुविधा के उपकरण-कक्ष में काम करने की संभावना है, जैसे– स्टेडियम, अखाड़ा या व्यायामशाला। सामान्यतः आप सप्ताह में लगभग 45 घंटे काम करेंगे, लेकिन जिस खेल में आप सम्मिलित हैं, उसके लिए आपको पीक सीजन के दौरान अतिरिक्त घंटे काम करने की आवश्यकता हो सकती है। काम शारीरिक रूप से थकाने वाला हो सकता है, क्योंकि आपको भारी उपकरण उठाने और ले जाने पड़ सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक उपकरण प्रबंधक → उपकरण प्रबंधक → प्रशासनिक सहायक

अथवा

सहायक उपकरण प्रबंधक → उपकरण प्रबंधक → एक खेल उपकरण कंपनी में उच्च स्तरीय भूमिका

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड बिजनेस मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक, हरियाणा
4. अलगप्पा विश्वविद्यालय, कराइकुडी, तमिलनाडु
5. जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान
6. स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात
7. एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
8. तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स एंड मैनेजमेंट, मुंबई, महाराष्ट्र
2. जॉर्ज कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. आयरनवुड स्पोर्ट्स मैनेजमेंट ग्लोबल एकेडमी, मुंबई, महाराष्ट्र
4. श्यामाप्रसाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. स्कूल ऑफ मैनेजमेंट डॉ. डी.वाई. पाटिल विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
6. के.जे. सोमैया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, मुंबई, महाराष्ट्र
7. एम.आई.टी. स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, पुणे, महाराष्ट्र
8. आई.एस.बी.आर. बिजनेस स्कूल, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

दीपेश गवंद, मुंबई सिटी फुटबॉल क्लब के खेल उपकरण प्रबंधक हैं। उन्होंने एग्नेल पॉलिटेक्निक, वशी, मुंबई से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया है। इससे पहले, गवंद, नवी मुंबई स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अंतर्गत फुटबॉल खेलते थे। *

स्रोत— https://twitter.com/gawanddeepesh

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

संचालन, रसद एवं आतिथ्य



एयर होस्टेस/परिचारक

एयर होस्टेस या परिचारक, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानों पर यात्रियों की सुरक्षा और उनके लिए व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में दक्ष हों।
- आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा हो।
- आपमें सहानुभूति और करुणा हो।
- आपमें समस्याओं को सुलझाने का कौशल हो।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 80,000–3,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. एयर होस्टेस प्रशिक्षण/विमानन/अतिथि सत्कार और यात्रा प्रबंधन/यात्रा और पर्यटन प्रबंधन/अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइन और यात्रा प्रबंधन या संबंधित किसी विषय-वर्ग में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

अथवा

एयर होस्टेस प्रशिक्षण/क्रू/फ्लाइट अटेंडेंट प्रशिक्षण/विमानन और अतिथि सत्कार प्रबंधन/विमानन ग्राहक सेवा/अतिथि सत्कार और यात्रा प्रबंधन या किसी अन्य संबंधित विषय में डिप्लोमा या प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम करें।

कृपया नामांकन के दौरान कोर्स अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

आहार विशेषज्ञ की आय **₹ 25,000–80,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.ncs.gov.in/contentrepository/Pages/ViewNcoDetails.aspx?NCSCode=5111.0300&Source=https://www.ncs.gov.in/content-repository/Pages/ViewNcos.aspx?FilterField1=Industry_x002F_Sector_x0028_s_x0&FilterValue1=Aerospace%2and%2Aviation

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— वाणिज्यिक एयरलाइंस।

कार्य वातावरण— यह एक फील्ड जॉब है। इसमें यात्रा जॉब प्रोफाइल का एक महत्वपूर्ण भाग होता है। आप को लगातार 7 दिनों में अधिकतम 65 घंटे के साथ सप्ताह में 5–6 दिन काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → फ्लाइट अटेंडेंट और ट्रैवल स्टीवर्ड्स → फ्लाइट अटेंडेंट प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

एयर होस्टेस प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. अन्नई इंदिरा एयर होस्टेस प्रशिक्षण अकादमी, कन्याकुमारी, तमिलनाडु
2. पेरियार विश्वविद्यालय, पेरियार, सेलम, तमिलनाडु
3. अदिति महाविद्यालय, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. फ्रैंकफिन इंस्टीट्यूट ऑफ एयर होस्टेस ट्रेनिंग
2. वेस्टर्न इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स, अहमदाबाद,गुजरात
3. फ्लाईव्हील एविएशन अकादमी, नागपुर, महाराष्ट्र
4. एप्टेक एविएशन अकादमी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. पी.टी.सी., एविएशन अकादमी, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. बॉम्बे फ्लाइंग क्लब, मुंबई, महाराष्ट्र
7. यूनिवर्सल एविएशन अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु
8. सिविल एविएशन ट्रेनिंग सेंटर, नई दिल्ली

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

गोपिका गोविंद सितंबर 2022 में केरल में एयर होस्टेस के रूप में उड़ान भरने वाली पहली अनुसूचित जनजाति की महिला बनीं। उन्होंने रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर करने बाद ड्रीम स्काई एविएशन ट्रेनिंग में आई.ए.टी.ए. (भारतीय विमानन प्रशिक्षण अकादमी) ग्राहक सेवा अकादमी, वायनाड में डिप्लोमा का विकल्प चुना।*

स्रोत— https://www.newindianexpress.com/good-news/2022/sep/01/12-year-old-dream-comes-true-kerala-tribal-girl-becomes-air-hostess-2493590.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

हवाई यातायात नियंत्रक

हवाई यातायात नियंत्रक, विमानों की गतिविधियों को निर्देशित करने तथा दूर से उनकी निगरानी करने का कार्य करते हैं, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और उनके विलंब को कम किया जा सके।





व्यक्तिगत गुण

- आप एक कुशल संचारकर्ता हों।
- आप एक टीम में काम करना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देना पसंद करते हों।
- आपको विज्ञान और गणित में रुचि हो।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति—अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप—भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **2,00,000 – 10,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. इंजीनियरिंग में स्नातक (विशेष रूप से कंप्यूटर विज्ञान, दूरसंचार, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक या रेडियो इंजीनियरिंग में) करें।

भारत में एयर ट्रैफिक कंट्रोलर बनने के लिए, आपको नागरिक उड्डयन प्राधिकरण द्वारा आयोजित नागरिक ए.टी.सी. परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

हवाई यातायात नियंत्रक की आय ₹ **20,000–60,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत—https://www.ncs.gov.in/contentrepository/Pages/ViewNcoDetails.aspx?NCSCode=3154.0100&Source=https://www.ncs.gov.in/content-repository/Pages/ViewNcos.aspx?FilterField1=Industry_x002F_Sector_x0028_s_x0&FilterValue1=Aerospace%2and%2Aviation

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप सामान्यतः हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों और नियंत्रण टावरों में तैनात रहेंगे।

कार्य वातावरण— आप सामान्यतः सप्ताह में लगभग 8 घंटे काम करेंगे, लेकिन यह समय दिन, रात, सप्ताहांत और सार्वजनिक छुट्टियों के दौरान हो सकता है। हवाई यातायात नियंत्रण को 24 घंटे काम करना पड़ता है, इसलिए पालियों में कार्य यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि हमेशा कोई ना कोई अवश्य कार्यरत हो।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → सहायक हवाई यातायात नियंत्रक → हवाई यातायात नियंत्रक → हवाई यातायात नियंत्रक विशेषज्ञ

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम एयरोनॉटिकल या एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

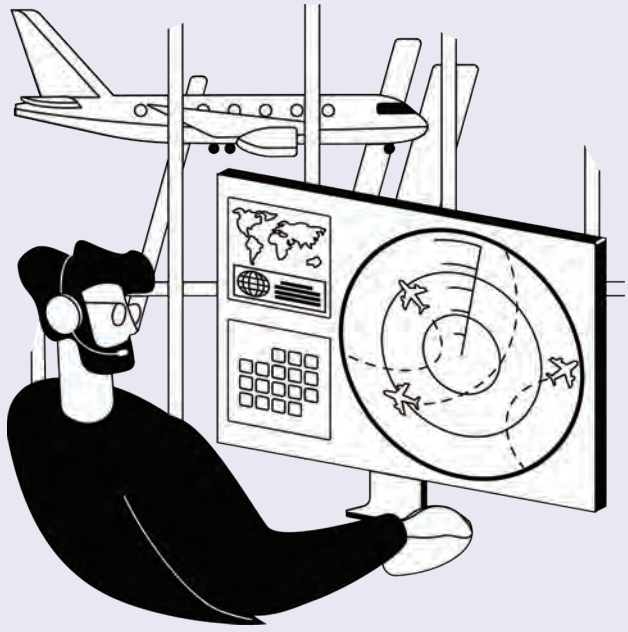
1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, तमिलनाडु
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, असम
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
6. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिची, चेन्नई, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. मणिपाल संस्थान, कर्नाटक
2. हिंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, चेन्नई, तमिलनाडु
3. मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश
4. थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला, पंजाब
5. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

श्यामली हलधर वर्ष 2020 में कोलकाता में ए.टी.सी. की प्रमुख बनने वाली देश की पहली महिला हवाई यातायात नियंत्रक बनीं। हलदर तीन दशक पहले वर्ष 1989 में भर्ती की गई, जो महिला यातायात नियंत्रकों के पहले बैच से संबंधित हैं। उन्होंने इलाहाबाद में नागरिक उड्डयन प्रशिक्षण कॉलेज में प्रशिक्षण लिया, जिसके बाद उन्हें वर्ष 1991 में कोलकाता में नियुक्त किया गया। उस समय वह और उनकी बैचमेट, आर्यमा सान्याल अकेली महिला एयर ट्रैफिक कंट्रोलर थीं।*

स्रोत— https://timesofindia.indiatimes.com/city/kolkata/skys-the-limit-for-1st-woman-atc-boss/articleshow/79538434.cms

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

एयरक्राफ्ट पायलट

पायलट विमान को उड़ाने वाला पेशेवर व्यक्ति होते हैं। ये भारत में पायलट नागर विमानन (सिविल एविएशन) या भारतीय रक्षा बलों में हो सकते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप दबाव में भी कार्य करने में सक्षम हों।
- आपके पास उत्कृष्ट संचार कौशल हो।
- आप गणित और विज्ञान में कुशल हों।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति — अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप — भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- छात्रवृत्ति के विवरण के लिए www.buddy4study.com पर जाएँ। यह कक्षा 11 से आरंभ होने वाली छात्रवृत्तियों को प्राप्त करने का एक माध्यम है।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 15,00,000 – 50,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

नागरिक उड्डयन (गैर-सैन्य) के लिए—

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. किसी विमानन संस्थान से उड़ान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा करें और वाणिज्यिक या पायलट लाइसेंस के लिए आवेदन करें।

अथवा

विमानन प्रबंधन में स्नातक डिग्री या बी.बी.ए. (विमानन) करें और फिर किसी विमानन संस्थान में नामांकन करें।

रक्षा बलों के लिए—

3. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
4. विज्ञान विषय में स्नातक के बाद निम्न में से कोई एक परीक्षा दें— ए.एफ.सी.ए.टी. (वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा), एन.डी.ए. (संघ लोक सेवा आयोग राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी परीक्षा) (यह परीक्षा कक्षा 12 के बाद सीधे दी जा सकती है), सी.डी.एस.ई. (संघ लोक सेवा आयोग संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा)"

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

हवाई यातायात नियंत्रक की आय
₹ 1,00,000–2,00,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ncs.gov.in/contentrepository/Pages/ViewNcoDetails.aspx?NCSCode=3153.0400&Source=https://www.ncs.gov.in/content-repository/Pages/ViewNcos.aspx?FilterField1=Industry_x002F_Sector_x0028_s_x0&FilterValue1=Aerospace%2and%20Aviation

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय रक्षा बल, नागरिक उड्डयन एयरलाइंस।

कार्य वातावरण— एक एयरलाइन पायलट के रूप में, आपसे कॉकपिट में अधिक समय तक बैठने की अपेक्षा की जाती है। इसमें आप लंबी उड़ानों के दौरान थकान और जेट लैग का अनुभव कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आपको कई दिनों तक घर से दूर भी रहना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → सह-पायलट → पायलट, जनरल → मुख्य पायलट



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम उड्डयन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. अहमदाबाद एविएशन एंड एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
2. बिहार फ्लाइंग इंस्टीट्यूट, पटना, बिहार
3. फ्लाइटेक एविएशन अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना
4. गवर्नमेंट एविएशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, भुवनेश्वर, ओडिशा
5. गवर्नमेंट फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
7. छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश
8. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी, फुरसतगंज, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. एशिया पैसिफिक फ्लाइट ट्रेनिंग अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना
2. अकादमी ऑफ कार्वर एविएशन, मुंबई, महाराष्ट्र
3. अलकेमिस्ट एविएशन, जमशेदपुर, झारखंड
4. एंबिशन फ्लाइंग क्लब, हरिगढ़, उत्तर प्रदेश
5. ब्लू रे एविएशन प्राइवेट लिमिटेड, उस्मानाबाद एयरफील्ड, खेड, महाराष्ट्र
6. वेल्स इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड स्टडीज, चेन्नई, तमिलनाडु
7. बनस्थली विद्यापीठ, जयपुर, राजस्थान
8. पुणे इंस्टीट्यूट ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी, पुणे, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

फ्लाइट लेफ्टिनेंट **अवनी चतुर्वेदी** मध्य प्रदेश की एक भारतीय पायलट हैं। उन्हें जून वर्ष 2016 में भारतीय वायु सेना में पहली महिला लड़ाकू पायलट घोषित किया गया था। उन्होंने वर्ष 2014 में स्नातक किया और उसी वर्ष ए.एफ.सी.ए.टी. की परीक्षा दी।*

स्रोत— https://www.ndtv.com/india-news/international-womens-day-2020-indian-air-forces-first-3-female-fighter-pilots-get-nari-shakti-pursk-2191833

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

एयरलाइन कार्गो असिस्टेंट

वायुयान मालवाहक सहायक (एयरलाइन कार्गो असिस्टेंट) का कार्य हवाई जहाज से सामान भेजने और प्राप्त करने के सभी कामों को देखना होता है। जैसे कि सामान के दस्तावेज तैयार करना, ग्राहकों की सहायता करना, सामान लेना, सामान पहुँचाना, सामान ढोने वाले उपकरण चलाना और सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना आदि।



व्यक्तिगत गुण

- आप सबके साथ बातचीत में सहज हों।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप अपने काम का रिकॉर्ड रखने में अच्छे हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **7,000–70,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट— न्यूनतम योग्यता सामान्यतः 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण करें। कार्गो हैंडलिंग में सर्टिफिकेट, एयर कार्गो ऑपरेशन में सर्टिफिकेट।

डिप्लोमा— संस्थान के आधार पर 10वीं, 12वीं उत्तीर्ण या स्नातक। एयर कार्गो मैनेजमेंट में डिप्लोमा, लॉजिस्टिक्स और एयर कार्गो में डिप्लोमा।

स्नातक— न्यूनतम आवश्यक प्रतिशत (संस्थान के अनुसार अलग-अलग) के साथ 12वीं कक्षा (10+2) उत्तीर्ण करें। लॉजिस्टिक्स और कार्गो में बी.बी.ए., एविएशन या संबंधित क्षेत्रों में बी.एससी.।

स्नातकोत्तर— संबंधित क्षेत्र (जैसे– लॉजिस्टिक्स, एविएशन या प्रबंधन) में स्नातक की डिग्री। एविएशन और कार्गो मैनेजमेंट में एम.बी.ए., लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में पी.जी. डिप्लोमा।

डॉक्टरेट— शोध क्षमता वाले प्रासंगिक क्षेत्र में स्नातकोत्तर। लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में पी.एचडी.।

अल्पकालिक पाठ्यक्रम— आई.ए.टी.ए. एयर कार्गो परिचयात्मक पाठ्यक्रम, एयर कार्गो सुरक्षा और संचालन प्रशिक्षण।

कृपया नामांकन के समय पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच कर लें

अपेक्षित आय

एयरलाइन कार्गो असिस्टेंट की आय ₹ **15,000–24,500*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://in.talent.com/salary?job=cargo+assistant

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सार्वजनिक और निजी एयरलाइंस।

कार्य वातावरण— यह डेस्क जॉब नहीं है। इसमें स्थानीय यात्रा आवश्यक है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध नहीं हैं। आपको सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करना पड़ता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

एयरलाइन कार्गो असिस्टेंट → विमान कार्गो हैंडलिंग → प्रबंधक संचालन → क्षेत्रीय प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थान, जो एयर कार्गो मैनेजमेंट में पाठ्यक्रम संचालित करते हैं। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. द इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, कोच्चि, केरल
2. एयरबोर्न अकादमी, नई दिल्ली
3. पारुल विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
4. पैनेक अकादमी, अहमदाबाद, गुजरात
5. ब्लू व्हेल अकादमी, मुंबई, महाराष्ट्र
6. फॉर्च्यून एविएशन अकादमी, देहरादून, उत्तराखंड
7. पी.टी.सी. एविएशन अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

रिजेश कुमार वर्तमान में एयर इंडिया के साथ एक वरिष्ठ ग्राहक सेवा एजेंट के रूप में काम करते हैं। 1 अप्रैल 2008 से 31 मार्च 2009 के बीच उन्होंने एयर इंडिया कालीकट इंटरनेशनल एयरपोर्ट में कार्गो असिस्टेंट के पद पर कार्य किया। उनके दायित्वों में अन्य चीजों के साथ-साथ कार्गो का वजन करना, निर्यात कार्गो तैयार करना और आयात/निर्यात रजिस्टर को अपडेट करना सम्मिलित था। कुमार ने एम.जी. यूनिवर्सिटी कोट्टायम, केरल से गणित में स्नातक किया है।*

स्रोत— https://people.bayt.com/rijeshkumar-vk/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

वायुयान ग्राहक सेवा कार्यकारी

वायुयान ग्राहक सेवा कार्यकारी, यात्रियों और हवाई अड्डे के कर्मचारियों, जैसे– पायलट और इंजीनियर की आवश्यकताओं और सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उत्तरदायी होते हैं। वे उड़ान से पहले और बाद में ग्राहकों की सहायता करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप सबके साथ बातचीत करने में सहज हों।
- आप नए उत्तरदायित्वों को लेने के लिए तत्पर हों।
- आपको समस्याओं को सुलझाना और सहायता करना पसंद हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

डिप्लोमा स्तर— पूरे पाठ्यक्रम के लिए
₹ 30,000–1,50,000*

स्नातक— रुपये 1,00,000–4,00,000* प्रति वर्ष

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।

अथवा

2 वर्ष का कार्य अनुभव प्राप्त करें।

अथवा

कक्षा 10 के बाद एक आई.टी.आई. पाठ्यक्रम (इंजीनियरिंग या गैर-इंजीनियरिंग) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

वायुयान ग्राहक सेवा कार्यकारी की आय
₹ 18,000–22,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/salaries/air-india-salaries/customer-service-executive

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— एयरलाइंस।

कार्य वातावरण— यह एक डेस्क जॉब है। इसमें आपको किसी टीम के नेतृत्व का उत्तरदायित्व नहीं दिया जाता। स्थानीय यात्रा इस नौकरी की भूमिका का भाग नहीं है। आप सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

ग्राहक सेवा अधिकारी → ग्राहक सेवा कार्यकारी → ग्राहक सेवा वरिष्ठ कार्यकारी → सहायक प्रबंधक → प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

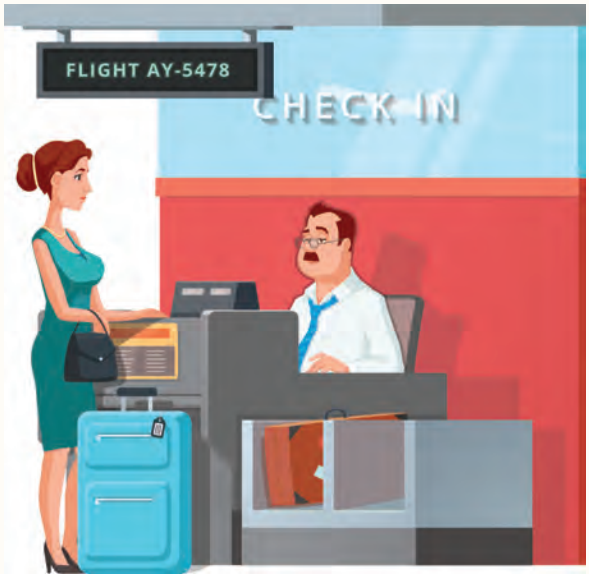
सरकारी संस्थान

1. भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
2. उद्यमिता और लघु व्यवसाय प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय संस्थान, नोएडा, उत्तर प्रदेश
3. राष्ट्रीय विमान प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. फ्रैंकफिन इंस्टीट्यूट ऑफ एयर होस्टेस ट्रेनिंग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. अपटेक एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी अकादमी, भोपाल, मध्य प्रदेश
3. एयरबोर्न एयरहोस्टेस अकादमी, नई दिल्ली
4. पैट्रॉन इंटरनेशनल, चेन्नई, तमिलनाडु
5. शास्त्री एकेडमी ऑफ एक्सीलेंस, कासगंज, उत्तर प्रदेश
6. नारायण कॉलेज, बरेली, उत्तर प्रदेश



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

शिबिन विंसेंट वर्तमान में एमिरेट्स एयरलाइन में एयरक्राफ्ट टर्नअराउंड सुपरवाइजर के रूप में काम करते हैं। इससे पहले, विन्सेंट ने इंडिगो के साथ एयरलाइन ग्राहक सेवा कार्यकारी के रूप में काम किया है। उन्होंने एयर अरेबिया और स्पाइसजेट के साथ भी काम किया है। उन्होंने मदुरै कामराज विश्वविद्यालय से सूचना प्रौद्योगिकी में बी.एस.सी. और अलगप्पा विश्वविद्यालय, तमिलनाडु से एयरलाइन और हवाईअड्डा प्रबंधन में एम.बी.ए. किया है।*

स्रोत— https://www.slideshare.net/shibinvincent5/shibin-cv-final

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

एयरलाइन ग्राउंड सपोर्ट इक्विपमेंट ऑपरेटर

एयरलाइन ग्राउंड सपोर्ट इक्विपमेंट ऑपरेटर हवाई जहाज को एयरसाइड पर ले जाने, एयरसाइड ट्रैफिक की सुरक्षा के लिए प्रक्रियाओं एवं अभ्यासों को बनाए रखने और हवाई अड्डे पर अन्य उपकरणों को संचालित करने के लिए उत्तरदायी होते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद करते हों।
- आप कार्य के दौरान विवरणों पर ध्यान देते हों।

पाठ्यक्रम शुल्क

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** है।
स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,00,000–4,00,000*** प्रति वर्ष
स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **2,00,000–6,00,000*** प्रति वर्ष

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

डिप्लोमा

अवधि— 6 महीने से 1 वर्ष, पात्रता— 10+2 योग्यता (हायर सेकेंडरी)। उदाहरण— ग्राउंड हैंडलिंग और जी.एस.ई. ऑपरेशन, एयरपोर्ट ग्राउंड सर्विसेज और उपकरण, एविएशन ग्राउंड सपोर्ट उपकरण।

स्नातक

अवधि— 3 वर्ष, पात्रता— किसी भी स्ट्रीम में 10+2 (हायर सेकेंडरी शिक्षा)। उदाहरण— एयरपोर्ट ग्राउंड सर्विसेज में बी.एससी., एविएशन मैनेजमेंट में स्नातक, एयरपोर्ट और एयरलाइन मैनेजमेंट में बी.बी.ए. (जी.एस.ई. में विशेषज्ञता के साथ), एविएशन और ग्राउंड हैंडलिंग में बी.बी.ए.।

स्नातकोत्तर

अवधि— 1 से 2 वर्ष, पात्रता— किसी भी विषय में स्नातक (विमानन, आतिथ्य या रसद में पसंदीदा पृष्ठभूमि)। उदाहरण— एविएशन मैनेजमेंट में एम.बी.ए, एविएशन सेफ्टी और ग्राउंड सर्विसेज, एविएशन मैनेजमेंट में एम.एस.सी., एयरपोर्ट ऑपरेशन और ग्राउंड सपोर्ट उपकरण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

एयरलाइन ग्राउंड सपोर्ट इक्विपमेंट ऑपरेटर की आय ₹ **13,300–15,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/salaries/onshore-construction-salaries/store-keeper

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— हवाई अड्डे, एविएशन कंपनियाँ।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। यहाँ ओवरटाइम करना आम बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

एयरलाइन ग्राउंड सपोर्ट इक्विपमेंट ऑपरेटर → पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थान

1. गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
2. स्काईविंग्स एकेडमी ऑफ एविएशन एंड टूरिज्म, कोच्चि, केरल
3. द बॉम्बे फ्लाइंग क्लब, मुंबई, महाराष्ट्र
4. एपटेक एविएशन अकादमी, मुंबई, महाराष्ट्र
5. ठाकुर इंस्टीट्यूट ऑफ एविएशन, मुंबई, महाराष्ट्र
6. पैनेक एकेडमी, पणजी, गोवा
7. ठाकुर इंस्टीट्यूट ऑफ एविएशन, मुंबई, महाराष्ट्र
8. एमफिल इंटरनेशनल, चेन्नई, तमिलनाडु

निजी संस्थान

1. पैनेक एकेडमी, अहमदाबाद, गुजरात
2. ठाकुर इंस्टीट्यूट ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

साक्षी सिंह ने दिल्ली के एक संस्थान में अल्पावधि का कोर्स किया और अब एयर इंडिया में पर्यवेक्षक ग्राउंड स्टाफ के रूप में सफलतापूर्वक काम कर रही हैं। वे अपनी सफलता का श्रेय अपनी ट्रेनिंग को देती हैं।*

स्रोत— tmiacademy.com/placements.php

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

नीलामकर्ता

नीलामी, किसी सामग्री को सार्वजनिक रूप से विक्रय करना होता है, जहाँ सामान उस व्यक्ति को बेच दिया जाता है, जो अन्य के मुकाबले उसका उच्चतम मूल्य प्रदान करता है। नीलामकर्ता वह व्यक्ति होते हैं, जो नीलामी आयोजित करता हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप स्वतंत्र रूप से काम करने में सहज हों।
- आप नेतृत्व करना पसंद करते हों।
- आप हर तरह के लोगों से बात करने में सहज हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** तक है।
स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–1,50,000*** प्रति वर्ष है।
स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,00,000–2,50,000*** प्रति वर्ष होती है।

**उपरोक्त आंकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. किसी भी विषय में स्नातक (बी.ए./एल.एल.बी./बी.एससी.) करने के बाद स्नातकोत्तर करें।

(यदि आप आर्ट गैलरी के लिए काम करने की इच्छा रखते हैं, तो आपको ललित कला में डिग्री की आवश्यकता होगी।)

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

नीलामकर्ता की आय ₹ **38,000–80,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.erieri.com/salary/job/auctioneer/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— नीलामी घर, सरकार द्वारा विनियमित ऑनलाइन नीलामी प्लेटफॉर्म, आर्ट गैलरी, कोर्ट आदि।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हो सकती हैं। यहाँ सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करने की संभावना है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक नीलामकर्ता → संयुक्त नीलामकर्ता → नीलामकर्ता प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

आप भारत में किसी भी यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त कॉलेज से स्नातक कर सकते हैं। संस्थान, जो फाइन आर्ट में पाठ्यक्रम संचालित करते हैं। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
3. सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
4. लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
5. छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश
6. पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
7. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
8. रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले कृपया जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. मणिपाल विश्वविद्यालय ऑफ हायर एजुकेशन, कर्नाटक
2. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर, पंजाब
3. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब
4. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
5. एमिटी विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
6. केएल विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश
7. एडमस विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मल्लिका सागर आधुनिक और समकालीन भारतीय कला की विशेषज्ञ हैं। वे मुंबई में पुंडोले के नीलामी घर में नीलामकर्ता हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें महिला प्रीमियर लीग वर्ष 2023 की नीलामी के लिए नीलामकर्ता के रूप में चुना है। फिलाडेल्फिया में ब्रायन मावर कॉलेज से कला इतिहास में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद, उन्होंने वर्ष 2001 में भारतीय मूल की पहली महिला नीलामकर्ता होते हुए क्रिस्टीस में अपना करियर आरंभ किया।*

स्रोत— https://sportstar.thehindu.com/cricket/womens-cricket/mallika-sagar-wpl-auctioneer-womens-premier-league-2023-february-13-mumbai-team-players-list/article66496321.ece

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

बारटेंडर/मिक्सोलॉजिस्ट

बारटेंडर, ग्राहकों के लिए पेय पदार्थ एवं भोजन तैयार करते हैं और परोसते हैं। वे कॉकटेल एवं गैर-मादक पेय पदार्थों को मिलाते और सजाते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप सबके साथ बातचीत करने में सहज हों।
- आप टीम में काम करना पसंद करते हों।
- आपको प्रयोग करना पसंद हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आपको मादक और गैर-मादक पेय के बारे में ज्ञान हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–80,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. होटल मैनेजमेंट और कैटरिंग टेक्नोलॉजी/कैटरिंग साइंस और होटल मैनेजमेंट/हॉस्पिटैलिटी और होटल एडमिनिस्ट्रेशन या किसी संबंधित क्षेत्र में बैचलर डिग्री प्राप्त करें और उसके बाद बारटेंडिंग पर सर्टिफिकेट कोर्स करें।

अथवा

होटल मैनेजमेंट और कैटरिंग टेक्नोलॉजी/कैटरिंग साइंस और होटल मैनेजमेंट/हॉस्पिटैलिटी और होटल एडमिनिस्ट्रेशन या किसी संबंधित क्षेत्र में बैचलर डिग्री प्राप्त करें और उसके बाद उसी विषय या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर लें और बारटेंडिंग पर सर्टिफिकेट कोर्स चुनें।

अथवा

प्रोफेशनल बारटेंडिंग या मिक्सोलॉजी और फ्लेयर बारटेंडिंग में डिप्लोमा कोर्स करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

बारटेंडर/मिक्सोलॉजिस्ट की आय ₹ **10,000–59,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Bartender/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— बार, पब वाले रेस्तरां, बार और नाइट क्लब वाले अपस्केल होटल आदि।

उद्यमिता— आप एक स्वतंत्र बारटेंडर बन सकते हैं।

कार्य वातावरण— आपको विभिन्न प्रकार के ग्राहकों को संभालना पड़ सकता है। यहाँ आपको लंबे समय तक काम करना पड़ सकता है, जिसमें कार्यालय समय पश्चात और सप्ताहांत भी सम्मिलित होता है, जब रेस्तरां सबसे व्यस्त होते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

बार बॉय या बार वेट्रेस → असिस्टेंट बारटेंडर → बारटेंडर → सहायक बार प्रबंधक → बार प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थान, जो बारटेंडिंग में पाठ्यक्रम संचालित करते हैं। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. यूरोपियन बारटेंडर स्कूल, वेरना, गोवा
2. बारक्रॉफ्ट बारटेंडिंग अकादमी, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. चेन्नईस अमृता अंतर्राष्ट्रीय होटल प्रबंधन संस्थान, नंदनम, चेन्नई, तमिलनाडु
4. कॉकटेल्स एंड ड्रीम्स बारटेंडिंग स्कूल, नई दिल्ली
5. हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म, शिमला, हिमाचल प्रदेश
6. होटल प्रबंधन, खानपान और पोषण संस्थान, नई दिल्ली
7. भारतीय बारटेंडिंग संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
8. बार संचालन और प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
9. होटल प्रबंधन, खान-पान प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त पोषण विज्ञान संस्थान, आल्त परवरी, गोवा

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

यांगडुप लामा, भारत में अग्रणी बारटेंडर और मिक्सोलॉजिस्ट में से एक हैं। उनका जन्म कर्सियांग में हुआ था और 10+2 उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने कोलकाता से अपना होटल प्रबंधन पूरा किया। उनकी पहली नौकरी वर्ष 1995 में हयात रीजेंसी, दिल्ली में एक खाद्य और पेय सर्वर के रूप में थी, जहाँ उन्होंने बारटेंडिंग आरंभ की और होटल के पोलो लाउंज बार में काम किया। वहाँ से लामा ने गुरुग्राम में अपना बार खोला फिर उन्होंने अपनी मोबाइल बारटेंडिंग सेवा कंपनी और कॉकटेल एंड ड्रीम्स नामक बार प्रशिक्षण और पेय प्रबंधन कंपनी दिल्ली में खोली।*

स्रोत— http://bit.ly/3XUyWUD

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

बुलडोजर ऑपरेटर



बुलडोजर ऑपरेटर पर ट्रैक्टर और ब्लेड को चलाने और नियंत्रित करने का उत्तरदायित्व होता है, ताकि मिट्टी, चट्टान और अयस्क को साइट से अन्य स्थानों पर ले जाया जा सके और मिट्टी को समतल किया जा सके। बुलडोजर ऑपरेटर सुरक्षा सिस्टम की देख-रेख और बुलडोजर पर बुनियादी रख-रखाव के लिए भी उत्तरदायी होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का पालन करते हों।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–1,00,000*** है।
स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** प्रति वर्ष है।
स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,00,000–5,00,000*** प्रति वर्ष है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट
पात्रता— हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष। अवधि— सामान्यतः 6 महीने से 1 वर्ष। उदाहरण— भारी उपकरण संचालन, बुलडोजर ऑपरेटर

डिप्लोमा
पात्रता— हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष। अवधि— सामान्यतः 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— निर्माण उपकरण प्रौद्योगिकी, भारी उपकरण संचालन में डिप्लोमा

स्नातक
पात्रता— निर्माण या मशीनरी संचालन में प्रासंगिक अनुभव के साथ हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष। अवधि— सामान्यतः 3 से 4 वर्ष। उदाहरण— निर्माण प्रबंधन में स्नातक, सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक।

स्नातकोत्तर
पात्रता— संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री। अवधि— सामान्यतः 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— निर्माण इंजीनियरिंग, प्रोजेक्ट प्रबंधन में स्नातकोत्तर

डॉक्टरेट
पात्रता— संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर। अवधि— पर 3 से 5 वर्ष। उदाहरण— सिविल इंजीनियरिंग में, निर्माण प्रबंधन में पीएच.डी. अल्पकालिक पाठ्यक्रम— भारी उपकरण ऑपरेटर सुरक्षा प्रशिक्षण, बुलडोजर संचालन कौशल पाठ्यक्रम, उन्नत निर्माण मशीनरी प्रशिक्षण

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

बुलडोजर ऑपरेटर की आय ₹ **15,000–35,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3XWDbOw

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— खनन स्थल, बड़ी निर्माण इकाइयां, इंजीनियरिंग कंपनियाँ, सड़क निर्माण कंपनियाँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। कार्य अवधि से भी अधिक कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

बुलडोजर संचालक → पर्यवेक्षक → निर्माण अधीक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
2. भारत तकनीकी संस्थान, जमशेदपुर, झारखंड
3. कृष्ण तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र, धनबाद, झारखंड



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अरविन्द गौड अपने करियर को लेकर अनिश्चित थे कि उन्हें जीवन में क्या करना है, परंतु वे हमेशा से भारी वाहनों के प्रति आकर्षित थे। कुछ शोध करने के बाद उन्हें एन.एस.आई.टी. संस्थान के बारे में पता चला, जो धनबाद के खनन केंद्र में है। कुछ मार्गदर्शन के बाद उन्हें विभिन्न प्रकार के वाहन प्रशिक्षण के बारे में पता चला। उन्होंने एक भारी वाहन ऑपरेटर का करियर चुना और वर्तमान में हैदराबाद की एक कंपनी में कार्यरत हैं।*

स्रोत— https://www.nstti.com/placement.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कोल्ड चेन प्रक्रिया प्रबंधक विशेषज्ञ

कोल्ड चेन प्रक्रिया प्रबंधक विशेषज्ञ, कोल्ड स्टोरेज के लिए बाजार और उत्पाद की माँग-आपूर्ति का आकलन करते हैं, परियोजना निष्पादन और लागत योजना तथा प्लांट लेआउट तैयार करते हैं, कोल्ड स्टोरेज के परियोजना निष्पादन का प्रबंधन, विक्रेताओं का चयन करते हैं और व्यवसाय के लिए रणनीतिक संबंध बनाए रखते हैं, जो व्यापार को बनाए रखने में सहायक होते है तथा कोल्ड स्टोरेज को चालू करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **25,000–1,00,000*** है।
स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** प्रति वर्ष है।
स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,00,000–5,00,000*** प्रति वर्ष है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट
पात्रता— लॉजिस्टिक्स या सप्लाई चेन मैनेजमेंट की बुनियादी समझ आवश्यक है। अवधि— 6 महीने से 1 वर्ष। उदाहरण— कोल्ड चेन मैनेजमेंट, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन।

डिप्लोमा
पात्रता— हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष। अवधि— सामान्यतः 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— कोल्ड चेन मैनेजमेंट में डिप्लोमा, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में डिप्लोमा।

स्नातक
पात्रता— हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष (गणित, व्यवसाय या विज्ञान में विषय)। अवधि— सामान्यतः 3 से 4 वर्ष। उदाहरण— लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में स्नातक, औद्योगिक इंजीनियरिंग में स्नातक।

स्नातकोत्तर
पात्रता— संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री। अवधि— 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— सप्लाई चेन मैनेजमेंट, लॉजिस्टिक्स और कोल्ड चेन मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर।

डॉक्टरेट
पात्रता— संबंधित क्षेत्र में मास्टर डिग्री। अवधि— 3 से 5 वर्ष। उदाहरण— सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स में पीएच.डी., कोल्ड चेन प्रोसेस मैनेजमेंट में पीएच.डी.।
अल्पकालिक पाठ्यक्रम— कोल्ड चेन मैनेजमेंट ट्रेनिंग, तापमान नियंत्रित लॉजिस्टिक्स कोर्स, एडवांस्ड कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स कोर्स।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

कोल्ड चेन प्रक्रिया प्रबंधक विशेषज्ञ की आय ₹ **25,000–47,200*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/supply-chain-specialist-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कोल्ड चेन नेटवर्क।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना पड़ सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।और कार्य अवधि से भी अधिक कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कोल्ड चेन प्रक्रिया प्रबंधन विशेषज्ञ → महाप्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. नेशनल इंस्टीट्यूट एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, पवई, मुंबई, महाराष्ट्र
2. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
3. सिम्बायोसिस सेंटर फॉर डिस्टेंस लर्निंग, पुणे, महाराष्ट्र
4. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लॉजिस्टिक्स, चेन्नई, तमिलनाडु
5. इंस्टीट्यूट ऑफ सप्लाई चेन मैनेजमेंट, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

रविकांत साहू, छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के वैक्सीन और कोल्ड चेन मैनेजर हैं। कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के बाद, उन्होंने अपने सहयोगी, जिला वैक्सीन स्टोर मैनेजर के साथ, अपने केंद्र में वैक्सीन स्टॉक का एक व्यवस्थित मिलान सुनिश्चित किया, जो हर महीने 29 कोल्ड चेन पॉइंट्स को 35,000 से अधिक टीके भेजता था।*

स्रोत— undp.org/india/build-home-vaccines-chhattisgarh

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

व्यावसायिक वाहन चालक



व्यावसायिक वाहन चालक (कॉमर्शियल ड्राइवर), कॉमर्शियल वाहन चलाने के लिए प्रशिक्षित और प्रमाणित होते हैं। इनके पास कॉमर्शियल ड्राइवर का लाइसेंस होता है और वे ट्रक, बसों और ट्रेलरों सहित बड़े एवं भारी वाहनों का संचालन करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप बाहर काम करने में सहज हों।
- आप नए दायित्वों के लिए तत्पर रहते हों।
- आप हर तरह के लोगों से बात करने में सहज हों।

पाठ्यक्रम शुल्क

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** है।
स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,00,000*** प्रति वर्ष है।
स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** रुपये प्रति वर्ष है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट
पात्रता— बुनियादी साक्षरता और यातायात नियमों और सुरक्षा का ज्ञान सहायक है। अवधि— 3 से 6 महीने। उदाहरण— कमर्शियल वाहन ड्राइविंग, भारी वाहन संचालन।

डिप्लोमा
पात्रता— हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष। अवधि— 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— कमर्शियल वाहन ड्राइविंग में डिप्लोमा, सड़क सुरक्षा और परिवहन प्रबंधन में डिप्लोमा।

स्नातक
पात्रता— हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष। अवधि— 3 से 4 वर्ष। उदाहरण— लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में स्नातक, ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट में स्नातक।

स्नातकोत्तर
पात्रता— संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री। अवधि— 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट।

डॉक्टरेट
पात्रता— संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर। अवधि— 3 से 5 वर्ष। उदाहरण— ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन।
लघु अवधि पाठ्यक्रम: वाणिज्यिक वाहन ड्राइविंग पाठ्यक्रम, उन्नत चालक प्रशिक्षण कार्यक्रम, भारी वाहन संचालन और सुरक्षा पाठ्यक्रम।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

व्यावसायिक वाहन चालक की आय
₹ **21,000–40,000** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/truck-driver-salary-SRCH_KO0,12.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— लॉजिस्टिक कंपनियाँ अथवा कोई भी कंपनी जिसे कच्चे माल या तैयार उत्पादों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने की आवश्यकता होती है।

उद्यमिता— आप एक ट्रक के मालिक हो सकते हैं और संविदात्मक काम कर सकते हैं या अपनी कंपनी आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— वाहन चलाने में आपका काफी समय व्यतीत होगा। समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए आपको सप्ताह में 40 या अधिक घंटे की समय अवधि देनी पड़ सकती है। आपको वाहन के यांत्रिक पहलुओं के मूल सिद्धांतों को जानना चाहिए। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कुछ रख-रखाव कार्य आपके द्वारा पूरे किए जाते हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक चालक/सहायक → वाणिज्यिक वाहन चालक स्तर 3 → वाणिज्यिक वाहन चालक स्तर 4 → वाणिज्यिक वाहन चालक प्रशिक्षक

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठयक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. ड्राइविंग एवं यातायात अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
2. ऑटोमोटिव अनुसंधान संघ, पुणे, महाराष्ट्र
3. केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले कृपया जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. मारुति सुजुकी ड्राइविंग स्कूल, भोपाल, मध्य प्रदेश
2. टाटा मोटर्स कौशल प्रशिक्षण केंद्र, मुंबई, महाराष्ट्र
3. होंडा सुरक्षा ड्राइविंग शिक्षा केंद्र, गुरुग्राम, हरियाणा
4. धालीवाल विंग स्कूल, बुराड़ी, नई दिल्ली
5. ड्राइवर प्रशिक्षण संस्थान, बुराड़ी, नई दिल्ली
6. भारी वाहन ड्राइविंग स्कूल, पटना, बिहार
7. प्राहम मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूल, नई दिल्ली
8. ट्रक ड्राइविंग स्कूल, कुर्मिडीह, झारखंड

संस्थान रेकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.mirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

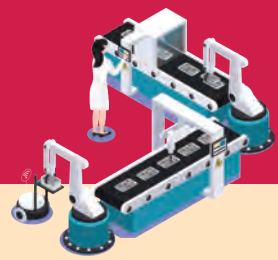
योगिता रघुवंशी, भारत की पहली महिला ट्रक ड्राइवर हैं, जो अपने पति के निधन के बाद वर्ष 2000 में इस व्यवसाय में आईं। उनके पास कानून में स्नातक है और आज वे राजहंस ट्रांसपोर्ट कंपनी की मालिक हैं। वे हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती, मराठी और तेलुगु भाषा में निपुण हैं।*

स्रोत— https://www.businessinsider.in/meet-the-most-qualified-indian-truck-driver-whos-also-a-mother-of-two/articleshow/52447084.cms

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कन्वेयर संचालन और रख-रखाव तकनीशियन

कन्वेयर ऑपरेशन और रख-रखाव तकनीशियन को क्रशर/सर्विस बंकर में विभिन्न कच्चे माल (कोयला, चूना पत्थर, लौह अयस्क आदि) के परिवहन के लिए आवश्यक अनुक्रम के अनुसार कन्वेयर बेल्ट, स्क्रीनर आदि के नियंत्रण सहित कुल बेल्ट ड्राइविंग सिस्टम के निरीक्षण का काम सौंपा जाता है। वे कन्वेयर बेल्ट सिस्टम पर बुनियादी रख-रखाव और समस्या समाधान के लिए भी उत्तरदायी होते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपमें यांत्रिक योग्यताएँ रखते हों।
- आपमें समस्या-समाधान कौशल हों।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **25,000–1,00,000*** है।
स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,50,000*** प्रति वर्ष है।
स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,00,000–5,00,000*** प्रति वर्ष है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट
पात्रता— लॉजिस्टिक्स या सप्लाई चेन मैनेजमेंट की बुनियादी समझ सहायतागार है। अवधि— 6 महीने से 1 वर्ष। उदाहरण— कोल्ड चेन मैनेजमेंट, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन।

डिप्लोमा
पात्रता— हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष। अवधि— सामान्यतः 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— कोल्ड चेन मैनेजमेंट में डिप्लोमा, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में डिप्लोमा।

स्नातक
पात्रता— हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष (गणित, व्यवसाय या विज्ञान में विषय)। अवधि— सामान्यतः 3 से 4 वर्ष। उदाहरण— लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में स्नातक, औद्योगिक इंजीनियरिंग में स्नातक।

स्नातकोत्तर
पात्रता— संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री। अवधि— 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— सप्लाई चेन मैनेजमेंट, लॉजिस्टिक्स और कोल्ड चेन मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर।

डॉक्टरेट
पात्रता— संबंधित क्षेत्र में मास्टर डिग्री। अवधि— 3 से 5 वर्ष। उदाहरण— सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स में पीएच.डी., कोल्ड चेन प्रोसेस मैनेजमेंट में पीएच.डी.।

अल्पकालिक पाठ्यक्रम: कोल्ड चेन मैनेजमेंट ट्रेनिंग, तापमान नियंत्रित लॉजिस्टिक्स कोर्स, एडवांस्ड कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स कोर्स।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

कोल्ड चेन प्रक्रिया प्रबंधक विशेषज्ञ की आय ₹ **25,000–47,200*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/supply-chain-specialist-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप मैन्युफैक्चरिंग/खाद्य और कृषि/इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल सेक्टर में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। और अवधि से अधिक भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक → कन्वेयर ऑपरेटर → बेल्ट कन्वेयर रख-रखाव → पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
4. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान त्रिची, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
5. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु
6. विरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस पिलानी, राजस्थान
7. इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

लेस्ली डेविड ने लॉजिस्टिक मैनेजमेंट में 23 वर्ष बिताए और 15 से अधिक वर्षों तक कन्वेयर बेल्टिंग में विशेषज्ञता हासिल की। वे दुनिया में कन्वेयर बेल्ट तकनीक पर सबसे अधिक प्रकाशित लेखकों में से एक हैं।*

स्रोत— dunlopcb.com/app/uploads/2020/02/Tightening-the-belt.-World-Cement.-FEB-2020.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

वितरण प्रबंधक

वितरण प्रबंधक, यह निर्धारित करते हैं कि उत्पाद कब, कहाँ और कैसे वितरित किया जाना है। ये वितरण शृंखलाओं का पूर्वानुमान लगाने के लिए सूचना प्रणाली और सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं तथा एक प्रभावी वितरण कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिए योजना तैयार करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप वस्तुओं को व्यवस्थित रखना पसंद करते हों।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।
- आप नेतृत्व करने में सक्षम हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,71,000–16,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण (वाणिज्य विषय को वरीयता) करें।
2. बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन/बिजनेस मैनेजमेंट में स्नातक (बी.बी.ए./बी.बी.एम.) करें।

अथवा

स्नातक करने के बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

वितरण प्रबंधक की आय ₹ **21,000–1,67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/distribution-manager-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— उत्पादन इकाइयाँ, निजी और सार्वजनिक उत्पादन कंपनियाँ, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, कूरियर कंपनियाँ, कुटीर आधारित उद्योग, शिपिंग कंपनियाँ, सेना इत्यादि।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

स्टोर वितरक → प्रक्रिया पर्यवेक्षक → गोदाम पर्यवेक्षक → वितरण प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा पेश किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली
2. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर
3. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
4. पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
5. भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक, हरियाणा
6. दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
7. प्रबंधन विज्ञान विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
8. भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले कृपया जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. रेसोंई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, नागपुर, महाराष्ट्र
2. सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान
3. आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. शारनबसवा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक
5. आर्केड बिजनेस कॉलेज, पटना, बिहार
6. ऑक्सब्रिज बिजनेस स्कूल, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. ज्योति निवास कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अलका लूथरा 9 वर्षों से लुब्रिजॉल में ग्लोबल मैनेजर, सेगमेंट (ओरल केयर) और मैनेजर-डिस्ट्रीब्यूशन (उत्तरी अमेरिका) के रूप में काम कर रही हैं। उसके पास फार्मेसी में एम.फार्मा. की डिग्री है, जिसके बाद उन्होंने एस.वी.के.एम. के नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से मार्केटिंग मैनेजमेंट में डिप्लोमा पूरा किया। लुब्रिजॉल रसायन और संबंधित उत्पाद उद्योग का भाग हैं और ओहियो, संयुक्त राज्य अमेरिका में निवासरत हैं।*

स्रोत— https://www.zoominfo.com/p/Alka-Luthra/2069236482

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

खाद्य और पेय प्रबंधक

खाद्य और पेय प्रबंधक, होटल या रेस्तरां में मेहमानों को भोजन और पेय सामग्री प्रदान करने के लिए उत्तरदायी होते हैं। ये कभी-कभी कैटरिंग व्यवसाय का संचालन, आयोजन, निर्देशन, नियंत्रण और मूल्यांकन भी करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपमें नेतृत्व करने का कौशल हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप दूसरों से बात करने में सहज हों।
- आप नए दायित्व लेने को तत्पर हों।
- आपको खाद्य और पेय संबंधी ज्ञान हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,00,000–4,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 पूरा करें।
2. आतिथ्य, यात्रा और पर्यटन में स्नातक (बी.बी.ए) की डिग्री पूरी करें और उसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

होटल प्रबंधन और खान-पान प्रौद्योगिकी/खान-पान विज्ञान और होटल प्रबंधन/आतिथ्य और होटल प्रशासन या किसी संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

होटल प्रबंधन और खान-पान प्रौद्योगिकी/खान-पान विज्ञान और होटल प्रबंधन/आतिथ्य और होटल प्रशासन या किसी संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

होटल प्रबंधन में डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

खाद्य और पेय प्रबंधक की आय ₹ **13,000–1,67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Food_and_Beverage_Manager/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— उच्च श्रेणी के होटल और रिसॉर्ट, रेस्तरां, क्रूज, कैसीनो, बार, पब और एयरलाइंस आदि।

कार्य वातावरण— आपको शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। आपको रसोइयों और खाना परोसने वालों की टीम को संभालना होगा। स्थानीय यात्रा इस नौकरी प्रोफाइल का भाग नहीं है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 10 से 12 घंटे काम करना होता है। व्यस्ततम दिनों में आपको अधिक काम भी करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → बैंक्वेट वेटर → बैंक्वेट कैप्टन → असिस्टेंट बैंक्वेट प्रबंधक → बैंक्वेट मैनेजर → सहायक खाद्य और पेय प्रबंधक → खाद्य और पेय प्रबंधक

अथवा

बारटेंडर → बार प्रबंधक → सहायक खाद्य और पेय प्रबंधक → खाद्य और पेय प्रबंधक / डायरेक्टर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थान, जो बारटेंडिंग में पाठ्यक्रम संचालित करते हैं। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. होटल प्रबंधन संस्थान, गोवा
2. होटल प्रबंधन संस्थान, पूसा, नई दिल्ली
3. होटल प्रबंधन संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. होटल प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. होटल प्रबंधन संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
6. होटल प्रबंधन संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल
7. होटल प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
8. होटल प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. होटल प्रबंधन संस्थान, औरंगाबाद, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, मणिपाल, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
5. ओबेरॉय सेंटर ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

शहनाज अंजुम, द लीला, भारतीय सिटी बेंगलुरु में फूड एंड बेवरेज मैनेजर के रूप में काम करती हैं। वे इस इंडस्ट्री में करीब 13 वर्ष से हैं। वेस्टिन हैदराबाद के साथ अपने करियर की शुरुआत करते हुए, उन्होंने शेरेटन ग्रैंड बंगलोर, जे.डब्ल्यू. मैरियट बेंगलुरु, वेस्टिन और ले मेरिडियन बहरीन, कोर्टयार्ड बाय मैरियट कोच्चि और द लीला पैलेस चेन्नई के लिए काम किया।*

स्रोत— https://bwhotelier.businessworld.in/article/The-Leela-Bhartiya-City-Bengaluru-elevates-two-core-personnel/09-06-2022-432038/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

फ्रंट ऑफिस एसोसिएट



फ्रंट ऑफिस एसोसिएट, होटल रिसेप्शन ड्यूटी का प्रबंधन करता है, जिसमें अतिथि चेक-इन, कमरे का आवंटन, पूछताछ और चेक-आउट सम्मिलित हैं। वे कॉल संभालते हैं, रिकॉर्ड बनाए रखते हैं, विभागों के साथ सुचारु संचार सुनिश्चित करते हैं और एक सहज अतिथि अनुभव के लिए बिलिंग एवं भुगतान प्रक्रियाओं की देख-रेख करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप हर समय अच्छा दिखना पसंद करते हों।
- आप अच्छा संचार कौशल रखते हों।
- आप कठिन परिस्थितियों को संभालने में सक्षम हों।
- आप शारीरिक रूप से मजबूत हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–70,000*** होता है।
स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–1,50,000*** प्रति वर्ष होता है।
स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,00,000–3,00,000*** प्रति वर्ष होता है।
**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट
पात्रता— कोई औपचारिक शिक्षा की आवश्यकता नहीं है। अवधि— 3 से 6 महीने। उदाहरण— फ्रंट ऑफिस ऑपरेशंस में सर्टिफिकेट, होटल मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट

डिप्लोमा
पात्रता— हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष। अवधि— 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा, फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट में डिप्लोमा।

स्नातक
पात्रता— हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष। अवधि— 3 से 4 वर्ष। उदाहरण— होटल मैनेजमेंट में स्नातक, फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट में स्नातक।

स्नातकोत्तर
पात्रता— संबंधित क्षेत्र में बैचलर डिग्री। अवधि— 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— होटल मैनेजमेंट, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी, हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर।

डॉक्टरेट
पात्रता— संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री। अवधि— 3 से 5 वर्ष। उदाहरण— होटल प्रबंधन में पीएच.डी., आतिथ्य प्रबंधन में पीएच.डी.।
अल्पकालिक पाठ्यक्रम— फ्रंट ऑफिस प्रबंधन प्रशिक्षण, होटल रिसेप्शनिस्ट प्रशिक्षण, आतिथ्य और अतिथि सेवा प्रबंधन।
कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

फ्रंट ऑफिस एसोसिएट की आय ₹ **12,500–25,000*** प्रतिमाह हो सकती है।
स्रोत— https://bit.ly/3Z5hmxu
**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— होटल, रेस्टोरेंट, कैफे।

कार्य वातावरण— आपको सप्ताह में 6 दिन तथा प्रतिदिन 10–12 घंटे काम करना होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है और नियमित कार्य अवधि से भी अधिक कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

फ्रंट ऑफिस एसोसिएट → फ्रंट ऑफिस प्रभारी → प्रशासन पर्यवेक्षक → ग्राहक सेवा प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम होटल प्रबंधन संस्थानों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. होटल प्रबंधन संस्थान, भारत के विभिन्न राज्यों में संचालित केंद्र
2. बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश
3. हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड
4. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा

संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, मणिपाल, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
5. ओबेरॉय सेंटर ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

19 वर्षीय **वेल्लूरी रश्मि** अपने माता-पिता की सबसे छोटी बेटी है, जो सब्बावरम (आंध्र प्रदेश) में रहती है। उसके पिता दिहाड़ी मजदूर हैं और माँ कुछ छोटे-मोटे काम करती है। रश्मि को एहसास हुआ कि उन्हें अपने परिवार की सहायता करनी है और बारहवीं कक्षा के बाद उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और नौकरी की तलाश आरंभ कर दी। तभी उन्होंने डॉन बॉस्को टेक द्वारा पेश किए जा रहे कौशल प्रशिक्षण के अवसरों के बारे में सुना और केंद्र से संपर्क किया। काउंसलिंग प्रक्रिया के बाद उसने हॉस्पिटैलिटी डोमेन का विकल्प चुना। कैंपस इंटरव्यू के दौरान प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उन्हें विशाखापट्टनम में स्थित होटल वी (V) में फ्रंट ऑफिस एक्जीक्यूटिव के रूप में चुना गया। उसे प्रतिमाह 11,000 रुपये की आय एवं मुफ्त भोजन और आवास की पेशकश दी गई। रश्मि ने इस अवसर को स्वीकारते हुए कार्य आरंभ कर दिया और अपने परिवार का भरण-पोषण करने लगी।*

स्रोत— https://www.dbtech.in/SuccessStory.aspxStoryID=H/x9iPSWToCOEFHMTnRDD8QcAKbZCRe98av0NDCmckI=

*उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।

रसद विश्लेषक

रसद विश्लेषक (लॉजिस्टिक एनालिस्ट), किसी उत्पाद या सेवा के संपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया के लिए उत्तरदायी होते हैं, जिसमें सामग्री की खरीद से लेकर उत्पाद का वितरण सम्मिलित होता है। लॉजिस्टिक्स एनालिस्ट कंपनी की संपत्तियों का विश्लेषण करते हैं, ताकि कंपनी के मिशन और लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। ये चालान, शिपमेंट स्थिति एवं वितरण मार्ग गतिविधि को ट्रैक और समीक्षा करके समस्त प्रक्रिया की मॉनीटरिंग करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।
- आप समस्याओं या परिस्थितियों का विश्लेषण करना जानते हों।
- आप कार्य के दौरान विवरणों पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **11,000–30,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन/बिजनेस मैनेजमेंट (बी.बी.ए./बी.बी.एम.) या इकोनॉमिक्स में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद सप्लाई चेन मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

रसद विश्लेषक की आय ₹ **18,000–83,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/logistics-analyst-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— आप उत्पादन इकाइयाँ, निजी और सार्वजनिक उत्पादन कंपनियाँ, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, कूरियर कंपनियाँ, छोटे और बड़े उद्योग, कुटीर आधारित उद्योग, शिपिंग कंपनियाँ, सशस्त्र बल आदि में काम कर सकते हैं।

उद्यमिता— आप स्वयं का व्यवसाय या फर्म आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप फैक्ट्री या कार्यालयों में कहीं भी डिलीवरी या पिकअप सेंटर जैसी मोबाइल लोकेशन पर काम कर सकते हैं। यहाँ आपको नियमित यात्रा भी करनी पड़ सकती है। यहाँ आपको लंबे समय तक डेस्क वर्क और कंप्यूटर पर कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सीमावर्ती विश्लेषक/पर्यवेक्षक → संचालन/आपूर्ति शृंखला प्रबंधक → मुख्य आपूर्ति शृंखला प्रबंधक या लॉजिस्टिक निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, नई दिल्ली
2. भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक, हरियाणा
3. महाराज सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
4. पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
5. भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक, हरियाणा
6. दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
7. मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक
8. भारतीय समाज कल्याण और बिजनेस मैनेजमेंट संस्थान, कोलकाता

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले कृपया जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. रायसोनी समूह संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र
2. सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान
3. सी.एम.जे. विश्वविद्यालय, जोराबाट, मेघालय
4. शारनबसवा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक
5. आर्केड बिजनेस कॉलेज, पटना, बिहार
6. ऑक्सब्रिज बिजनेस स्कूल, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. ज्योति निवास कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

चैताली मेहता, ई.के.एफ. ग्लोबल लॉजिस्टिक्स की निदेशक हैं। वह तीसरी पीढ़ी की कस्टम ब्रोकर और दूसरी पीढ़ी की फ्रेट फारवर्डर हैं। यह एक माँग वाला काम है, लेकिन दृढ़ता के माध्यम से चैताली मेहता आज एक मुकाम पर हैं। वह एक अच्छी समस्या समाधानकर्ता और एक अच्छी श्रोता होने के नाते मल्टीटास्क करने की क्षमता भी रखती हैं। एक पिन से एक हेलीकॉप्टर तक वह यह सुनिश्चित कर सकती है कि यह मुंबई से मियामी तक जल, थल और नभ में 24 घंटे और सातों दिन वर्ष भर काम करती हैं।*

स्रोत— https://www.curafluence.com/chaitaly-mehta/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

रसद प्रबंधक

रसद प्रबंधक (लॉजिस्टिक्स मैनेजर), भंडारण, परिवहन और तैयार किए गए माल की डिलीवरी को समन्वित करने के लिए उत्तरदायी होते हैं। ये ट्रांसपोर्ट मैनेजर्स जैसे सहयोगियों के साथ मिलकर काम करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्टॉक को सही तरीके से संगृहीत और कुशलता से वितरित किया जा सके।

व्यक्तिगत गुण

- आप कार्य सामग्री को व्यवस्थित रखना पसंद करते हों।
- आप कार्य के दौरान विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।
- आप नेतृत्व करने में सक्षम हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,71,000–16,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण (वाणिज्य को वरीयता) करें।
2. बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन/बिजनेस मैनेजमेंट (बी.बी.ए./ बी.बी.एम.) में स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

रसद प्रबंधक की आय ₹ **18,834–1,67,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/logistics-manager-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— उत्पादन इकाइयाँ, निजी और सार्वजनिक उत्पादन कंपनियाँ, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, कूरियर कंपनियाँ, कुटीर आधारित उद्योग, शिपिंग कंपनियाँ, सेना इत्यादि।

कार्य वातावरण— सामान्यतः काम का समय सप्ताह में 5–6 दिन तथा प्रतिदिन 8–9 घंटे के लिए होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु, भंडारण और गोदाम प्रबंधक → कार्यकारी, भंडारण और गोदाम प्रबंधक → सहायक महाप्रबंधक, भंडारण और गोदाम प्रबंधक → रसद प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली
2. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर
3. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
4. पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
5. भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक, हरियाणा
6. दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
7. प्रबंधन विज्ञान विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र
8. आई.आई.टी.टी.एम., ग्वालियर, मध्य प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले कृपया जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. रायसोनी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, महाराष्ट्र
2. सनराइज यूनिवर्सिटी, अलवर, राजस्थान
3. आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. शारनबसवा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक
5. आर्केड बिजनेस कॉलेज, पटना, बिहार
6. ऑक्सब्रिज बिजनेस स्कूल, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. ज्योति निवास कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस, बेंगलुरु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

जे.डब्ल्यू.सी. लॉजिस्टिक्स पार्क प्राइवेट लिमिटेड और जे.डब्ल्यू. आर. लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक **कृति जोबनपुत्रा** ने जटिल परिचालनों का आयोजन और कार्यान्वयन किया है, जिससे कंपनी को अपने लक्ष्यों को पूरा करने में सहायता मिली है। उन्होंने अपनी बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज पूरी की और इसके बाद एस.पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से एम.बी.ए. किया। जोबनपुत्रा ने इस क्षेत्र में अपनी कंपनी में नवीन प्रणालियाँ आरंभ की हैं और लिंग अनुपात में सुधार के लिए लगातार काम किया है।*

स्रोत—https://economictimes.indiatimes.com/magazines/panache/breaking-stereotypes-kruti-jobanputra-is-setting-an-example-for-women-in-the-field-of-logistics/articleshow/64568026.cms

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मल्टी-टास्किंग स्टाफ

मल्टी-टास्किंग स्टाफ, केंद्र सरकार के गैर-राजपत्रित, गैर-मंत्रालयी कर्मचारी होते हैं, जिन्हें विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और कार्यालयों में तैनात किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एस.एस.सी. एम.टी.एस. परीक्षा इन पदों हेतु उम्मीदवारों का चयन करने के लिए आयोजित की जाती है। इन पदों में हवलदार, सफाईवाला, दफ्तरी, जूनियर गेस्टेटनर ऑपरेटर, चपरासी, जमादार, चौकीदार, माली सम्मिलित होते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी फाइलों और टाइपिंग कार्य में रुचि हो।
- आपको किसी कार्यालय में कार्य करना पसंद हो।
- आप अपने कार्यों का रिकॉर्ड रखते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000 से 40,000*** है।
स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000 से 1,00,000*** प्रति वर्ष है।
स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000 से 2,00,000*** प्रति वर्ष है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट
पात्रता— हाईस्कूल अवधि— 3 से 6 महीने। उदाहरण— कार्यालय प्रशासन, ग्राहक सेवा और आतिथ्य में।

डिप्लोमा
पात्रता— हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष। अवधि— 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— कार्यालय प्रबंधन में डिप्लोमा, व्यवसाय प्रशासन में डिप्लोमा।

स्नातक
पात्रता— हाई स्कूल डिप्लोमा या समकक्ष। अवधि— 3 से 4 वर्ष। उदाहरण— व्यवसाय प्रशासन में स्नातक, कार्यालय प्रबंधन में स्नातक।

स्नातकोत्तर
पात्रता— संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री। अवधि— 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— व्यवसाय प्रशासन में परास्नातक, कार्यालय और प्रशासनिक प्रबंधन में परास्नातक।

डॉक्टरेट
पात्रता— संबंधित क्षेत्र में परास्नातक की डिग्री। अवधि— 3 से 5 वर्ष। उदाहरण— व्यवसाय प्रशासन में पीएच.डी., कार्यालय प्रबंधन में पीएच.डी.। अल्पकालिक पाठ्यक्रम— कार्यालय प्रशासन कौशल प्रशिक्षण, ग्राहक सेवा उत्कृष्टता, कार्यालय पेशेवरों के लिए समय प्रबंधन। एस.एस.सी.-एम.टी.एस. परीक्षा उत्तीर्ण करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

मल्टी-टास्किंग स्टाफ की आय ₹ **18,000–56,900*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://labour.gov.in/sites/default/files/north_east_regions_detailed_advertisement_udc_and_mts_0.pdf

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— विभिन्न विभागों के सरकारी कार्यालय।

कार्य वातावरण— यह ऑफिस कार्य होता है, जिसमें स्थानीय यात्रा सम्मिलित हो सकती है। इसमें आप वरिष्ठ अधिकारियों के अंतर्गत काम करेंगे, इसके लिए आपको सजग व तत्पर होना आवश्यक है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

मल्टी टास्किंग स्टाफ अधिकारी → लोअर डिवीजन क्लर्क → असिस्टेंट → अपर डिवीजन क्लर्क → क्लर्क → सेक्शन अधिकारी

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थान

1. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
3. मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
4. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

गुरबिंदर सिंह, चंडीगढ़ के सेक्टर 17 स्थित पोस्ट ऑफिस में मल्टी-टास्किंग स्टाफ के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने मोहाली के शिवालिक पब्लिक स्कूल से शिक्षा प्राप्त की।*

स्रोत— http://bit.ly/40asJFF

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

नेचर गाइड

नेचर गाइड, वन्यजीव सफारी के साथ-साथ प्राकृतिक गतिविधियों के लिए पर्यटकों के सभी समूहों के साथ जाते हैं। ये कभी-कभी प्रकृतिविदों की सहायता भी करते हैं और पर्यटकों के अनुभव को समृद्ध बनाते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।
- आप प्रकृति प्रेमी हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000 से 50,000*** है।
स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000 से 2,00,000*** प्रति वर्ष है।
स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,00,000 से 3,00,000*** प्रति वर्ष है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट
पात्रता— हाई स्कूल या स्नातकों या प्रकृति में गहरी रुचि रखने वाले व्यक्तियों के लिए खुला है। अवधि— 6 महीने से 1 वर्ष; उदाहरण— प्रकृति मार्गदर्शन/पारिस्थितिकी पर्यटन में प्रमाणपत्र।

डिप्लोमा
पात्रता— हाई स्कूल (10+2) या समकक्ष। अवधि— 1 से 2 वर्ष; उदाहरण— पारिस्थितिकी पर्यटन/नेचर गाइड में डिप्लोमा।

स्नातक
पात्रता— 10+2 या समकक्ष (विज्ञान)। अवधि— 3 से 4 वर्ष; उदाहरण— पर्यावरण विज्ञान/वानिकी में बी.एस.सी., पर्यटन प्रबंधन में बी.ए.।

स्नातकोत्तर
पात्रता— पर्यावरण विज्ञान, पर्यटन, वानिकी या संबंधित क्षेत्रों में स्नातक की डिग्री। अवधि— 2 वर्ष; उदाहरण— पर्यावरण विज्ञान/वन्यजीव जीव विज्ञान में एम.एससी., पारिस्थितिकी पर्यटन प्रबंधन में एम.ए.

डॉक्टरेट
पात्रता— स्नातकोत्तर डिग्री (पर्यावरण विज्ञान, वन्यजीव जीव विज्ञान या पारिस्थितिकी पर्यटन)। अवधि— 3 से 5 वर्ष; उदाहरण— पर्यावरण विज्ञान/वन्यजीव संरक्षण में पीएच.डी.।

अल्पकालिक पाठ्यक्रम— नेचर गाइड प्रमाणन कार्यक्रम, पारिस्थितिकी पर्यटन गाइड प्रशिक्षण, वन्यजीव संरक्षण प्रशिक्षण, प्रकृति व्याख्या और संचार पाठ्यक्रम।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

नेचर गाइड की आय ₹ **8,080–59,400*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Tour_Guide/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल—राष्ट्रीय उद्यान, चिड़ियाघर, ट्रैवल एजेंसियाँ, कैंपिंग निट्स, ट्रेकिंग एजेंसियाँ, साहसिक खेल एजेंसियाँ, होटल, पर्यटन इकाइयाँ आदि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 10 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। और कार्य अवधि से भी अधिक कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक नेचर गाइड → नेचर गाइड

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम भारत के विभिन्न राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में समय-समय पर विभिन्न संस्थानों द्वारा संचालित किया जाता है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान, भारत के विभिन्न राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में विभिन्न केंद्र

निजी संस्थान

1. थॉमस कुक सेंटर ऑफ लर्निंग, मुंबई, महाराष्ट्र
2. कुओनी एकेडमी, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

क्रिस पैकहम (यूनाइटेड किंगडम) एक वन्यजीव विशेषज्ञ हैं, जिन्हें नेचर गाइडिंग (प्रकृति मार्गदर्शन) और पर्यावरण संरक्षण में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे अपने वन्यजीव वृत्तचित्रों और शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए प्रसिद्ध हैं, विशेष रूप से पक्षी और पशु व्यवहार पर ध्यान केंद्रित करते हैं।*

स्रोत— https://www.chrispackham.co.uk/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कार्यालय प्रशासक

कार्यालय प्रशासक (ऑफिस एडमिनिस्ट्रेटर), अपने कार्यालय में कई प्रकार के कार्यों की देख-रेख करते हैं। इनके उत्तरदायित्वों में कर्मचारियों की निगरानी करना, कार्यालय संचालन एवं प्रक्रियाओं का आयोजन, पेरोल बनाना, पत्राचार को नियंत्रित करना, फाइलिंग सिस्टम को डिजाइन करना, आपूर्ति आवश्यकताओं की समीक्षा करना और अप्रूव करना तथा लिपिकीय कार्य करना और इनकी मॉनीटरिंग सम्मिलित है।

व्यक्तिगत गुण

- आप अपने काम को प्राथमिकता से करते हों।
- आप सबके साथ बात करने में सहज हों।
- आप नए दायित्वों को शीघ्रता से स्वीकार करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 50,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट/फ्रंट ऑफिस ऑपरेशंस/होटल मैनेजमेंट/होटल मैनेजमेंट और कैटरिंग टेक्नोलॉजी या फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट में विशेषज्ञता वाले समान पाठ्यक्रमों में डिप्लोमा करें।

अथवा

किसी भी विषय में स्नातक करें और इसके बाद रिसेप्शनिस्ट प्रोग्राम, ऑफिस मैनेजमेंट या किसी समान विषय में सर्टिफिकेशन कोर्स करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

कार्यालय प्रशासक की आय **₹ 18,000–35,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/office-administrator-salary-SRCH_KO0,20.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— अस्पताल, विश्वविद्यालय, वित्तीय संस्थान, सरकारी एजेंसियाँ, धर्मार्थ संस्थाएँ, छोटे व्यवसाय, खुदरा विक्रेता, निर्माता, प्रमुख कंपनियाँ और मीडिया फर्म आदि।

कार्य वातावरण— आप कार्यालय में काम करेंगे तथा टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। इस काम में स्थानीय यात्रा सम्मिलित नहीं है। आप सप्ताह में 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करेंगे। आपको सप्ताहांत में और अधिक समय तक काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कार्यालय प्रशासक → कार्यकारी सहायक → वरिष्ठ कार्यकारी सहायक।

अथवा

कार्यालय प्रशासक → संचालन प्रबंधक → संचालन निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम बिज़नेस मैनेजमेंट विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर, मध्य प्रदेश
2. भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची, झारखंड
3. भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक, हरियाणा
4. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5. शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, नई दिल्ली
6. भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान, नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
8. लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले कृपया जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. श्री विले पार्ले केलावनी मंडल, नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई, महाराष्ट्र
2. वॉक्सन यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना
3. इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट्स ऑफ इंडिया, फाउंडेशन फॉर हायर एजुकेशन, हैदराबाद, तेलंगाना
4. के.आई.आई.टी. स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर, ओडिशा
5. पारुल यूनिवर्सिटी, बड़ौदा, गुजरात
6. इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात
7. जे. के. लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
8. एमिटी ग्लोबल बिजनेस स्कूल, नोएडा, उत्तर प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

आशुतोष व्यास वर्तमान में राष्ट्रीय कृषि मार्केटिंग संस्थान में व्यवसाय कार्यकारी के रूप में काम करते हैं। उन्होंने कॉमर्स कॉलेज जयपुर से बी.बी.ए. और भारतीय ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, जयपुर से ग्रामीण प्रबंधन में एम.बी.ए. किया है। एन.आई.ए.एम. में सम्मिलित होने से पहले, व्यास ने शाह टेक्निकल कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड* में कार्यालय प्रबंधक के रूप में काम किया है।

स्रोत— https://ccsniam.gov.in/team?id=118

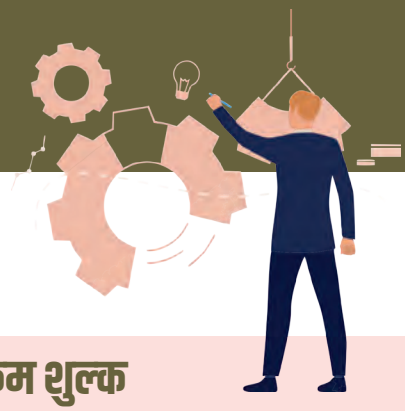
**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

संचालन प्रबंधक

संचालन प्रबंधक, किसी संगठन के भीतर उच्चतम स्तर की दक्षता बनाने के लिए उत्तरदायी होते हैं। संचालन विभाग रणनीतिक मुद्दों को संभालते हैं, जैसे कि कच्चा माल कैसे प्राप्त किया जाए, गुणवत्ता नियंत्रण बनाए रखते हुए किस कीमत पर कितना उत्पादन किया जाए। कोई संचालन और आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में काम कर सकता है, जिसमें आपूर्ति शृंखला के माध्यम से इन्वेंट्री का प्रबंधन सम्मिलित है और संचालन प्रबंधक, जो मौजूदा संरचनाओं का पुनर्मूल्यांकन करते हुए नई प्रक्रियाओं का समन्वय और विकास करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप आयोजन और समन्वय संबंधी कार्य करने में अच्छे हों।
- आप विश्लेषणों पर विशेष ध्यान देते हों।
- आप समस्याओं को हल करने में सक्षम हों।
- आप कार्य के दौरान विवरणों पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. ऑपरेशंस में विशेषज्ञता के साथ स्नातक करें।

अथवा

स्नातक के बाद ऑपरेशंस/एम.बी.ए. में स्नातकोत्तर करें, ताकि व्यावसायिक विकास और विशेषज्ञता प्राप्त हो सके।

अथवा

ऑपरेशंस में स्नातक के बाद एक प्रमाणपत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रम करें, जिसे काम के साथ-साथ ऑनलाइन भी किया जा सकता है। स्नातक डिग्री में प्रवेश के लिए, आपको सी.ई.टी., एस.ई.टी., डीयू जे.ए.टी., एस.ई.टी. जैसी प्रवेश परीक्षाओं में से किसी एक में उत्तीर्ण होना होगा। और पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री के लिए, आपको सी.ए.टी./एक्स.ए.टी./जी.एम.ए.टी./एस.एन.ए.पी./एन.एम.ए.टी./सी. एम.ए.टी. में से किसी भी परीक्षा में उत्तीर्ण होना होगा।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

संचालन प्रबंधक की आय ₹ **25,500–2,50,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=General_%2F_Operations_Manager/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— वित्तीय संस्थान, आतिथ्य, आई.टी. फर्म, समाचार और मीडिया हाउस, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ, कॉर्पोरेट हाउस, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, अस्पताल और रिटेल स्टोर।

कार्य वातावरण— संचालन प्रबंधक एक गतिशील वातावरण में काम करते हैं। इसमें तुरंत निर्णय लेना और बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होना महत्वपूर्ण है। आप सहायक कर्मचारियों के साथ एक कार्यालय सेटअप में काम करेंगे। लंबे समय तक और सप्ताहांत में काम करना आम बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

संचालन समन्वयक → संचालन पर्यवेक्षक → संचालन प्रबंधक → संचालन नियंत्रक → संचालन निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन या वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
2. लाला लाजपत राय कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, मुंबई, महाराष्ट्र
3. शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, नई दिल्ली
4. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5. सिडनहॅम कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, मुंबई, महाराष्ट्र
6. सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र
7. जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई, महाराष्ट्र
8. भारतीय प्रबंधन संस्थान (विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश)

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. एमिटी इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, नोएडा, उत्तर प्रदेश
3. एन.एम.आई.एम.एस. डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, मुंबई, महाराष्ट्र
4. माउंट कार्मेल, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, नोएडा, उत्तर प्रदेश
6. लोयोला कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
7. एक्स.एल.आर.आई., जमशेदपुर, झारखंड

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

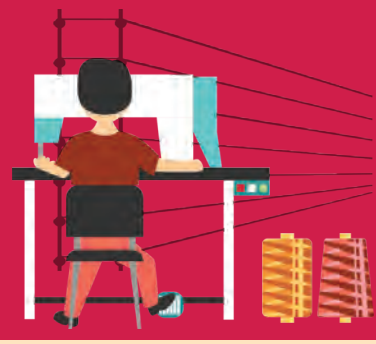
कार्य क्षेत्र से उदाहरण

प्रिया बालासुब्रमण्यम एक अनुभवी प्रौद्योगिकी कार्यकारी हैं, जो लगभग 20 वर्षों से एपल कंपनी में वरिष्ठ खरीद और संचालन भूमिकाओं में सेवारत हैं। वर्तमान में वह कंपनी के लिए सभी कोर टेक्नोलॉजी ऑपरेशंस और आईफोन ऑपरेशंस की देख-रेख करती हैं। बालासुब्रमण्यम आईफोन मैन्युफैक्चरिंग सप्लाई चेन, क्वालिटी और रिपेयर ऑपरेशंस और कोर कंपोनेंट्स के लिए उत्तरदायी हैं। उन्होंने पहले वैश्विक औद्योगिक रोबोटिक्स आपूर्तिकर्ता ए.बी.बी. के लिए एक इंजीनियर के रूप में काम किया। बालासुब्रमण्यम ने बैंगलोर विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी से आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में एम.बी.ए. किया है।

स्रोत— https://www.sarcos.com/sarcos-bio/priya-balasubramaniam/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

पैकेज डाइंग मशीन ऑपरेटर



पैकेज डाइंग मशीन ऑपरेटर, फाइबर या धागों की रंगाई, ब्लीचिंग और सोर्सिंग के लिए उपयोग की जाने वाली डाइंग मशीन को संचालित करते हैं। उसे विभिन्न प्रकार के धागों और रंगाई व ब्लीचिंग प्रक्रियाओं की जानकारी होनी चाहिए, ताकि वह मशीन को उचित रूप से चला सके। इसके अलावा, ऑपरेटर को हर प्रक्रिया के लिए आवश्यक समय की सही जानकारी होनी चाहिए, ताकि सटीक और कुशलता से काम किया जा सके।

व्यक्तिगत गुण

- आप समूह में काम करने में सहज हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हों।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **15,000–60,000*** है।
स्नातक— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–1,50,000*** प्रति वर्ष है।
स्नातकोत्तर— पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,00,000–3,00,000*** प्रति वर्ष है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट
पात्रता— हाई स्कूल स्नातक या टेक्सटाइल संचालन में रुचि रखने वाले व्यक्ति। अवधि— 6 महीने से 1 वर्ष; उदाहरण— टेक्सटाइल डाइंग/पैकेजिंग डाइंग संचालन।

डिप्लोमा
पात्रता— हाई स्कूल (10+2) या समकक्ष। अवधि— 1 से 2 वर्ष; उदाहरण— टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी/डाइंग और फिनिशिंग में डिप्लोमा

स्नातक
योग्यता— 10+2 या समकक्ष, अधिमानतः विज्ञान में पृष्ठभूमि के साथ। अवधि— 3 से 4 वर्ष; उदाहरण— टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में बी.टेक., टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में बी.एससी., फैशन और टेक्सटाइल डिजाइन में बी.ए.

स्नातकोत्तर
पात्रता— टेक्सटाइल इंजीनियरिंग/फैशन डिजाइन या संबंधित क्षेत्रों में स्नातक की डिग्री। अवधि— 2 वर्ष; उदाहरण— टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में एम.टेक., फैशन और टेक्सटाइल डिजाइन में एम.ए.

डॉक्टरेट
पात्रता— टेक्सटाइल इंजीनियरिंग, रंगाई या संबंधित क्षेत्रों में स्नातकोत्तर। अवधि— 3 से 5 वर्ष; उदाहरण— टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में पीएच.डी., रंगाई और फिनिशिंग में पीएच.डी.। अल्पकालिक पाठ्यक्रम— टेक्सटाइल रंगाई प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण, पैकेजिंग और टेक्सटाइल फिनिशिंग तकनीक।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

पैकेज डाइंग मशीन ऑपरेटर की आय लगभग ₹ **11,000–18,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3Z2rJ5G

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल—रंगाई इकाई, कपड़ा निर्माण इकाई, कुटीर उद्योग, कताई मिल, बुटीक बनाना।

कार्य वातावरण—आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना होगा। पालियों में कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक → पैकेज डाइंग मशीन ऑपरेटर → शिफ्ट सुपरवाइजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

सरकारी संस्थान

1. रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
2. राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत के विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित
3. सस्मिरा (सिंथेटिक और आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन), मुंबई, महाराष्ट्र
4. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भारत के विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित

निजी संस्थान

1. द टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटाइल एंड साइंसेज, भिवानी, हरियाणा
2. डी.के.टी.ई. सोसाइटीज टेक्सटाइल एंड इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट, इचलकरंजी, महाराष्ट्र
3. सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल स्कूल ऑफ टेक्सटाइल्स एंड मैनेजमेंट, कोयंबटूर, तमिलनाडु
4. नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html



बंदरगाह परिचालन प्रबंधक

बंदरगाह परिचालन प्रबंधक, पोर्ट टर्मिनल पर सभी संचालन के सुचारु एवं कुशल प्रबंधन के लिए उत्तरदायी होता है। उसके उत्तरदायित्व में जहाजों के आगमन और प्रस्थान का समन्वय, विभिन्न प्रकार के माल एवं कार्गो की लोडिंग और अनलोडिंग की देखरेख, गोदामों में उनके सुरक्षित भंडारण और कस्टम क्लीयरेंस तक की पूरी प्रक्रिया की निगरानी सम्मिलित होती है।



व्यक्तिगत गुण

- आप किसी कंपनी में मैनेजर के पद पर काम करना चाहते हों।
- आप सर्तक और संगठित व्यक्ति हों।
- आपको नेतृत्व करना पसंद हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 80,000–6,00,000* के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. वाणिज्य और विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. विज्ञान/प्रौद्योगिकी/इंजीनियरिंग/प्रबंधन या किसी संबंधित विषय में स्नातक की डिग्री करें।

अथवा

विज्ञान/प्रौद्योगिकी/इंजीनियरिंग/प्रबंधन या किसी संबंधित विषय में डिप्लोमा करें।

अथवा

स्नातक करें और पोर्ट और शिपिंग प्रबंधन में स्नातकोत्तर करें।

अथवा

स्नातक करें और शिपिंग और पोर्ट प्रबंधन में एम.बी.ए. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

बंदरगाह परिचालन प्रबंधक की आय
₹ 35,000–97,000* प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/shipping-manager-salary-SRCH_KO0,16.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल—आयात एवं निर्यात फर्म, सार्वजनिक एवं निजी शिपिंग कंपनियाँ, रेलवे और रक्षा जैसे सरकारी विभाग आदि।

कार्य वातावरण—यह डेस्क जॉब नहीं है। आप अधिकारियों की एक टीम को संभालेंगे। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का भाग नहीं है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

व्यापारी अधिकारी → बंदरगाह प्रबंधक → शिपिंग प्रबंधक → बंदरगाह निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु
2. अंतर्राष्ट्रीय समुद्री अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु
3. भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, कोच्चि परिसर, केरल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. समुद्री शिक्षा और प्रशिक्षण अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु
2. भारतीय रसद संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
3. महाकौशल विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश
4. एम.आई.टी. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, पुणे, महाराष्ट्र
5. नरोत्तम मोरारजी इंस्टीट्यूट ऑफ शिपिंग, मुंबई, महाराष्ट्र
6. सीकॉम मरीन कॉलेज, हावड़ा, पश्चिम बंगाल
7. श्रीमती एच.बी. पालन कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, कच्छ
8. श्रीनिवास विश्वविद्यालय, मंगलुरु, कर्नाटक
9. सुभारती इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स, मेरठ, उत्तर प्रदेश
10. यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून, उत्तर प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

वेत्ताथ रघुनंदन बंदरगाह और रसद क्षेत्र में एक अनुभवी विशेषज्ञ हैं, जिनके पास इस उद्योग में 40 से अधिक वर्षों का गहन अनुभव है। वे वर्तमान में कराईकल पोर्ट के सी.ई.ओ. के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले, उन्होंने अदानी पोर्ट्स और एस.ई.जेड., धामरा पोर्ट, जे.एम. बैक्सी एंड कंपनी और इंडियन पोटाश लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक कौशल में नरोत्तम मोरारजी इंस्टीट्यूट ऑफ शिपिंग से कमर्शियल शिपिंग और शिप मैनेजमेंट में डिग्री, आई.आई.टी. मुंबई से प्रोजेक्ट मैनेजमेंट का प्रशिक्षण और ब्यूरो ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, मुंबई से डिप्लोमा सम्मिलित है।

स्रोत— https://karaikalport.com/management-team/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सचिव/निजी सहायक

निजी सहायक या सचिव सामान्यतः किसी व्यक्ति या विभाग की ओर से प्रशासनिक, लिपिकीय और प्रबंधकीय कार्य करते हैं। उसके कार्यों में शेड्यूल और पत्राचार का प्रबंधन और यात्राओं की योजना बनाना आदि सम्मिलित हो सकते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपके पास उत्तम लिखित और मौखिक कौशल हो।
- आपको फाइल करना या टाइप करना पसंद हों।
- आप नए दायित्व लेने को तत्पर हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 78,000–2,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. ऑफिस मैनेजमेंट और सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस/सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस/कॉर्पोरेट सेक्रेटरीशिप या किसी समान विषय में स्नातक की डिग्री करें।

अथवा

ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन/एडमिनिस्ट्रेशन सर्विसेज/सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस या किसी समान पाठ्यक्रम में डिप्लोमा करें।

अथवा

किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री करें और फिर ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन/मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट और सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस/सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस और इसी तरह के विषय में सर्टिफिकेट कोर्स चुनें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सचिव या निजी सहायक की आय **₹ 21,938–60,417*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.meity.gov.in/writereaddata/files/private-secretary.pdf

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल—भारत भर में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियाँ, एजेंसियाँ और बैंक।

कार्य वातावरण—यह एक डेस्क जॉब है। आप किसी टीम को नहीं संभालेंगे। स्थानीय यात्रा नौकरी की भूमिका का भाग नहीं है। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन 8 से 9 घंटे काम करना पड़ सकता है। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

रिसेप्शनिस्ट → निजी सचिव → अन्य व्यवसाय में सम्मिलित हों

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

निम्नलिखित संस्थान सचिवीय अभ्यास या कॉर्पोरेट सचिव पद पर पाठ्यक्रम संचालित करते हैं। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक हैं।

सरकारी संस्थान

1. छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
2. महारानी आर्ट्स, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट कॉलेज फॉर विमेन, मैसूर, कर्नाटक
3. कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
4. यंग मेन्स क्रिश्चियन एसोसिएशन, नई दिल्ली
5. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग, नोएडा, उत्तर प्रदेश
6. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग, इंदौर, मध्य प्रदेश
7. मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. भगिनी निवेदिता कॉलेज, नई दिल्ली
2. गुरु नानक खालसा कॉलेज फॉर विमेन, लुधियाना, पंजाब
3. डॉ. हरिवंश राय बच्चन महाविद्यालय, उन्नाव, उत्तर प्रदेश
4. शांति देवी आर्य महिला कॉलेज, दीनानगर, पंजाब
5. ए.सी.एम.टी. एजुकेशन कॉलेज, नई दिल्ली
6. पी.वी.पी. महिला विश्वविद्यालय, सांताक्रूज वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र
7. अहिंसा महिला पॉलिटेक्निक, नई दिल्ली
8. एयर फोर्स वोकेशनल कॉलेज, नई दिल्ली
9. इंटरनेशनल विमेन पॉलिटेक्निक, गुरुग्राम, उत्तर प्रदेश
10. न्यूसेंट ट्रेनिंग अकादमी (विभिन्न शहरों में स्थित)

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

कर्मा डोलमा, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सी.टी.ए) में एक सिविल सेवक हैं। उन्होंने दिल्ली बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन से सचिवीय अभ्यास में डिप्लोमा प्राप्त किया। इसके बाद, उन्हें सी.टी.ए. के गृह विभाग में अनुबंध कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया, जहाँ उन्होंने 1,000 तिब्बती आव्रजन परियोजना में संपर्क अधिकारी के सहायक के रूप में काम किया। जून वर्ष 1993 में इस परियोजना के पूरा होने के बाद, डोलमा को प्रायोजन सचिव नियुक्त किया गया। मई 1997 में, उन्होंने प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर कार्यालय सचिव का पद प्राप्त किया।

स्रोत— https://tibet.net/saturday-shout-out-cta-civil-servant-karma-dolma/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

वाइन परिचारक

वाइन परिचारक एक प्रशिक्षित वाइन व्यवसायी होता है, जो सामान्यतः किसी उच्च स्तरीय या बढ़िया भोजनालय में काम करता है। परिचारक वाइन सेवा के हर पहलू के लिए उत्तरदायी होते हैं, जिसमें रेस्तरां की वाइन सूची बनाना और रेस्तरां में आने वाले लोगों को फ्लोर सर्विस देना सम्मिलित है।



व्यक्तिगत गुण

- आप सभी से सहजता से बात कर सकते हों।
- आप एक सावधान और संगठित व्यक्ति हों।
- आप अत्यधिक परिष्कृत स्वाद और गंध की समझ रखते हों।
- आप में शराब के प्रति सांस्कृतिक संवेदनशीलता हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **60,000–70,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. वाइन टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा करें।

अथवा

वाइन टेक्नोलॉजी में बैचलर डिग्री करें, उसके बाद वाइन टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम करें।

अथवा

वाइन टेक्नोलॉजी या किसी अन्य संबंधित विषय में बैचलर डिग्री उत्तीर्ण करें, किसी अंतरराष्ट्रीय संस्थान से वाइन और गैस्ट्रोनॉमी/ सस्टेनेबल विटिकल्चर और ओनोलॉजी में स्पेशलाइजेशन पाठ्यक्रम या स्नातकोत्तर डिग्री करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

वाइन परिचारक की आय ₹ **10,000–4,17,000*** या उससे अधिक प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Sommelier/Salary?loggedIn

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— शराब बनाने वाली कंपनियाँ, महंगे रेस्तराँ, आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र (जैसे कि क्रूज)

उद्यमिता— आप वाइन लेखक, वाइन समीक्षक बनना चुन सकते हैं या अपनी स्वंय की शराब बनाने वाली कंपनी खोल सकते हैं

कार्य वातावरण— आप या तो बार या वाइन शॉप या रेस्तराँ या वाइन बेचने वाले व्यवसाय में काम करेंगे। आपको शाम और सप्ताहांत सहित लंबे समय तक काम करना पड़ सकता है, जब रेस्तराँ सबसे व्यस्त होते हैं। आप वाइन बनाने वाले क्षेत्रों में जाकर वाइन बनाने वालों से मिल सकते हैं और नई वाइन के बारे में जान सकते हैं।

इस क्षेत्र में विभिन्न क्षमताओं वाले व्यक्तियों के लिए अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रारंभिक वाइन परिचारक → प्रमाणित वाइन परिचारक → उन्नत वाइन परिचारक → मास्टर वाइन परिचारक



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

पेशेवर परिचारक बनने के लिए विद्यार्थी बी.एच.एम., बी.एस.सी. एच.एम. सी.टी.टी., डिप्लोमा पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारत के विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित होटल प्रबंधन संस्थान
2. बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश
3. हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड
4. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
5. मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम

निजी संस्थान

1. इंडियन वाइन अकादमी, दिल्ली
2. मणिपाल अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. इंस्टीट्यूट फॉर वाइन एंड बेवरेज स्टडीज, दिल्ली
4. वाइन अकादमी ऑफ इंडिया, चेन्नई
5. तुलीहो वाइन अकादमी, बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली
6. सोना हॉलैंड वाइन अकादमी, मुंबई, महाराष्ट्र
7. साके सोमेलियर अकादमी, हरियाणा

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

करिश्मा ग्रोवर एक प्रसिद्ध वाइनमेकर और सोमेलियर हैं, जिन्होंने विटिकल्चर और एनोलॉजी में अपनी स्नातक की पढ़ाई यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, डेविस से पूरी की है। वे भारत की पहली महिला वाइनमेकर के रूप में जानी जाती हैं और वर्तमान में डी.ए.ओ.यू. फैमिली एस्टेट्स वाइनमेकिंग कंपनी में ब्रांड मैनेजर की भूमिका निभा रही हैं।

स्रोत— https://guns2gewurztraminer.com/karishma-grover/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधक

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधक, किसी संगठन की सप्लाई चेन के हर चरण के प्रभारी होते हैं। कच्चे माल की खरीद से लेकर उत्पादन तक उन्हें यह सुनिश्चित करना होता है कि सही समय पर सही मात्रा में उत्पाद बनाया जाए, साथ ही अपने टीम के सदस्यों के साथ उत्पाद के भंडारण का समन्वय करना होता है।



व्यक्तिगत गुण

- आप अपनी वस्तुओं को व्यवस्थित रखना पसंद करते हों।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।
- आप नेतृत्व करना पसंद करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 1,71,000–16,00,000* के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी विषय-वर्ग (अधिमानतः वाणिज्य) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन/बिजनेस मैनेजमेंट में बैचलर (बी.बी.ए./बी.बी.एम.) डिग्री करें या बैचलर डिग्री उत्तीर्ण करें और उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) डिग्री प्राप्तकरें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधक की आय लगभग
₹ 25,250–1,67,000* प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Supply_Chain_Manager/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— उत्पादन इकाइयाँ, निजी और सार्वजनिक उत्पादन कंपनियाँ, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, कूरियर कंपनियाँ, कुटीर आधारित उद्योग, शिपिंग कंपनियाँ, सैन्य आदि।

कार्य वातावरण— कार्य समय सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन 8 से 9 घंटे प्रतिदिन होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन प्रशिक्षु → आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधक → संचालन प्रमुख → रसद प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली
2. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू और कश्मीर
3. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
4. पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
5. भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक, हरियाणा
6. दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तर प्रदेश
7. प्रबंधन विज्ञान विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र
8. भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. रईसनी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, नागपुर, महाराष्ट्र
2. सनराइज यूनिवर्सिटी, अलवर, राजस्थान
3. आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. शारनबसवा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक
5. आर्केड बिजनेस कॉलेज, पटना, बिहार
6. ऑक्सब्रिज बिजनेस स्कूल, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. ज्योति निवास कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस, बेंगलुरु, कर्नाटक

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मोनिका मित्तल एक भारतीय सप्लाई चेन मैनेजर हैं, जो 'यम! ब्रांड्स' के साथ कार्यरत हैं। उन्होंने खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री पूरी की है और इसके बाद भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आई.आई.पी.) से पैकेजिंग विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की। सुश्री मित्तल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, खाद्य प्रौद्योगिकी और पैकेजिंग में विशेष रुचि रखती हैं और इन क्षेत्रों में कार्य करने में उत्साही हैं।

स्रोत— https://www.rkfoodland.com/womenleadership-in-supply-chain/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

टूर गाइड

टूर गाइड, जिन्हें सरकार द्वारा प्रमाणित और लाइसेंस प्राप्त होता है, जिससे वे दूसरों को पर्यटन या यात्राओं पर ले जा सकें।



व्यक्तिगत गुण

- आपको बाहर काम करना पसंद हो।
- आपको नेतृत्व करना पसंद हो।
- आप लोगों को अपने निर्देशों के अंतर्गत काम करवा सकते हों।
- आपको प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधनों का ज्ञान हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **40,000–3,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. पर्यटन अध्ययन/पर्यटन प्रबंधन/यात्रा और पर्यटन प्रबंधन/आतिथ्य प्रबंधन/पुरातत्व या किसी अन्य संबंधित विषय में स्नातक की डिग्री करें और पर्यटन मंत्रालय द्वारा टूर गाइड के रूप में काम करने के लिए अनुमोदित लाइसेंस प्राप्त करें।

अथवा

पर्यटन में बी.वोक. (बैचलर ऑफ वोकेशन) उत्तीर्ण करें और पर्यटन मंत्रालय द्वारा टूर गाइड के रूप में काम करने के लिए अनुमोदित लाइसेंस प्राप्त करें।

अथवा

पर्यटन/यात्रा और पर्यटन/पर्यटन प्रबंधन में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम करें और पर्यटन मंत्रालय द्वारा टूरिस्ट गाइड के रूप में काम करने के लिए अनुमोदित लाइसेंस प्राप्त करें।

अथवा

टूर गाइड में एन.एस.क्यू.एफ. (राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा) स्तर 4 योग्यता प्राप्त करें और पर्यटन मंत्रालय द्वारा टूरिस्ट गाइड के रूप में काम करने के लिए अनुमोदित लाइसेंस प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

टूर गाइड की आय ₹ **75,000–1,67,000*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Tour_Guide/Salar

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— केंद्र और राज्य सरकार के धार्मिक/विरासत/ऐतिहासिक स्थल, ट्रैवल एजेंसियाँ, संग्रहालय, आउटडोर गाइडेड ट्रिप (पर्वतारोहण/स्कीइंग/स्कूबा डाइविंग) और सफारी आदि।

उद्यमिता— आप स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— यह एक फील्ड जॉब है। आप पर्यटकों की एक टीम का प्रबंधन करेंगे। स्थानीय यात्रा जॉब प्रोफाइल का एक महत्वपूर्ण भाग है। एजेंसियाँ सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करती हैं। यह एजेंसी से एजेंसी में भिन्न हो सकता है।

इस क्षेत्र में विभिन्न क्षमताओं वाले व्यक्तियों के लिए अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

टूर गाइड → विशेषज्ञ गाइड → टूर मैनेजर → टूर निदेशक → टूर लीडर → संचालन प्रबंधक → उत्पाद प्रबंधक → पर्यटन प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारत के विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान एवं भारत के विभिन्न केंद्र
2. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

निजी संस्थान

1. थॉमस कुक सेंटर ऑफ लर्निंग, मुंबई, महाराष्ट्र
2. कुओनी अकादमी, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

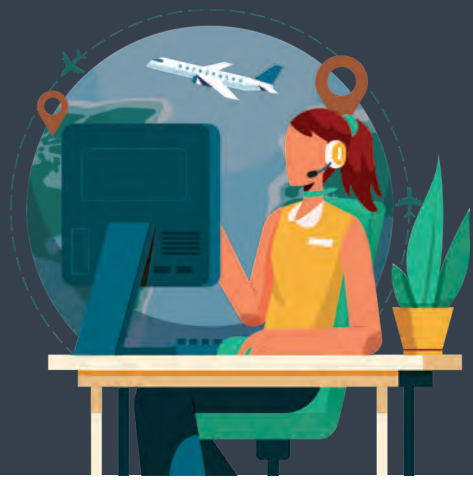
चौबीस वर्षीय **कोमल दरीरा** एक ट्रैवल संगठन, वूमन फॉर वर्ल्ड की संस्थापक हैं। उन्होंने 19 वर्ष की उम्र में दिल्ली स्थित एक ट्रैवल कंपनी, इंट्रेपिड ट्रैवल के लिए एक टूर गाइड के रूप में सभी रुढ़ियों को तोड़ते हुए यात्रा आरंभ की। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से जनसंचार में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है।*

स्रोत— https://www.traveldailymedia.com/iwta-komal-darira-women-for-world/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

टूर ऑपरेटर

टूर ऑपरेटर का काम छुट्टियों के लिए यात्रा कार्यक्रम तैयार करना और यात्रा से जुड़ी सभी आवश्यकताओं को समायोजित करना होता है। वे तैयार किए गए पैकेज को सीधे ग्राहकों को बेच सकते हैं या इसके लिए ट्रैवल एजेंट की सहायता ले सकते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपके पास नेटवर्किंग कौशल हो।
- आपके पास नेतृत्व और टीमवर्क कौशल हो।
- आपके पास समस्या समाधान क्षमता हो।
- आपके पास स्पष्ट और प्रभावी संचार कौशल हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **15,000–6,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में स्नातक (बी.बी.ए.) डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

किसी भी विषय में स्नातक डिग्री पूरी करें और ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में एम.बी.ए. की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में डिप्लोमा करें।

अथवा

व्यक्तिगत रूप से काम करने के लिए राजकीय लाइसेंस या अनुमति का अनुभव होना अनिवार्य है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

टूर ऑपरेटर की आय ₹ **8,000 – 65,750*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— https://www.salaryexpert.com/salary/job/tour-operator/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ट्रैवल एजेंसियाँ, टूर कंपनियाँ।

उद्यमिता— आप अपना व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप इनडोर और आउटडोर दोनों जगह काम करेंगे। आप होटल और एयरलाइन जैसे विक्रेताओं के साथ आवास, परिवहन या टिकटिंग विकल्पों की व्यवस्था करने में फोन पर समय बिताने की संभावना रखते हैं। आप आवास या आकर्षण की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न स्थानों की यात्रा कर सकते हैं ताकि आप ग्राहकों को उचित परामर्श दे सकें। आप सप्ताह में 6 दिन 9 से 10 घंटे प्रतिदिन काम करने की संभावना रखते हैं।

इस क्षेत्र में विभिन्न क्षमताओं वाले व्यक्तियों के लिए अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

टूर ऑपरेटर → टूर प्रबंधक → टूर निदेशक → टूर लीडर → ऑपरेशन प्रबंधक → प्रोडक्ट प्रबंधक → पर्यटन प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थानों द्वारा स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री प्रोग्राम के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारत के विभिन्न केंद्रों में होटल प्रबंधन संस्थान
2. बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश
3. हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड
4. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
5. मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम
6. तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. बनारसीदास चाँदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
5. ओबेरॉय लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर, नई दिल्ली
6. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सुमित्रा सेनापति, वुमन ऑन वंडरलस्ट (डब्लू.ओ.डब्लू.) क्लब की संस्थापक हैं। उन्होंने होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई कैटरिंग इंस्टीट्यूट, दिल्ली से और बी.ए. भी दिल्ली विश्वविद्यालय से किया। होटल उद्योग में कार्य करने और स्वतंत्र लेखन का अनुभव प्राप्त करने के बाद, उन्होंने एकल महिलाओं के लिए एक ऐसा क्लब स्थापित किया, जिसका उद्देश्य समूहों में यात्रा करते समय महिलाओं की सुरक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता देना है।

*स्रोत— http://www.thinklink.in/blog/sumitra-senapaty**

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

परिवहन प्रबंधक

परिवहन प्रबंधक का मुख्य कार्य दैनिक परिवहन, शिपिंग और वितरण प्रक्रियाओं का संचालन और प्रबंधन करना है। उनका उत्तरदायित्व यह सुनिश्चित करना होता है कि सभी ऑर्डर समय पर भेजे और वितरित किए जाएँ।



व्यक्तिगत गुण

- आप अपनी वस्तुओं को व्यवस्थित रखना पसंद करते हों।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 1,71,000–16,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग (अधिमानतः वाणिज्य) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन/बिजनेस मैनेजमेंट में बैचलर (बी.बी.ए./बी.बी.एम) डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक डिग्री प्राप्त करें और उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) करें। लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)/ट्रांसपोर्टेशन और लॉजिस्टिक्स में एम.बी.ए. करें।

अथवा

लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट में डिप्लोमा करें।

अथवा

लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट/ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट/फ्रेट फॉरवर्डिंग और कस्टम्स क्लीयरेंस में सर्टिफिकेट प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

परिवहन प्रबंधक की आय **₹ 40,00–1,20,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3wYW0G3

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल—उत्पादन इकाइयाँ, निजी और सार्वजनिक उत्पादन कंपनियाँ, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, कूरियर कंपनियाँ, कुटीर आधारित उद्योग, शिपिंग कंपनियाँ, सैन्य और इसी तरह की अन्य कंपनियाँ।

कार्य वातावरण—कार्य समय सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन 8 से 9 घंटे प्रतिदिन होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रबंधक, परिवहन → उप महाप्रबंधक → वरिष्ठ परिचालन प्रबंधक → मुख्य परिचालन अधिकारी → मुख्य कार्यकारी अधिकारी → उपाध्यक्ष, परिचालन

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली
2. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू और कश्मीर
3. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा, गुजरात
4. पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
5. भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक, हरियाणा
6. दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तर प्रदेश
7. प्रबंधन विज्ञान विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
8. भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी और ए.आई.सी.टी.ई से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. रईसनी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, नागपुर, महाराष्ट्र
2. सनराइज यूनिवर्सिटी, अलवर, राजस्थान
3. आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. शारनबसवा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक
5. आर्केड बिजनेस कॉलेज, पटना, बिहार
6. ऑक्सब्रिज बिजनेस स्कूल, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. ज्योति निवास कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

ब्लू डार्ट एविएशन की प्रबंध निदेशक **तुलसी मीरचंदानी** के पास मॉन्ट्रियल स्थित कॉनकॉर्डिया यूनिवर्सिटी से इंटरनेशनल एविएशन में एम.बी.ए. है। उन्हें भारत में नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा सम्मानित किया गया है। तुलसी विशेष रूप से उन महिला कूरियर्स का उत्सव मनाती हैं, जो ब्लू डार्ट के साथ कठिन परिस्थितियों में काम कर रही हैं। लगभग 50 वर्ष पहले, उन्होंने एक पुरुष-प्रधान उद्योग में कार्गो पायलट के रूप में अपना करियर आरंभ किया था और आज वह एक कुशल परिवहन प्रबंधक के रूप में जानी जाती हैं।

स्रोत—https://www.bluedartaviation.com/tulsi.htm

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

यात्रा सलाहकार

यात्रा सलाहकार, यात्राओं के विशेषज्ञ होते हैं, जो ट्रैवल एजेंसियों या टूर कंपनियों के लिए काम करते हुए ग्राहकों की आवश्यकताों और बजट के अनुसार यात्रा योजनाएँ तैयार करते हैं। वह विभिन्न टूर पैकेजों की रिसर्च, डिजाइन और आयोजन करते हैं, साथ ही टिकट बुकिंग और आवास जैसी यात्रा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं का प्रबंधन करते हैं, ताकि ग्राहक की यात्रा सुगम और आनंददायक हो सके।



व्यक्तिगत गुण

- आपको अलग-अलग जगहों और संस्कृतियों को जानना पसंद हो।
- आपको यात्रा करने में रुचि हो।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आपको टीम के साथ काम करना पसंद हो।
- आपको सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों का ज्ञान हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.)— यह एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, जिसमें पाठ्यक्रम के प्रकार के आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.pmkvyofficial.org/ pmkvy2/ पर जाएँ।
- राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.)— यह विमानन और रसद क्षेत्र में अनुमोदित संगठनों में नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इसे प्राप्त करने के लिए www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाएँ।
- ए.आई.सी.टी.ई. पर जाएँ— ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और फेलोशिप दी जाती है। ये वित्तीय सहायता तकनीकी और प्रबंधन पाठ्यक्रमों का समर्थन करती है। इसे प्राप्त करने के लिए https://www.aicte-india.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **40,000–3,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में बैचलर (बी.बी.ए.) डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

किसी भी विषय में बैचलर डिग्री प्राप्त करें और ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में एम.बी.ए. डिग्री/मास्टर ऑफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन (एम.टी.ए.)/मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.) इन ट्रैवल एंड टूरिज्म/हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट/हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में एम.एससी. करें।

अथवा

ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में डिप्लोमा कोर्स करें।

अथवा

ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट/एयरलाइन टिकटिंग और ट्रैवल एजेंसी ऑपरेशन/हॉस्पिटैलिटी एंड ट्रैवल मैनेजमेंट/इंटरनेशनल टूरिज्म एंड ट्रैवल सर्विसेज/ट्रैवल एंड टूरिज्म मार्केटिंग में सर्टिफिकेट प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

यात्रा सलाहकार की आय ₹ **29,000–45,000*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3GcUUKK

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ट्रैवल एजेंसियाँ, टूर कंपनियाँ।

उद्यमिता — आप अपना व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप इनडोर और आउटडोर दोनों जगह काम करेंगे। आप होटल और एयरलाइन जैसे विक्रेताओं के साथ आवास, परिवहन या टिकटिंग विकल्पों की व्यवस्था करने में फोन पर समय बिताने की संभावना रखते हैं। आप आवास या आकर्षण की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न स्थानों की यात्रा कर सकते हैं ताकि आप ग्राहकों को उचित परामर्श कर सकें। आप सप्ताह में 6 दिन 9 से 10 घंटे प्रतिदिन काम करने की संभावना रखते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

टूर ऑपरेटर → टूर प्रबंधक → टूर निदेशक → टूर लीडर → ऑपरेशन प्रबंधक → प्रोडक्ट प्रबंधक → पर्यटन प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थानों द्वारा स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री प्रोग्राम के रूप में पेश किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारत के विभिन्न केंद्रों में होटल प्रबंधन संस्थान
2. बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश
3. हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड
4. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
5. मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम
6. तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. बनारसीदास चाँदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे,महाराष्ट्र
5. ओबेरॉय लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर, नई दिल्ली
6. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली, पंजाब

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

विलक्षणा त्यागी, न्यूयॉर्क की कंपनी कंपास इंडिया में यात्रा सलाहकार हैं। इससे पहले वे इंटरसाइट टूर एंड ट्रैवेल में यात्रा सलाहकार के रूप में कार्य कर चुकी हैं। उन्होंने देव संस्कृति विश्वविद्यालय, उत्तराखंड से पर्यटन एवं यात्रा सेवा प्रबंधन में स्नातकोत्तर किया है।

*स्रोत— https://www.zoominfo.com/p/Vilakshna-Tyagi/-1622842155**

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

शहरी योजनाकार

शहरी योजनाकार, इंजीनियरिंग, वास्तुकला डिजाइन एवं प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों के ज्ञान का उपयोग करते हुए शहरों और उनके आस-पास के पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने में सहायता करते हैं। वे टिकाऊ और इष्टतम भूमि उपयोग के लिए कार्यक्रम और योजनाएँ बनाते और विकसित करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुएँ बनाना पसंद हो।
- आपका दिमाग रचनात्मक हो।
- आपके पास बेहतरीन संचार कौशल हो।
- आपको वस्तुओं का विश्लेषण करना पसंद हो।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति — अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप — भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य शासन की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 50,000–2,00,000* के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 पूरा करें।
2. प्लानिंग/सिविल इंजीनियरिंग/आर्किटेक्चर/भूगोल/अर्थशास्त्र/लोक प्रशासन/राजनीति विज्ञान/शहरी या क्षेत्रीय नियोजन में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

बैचलर की डिग्री पूरी करें, उसके बाद प्लानिंग/शहरी और क्षेत्रीय नियोजन में स्नातकोत्तर डिग्री और उसके बाद शहरी और क्षेत्रीय नियोजन/पर्यावरण नियोजन में पीएच.डी. करें।

अथवा

शहरी नियोजन और विकास/भौगोलिक सूचना प्रणाली में सर्टिफिकेट कोर्स करें।

स्नातक कोर्स में प्रवेश के लिए, आपको जे.ई.ई. मेन, एन.ए.टी.ए., यू.पी.एस.ई.ई. आदि जैसी प्रवेश परीक्षाएँ उत्तीर्ण करनी होंगी। पी.जी. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए गेट जैसी प्रवेश परीक्षा की आवश्यकता होती है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

शहरी योजनाकार की आय **₹ 31,000–50,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/urban-planner-salary-SRCH_KO0,13.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप केंद्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय निकाय-नगरपालिका प्राधिकरण, आर्किटेक्चरल फर्म आदि के साथ काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— एक शहरी योजनाकार के रूप में, आप अधिकांशतः कार्यालय से काम करेंगे, किंतु आपको अलग-अलग प्रोजेक्ट साइटों पर भी जाना होगा। आप कार्यालय में योजना, डिजाइनिंग और प्रेजेंटेशन का काम करेंगे और क्लाइंट, डेवलपर्स, इंजीनियरों, आर्किटेक्ट्स और सार्वजनिक अधिकारियों से मिलेंगे।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

शहरीयोजनाकार → वरिष्ठयोजनाकार → योजनाप्रबंधक → योजना निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

सिविल इंजीनियरिंग और वास्तुकला में स्नातक की डिग्री प्रदान करने वाले मान्यता प्राप्त महाविद्यालय। कुछ महाविद्यालय शहरी नियोजन और संबद्ध विषयों में स्नातक के रूप में यह पाठ्यक्रम संचालित करते हैं, संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला और ललित कला विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
2. हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन, गुजरात
3. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
4. गोवा कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पणजी, गोवा
5. पंडित लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विज़ुअल आर्ट्स, रोहतक, हरियाणा
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
7. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
8. भारतीय इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, शिबपुर, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. स्वर्णिम स्टार्टअप और इनोवेशन यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात
2. पी.पी. सवानी यूनिवर्सिटी, सूरत, गुजरात
3. मंगलम स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, कोट्टायम, केरल
4. बी.एम.एस. स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, बैंगलोर, कर्नाटक
5. सनराइज यूनिवर्सिटी, अलवर, राजस्थान
6. श्रीमती मनोरमाबाई मुंडले कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, नागपुर, कर्नाटक
7. अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद,गुजरात
8. हिंदू कॉलेज ऑफ डिजाइन, आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, सोनीपत, हरियाणा

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

डॉ. एन.बी. जौहरी एक प्रमुख शहरी और क्षेत्रीय योजनाकार हैं, जिन्होंने भौगोलिक नियोजन में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की है। उनके नेतृत्व में उनकी फर्म ने भारत और अन्य देशों में कई नियोजन परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उनके हालिया अंतरराष्ट्रीय कार्यों में दुबई आउटलेट सिटी के लिए मास्टर प्लान तैयार करना सम्मिलित है। इसके अलावा, वह विभिन्न शहर विकास, परिवहन नियोजन और बुनियादी ढाँचे की परियोजनाओं के लिए एक वरिष्ठ सलाहकार के रूप में भी कार्यरत हैं। डॉ. जौहरी ने भारत सरकार के लिए नीतियों को बनाने और लागू करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

स्रोत— https://www.re-thinkingthefuture.com/know-your-architects/a2401-8-indian-urban-planners-working-around-the-world/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सार्वजनिक नीति, कानून एवं सुरक्षा



LAW
NEWS

पंच

मध्यस्थता, एक निजी विवाद समाधान प्रक्रिया है, जिसमें विवादित पक्ष अदालत की अपेक्षा आपसी सहमति से अपने मुद्दों को हल करने के लिए इसे चुनते हैं। इस प्रक्रिया में, पंच की भूमिका तटस्थ होती है, जो विवाद में सम्मिलित पक्षों को एक संतोषजनक समझौते पर पहुँचने में सहायता करते हैं। पंच की मुख्य उत्तरदायित्व विवादों का समाधान करना, विवाद से जुड़े तथ्यों और उद्योग मानकों का विश्लेषण करना और मध्यस्थता प्रक्रिया के परिणामों पर एक रिपोर्ट तैयार करना होती है।

व्यक्तिगत गुण

- आपके पास अच्छा संचार कौशल हो।
- आप समस्याओं और स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आपको स्पष्ट निर्देश पालन करने पसंद हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।



शैक्षिक मार्ग

भारतीय कानून पंच के लिए कोई विशिष्ट योग्यता निर्धारित नहीं करता है।

10+2 उत्तीर्ण करें और एल.एल.बी./मध्यस्थता कानून/बी.कॉम./सी.ए./सी.एस./इंजीनियरिंग/आदि जैसी स्नातक की डिग्री प्राप्त करें और भारतीय मध्यस्थता एवं मध्यस्थता संस्थान से मध्यस्थता में पेशेवर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का विकल्प चुनें।

भारतीय मध्यस्थता परिषद के साथ पंजीकरण करें।

अथवा

10+2 उत्तीर्ण करें, एल.एल.बी./मध्यस्थता कानून जैसी स्नातक की डिग्री प्राप्त करें और फिर मध्यस्थता कानून/एल.एल.एम. में पी.जी. डिप्लोमा का विकल्प चुनें।

प्रवेश परीक्षाएँ

कानून प्रवेश परीक्षाएँ नीचे दी गई हैं— सी.एल.ए.टी. (कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट)/सी.एल.ए.टी. पी.जी./ए.आई.एल.ई.टी. पी.जी./ऑल इंडिया लॉ एंट्रेंस टेस्ट/एल.एस.ए.टी. (लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट)/आई.एल.आई.सी.ए.टी.

यदि कोई छात्र मध्यस्थता में अपना करियर बनाने में रुचि रखता है, तो वह यंग आई.सी.सी.ए., आई.सी.सी. वाई.ए.एफ., वाई.एस.आई.एसी. आदि जैसे समूहों से जुड़े मध्यस्थता सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग ले सकता है।

इसके अतिरिक्त, अपनी रुचि के क्षेत्र से संबंधित सर्वश्रेष्ठ वाद-विवाद कोर्ट प्रतियोगिताओं में भाग लें, सम्मेलनों और कार्यक्रमों में (प्रतिभागी या स्वयंसेवक के रूप में भाग लें), विशेष विषयों में डिप्लोमा या ऑनलाइन पाठ्यक्रम में सम्मिलित हों, महत्वपूर्ण निर्णय और लेख पढ़ें, जो आपको अपडेट रखेंगे।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

पंच की आय ₹ **80,000–1,20,000** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Skill=Arbitration/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कॉर्पोरेट, स्वतंत्र परामर्श, उद्यमिता

उद्यमिता— आप परामर्शदाता या फ्रीलांसर के रूप में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आपको डेस्क पर काम करने के साथ-साथ कुछ यात्राएँ भी करनी होंगी। घंटों के अतिरिक्त भी काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

पंच प्रशिक्षु/कनिष्ठ मध्यस्थ → पंच-वरिष्ठ मध्यस्थ-प्रमुख पंच/मध्यस्थता पैनल का प्रमुख→ मध्यस्थता सलाहकार/सलाहकार

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विधि विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
2. राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
3. भारतीय मध्यस्थता संस्थान, नई दिल्ली
4. भारतीय मध्यस्थता संस्थान, कोचीन, केरल
5. भारतीय प्रबंधन संस्थान, कलकत्ता, पश्चिम बंगाल
6. इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
7. गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
8. महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. भारती विद्यापीठ, पुणे, महाराष्ट्र
2. विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, नई दिल्ली
3. स्कूल ऑफ लॉ, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. गलगोटिया यूनिवर्सिटी, दनकौर, उत्तर प्रदेश
5. सिम्बायोसिस इंटरनेशनल, पुणे, महाराष्ट्र
6. चंद्रप्रभु जैन कॉलेज ऑफ हायर स्टडीज और स्कूल ऑफ लॉ, नई दिल्ली
7. करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी, कोटा, राजस्थान
8. चेट्टीनाड स्कूल ऑफ लॉ, चेन्नई, तमिलनाडु

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

राजेंद्र बरोट को भारत के विवाद समाधान बाजार में उनके व्यापक मध्यस्थता और मुकदमेबाजी अभ्यास के लिए अत्यधिक सम्मानित माना जाता है। वे नियमित रूप से ग्राहकों को वाणिज्यिक मामलों की एक विस्तृत शृंखला के साथ-साथ दिवालियापन विवादों पर सलाह देते हैं। 27 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, वे अज्ब और पार्टनर्स के विवाद समाधान अभ्यास के प्रमुख हैं। वे भारत में तथा भारत से बाहर संस्थागत और तदर्थ मध्यस्थता में ग्राहकों को सलाह देकर उनका प्रतिनिधित्व करते हैं।

स्रोत— https://www.azbpartners.com/people-post/rajendra-barot

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कॉर्पोरेट कानूनी सलाहकार/अनुपालन अधिकारी

कॉर्पोरेट कानूनी सलाहकार या अनुपालन अधिकारी यह सुनिश्चित करतें हैं कि सभी कॉर्पोरेट प्रक्रियाएँ और प्रणालियाँ कानून का अनुपालन करने वाली हों। वे आंतरिक मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए भी उत्तरदयित्व हैं। अनुपालन अधिकारी की अनुपस्थिति में कंपनियाँ लागू कानूनों और विनियमों का उल्लंघन करने का जोखिम उठाती हैं, जिससे वे संभावित प्रतिष्ठा संबंधी नुकसान और जुर्माने के जोखिम में पड़ जाती हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप सभी तरह के लोगों से सहजता से बात कर सकते हों।
- आप लोगों की समस्याओं को सुलझाने में सहायता करना पसंद करते हों।
- आप अपने काम का रिकॉर्ड रखने में अच्छे हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 1,00,000–4,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उतीर्ण करें।
2. पाँच साल के एकीकृत पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट या ऑल इंडिया लॉ एंट्रेंस टेस्ट या लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट (एल.एस.ए.टी.) लें।

अथवा

लॉ में स्नातक (एल.एल.बी) डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक डिग्री के बाद उसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एल.एल.एम) डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

कॉर्पोरेट कानूनी सलाहकार या अनुपालन अधिकारी की आय **₹ 24,250–2,50,000*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Legal_Advisor/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— राजकीय एजेंसियाँ, निजी फर्म, समाज कल्याण समितियाँ, कॉर्पोरेट, गैर-राजकीय संगठन और अंतर्राष्ट्रीय आयोग आदि।

उद्यमिता— आप सलाहकार या फ्रीलांसर के रूप में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप बड़े निगमों के कानूनी विभागों में काम करेंगे, अधिकांशतः कार्यालयों में आवश्यकता पड़ने पर आपको कोर्ट भी जाना पड़ सकता है। आप दिन में कम से कम 8 घंटे काम करेंगे और कार्यभार या संभाले जा रहे क्लाइंट की संख्या के आधार पर आपको अतिरिक्त घंटे भी लगाने पड़ सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कनिष्ठ वकील → प्रैक्टिसिंग वकील/एसोसिएट कंसल्टेंट → वरिष्ठ वकील/कंसल्टेंट → पार्टनर

या

कनिष्ठ लीगल ऑफिसर → लीगल ऑफिसर → वरिष्ठ लीगल ऑफिसर → जीएम/एसोसिएट → वाइस प्रेसिडेंट (लीगल) → प्रेसिडेंट (लीगल और कॉर्पोरेट मामले)

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विधि/अर्थशास्त्र विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
3. इंडियन लॉ सोसाइटी लॉ कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
4. नेशनल एकेडमी फॉर लीगल स्टडीज एंड रिसर्च, हैदराबाद, तेलंगाना
5. वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
7. गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात
8. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, जोधपुर, राजस्थान

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे,महाराष्ट्र
2. आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, मोहाली,पंजाब
3. स्कूल ऑफ लॉ, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. के.आई.आई.टी. स्कूल ऑफ लॉ, भुवनेश्वर, ओड़िशा
5. एमिटी लॉ स्कूल, नई दिल्ली
6. जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, सोनीपत, हरियाणा
7. स्कूल ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
8. आई.सी.एफ.ए.आई. लॉ स्कूल, हैदराबाद, तेलंगाना

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

तेजल पाटिल वर्तमान में विप्रो में जनरल काउंसलर के रूप में कार्यरत हैं। उनके पास एशिया प्रशांत क्षेत्र में कानून, शासन और अनुपालन के क्षेत्र में लगभग 30 वर्षों का अनुभव है। विप्रो में, वे कानूनी और अनुपालन, वैश्विक डेटा गोपनीयता और राजकीय मामलों से जुड़े कार्यों का नेतृत्व करती हैं। उन्होंने मुंबई के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई की है और बॉम्बे इनकॉर्पोरेटेड लॉ सोसाइटी तथा लॉ सोसाइटी ऑफ इंग्लैंड एंड वेल्स से योग्यता प्राप्त वकील हैं। उन्हें लीगल 500 जी.सी. पावरलिस्ट, जी.सी. इन्फ्लुएंसर्स (चैंबर्स), कानून में शीर्ष 100 शक्तिशाली महिलाओं और आई.सी.सी.ए. द्वारा उनके अनुकरणीय योगदान के लिए मान्यता दी गई है।

स्रोत— https://www.wipro.com/leadership/tejal-patil

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

जासूस

जासूस, एक प्रशिक्षित पेशेवर होते हैं, जो या तो पुलिस बल के सदस्य होते हैं या फिर एक निजी अन्वेषक होते हैं, जिनका काम अपराधों को सुलझाना होता है। वे आपराधिक और दीवानी दोनों तरह के मामलों को संभाल सकते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप वस्तुओं (समस्याओं तथा स्थितियों) का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप स्वतंत्र रूप से काम करने में अच्छे हों।
- आपके पास गहन अवलोकन कौशल हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँइस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **9,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उतीर्ण करें।
2. क्रिमिनोलॉजी और फोरेंसिक/फोरेंसिक साइंस में स्नातक (बी.ए./बी.एस.सी.) करें।

अथवा

उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातक के बाद स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

जासूस की आय ₹ **60,000–1,03,028*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.salaryexpert.com/salary/job/homicide-detective/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— राजकीय एजेंसियाँ या निजी जासूसी कंपनियाँ

उद्यमिता— आप स्वतंत्र रूप से काम करना चुन सकते हैं और जब भी उपलब्ध हो, असाइनमेंट ले सकते हैं या अपनी खुद की कंपनी आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप पूछताछ करने, लोगों से मिलने, साक्ष्य एकत्र करने या सुरागों का अनुसरण करने में क्षेत्र में काफी समय बिताएँगे। कनिष्ठ स्तर पर आप किसी टीम का नेतृत्व नहीं करेंगे। आप एक टीम में काम करने की संभावना रखते हैं। आपके पास कोई निश्चित समय सारणी होने की संभावना नहीं है और आपको काम के आधार पर लचीला होना होगा। आपको कार्य की आवश्यकता के आधार पर अतिरिक्त घंटे और सप्ताहांत पर काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जासूस प्रशिक्षु → सहायक जासूस → क्षेत्र जासूस → अपराध जाँच अधिकारी

अथवा

जासूस प्रशिक्षु → सहायक जासूस → क्षेत्र जासूस → अपराध जाँच अधिकारी → निजी अन्वेषक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

ये पाठ्यक्रम विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किए जाते हैं।
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक हैं।

सरकारी कॉलेज

1. सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
2. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र
3. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
4. बेंगलुरु विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
6. इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
7. मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु

निजी कॉलेज

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, राज्स्थान
2. करुण्य विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु
3. ओ.पी.जे.एस. विश्वविद्यालय, राजगढ़, राजस्थान
4. ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
5. विलियम कैरी विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय
6. मोदी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, लक्ष्मणगढ़, राजस्थान
7. करियर पॉइंट विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
http://www.nirfindia.org/2022/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

रजनी पंडित को भारत की पहली निजी महिला जासूस के रूप में जाना जाता है। अपने करियर में उन्होंने 75,000 से अधिक मामलों को सुलझाया है और 57 से अधिक पुरस्कार अपने नाम किए हैं। रजनी ने मुंबई के रूपारेल कॉलेज से मराठी साहित्य में स्नातक किया, जिसके बाद उन्होंने निजी जासूस बनने का निर्णय लिया। वर्ष 1983 में अपने करियर की शुरुआत करते हुए, उन्होंने वर्ष 1991 में 25 साल की उम्र में 'रजनी पंडित डिटेक्टिव सर्विसेज' नाम से स्वयं की एजेंसी स्थापित की।

स्रोत— https://www.indiatimes.com/trending/social-relevance/rajani-pandit-lady-bond-indias-first-female-detective-572548.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

अग्निशामक

अग्निशामक, जिन्हें फायरमैन भी कहा जाता है, आपातकालीन स्थितियों और आग से जुड़ी घटनाओं में सहायता करने के लिए विशेष अग्निशमन उपकरणों और सुरक्षा साधनों का उपयोग करते हैं। उनका काम न केवल आग को नियंत्रित करना और बुझाना होता है, बल्कि संकट में फंसे लोगों को बचाना और अन्य मानव निर्मित या प्राकृतिक आपदाओं में सहायता प्रदान करना भी सम्मिलित है।



व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप दूसरों की सहायता करना पसंद करते हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

सर्टिफिकेट/डिप्लोमा (6 महीने–1 वर्ष) पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–50,000*** के बीच है।

स्नातक डिप्लोमा (1–2 वर्ष) पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–1,00,000*** के बीच है।

स्नातकोत्तर डिप्लोमा (1–2 वर्ष) पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **30,000–1,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट

किसी भी वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें (अधिमानतः शारीरिक शिक्षा या व्यावसायिक प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए)। सुरक्षा में व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने वाले विद्यालयों की तलाश करें।

डिप्लोमा

सुरक्षा प्रबंधन में डिप्लोमा प्राप्त करें। व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक द्वारा प्रदान किया जाता है।

स्नातक

सुरक्षा प्रबंधन में स्नातक कला स्नातक (बी.ए.), अपराध और सुरक्षा प्रबंधन में विज्ञान स्नातक (बी.एससी.) करें। ये कार्यक्रम विश्वविद्यालयों और विशेष सुरक्षा संस्थानों द्वारा प्रदान किए जाते हैं। संस्थान के आधार पर प्रवेश परीक्षा या सीधे प्रवेश कार्यान्वित हो सकते हैं।

स्नातकोत्तर

सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन में स्नातकोत्तर कला स्नातक (एम.ए.), सुरक्षा अध्ययन या आपराधिक न्याय में विज्ञान स्नातक (एम.एससी.) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

अग्निशामक की आय ₹ **17,000–58,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3kjj7IJ

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— अग्निशमन एजेंसियाँ, तेल कंपनियाँ, सुरक्षा इकाइयाँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त कार्य सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

अग्निसंचालक → प्रमुख अग्निशामक → उप-अधिकारी → अग्नि निवारण अधिकारी → सहायक मंडल अधिकारी → मंडल अधिकारी → उप मुख्य अग्निशामक अधिकारी → मुख्य अग्निशामक अधिकारी

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र
2. केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान (अग्निशमन सेवा), सी.आई.एस.एफ., हैदराबाद, तेलंगाना
3. राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा महाविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

1. अग्नि इंजीनियरिंग एवं सुरक्षा प्रबंधन संस्थान, नोएडा, उत्तर प्रदेश
2. राष्ट्रीय अग्नि इंजीनियरिंग एवं सुरक्षा प्रबंधन संस्थान, बड़ौदा, गुजरात

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

हर्षिनी कान्हेकर का जीवन पिछले बीस वर्षों से आग के साथ निरंतर संघर्ष का प्रतीक रहा है। भारत की पहली महिला फायर फाइटर के रूप में उन्होंने असंभव को संभव कर दिखाया। हर्षिनी को याद है, जब उन्हें नेशनल फायर सर्विस कॉलेज (एन.एफ.एस.सी.) में प्रवेश की खबर मिली। उनके पिता ने टेलीग्राम के साथ उन्हें यह खुशखबरी दी थी। सामान्यतः विद्यार्थियों के लिए सात सेमेस्टर के कोर्स के दौरान कैंपस में रहना अनिवार्य होता था, लेकिन हर्षिनी को घर जाने की विशेष अनुमति मिली।

प्रशिक्षण के दौरान, उन्होंने भारी उपकरणों के साथ काम किया, मॉक ड्रिल्स में भाग लिया और असल हादसों का सामना किया। उनका पहला असाइनमेंट शिरडी में एक सिलेंडर ब्लास्ट का था, जबकि वह अभी कॉलेज में ही थीं। छात्रा होते हुए भी उन्होंने कई चुनौतियों का सामना किया और आग से जूझने के गुर सीखे। वर्ष 2006 में ओ.एन.जी.सी. में सम्मिलित होने से पहले, हर्षिनी ने मुंबई, कोलकाता और दिल्ली जैसी जगहों पर कठिन ऑपरेशनों को अंजाम दिया। टिन फैक्ट्री में छह घंटे तक चले उनके ऑपरेशन को खास पहचान मिली।

आज हर्षिनी लाखों भारतीय महिलाओं के लिए प्रेरणा हैं, जो सीमाओं को तोड़ते हुए असाधारण ऊँचाइयों तक पहुँचने का सपना देखती हैं।

स्रोत— womensweb.in/2022/03/harshini-kanhekar-indias-first-woman-fire-fighter-inspiring-life-story-apr22wk1pa/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मानवाधिकार वकील

मानवाधिकार वकील ऐसे व्यक्तियों या लोगों के समूहों के लिए लड़ते हैं, जिन्हें भारत के संविधान द्वारा निश्चित मूलभूत मानवाधिकारों से वंचित किया गया है। वे यह सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं कि हर इंसान, विशेष रूप से वंचित समूहों, जैसे– एल.जी.बी.टी.क्यू., महिलाओं, विकलांग व्यक्तियों, जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों आदि के मूल अधिकारों की रक्षा की जाए।

व्यक्तिगत गुण

- आपको लोगों की सहायता करना पसंद हो।
- आपको मुद्दों पर चर्चा करना पसंद हो।
- आप किसी धर्मार्थ संस्था के लिए काम करने में रुचि रखते हों।
- आप सभी प्रकार के लोगों से सहजता से बात कर सकते हों।



छात्रवृत्ति

- विधि विद्यार्थियों के लिए आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति और जी.ई.वी. मेमोरियल मेरिट छात्रवृत्ति, विशेष रूप से विधि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध छात्रवृत्तियों में से हैं।
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **9,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. किसी भी विषय-वर्ग में स्नातक (बी.ए/बी.एससी./बी.कॉम./बी.बी.ए./एल.एल.बी.) की डिग्री प्राप्त करें और उसके बाद मानवाधिकार कानून में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

3. किसी भी विषय-वर्ग में स्नातक (बी.ए/बी.एससी./बी.कॉम/बी.बी.ए/एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त करें और उसके बाद मानवाधिकार कानून में पी.जी डिप्लोमा करें।
4. लॉ कॉलेजों में प्रवेश के लिए, आपको सी.एल.ए.टी, ऐलेट, एल.एस.एटी., एम.एच. सी.ई.टी. कानून, टी.एस. एल.ए.डब्ल्यू.सी.ई.टी., पी.एल.ए.डब्ल्यू.सी.ई.टी., डीयू एल.एल.बी., पी.यू एल.एल.बी., एस.एल.एस. ए.आई.ए.टी. जैसी प्रवेश परीक्षाएँ उत्तीर्ण करनी होंगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मानवाधिकार वकील की आय ₹ **20,000–35,000** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— ambitionbox.com/salaries/human-rights-law-network-salaries/advocate-lawyer

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— मानवाधिकार न्यायालय, लोक अभियोजन, कानूनी परामर्श फर्म, गैर-राजकीय संगठन, मानवाधिकार एजेंसियाँ, समाज कल्याण विभाग, कॉर्पोरेट, मीडिया हाउस।

उद्यमिता— आप सलाहकार या फ्रीलांसर के रूप में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— यह डेस्क जॉब नहीं है और प्रमाण एकत्र करने हेतु आपको अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में यात्रा करनी होगी, आपको लंबे समय तक काम करने वाली टीम के साथ काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु वकील → कनिष्ठ एसोसिएट → एसोसिएट → वरिष्ठ एसोसिएट

या

प्रशिक्षु → कनिष्ठ एडवोकेट → एडवोकेट → वरिष्ठ एडवोकेट

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विधि विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. नेशनल लॉ स्कूल, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
3. उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
4. राजकीय लॉ कॉलेज, कोझिकोड, केरल
5. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, दागापुर, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल
6. उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी, देहरादून, उत्तर प्रदेश
7. लॉ कॉलेज, देहरादून,उत्तर प्रदेश
8. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. देश भगत यूनिवर्सिटी, फतेहगढ़ साहिब, पंजाब
2. क्राइस्ट कॉलेज ऑफ लॉ, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. एन.ई.एफ. लॉ कॉलेज, गुवाहाटी, असम
4. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा,उत्तर प्रदेश
5. आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, मोहाली, पंजाब
6. अशोका लॉ कॉलेज, कठुआ, जम्मू और कश्मीर
7. जी.डी. गोयनका यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, हरियाणा
8. बी.एम.एस. कॉलेज ऑफ लॉ, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
10. आई.आई.एल.एम. यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, हरियाणा

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/2022/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सुनील गुरमुख, एक मानवाधिकार वकील और वेस्टर्न लॉ, कनाडा में विजिटिंग लेक्चरर हैं। उन्होंने वर्ष 2005 में क्वीन्स यूनिवर्सिटी से बी.कॉम और वर्ष 2008 में वेस्टर्न यूनिवर्सिटी से एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त की। मानवाधिकारों के क्षेत्र में उनके योगदान को व्यापक रूप से सराहा गया है। उन्हें वर्ष 2016 में प्रीसीडेंट सेटर अवार्ड और वर्ष 2017 में हेनेसी वी.एस.ओ.पी. प्रिविलेज अवार्ड से सम्मानित किया गया, साथ ही वे वर्ष 2017 में बे स्ट्रीट बुल पावर 50 गाइड के सदस्य बने।

स्रोत— law.uwo.ca/about_us/faculty/sunil_gurmukh.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

अंतर्राष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ

अंतर्राष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ, देशों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के बीच संबंधों का विश्लेषण और प्रबंधन करने में विशेषज्ञता रखते हैं। उनका प्राथमिक ध्यान यह समझने पर होता है कि वैश्विक राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कारक कूटनीति और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को कैसे प्रभावित करते हैं। वे सकारात्मक संबंधों को बढ़ावा देने, शांति को बढ़ावा देने और व्यापार, सुरक्षा, मानवाधिकार और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने के लिए रणनीति विकसित करने का काम करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों और धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते हों।
- आप समस्याओं का विश्लेषण और समाधान करना पसंद करते हों।
- आप एक विदेशी भाषा सीखने में रुचि रखते हों।
- आप एक समूह में काम करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **6,000–3,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग अधिमानतः कला/मानविकी में राजनीति विज्ञान के साथ 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. राजनीति विज्ञान/अंतर्राष्ट्रीय संबंध/रक्षा और सामरिक अध्ययन/क्षेत्रीय अध्ययन इतिहास/भूगोल/अर्थशास्त्र/समाजशास्त्र में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें। इसके बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों डिग्री पूरी करने के बाद, अंतर्राष्ट्रीय संबंध/अंतर्राष्ट्रीय मामलों में पीएच.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

अंतर्राष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ की आय ₹ **70,000–1,20,399*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.salaryexpert.com/salary/job/international-affairs-analyst/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सरकारें, अंतर्राष्ट्रीय संगठन, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ, विकास परामर्श फर्म, गैर राजकीय संगठन और थिंक टैंक।

कार्य वातावरण— इस कार्य में यात्रा सम्मिलित है। आप सामान्यतः प्रतिदिन 8–9 घंटे और प्रति सप्ताह 5–6 घंटे कार्य करेंगे। अलग-अलग समय क्षेत्रों से कार्य करना सामान्य बात हो सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

अभियान कार्यकर्ता → अंतर्राष्ट्रीय संबंध विश्लेषक → राजनीतिक विश्लेषक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम राजनीति विज्ञान/अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
3. इंडियन लॉ सोसाइटी लॉ कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
4. नेशनल एकेडमी फॉर लीगल स्टडीज एंड रिसर्च, हैदराबाद, तेलंगाना
5. वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज, कोलकाता, तमिलनाडु
6. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
7. गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात
8. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, राजस्थान

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी.से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सिम्बायोसिस स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल, पुणे, महाराष्ट्र
2. एडमस यूनिवर्सिटी, बारासात, पश्चिम बंगाल
3. एमिटी यूनिवर्सिटी, भारत के विभिन्न राज्यों में
4. सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
6. शिव नादर यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. कलिंग यूनिवर्सिटी, रायपुर, छत्तीसगढ़
8. अशोका यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अविनाश पालीवाल अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञ और एस.ओ.ए.एस. दक्षिण एशिया संस्थान में वरिष्ठ व्याख्याता एवं उप निदेशक हैं। इससे पहले, वह किंग्स कॉलेज, लंदन में रक्षा अध्ययन के प्रोफेसर थे और वहाँ के क्षेत्रीय सुरक्षा अनुसंधान केंद्र में रक्षा अकादमी के पोस्टडॉक्टोरल फेलो रह चुके हैं। पालीवाल का विशेषज्ञता क्षेत्र दक्षिण एशिया, अफगानिस्तान और म्यांमार के विदेश और सुरक्षा नीति विश्लेषण पर केंद्रित है। उन्होंने किंग्स कॉलेज, लंदन से अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में एम.ए. और पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है और दिल्ली विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में बी.ए. (ऑनर्स) किया है।

स्रोत— https://www.soas.ac.uk/about/avinash-paliwal

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

न्यायाधीश

न्यायाधीश, एक निर्वाचित या नियुक्त अधिकारी होते हैं, जो अदालती कार्यवाही का संचालन और अध्यक्षता करता है। न्यायाधीश कानून के अर्थ, महत्व और निहितार्थों की व्याख्या करने के लिए उत्तरदायी होते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपको लोगों की समस्याओं को सुलझाने में सहायता करना पसंद हों।
- आप विवरण पर ध्यान देते हों।
- आपको वस्तुओं (समस्या/स्थितियों) का विश्लेषण करना पसंद हों।

छात्रवृत्ति

- विधि विद्यार्थियों के लिए आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति और जी.ई.वी. मेमोरियल मेरिट छात्रवृत्ति, विशेष रूप से विधि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध छात्रवृत्तियों में से हैं।
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,00,000–4,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. स्नातक (बी.ए.-एल.एल.बी.) डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

3. किसी भी विषय-वर्ग में स्नातक डिग्री प्राप्त करें और एल.एल.बी. डिग्री के बाद स्नातकोत्तर (एल.एल.एम.) डिग्री करें और फिर ऑल इंडिया ज्यूडिशियल सर्विस पूरा करें या पी.सी.एस.-जे., राज्य स्तरीय परीक्षा उत्तीर्ण करें।
4. लॉ कॉलेजों में प्रवेश के लिए, आपको सी.एल.ए.टी, ए.आई.एल.ई.टी, एल.एस.ए.टी, एम.एच सी.ई.टी. एल.एल.बी., टी.एस. एल.ए.डब्ल्यू.सी.ई.टी., ए.पी. एल.ए.डब्ल्यू.सी.ई.टी डी.यू एल.एल.बी., पी.यू. एल.एल.बी., एस.एल.एस. ए.आई.ए.टी. जैसी प्रवेश परीक्षाएँ उत्तीर्ण करनी होंगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की आय ₹ **2,25,000–2,80,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

*स्रोत— https://doj.gov.in/pay-allowance/**

उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— जिला न्यायालय, सत्र न्यायालय, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय

कार्य वातावरण— यह एक डेस्क जॉब है। आप अपने काम के अधिकांश घंटे न्यायालय या कार्यालय में बिताएँगे। आपको विभिन्न न्यायालयों में यात्रा करनी पड़ सकती है। न्यायालय सामान्यतः सप्ताह में 5 दिन और प्रतिदिन 8 घंटे काम करते हैं, लेकिन आपके अपने अध्ययन और शोध के लिए आपको अतिरिक्त घंटे लगाने होंगे।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट → मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट → सहायक सत्र न्यायाधीश → सत्र न्यायाधीश → उच्च न्यायालय न्यायाधीश → सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीश

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विधि विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. एन.एल.एस.आई.यू., बेंगलुरु, कर्नाटक
2. एन.एल.यू., नई दिल्ली
3. आई.एल.एस., पुणे, महाराष्ट्र
4. एन.एल.यू., हैदराबाद, तेलंगाना
5. एन.यू.जे.एस., कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. एन.एल.यू., ओडिशा
7. जी.एन.एल.यू., गांधीनगर, गुजरात
8. एन.एल.यू., जोधपुर, राजस्थान

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे, महाराष्ट्र
2. आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, मोहाली, पंजाब
3. स्कूल ऑफ लॉ, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. के.आई.आई.टी. स्कूल ऑफ लॉ, भुवनेश्वर, ओडिशा
5. एमिटी लॉ स्कूल, नई दिल्ली
6. जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, सोनीपत, हरियाणा
7. स्कूल ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
8. आई.सी.एफ.ए.आई. लॉ स्कूल, हैदराबाद, तेलंगाना

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/2022/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

न्यायमूर्ति **हिमा कोहली** तेलंगाना उच्च न्यायालय की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश हैं। उन्होंने इतिहास में बी.ए. और एम.ए. किया, जिसके बाद उन्होंने एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त की। वर्ष1984 में कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद, उन्होंने उसी वर्ष दिल्ली बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में अपना पंजीकरण कराया।

स्रोत—https://tshc.gov.in/judprofile.action?judcode=1011

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

वकील/विधि अधिकारी/अधिवक्ता

वकील को कानून का अभ्यास करने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित और लाइसेंस प्राप्त होता है। वकील, लोगों को कानूनी सलाह और परामर्श देते हैं, मामलों में जानकारी या सबूत इकट्ठा करते हैं, वसीयत, तलाक, अनुबंध, अचल संपत्ति लेन-देन आदि से संबंधित कानूनी प्रपत्र या अभिलेख तैयार करते हैं। वे विवादों में मध्यस्थता भी करते हैं और अदालतों में लोगों पर मुकदमा चलाते हैं या उनका बचाव करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप सभी तरह के लोगों से सहजता से बात कर सकते हों।
- आप सही मुद्दे पर बोलना पसंद करते हों।
- आप लोगों की समस्याओं को सुलझाने में उनकी सहायता करना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- विधि विद्यार्थियों के लिए आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति और जी.ई.वी. मेमोरियल मेरिट छात्रवृत्ति, विशेष रूप से विधि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध छात्रवृत्तियों में से हैं।
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **12,000–7,56,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. पाँच साल के एकीकृत पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सी.एल.ए.टी.) या ऑल इंडिया लॉ एंट्रेंस टेस्ट (ए.आई.एल.ई.टी.) या लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट (एल.ए.सए.टी.) लें।

अथवा

लॉ में स्नातक (एल.एल.बी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एल.एल.बी.) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

कुछ वर्षों के अनुभव के बाद वकील/विधि अधिकारी/अधिवक्ता की आय ₹ **12,000–2,50,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3YIvYm6

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कानूनी फर्म, लॉ स्कूल और कॉलेज, राजकीय एजेंसियाँ, मीडिया हाउस, राजनीतिक परामर्शदाता, फार्मास्यूटिकल्स, आई.टी. फर्म आदि जैसे सभी संगठन कानूनी मामलों में सलाह देने के लिए अपने वेतन पर वकील रखते हैं।

उद्यमिता— कुछ वर्षों का अनुभव प्राप्त करने के बाद आप अपनी निजी कानूनी फर्म स्थापित कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप एक कार्यालय में काम करेंगे, लेकिन आप अधिकांशतः बैठकों या अदालती कार्यवाही के लिए यात्रा भी करेंगे। घर से काम करने का विकल्प सामान्यतः उपलब्ध नहीं होता है। आप से अदालत के घंटों के अतिरिक्त काम करना आपेक्षित है, जो सामान्यतः सप्ताह में 5 या 6 दिन और प्रतिदिन 7 या 8 घंटे होता है। यह प्रत्येक न्यायालय अलग-अलग हो सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

लॉ प्रशिक्षु → अधिवक्ता → वरिष्ठ अधिवक्ता

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विधि विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
3. इंडियन लॉ सोसाइटी लॉ कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
4. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी हैदराबाद, तेलंगाना
5. वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
7. गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात
8. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, राजस्थान

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे, महाराष्ट्र
2. आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, मोहाली, पंजाब
3. स्कूल ऑफ लॉ, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. के.आई.आई.टी. स्कूल ऑफ लॉ, भुवनेश्वर, भुवनेश्वर, ओड़िशा
5. एमिटी लॉ स्कूल, नई दिल्ली
6. जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, सोनीपत, हरियाणा
7. स्कूल ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
8. आई.सी.एफ.ए.आई. लॉ स्कूल, हैदराबाद, तेलंगाना

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2022/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

वृंदा ग्रोवर एक प्रख्यात वकील, शोधकर्ता और मानवाधिकार कार्यकर्ता हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय से कानून में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है। वे घरेलू हिंसा के अनेक मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी हैं और पोक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम वर्ष 2012, वर्ष 2013 में आपराधिक कानून संशोधन और यातना निवारण विधेयक वर्ष 2010 के मसौदे की तैयारी में सक्रिय रूप से सम्मिलित रही हैं। इसके अलावा, वे कई ऐतिहासिक मानवाधिकार मामलों में पैरवी करने वाले प्रमुख वकीलों में से एक हैं।

स्रोत— https://www.barandbench.com/columns/advocate-vrinda-grover-spotlight-this-week

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

चिकित्सक कानूनी सलाहकार

चिकित्सक कानूनी सलाहकार, चिकित्सकों और कानूनी प्रक्रियाओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करते हैं। वे सामान्य सलाह देने से लेकर दावों, शिकायतों, विनियामक मुद्दों, जाँच और आपराधिक मामलों तक कई प्रकार के मुद्दों को संभालते हैं। परियोजना प्रबंधन के मामलों में, वे संबंधित चिकित्सकों के साथ संवाद स्थापित करते हैं, आवश्यकतानुसार वकीलों और बैरिस्टरों को निर्देशित करते हैं और मामले के समग्र संचालन की देख-रेख करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आप समस्याओं और स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद
- करते हों।
- आपको पालन करने के लिए स्पष्ट निर्देश पसंद हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- विधि विद्यार्थियों के लिए आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति और जी.ई.वी. मेमोरियल मेरिट छात्रवृत्ति, विशेष रूप से विधि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध छात्रवृत्तियों में से हैं।
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **40,000–1,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. किसी भी स्वास्थ्य सेवा से संबंधित पाठ्यक्रम में स्नातक की डिग्री पूरी करें और फिर एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

किसी भी स्वास्थ्य सेवा से संबंधित पाठ्यक्रम में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें और फिर मेडिकल लॉ और एथिक्स में डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

चिकित्सक कानूनी सलाहकार की आय ₹ **60,000–98,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकता है।

स्रोत— ambitionbox.com/profile/regional-medical-advisor-salaryLegal_Advisor/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कानूनी फर्म, स्वतंत्र परामर्श, स्वास्थ्य सेवा, कॉर्पोरेट चिकित्सालय

उद्यमिता— आप सलाहकार या फ्रीलांस के रूप में काम कर सकते हैं

कार्य वातावरण— यह एक डेस्क जॉब है। आप एक समूह में काम करने की संभावना रखते हैं। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का एक भाग है, क्योंकि आप अपने ग्राहकों से मिलने के लिए यात्रा कर सकते हैं। यदि आप किसी संगठन के लिए काम करते हैं तो आपको सप्ताह में 40 घंटे से अधिक काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

चिकित्सक कानूनी प्रशिक्षु/कानूनी अनुपालन अधिकारी → चिकित्सक कानूनी सलाहकार → प्रकरण प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विधि विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु,कर्नाटक
2. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
3. इंडियन लॉ सोसाइटी लॉ कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
4. नेशनल एकेडमी फॉर लीगल स्टडीज एंड रिसर्च, हैदराबाद, तेलंगाना
5. वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
7. गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात
8. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, राजस्थान

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे,महाराष्ट्र
2. आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, मोहाली, पंजाब
3. स्कूल ऑफ लॉ, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. के.आई.आई.टी. स्कूल ऑफ लॉ, भुवनेश्वर, ओड़िशा
5. एमिटी लॉ स्कूल, नई दिल्ली
6. जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, सोनीपत, हरियाणा
7. स्कूल ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
8. आई.सी.एफ.ए.आई. लॉ स्कूल, हैदराबाद, तेलंगाना

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2022/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

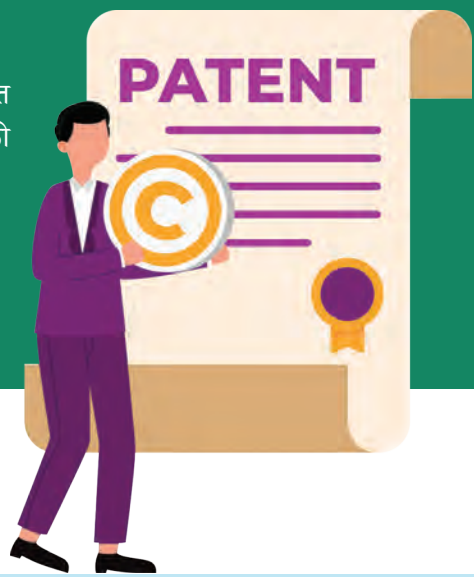
डॉ. सुनील खत्री लॉ फर्म, डॉ. सुनील खत्री एंड एसोसिएट्स के संस्थापक और प्रबंध भागीदार हैं। उनके पास चिकित्सा और कानून के क्षेत्र में लगभग चालीस वर्षों का व्यापक अनुभव है। वे पुणे के सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय के पूर्व छात्र हैं, जहाँ से उन्होंने एम.बी.बी.एस. और जनरल सर्जरी में एमएस की डिग्री प्राप्त की। इसके अलावा, उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री हासिल की है। यह फर्म अपने ग्राहकों को मेडिको-लीगल सेवाएँ प्रदान करती है।

स्रोत— https://www.delhimedicalnegligence.com

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

पेटेंट वकील

पेटेंट वकील मुख्य रूप से औद्योगिक और बौद्धिक संपदा अधिकारों की कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्य करते हैं। वे अपने ग्राहकों को डिजाइन, आविष्कार, ट्रेडमार्क, तकनीकी जानकारी और डेटा, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर सुरक्षा उपायों पर सलाह प्रदान करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आप समस्याओं और स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आपको पालन करने के लिए स्पष्ट निर्देश पसंद हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- विधि विद्यार्थियों के लिए आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति और जी.ई.वी. मेमोरियल मेरिट छात्रवृत्ति, विशेष रूप से विधि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध छात्रवृत्तियों में से हैं।
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–1,25,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी विषय-वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. बौद्धिक संपदा अधिकारों में स्नातक (एल.एल.बी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री के बाद उसी या संबंधित विषय में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

3. लॉ कॉलेजों में प्रवेश के लिए, आपको सी.एल.ए.टी., ए.आई.एल.ई.टी.,. एल.एस.ए.टी., एम.एच. सी.ई.टी. एल.एल.बी., टी.एस. एल.ए.डब्ल्यू.सी.ई.टी., एल.ए.डब्ल्यू.सी.ई.टी. डीयू एल.एल.बी., पी.यू. एल.एल.बी, एस.एल.एस. ए.आई.ए.टी. जैसी प्रवेश परीक्षाएँ उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

पेटेंट वकील की आय ₹ **41,500–2,50,000*** या उससे अधिक प्रतिमाह हो सकती है

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Patent_Attorney/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— लॉ फर्म, ऑटोमोबाइल उद्योग, फार्मास्युटिकल क्षेत्र, अनुसंधान संगठन, प्रकाशन गृह और अन्य।

कार्य वातावरण— यह एक डेस्क जॉब है। स्थानीय यात्रा नौकरी का एक भाग है। आप एक समूह को नहीं संभालेंगे। आपको एक सप्ताह में 40 घंटे से अधिक काम करना पड़ सकता है। इसके अलावा आपको शोध और मामलों का अध्ययन करने में काफी समय बिताना होगा।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

परामर्शदाता → वरिष्ठ परामर्शदाता → वकील → कॉर्पोरेट परामर्शदाता → सामान्य परामर्शदाता

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विधि विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. नेशनल लॉ स्कूल, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
3. उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
4. राजकीय लॉ कॉलेज, कोझिकोड, केरल
5. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, दागापुर, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल
6. उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी, देहरादून, उत्तराखंड
7. लॉ कॉलेज, देहरादून, उत्तराखंड
8. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा

निजी संस्थान

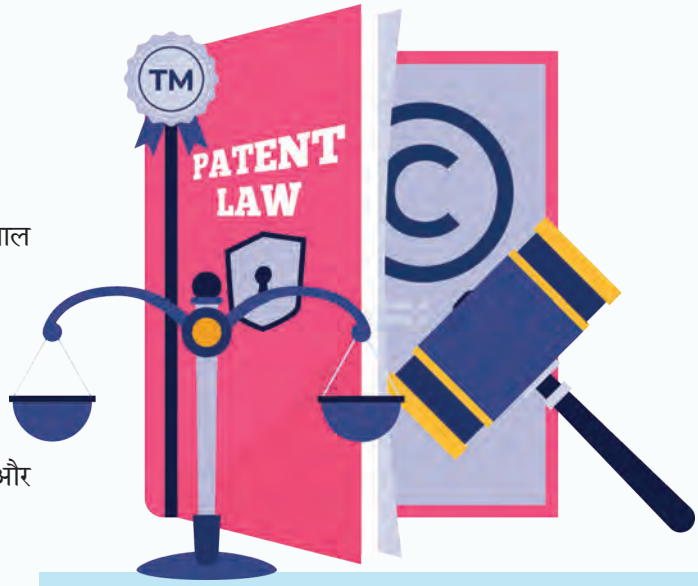
(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. देश भगत यूनिवर्सिटी, फतेहगढ़ साहिब,पंजाब
2. क्राइस्ट कॉलेज ऑफ लॉ, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. एन.ई.एफ. लॉ कॉलेज, गुवाहाटी, असम
4. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
5. आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, मोहाली, पंजाब
6. अशोका लॉ कॉलेज, कठुआ, जम्मू और कश्मीर
7. जी. डी. गोयनका यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, हरियाणा
8. बी.एम.एस. कॉलेज ऑफ लॉ, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
10. आई.आई.एल.एम. यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, हरियाणा

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2022/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मीनाक्षी खुराना 'खुराना एंड खुराना' और आई.आई.पी.आर. डी. में पार्टनर और अनुभवी पेटेंट अटॉर्नी हैं, जिनके पास पेटेंट कानून के क्षेत्र में 13 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वह पेटेंट आवेदन की तैयारी, अभियोजन, पेटेंट उल्लंघन और वैधता पर कानूनी राय, एफ.टी.ओ. (स्वतंत्रता से कार्य करने) अध्ययन, पेटेंट लाइसेंसिंग और वैश्विक पेटेंट रणनीतियों में ग्राहकों को सलाह देने में विशेषज्ञ हैं।

स्रोत— https://www.ipandlegalfilings.com/about-us

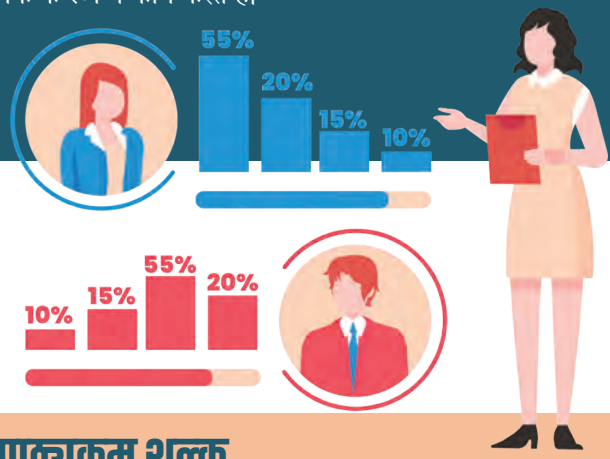
**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।।*

चुनाव विश्लेषक

चुनाव विश्लेषक, पिछले चुनावी डेटा, मतदान प्रतिशत, जनमत सर्वेक्षण और अन्य संबंधित जानकारी का विश्लेषण करते हैं। वे सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करके भविष्य के चुनावी रुझानों और परिणामों का अनुमान लगाते हैं। भारत में 'चुनाव विश्लेषक' के रूप में कोई औपचारिक पद नहीं है, किंतु प्रमुख राजनीतिक दलों के पास आंतरिक विश्लेषक होते हैं, जिन्हें इस भूमिका में देखा जा सकता है। इसके अलावा, कई अनुभवी मीडिया संपादक, राजनीतिक विशेषज्ञ और मार्केट रिसर्च विशेषज्ञ भी चुनाव विश्लेषक के रूप में काम करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको भविष्यवाणी करने में आनंद आता हो।
- आपको राजनीति और चुनावों में रुचि हो।
- आप संचार कौशल में निपुण हो।
- आपको समस्याओं/स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–1,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी विषय-वर्ग वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. राजनीति विज्ञान/अर्थशास्त्र/समाजशास्त्र/प्रबंधन में कला में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद राजनीति विज्ञान में कला में डिग्री (एम.ए.) और राजनीति में पीएच.डी. करें।

अथवा

सांख्यिकी में विज्ञान में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद सांख्यिकी में (बी.एससी.) और राजनीति में पीएच.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

चुनाव विश्लेषक की आय ₹ **25,000–2,50,000*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Historian/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— शोध फर्म, संग्रहालय, विश्वविद्यालय, सार्वजनिक क्षेत्र की फर्म या ऐतिहासिक सोसायटी, मीडिया, प्रकाशन उद्योग।

कार्य वातावरण— आप अपना अधिकांश समय कार्यालयों, कक्षाओं और पुस्तकालयों में बिताने की संभावना रखते हैं। काम के घंटे घट बढ़ सकते हैं। आपको दूर के शहरों या देशों की यात्रा करनी पड़ सकती है। आपसे शोध के लिए अभिलेखागार या ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करने की अपेक्षा की जाती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

अनुसंधान सहायक → जूनियर चुनाव विश्लेषक → सर्वेक्षण विश्लेषक → डेटा विश्लेषक → चुनाव रणनीतिकार → वरिष्ठ चुनाव विशेषज्ञ → प्रमुख विश्लेषक → राजनीतिक डेटा सलाहकार→ चुनाव अभियान सलाहकार मुख्य चुनाव विशेषज्ञ → राजनीतिक दलों या मीडिया के लिए राजनीतिक सलाहकार

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम राजनीति विज्ञान/सांख्यिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली
2. लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
3. हिंदू कॉलेज, नई दिल्ली
4. लेडी ब्रेबॉर्न कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. न्यू कॉलेज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, चेन्नई, तमिलनाडु
6. सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
8. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
2. माउंट कार्मेल कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. सेंट एंड्रयूज कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई, महाराष्ट्र
5. आगरा कॉलेज, आगरा, उत्तर प्रदेश
6. आर्य विद्यापीठ कॉलेज, गुवाहाटी, असम
7. एन.आई.एम.एस. विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
8. ज्योति निवास कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/2022/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

योगेंद्र यादव एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता, चुनाव विश्लेषक और राजनीतिज्ञ हैं, जिनकी विशेषज्ञता राजनीति और सामाजिक विज्ञान में है। वे वर्ष 2004 से वर्ष 2016 तक दिल्ली स्थित सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सी.एस.डी.एस.) में वरिष्ठ फेलो के रूप में कार्यरत रहे। लोकतांत्रिक सिद्धांत, चुनावी अध्ययन, सर्वेक्षण अनुसंधान, राजनीतिक सिद्धांत, आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारधारा और भारतीय समाजवाद उनके प्रमुख शोध क्षेत्र हैं। उन्होंने इन विषयों पर व्यापक रूप से शोध कार्य किया है, जो अकादमिक पत्रिकाओं और लोकप्रिय मीडिया दोनों में प्रकाशित हुआ है।

स्रोत— https://southasia.berkeley.edu/yogendra-yadav-politics-after-modi

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सार्वजनिक नीति सलाहकार

सार्वजनिक नीति सलाहकार, सरकार या निजी संगठनों के लिए नीतियों के व्यावहारिक और कानूनी पहलुओं का विश्लेषण करते हैं। इनका काम नीति निर्माण में सहायता प्रदान करना, मौजूदा नीतियों का मूल्यांकन करना और आवश्यक सुधार या बदलाव हेतु सुझाव देना होता है। नीति सलाहकार संगठन के भीतर सुधारों को बढ़ावा देकर सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायता करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपके पास बेहतरीन संचार कौशल हों।
- आप दूसरों की समस्याओं को सुलझाने में सहायता करना पसंद करते हों।
- आप समूहों में काम करने में सहज हों।
- आपको शोध और विश्लेषण पसंद हों।

छात्रवृत्ति

- विधि विद्यार्थियों के लिए आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति और जी.ई.वी. मेमोरियल मेरिट छात्रवृत्ति, विशेष रूप से विधि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध छात्रवृत्तियों में से हैं।
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **12,000–7,56,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. पाँच साल के एकीकृत पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सी.एल.ए.टी.) या ऑल इंडिया लॉ एंट्रेंस टेस्ट (ए.आई.एल.ई.टी.) या लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट (एल.एस.ए.टी.) लें।

अथवा

लॉ में स्नातक (एल.एल.बी.) करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एल.एल.एम.) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सार्वजनिक नीति सलाहकार की आय ₹ **24,000–1,65,000*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Policy_Advisor/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— राजकीय एजेंसियाँ, निजी फर्म, समाज कल्याण समितियाँ, कॉर्पोरेट और गैर-राजकीय संगठन आदि।

उद्यमिता— आप सलाहकार या फ्रीलांसर के रूप में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप फर्म/एजेंसियों/कंपनियों के कानूनी विभाग में काम करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर आपको न्यायालय जाना पड़ सकता है, लेकिन अधिकांश समय कार्यालय के अंदर ही व्यतीत होता है। आपको सप्ताह में 40 घंटे से अधिक काम करना पड़ सकता है, हालाँकि आपको कार्य और समय-सीमा के आधार पर अतिरिक्त कार्य भी करना पड़ सकता हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कनिष्ठ कानूनी अधिकारी → कानूनी अधिकारी → वरिष्ठ कानूनी अधिकारी → जीएम/एसोसिएट उपाध्यक्ष (कानूनी) → उपाध्यक्ष/अध्यक्ष (कानूनी और कॉर्पोरेट मामले)

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम लोक नीति एवं प्रशासन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. निजाम कॉलेज, हैदराबाद, तेलंगाना
2. ए.वी. कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, हैदराबाद, तेलंगाना
3. लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
4. सरोजिनी नायडू वनिता महाविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
5. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज (स्वायत्त), कोयंबटूर, तमिलनाडु
6. अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, चिदंबरम, तमिलनाडु
7. महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक, हरियाणा
8. कालीकट यूनिवर्सिटी, कोझीकोड, केरल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. बनस्थली विद्यापीठ, जयपुर, राजस्थान
2. सेंट जेवियर्स कॉलेज, जयपुर, राजस्थान
3. ज्योति निवास प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. मेहर चंद महाजन दयानंद एंग्लो वैदिक कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़
5. सेंट थॉमस कॉलेज, त्रिशूर, केरल
6. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. आर.टी.एम.एन.यू. नागपुर, महाराष्ट्र
8. शूलिनी यूनिवर्सिटी, सोलन, हिमाचल प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च थिंक-टैंक के वरिष्ठ फेलो **प्रताप भानु मेहता** ने भारत की कई प्रमुख राजकीय समितियों में अपनी सेवाएँ दी हैं, जिनमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड, प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय ज्ञान आयोग और सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त चुनाव संबंधी समिति सम्मिलित हैं। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र, राजनीति और अर्थशास्त्र में बी.ए. और प्रिंसटन विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में पीएच.डी. की है। डॉ. मेहता को वर्ष 2010 में मैल्कम एस. आदिशेशैया पुरस्कार और वर्ष 2011 में राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में इंफोसिस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

स्रोत— https://cprindia.org/people/pratap-bhanu- mehta/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सामाजिक कार्यकर्ता

सामाजिक कार्यकर्ता, व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों को उनकी भलाई में सुधार करने और सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने में सहायता करता है। वे गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, व्यसन, घरेलू हिंसा और विकलांगता जैसी विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहे लोगों के साथ काम करते हैं और वे परामर्श, वकालत और लोगों को आवश्यक सेवाओं से जोड़ने के माध्यम से सहायता प्रदान करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप सभी से सहजता से बात कर सकते हों।
- आपको अपने दोस्तों, साथियों और अपने आस-पास के लोगों की सहायता करना पसंद हों।
- आपको सामाजिक समस्याओं का विश्लेषण करना पसंद हों।
- आपको विभिन्न समुदायों और उनकी संस्कृतियों के बारे में जानने में आनंद आता हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **6,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी विषय-वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. सामाजिक कार्य/समाजशास्त्र में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

सामाजिक कार्य/समाजशास्त्र में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर (एम.एस.डब्ल्यू.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

किसी भी विषय-वर्ग में स्नातक की डिग्री के बाद सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर (एम.एस.डब्ल्यू.) की डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सामाजिक कार्यकर्ता की आय ₹ **15,000–30,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/india-social-worker-salary-SRCH_IL.0%2C5_IN115_KO6%2C19.htm?utm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सामुदायिक विकास संगठन, बाल कल्याण और मानव सेवा एजेंसियाँ, मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएँ, चिकित्सालय, विद्यालय, गैर-राजकीय संगठन।

कार्य वातावरण— इसमें व्यापक क्षेत्र कार्य और यात्रा सम्मिलित है। सामान्यतः आपके पास एक कार्यालय में कार्य करने के साथ-साथ नियमित रूप से क्षेत्र में भी काम करेंगे, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस प्रकार के सामाजिक कार्य में विशेषज्ञ हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → प्रोजेक्ट एसोसिएट → प्रशासनिक प्रबंधक
अथवा
प्रशिक्षु → प्रोजेक्ट एसोसिएट → नीति नियोजन प्रबंधक
अथवा
प्रशिक्षु → प्रोजेक्ट एसोसिएट → प्रोजेक्ट प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम सामाजिक कार्य विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
3. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
4. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
6. विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल
7. मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिल, तमिलनाडु
8. उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी बेंगलुरु, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र
3. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जयपुर, राजस्थान
4. सी.एम.आर. यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. बनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान
6. सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, पंश्चिम बंगाल
7. बॉस्को इंस्टीट्यूट, जोरहाट, असम
8. निर्मला निकेतन, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

प्रीति पाटकर, प्रेरणा नामक एन.जी.ओ. की सह-संस्थापक और कार्यकारी सचिव हैं, जो अंतर-पीढ़ीगत तस्करी को समाप्त करने और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए समर्पित है। उन्होंने निर्मला निकेतन कॉलेज ऑफ सोशल वर्क से स्नातक किया है और वर्ष 1986 में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज से सोशल वर्क में अपनी विशेषज्ञता में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। प्रीति ने गणिकागृह क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए 'नाइट केयर सेंटर' की स्थापना की, जो इस प्रकार का दुनिया में पहला केंद्र है। उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 1989 में उन्हें अशोका फाउंडेशन यू.एस.ए. से अशोका फेलोशिप मिली और बाद में भारत के राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

स्रोत— https://forum.thenudge.org/speakers/priti-patkar

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

खेल वकील

खेल कानून कई अलग-अलग तरह के कानूनों का समूह है, जिनका खेल उद्योग पर प्रभाव पड़ता है। खेल वकील, जिसे खेल कानून वकील के रूप में भी जाना जाता है, एथलीटों, उद्योग बोर्डों, टीमों, लीगों और अन्य खेल संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक लाइसेंस प्राप्त कानूनी व्यवसायी होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको खेलकूद पसंद हों।
- आप एक बेहतरीन संचारक हों।
- आप सही मुद्दों पर बोलना पसंद करते हों।
- आप लोगों की समस्याओं को सुलझाने में सहायता करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **17,550–3,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. 5 साल का एल.एल.बी. पाठ्यक्रम करें और फिर स्पोर्ट्स लॉ में एल.एल.एम. या पी.जी.डी.एम. के लिए आवेदन करें।
3. अगर आप विदेश में स्पोर्ट्स लॉ में एल.एल.एम. करना चाहते हैं, तो आपको आई.ई.एल.टी.एस. या टी.ओ.ई.एफ.एल. जैसी अंग्रेजी भाषा की परीक्षा देनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

खेल वकील की आय ₹ **1,06,376–1,90,480*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.salaryexpert.com/salary/job/sports-lawyer/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— लॉ फर्म, एथलेटिक एसोसिएशन, कानून या मनोरंजन संगठन।

कार्य वातावरण— आप एक कार्यालय में काम करेंगे। यात्रा नौकरी का भाग है। आपको न्यायालय में होने वाले कार्य के अतिरिक्त भी कार्य करना पड़ सकता है। सामान्यतः सप्ताह में 5 या 6 दिन और प्रतिदिन 7 या 8 घंटे होता है। यह सभी न्यायालयों में अलग-अलग हो सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कानून प्रशिक्षु → अधिवक्ता → वरिष्ठ अधिवक्ता

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विधि विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

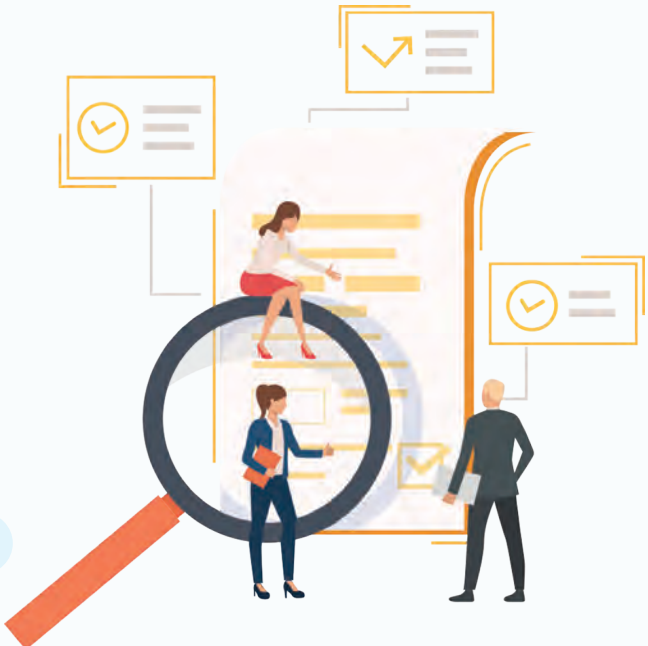
सरकारी संस्थान

1. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जोधपुर, राजस्थान
2. नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला, पंजाब
3. यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई, महाराष्ट्र
4. गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर, पंजाब
5. नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना

निजी संस्थान

1. इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस एंड फाइनेंस, नई दिल्ली
2. सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे, महाराष्ट्र
3. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एन.एल.एस.आइ.यू) से स्नातक **राघवेंद्र पटनायक** वर्तमान में फेयरप्ले फ्लोरिडा प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले, उन्होंने कॉर्नरस्टोन स्पोर्ट एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की सह-स्थापना की थी और इससे पहले वे महेश भूपति के ग्लोबोस्पोर्ट में कानूनी सलाहकार के रूप में कार्यरत थे।

स्रोत— https://www.lawctopus.com/raghavendra-patnaik-sports-law-career/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड

सुरक्षा गार्ड का काम इमारत और उसमें उपस्थित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। सुरक्षा गार्ड हथियारों से लैस हो सकते हैं या बिना हथियार के भी तैनात हो सकते हैं। नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड के प्रमुख दायित्वो में चोरी, आपराधिक गतिविधियों, आपात स्थितियों, आग या अन्य अप्रत्याशित घटनाओं से सुरक्षा प्रदान करना सम्मिलित है।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप दूसरों की सहायता करना पसंद करते हों।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आपको पालन करने के लिए स्पष्ट निर्देश देना पसंद हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,000–15,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट

किसी भी विषय-वर्ग (अधिमानत: शारीरिक शिक्षा या व्यावसायिक प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए) 10 + 2 उत्तीर्ण करें।

डिप्लोमा

सुरक्षा प्रबंधन में डिप्लोमा प्राप्त करें। ये विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

स्नातक

सुरक्षा प्रबंधन में स्नातक कला स्नातक (बी.ए.), अपराध और सुरक्षा प्रबंधन में विज्ञान स्नातक (बी.एस.सी.) डिग्री प्राप्त करें।

स्नातकोत्तर

सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन में स्नातकोत्तर कला मास्टर (एम.ए.), सुरक्षा अध्ययन या आपराधिक न्याय में विज्ञान स्नातकोत्तर (एम.एससी.) डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

नि:शस्त्र सुरक्षा गार्ड की आय ₹ **9,000–15,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3ZfaXzK

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— शॉपिंग मॉल, सोसाइटी कॉम्प्लेक्स, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, अपार्टमेंट, सुरक्षा सेवा प्रदान करने वाली एजेंसियाँ, इवेंट आधारित कंपनियाँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त कार्य सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक गार्ड → सुरक्षा गार्ड → सुरक्षा पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई
2. राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना

निजी संस्थान

1. सुरक्षा क्षेत्र कौशल विकास परिषद, दिल्ली मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता
2. अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सुरक्षा प्रबंधन संस्थान दिल्ली, मुंबई

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

25 वर्षीय **अनिल कुमार वरकड़े** मध्य प्रदेश के कटनी जिले की रीठी तहसील के खमरिया गाँव के निवासी हैं। उनके पिता, मान कुमार एक किसान हैं। अनिल ने अपनी 12वीं की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की और इसके बाद उन्हें 'सुरक्षा' क्षेत्र में एक कोर्स के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने सुरक्षा गार्ड का कोर्स अच्छे प्रदर्शन के साथ पूरा किया। कुछ ही समय बाद उन्हें कटनी में सुरक्षा गार्ड की नौकरी का प्रस्ताव मिला, जिसमें शुरुआती वेतन 4,500 रुपये प्रतिमाह था। अनिल ने यह नौकरी पूरे उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ स्वीकार की। उनके काम के प्रति समर्पण और कड़ी मेहनत से उनके वरिष्ठ अधिकारी बेहद प्रभावित हुए, जिसके चलते अनिल ने अपनी नौकरी में तेजी से प्रगति की। आज, उनके माता-पिता गर्व महसूस करते हैं कि उनका वेतन पहले की तुलना में कई गुना बढ़ चुका है।

स्रोत— https://www.dbtech.in/SuccessStory.aspx?StoryID=BOkQAV2WRbgQ7tT6Nv8duNX0xHUX1LD/bMLUDI25ESc=

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

अनुसंधान एवं विकास



मानव विज्ञानी

मानव विज्ञानी की रुचि मनुष्यों की उत्पत्ति, संस्कृतियों, रीति-रिवाजों और एक-दूसरे के साथ उनके संबंधों का अध्ययन करने में होती है। वे देखते हैं कि लोग एक-दूसरे के साथ कैसे बातचीत करते हैं, उनका पर्यावरण और कलाकृतियाँ बनाते हैं, ताकि यह समझा जा सके कि मनुष्य जिस तरह से व्यवहार करते हैं, वह क्यों करते हैं। वे मानव जाति की जानकारी पर शोध, संग्रह और मूल्यांकन करके इन क्षेत्रों का अध्ययन करते हैं। वे क्षेत्र में रुचि के किसी विशिष्ट क्षेत्र, जैसे– सांस्कृतिक नृविज्ञान या पुरातत्व पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। वे मानव संस्कृतियों के बारे में डेटा एकत्र करने के लिए वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करते हैं, जिसमें सामाजिक अंत:क्रियाओं का अवलोकन करना, प्रतिभागियों का साक्षात्कार करना और उत्खनन स्थलों पर मिली कलाकृतियों का विश्लेषण करना सम्मिलित है।

व्यक्तिगत गुण

- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।।
- आप विभिन्न संस्कृतियों को जानने में रुचि रखते हैं और उनकी सराहना करते हों।
- आप समस्याओं का विश्लेषण करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **12,000–1,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. मानविकी विषय में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. मानव विज्ञान में कला में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद उसी में स्नातकोत्तर डिग्री लें और फिर मानव विज्ञान में पीएच.डी. करें।

अथवा

सामाजिक विज्ञान/मानविकी में स्नातक (बी.ए. या बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद उसी में स्नातकोत्तर डिग्री लें और फिर मानव विज्ञान में पीएच.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मानवविज्ञानी की आय ₹ **15,600–39,100*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3DmVh4X

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, अनुसंधान संस्थान, प्रकाशन गृह, गैर राजकीय संगठन, संग्रहालय।

कार्य वातावरण— आपके कार्यालयों में प्रयोगशालाओं में काम करने या फील्डवर्क करने की संभावना है। फील्डवर्क के लिए विस्तारित अवधियों के लिए यात्रा की आवश्यकता हो सकती है।

**इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।*

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → मानव विज्ञानी, सांस्कृतिक → वरिष्ठ मानव विज्ञानी → विभागाध्यक्ष

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम मानव विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. रांची कॉलेज, रांची, झारखंड
2. आर्य विद्यापीठ कॉलेज, गुवाहाटी, असम
3. डिब्रूगढ़ हनुमानबक्स सूरजमल्ल कनोई कॉलेज, डिब्रूगढ़, असम
4. नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, मेघालय
5. गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़
6. शिया पी.जी. कॉलेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. निम्स यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
2. सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र
3. देवभूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
4. सिम्बायोसिस स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट, पुणे, महाराष्ट्र
5. अशोका यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा
6. नरसिंह दत्त कॉलेज, हावड़ा, पश्चिम बंगाल
7. कलिंग सामाजिक विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

डॉ. मधुमाला चट्टोपाध्याय एक भारतीय मानवविज्ञानी हैं जो अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के स्वदेशी लोगों की विशेषज्ञ हैं। वर्ष 1991 में चट्टोपाध्याय और उनके सहयोगी सेंटिनली लोगों के साथ शांतिपूर्ण संपर्क बनाने वाले पहले बाहरी व्यक्ति थे। अपनी पढ़ाई के बाद, वे एक शोधकर्ता के रूप में और बाद में एक वरिष्ठ साथी के रूप में भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण (ए.एन.एस.आई.) में सम्मिलित हो गईं। मधुमाला अपनी पहली क्षेत्र यात्रा को याद करते हुए कहती हैं, "जब मैं पहली बार अंडमान निकोबार गई, तो लोग बहुत मिलनसार थे। मैंने वहाँ तीन महीने बिताए और उनकी भाषा सीखने की कोशिश की। वे 'क्या आपको पानी चाहिए?' जैसे इशारे दिखाते थे और मैं वापस इशारा करती। धीरे-धीरे मैंने महत्वपूर्ण शब्द और वाक्यांश सीखे। फिर मैं पोर्ट ब्लेयर वापस आई और एकत्रित डाटा का विश्लेषण किया।

स्रोत— https://www.ndtv.com/india-news/woman-anthropologist-madhumala-chattopadhyay-made-first-friendly-contact-with-andamans-sentinelese-t-1958313

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

पुरातत्त्ववेत्ता

पुरातत्त्ववेत्ता, मानव ऐतिहासिक और प्रागैतिहासिक सभ्यताओं की संस्कृति को समझने के लिए इतिहास का अध्ययन करते है। वह प्राचीन कला, वास्तुकला के अवशेषों, स्मारकों एवं अन्य पुरातात्विक सामग्रियों की खोज और विश्लेषण करते है। फील्डवर्क और स्थलों की खुदाई के माध्यम से पुरातत्वविद् सामाजिक आदतों, धार्मिक मान्यताओं, जीवनशैली और रीति-रिवाजों जैसे विषयों पर जानकारी प्राप्त करते है।

व्यक्तिगत गुण

- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप ऐतिहासिक स्मारकों में रुचि और जिज्ञासा दिखाते हों।
- आप बाहर काम करना पसंद करते हों।
- आपके पास शोध कौशल हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **2,000–1,50,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय में 10+2 उत्तीर्ण करें, अधिमानत– मानविकी।
2. इतिहास/पुरातत्व में कला में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद पुरातत्व में कला में स्नातकोत्तर (एम.ए.) डिग्री प्राप्त करें और फिर संबंधित विषय में पीएच.डी. करें।

अथवा

इतिहास/पुरातत्व में कला में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद पुरातत्व में स्नातकोत्तर डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के समय पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच कर लें।

अपेक्षित आय

पुरातत्त्ववेत्ता की ₹ **15,000–5,00,000*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/archaeologist-salary-SRCH_KO0,13.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— निजी और राजकीय कॉलेज/विश्वविद्यालय, संग्रहालय, सांस्कृतिक केंद्र, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।

कार्य वातावरण— आप फील्ड वर्क के दौरान बाहर अथवा रिपोर्ट या शोध पत्र लिखते समय कार्यालय के वातावरण में काम करें। आप पूर्णकालिक या अंशकालिक, व्यक्तिगत फील्ड वर्क प्रोजेक्ट पर या स्वतंत्र क्षमता में काम कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → पुरातत्त्ववेत्ता → शिक्षक, स्वरोजगार

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इतिहास/पुरातत्व विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
2. श्यामा प्रसाद मुखर्जी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
3. डीवीए डिग्री कॉलेज, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
4. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश
5. मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु
6. कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
7. लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
8. मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. बी.के. कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स, ठाणे, महाराष्ट्र
2. पुरातत्व संस्थान, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली
3. दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
4. डेक्कन कॉलेज पोस्टग्रेजुएट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे, महाराष्ट्र
5. जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

नयनजोत लाहिरी, प्राचीन भारत की एक प्रतिष्ठित इतिहासकार और पुरातत्वविद हैं, जो अशोका विश्वविद्यालय में इतिहास की प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने सेंट स्टीफंस कॉलेज और दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग से शिक्षा प्राप्त की। अपने करियर के दौरान, उन्होंने हिंदू कॉलेज में अध्यापन किया एवं वर्ष 2015 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में कार्यरत रहीं। इसके साथ ही, वर्ष 2007 से वर्ष 2010 के बीच उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में कॉलेजों की डीन और वर्ष 2006 से वर्ष 2007 तक अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की डीन के रूप में भी अपनी सेवाएँ दीं। पुरातत्व के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2013 में मानविकी में इंफोसिस पुरस्कार से सम्मानित किया गया और उनकी पुस्तक "अशोका इन एनशिएंट इंडिया" के लिए उन्हें वर्ष 2016 में जॉन एफ. रिचर्ड्स पुरस्कार प्राप्त हुआ।*

स्त्रोत— https://www.ashoka.edu.in/profile/nayanjot-lahiri/

**उपरोक्त जानकारी सूचनात्मक उद्देश्यों के लिए है और किसी भी वाणिज्यिक लाभ के लिए उपयोग नहीं की जाएगी।*

खगोल भौतिकीविद्

खगोल भौतिकीविद् या खगोलविद्, ब्रह्मांड, नक्षत्रों, ग्रहों एवं अंतरिक्ष के गहन अध्ययन में विशेषज्ञता रखते हैं। उनके मुख्य उत्तरदायित्वों में आँकड़ों का संग्रहण, विश्लेषण, प्लॉटिंग और सांख्यिकी का आकलन करना सम्मिलित होता है। वे शोध परिणामों की रिपोर्ट तैयार करने के साथ-साथ उपग्रहों और दूरबीनों से प्राप्त आँकड़ों का समन्वय भी करते हैं। इसके अतिरिक्त, सैद्धांतिक मॉडलों का उपयोग करते हुए, वे डेटा की तुलना और छवियों का सरेखण भी करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान विषय पसंद हो।
- आप भौतिकी से संबंधित कोई पाठ्यक्रम करना चाहें।
- आप किसी वैज्ञानिक समस्या को हल करने के लिए कंप्यूटर का उपयोग कर सकते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च फेलोशिप https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–5,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. भौतिकी में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी में स्नातक के बाद स्नातकोत्तर (एम.एससी.) डिग्री और पीएच.डी. डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

खगोल भौतिकीविद् की आय ₹ **1,00,000–2,00,000** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.salaryexpert.com/salary/job/physicist-astrophysics/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सार्वजनिक और निजी अनुसंधान और अवलोकन केंद्र।

कार्य वातावरण— यह डेस्क जॉब नहीं है। आप किसी टीम को नहीं संभालेंगे। स्थानीय यात्रा इस नौकरी की भूमिका का भाग है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हो सकती हैं। संगठन सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कनिष्ठ शोधकर्ता → खगोल भौतिकीविद् → विभागाध्यक्ष

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम भौतिकी/खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, ओडिशा
3. उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
4. पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर, मध्य प्रदेश
6. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई, महाराष्ट्र
7. सेंट जेवियर्स कॉलेज, अहमदाबाद, गुजरात
8. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. लोयोला कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
2. मार इवानियोस कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल
3. सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु
5. के.जे. सोमैया कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई, महाराष्ट्र
6. डॉ. डी.वाई. पाटिल आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
7. सेंट थॉमस कॉलेज, त्रिशूर, केरल
8. सेंट टेरेसा कॉलेज, एर्नाकुलम, केरल

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम वर्तमान में भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बेंगलुरु में निदेशक हैं। उन्होंने कालीकट विश्वविद्यालय से बी.एससी. और एम.एससी. की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने आई.आई.ए., बेंगलुरु से पीएच.डी. पूरी की। वह तारा समूहों, तारा निर्माण, आकाशगंगा संरचना, आकाशगंगाओं में तारकीय आबादी और मेगेलैनिक बादलों जैसे क्षेत्रों में अपने काम के लिए जानी जाती हैं।

स्रोत— https://www.iiap.res.in/IIA50/sites /default/files/Women-Astronomers-IIA.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

वनस्पतिशास्त्री

वनस्पति विज्ञान के विशेषज्ञ पौधों का अध्ययन करते हैं, उनकी संरचना, गुणधर्म एवं जैवरासायनिक प्रक्रियाओं पर शोध करते हैं। इस ज्ञान का उपयोग वे पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम विकसित करने, पौधों की उन्नत खेती तकनीकों को सुधारने तथा दवाओं, खाद्य, वस्त्र एवं अन्य उत्पादों में प्रयुक्त पौध आधारित सामग्रियों की पहचान और निष्कर्षण के लिए करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको बाहर काम करना पसंद हो।
- आपको प्रयोग करना पसंद हो।
- आपको विज्ञान और गणित पसंद हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च फेलोशिप https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **45,000–1,00,000** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. वनस्पति विज्ञान में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

उसी या संबंधित विषय में स्नातक के बाद स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

वनस्पतिशास्त्री की आय ₹ **16,166–83,333** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

*स्रोत— https/ www.payscale.com/research/*IN/Job=BotanistjSalary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— निजी अनुसंधान प्रयोगशालाएँ, जैव प्रौद्योगिकी फर्म, दवा कंपनियाँ, कॉलेज और विश्वविद्यालय, रासायनिक उद्योग आदि।

कार्य वातावरण— इस नौकरी में शारीरिक गतिविधि की आवश्यकता होती है। आपको किसी टीम को संभालने की आवश्यकता नहीं है। स्थानीय यात्रा इस नौकरी की भूमिका का एक भाग है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हैं। संगठन सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 9 से 10 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → वनस्पतिशास्त्री → वरिष्ठ वनस्पतिशास्त्री → प्रमुख शोधकर्ता

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. सेंट जेवियर्स कॉलेज, अहमदाबाद, गुजरात
2. हिंदू कॉलेज, नई दिल्ली
3. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
4. फारूक कॉलेज, कोझीकोड, केरल
5. उस्मानिया यूनिवर्सिटी कॉलेज फॉर वुमेन, हैदराबाद, तेलंगाना
6. महाराजा कॉलेज, एर्नाकुलम, केरल
7. गवर्नमेंट होल्कर साइंस कॉलेज, इंदौर, मध्य प्रदेश
8. स्कॉटिश चर्च कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
2. माउंट कार्मेल कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु
4. रामनारायण रुइया कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र
5. मार इवानियोस कॉलेज, नालंचिरा, केरल
6. सर परशुरामभाऊ कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
7. सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. के. जे. सोमैया कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

जानकी अम्माल एक प्रसिद्ध भारतीय वनस्पतिशास्त्री थीं, जिनका मुख्य योगदान साइटोजेनेटिक्स, फाइटोजियोग्राफी और पौधों के प्रजनन के क्षेत्र में था। उन्होंने प्रेसीडेंसी कॉलेज से वनस्पति विज्ञान में ऑनर्स की डिग्री प्राप्त की और वर्ष 1924 में उच्च शिक्षा के लिए मिशिगन विश्वविद्यालय गईं, जहाँ उन्होंने वर्ष 1926 में बारबोर छात्रवृत्ति के तहत वनस्पति विज्ञान में मास्टर डिग्री प्राप्त की। वर्ष 1977 में, उन्हें स्वदेशी गन्ने की किस्मों को उन्नत बनाने के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया, इसके अलावा, उन्होंने भारत में गन्ने के भौगोलिक वितरण के अध्ययन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फरवरी 1984 में मदुरावॉयल में स्थित फील्ड प्रयोगशाला में काम करते हुए उनका निधन हो गया।

स्रोत— https://www.thefamouspeople.com/indian-botanists.php

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

बाल विकास विशेषज्ञ

बाल विकास विशेषज्ञ, उन बच्चों में विकासात्मक एवं मानसिक विकारों के लक्षणों और पैटर्न की पहचान करने में कुशल होते हैं। वे बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं और समस्याओं का मूल्यांकन करते हैं और इस आधार पर माता-पिता एवं शिक्षकों को उचित मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपमें दूसरों को ठीक करने की तीव्र इच्छा हो।
- आप बच्चों के साथ सहज हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **3,000–1,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा/बाल विकास/बाल मनोविज्ञान में कला में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद बाल विकास या संबंधित क्षेत्र में कला में स्नातकोत्तर (एम.ए.) डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा/बाल विकास/बाल मनोविज्ञान में कला में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद बाल विकास या संबंधित क्षेत्र में कला में स्नातकोत्तर (एम.ए.) डिग्री प्राप्त करें और फिर बाल विकास या संबंधित क्षेत्र में पीएच.डी. करें।

अथवा

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में डिप्लोमा करें, उसके बाद प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में पी.जी. डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

बाल विकास विशेषज्ञ की आय ₹ **50,000–1,00,000*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

*स्रोत— https://www.salaryexpert.com/*salary/job/child-development-specialist/india/bangalore

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— प्री-स्कूल या प्राथमिक विद्यालय, निजी या राजकीय एजेंसियाँ और संस्थान, गैर राजकीय संगठन, सार्वजनिक एवं निजी विद्यालय, बाल देखभाल केंद्र, हेड स्टार्ट कार्यक्रम, पारिवारिक बाल देखभाल गृह, सामाजिक सेवा एजेंसियाँ, अस्पताल, क्लीनिक, निजी प्रैक्टिस।

कार्य वातावरण— आप जहाँ कार्यरत हैं, उसके आधार पर आपको विभिन्न प्रकार की सेटिंग्स में काम करना पड़ सकता है। आप पूर्णकालिक या अंशकालिक काम कर सकते हैं और कुछ शाम या सप्ताहांत में काम कर सकते हैं। आप सामान्यतः जन्म से लेकर 5 वर्ष की आयु तक के बच्चों के साथ काम करेंगे या स्कूली बच्चों, किशोरों और परिवारों के साथ काम कर सकते हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कार्यक्रम समन्वयक → कार्यक्रम विशेषज्ञ → कार्यक्रम प्रबंधक → सहायक निदेशक → सह निदेशक

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सेंटर फॉर अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, अंबेडकर यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
2. जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. लेडी इरविन कॉलेज, नई दिल्ली
4. सेंटर फॉर अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट एंड रिसर्च, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
6. सेंट टेरेसा कॉलेज, कोच्चि, केरल
7. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. बॉम्बे टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र
3. जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
4. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

डॉ. मोनीमालिका डे, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के स्कूल ऑफ एजुकेशन स्टडीज (एस.ई.एस.) में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। उन्होंने मैरीलैंड विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की है और पैरेंटिंग कार्यक्रमों और प्री-स्कूल शिक्षा के माध्यम से हाशिये पर रहने वाले समुदायों के छोटे बच्चों के विकास पर केंद्रित कई शोध परियोजनाओं में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। अपने करियर की शुरुआत उन्होंने कोलकाता में कलकत्ता रेस्क्यू से की, जहाँ उन्होंने सड़क पर रहने वाले 300 बच्चों के लिए ड्रॉप-इन सेंटर की स्थापना में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने मनोविकास केंद्र में अंशकालिक रूप से काम करते हुए विकलांग बच्चों के लिए एक अस्पताल-आधारित कार्यक्रम स्थापित करने में सहयोग किया।*

*स्रोत–https://aud.ac.in/faculty/dr-*monimalika-day

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

अपराध विज्ञानी

अपराध विज्ञान, अपराध और विचलित व्यवहार का अध्ययन है। यह अपराध के मूल कारण को समझने और उसकी प्रभावी रोकथाम से संबंधित है। वे अपराध के प्रति समाज की प्रतिक्रिया का अध्ययन, अनुसंधान और जाँच करते हैं, अपराध के इर्द-गिर्द गुणात्मक एवं मात्रात्मक डेटा एकत्र करते हैं और उसका विश्लेषण करते हैं, अंततः समुदाय में अपराध को रोकने के लिए अंतर्दृष्टि और समाधान प्रदान करते हैं। पुलिस और नीति निर्माताओं के साथ मिलकर काम करने वाले अपराध विज्ञानी चुस्त पुलिस व्यवस्था की कार्यनीतियों पर सुझाव देते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आप समस्याओं का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आपको समाज और संस्कृति को समझने में रुचि है



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **1,800–12,43,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. अपराध विज्ञान में आर्ट्स में स्नातक (बी.ए.) डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद अपराध विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री और फिर क्रिमिनल जस्टिस में पीएच.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

अपराध विज्ञानी की आय ₹ **15,000–20,000*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— https://shorturl.at/ZRFgL

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— एन.जी.ओ., जाँच एजेंसियाँ, बी.पी.आर.डी. और यू.एन.डी.पी. के लिए परियोजनाएँ।

कार्य वातावरण— आप सामान्यतः कार्यालय के वातावरण में काम करेंगे, लेकिन कभी-कभी यात्रा भी कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → अपराध विज्ञानी → वरिष्ठ अपराध विज्ञानी

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम अपराध विज्ञान/समाजशास्त्र विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. महाराजा कॉलेज, मैसूर विश्वविद्यालय, कर्नाटक
2. गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
3. पटना विश्वविद्यालय, पटना, बिहार
4. कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक
5. सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा और आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान
6. लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
7. राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात
8. बैंगलोर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. करुणा प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, कोयंबटूर, तमिलनाडु
2. अनुसंधान प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान, ठाणे, महाराष्ट्र
3. मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भोपाल, मध्य प्रदेश
4. विलियम कैरी विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय
5. छत्रपति शिवाजी महाराज विश्वविद्यालय, नवी मुंबई, महाराष्ट्र
6. लॉयड लॉ कॉलेज, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. आचार्य स्नातक अध्ययन संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

डॉ. आर. रोचिन चंद्रा, सेंटर फॉर क्रिमिनोलॉजी एंड पब्लिक पॉलिसी के निदेशक हैं और वहाँ चीफ क्रिमिनोलॉजिस्ट के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले, उन्होंने राजस्थान जेल विभाग में एक्स-कैडर पद पर सेवाएँ दी थीं, जहाँ उनका मुख्य दायित्व सुधार अधिकारियों के प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और जेल पुनर्वास नीतियों की समीक्षा करना था। इसके अतिरिक्त, रोचिन ने काउंटर ट्रैफिकिंग ग्रुप (कोलोराडो, अमेरिका), इंटरनेशनल जस्टिस मिशन (चेन्नई), साउथ एशियन सोसाइटी ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड विक्टिमोलॉजी, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज और यूनिसेफ जैसे संगठनों के साथ महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दों पर कार्य किया है।*

स्रोत— http://ccppindia.org/people/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

संग्रहाध्यक्ष

संग्रहाध्यक्ष, विभिन्न संस्थानों, जैसे– संग्रहालयों, विश्वविद्यालयों या राजकीय सुविधाओं के लिए संग्रहों का संरक्षण और प्रबंधन करते हैं। वे अपने संग्रह में मौजूद विभिन्न प्रकार की वस्तुओं, जैसे– ऐतिहासिक कलाकृतियाँ, खेल यादगार और कला के कार्यों की देखभाल करते हैं। क्यूरेटर संरक्षणकर्ता के रूप में भी कार्य करते हैं, जो महत्वपूर्ण वस्तुओं, दस्तावेजों और संग्रहों का संरक्षण करते हैं, जिनमें ऐतिहासिक प्रतिलेख, कलाकृतियाँ, फोटोग्राफी और अन्य महत्वपूर्ण ऐतिहासिक या कलात्मक सामग्रियाँ सम्मिलित होती हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आपके पास लिखित और मौखिक संचार कौशल हो।
- आपको इतिहास में रुचि और ज्ञान हो।
- आपको टीम में काम करना पसंद हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **2,400–2,67,000** के बीच हो सकती है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. इतिहास विषय के साथ मानविकी में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. इतिहास/ललित कला/पुरातत्व में कला में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद पुरातत्व या संबंधित क्षेत्र में कला में स्नातकोत्तर (एम.ए.) डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

इतिहास/ललित कला/पुरातत्व में कला में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद क्यूरेशनल स्टडीज में पी.जी. डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

संग्रहाध्यक्ष की आय ₹ **5,200–20,200*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— https://shorturl.at/166AU

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— संग्रहालय, गैलरी, विश्वविद्यालय या कोई भी संगठन जिसके पास कोई मूल्यवान संग्रह है, जिसे किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले व्यक्ति द्वारा देखभाल की आवश्यकता है।

कार्य वातावरण— आप सामान्यतः पूर्णकालिक काम करेंगे और कभी-कभी, आप समय सीमा को पूरा करने या अन्य संग्रहालय कर्मचारियों के साथ समन्वय करने के लिए प्रति सप्ताह 40 घंटे से अधिक काम कर सकते हैं। आप पेशेवर बैठकों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लेने या शोध करने के लिए भी यात्रा कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक → पुरालेखपाल → संग्रहाध्यक्ष (संग्रहालय) → मुख्य संग्रहाध्यक्ष

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इतिहास/संग्रहालय विज्ञान/पुरातत्व विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
3. जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
4. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
5. राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान, नई दिल्ली
6. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
7. सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट, मुंबई, महाराष्ट्र
8. पुरातत्व संस्थान, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची, झारखंड
2. मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
3. फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
4. सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. बनस्थली विद्यापीठ, जयपुर, राजस्थान
7. आंध्र लोयोला कॉलेज, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
8. विल्सन कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

तस्नीम जकारिया मेहता एक कला इतिहासकार, क्यूरेटर, डिजाइनर और सांस्कृतिक कार्यकर्ता हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में पढ़ाई की, इसके बाद सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट, मुंबई से ललित कला में स्नातक और कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क से उदार कला में मास्टर डिग्री प्राप्त की। वर्तमान में वह मुंबई के डॉ. भाऊ दाजी लाड संग्रहालय की प्रबंध न्यासी और मानद निदेशक हैं। उनके अथक प्रयासों से यह संग्रहालय भारतीय कला के प्रमुख और समकालीन स्थानों में से एक बन गया है।*

स्रोत— https://www.education.artindiamag.com

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कोशिका विज्ञानी/कोशिका प्रौद्योगिकीविद्

कोशिका विज्ञान, जीवविज्ञान की वह शाखा है, जो कोशिकाओं की संरचना, कार्य, गुणन, रोगविज्ञान और उनके जीवन चक्र का अध्ययन करती है। इस क्षेत्र के विशेषज्ञ को कोशिका प्रौद्योगिकीविद् कहा जाता है।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी विज्ञान में रुचि हो।
- आपको समस्याओं या स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 15,000–2,25,000* के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. जीव विज्ञान/जीवन विज्ञान या संबंधित विषय में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री और पीएच.डी. करें।

नामांकन के दौरान कृपया पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

कोशिका विज्ञानी/ कोशिका प्रौद्योगिकीविद की आय **₹ 30,000–34,900*** रुपये प्रतिमाह और उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— https://shorturl.at/lQQRE

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कॉलेज और विश्वविद्यालय, अनुसंधान प्रयोगशालाएँ, पैथोलॉजी प्रयोगशालाएँ, खाद्य उत्पादन कंपनियाँ, कृषि अनुसंधान एजेंसियाँ और फर्म आदि।

कार्य वातावरण— इसके लिए शारीरिक गतिविधि की आवश्यकता होती है। स्थानीय यात्रा इस नौकरी की भूमिका का एक भाग है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हैं। संगठन सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 9 से 10 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → कोशिका विज्ञानी → वरिष्ठ कोशिका विज्ञानी→ प्रमुख शोधकर्ता

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम जीवन विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. मिरांडा हाउस, नई दिल्ली
2. हंसराज कॉलेज, नई दिल्ली
3. लोयोला कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. प्रेसीडेंसी कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
5. सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. निजाम कॉलेज, हैदराबाद, तेलंगाना
7. जय हिंद कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र
8. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, ओडिशा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र
2. महिला क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
3. शिवाजी कॉलेज, नई दिल्ली
4. इंदौर पब्लिक स्कूल अकादमी, इंदौर, मध्य प्रदेश
5. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
6. एम.ई.एस. कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस, बेंगलुरु
7. रवींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी, भोपाल, मध्य प्रदेश
8. डॉ. सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

प्रोफेसर अरुण कुमार शर्मा एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे और कलकत्ता विश्वविद्यालय में सेल एवं क्रोमोसोम अनुसंधान के उन्नत अध्ययन के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के केंद्र के संस्थापक कार्यक्रम समन्वयक रहे। वे एक सम्मानित साइटोजेनेटिक्स विशेषज्ञ थे और उन्हें कई प्रतिष्ठित पेशेवर सम्मान प्राप्त हुए थे, जिनमें वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद का शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार एवं भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान, पद्म भूषण सम्मिलित हैं।*

स्रोत— https://link.springer.com/article/1007/s13237-017-0226-3

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

डेटा संग्रहकर्ता या क्षेत्र सर्वेक्षण प्रगणक

डेटा संग्रहकर्ता या क्षेत्र सर्वेक्षण प्रगणक, घरों, उद्यमों या प्रतिष्ठानों से डेटा या दस्तावेज एकत्र करते हैं या उनका सत्यापन करते हैं। वे मोबाइल, टैबलेट या लैपटॉप का उपयोग करके सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करते हैं और विभिन्न ग्राहकों से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार सर्वेक्षण अवधारणाओं, परिभाषाओं, प्रक्रियाओं और निर्देशों से संबंधित एक खाका तैयार करने के लिए उत्तरदायी होते हैं। डेटा कलेक्टर नियमित, अनुबंध या कमीशन के आधार पर कार्य करता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देना पसंद करते हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहजता महसूस करते हों।
- आप समस्याओं या स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप टीम के साथ काम करने में सहज हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

डिप्लोमा— पाठ्यक्रम शुल्क **₹10,000–75,000*** प्रति वर्ष।
स्नातक डिग्री— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 20,000–2,00,000*** प्रति वर्ष।
स्नातकोत्तर डिग्री— पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 40,000–5,00,000*** प्रति वर्ष।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट

पात्रता— 10वीं या 12वीं कक्षा। अवधि— 6 महीने से 1 वर्ष। उदाहरण— डेटा संग्रह और विश्लेषण, मार्केट रिसर्च, सांख्यिकीय डेटा संग्रह

डिप्लोमा

पात्रता— 12वीं कक्षा (या समकक्ष) उत्तीर्ण करें। अवधि— 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— डेटा विज्ञान, अनुसंधान पद्धति, डेटा प्रबंधन और विश्लेषण में डिप्लोमा

स्नातक

पात्रता— विज्ञान, वाणिज्य या सामाजिक विज्ञान पर ध्यान देने के साथ 12वीं कक्षा (या समकक्ष) उत्तीर्ण करें। अवधि— 3 वर्ष। उदाहरण— सांख्यिकी में कला स्नातक, कंप्यूटर विज्ञान में विज्ञान स्नातक, वाणिज्य स्नातक, डेटा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना

स्नातकोत्तर

पात्रता— स्नातक (सांख्यिकी, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र या वाणिज्य। अवधि— 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— सांख्यिकी में विज्ञान, कंप्यूटर अनुप्रयोग, अर्थशास्त्र में कला, डेटा विश्लेषण में स्नातकोत्तर करें।

डॉक्टरेट

पात्रता— स्नातकोत्तर (सांख्यिकी, डेटा विज्ञान या अर्थशास्त्र। अवधि— 3 से 5 वर्ष। उदाहरण— सांख्यिकी में, डेटा विज्ञान या बिग डेटा एनालिटिक्स, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान और डेटा विश्लेषण में पीएच.डी. करें।

लघु अवधि पाठ्यक्रम— डेटा प्रविष्टि, सांख्यिकीय विश्लेषण उपकरण में लघु अवधि पाठ्यक्रम, डेटा संग्रह विधियों में ऑनलाइन पाठ्यक्रम।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

डेटा संग्रहकर्ता या क्षेत्र सर्वेक्षण प्रगणक की आय **₹ 10,250–17,000** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

*स्रोत–https://www.ambitionbox.com/*profile/enumerator-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— एन.जी.ओ., डेटा संग्रह इकाई, अनुसंधान एजेंसियाँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको न्यूनतम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय की आवश्यकता हो सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक डेटा संग्रहकर्ता या क्षेत्र सर्वेक्षण प्रगणक → डेटा संग्रहकर्ता या क्षेत्र सर्वेक्षण प्रगणक → क्षेत्र विश्लेषक → प्रमुख प्रगणक



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

सरकारी संस्थान

1. दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र
3. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
4. मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
5. भारत में कोई भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

शैला महालमनी, उत्तरी कर्नाटक के बेलगाम की 39 वर्षीय महिला हैं, जो गुड बिजनेस लैब (जी.बी.एल.) बेंगलुरु में एक गणनाकार के रूप में काम कर रही हैं। उनकी भूमिका में क्षेत्र कार्य करना और शोध हेतु डेटा तैयार करने में सहायता हेतु सर्वेक्षण करना सम्मिलित है। वह पिछले चार वर्षों से जी.बी.ए.ल में हैं, लेकिन उनका करियर लगभग 18 साल पहले आरंभ हुआ, जब उनकी बेटी का जन्म हुआ। 17 साल की उम्र में, उनकी शादी एक बड़े आदमी से कर दी गई, जो उनसे घर पर बैठकर घर संभालने की अपेक्षा करता था। शैला नहीं चाहती थीं कि उनकी बेटी का जीवन उसी तरह चले; इसलिए उन्होंने उसे एक अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में दाखिला दिलाने और उसका भविष्य संवारने का निर्णय लिया। शुरुआत में उन्होंने एक स्थानीय स्कूल में शिक्षिका के रूप में काम किया और बाद में गणनाकार के रूप में अपनी भूमिका निभाई। अपने परिवार के दबाव के कारण, उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी, लेकिन फिर से गणनाकार के रूप में जुड़ने का निर्णय लिया और सिलाई में भी हाथ आजमाया। वह बेंगलुरु चली गईं और तब से वहीं काम कर रही हैं। बाद में, उन्हें गणनाकार से फील्ड एनालिस्ट के रूप में पदोन्नत किया गया और अब वह एक समय में दो से तीन परियोजनाओं पर काम करती हैं।*

स्रोत–idronline.org/features/gender/one-survey-at-a-time-the-challenges-of-being-a-woman-enumerator/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

जनसांख्यिकीविद्

जनसांख्यिकी, जनसंख्या का विज्ञान है। जनसांख्यिकीविद्, जनसंख्या की गतिशीलता को समझने के लिए तीन प्रमुख प्रक्रियाओं का अध्ययन करते हैं, जैसे– जन्म, प्रवास और उम्र बढ़ना जिसमें मृत्यु भी सम्मिलित है। इस अनुशासन का अधिकांश शोध मनुष्यों पर केंद्रित होता है, लेकिन बायोडेमोग्राफी जैसे विशेष क्षेत्रों का भी अध्ययन किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप समस्याओं तथा स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप मुद्दों के बारे में चर्चा करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 25,000–3,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. जनसंख्या अध्ययन या जनसांख्यिकी/मानवविज्ञान/ समाजशास्त्र/ सांख्यिकी/अर्थशास्त्र या सामाजिक विज्ञान में स्नातक (बी.ए./बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.एससी./एम.ए.) और पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

जनसांख्यिकीविद् की आय **₹ 60,000–70,000*** प्रतिमाह और उससे अधिक हो सकती है

स्रोत— https://shorturl.at/kWJst

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— पर्यावरण संरक्षण एजेंसियाँ, जनगणना ब्यूरो, बाजार अनुसंधान संगठन, निजी विनिर्माण कंपनियाँ आदि।

कार्य वातावरण— स्थानीय यात्रा नौकरी की भूमिका का एक भाग है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हो सकती हैं। संगठन सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। आवश्यकता पड़ने पर आपको अतिरिक्त समय की आवश्यकता पड़ सकती हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → कनिष्ठ जनसांख्यिकीविद् → जनसांख्यिकीविद् → वरिष्ठ जनसांख्यिकीविद्



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

पाठ्यक्रम जनसंख्या अध्ययन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश
2. गुरुचरण विश्वविद्यालय, सिलचर, असम
3. अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदम्बरम, तमिलनाडु
4. लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
5. श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति, आंध्र प्रदेश
6. रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश
7. विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश
8. फकीर मोहन कॉलेज, बालासोर, ओडिशा

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी.से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।))

1. गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद, गुजरात
2. सलीपुर ऑटोनॉमस कॉलेज, कटक, ओडिशा
3. एकाम्र कॉलेज, भुवनेश्वर, ओडिशा
4. देहरादून इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, देहरादून, उत्तराखंड

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

डॉ. पी.एम. कुलकर्णी, एक जनसांख्यिकी विशेषज्ञ हैं और नई दिल्ली स्थित जे.एन.यू. विश्वविद्यालय जनसंख्या अध्ययन के सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। उन्होंने कोलरॉडो स्टेट यूनिवर्सिटी से सांख्यिकी में पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त की और ब्राउन यूनिवर्सिटी में पोस्टडॉक्टोरल फेलो के रूप में कार्य किया। उन्होंने भारत की जनगणना, विभिन्न विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, राजकीय विभागों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की सलाहकार समितियों में भी कार्य किया है।*

स्रोत— https://www.asianpa.org/104-biosketches/258-purushottam-m-kulkarni.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

पारिस्थितिकी विज्ञानी

पारिस्थितिकी विज्ञानी, पौधों, जानवरों और उनके पर्यावरण के बीच संबंधों का अध्ययन करते हैं। उनका कार्य पर्यावरण की आवश्यकताओं को संतुलित करने से लेकर भूमि प्रबंधन के लिए विचार प्रस्तुत करने तक हो सकता है। एक पारिस्थितिकी विज्ञानी के रूप में, आप सामान्यतः किसी विशेष प्रकार के वातावरण में विशेषज्ञता रखते हैं, जैसे कि समुद्री या तटीय क्षेत्र या किसी विशिष्ट जानवर या पौधे की प्रजाति में।

व्यक्तिगत गुण

- आप विज्ञान का आनंद लेते हों।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आपको समस्याओं का विश्लेषण और समाधान करना पसंद हो।
- आपको एक समूह में काम करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम का शुल्क ₹ **50,000–2,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. जीवन विज्ञान/जीव विज्ञान या किसी अन्य संबंधित विषय में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

पारिस्थितिकी या संबंधित क्षेत्र में स्नातक करने के बाद स्नातकोत्तर (एम.एससी.) डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

पारिस्थितिकी विज्ञानी की आय ₹ **16,500–20,800*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://shorturl.at/lvoGX

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य के स्थान— अनुसंधान संगठन, वन विभाग, कृषि अनुसंधान विभाग और केंद्र और अन्य।

कार्य वातावरण— यह डेस्क जॉब नहीं है। आपको कनिष्ठ पारिस्थितिकीविदों की एक टीम को प्रबंधित करना पड़ सकता है। स्थानीय यात्रा नौकरी की भूमिका का एक भाग है। अंशकालिक कार्य और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हो सकती हैं। संगठन और संस्थान सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 9 से 10 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → कनिष्ठ पारिस्थितिकी विज्ञानी → पारिस्थितिकी विज्ञानी → वरिष्ठ पारिस्थितिकी विज्ञानी → विभाग प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम कृषि विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम
2. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
3. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
4. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5. अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदम्बरम, तमिलनाडु
6. कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल
7. भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, चेन्नई, तमिलनाडु
2. वीरमाता जीजाबाई प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
3. सिंघानिया विश्वविद्यालय, झुंझुनू, राजस्थान
4. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
5. सेंट जेवियर्स कॉलेज, अहमदाबाद, गुजरात
6. इंजीनियरिंग कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
7. श्री रामास्वामी मेमोरियल विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु
8. मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मणिपाल, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html पर

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

कार्तिक शंकर एक पारिस्थितिकी विज्ञानी हैं और भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के प्रोफेसर हैं। वह "सूप टू सुपरस्टार— द स्टोरी ऑफ सी टर्टल कंजर्वेशन विद द इंडियन कोस्ट" पुस्तक के लेखक हैं। उन्होंने मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज और मद्रास विश्वविद्यालय से क्रमशः प्राणीशास्त्र में स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई की है और आई.आई.एस.सी. से छोटे स्तनधारियों पर पीएच.डी. की है।

स्रोत— https://nanopdf.com/download/on-sea-turtles-centre-for-ecological-sciences_pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

अर्थशास्त्री

अर्थशास्त्री, यह समझने के लिए लोगों और उनकी पसंद का अध्ययन करते हैं कि वे कुछ निर्णय क्यों लेते हैं। उन्हें यह पूरी तरह से समझ है कि अर्थव्यवस्था कैसे काम करती है। एक अर्थशास्त्री की भूमिका में व्यवसायों, कंपनियों, ब्रांडों या यहाँ तक कि सरकार को आर्थिक और वित्तीय सलाह देना सम्मिलित है। वे कंपनी के व्यावसायिक दृष्टिकोण का मूल्यांकन करने और आर्थिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए रणनीति सुझाव देने के लिए भी उत्तरदायी होते हैं। वे देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए वित्तीय निर्णय लेने में सरकारों और संगठनों का मार्गदर्शन करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप संख्याओं और डेटा को संभालने में सहज हों।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आपका विवरण पर ध्यान हो।
- आपको गणित, अर्थशास्त्र और लेखांकन पर अच्छी पकड़ हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–1,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग (अधिमानतः वाणिज्य) में गणित विषय के साथ 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. अर्थशास्त्र में कला में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर डिग्री और फिर उसी या संबंधित विषय में पीएच.डी. करें।

अथवा

अर्थशास्त्र में प्रबंधन अध्ययन (बी.एम.एस.)/व्यवसाय प्रशासन (बी.बी.ए.) में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें और उसके बाद व्यवसाय अर्थशास्त्र में व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

अर्थशास्त्री की आय प्रतिमाह ₹ **83,600–1,25,000*** या अधिक के बीच हो सकती है।

स्रोत–https://shorturl.at/pgDVh

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य के स्थान— राजकीय और निजी बैंक, वित्त कंपनियाँ, वैश्विक फर्म, राजकीय और निजी कॉलेज/विश्वविद्यालय, गैर-राजकीय संगठन, राजकीय और निजी कंपनियाँ।

कार्य वातावरण— आप सामान्यतः किसी कार्यालय में स्वतंत्र रूप से काम करेंगे। आपके अन्य अर्थशास्त्रियों और सांख्यिकीविदों के साथ सहयोग करने की संभावना है, कभी-कभी टीमों के साथ काम करते हुए। नौकरी के सिलसिले में आपको यात्रा करनी पड़ सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक अर्थशास्त्री → अर्थशास्त्री → मुख्य अर्थशास्त्री

अथवा

सहायक अर्थशास्त्री → अर्थशास्त्री → शिक्षक/प्रोफेसर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम अर्थशास्त्र विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, नई दिल्ली
3. हिंदू कॉलेज, नई दिल्ली
4. लेडी ब्रेबॉर्न कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. न्यू कॉलेज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, चेन्नई, तमिलनाडु
6. जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
7. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
8. दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
2. लोयोला कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
3. सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. सेंट एंड्रयूज कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई, महाराष्ट्र
5. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु
6. रानी बिड़ला गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
7. सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. ज्योति निवास कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

गीता गोपीनाथ, दुनिया भर में महिला अर्थशास्त्रियों में एक प्रमुख नाम हैं। वह जनवरी 2022 से अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत होने वाली पहली अर्थशास्त्री हैं। इससे पहले, उन्होंने वर्ष 2019 से 2022 के बीच आई.एम.एफ. के मुख्य अर्थशास्त्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने लेडी श्री राम कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की और दिल्ली विश्वविद्यालय तथा दिल्ली स्कूल ऑफ अर्थशास्त्र से स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की।*

स्रोत— https://www.shethepeople.tv/shestars/five-indian-women-economists

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

अभियांत्रिकी भौतिक विज्ञानी

अभियांत्रिकी भौतिक विज्ञानी, सैद्धांतिक विज्ञान और व्यावहारिक अभियांत्रिकी के बीच अंतर को पाटने के प्रयास में अभियांत्रिकी, भौतिकी एवं गणित को संयोजित करने के लिए काम करते हैं। वे समस्याओं को हल करने और नई प्रक्रियाओं, उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए वैज्ञानिक एवं अभियांत्रिकी सिद्धांतों का उपयोग करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप रचनात्मक हों।
- आपको समस्याएँ सुलझाना पसंद हों।
- आपको यह पता लगाने में आनंद आता हो कि वस्तुएँ कैसे काम करती हैं।
- आपको गणित और विज्ञान पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- छात्रवृत्ति के विवरण के लिए www.buddy4study.com पर जाएँ। यह कक्षा 11 से आरंभ होने वाली छात्रवृत्तियों को प्राप्त करने का एक माध्यम है।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 2,50,000–5,00,000* के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. गणित/रसायन विज्ञान/भौतिकी में स्नातक (बी.टेक./बी.ई./बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

गणित/रसायन विज्ञान/भौतिकी में स्नातक (बी.टेक./बी.ई./बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद उसी क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई. मेन, जे.ई.ई. एडवांस्ड आदि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. आदि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. आदि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

अभियांत्रिकी भौतिक विज्ञानी की आय
₹ 16,333–2,50,000* प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://in.talent.com/salary?job=physics&utm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य के स्थान— अनुसंधान एवं विकास, विनिर्माण, दूरसंचार, परमाणु ऊर्जा और एयरोस्पेस, ऑटोमोटिव, रक्षा, ऊर्जा, आई.टी., कंप्यूटिंग, विश्वविद्यालय और अन्य अनुसंधान और विकास सुविधाएँ जैसे उच्च तकनीकी उद्योग काम करने के लिए कुछ लोकप्रिय क्षेत्र हैं।

कार्य वातावरण— एक अभियांत्रिकी भौतिक विज्ञानी के रूप में, आप अधिकतर कार्यालयों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और विश्वविद्यालयों में काम करेंगे। आप पूरे समय काम करेंगे और कभी-कभी प्रति सप्ताह 40 घंटे से अधिक भी काम कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

औद्योगिक अभियंता → विनिर्माण अभियंता → उत्पादन पर्यवेक्षक → संयंत्र प्रबंधक → विनिर्माण प्रमुख



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम अभियांत्रिकी/भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, नई दिल्ली
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, गुवाहाटी, असम
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु
6. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कालीकट, कोझिकोड, केरल
7. भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल
8. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बी.एच.यू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी .और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, पंजाब
2. श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, कांचीपुरम, तमिलनाडु
3. विद्यावर्धक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मैसूर, कर्नाटक
4. बेनेट यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
5. आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

वेंकटरमन राधाकृष्णन एक अंतरिक्ष वैज्ञानिक थे और रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के सदस्य रहे। वे भारत के बेंगलुरु में स्थित रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट के एमेरिटस प्रोफेसर थे, जहाँ उन्होंने वर्ष 1972 से वर्ष 1994 तक निदेशक का कार्य किया। उन्होंने प्रतिष्ठित भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के भौतिकी विभाग में सम्मिलित होने से पहले मैसूर विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की।*

स्रोत— https://theprint.in/theprint-profile/n-radhakrishnan-scientist-sailor-who-broke-through-the-shadow-of-nobel-kin/236538/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

अंग्रेजी साहित्य विद्वान

अंग्रेजी साहित्य विद्वान, दुनिया भर में अंग्रेजी भाषा या अंग्रेजी में अनुवादित भाषाओं में लिखे गए ग्रंथों के अध्ययन में सम्मिलित होता है।



व्यक्तिगत गुण

- आपको अंग्रेजी पढ़ना पसंद हो।
- आप पढ़ना पसंद करते हों।
- आपका दिमाग रचनात्मक हो।
- कलात्मक व्यवसायों में आपकी रुचि हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 15,000–3,00,000* के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी विषय-वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. अंग्रेजी साहित्य/तुलनात्मक साहित्य में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

अंग्रेजी साहित्य/तुलनात्मक साहित्य में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर करें और फिर अंग्रेजी साहित्य/तुलनात्मक साहित्य में पीएच.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

अंग्रेजी साहित्य विद्वान की आय **₹ 48,000–52,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/english-literature-salary-SRCH_KO0,18.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— मीडिया हाउस, विज्ञापन एजेंसियाँ, पी.आर. कंसल्टेंसी, कंटेंट क्रिएशन एजेंसियाँ।

कार्य वातावरण— कार्य समय सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन 8 से 9 घंटे प्रतिदिन होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

अंग्रेजी साहित्य छात्र → अंग्रेजी साहित्य विद्वान

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम अंग्रेजी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. प्रेसीडेंसी कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
2. सेंट जेवियर्स कॉलेज, अहमदाबाद, गुजरात
3. हिंदू कॉलेज, नई दिल्ली
4. सेंट स्टीफंस कॉलेज, नई दिल्ली
5. हंसराज कॉलेज, नई दिल्ली
6. स्कॉटिश चर्च कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
7. जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और एन.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. लोयोला कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
2. फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
3. सिम्बायोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, पुणे, महाराष्ट्र
4. माउंट कार्मेल कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. लेडी श्री राम कॉलेज फॉर विमेन, नई दिल्ली
7. श्री कृष्णा आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
8. हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मधुमिता बिस्वास, झारग्राम राज कॉलेज (गर्ल्स विंग) के अंग्रेजी विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं। वह अंग्रेजी साहित्य में स्नातक हैं और कहती हैं, "मुझे हमेशा अंग्रेजी साहित्य पढ़ने में आनंद आता रहा है, क्योंकि इससे मुझे दुनिया को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिला। मेरा मानना है कि साहित्य हमें किसी भी चीज से अधिक सहानुभूति सिखाता है। न केवल हम दुनिया और इसके मामलों के बारे में बेहतर तरीके से जानने में सक्षम होते हैं, बल्कि हम खुद को उनके साथ जोड़कर भी देखते हैं। साहित्य की पृष्ठभूमि वाले छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं और साक्षात्कारों में सफलता पाना बहुत सरल लगता है।"*

स्रोत— व्यक्तिगत साक्षात्कार

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

पुरालेखवेत्ता

पुरालेखशास्त्र, अध्ययन की वह शाखा है, जिसमें कठोर सामग्री, जैसे– पत्थर या धातु पर उकेरे गए शिलालेखों या अभिलेखों का विश्लेषण किया जाता है। यह अतीत के बारे में जानकारी प्रदान करता है। भारत में मंदिर की दीवारों पर शिलालेख प्रचलित हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप स्वतंत्र रूप से काम करने में अच्छे हों।
- आपको चीजों को एक साथ रखना या जोड़ना पसंद हो।
- आपको अन्य संस्कृतियों के बारे में जानने में आनंद आता हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **2,000–1,50,000*** के बीच हो सकता है

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. इतिहास/कला इतिहास/पुरातत्व/पुरातत्वशास्त्र या किसी संबंधित विषय में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

इतिहास/कला इतिहास/पुरातत्व/पुरातत्वशास्त्र या किसी संबंधित विषय में डिप्लोमा करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.ए./पी.जी. डिप्लोमा) और पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

पुरालेखवेत्ता की आय ₹ **25,000–30,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है

स्रोत— https://bit.ly/3EB4WFN

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— निजी और राजकीय कॉलेज और विश्वविद्यालय, संग्रहालय, सांस्कृतिक संगठन या समाज, अनुसंधान संगठन आदि।

कार्य वातावरण— यह डेस्क जॉब नहीं है। स्थानीय यात्रा इस नौकरी की भूमिका का एक भाग है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हो सकती हैं। संगठन सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है। आपको अतिरिक्त समय की आवश्यकता पड़ सकती हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कनिष्ठ शोधकर्ता → पुरालेख विशेषज्ञ → वरिष्ठ पुरालेख विशेषज्ञ

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इतिहास/पुरातत्व विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
2. श्यामा प्रसाद मुखर्जी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
3. डी.ए.वी. डिग्री कॉलेज, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
4. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश
5. मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु
6. कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
7. लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
8. मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. बी.के. कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, ठाणे, महाराष्ट्र
2. पुरातत्व संस्थान, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली
3. दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
4. डेक्कन कॉलेज पोस्टग्रेजुएट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे, महाराष्ट्र
5. जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान
6. जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट, उत्तर प्रदेश
7. एस.बी.ई.टी. इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, मोहाली, पंजाब
8. उमा आर्ट्स एंड नाथीबा कॉमर्स महिला कॉलेज, गांधीनगर, गुजरात

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

डॉ. के.वी. रमेश एक प्रसिद्ध पुरालेखशास्त्री और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) के पूर्व संयुक्त महानिदेशक थे। उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय से संस्कृत भाषा और साहित्य में मास्टर डिग्री और कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। पुरालेखशास्त्र के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2011 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा "उत्कृष्टता का सम्मान" से सम्मानित किया गया। उनका निधन वर्ष 2013 में हुआ।

स्रोत— https://www.inmysore.com/eminent-epigraphist-dr-k-v-ramesh-passes-away

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

फोरेंसिक वैज्ञानिक

फोरेंसिक वैज्ञानिक, अपराध स्थलों से प्रमाणों की जाँच और विश्लेषण करते हैं। उनके निष्पक्ष निष्कर्ष अपराधियों की पहचान एवं न्यायिक कार्रवाई में सहायता करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान में रुचि हो।
- आपको समस्याओं और स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आपके पास मजबूत मौखिक और लिखित संचार कौशल हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च फेलोशिप https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ **15,000–2,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. फोरेंसिक विज्ञान में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद उसी या संबद्ध क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री करें।

अथवा

एम.बी.बी.एस. पूरा करें और उसके बाद फोरेंसिक मेडिसिन में एम.डी. करें।

आपको अपने पसंदीदा कोर्स में प्रवेश पाने के लिए अखिल भारतीय फोरेंसिक विज्ञान प्रवेश परीक्षा या नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाएँ पास करनी पड़ सकती हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि जाँच लें।

अपेक्षित आय

फोरेंसिक वैज्ञानिक की आय ₹ **21,000–50,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/forensic-scientist-salary-SRCH_KO0,18.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— विश्वविद्यालय, संग्रहालय, शोध संस्थान, केंद्रीय या राज्य प्रयोगशालाएँ।

कार्य वातावरण— आप इनडोर और आउटडोर दोनों जगह काम करेंगे। आपको घटना स्थलों पर जाना पड़ सकता है। हालाँकि आप किसी टीम का नेतृत्व करने के स्थान पर एक टीम में काम करेंगे। आपको सप्ताह में 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 10 घंटे काम करना पड़ सकता है। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

फोरेंसिक वैज्ञानिक → वरिष्ठ वैज्ञानिक → प्रधान वैज्ञानिक

अथवा

सहायक वैज्ञानिक → वरिष्ठ वैज्ञानिक → प्रयोगशाला प्रबंधक

अथवा

प्रशिक्षु → फोरेंसिक विज्ञान तकनीशियन → फोरेंसिक विज्ञान प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम फॉरेंसिक साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल
3. मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
4. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
5. सैम हिगिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी और विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
6. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र
7. गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
8. मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोलकाता

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. क्रिस्तु जयंती कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी, कर्नाटक
3. जे.एस.एस. उच्च शिक्षा और अनुसंधान अकादमी, मैसूर, कर्नाटक
4. पारुल विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
5. एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश
6. कलासलिंगम अनुसंधान अकादमी और शिक्षा, कृष्णनकोइल, तमिलनाडु
7. करुण्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
8. रवींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी, भोपाल, मध्य प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

गौरव गुप्ता, डिजिटल फोरेंसिक में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाले पहले भारतीय हैं। उन्हें 2010 में ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा भारतीय विज्ञान कांग्रेस के युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में अतिरिक्त निदेशक के रूप में सेवा करने के अतिरिक्त, गुप्ता एक प्रकाशित लेखक भी हैं। उन्होंने जादवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल से कंप्यूटर धोखाधड़ी और साइबर अपराधों का पता लगाने और उनकी रोकथाम करने के लिए डिजिटल फोरेंसिक में पीएच. डी. की है। वर्तमान में, वे समाज में तकनीकी धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता पैदा करने के मिशन पर हैं।*

स्रोत— https://analyticsindiamag.com/talking-cyber-awareness-with-dr-gaurav-gupta-of-meity-first-indian-to-earn-doctorate-in-digital-forensics/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

आनुवंशिक अभियंता

आनुवंशिक अभियंता, जीवित प्राणियों के जीन में परिवर्तन करते हैं। जीन छोटी इकाइयाँ होती हैं, जो किसी जीव के बारे में जानकारी लेकर चलती हैं। ये डी.एन.ए. नामक पदार्थ से बनी होती हैं, जो हर जीवित प्राणी की कोशिकाओं में पाया जाता है। जीन में परिवर्तन की इस प्रक्रिया को ही आनुवंशिक अभियांत्रिकी कहा जाता है।



व्यक्तिगत गुण

- आप विज्ञान का आनंद लेते हों।
- आप समस्याओं तथा स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।
- आप प्रयोग करना पसंद करते हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 2,00,000–10,00,000* के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित/जीव विज्ञान) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. जेनेटिक्स/जीवन विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी/जैविक विज्ञान/आनुवंशिक इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

विज्ञान वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें, एम.बी.बी.एस. करें और फिर मेडिकल जेनेटिक्स, क्लीनिकल जीनोमिक्स, बायो-फिजिक्स आदि में एम.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

आनुवंशिक अभियंता की आय **₹ 7,000–3,33,333*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत—https://www.payscale.com/research/IN/Job=Genetic_Engineer/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कृषि और चिकित्सा उद्योग, सार्वजनिक, अर्ध-सार्वजनिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास विभाग, फार्मास्युटिकल और जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र एवं पशु देखभाल केंद्र आदि।

कार्य वातावरण— आप अपना अधिकांश समय प्रयोगशालाओं में बिताएँगे, अनुसंधान प्रयोगों को डिजाइन और संचालित करेंगे और आनुवंशिक इंजीनियरिंग प्रक्रियाएँ करेंगे। आप सामान्य नौ से पाँच बजे तक काम कर सकते हैं, हालाँकि आपको अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा करने या रिपोर्ट लिखने के लिए देर रात और सप्ताहांत पर काम करना पड़ सकता है।

अपेक्षित विकास पथ

अनुसंधान सहायक → वरिष्ठ शोधकर्ता → प्रबंधक/ प्रोफेसर

अथवा

सहयोगी वैज्ञानिक वैज्ञानिक → कनिष्ठ वैज्ञानिक → वरिष्ठ वैज्ञानिक → प्रधान वैज्ञानिक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

सरकारी संस्थान

1. भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, बिहार
3. मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, असम
7. ए.डब्ल्यू.एच. स्पेशल कॉलेज, कालीकट, कोझीकोड, केरल
8. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. एवं ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, कट्टनकुलथुर, तमिलनाडु
2. भारत उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
3. शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
4. लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जालंधर, पंजाब
5. शूलिनी विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश
6. एशियाई अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, मणिपुर, कर्नाटक
7. मेरिट इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु
8. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्निकल स्टडीज, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

जानकी अम्माल (1897–1984) को पौधों की साइटोलॉजी में उनके वैज्ञानिक शोध के लिए जाना जाता है, जो पौधों की आनुवंशिक संरचना और जीन अभिव्यक्ति के पैटर्न का अध्ययन है। तेलीचेरी में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद, वह मद्रास चली गई, जहाँ उन्होंने क्वीन मैरी कॉलेज से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और वर्ष 1921 में प्रेसीडेंसी कॉलेज से वनस्पति विज्ञान में ऑनर्स की डिग्री प्राप्त की। उन्हें वर्ष 1977 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया और वे भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण की महानिदेशक बनीं।*

स्रोत— https://atomstalk.com/stories/janaki-ammal-indias-first-woman-phd-in-botany/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भूगोलवेत्ता

भूगोलवेत्ता, पृथ्वी, उसकी भूमि, विशेषताओं, निवासियों और उनके आस-पास के वातावरण के साथ उनके संबंधों का अध्ययन करते हैं। प्राकृतिक घटनाओं के व्यापक ज्ञान के साथ, वे पैटर्न की पहचान करते हैं और इस बारे में पूर्वानुमान लगाते हैं कि विभिन्न प्राकृतिक घटनाएँ और मानव व्यवहार पारिस्थितिकी तंत्र को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, जिसमें पृथ्वी का वातावरण, जल निकाय एवं जानवरों व पौधों के आवास सम्मिलित होते हैं। भूगोलवेत्ताओं के दो मुख्य प्रकार होते हैं— मानव भूगोलवेत्ता और भौतिक भूगोलवेत्ता। अपने काम में, भूगोलवेत्ता कई तकनीकों जैसे कि जी.आई.एस., रिमोट सेंसिंग और ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जी.पी.एस.) का उपयोग करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको भूगोल में रुचि हो।
- आपको डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करना पसंद हो।
- आपको कंप्यूटर और अन्य तकनीक के साथ काम करने में सहजता महसूस होती हो।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **3,000–1,50,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें, जिसमें अनिवार्यतः भूगोल एक विषय हो।
2. भूगोल/पृथ्वी विज्ञान में स्नातक (बी.ए./बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

उसके बाद कार्टोग्राफी/शहरी और नगर नियोजन/क्षेत्रीय नियोजन/भौतिकी/जलवायु विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री करें।

अथवा

भूगोल/पृथ्वी विज्ञान में स्नातक (बी.ए./बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद कार्टोग्राफी/शहरी और नगर नियोजन/क्षेत्रीय नियोजन/भौतिकी/जलवायु विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री करें और संबंधित विषय में पीएच.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भूगोलवेत्ता की आय ₹ **10,000–60,000*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in /Salaries/geographer-salary-SRCH_KO0,htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— राज्य/स्थानीय सरकार, वास्तुकला और इंजीनियरिंग फर्म, स्कूल, कॉलेज, शोध संस्थान।

कार्य वातावरण— आपको फील्डवर्क करने के लिए यात्रा करनी पड़ सकती है। आप डेटा एकत्र करने और भौगोलिक विशेषताओं, जैसे परिदृश्य और पर्यावरण का निरीक्षण करने के लिए विदेशी देशों या दूरदराज के स्थानों की यात्रा कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सर्वेक्षण और मानचित्रण तकनीशियन → व्यावसायिक भूमि सर्वेक्षक → जी.आई.एस. पर्यवेक्षक → सर्वेक्षण प्रबंधक → उपाध्यक्ष

अथवा

कार्टोग्राफिक तकनीशियन → जी.आई.एस. विशेषज्ञ → जी.आई.एस. पर्यवेक्षक → सर्वेक्षण प्रबंधक → उपाध्यक्ष

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम भूगोल विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. मिरांडा हाउस कॉलेज, नई दिल्ली
2. दयानंद एंग्लो वैदिक महाविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश
3. प्रेसीडेंसी कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. मोहम्मडन एंग्लो ओरिएंटल कॉलेज, नई दिल्ली
5. गोखले मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बिहार नेशनल कॉलेज, पटना, बिहार
7. लेडी ब्रेबॉर्न कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. निजाम कॉलेज, हैदराबाद, तेलंगाना

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सिम्बायोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, पुणे, महाराष्ट्र
2. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जयपुर, राजस्थान
3. श्री हरिवल्लभदास कालिदास कॉलेज, अहमदाबाद, गुजरात
4. नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
5. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम यूनिवर्सिटी, इंदौर, मध्य प्रदेश
6. फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
7. सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची, झारखंड
8. मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अनु कपूर, दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में भूगोल की प्रोफेसर हैं। वह शिमला, भारत में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान में फेलो हैं और नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली में वरिष्ठ फेलो के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें वर्ष 2012 में प्रतिष्ठित सामाजिक वैज्ञानिकों के लिए भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा अमर्त्य सेन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उनकी रुचि के मुख्य क्षेत्र भारत में भूगोल और भारत का भूगोल हैं। उन्होंने अपने स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों में भूगोल का अध्ययन किया और फिर इसी क्षेत्र में अपनी पीएच.डी. पूरी की।*

स्रोत–https://sites.google.com/geography.du.ac.in/web/people/faculty-members/prof-anu-kapur

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भूविज्ञानी

भूविज्ञानी, भूविज्ञान के विशेषज्ञ होते हैं, जो पृथ्वी के अध्ययन में माहिर होते हैं। उनका काम उस ग्रह के इतिहास को समझना है, जिस पर हम रहते हैं, ताकि वर्तमान घटनाओं को स्पष्ट रूप से समझते हुए भविष्य की बेहतर भविष्यवाणी की जा सके। इसके अलावा, भूविज्ञानी भूमि का सर्वेक्षण करने और सुरक्षित भवन निर्माण की योजनाएँ तैयार करने में भी सहायता करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान पसंद हो।
- आप तकनीक का प्रयोग करने में सहज हों।
- आपको समस्याओं या स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आपको बाहर काम करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–2,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट

पात्रता— विज्ञान पृष्ठभूमि के साथ कक्षा 12; अवधि— 6 महीने से 1 वर्ष; उदाहरण— भूविज्ञान में सर्टिफिकेट।

डिप्लोमा

पात्रता— विज्ञान के साथ कक्षा 12; अवधि— 1 से 2 वर्ष; उदाहरण— भूविज्ञान में डिप्लोमा।

स्नातक

पात्रता— विज्ञान के साथ कक्षा 12; अवधि— बी.एससी. कार्यक्रमों के लिए 3 वर्ष; बी.टेक. कार्यक्रमों के लिए 4 वर्ष। उदाहरण— भूविज्ञान में बी.एससी.,भूविज्ञान में बी.एससी. (ऑनर्स)

स्नातकोत्तर

पात्रता— भूविज्ञान, पृथ्वी विज्ञान या संबंधित क्षेत्र में कम से कम 55% अंकों के साथ स्नातक की डिग्री। अवधि— 2 वर्ष। उदाहरण— भूविज्ञान में एम.एससी.

डॉक्टरेट

पात्रता— भूविज्ञान में मास्टर डिग्री। अवधि— 3 से 5 वर्ष। उदाहरण— भूविज्ञान में पीएच.डी., पीएच.डी. पृथ्वी विज्ञान में अल्पकालिक पाठ्यक्रम— भूसूचना विज्ञान।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भूविज्ञानी की आय ₹ **16,000–41,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://shorturl.at/RT1de

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— पर्यावरण संगठन, प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, पर्यावरण संरक्षण एजेंसियाँ, क्षेत्रीय और नगर नियोजन एजेंसियाँ, अन्य।

कार्य वातावरण— यह डेस्क जॉब नहीं है। आप किसी टीम को नहीं संभालेंगे। स्थानीय यात्रा इस नौकरी की भूमिका का एक भाग है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हो सकती हैं। संगठन सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन भिन्न हो सकता है पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → भूविज्ञानी → वरिष्ठ भूविज्ञानी → विभाग के उप निदेशक → विभाग के निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम भूविज्ञान या भूवैज्ञानिक विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, करूर, तमिलनाडु
2. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
3. अलगप्पा गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, कराईकुडी, तमिलनाडु
4. सेंटर फॉर डिस्टेंस लर्निंग एंड कंटीन्यूइंग एजुकेशन, चित्रकूट, मध्य प्रदेश
5. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
6. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, सलेम, तमिलनाडु
7. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल
8. श्री प्रताप कॉलेज, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. श्री गुरु राम राय पी.जी. कॉलेज, देहरादून, उत्तराखंड
2. ए. दोराइसनी नादर मरागाथावल्लियामल कॉलेज फॉर वुमेन, नागपट्टिनम, तमिलनाडु
3. ए.वी.एस. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, सलेम, तमिलनाडु
4. दयानंद बृजेंद्र स्वरूप पी.जी. कॉलेज, देहरादून, उत्तराखंड
5. देवगिरी कॉलेज औरंगाबाद, महाराष्ट्र
6. डॉ. पलपु कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, पुथुसेरी, केरल
7. फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
8. गोस्नर कॉलेज, रांची, झारखंड

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सुदीप्ता सेनगुप्ता, अंटार्कटिका में काम करने वाली भारत की पहली महिला भूवैज्ञानिक हैं। वे पृथ्वी विज्ञान में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित होने वाली एकमात्र महिला भी हैं। उन्होंने जादवपुर विश्वविद्यालय से बी.एससी., एम.एससी. और पीएच.डी. की। वर्ष 1970 से वर्ष 1973 तक उन्होंने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक के रूप में कार्य किया। इसके बाद, उन्होंने लंदन के इंपीरियल कॉलेज में तीन वर्षों तक पोस्ट-डॉक्टोरल शोध कार्य किया। उन्होंने अपनी यात्राओं का वर्णन करते हुए कई बेस्ट-सेलिंग किताबें भी लिखी हैं।*

स्रोत— https://thelifeofscience.com/2020/11/17/sudipta-geologist/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

इतिहासकार

इतिहासकार, अतीत की घटनाओं का अध्ययन करने के लिए लिखित अभिलेखों, भौतिक कलाकृतियों, तस्वीरों, साक्षात्कारों, फिल्मों, पत्रों और अन्य प्राथमिक स्रोतों का उपयोग करते हैं। वे इन स्रोतों से जानकारी एकत्र कर यह समझने की कोशिश करते हैं कि किसी विशेष समय पर क्या हो रहा था और क्यों हो रहा था। इसके साथ ही वे समय के साथ चीजों में आए बदलावों का विश्लेषण भी करते हैं। इतिहास को मुख्यतः तीन प्रमुख क्षेत्रों में बाँटा जा सकता है— पुरातत्व, संग्रहालय विज्ञान और अभिलेखीय अध्ययन।

व्यक्तिगत गुण

- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप अतीत को जानने और समझने में रुचि रखते हों।
- आप लेखन कौशल में निपुण हों।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **3,000–1,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

सर्टिफिकेट

पात्रता— किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12; अवधि— 6 महीने से 1 वर्ष; उदाहरण— प्राचीन भारतीय इतिहास में उन्नत प्रमाणपत्र, ऐतिहासिक अध्ययन में प्रमाणपत्र।

डिप्लोमा

पात्रता— न्यूनतम 50% कुल अंकों के साथ कक्षा 12; अवधि— 1 से 2 वर्ष। उदाहरण— पुरातत्व में डिप्लोमा, संग्रहालय विज्ञान में डिप्लोमा।

स्नातक

पात्रता— न्यूनतम 50% कुल अंकों के साथ कक्षा 12; अवधि— 3 वर्ष। उदाहरण— इतिहास में बी.ए., प्राचीन इतिहास में बी.ए.

स्नातकोत्तर

पात्रता— कम से कम 50% अंकों के साथ इतिहास या संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री। अवधि— 2 वर्ष। उदाहरण— इतिहास में एम.ए., प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व में एम.ए.

डॉक्टरेट

पात्रता— न्यूनतम 55% अंकों के साथ इतिहास या संबंधित विषय में मास्टर डिग्री। अवधि— 3 से 5 वर्ष। उदाहरण— इतिहास में पीएच.डी., पुरातत्व में पीएच.डी.

अल्पकालिक पाठ्यक्रम— अभिलेखीय अध्ययन में प्रमाणपत्र।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

इतिहासकार की आय ₹ **30,000–40,000*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— https://shorturl.at/iNJVn

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— शोध फर्म, संग्रहालय, विश्वविद्यालय, सार्वजनिक क्षेत्र की फर्म या ऐतिहासिक सोसायटी, मीडिया, प्रकाशन उद्योग।

कार्य वातावरण— आप अपना अधिकांश समय कार्यालयों, कक्षाओं और पुस्तकालयों में बिताने की संभावना रखते हैं। काम का समय अनुकूल हैं। आपको दूर के शहरों या देशों की यात्रा करनी पड़ सकती है। आपसे शोध के लिए अभिलेखागार या ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करने की अपेक्षा की जाती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक प्राध्यापक → इतिहासकार → प्राध्यापक
अथवा
शोध प्रशिक्षु → इतिहासकार → वरिष्ठ इतिहासकार → विभागाध्यक्ष

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इतिहास विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सोफिया कॉलेज फॉर वुमेन, मुंबई, महाराष्ट्र
2. बिहार नेशनल कॉलेज, पटना, बिहार
3. लेडी श्री राम कॉलेज फॉर विमेन, नई दिल्ली
4. प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. उमिया आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज फॉर गर्ल्स, अहमदाबाद, गुजरात
6. गवर्नमेंट महाप्रभु वल्लभाचार्य पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, महासमुंद, छत्तीसगढ़
7. सिल्वर जुबली गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, कुरनूल, आंध्र प्रदेश
8. गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, बारामुल्ला, जम्मू और कश्मीर

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची, झारखंड
2. मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
3. फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
4. सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. बनस्थली विद्यापीठ, जयपुर, राजस्थान
7. आंध्र लोयोला कॉलेज, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
8. विल्सन कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

प्राची देशपांडे एक भारतीय इतिहासकार हैं और वर्तमान में कोलकाता के सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज में इतिहास की एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अपनी स्नातक शिक्षा फर्ग्यूसन कॉलेज से पूरी की और जे.एन.यू. से स्नातकोत्तर किया। इसके बाद उन्होंने अमेरिका से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। कुछ साल अमेरिका में काम करने के बाद, वे भारत लौटीं और कोलकाता के सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज में सम्मिलित हो गईं। प्राची देशपांडे ने विशेष रूप से पश्चिमी भारत के इतिहास पर किताबें लिखी हैं। उनके शोध और योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2020 में इंफोसिस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।*

स्रोत–https://www.infosysprize.org/laureates/2020/prachi-deshpande.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

गणितज्ञ

गणितज्ञ को संख्याओं और गणनाओं के अध्ययन में प्रशिक्षित किया जाता है। वह इस प्रशिक्षण का उपयोग व्यवसाय, अभियांत्रिकी, स्वास्थ्य सेवा या अन्य क्षेत्रों में वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए डेटा का विश्लेषण करने के लिए करता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप गणित में अच्छे हों।
- आपको संख्याओं या चार्ट के साथ काम करना पसंद हो।
- आप स्वतंत्र रूप से काम करने में अच्छे हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप— https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 5,000–2,00,000* के बीच हो सकता है

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. गणित में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.एससी.) डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

गणितज्ञ की आय **₹ 39,000–65,000*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत—https://shorturl.at/WvXCT

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— विश्वविद्यालय, कॉलेज, राजकीय और निजी अनुसंधान केंद्र आदि।

कार्य वातावरण— यह एक डेस्क जॉब है। आप एक टीम में काम करने की संभावना रखते हैं। संगठन सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय की आवश्यकता हो सकती है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हो सकती हैं

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → गणितज्ञ → वरिष्ठ गणितज्ञ → विभागाध्यक्ष

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम गणित विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, करूर, तमिलनाडु
2. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, ऊटी, तमिलनाडु
3. हिंदू कॉलेज, नई दिल्ली
4. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
5. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर, राजस्थान
8. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
9. भारत में कोई भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. लोयोला कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
2. मार इवानियोस कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल
3. सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु
5. के.जे. सोमैया कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई, महाराष्ट्र
6. डॉ. डी.वाई. पाटिल आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
7. प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. सेंट टेरेसा कॉलेज, एर्नाकुलम, केरल

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

कोलकाता में भारतीय सांख्यिकी संस्थान की गणितज्ञ प्राध्यापक **नीना गुप्ता** को वर्ष 2022 में युवा गणितज्ञों के लिए रामानुजन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने वर्ष 2006 में बेथ्यून कॉलेज से स्नातक किया, वर्ष 2008 में भारतीय सांख्यिकी संस्थान से गणित में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की और वर्ष 2011 में पीएच.डी. की। उन्हें वर्ष 2022 में नारी शक्ति पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।*

स्रोत— dst.gov.in/professor-neena-gupta-receives-ramanujan-prize- young-mathematicians

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मौसम विज्ञानी

मौसम विज्ञानी, पृथ्वी विज्ञान की एक शाखा है, जो वायुमंडल का अध्ययन कर मौसम की स्थितियों का पूर्वानुमान लगाने से संबंधित है। मौसम विज्ञानी यह भी अध्ययन करते हैं कि वायुमंडलीय और मौसम की स्थितियाँ पृथ्वी और उसके निवासियों को कैसे प्रभावित करती हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान पसंद हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आपको समस्याओं या स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आपको संख्याओं के साथ काम करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित शुल्क ₹ **10,000–24,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. मौसम विज्ञान में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

मौसम विज्ञान में डिप्लोमा करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री प्राप्त करें और उसके बाद उसी या संबद्ध क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई. मेन, जे.ई.ई. एडवांस्ड आदि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. आदि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. आदि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मौसम विज्ञानी की अनुमानित आय ₹ **75,793–1,34,011*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत—https://www.erieri.com/salary/job/meteorologist/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— राजकीय मौसम विज्ञान विभाग, वायु सेना, अंतरिक्ष केंद्र, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन एजेंसी, कॉलेज/विश्वविद्यालय, अन्य निजी और सार्वजनिक संगठन।

कार्य वातावरण— यह एक पूर्णकालिक नौकरी है। आप एक कार्यालय सेटिंग में काम करेंगे। आपको प्रतिदिन 8 से 9 घंटे, सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना होगा। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कनिष्ठ शोधकर्ता → मौसम विज्ञानी → विभागाध्यक्ष
अथवा
कनिष्ठ शोधकर्ता → मौसम विज्ञानी → शिक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
2. वायुमंडलीय और महासागरीय विज्ञान केंद्र, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
4. कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि, केरल
5. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
6. शिवाजी विश्वविद्यालय, विद्यानगर, कोल्हापुर, महाराष्ट्र
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
8. भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान, मणिपाल, कर्नाटक
2. पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड
3. एन.आई.आई.टी. विश्वविद्यालय, नीमराना, राजस्थान
4. जैन विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. केएल विश्वविद्यालय, वड्डेश्वरम, आंध्र प्रदेश
6. अमृता विश्व विद्यापीठम, कोयंबटूर, तमिलनाडु
7. राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
8. आई.सी.एफ.ए.आई. फाउंडेशन फॉर हायर एजुकेशन, हैदराबाद, तेलंगाना



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अन्ना मणि (23 अगस्त 1918–16 अगस्त 2001) एक भारतीय भौतिक विज्ञानी और मौसम वैज्ञानिक थीं। वे भारतीय मौसम विभाग में उप-महानिदेशक के पद पर कार्यरत थीं। उन्होंने मौसम विज्ञान से संबंधित उपकरणों के विकास में अहम योगदान दिया और सौर विकिरण, ओजोन तथा पवन ऊर्जा मापन पर शोध कार्य किया। उनके कई शोधपत्र प्रकाशित हुए, जिनका वैज्ञानिक क्षेत्र में विशेष महत्व रहा।

स्रोत— http://nobelprizeseries.in/tbis/anna-mani

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

संग्रहालय विज्ञानी

संग्रहालय विज्ञान, संग्रहालय के संगठन और प्रबंधन का विज्ञान है। वे संग्रहालय में संग्रहों की देखभाल, प्रबंधन, आयोजन, प्रदर्शन और विकास करते हैं, साथ ही संबंधित अनुसंधान भी करते हैं। संग्रहालय क्यूरेटर सामान्यतः मानव विज्ञान, कला, सजावटी कला, प्राकृतिक इतिहास, सामाजिक इतिहास, विज्ञान या प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में विशेषज्ञ होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- इतिहास और संस्कृति में आपकी गहरी रुचि हो।
- आपमें खोज करने की जिज्ञासा है।
- आपको जानकारी एकत्र करना और उसका विश्लेषण करना पसंद हो।
- आपको कलाकृतियों में रुचि और खोज में जिज्ञासा हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **2,400–2,67,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. इतिहास विषय के साथ मानविकी वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. इतिहास/प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व या इसके समकक्ष में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें।
3. संग्रहालय विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

इसके बाद उसी या प्रासंगिक विषय में पीएच.डी. करें।

अथवा

प्राचीन या मध्यकालीन भारतीय इतिहास/पुरातत्व/मानव विज्ञान/भूविज्ञान में प्लीस्टोसीन युग के ज्ञान के साथ स्नातकोत्तर डिग्री करें और फिर संग्रहालय विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा कोर्स करें।

कृपया नामांकन के समय पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच कर लें

अपेक्षित आय

संग्रहालय विज्ञानी की आय ₹ **15,000–75,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

*स्रोत— https://www.merementor.com/*library/museology

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— राजकीय/निजी संग्रहालय।

कार्य वातावरण— आप सामान्यतः कार्यालय के माहौल में काम करेंगे, लेकिन कभी-कभी यात्रा भी कर सकते हैं।

**इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर* उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

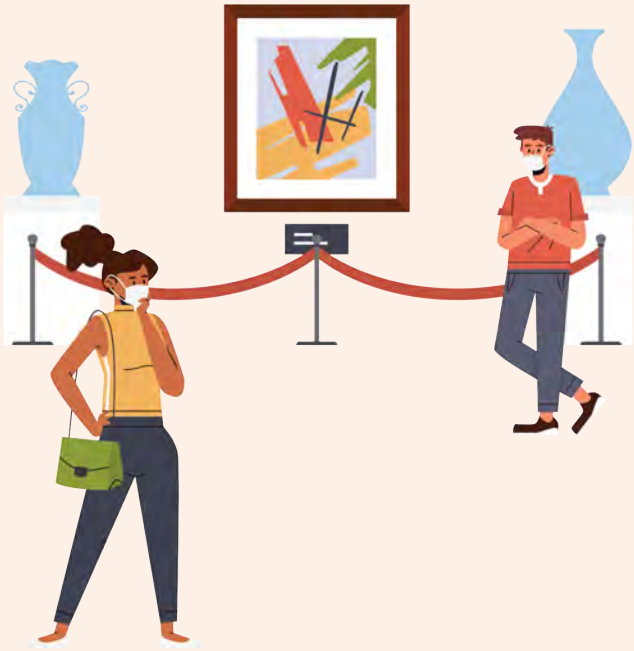
प्रशिक्षु → संग्रहालय विज्ञानी→ वरिष्ठ संग्रहालय विज्ञानी

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इतिहास/पुरातत्व/संग्रहालय विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. पुरातत्व संस्थान, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली
2. कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
4. राष्ट्रीय संग्रहालय कला संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
5. रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
7. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
8. संग्रहालय विज्ञान अध्ययन केंद्र, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

रत्ना फबरी, भारत की एक प्रतिष्ठित संग्रहालय विशेषज्ञ थीं, जिन्हें उनकी उपलब्धियों के लिए वर्ष 1970 में कला के क्षेत्र में पद्म श्री से सम्मानित किया गया। उन्होंने अमेरिका और यूरोप के संग्रहालयों का अध्ययन किया था और मॉन्ट्रियल प्रदर्शनी में भारतीय मंडप की व्यवस्थाएँ प्रदर्शित की थीं।*

स्रोत— https://peoplepill.com/people/ratna-fabri

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

नैनो वैज्ञानिक

नैनो वैज्ञानिक, क्रांतिकारी सामग्रियों के निर्माण के लिए परमाणुओं और अणुओं को सावधानीपूर्वक नियंत्रित करता है। उनका कार्य चिकित्सा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा क्षेत्रों में परमाणु स्तर के नवाचारों को बढ़ावा देना, प्रौद्योगिकी को बदलना और विज्ञान एवं इंजीनियरिंग की सीमाओं को आगे बढ़ाना है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान और गणित पसंद हों।
- आपको प्रयोग करना पसंद हो।
- आपको वस्तुएँ बनाना पसंद हो।
- आप कंप्यूटर पर कार्य करने में कुशल हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप— https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 5,000–5,00,000* के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. भौतिकी विज्ञान/गणित में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी/अनुप्रयुक्त गणित में स्नातक की डिग्री प्राप्त के बाद स्नातकोत्तर (एम.एससी.) डिग्री और पीएच.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

नैनो वैज्ञानिक की आय **₹ 25,000–2,09,000** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सार्वजनिक और निजी अनुसंधान और वेधशालाएँ।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कनिष्ठ शोधकर्ता → अंतरिक्ष वैज्ञानिक → विभागाध्यक्ष

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम गणित/खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई, तेलंगाना
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड
7. भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
10. एस.आर.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु
11. हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
12. अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अनुराधा टी.के. सेवानिवृत्त भारतीय वैज्ञानिक और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की परियोजना निदेशक रह चुकी हैं। उन्होंने उपग्रह जीसैट–12 और जीसैट–10 के प्रक्षेपण पर काम किया है। वह इसरो में सबसे वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों में से एक रही हैं, जिन्होंने वर्ष 1982 में इसरो से अपने करियर की शुरुआत की थी और इसरो में उपग्रह परियोजना निदेशक बनने वाली पहली महिला बनीं। बेंगलुरु में जन्मी अनुराधा ने बेंगलुरु के यूनिवर्सिटी विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इलेक्ट्रॉनिक्स में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है।*

स्रोत–indiatimes.com/trending/rocket-women-isro-scientists-india-561515.html? picid=2243362

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

जीवाश्म विज्ञानी

जीवाश्म विज्ञानी, जीवाश्मों का अध्ययन करता है। जीवाश्म विज्ञान पृथ्वी पर जीवन के इतिहास का अध्ययन है, जैसा कि इन जीवाश्म अभिलेखों में दिखाई देता है। जीवाश्म वे अवशेष या निशान होते हैं, जो भूवैज्ञानिक अतीत में जीवित जीवों (जैसे पौधे, जानवर, कवक, बैक्टीरिया और अन्य एककोशिकीय जीव) से बने होते हैं और जो पृथ्वी की सतह पर संरक्षित रहते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान पसंद हो।
- आपको बाहर काम करना पसंद हो।
- आपको समस्याओं या स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आपके पास अवलोकन की गहरी समझ हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप— https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 10,000–2,00,000* के बीच हो सकती है

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. जीव विज्ञान/भूविज्ञान में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री के बाद उसी या संबंधित विषय में स्नातकोत्तर डिग्री और पीएच.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

जीवाश्म विज्ञानी की आय **₹ 80,000–1,50,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.erieri.com/salary/job/paleontologist/india?utm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— राजकीय और निजी शोध संगठन, पर्यावरण संगठन, प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय आदि।

कार्य वातावरण— यह डेस्क जॉब नहीं है। आप किसी टीम को नहीं संभालेंगे। स्थानीय यात्रा इस नौकरी की भूमिका का एक भाग है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हो सकती हैं। संगठन सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन भिन्न हो सकता है पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → जीवाश्म विज्ञानी → वरिष्ठ जीवाश्म विज्ञानी → विभाग के उप निदेशक → विभाग के निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम भूविज्ञान या भूवैज्ञानिक विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, करूर, तमिलनाडु
2. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
3. अलगप्पा गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, कराईकुडी, तमिलनाडु
4. सेंटर फॉर डिस्टेंस लर्निंग एंड कंटीन्यूइंग एजुकेशन, चित्रकूट, मध्य प्रदेश
5. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
6. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, सेलम, तमिलनाडु
7. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, तिरुवनमपुरम, केरल
8. श्री प्रताप कॉलेज, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. श्री गुरु राम राय पी.जी. कॉलेज, देहरादून, उत्तराखंड
2. ए. दोराइसनी नादर मरागाथावल्लियामल कॉलेज महिलाओं के लिए, नागपट्टिनम, तमिलनाडु
3. ए.वी.एस. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, सेलम, तमिलनाडु
4. दयानंद बृजेंद्र स्वरूप पी.जी. कॉलेज, देहरादून, उत्तराखंड
5. देवगिरी कॉलेज औरंगाबाद, महाराष्ट्र
6. डॉ. पलपु कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, पुथुसेरी, केरल
7. फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
8. गोस्नर कॉलेज, रांची, झारखंड

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/2022/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

देवप्रिया चट्टोपाध्याय एक पैलियोन्टोलॉजिकल-बायोलॉजिकल शोधकर्ता हैं। विशिष्ट भारतीय महिलाओं में से हैं जिन्होंने पैलियोन्टोलॉजी समुदाय में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण शोध कार्य किए हैं। उन्होंने जादवपुर विश्वविद्यालय से भूविज्ञान में बी.एससी., आई.आई.टी. बॉम्बे से अनुप्रयुक्त भूविज्ञान में एम.एससी. और मिशिगन विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है।*

स्रोत— https://www.shethepeople.tv/news/meet-palaeontologist-devapriya-chattopadhyay-indian-woman/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भौतिक विज्ञानी

भौतिक विज्ञानी, भौतिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखता है। उनके अध्ययन का क्षेत्र पदार्थ और ऊर्जा के बीच होने वाली परस्पर क्रियाओं को समझने पर केंद्रित होता है। भौतिक विज्ञानी सिद्धांतों की जाँच करने के लिए वैज्ञानिक प्रयोगों की योजना बनाते हैं और उन्हें अंजाम देते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप भौतिक विज्ञान से संबंधित कोई पाठ्यक्रम पढ़ना चाहते हों।
- आपको प्रयोग करना पसंद हो।
- आप गणित में अच्छे हों।
- आप किसी वैज्ञानिक समस्या को हल करने के लिए कंप्यूटर का उपयोग कर सकते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप— https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 80,000–5,00,000* के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. भौतिक विज्ञान में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री और पीएच.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भौतिक विज्ञानी की आय **₹ 15,000–70,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— bit.ly/3kmKG3n

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— अनुसंधान प्रयोगशालाएँ, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत विनिर्माण कंपनियाँ, गैर-राजकीय संगठन, कॉलेज/विश्वविद्यालय, रक्षा क्षेत्र और अन्य।

कार्य वातावरण— आप किसी कार्यालय या प्रयोगशाला में काम करेंगे। आप एक टीम को संभाल सकते हैं। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का भाग नहीं है। संगठन सामान्यतः सप्ताह में 5 या 6 दिन और प्रतिदिन 8 या 9 घंटे काम करते हैं, लेकिन यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है। अतिरिक्त समय की आवश्यकता हो सकती है। अंशकालिक और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हो सकती हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

जूनियर शोधकर्ता → सामान्य भौतिक विज्ञानी/ शिक्षक → विभागाध्यक्ष

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. प्रेसीडेंसी कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
2. सेंट जेवियर्स कॉलेज, अहमदाबाद, गुजरात
3. हिंदू कॉलेज, नई दिल्ली
4. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
5. फारूक कॉलेज, कोझीकोड, केरल
6. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, असम
8. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर, राजस्थान

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. लोयोला कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
2. मार इवानियोस कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल
3. सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु
5. के.जे. सोमैया कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई, महाराष्ट्र
6. डॉ. डी.वाई. पाटिल आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
7. सेंट थॉमस कॉलेज, त्रिशूर, केरल
8. सेंट टेरेसा कॉलेज, एर्नाकुलम, केरल

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

इंद्राणी बोस एक भारतीय भौतिक वैज्ञानिक हैं और कोलकाता के बोस संस्थान के भौतिकी विभाग में वरिष्ठ प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र शास्त्रीय भौतिकी, क्वांटम सिद्धांत और वैज्ञानिक सिद्धांतों पर केंद्रित हैं।*

स्रोत— https://www.researchgate.net/profile/Indrani-Bose

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

राजनीति वैज्ञानिक

राजनीति वैज्ञानिक एक विशेषज्ञ होता है, जो राजनीतिक चर्चाओं, राजकीय नीतियों, राजकीय निर्णयों, देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय संबंधों और स्थानीय राजनीतिक मुद्दों का अध्ययन, समझ और शोध करता है। वे सरकार द्वारा बनाई गई विभिन्न नीतियों और योजनाओं पर शोध करते हैं, बजट, चुनाव अभियानों और घोषणापत्रों का विश्लेषण करते हैं और यह समझने की कोशिश करते हैं कि मतदाता/जनता इन नीतियों, अभियानों और घोषणापत्रों से कैसे जुड़ते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आपको डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करना पसंद हो।
- आपके पास रचनात्मक कौशल हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–80,000*** के बीच हो सकती है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. राजनीति विज्ञान में कला में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद राजनीति विज्ञान में कला में स्नातकोत्तर (एम.ए.) डिग्री प्राप्त करें और फिर पीएच.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

राजनीति वैज्ञानिक की आय ₹ **25,000–2,50,000** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Political_Scientist/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— केंद्रीय और राज्य सरकार की एजेंसियाँ, सामाजिक अनुसंधान संगठन।

कार्य वातावरण— आप सामान्यतः किसी कार्यालय में पूर्णकालिक काम करेंगे। रिपोर्ट पूरी करने और समय-सीमा को पूरा करने के लिए आपको कभी-कभी अतिरिक्त समय में भी काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक प्राध्यापक → राजनीतिक वैज्ञानिक → प्राध्यापक
अथवा
राजनीतिक वैज्ञानिक → सलाहकार → वरिष्ठ सलाहकार

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
3. हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
4. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5. दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
6. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र
7. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर
8. कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र
2. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
5. के.जे. सोमैया कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, मुंबई, महाराष्ट्र
6. सिम्बायोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, पुणे, महाराष्ट्र
7. पारुल यूनिवर्सिटी, बड़ौदा, गुजरात
8. बनस्थली विद्यापीठ, जयपुर, राजस्थान

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अमिता सिंह एक भारतीय राजनीतिक वैज्ञानिक हैं, जो वर्तमान में दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में विधि और शासन की प्रोफेसर हैं। वह भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की सदस्य भी हैं। अमिता सिंह ने अपनी उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश के आगरा में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में पीएच.डी. पूरी की है। वह प्रशासन और शासन से जुड़े कई राजकीय बोर्डों और समितियों में भी सक्रिय रूप से कार्य करती हैं। इसके अलावा, वह वर्तमान में विश्वविद्यालय के आपदा अनुसंधान के विशेष केंद्र की अध्यक्ष हैं।*

स्रोत- https://www.mei.edu/profile/amita-singh

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

वैज्ञानिक सहायक

वैज्ञानिक सहायक, वैज्ञानिक क्षेत्रों में कार्य करते हैं। उनका मुख्य कार्य वैज्ञानिकों या शोधकर्ताओं की टीम को अनुसंधान करने, नए उत्पाद और तकनीकों के विकास में सहायता प्रदान करना होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान में रुचि हो।
- आपको समस्याओं या स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आपको काम करते समय स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप— https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)- विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–3,05,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. भौतिकी/कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी/कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करें और फिर एस.एससी. आई.एम.डी. वैज्ञानिक सहायक परीक्षा दें।

अथवा

संबंधित विषय में स्नातक की डिग्री के बाद स्नातकोत्तर (एम.एससी.) डिग्री प्राप्त करें और फिर एस.एससी. आई.एम.डी. वैज्ञानिक सहायक परीक्षा दें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

वैज्ञानिक सहायक की आय ₹ **35,400–1,12,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://internal.imd.gov.in/section/rti/MANUAL_pdf

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारतीय मौसम विभाग

कार्य वातावरण— यह एक डेस्क जॉब है। आप किसी टीम का नेतृत्व नहीं करेंगे। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का भाग नहीं है। आप सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन, प्रतिदिन 7 से 8 घंटे काम करेंगे। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

वैज्ञानिक सहायक → वैज्ञानिक वरिष्ठ सहायक → वैज्ञानिक अधिकारी I → वैज्ञानिक अधिकारी II → वैज्ञानिक अधिकारी III

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सेंट स्टीफंस कॉलेज, नई दिल्ली
2. हिंदू कॉलेज, नई दिल्ली
3. मिरांडा हाउस, नई दिल्ली
4. मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
5. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
7. निजाम कॉलेज, हैदराबाद, तेलंगाना
8. जय हिंद कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी एवं ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. सेंचुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट, भुवनेश्वर, ओडिशा
2. इंडस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बाथू, हिमाचल प्रदेश
3. पेरियार मणिअम्मई इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तंजावुर, तमिलनाडु
4. श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती विश्वविद्यालय, कांचीपुरम, तमिलनाडु
5. श्री रामास्वामी मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कांचीपुरम, तमिलनाडु
6. पारुल यूनिवर्सिटी, बड़ौदा, गुजरात
7. सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. माउंट कार्मेल कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अमोल वीर, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग औरंगाबाद में एक वैज्ञानिक सहायक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने एम.आई.टी. औरंगाबाद से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी में स्नातक की डिग्री और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना से मेक्ट्रोनिक्स में स्नातकोत्तर किया।

स्रोत— https://rocketreach.co/amol-veer-email_224258022

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

भूकंप विज्ञानी

भूकंप विज्ञानी वे वैज्ञानिक होते हैं, जो भू-भौतिकी में विशेषज्ञता रखते हैं और भूकंप से संबंधित पृथ्वी की अचानक और हिंसक गतिविधियों का अध्ययन करते हैं। वे भूवैज्ञानिक सामग्रियों का अध्ययन करते हैं, जो प्रयोगशाला के नमूनों से लेकर पूरी पृथ्वी तक, इसके सतह से लेकर इसके केंद्र तक फैली हो सकती हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान और गणित पसंद हों।
- आपको प्रयोग करना पसंद हो।
- आप कंप्यूटर में अच्छे हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप— https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 15,000–2,25,000* के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. भू-भौतिकी, भूविज्ञान और इसी तरह के विषयों में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें। उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.एससी.) डिग्री के बाद या भूगोल/भूविज्ञान में स्नातक की डिग्री और स्नातकोत्तर डिग्री के बाद पीएच.डी. प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

भूकंप विज्ञानी की आय लगभग **₹ 50,000–60,500*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://shorturl.at/WJiRL

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— अनुसंधान संस्थान, पेट्रोलियम उद्योग, भूतापीय ऊर्जा उद्योग, परमाणु अनुसंधान केंद्र इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → भूकंप विज्ञान अनुसंधान / भूकंप विज्ञानी → वरिष्ठ भूकंप विज्ञानी

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम भू-भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
2. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, ऊटी, तमिलनाडु
3. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु
4. गवर्नमेंट कॉलेज, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश
5. गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, लैंसडाउन, उत्तराखंड
6. गवर्नमेंट गांधी मेमोरियल साइंस कॉलेज, जम्मू और कश्मीर
7. पछुंगा यूनिवर्सिटी कॉलेज, आइजोल, मिजोरम
8. श्री प्रताप कॉलेज, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. पारुल इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेज, बड़ौदा, गुजरात
2. श्री गुरु राम राय पी.जी. कॉलेज, देहरादून, उत्तराखंड
3. ए.वी.एस. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, सेलम, तमिलनाडु
4. आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, रामपुरम, केरल
5. के.जे. सोमैया कॉलेज ऑफ साइंस एंड वाणिज्य, मुंबई, महाराष्ट्र
6. महादेव पीजी कॉलेज, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
7. बाबा फरीद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस, देहरादून, उत्तराखंड
8. पटकाई क्रिश्चियन कॉलेज, दीमापुर, नागालैंड

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है–
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

कुसला राजेंद्रन एक भारतीय भूकंप विज्ञानी हैं और वर्तमान में भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, भारत के पृथ्वी विज्ञान केंद्र में प्रोफेसर हैं। उन्होंने मुख्य रूप से भूकंप और उनके स्रोत तंत्र पर काम किया है। उन्होंने वर्ष 1979 में भारतीय इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अणुप्रयुक्त भू-भौतिकी क्षेत्र में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने वर्ष 1992 में भूकंप विज्ञान में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी के साथ साउथ कैरोलिना यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. से स्नातक किया। वर्ष 2018 में उन्हें 'महासागर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी' और 'वायुमंडलीय विज्ञान प्रौद्योगिकी' के लिए महिला वैज्ञानिक का पहला राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।*

स्रोत–timesofindia.indiatimes.com/city/bengaluru/bengaluru-seismologist-gets-national-award/articleshow/64979459.cms

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

समाजशास्त्री

समाजशास्त्री, समाज, मानव व्यवहार और लोगों के साथ मिलकर काम करने से उत्पन्न होने वाली अंत:क्रिया का अध्ययन करता है। वे सामाजिक संस्थाओं, संस्कृतियों और समूहों का विश्लेषण करते हैं। समाजशास्त्री के लिए अध्ययन का विषय विविध है, जिसमें अपराध, धर्म, परिवार से लेकर राज्य की सामाजिक संरचना, नस्ल और सामाजिक वर्ग के विभाजन से लेकर साझा संस्कृति की सामान्य मान्यताएँ सम्मिलित हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको समाज और सामाजिक मुद्दों में रुचि हो।
- आपको समस्याओं का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आपको विवरणों पर ध्यान देना पसंद हो।
- आप संचार कौशल में निपुण हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **15,000–1,50,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. मानविकी वर्ग में अधिमानतः समाजशास्त्र विषय में 10 +2 उत्तीर्ण करें।
2. समाजशास्त्र में कला में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद उसी विषय में कला में स्नातकोत्तर (एम.ए.) डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

समाजशास्त्र में कला में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें, उसके बाद समाजशास्त्र में कला में स्नातकोत्तर (एम.ए.) डिग्री और उसी विषय में पीएच.डी. करें।

अथवा

किसी भी मानविकी विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें और फिर समाजशास्त्र में पीएच.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

समाजशास्त्री की आय ₹ **10,000–15,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://shorturl.at/ejPCx

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— अनुसंधान संगठन, कॉलेज, विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय और केंद्रीय सरकार, परामर्श सेवा फर्म।

कार्य वातावरण— आप सामान्यतः एक कार्यालय में काम करेंगे। साक्षात्कार या अवलोकन के माध्यम से अनुसंधान करने या शोध परिणाम प्रस्तुत करने के दौरान आप कार्यालय वातावरण के बाहर काम कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → कनिष्ठ विश्लेषक → समाजशास्त्री,
सामान्य → वरिष्ठ समाजशास्त्री → विभागाध्यक्ष

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम समाजशास्त्र विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
2. लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
3. हिंदू कॉलेज, नई दिल्ली
4. लेडी ब्रेबॉर्न कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
6. दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली
7. सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. गुजरात आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, अहमदाबाद, गुजरात

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
2. लोयोला कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
3. सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. सेंट एंड्रयूज कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई, महाराष्ट्र
5. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु
6. रानी बिड़ला गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
7. सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. ज्योति निवास कॉलेज, बंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

निधिन डोनाल्ड एक कलाकार हैं और जे.एन.यू. दिल्ली में डॉक्टरेट के छात्र हैं। उन्होंने पुणे विश्वविद्यालय और नेशनल कैंपेन ऑन दलित ह्यूमन राइट्स (एन.सी.डी.एच.आर.) के साथ काम किया है। उनकी कलाकृतियाँ नियमित रूप से राउंड टेबल इंडिया पर प्रदर्शित होती हैं। उन्होंने समाजशास्त्र में स्नातक और स्नातकोत्तर किया है, इसके बाद जे.एन.यू., दिल्ली के स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज से एम.फिल. और पीएच.डी. की है।*

स्रोत–https://www.hss.iitb.ac.in/en/post-doctrol-fellow/nidhin-donald

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

अंतरिक्ष वैज्ञानिक

अंतरिक्ष वैज्ञानिक, अंतरिक्ष में भेजे जाने वाले ऑर्बिटर, उपग्रहों और अन्य जाँचों पर लगे उपकरणों द्वारा एकत्र किए गए आँकड़ों का विश्लेषण करके हमारे सौर मंडल, अन्य आकाशगंगाओं एवं सौर प्रणालियों समेत बाहरी अंतरिक्ष के गुणों का अध्ययन करता है।



व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान और गणित पसंद हो।
- आपको प्रयोग करना पसंद हो।
- आपको वस्तुएँ बनाना पसंद हो।
- आप कंप्यूटर चलाने में कुशल हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप— https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–5,00,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. भौतिकी विज्ञान/गणित में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी/अनुप्रयुक्त गणित में स्नातक की डिग्री के बाद स्नातकोत्तर (एम.एससी.) डिग्री और पीएच.डी. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

अंतरिक्ष वैज्ञानिक की आय ₹ **25,000–2,09,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/salaries/indian-space-research-organisation-salaries/scientist

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सार्वजनिक और निजी अनुसंधान और वेधशालाएँ।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कनिष्ठ शोधकर्ता → अंतरिक्ष वैज्ञानिक → विभागाध्यक्ष

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम गणित/खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, ओडिशा
3. उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
4. पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब
5. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर, मध्य प्रदेश
6. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई
7. सेंट जेवियर्स कॉलेज, अहमदाबाद, गुजरात
8. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी .से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. लोयोला कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
2. मार इवानियोस कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल
3. सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु
5. के.जे. सोमैया कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई, महाराष्ट्र
6. डॉ. डी.वाई. पाटिल आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
7. सेंट थॉमस कॉलेज, त्रिशूर, केरल
8. सेंट टेरेसा कॉलेज, एर्नाकुलम, केरल

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अनुराधा टी.के. एक सेवानिवृत्त भारतीय वैज्ञानिक और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की परियोजना निदेशक हैं। उन्होंने उपग्रहों जीसैट-12 और जीसैट-10 के प्रक्षेपण पर कार्य किया है। वह इसरो में सबसे वरिष्ठ महिला वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने वर्ष 1982 में इस अंतरिक्ष एजेंसी में सम्मिलित होकर उपग्रह परियोजना निदेशक बनने वाली पहली महिला का गौरव हासिल किया। बेंगलुरु में जन्मी, उन्होंने बेंगलुरु में यूनिवर्सिटी विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इलेक्ट्रॉनिक्स में स्नातक की डिग्री प्राप्त की।*

स्रोत–indiatimes.com/trending/rocket-women-isro-scientists-india-561515.html?picid=2243362

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सांख्यिकीविद्

सांख्यिकीविद्, संख्यात्मक डेटा इकट्ठा करते हैं और फिर उसका विश्लेषण एवं व्याख्या करते हैं, जिससे कंपनियों को मात्रात्मक डेटा को समझने में सहायता मिलती है। इसके बदले, कंपनियाँ इस जानकारी का उपयोग रुझानों को पहचानने और भविष्यवाणियाँ करने के लिए करती हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप गणित में अच्छे हों।
- आप वैज्ञानिक समस्या को हल करने के लिए कंप्यूटर का उपयोग कर सकते हो।
- आपको संख्याओं या चार्ट के साथ काम करना पसंद हो।
- आपको समस्याओं और स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- यू.जी.सी. छात्रवृत्ति— भारत में यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में नामांकित विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए https://ugcnet.nta.ac.in/ पर जाएँ।
- आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप— सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान, डॉक्टरेट, पोस्टडॉक्टरल और अनुसंधान परियोजनाओं की वित्तीय सहायता के लिए यहाँ https://icssr.org/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 20,000–1,50,000* के बीच हो सकता है

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. अर्थशास्त्र के साथ 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. सांख्यिकी/गणित या किसी संबंधित विषय में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

सांख्यिकी में स्नातक की डिग्री के बाद स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सांख्यिकीविद् की आय **₹ 30,000–60,000*** प्रतिमाह या उससे अधिक हो सकती है।

स्रोत— bit.ly/3ksnnoQ

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— बैंकिंग और वित्तीय संगठन, तथा बीमा कंपनियाँ

कार्य वातावरण— यह एक डेस्क जॉब है। आपको किसी टीम को संभालने की आवश्यकता नहीं है। स्थानीय यात्रा इस कार्य भूमिका का एक भाग हो सकती है। संगठन सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन प्रतिदिन 10 से 12 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय की आवश्यकता हो सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सांख्यिकीविद् → सांख्यिकीविद्, अनुप्रयुक्त → ऑपरेशन रिसर्च विश्लेषक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम सांख्यिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
2. आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश
3. अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदंबरम तमिलनाडु
4. डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र
5. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
6. बैंगलोर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. बरहामपुर विश्वविद्यालय, बरहामपुर ओडिशा
8. वर्धमान विश्वविद्यालय, रायगंज, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. लोयोला कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
2. सिल्वर ओक विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
3. सेंट जोसेफ कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु
5. के.जे. सोमैया कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई, महाराष्ट्र
6. डॉ. डी.वाई. पाटिल आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र
7. हिमालयन स्कूल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, उत्तराखंड
8. स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी, देहरादून, उत्तराखंड
9. सेंट टेरेसा कॉलेज, एर्नाकुलम, केरल

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मधुमिता घोष-दस्तीदार, सांख्यिकी समूह की प्रमुख हैं और अमेरिका स्थित थिंक-टैंक रैंड कॉर्पोरेशन में वरिष्ठ सांख्यिकीविद् के रूप में कार्यरत हैं। वे अमेरिकन स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन (ए.एस.ए.) की फेलो हैं और वर्ष 2014 एवं वर्ष 2015 में रैंड प्रेसिडेंट चॉइस अवार्ड प्राप्त करने वाले दो अध्ययनों में सांख्यिकीविद् के तौर पर सम्मिलित थीं। घोष-दस्तीदार ने पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी से सांख्यिकी में पीएच.डी. और एम.ए. की डिग्री तथा अलब्राइट कॉलेज से गणित और कंप्यूटर विज्ञान में बी.एस. की डिग्री प्राप्त की है।*

स्रोत— https://www.rand.org/about/people/g/ghosh-dastidar_bonnie.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

विष विज्ञानी

विष विज्ञान, विज्ञान का एक क्षेत्र है, जो रसायनों, पदार्थों या स्थितियों के लोगों, जानवरों और पर्यावरण पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों को समझने में सहायता करता है। कुछ लोग विष विज्ञान को 'सुरक्षा का विज्ञान' कहते हैं, क्योंकि एक क्षेत्र के रूप में यह जहर और रासायनिक जोखिम के प्रतिकूल प्रभावों के अध्ययन पर केंद्रित विज्ञान से विकसित होकर सुरक्षा का अध्ययन करने के लिए समर्पित हो गया है। इस क्षेत्र के विशेषज्ञ को विष विज्ञानी कहा जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान पसंद हो।
- आपको प्रयोग करना पसंद हो।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप— https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **6,500–90,000*** के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. वनस्पति विज्ञान/रसायन विज्ञान/प्राणी विज्ञान/जैव रसायन विज्ञान या किसी संबंधित विषय में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।
3. विष विज्ञान या संबंधित विषय में स्नातक की डिग्री के बाद स्नातकोत्तर डिग्री करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

विष विज्ञानी की आय ₹ **11,000–1,66,667*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है

स्रोत— https://www.glassdoor.co.in/Salaries/toxicologist-salary-SRCH_KO0,htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— राजकीय और निजी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, राजकीय और औद्योगिक प्रयोगशालाएँ आदि।

उद्यमिता— आप अपनी प्रयोगशाला स्थापित कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— यह एक डेस्क जॉब है। आपको नर्सों और अन्य चिकित्सा कर्मचारियों की एक टीम को संभालना होगा। स्थानीय यात्रा नौकरी का भाग हो सकती है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हैं। अस्पताल और क्लीनिक सामान्यतः 6 से 7 दिन काम करते हैं। आपको सप्ताह में 6 दिन 9 से 10 घंटे काम करना पड़ सकता है। यह क्लीनिक से क्लीनिक में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → कनिष्ठ चिकित्सक → विषविज्ञानी → वरिष्ठ विषविज्ञानी → विभागाध्यक्ष

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विष विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
2. किंग्स जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
3. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
4. मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
5. राजकीय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, चंडीगढ़
6. कोलकाता मेडिकल कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
7. उस्मानिया मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद, तेलंगाना

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर, तमिलनाडु
2. कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल, कर्नाटक
3. जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी
4. श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, चेन्नई, तमिलनाडु
5. सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. जे.एस.एस. मेडिकल कॉलेज, मैसूर, कर्नाटक
7. शिक्षा 'ओ' अनुसंधान विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा
8. श्री रामेश्वरी मेमोरियल विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

डॉ. पी. संपत कुमार एक विषविज्ञानी, कानूनी चिकित्सा और चिकित्सा विशेषज्ञता के विशेषज्ञ हैं, जो चेन्नई में अभ्यास कर रहे हैं। उन्हें इस क्षेत्र में 39 वर्षों का अनुभव है। कुमार ने मद्रास मेडिकल कॉलेज, चेन्नई से फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी में एम.बी.बी.एस. और एम.डी. की पढ़ाई पूरी की है। वे तमिलनाडु मेडिकल काउंसिल के सदस्य भी हैं।

स्रोत— https://www.practo.com/chennai/doctor/dr-p-sampath-kumar-toxicologist

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

विषाणु विज्ञानी

विषाणु विज्ञानी, विषाणु का अध्ययन करते हैं और यह देखते हैं कि ये मनुष्यों, जानवरों, कीड़ों, बैक्टीरिया, कवक और पौधों पर समुदाय, नैदानिक, कृषि और प्राकृतिक वातावरण में किस प्रकार प्रभाव डालते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान पसंद हो।
- आपको समस्याओं या स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप— https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 80,000–2,50,000* के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. माइक्रोबायोलॉजी/वायरोलॉजी/लाइफ साइंस/बायोकेमिस्ट्री/बायोटेक्नोलॉजी/जूलॉजी/मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी या किसी भी संबद्ध विषय में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

उसी या संबद्ध क्षेत्र में स्नातक के बाद स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

विषाणु विज्ञानी की आय लगभग **₹ 90,000–1,60,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है

स्रोत— https://www.salaryexpert.com/salary/job/virologist/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— अस्पताल, स्वास्थ्य विभाग, विश्वविद्यालय, अनुसंधान एजेंसियाँ

कार्य वातावरण— यह एक डेस्क जॉब है। आपको प्रयोगशाला कर्मचारियों और सहायकों की एक टीम को संभालने की आवश्यकता हो सकती है। स्थानीय यात्रा इस नौकरी की भूमिका का भाग नहीं है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हो सकती हैं। आपके पास नियमित कार्य घंटे होने की संभावना है। संगठन सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 9 से 10 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

रिसर्च फेलो → विषाणु विज्ञानी→ वरिष्ठ विषाणु विज्ञानी→ विभागाध्यक्ष, विषाणु विज्ञान

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम माइक्रोबायोलॉजी/वायरोलॉजी/लाइफ साइंस/बायोकेमिस्ट्री/बायोटेक्नोलॉजी/जूलॉजी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
2. जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी
3. किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
4. अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, चिदंबरम, तमिलनाडु
5. उत्तर प्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज, सैफई, उत्तर प्रदेश
6. छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी, कानपुर, उत्तर प्रदेश
7. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश, उत्तराखंड
8. शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. या एम.सी.आई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, उत्तर प्रदेश
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. कृष्णा इंस्टीट्यूट चिकित्सा विज्ञान विभाग, मलकापुर, महाराष्ट्र
4. दयानंद सागर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. सिंघानिया विश्वविद्यालय, झुंझुनू, राजस्थान
6. एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. एडमास विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. पारुल विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

भारतीय विषाणु विज्ञानी **डॉ. गंगनदीप कांग** को भारत की 'वैक्सीन गॉडमदर' के रूप में जाना जाता है। वे बच्चों में वायरल संक्रमण की प्रमुख शोधकर्ता रही हैं और वर्ष 1990 के दशक से भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और डायरिया रोगों पर कार्य कर रही हैं। वे रॉयल सोसाइटी, लंदन की फेलो चुनी जाने वाली पहली भारतीय महिला हैं। उन्होंने रोटावायरस अनुसंधान में बड़े पैमाने पर कार्य किया है और भारत बायोटेक इंटरनेशनल के साथ मिलकर डायरिया के लिए 'रोटोवैक' नामक वैक्सीन विकसित करने में एक प्रमुख वैज्ञानिक के रूप में योगदान दिया है।*

स्रोत— https://www.cmch-vellore.edu/SinglePage.aspx?pid=P160802009&mid=M190619168

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

प्राणी विज्ञानी

प्राणी विज्ञानी, वैज्ञानिक होते हैं, जो जानवरों का अध्ययन करते हैं। प्राणी विज्ञानी, जानवरों के प्रति प्रत्येक अंग, जैसे– उनकी कोशिकाओं से लेकर उनके विकास के इतिहास तक के विशेषज्ञ होते है। सामान्यतः, वे चिड़ियाघरों में जानवरों और उनके प्राकृतिक आवास पर शोध करते हैं, जहाँ उन्हें कैद में रखा जाता है। प्राणी विज्ञानी जानवरों के व्यवहार का अध्ययन करके उनके जीवन को समझने की कोशिश करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपको जानवर पसंद हों।
- आपको बाहर काम करने में सहज हों।
- आप काम करते समय बारीकियों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- इनोवेशन साइंस परसूट इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE) फेलोशिप— https://www.online-inspire.gov.in/ पर जाएँ। यह छात्रवृत्ति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।
- प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप (PMRF)— विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में शोध के लिए https://www.pmrf.in/ पर जाएँ।
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 6,840–7,20,000* के बीच हो सकता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. प्राणी विज्ञान में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक की डिग्री के बाद उसी या संबद्ध क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

प्राणी विज्ञानी की आय **₹ 8,000–13000*** प्रतिमाह के बीच हो सकता है।

स्रोत— https://shorturl.at/Ms7fH

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— चिड़ियाघर, प्रयोगशालाएँ, राजकीय अनुसंधान केंद्र आदि

कार्य वातावरण— यह डेस्क जॉब नहीं है। आप सहायक प्राणीशास्त्रियों और अन्य कर्मचारियों की एक टीम की देख-रेख करेंगे। स्थानीय यात्रा नौकरी की भूमिका का एक भाग हो सकती है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हो सकती हैं। संगठन सामान्यतः सप्ताह में 6 से 7 दिन और प्रतिदिन 8 से 10 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

अनुसंधान सहायक→ सहायक प्राणी विज्ञानी→ प्राणी विज्ञानी→ वरिष्ठ प्राणी विज्ञानी, विभागाध्यक्ष → मुख्य प्राणी विज्ञानी

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा संचालित है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात
2. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
3. नई दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
4. सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र
5. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
6. अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदंबरम, तमिलनाडु
7. गुजरात विश्वविद्यालय, गुजरात, अहमदाबाद
8. विश्व भारती विश्वविद्यालय, श्रीनिकेतन, पश्चिम बंगाल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. जामिया हमदर्द, नई दिल्ली
3. राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जयपुर, राजस्थान
4. जैन विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
5. चंद्रमोहन झा विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय
6. सीटी विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब
7. भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान
8. यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर, राजस्थान
9. महात्मा ज्योति राव फूले यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
10. आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश

संस्थान रैंकिंग की जानकारी उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मुकुंद लाल भाटिया, जूलॉजी और एन्टोमोलॉजी के विशेषज्ञ थे। वे दिल्ली विश्वविद्यालय से जुड़े हुए थे और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के बायोसाइंसेज विभाग में मानद प्रोफेसर थे। भाटिया ने अपने शैक्षणिक और शोध करियर में भारतीय और विदेशी जोंकों की आकृति विज्ञान और कार्यात्मक आकृति विज्ञान का अध्ययन किया।*

स्रोत— https://www.edudwar.com/become-a-zoologist-in-india-famous-zoologist-salary-career-jobs/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

तकनीकी एवं व्यापार कौशल



एप्लीक आर्टिसन

एप्लीक आर्टिसन के रूप में, आप सुई और धागे का उपयोग करके, हाथ से विभिन्न आकारों में कटे हुए कपड़ों को आधार कपड़े पर रखकर ट्रेस, काट और जोड़कर सुंदर पैटर्न और डिज़ाइन बनाने की कला सीखते हैं। इसके साथ ही आप विभिन्न धागों, पैटर्न और रंगों के संयोजन की पहचान में भी निपुण होते हैं। इसके अलावा, ये ग्राहकों के साथ संवाद स्थापित करना और उनकी आवश्यकताओं को समझना भी सीखते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप कलात्मक व्यक्ति हों।
- आप ध्यान केंद्रित कर सकते हों।
- आप लंबे समय तक काम कर सकते हों।
- आपकी आँखों और हाथों का समन्वय अच्छा हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद और कम से कम 2 साल के प्रासंगिक अनुभव के साथ आप एप्लीक आर्टिसन पाठ्यक्रम के लिए नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन्स फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ)* स्तर 4 पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं।

अथवा

कक्षा 10 की परीक्षा उत्तीर्ण करने और लगातार स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के बाद आप एप्लीक आर्टिसन कोर्स के लिए नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन्स फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ)* स्तर 4 पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

एप्लीक आर्टिसन की आय ₹ **8,751–34,847*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://paycheck.in/career-tips/role-income/india-sewing-embroidery-and-related-workers

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— डिजाइन कंपनियाँ, एप्लीक वर्क रजाई निर्माता, स्वयं सहायता समूह या गैर-राजकीय संगठन।

कार्य वातावरण— एक सामान्य कार्यदिवस 8–9 घंटे का होता है और सप्ताह में 6 दिन होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु एप्लीक डिजाइनर → अप्लीक डिजाइनर → सुपरवाइजर अप्लीक डिजाइनर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
2. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात
3. भारतीय शिल्प एवं डिजाइन संस्थान, जयपुर, राजस्थान
4. कलाक्षेत्र फाउंडेशन, चेन्नई, तमिलनाडु
5. शांतिनिकेतन, विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल
6. सृष्टि कला, डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. पर्ल अकादमी, नई दिल्ली
8. इस्टिटूटो मारंगोनी, मुंबई, महाराष्ट्र
9. एम.आई.टी. डिजाइन संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
10. जे.डी. फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

नयागढ़ जिले के रानपुर ब्लॉक के ब्रुंडबनपुर ग्राम पंचायत की निवासी, **कल्पना महाराणा** ने ओडिशा आजीविका मिशन (ओ.एल.एम.) के समर्थन से एक सफल एप्लिक वर्क्स उद्यम स्थापित किया है। वह अपने उत्पादों की बिक्री से हर महीने लगभग रूपये 11,000 से रुपये 15,000 रुपये तक की आय अर्जित करती हैं। इस सफलता के पीछे मुख्य कारण उन्हें स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (एस.वी.ई.पी.) के तहत न्यूनतम ब्याज दर पर वित्तीय सहायता मिलना है। शुरुआत में, कल्पना को इस प्रोग्राम के तहत 50,000 रुपये का ऋण प्रदान किया गया था, जिसकी सफलतापूर्वक चुकौती के बाद, उन्हें ब्रुंडबन ग्राम पंचायत स्तरीय संघ (जी.पी.एल.एफ.) के माध्यम से सामुदायिक निवेश कोष (सी.आई.एफ.) से 60,000 रुपये की अतिरिक्त सहायता प्राप्त हुई। इस सहायता ने उनके व्यवसाय को विस्तार देने और अधिक महिलाओं को रोजगार प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई।

स्रोत— https://rural.nic.in/sites/default/files/NRLM_75_Stories_of_Atmanirbhar_17092021.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सहायक सौंदर्य चिकित्सक

सहायक सौंदर्य चिकित्सक से आशा की जाती है कि वह सौंदर्य चिकित्सा, स्वास्थ्य और स्वच्छता की मूल बातें जानें। वे मैनीक्योर, पेडीक्योर, फेशियल और अन्य महत्वपूर्ण सौंदर्य सेवाएँ प्रदान करते हैं। इसके साथ ही, वे सैलून के रख-रखाव और संचालन में भी सहायता करते हैं, जिसमें उपयोग की जाने वाली सामग्रियों का रख-रखाव, सैलून की सफाई, उपचार के लिए आवश्यक वस्तुओं की तैयारी और उपलब्ध स्टॉक की जाँच सम्मिलित होती है।



व्यक्तिगत गुण

- आप कलात्मक व्यक्ति हों।
- आप ध्यान केंद्रित कर सकते हों।
- आप लंबे समय तक काम कर सकते हों।
- आपकी आँखों और हाथों का समन्वय अच्छा हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करके सहायक सौंदर्य चिकित्सक के लिए नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन्स फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ)* स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए न्यूनतम आयु 14 वर्ष है।

अथवा

कक्षा 10 की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप सहायक सौंदर्य चिकित्सक के लिए एन.एस.क्यू.एफ. स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सहायक सौंदर्य चिकित्सक की आय ₹ **8,000–20,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3XMcpZG

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ब्यूटी सैलून, ब्यूटी सर्विस एग्रीगेटर।

उद्यमिता— आप घर बैठे सेवाएँ प्रदान कर सकते हैं, स्वयं को किसी सर्विस एग्रीगेटर में नामांकित कर सकते हैं या अपना स्वयं का ब्यूटी पार्लर खोल सकते हैं।

कार्य वातावरण— आपको शादी और त्यौहार के दौरान काम के समय को सुविधाजनक रखना चाहिए। सैलून से काम का समय अलग-अलग हो सकता हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक सौंदर्य चिकित्सक → ब्यूटीशियन → वरिष्ठ ब्यूटीशियन → मुख्य ब्यूटीशियन

अथवा

सहायक सौंदर्य चिकित्सक → ब्यूटीशियन → वरिष्ठ ब्यूटीशियन → अपना खुद का व्यवसाय खोलें

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
2. राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
4. स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ ब्यूटी एंड स्पा थेरेपी, बेंगलुरु, कर्नाटक

निजी संस्थान

1. वी.एल.सी.सी. संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
2. शहनाज हुसैन इंटरनेशनल ब्यूटी अकादमी, नई दिल्ली
3. लक्मे अकादमी (देश के विभिन्न जनपदों में)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सुनीता रानी को कौशल भारत मिशन और इसके अंतर्गत चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने ब्यूटी थेरेपिस्ट प्रशिक्षण के पहलुओं को समझा, जिसमें सौंदर्य क्षेत्र, इसमें उपलब्ध नौकरी के विकल्प और क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसरों के बारे में सीखा। अपने और अपने परिवार को आश्वस्त करने के बाद, उन्होंने तीन महीने के इस कोर्स में दाखिला लिया, जहाँ उन्होंने अपने कौशल और सौंदर्य ज्ञान को बेहतर बनाया। इसके साथ ही, उन्होंने बुनियादी अंग्रेजी बोलने, कंप्यूटर चलाने और आत्मविश्वास से अपने विचार प्रस्तुत करने की कला भी सीखी। पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद, उन्होंने "हर्बल ब्यूटी जोन" के नाम से अपना खुद का ब्यूटी पार्लर आरंभ किया और अब 30,000 रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। सुनीता अपने नए जीवन को आत्मविश्वास और खुशी से जी रही हैं और कौशल भारत मिशन की आभारी हैं, जिसने उन्हें यह सफलता प्राप्त करने में सहायता की।

स्रोत— https://graminskill.com/Overview_Student.aspx?cid=4030&&id=5037

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सहायक बढ़ई (लकड़ी का फर्नीचर)

फर्नीचर बनाने के लिए बढ़ईगीरी एक कुशल व्यापार है, जिसमें किया जाने वाला प्राथमिक कार्य अंतिम उत्पाद बनाने के लिए विभिन्न घटकों को काटना, आकार देना और एक साथ स्थापित करना है। सहायक बढ़ई में फर्नीचर के विभिन्न भागों को बनाने और फर्नीचर के विभिन्न भागों को जोड़ने में बढ़ई की सहायता करते है। एक सहायक बढ़ई को पूरी प्रक्रिया में उपयोग किए जाने वाले औजारों को बनाए रखने का भी काम सौंपा जाता है।



व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हो।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन्स फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ)* स्तर 3 सहायक बढ़ई (लकड़ी के फर्नीचर) प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

सहायक बढ़ई (लकड़ी के फर्नीचर) की आय ₹ **12,000–23,570*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://in.indeed.com/q-furniture-carpenter-jobs.html?vjk=f0e0d5aa412baf29

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— फर्नीचर एजेंसियाँ, लकड़ी की एजेंसियाँ, फर्नीचर शोरूम, फर्नीचर बनाने वाली फैक्ट्रियाँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

हेल्पर → सहायक बढ़ई-लकड़ी का फर्नीचर →बढ़ई-लकड़ी का फर्नीचर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न विभागों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. गवर्नमेंट इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मुंबई, महाराष्ट्र
2. गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
3. गवर्नमेंट टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद, गुजरात
5. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हैंड टूल्स, जालंधर, पंजाब



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

प्रीति ने बचपन से ही अपने पिता को करीब से देखा और उनसे बढ़ईगीरी की कला सीखी। इस काम में उसकी गहरी रुचि थी और उसने अपने पिता के अनुभवों से बहुत कुछ सीखा। 20 साल की उम्र में, प्रीति ने अपनी पहली अलमारी बनाई और उसे बेचने में भी सफल रही। वर्ष 2014 में, उसने अपनी पहली कार्यशाला आरंभ की, जहाँ वह एकमात्र महिला सहायक बढ़ई के रूप में काम कर रही थी। स्किल इंडिया मिशन के तहत व्यवसाय विकास का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, अब वह एक दिन एक बड़ा शोरूम खोलने का सपना देखती है। आज, वह अपने सीखे हुए कौशल को पूरी तरह से लागू कर रही है, जिससे उसका व्यवसाय तेजी से प्रगति कर रहा है। प्रीति अपने कार्यस्थल पर लैंगिक भेदभाव की समस्या से चिंतित रहती है और मानती है कि हर व्यक्ति किसी भी काम को करने में सक्षम होता है। वह किसी भी काम को छोटा या बड़ा नहीं मानती। उसके अनुसार, सफलता पाने के लिए, व्यक्ति को बस अपने सपनों का पीछा करना चाहिए और कड़ी मेहनत के साथ अपने लक्ष्य पर डटे रहना चाहिए।

स्रोत— https://yourstory.com/socialstory/2022/04/woman-successful-entrepreneur-village-monday-motivation

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

असिस्टेंट फाल्स सीलिंग और ड्राईवॉल इंस्टॉलर

असिस्टेंट फाल्स सीलिंग और ड्राईवॉल इंस्टॉलर, घर में फाल्स सीलिंग या ड्राईवॉल की स्थापना से पहले की तैयारी का उत्तरदायित्व संभालता है। उनका काम ड्राईवॉल बोर्ड का मापन, चिह्नाकन, कटाई और इसे सही जगह पर स्थापित करना होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हो।
- आप समूह में काम करने में सहज हों।
- आप अपने काम में व्यवस्थित हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन्स फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ)* स्तर 3 असिस्टेंट फाल्स सीलिंग और ड्राईवॉल इंस्टॉलर कोर्स के लिए नामांकन कर सकते हैं

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

असिस्टेंट फाल्स सीलिंग और ड्राईवॉल इंस्टॉलर की आय ₹ **15,000–18,000*** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/41gCHpy

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आवासीय परिसर, हाउसिंग सोसायटी, स्कूल, कॉलेज भवन, निर्माण एजेंसियाँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक → सहायक फाल्स सीलिंग और ड्राईवॉल इंस्टॉलर → चार्जहैंड फाल्स सीलिंग और ड्राईवॉल इंस्टॉलर → वरिष्ठ इंस्टॉलर → पर्यवेक्षक → साइट मैनेजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
2. लघु कौशल विकास लिमिटेड, ठाणे, महाराष्ट्र
3. सेंट गोबेन जिप्रोक प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अला सिंह, वर्ष 1883–1884 में मेयो स्कूल ऑफ आर्ट्स (नेशनल कॉलेज ऑफ आर्ट्स, लाहौर) गए, जहाँ उन्होंने सिख वास्तुकला विचारधारा के दिग्गज भाई राम सिंह और सर गंगा राम से प्लास्टर ऑफ पेरिस और बढ़ईगीरी की कला में महारत हासिल की। वर्ष 1890 में, उन्होंने अपने गुरुओं और अन्य वास्तुकारों के साथ काम करना आरंभ किया। अला सिंह ने देहरादून में इंपीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, भारतीय सैन्य अकादमी, लालगढ़ पैलेस, लक्ष्मी निवास पैलेस, गजनेर पैलेस और बिजॉय भवन (पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय) में छत के प्लास्टर और लकड़ी के कार्य के डिजाइन में सहायता की। एक सदी बाद, उनके पोते स्वर्णजीत सिंह को अमृतसर के चारदीवारी वाले शहर में मन्ना सिंह चौक के पास उनके पुराने घर से उनकी प्रतिभा के कुछ प्रमाण मिले।*

स्रोत— https://indianexpress.com/article/cities/chandigarh/s-ala-singh-unknown-craftsman-mayo-8209607/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

असिस्टेंट फिटर (लेवलिंग, अलाइनमेंट और बैलेंसिंग)

असिस्टेंट फिटर (लेवलिंग, अलाइनमेंट और बैलेंसिंग) का काम मुख्य रूप से आयरन और स्टील उद्योग में होता है। उनके काम में मशीनों को उठाना, औजारों और उपकरणों का निरीक्षण जैसी गतिविधियाँ सम्मिलित हैं। वे उपकरणों के लेवलिंग, अलाइनमेंट और बैलेंसिंग को बनाए रखने में भी सम्मिलित होते हैं। वे मशीनों की सफाई और निरीक्षण जैसे काम के बाद के ऑपरेशन भी करते हैं। इस काम में समय-सीमा और सुरक्षा प्रथाओं को बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।



व्यक्तिगत गुण

- आपको समूह में काम करना पसंद हो।
- आपको वस्तुओं को संयोजित करने में रुचि रखते हों।
- आपको पालन करने के लिए स्पष्ट निर्देश पसंद हो।
- आप सभी प्रकार की यांत्रिक वस्तुओं की मरम्मत करने में रुचि रखते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन्स फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ)* स्तर 3 असिस्टेंट फाल्स सीलिंग और ड्राईवॉल इंस्टॉलर कोर्स के लिए नामांकन कर सकते हैं

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

असिस्टेंट फिटर (लेवलिंग, अलाइनमेंट और बैलेंसिंग) की आय ₹ **19,000–20,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3iy41Op

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ऑटो उद्योग, बिजली और विनिर्माण उद्योग।

उद्यमिता— अनुभव प्राप्त करने के बाद आप अपनी खुद की कंपनी खोल सकते हैं, जहाँ आप सफाई, रख-रखाव, सर्विसिंग जैसे प्रोजेक्ट आधारित काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— जहाँ मशीनें स्थित हैं, वहाँ काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। सामान्य कार्य घंटे 8–9 घंटे और सामान्यतः सप्ताह में 5–6 दिन होंगे।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

असिस्टेंट मेंटेनेंस फिटर → मेंटेनेंस फिटर → सुपरवाइजर मेंटेनेंस फिटर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
3. एप्टेक एविएशन एंड हॉस्पिटेलिटी अकेडमी, भोपाल, मध्य प्रदेश
4. कैरियर एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन लिमिटेड, (देश के विभिन्न जनपदों में)
5. ब्लू स्टार लिमिटेड, (देश के विभिन्न जनपदों में)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

विजयनगरम के एक घरेलू कामगार के बेटे **किलापर्थी निरंजन** ने विजयनगरम से आई.टी.आई. किया, लेकिन उन्हें उपयुक्त नौकरी नहीं मिल पाई। इसी दौरान, उन्हें अपने एक मित्र से एस.डी.आई.-विशाखापत्तनम के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने वहाँ फिटर फैब्रिकेशन कोर्स में दाखिला ले लिया। एस.डी.आई.-विशाखापत्तनम से ट्रेनिंग पूरी करने के तीन महीने के भीतर ही उन्हें विदेश में नौकरी मिल गई। अब वे एडयार्ड, अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात (तेल और गैस क्षेत्र में एक प्रमुख इंजीनियरिंग सेवा प्रदाता कंपनी) के साथ काम कर रहे हैं, जहाँ उनका मासिक वेतन 1700 यू.ए.ई. दिरहम है।

स्रोत— https://www.hsscindia.in/wp-content/uploads /2018/12/Succes-Story-of-Trainees-from-SDIs.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट

असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट बालों को शैम्पू और कंडीशन करने, बालों को ब्लो ड्राई करने और मूलभूत बाल कटाने जैसी सेवाएँ प्रदान करने के साथ-साथ हेयर स्टाइलिस्ट को उन्नत हेयर सेवाओं में सहायता करते हैं। वह सैलून के माहौल को बनाए रखने और अन्य कई कार्यों में भी सहयोग करता है, जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सैलून के उत्पादों की बिक्री भी सम्मिलित है।



व्यक्तिगत गुण

- आपके पास अच्छा संचार कौशल हो।
- आप शारीरिक रूप से सक्रिय हों।
- आपके पास हाथ और आँख का अच्छा समन्वय हो।
- आपके पास किसी भी काम को करने का एक व्यवस्थित तरीके का ज्ञान हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद आप असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट के लिए नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 पाठ्यक्रम में के लिए नामांकन कर ले सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट की आय ₹ **16,500–26,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://in.indeed.com/cmp/Looks-Sa-lon/salaries/Salon-Assistant

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— सैलून, ब्यूटी पार्लर, हेयर सैलून, स्पा।

उद्यमिता— आप घर पर आधारित सेवा प्रदान कर सकते हैं, किसी भी सेवा एग्रीगेटर से जुड़ सकते हैं या अपना खुद का हेयर सैलून का व्यवसाय खोल सकते हैं।

कार्य वातावरण— आपको सप्ताह में 6 दिन 8–9 घंटे काम करना होगा। भीड़ के दौरान अतिरिक्त कार्य की उम्मीद की जा सकती है। घर आधारित सेवा में स्थानीय यात्रा काम का हिस्सा होगी।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

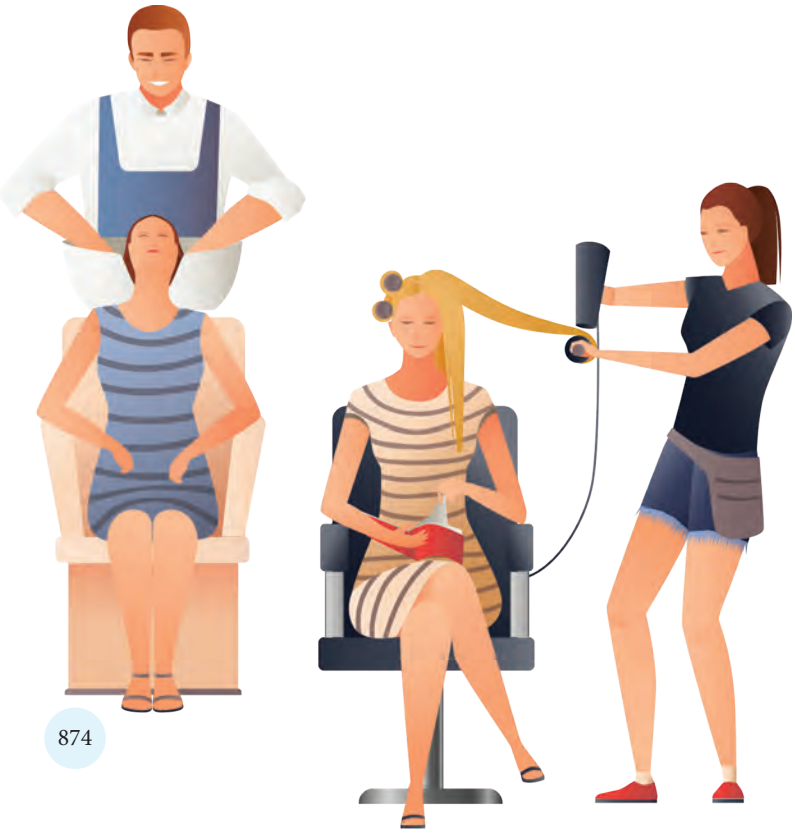
प्रशिक्षु → असिस्टेंट हेयर स्टाइलिस्ट → वरिष्ठ हेयर स्टाइलिस्ट → हेयर स्टाइलिस्ट, विशेषज्ञ

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न विभागों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. लोरियल प्रोफेशनल एकेडमी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. विद्या इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टीचिंग, नई दिल्ली
3. पर्ल एकेडमी, नई दिल्ली
4. कोलकाता ब्यूटी स्कूल, कोलकाता, पश्चिम बंगाल



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.) एक राजकीय पहल है, जो विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित की गई है। इस योजना के तहत, मोजैक वर्क स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड ने बाँदीपुरा में एक पी.एम.के.के. केंद्र खोला, जहाँ वे स्कूल छोड़ चुके युवाओं को नए कौशल सीखने में सहायता कर रहे हैं। समीर नामक एक प्रतिभागी ने इस केंद्र से जानकारी प्राप्त की कि वह हेयरस्टाइलिस्ट के रूप में प्रशिक्षण ले सकता है। इस प्रशिक्षण से उसके व्यक्तित्व में बदलाव आया है, क्योंकि उसने सत्रों के दौरान इंटरपर्सनल और ब्यूटी स्किल्स के बारे में काफी ज्ञान प्राप्त किया। उसने बाल कटवाने, रंगने, ब्लो ड्राई और फिंगर ड्राई तकनीकों सहित विभिन्न हेयर स्टाइलिंग तकनीकें सीखीं और विभिन्न बालों की लंबाई पर काम करने का अनुभव भी प्राप्त किया। आज समीर प्रतिमाह 15,000 रुपये कमाता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से उसके परिवार की स्थिति में सुधार हुआ है और अब वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र है, साथ ही एक सुरक्षित भविष्य की आशा भी रखता है। *(समीर अहमद नजर, बांदीपुरा, जम्मू और कश्मीर)*

स्रोत— https://www.pmkvyofficial.org/successdetail/60471dc6e774000096006eef

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सहायक सर्वेक्षक

सहायक सर्वेक्षक विभिन्न सर्वेक्षण गतिविधियों में सर्वेक्षक को सहायता प्रदान करने के लिए उत्तरदायी होते हैं, जैसे कि भूमि की विशेषताओं को मापना, ऑन-साइट सर्वेक्षणों से डेटा की पुष्टि करना, मानचित्र और रिपोर्ट तैयार करना, साथ ही ग्राहकों को परिणाम प्रस्तुत करना। सहायक सर्वेक्षक अपने व्यापार के लिए उपकरणों और यंत्रों को संभालना सीखते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हो।
- आप समूह में काम करने में कुशल हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन्स फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ)* स्तर 2 सर्वेक्षक पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

सहायक सर्वेक्षक की आय ₹ **10,000–39,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— payscale.com/research/IN/Job=Land_Surveyor_Assistant/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— निर्माण एजेंसियाँ।

कार्य वतारण— आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक सर्वेक्षक → प्रमुख सर्वेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय कौशल विकास प्रशिक्षण संस्थान, इंदौर, मध्य प्रदेश
2. लार्सन एंड टुब्रो इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोजेक्ट मैनेजमेंट
3. जियो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजीज, हैदराबाद, तेलंगाना
4. जियो इंफॉर्मेटिक्स सर्विसेज टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, तेलंगाना



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

स्वदेश मन्ना, बिरलापुर जूट मिल में संविदा पर दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते थे और निम्न मध्यम वर्गीय परिवार से थे। वर्ष 2006–2008 में उन्होंने "सर्वेक्षक" के कोर्स में प्रवेश लिया। कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, अब वे एल एंड टी कंस्ट्रक्शन में सर्वेक्षक के पद पर कार्यरत हैं, जहाँ उन्हें रुपये 39,000 प्रतिमाह का वेतन मिलता है।*

स्रोत— https://ititollygunge.in/images/Sucess_Stories.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

ऑटो सर्विस तकनीशियन

ऑटो सर्विस तकनीशियन मोटर वाहन के किसी भी हिस्से की सर्विस, रख-रखाव और यांत्रिक मरम्मत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वाहन के रख-रखाव और मरम्मत के अलावा वे अपने पर्यवेक्षकों के निर्देशानुसार कार्यशाला की आपूर्ति और उपकरण क्रय के लिए उत्तरदायी होते हैं। वे वाहनों के लिए उपकरणों और स्पेयर पार्ट्स की एक सूची भी बनाकर रखते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको तकनीकी समस्याओं को हल करना पसंद हो।
- आप समूह में काम करने में कुशल हों।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप अपने काम में सक्षम हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद, ऑटो सर्विस तकनीशियन के नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

ऑटो सर्विस तकनीशियन की आय ₹ **8,000–10,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3J5VwFo

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ऑटोमोटिव सर्विस सेंटर, डीलरशिप और विनिर्माण संयंत्र।

कार्य वातावरण— सामान्यतः आपको सप्ताह में 6 दिन, प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करना पड़ता है। व्यस्त मौसम में पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है और अतिरिक्त समय में कार्य करना सम्मिलित हो सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

ऑटो सर्विस तकनीशियन → ऑटो सर्विस तकनीशियन (मैकेनिक) → ऑटो सर्विस तकनीशियन (मास्टर मैकेनिक) → ऑटो सर्विस तकनीशियन (पर्यवेक्षक)

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
2. केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान, पुणे महाराष्ट्र
3. ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
4. ऑटोमेक संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

हरजिंदर सिंह, अपने परिवार का सबसे बड़ा बेटा है, जिसमें एक बहन और दो भाई हैं। कक्षा 12 की परीक्षा पास करने के बाद वह नौकरी की तलाश में था। इसी दौरान उसे मिटकॉन के बारे में जानकारी मिली, जो ऑटोमोटिव क्षेत्र में प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करता है। मिटकॉन के फील्ड स्टाफ ने उसे दोपहिया वाहन मरम्मत में कौशल विकास कार्यक्रम के बारे में बताया, जो एम.एस.एम.ई. मंत्रालय द्वारा संचालित एक निःशुल्क कोर्स था। हरजिंदर ने इस प्रशिक्षण को पूरा किया और अंत में एम.एस.एम.ई. मंत्रालय से एक प्रमाणपत्र प्राप्त किया। इसके बाद उसने बजाज सर्विस स्टेशन पर वरिष्ठ सेवा प्रबंधक के अधीन काम करना आरंभ किया। अपनी प्रशिक्षुता पूरी करने के बाद वह बजाज सर्विस स्टेशन में सेवा सलाहकार के रूप में सम्मिलित हुआ और अब 8,000 रुपये का वेतन कमा रहा है, जिससे वह अपने परिवार को आर्थिक सहायता दे पा रहा है।

स्रोत— https://www.nimsme.org/ranzo/uploads/articles/Success%20stories_872.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

ऑटो/ई-रिक्शा चालक एवं तकनीशियन

आपको ऑटो/ई-रिक्शा चालक और तकनीशियन के रूप में विभिन्न प्रकार के तीन पहिया वाहनों, जैसे कि इलेक्ट्रिक ऑटो, लोडिंग ऑटो और यात्री ऑटो चलाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके साथ ही, वे इन वाहनों के लिए मरम्मत और रख-रखाव की विभिन्न तकनीकों के बारे में भी सीखते हैं और नियमित रूप से उनकी जाँच और मरम्मत करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको वाहन चलाना पसंद हो।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आपको लोगों से मिलना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–30,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण और न्यूनतम आयु 18 वर्ष होने के बाद आप ऑटो/ई-रिक्शा चालक और तकनीशियन के लिए नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन्स फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ)* स्तर 3 पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें

अपेक्षित आय

ऑटो/ई-रिक्शा चालक और तकनीशियन की आय ₹ **8,000–30,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.salaryexpert.com/salary/job/auto-driver/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्यस्थल— सामान्यतः आप स्व-नियोजित होंगे।

या आप एक कैब एग्रीगेटर कंपनी में सम्मिलित हो सकते हैं।

कार्य वातावरण— स्थानीय यात्रा इस नौकरी का एक हिस्सा है। आपके काम के घंटे में लचीलापन रहने की संभावना रहती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

ऑटो रिक्शा चालक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
2. केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
3. ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
4. ऑटोमेक संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अंकिता शाह, पोलियो से प्रभावित थीं, लेकिन उन्होंने कभी भी चुनौतियों को अपने जीवन में बाधा नहीं बनने दिया। उन्होंने स्नातक के बाद अपने परिवार की सहायता के लिए कई प्रकार की नौकरियाँ कीं। हालाँकि स्थायी नौकरी पाना आसान नहीं था, अंत में उन्होंने ऑटो चलाने का निर्णय लिया। अपनी सहेली की सहायता से उन्होंने अपने ऑटो-रिक्शा को हाथ से चलने वाले ब्रेक के साथ अनुकूलित कराया, जिससे उन्हें तेजी से चलाने में सहायता मिली। इस स्मार्ट निर्णय के परिणामस्वरूप उनकी आय दोगुनी हो गई। "मेरे रिक्शा की बदौलत, मैं अपनी पिछली नौकरियों से दोगुना कमाती हूँ। अपनी आय को और बढ़ाने के लिए, मैंने एक कैब एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म में भी काम करना आरंभ किया है।" अंकिता का ऑटो-रिक्शा चलाने का निर्णय उनके लिए बहुत लाभदायक साबित हुआ है। वह हर महीने रुपये 25,000 कमाती हैं। अपने व्यवसाय को आरंभ करने का मतलब था कि वह अपनी समय-सारणी खुद निर्धारित कर सकती थीं, जिससे वह काम के साथ-साथ अपने परिवार की देखभाल भी कर पा रही हैं।

स्रोत— https://www.glowandlovelycareers.in/en/blog/ankita-shah-economics-graduate-and-ahmedabads-first-physically-challenged-girl-auto-driver

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

ऑटोमोटिव इलेक्ट्रीशियन

ऑटोमोटिव इलेक्ट्रीशियन को वाहनों के इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम की सेवा और मरम्मत का मूल्याँकन करना आवश्यक होता है। वे वाहनों के पूरे ढाँचे में विभिन्न इलेक्ट्रिकल सब-सिस्टम का विश्लेषण करते हैं। ऑटोमोटिव इलेक्ट्रीशियन को इन सभी भागों की मरम्मत और देखभाल के लिए विशेष प्रशिक्षण प्राप्त होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप तकनीकी रूप से सक्षम हों।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप समूह में काम करने में कुशल हों।
- आपके हाथों और आँखों का समन्वय अच्छा हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 उत्तीर्ण के बाद आप ऑटोमोटिव इलेक्ट्रीशियन के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं। इसके लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।

अथवा

आपके पास 1–2 साल के अनुभव के साथ (एन.एस.क्यू.एफ.)* (फोर व्हीलर सर्विस असिस्टेंट) का मौजूदा प्रमाणपत्र है, तो आप ऑटोमोटिव इलेक्ट्रीशियन स्तर 4 पाठ्यक्रम का विकल्प चुन सकते हैं। ड्राइविंग लाइसेंस और बेसिक कंप्यूटर ज्ञान की आवश्यकता है।

अथवा

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से ऑटोमोटिव इलेक्ट्रिकल पाठ्यक्रम में डिप्लोमा। आई.टी.आई. इलेक्ट्रीशियन कोर्स के बाद आप 2 साल के लिए इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (सीधे दूसरे वर्ष) कर सकते हैं। और डिप्लोमा पूरा होने के बाद आप बी.टेक./बी.ई. (दूसरे वर्ष) कर सकते हैं और इसे 3 साल में पूरा कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

ऑटोमोटिव इलेक्ट्रीशियन की आय ₹ **12,000–16,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3ZJFyGG

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ऑटोमोबाइल सर्विस सेंटर, डीलरशिप और विनिर्माण संयंत्र।

कार्य वातावरण— सामान्यतः आपको सप्ताह में 6 दिन प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करना पड़ता है। व्यस्त समय के दौरान अतिरिक्त कार्य घंटे भी सम्मिलित हो सकते हैं तथा पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

ऑटोमोटिव इलेक्ट्रीशियन → ऑटोमोटिव वरिष्ठ इलेक्ट्रीशियन

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
2. केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
3. ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
4. ऑटोमेटिव इलेक्ट्रॉनिक्स संस्थान, नई दिल्ली



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

35 वर्षीय **प्रतिभा कुंभार**, जो दो बच्चों की माँ हैं। पहले वह अपने पति की सिलाई की दुकान में काम करती थीं, लेकिन बाद में उन्हें सोल्डरिंग में प्रशिक्षण और तेजी से बढ़ती इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी में नौकरी के अवसरों के बारे में पता चला।

प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, वह पुणे की एक फैक्ट्री में ई.वी. स्पीडोमीटर के लिए सर्किट असेंबल करने लगीं। यह उनके लिए एक औपचारिक कर्मचारी के रूप में पहली नौकरी थी, जिसमें उन्हें निश्चित वेतन प्राप्त होता है।

काइनेटिक समूह की सहायक कंपनी काइनेटिक कम्युनिकेशंस ई.वी.घटकों की निर्माता कंपनी के एक फ्लोर पर गुलाबी दस्ताने पहनकर सर्किट असेंबल करने वाली कुंभार कहती हैं कि "अब मैं निश्चित घंटों तक ही काम करती हूँ और अब मैं आर्थिक रूप से स्वतंत्र हूँ।"

स्रोत— https://www.deccanherald.com/business/business-news/braking-stereotypes-the-women-taking-over-indias-electric-vehicle-drive-1110032.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

बाँस की चटाई बुनकर

चटाई बुनने वाले को बाँस के विभिन्न पैटर्न और डिजाइन के अनुसार अनुभवी और रंगीन बाँस की पट्टियों से चटाई बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें बुनाई की पूर्व प्रक्रियाओं में भी प्रशिक्षित किया जाता है, जैसे पहले से कटे हुए बाँस के डंडों को पानी में भिगोकर नरम और ब्लीच करना। इसके बाद, वे सीखते हैं कि नरम बाँस की पट्टियों को कैसे निकालना है और उन्हें काटकर तथा स्प्लिट्स को हटाकर मनचाहे आकार और मोटाई में विभाजित करना है। वे पट्टियों को वांछित पैटर्न के अनुसार रंगने और उन्हें चटाई में बुनने का भी अभ्यास करते हैं। इसके अलावा, वे किनारों को खत्म करने के लिए ढीले सिरों को काटने, छिपाने या एक साथ बुनने की तकनीकें भी सीखते हैं। अंत में, उन्हें करघे का उपयोग करके एक तैयार चटाई बनाना होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप में लंबे समय तक बैठकर काम करने की क्षमता हो।
- आपके हाथों और आँखों का समन्वय अच्छा हो।
- आपको कलात्मक चीजें बनाना पसंद हो।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद, नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन्स फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ) स्तर 3 बाँस चटाई बुनकर पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं, इसके लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

बाँस की चटाई बुनकर की आय ₹ **10,000–12,000*** प्रतिमाह हो सकती है। अनुभव के बाद बाँस की चटाई बुनकर की आय ₹ **13,000–15,500*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3jvZtIU

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— बाँस शिल्प निर्माण एजेंसी, बाँस शिल्प बेचने वाली दुकानें, बाँस कौशल मिशन से जुड़े स्वयं सहायता समूह और गैर राजकीय संगठन।

कार्य वातावरण— सामान्यतः सप्ताह में 6 दिन और प्रतिदिन 8–10 घंटे काम करना होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

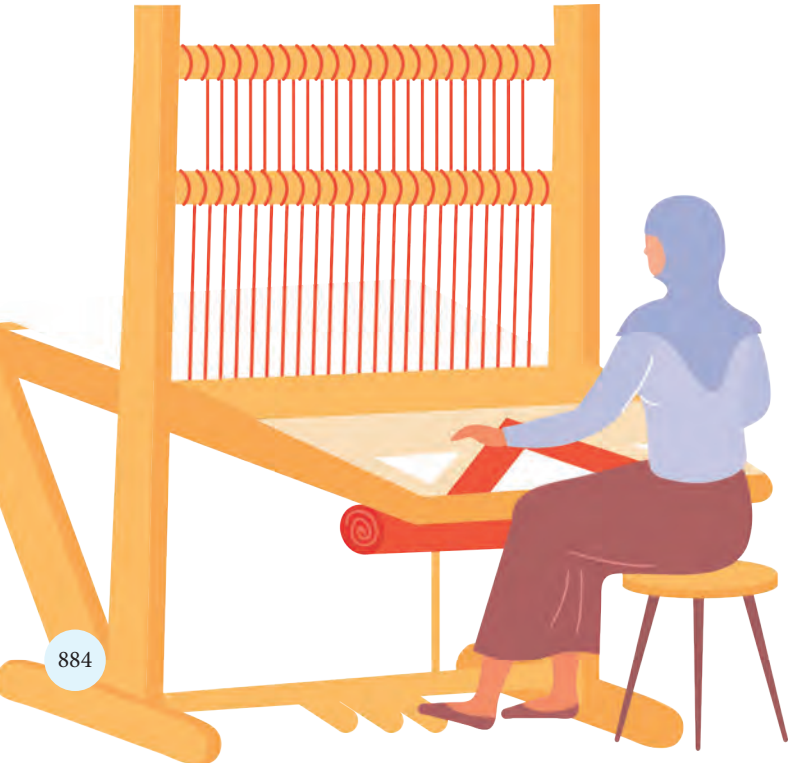
सहायक→ चटाई बुनकर, बाँस → प्रक्रिया पर्यवेक्षक → प्रक्रिया प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. केंद्रीय बाँस एवं रतन संस्थान, गुवाहाटी असम
2. वानिकी अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड
3. भारतीय वानिकी अनुसंधान परिषद संस्थान, उत्तराखंड
4. भारतीय शिल्प परिषद, चेन्नई, तमिलनाडु
5. बाँस शंकु विकास केंद्र, गुवाहाटी, असम



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

आकांक्षा बत्रा, ग्रीन कलेक्टिव (टी.जी.सी) की संस्थापक हैं, जो बेंत, बाँस, रतन, जलकुंभी और स्थानीय घास जैसी टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल सामग्रियों से बने उत्पाद पेश करती हैं। उनके प्रयासों का लक्ष्य घर की सजावट और फर्नीचर में बदलाव लाना है, जिसके लिए वे सदियों पुरानी तकनीकों का उपयोग करते हुए आधुनिक और समकालीन डिजाइन तैयार करती हैं। टी.जी.सी. का मुख्य उद्देश्य भारतीय कारीगरों की विरासत को सम्मानित करना और समकालीन घर की सजावट तथा फर्नीचर के लिए टिकाऊ प्राकृतिक सामग्रियों से हाथ से तैयार की गई वस्तुएँ प्रदान करना है।

स्रोत— www.dhriti.com

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

बाँस उपयोगी उत्पाद टेलर

बाँस उपयोगी उत्पाद टेलर को सिलाई मशीन द्वारा विभिन्न घटकों की सिलाई के लिए (बाँस आधारित सामग्री सहित) सिलाई मशीन चलाने का प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि बाँसों से विशिष्ट डिजाइन और प्रकार के उपयोगी उत्पाद तैयार किए जा सकें। प्रशिक्षण में सिलाई मशीन, धागे के प्रकार, सुई के प्रकार, साथ ही सिलाई मशीनों की बुनियादी मरम्मत के बारे में भी जानकारी सम्मिलित है।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपके हाथ और आँख का समन्वय अच्छा हों।
- आपको कलात्मक चीजें बनाना पसंद हों।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद, बाँस उपयोगी उत्पाद टेलर के नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.) स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

बाँस उपयोगी उत्पाद टेलर की आय ₹ **8,000–20,200*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3jwRCLc

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— बाँस शिल्प निर्माण एजेंसी, बाँस शिल्प बेचने वाली दुकानें, बाँस मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह।

कार्य वातावरण— सप्ताह में 5–6 दिन काम के घंटे 8–9 घंटे प्रतिदिन हैं। अतिरिक्त समय में भी कार्य करने की आवश्यकता हो सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक → बाँस उपयोगिता उत्पाद दर्जी → प्रक्रिया पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. केंद्रीय बाँस एवं रतन संस्थान, गुवाहाटी, असम
2. वानिकी अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड
3. भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून, उत्तराखंड
4. भारतीय शिल्प परिषद, चेन्नई, तमिलनाडु
5. बाँस शंकु विकास केंद्र, गुवाहाटी, असम

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

केरल के कोट्टायम के छोटे शहर से आने वाली **जेसी जयराज** ने कभी उद्यमिता के बड़े सपने नहीं देखे थे, लेकिन उन्होंने प्राकृतिक उत्पादों को बढ़ावा देकर प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता फैलाने का मिशन आरंभ किया। एक छोटे से कमरे से आरंभ करके और एक दर्जी की सहायता से, उन्होंने टोंडियारपेट में एक सफल व्यवसाय स्थापित किया, जहाँ बैग, फाइलें और स्टेशनरी उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

जेसी कहती हैं, "सिंथेटिक उत्पादों के विकल्प के रूप में, मैं कपास, बाँस के रेशे और जूट से बने उत्पादों के ऑर्डर लेती हूँ।" उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में कर्मचारियों वाली कॉर्पोरेट कंपनियाँ गैर-बायोडिग्रेडेबल उत्पादों के विरुद्ध जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और ऐसे बहुत से उत्पाद हैं, जिन्हें प्राकृतिक रेशों से बनाया जा सकता है। उनकी इकाई में अब लगभग 40 दर्जी काम कर रहे हैं, जो सप्ताह में छह दिन उनके साथ काम करते हैं। जेसी ने अपनी भूमिका के बारे में बताया, "मैं ग्राहकों से मिलने, ऑर्डर लेने, डिजाइन पर काम करने, बिक्री करने और डिलीवरी तक सब कुछ करती हूँ।" उन्होंने कहा, "मेरे लिए लोगों के बीच प्राकृतिक रेशों के उत्पादों को लोकप्रिय बनाना, जागरूकता फैलाने का सबसे महत्वपूर्ण काम है। यहाँ तक पहुँचने में मुझे काफी मेहनत करनी पड़ी है और आज जो कुछ भी हूँ, वो कड़ी मेहनत का परिणाम है।"

जेसी ने व्यक्तिगत और व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करते हुए बहुत कम निवेश के साथ अपना उद्यम स्थापित किया। अब वे निर्यात ऑर्डर पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

स्रोत— https://www.deccanchronicle.com/nation/in-other-news/120317/chennai-weaving-her-way-to-success.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

केक आर्टिस्ट

केक आर्टिस्ट एक प्रकार से बेकर होते हैं, जो सभी अवसरों के लिए केक बनाने और सजाने में माहिर होते हैं। उन्हें केक को सजाने के लिए आइसिंग, फूल, चीनी की मूर्तियाँ और चित्रों जैसे सजावटी तत्वों का उपयोग करने के लिए औपचारिक रूप से प्रशिक्षित किया जाता है।



व्यक्तिगत गुण

- आप एक रचनात्मक व्यक्ति हों।
- आपको खाना बनाना पसंद हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आपको खाद्य विज्ञान का ज्ञान हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- छात्रवृत्ति के विवरण के लिए www.buddy4study.com पर जाएँ। यह कक्षा 11वीं से आरंभ होने वाली छात्रवृत्तियों को प्राप्त करने का एक माध्यम है।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **2,000–3,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. बेकरी और कन्फेक्शनरी/पाक कला/होटल प्रबंधन/खान-पान प्रौद्योगिकी और पाक कला या संबंधित विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

पेट्रीसरी और बेकरी क्राफ्ट/बेकरी और कन्फेक्शनरी या किसी संबंधित विषय में डिप्लोमा करें।

अथवा

उसी विषय या संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री के बाद स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

केक कला, कन्फेक्शनरी और बेकिंग के क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

केक आर्टिस्ट की आय ₹ **20,000–80,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Cake_Decorator/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— बेकरी, पेस्ट्री की दुकानें, महंगे होटल और रेस्टोरेंट आदि।

उद्यमिता— आप घर से ही अपना स्वयं का व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं या अपनी स्वयं की दुकान खोल सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप रसोई में काम करेंगे। पदोन्नति मिलने के बाद आप प्रशिक्षुओं, जूनियर शेफ और सहायकों की एक टीम का नेतृत्व करेंगे। अगर आप बेकरी या होटल में काम करते हैं, तो आपको सप्ताह में 6 दिन, 9 से 10 घंटे काम करना पड़ सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। आपको व्यस्ततम अवधि के दौरान छुट्टियों या सप्ताहांत पर काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

केक आर्टिस्ट → पेस्ट्री शेफ → कार्यकारी शेफ

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कलिनरी, नई दिल्ली
2. इंस्टीट्यूट ऑफ बेकिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. कंसल्ट बेकिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. इंस्टीट्यूट ऑफ बेकरी पेस्ट्री आर्ट्स, नई दिल्ली
5. के फॉर केक्स, पुणे, महाराष्ट्र
6. ट्रफल नेशन, नई दिल्ली
7. एसोकॉम इंस्टीट्यूट ऑफ बेकरी टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, नोएडा, उत्तर प्रदेश
8. पोल्का डॉट्स, मुंबई, महाराष्ट्र
9. एकेडमी ऑफ पेस्ट्री एंड कलिनरी आर्ट्स, गुरुग्राम, हरियाणा
10. निराली कुकरी एंड बेकरी इंस्टीट्यूट, नागपुर, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

प्राची धबल देब, पुणे की एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार विजेता केक कलाकार हैं। उन्हें वर्ष 2019 में बर्मिंघम में केक मास्टर्स रॉयल आइसिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। रॉयल आइसिंग कला की विशेषज्ञ, वे भारत में इस क्षेत्र के शीर्ष कलाकारों में से एक मानी जाती हैं। हाल ही में, उन्होंने मिलान कैथेड्रल की 100 किलो की प्रतिकृति बनाकर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने अपने करियर का आरंभ एक बहुराष्ट्रीय फर्म में वित्तीय विश्लेषक के रूप में किया, लेकिन जल्द ही उन्हें अपने असली जुनून का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने बेकिंग में डिप्लोमा किया और तब से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

**स्रोत— *https://www.globalindian.com/story/cake-artist/debut-of-a-vegan-icing-cake-artiste-prachi-learnt-from-mbe-eddie-spence/*

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

शिविर सहायक

शिविर स्थलों पर शिविर सहायक होते हैं। वे शिविर स्थल की स्थापना और विघटन जैसी सभी प्रकार की व्यवस्था सुनिश्चित करते हैं। उन्हें पर्यटकों की आवश्यकताओं को पूरा करना होता है, शिविर की स्वच्छता और स्वच्छता सुनिश्चित करना होता है। समय के साथ आप ट्रेकिंग, मार्गदर्शन और गंतव्यों पर पर्यटकों के प्रबंधन की मूल बातें सीख जाते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप संवाद करने में अच्छे हों।
- आप समूह में काम करने में कुशल हों।
- आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद, शिविर सहायक के नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ)* स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना आवश्यक है। किसी भी प्रमाणित पर्वतारोहण संस्थान से इसमें बेसिक कोर्स करना बेहतर होगा।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

शिविर सहायक की आय ₹ **27,200–86,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://shorturl.at/1Z9Nn

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— प्रकृति शिविर, साहसिक पर्यटन, होटल।

कार्य वातावरण— आपको शिविरों में कार्य करना होगा। कार्य के घंटे निर्धारित नहीं होते हैं। इस नौकरी में यात्रा करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

आप सहायक के रूप में शुरुआत कर सकते हैं और अनुभव के साथ आप इस क्षेत्र में अग्रणी बन सकते हैं।

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
2. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

निजी संस्थान

1. थॉमस कुक सेंट्रल ऑफ लर्निंग, मुंबई, महाराष्ट्र
2. कुओनी अकादमी, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

विनोद पांडे के पास कैंपिंग, ट्रेकिंग और व्हाइटवाटर ट्रिप्स का संचालन करने का कई वर्षों का अनुभव है। वे ऋषिकेश स्थित एक प्रमुख एडवेंचर टूर ऑपरेटिंग कंपनी कैंप गंगा वाटिका और जंगल एडवेंचर ग्रुप के संस्थापक हैं। उनका मुख्य उद्देश्य युवाओं को रिवर राफ्टिंग, ट्रेकिंग, कयाकिंग और अन्य एडवेंचर खेलों के लिए प्रशिक्षित करना है। इसी उद्देश्य से उन्होंने अपने गाँव में स्थानीय दोस्तों के साथ मिलकर जंगल एडवेंचर ग्रुप की स्थापना की और कई स्थानीय लोगों को प्रशिक्षित करके उन्हें सफल एडवेंचर गाइड बनने में सहायता की। उत्तराखंड सरकार से रिवर राफ्टिंग गाइड के लाइसेंस के साथ-साथ उन्होंने प्राथमिक चिकित्सा, सी.पी.आर. और आउटडोर गाइडिंग के कुछ प्रमाणन पाठ्यक्रम भी पूरे किए हैं।

स्रोत— https://campgangavatika.com/vinod-pandey.php

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सी.सी.टी.वी. इंस्टॉलेशन तकनीशियन

क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन (सी.सी.टी.वी.) एक ऐसा टेलीविजन सिस्टम है, जिसमें सिग्नल सार्वजनिक रूप से प्रसारित नहीं होते, बल्कि मुख्य रूप से निगरानी और सुरक्षा के लिए उपयोग किए जाते हैं। सी.सी.टी.वी. इंस्टॉलेशन तकनीशियन को ग्राहक की आवश्यकताओं को समझकर उनके अनुसार सिस्टम इंस्टॉल करना सिखाया जाता है। उन्हें हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को एकीकृत करने का ज्ञान दिया जाता है, जिसमें उपयुक्त कैमरे, डी.वी.आर. और आवश्यक प्रोग्रामों का चयन करना सम्मिलित होता है। इसके अलावा सिस्टम में उत्पन्न होने वाली किसी भी समस्या की पहचान कर उसे ठीक करना भी उनका दायित्व होता है।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता अच्छी हो।
- आपका संचार कौशल अच्छा हो।
- आप समूह में कार्य करने में कुशल हों।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद, सी.सी.टी.वी. इंस्टॉलेशन तकनीशियन के नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ)* स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी आवश्यक है।

अथवा

इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रॉनिक्स पर आई.टी.आई. कोर्स पूरा करने के बाद आप सी.सी.टी.वी. इंस्टॉलेशन तकनीशियन स्तर 4 के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सी.सी.टी.वी. इंस्टॉलेशन तकनीशियन की आय ₹ **10,000–12,500** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3XT3Uww

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सुरक्षा सेवा प्रदाता, सी.सी.टी.वी. स्थापना कंपनियाँ, संस्थान/कॉलेज/कंपनियाँ/होटल आदि नियमित आधार पर परिसर में सी.सी.टी.वी. की देखभाल के लिए कर्मियों को नियुक्त करते हैं।

उद्यमिता— अनुभव प्राप्त करने के बाद आप सी.सी.टी.वी. सिस्टम की स्थापना, सेवा, मरम्मत और रख-रखाव के लिए अपनी सेवा प्रदान करना आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— इस नौकरी के लिए यात्रा की आवश्यकता होती है। सामान्यतः कार्यदिवस 8–9 घंटे और सप्ताह में 6 दिन होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता हैऔर अतिरिक्त समय में भी काम करने की आवश्यकता हो सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सी.सी.टी.वी. इंस्टॉलेशन सहायक→ सी.सी.टी.वी. इंस्टॉलेशन तकनीशियन → सपोर्ट प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
2. औद्योगिक विकास संस्थान, नोएडा, उत्तर प्रदेश
3. कौशल विकास संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

गरीब नवाज एक सी.सी.टी.वी. इंस्टॉलेशन तकनीशियन हैं, जिन्होंने पी.एम.के.के. एम्पावर प्रगति, बिजनौर से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उनके पिता किसान हैं और परिवार में उनके अलावा उनकी माँ और भाई-बहन समेत 5 सदस्य हैं, जो पूरी तरह से उनके पिता की आय पर निर्भर थे। गरीब ने कक्षा 12 तक शिक्षा प्राप्त की है। प्रशिक्षण केंद्र से जुड़ने से पहले, वह घरेलू उपकरणों की मरम्मत के लिए अंशकालिक इलेक्ट्रीशियन के रूप में काम कर चुके थे, जिससे उन्हें इलेक्ट्रॉनिक्स के बारे में कुछ जानकारी पहले से थी। हालाँकि, वह अपने कौशल को औपचारिक रूप से प्रमाणित कराना चाहते थे और इस क्षेत्र में अधिक गहन ज्ञान प्राप्त करना चाहते थे, ताकि उनकी रोजगार की संभावनाएँ बेहतर हो सकें। इसके बाद, उन्होंने बिजनौर स्थित एम्पावर प्रगति कौशल प्रशिक्षण केंद्र का रुख किया और काउंसलिंग के दौरान सी.सी.टी.वी. इंस्टॉलेशन के क्षेत्र में अपनी रुचि व्यक्त की। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने सी.सी.टी.वी. इंस्टॉलेशन के तकनीकी पहलुओं का ज्ञान प्राप्त किया, जिससे उनका आत्मविश्वास और पारस्परिक कौशल में सुधार हुआ। उन्होंने व्यावहारिक कक्षाओं के दौरान प्रशिक्षकों द्वारा दिए गए डेमो को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। यह कोर्स कुल 400 घंटे का था। कोर्स पूरा करने के बाद, उन्हें महिमा एंटरप्राइजेज में पी.सी.बी. असेंबलर के पद पर नौकरी मिली। इस प्रशिक्षण और सर्टिफिकेशन ने उन्हें उनके पूर्व ज्ञान को और विकसित करने और उनके करियर को आकार देने का अवसर प्रदान किया। अब वह एक स्थायी नौकरी के साथ अपने परिवार की आर्थिक सहायता कर रहे हैं और 8,000 रुपये प्रतिमाह कमा रहे हैं।

स्रोत— https://www.nationalskillsnetwork.in/empower-pragati-2/4/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

शेफ

शेफ कुशल पेशेवर होते हैं, जो रेस्तरां या अन्य स्थानों की रसोई का संचालन करते हैं, जहाँ भोजन परोसा जाता है। वह भोजन तैयार करने की प्रक्रिया के हर पहलू में महारत रखते हैं और अधिकांशतः किसी खास व्यंजन या प्रकार पर विशेष ध्यान देते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपकी खाना बनाने में रुचि हो।
- आपको प्रयोग करना पसंद हो।
- आप बारीकियों पर ध्यान देते हो।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 1,00,000–5,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. पाक कला/होटल प्रबंधन (बी.एच.एम.)/खान-पान प्रौद्योगिकी और पाक कला (बी.सी.टी.सी.ए.) या संबंधित विषय में स्नातक करें।

अथवा

पाक कला/होटल प्रबंधन (बी.एच.एम.)/खान-पान प्रौद्योगिकी और पाक कला (बी.सी.टी.सी.ए.) या संबंधित विषय में स्नातक करें, इसके बाद होटल प्रबंधन में एम.बी.ए. करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

शेफ की आय **₹ 20,000–1,25,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://in.talent.com/salary?job=chef

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— रेस्तरां, खान-पान सेवाएँ, प्रीमियर होटल, रिसॉर्ट, स्कूल और अस्पताल आदि।

उद्यमिता— आप अपना स्वयं का व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप रसोइयों और रसोई सहायकों की एक टीम को संभालेंगे। आपको सप्ताह में 5 से 6 दिन 10 से 12 घंटे प्रतिदिन काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

रसोई सहायक → कमिस शेफ →लाइन कुक/पार्टी का शेफ → सूस शेफ → कार्यकारी शेफ

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम होटल प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. होटल मैनेजमेंट संस्थान, वारडेज, गोवा
2. होटल मैनेजमेंट संस्थान, नई दिल्ली
3. होटल मैनेजमेंट संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. होटल मैनेजमेंट संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. होटल मैनेजमेंट संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
6. होटल मैनेजमेंट संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल
7. होटल मैनेजमेंट संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
8. होटल मैनेजमेंट संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. होटल मैनेजमेंट संस्थान औरंगाबाद, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, मणिपाल, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. गुरुनानक इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
5. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

बैंकॉक के रेस्तरां 'गा' की प्रमुख शेफ **गरिमा अरोड़ा** ने मिशेलिन स्टार पाकर इतिहास रच दिया है, वे यह सम्मान प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। मुंबई में जन्मी गरिमा ने अपनी शिक्षा वर्ष 2010 में पेरिस के 'ले कॉर्डन ब्लू' से पूरी की, जहाँ उन्होंने कुकिंग और पेस्ट्री में ग्रैंड डिप्लोमा प्राप्त किया।

स्रोत— https://starsunfolded.com/garima-arora/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

बाल देखभालकर्ता (गैर-नैदानिक)

बाल देखभालकर्ता (गैर-नैदानिक) 2 से 6 वर्ष बच्चों की पूरी देखभाल करने के लिए उत्तरदायी होता है, जिसमें दैनिक जीवन की गतिविधियाँ, जैसे– नहलाना, शौच करना, खिलाना, बच्चों को सुलाना आदि सम्मिलित हैं। बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खाना पकाने, बिस्तर बनाने, खेल के मैदान की व्यवस्था करने, प्री-स्कूल सहायता, माता-पिता/अभिभावकों की देख-रेख में रचनात्मक गतिविधियों और खेलों की व्यवस्था करने का भी उत्तरदायित्व होता है।



व्यक्तिगत गुण

- आप हंसमुख और धैर्यवान व्यक्ति हों।
- आप प्रभावी ढंग से संवाद करने में सक्षम हों।
- आप सुरक्षा और स्वच्छता के मुद्दों को बनाए रखने के बारे में सावधान हों।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद और नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* बाल देखभालकर्ता (गैर-नैदानिक) के लिए स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 14 वर्ष होनी चाहिए।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

बाल देखभालकर्ता की आय ₹ **8,000–18,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3X3iyRq

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— जनशक्ति एजेंसियाँ, डे केयर सेंटर। बच्चों को देखभाल के लिए घरों, क्रेच, मोंटेसरी स्कूलों और डे केयर सेंटरों में रखा जाता है।

उद्यमिता— कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद आप अपनी सेवाएँ स्वतंत्र रूप से देकर स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— आपसे प्रतिदिन 10–12 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करने की अपेक्षा की जाती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

बाल देखभाल कार्यकर्ता → बाल देखभाल प्रबंधक → केंद्र प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान, सीहोर, मध्य प्रदेश
2. राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, सिकंदराबाद, तेलंगाना



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

रोजमेरी डी ने 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद चाइल्डकेयर में प्रशिक्षण प्राप्त किया और फिर एक प्लेसमेंट एजेंसी से जुड़ गईं। अब उनके पास चाइल्डकेयर में 12 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ यू.ए.ई. जैसे देशों में भी काम किया है।

स्रोत— https://www.greataupair.com/nanny/India-Kolkata/nanny3140590.htm

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

चॉकलेटियर

चॉकलेटियर वे लोग होते हैं, जो चॉकलेट से बनी मिठाइयाँ तैयार करते और बेचते हैं। वे चॉकलेट के रसायन विज्ञान और कोको बीन्स को चॉकलेट में बदलने की प्रक्रिया में प्रशिक्षित होते हैं, जिसका उपयोग वे अपनी रचनाओं को बनाने में करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप रचनात्मक व्यक्ति हों।
- आपको खाना बनाना पसंद हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **5,000–1,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. पाक कला/होटल प्रबंधन/खान-पान प्रौद्योगिकी और पाक कला या संबंधित विषय में स्नातक (बी.एच.एम.सी.टी./बी.एच.एम./बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातक के बाद स्नातकोत्तर करें।
चॉकलेट बनाने या चॉकलेट चखने पर सर्टिफिकेट कोर्स करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

चॉकलेटियर की आय ₹ **20,000–30,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https//www.glassdoor.co.in/ Salaries/ chocolatier-salary-SRCH_KO0,1htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— बेकरी, पेस्ट्री की दुकानें, आलीशान होटल और रेस्टोरेंट आदि

उद्यमिता— आप घर से ही अपना स्वयं का व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं या अपनी स्वयं की दुकान खोल सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप रसोई में काम करेंगे। अगर आप बेकरी या होटल में काम करते हैं तो आपको सप्ताह में 6 दिन, 9 से 10 घंटे काम करना पड़ सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। आपको व्यस्ततम, अवधि के दौरान छुट्टियों या सप्ताहांत पर भी काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कॉमिस पैटिसियर → शेफ डे पार्टी → शेफ → कार्यकारी शेफ/चॉकलेटियर प्रशिक्षु →चॉकलेटियर → पेस्ट्री शेफ → बिजनेस ओनर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

चॉकलेटियर में पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थानों की यह सूची सांकेतिक है।

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. चॉकलेट अकादमी, मुंबई, महाराष्ट्र
2. क्राफ्ट और सामाजिक विकास संगठन, नई दिल्ली
3. स्विसरैप चॉकलेट अकादमी, मुंबई, महाराष्ट्र
4. मैग्निफिसेंस अकादमी ऑफ पैकेजिंग प्रोफेशनल्स, नई दिल्ली
5. निरल बिजनेस इंस्टीट्यूट, मुंबई, महाराष्ट्र
6. बैरी कैलेबॉट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र
7. चॉकलेट क्लासेस एंड मटेरियल, नई दिल्ली
8. नीता खुराना की कुकिंग क्लासेस, नई दिल्ली
9. पाककला और केक सजावट स्कूल, नई दिल्ली
10. रुचि गुप्ता कुकरी क्लासेस, नई दिल्ली



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अरुण विश्वनाथन, कोयंबटूर स्थित चित्रम क्राफ्ट चॉकलेट्स और कैफे इन्फ्यूजन्स के संस्थापक और चॉकलेटियर हैं। उन्होंने कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की है और भारत में खाद्य इंजीनियरिंग और विपणन में भी एक स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की है। चॉकलेट बनाने की कला उन्होंने बेल्जियम के ब्रुग में सीखी है।

स्रोत— https://cocoatown.com/blogs/blog/meet-arun-viswanathan

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सी.एन.सी. ऑपरेटर (टर्निंग)

धातु, लकड़ी और अन्य सामग्रियों के विभिन्न भागों की कटाई, ड्रिलिंग और आकार देने का कार्य संख्यात्मक रूप से नियंत्रित कम्प्यूटरीकृत (सी.एन.सी.) खराद मशीनों द्वारा किया जाता है। इन मशीनों के संचालकों को टर्निंग ऑपरेशन करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा, उन्हें मशीनों के रख-रखाव के संबंध में भी प्रशिक्षण प्राप्त होता है, जिसमें बेलनाकार घूमते हुए टुकड़ों से धातु निकालने जैसे बारीक ऑपरेशन सम्मिलित होते हैं। नियमित रख-रखाव करना आवश्यक है, ताकि उत्पादन के दौरान किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विभिन्न वस्तुओं का निर्माण करना पसंद हो।
- आपको गणितीय कार्यों में रुचि हो।
- आपको यह समझने में रुचि हो कि वस्तुएँ कैसे कार्य करती हैं।
- आप एक समूह में काम करने में सहज महसूस करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–2,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद सी.एन.सी. ऑपरेटर (टर्निंग) के नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सी.एन.सी. ऑपरेटर (टर्निंग) की आय ₹ **5,000–8,000*** प्रतिमाह हो सकती है। अनुभवी की आय ₹ **12,000–25,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3WzWwVl

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— विनिर्माण कंपनियाँ, मशीन उपकरण कंपनियाँ, मशीन वितरक।

कार्य वातावरण— कार्य घंटे प्रतिदिन लगभग 8–9 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन होते हैं। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। संविदात्मक नौकरियाँ भी उपलब्ध हैं। कभी-कभी काम में यात्रा सम्मिलित हो सकती है। भारत और विदेश में नौकरियाँ उपलब्ध हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सी.एन.सी. ऑपरेटर (टर्निंग) → अन्य सी.एन.सी./ मशीन ऑपरेटिंग भूमिकाएँ → पर्यवेक्षक → प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सी.एन.सी. प्रशिक्षण केंद्र, राष्ट्रीय संस्थान एवं इंजीनियरिंग, मैसूर, कर्नाटक
2. एन्बिट ऑटोमेशन, कोच्चि, केरल
3. पिक्सिन सी.एन.सी., चेन्नई, तमिलनाडु
4. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
5. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

के. प्रभु, हैदराबाद में रहते हैं और स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी की तलाश में थे। उन्होंने नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन (राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम) द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण के बारे में सुना और एक अवसर के लिए संस्थान से संपर्क किया। काउंसलिंग के बाद, वे राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम में सी.एन.सी. (टर्निंग) का कोर्स करने के लिए सहमत हो गए। यह प्रशिक्षण दो महीने का था। कोर्स पूरा करने के बाद, उन्हें टेक्नोग्राफ नामक एक कंपनी में सफलतापूर्वक नौकरी मिली, जहाँ उन्होंने रुपये 8,000 के मासिक वेतन पर काम करना आरंभ किया। अपने जीवन की नई सकारात्मक शुरुआत को लेकर वे बेहद खुश हैं।

स्रोत— https// www.nsic.eo.in/pdfs/succchen15.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

कॉफी टेस्टर/बरिस्ता/क्यू ग्रेडर

कॉफी टेस्टर्स, कॉफी उत्पाद की विशेषताओं का मूल्यांकन करने या सम्मिश्रण सूत्र तैयार करने के लिए कॉफी के नमूनों का स्वाद लेते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपको कॉफी पीना पसंद हो।
- आपके पास प्रभावी संचार कौशल हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 10,000–1,50,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. किसी भी विषय में स्नातक करें।
3. क्यू ग्रेडिंग/कॉफी क्वालिटी मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम या डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

कॉफी टेस्टर/बरिस्ता/क्यू ग्रेडर की आय
₹ 21,000–25,000* प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https// education.arun achal.gov.in/ career/ career/ coffee-tasters-sommelier-baristas-q-graders/

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— निजी और सार्वजनिक रोस्टिंग प्लांट, कैफ़े चेन आदि।

कार्य वातावरण— आप रोस्टिंग प्लांट में काम करेंगे। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का एक भाग है। यह नियमित 9 से 5 की नौकरी नहीं है और प्रतिदिन 5 से 6 घंटे के लिए सप्ताह में 5 दिन काम करने की संभावना है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कॉफी टेस्टर → ब्रू मास्टर → प्रबंधकीय पद

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम होटल प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. होटल मैनेजमेंट संस्थान, वारडेज, गोवा
2. होटल मैनेजमेंट संस्थान, नई दिल्ली
3. होटल मैनेजमेंट संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. होटल मैनेजमेंट संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. होटल मैनेजमेंट संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
6. होटल मैनेजमेंट संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल
7. होटल मैनेजमेंट संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
8. होटल मैनेजमेंट संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. होटल मैनेजमेंट संस्थान औरंगाबाद, महाराष्ट्र



निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, मणिपाल, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. गुरुनानक इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
5. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, बेंगलुरु, कर्नाटक

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

नागपुर के **मिथिलेश वझलवार** कॉफी क्यू-ग्रेडर हैं, जो भारत के सिर्फ 25 लोगों में से एक हैं और एक कॉफी रोस्टर, कॉपर और ट्रेनर हैं। वे ऑस्ट्रेलिया से यह प्रमाणपत्र पाने वाले पहले व्यक्ति हैं। वे पहले भारतीय एयरोप्रेस चैंपियन भी हैं और नवंबर में सियोल, दक्षिण कोरिया में होने वाली वर्ल्ड एयरोप्रेस चैंपियनशिप (डब्ल्यू.ए.सी.) में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले व्यक्ति भी हैं।*

स्रोत— https://youthincmag.com/meet-mithilesh-vazalwar-coffee-q-grader

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

निर्माण, चित्रकार और सज्जाकार

निर्माण, चित्रकार और सज्जाकार धातु या लकड़ी की सतहों को सजाते हैं। उन्हें पेंटिंग की विभिन्न विधियों एवं तकनीकों से अवगत कराया जाता है और पेंटिंग से पहले सतहों को तैयार करना भी सिखाया जाता है। उन्हें निर्दिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार एक समान मोटाई की पेंट फिल्म बनाने के लिए पेंट लगाने का काम भी सौंपा जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।
- आपके पास अच्छा विश्लेषणात्मक कौशल हो।
- आप अपने काम में व्यवस्थित हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद निर्माण, चित्रकार और सज्जाकार के नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

निर्माण, चित्रकार और सज्जाकार की आय ₹ **21,500–23,500*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Painter%2C_Construction_and_Maintenance/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आवासीय परिसर, हाउसिंग सोसायटी, स्कूल, कॉलेज भवन, निर्माण एजेंसियाँ।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करना पड़ सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक निर्माण चित्रकार/सज्जाकार → प्रमुख निर्माण चित्रकार

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. राजकीय मॉडल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश
2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर
3. राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
4. राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भिवानी, हरियाणा
5. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली
6. राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नासिक, महाराष्ट्र
7. राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, रायबरेली, उत्तर प्रदेश
8. राजकीय कूच बिहार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कूच बिहार, पश्चिम बंगाल
9. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

इवेली नामक एक छोटे से गाँव में जन्मे **धनुष** को कठिन समय का सामना करना पड़ा और उन्हें 8वीं कक्षा में ही स्कूल छोड़ना पड़ा। परिस्थितियों के कारण वह और उनके भाई अपने सपनों को साकार करने के लिए चेन्नई चले गए। यहाँ धनुष को पेंटिंग के पेशे से परिचित कराया गया। उन्होंने एक साइट से शुरुआत की और अब कई साइट संभाल रहे हैं, धनुष ने पेंट कॉन्ट्रैक्टर बनने की कला में महारत हासिल की है और इस क्षेत्र में सफलता पाई है।*

स्रोत— https://www.asianpaints.com/blogs/kaamyaabi-ke-rang.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

क्रोशिया लेस मेकर-फर्निशिंग

हैंड क्रोशिया लेस मेकर विभिन्न घटकों को क्रोशिया करने के लिए उत्तरदायी होते हैं। इस भूमिका में व्यक्ति को दिए गए विनिर्देशों के अनुसार विभिन्न प्रकार के धागों का उपयोग करके क्रोशिया लेस बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस नौकरी के लिए क्रोशिया लेस बनाने में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल की गहन जानकारी होना आवश्यक है। क्रोशिया लेस का उपयोग परिधानों, एक्सेसरीज और फर्निशिंग उत्पादों के निर्माण में किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपमें कलात्मक प्रवृत्ति हो।
- आपकी आँखें और हाथों का समन्वय बहुत अच्छा हो।
- आपको नवीन वस्तुएँ बनाना पसंद हो।
- आपको निर्देशों का पालन करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद क्रोशिया लेस मेकर-फर्निशिंग के नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 15 वर्ष होनी आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

क्रोशिया लेस मेकर-फर्निशिंग की आय ₹ **8,000–20,200*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3HXIDw4

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— क्रोशिया शिल्प निर्माण एजेंसी, क्रोशिया शिल्प बेचने वाली दुकानें, स्वयं सहायता समूह और एन.जी.ओ. हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र।

कार्य वातावरण— सामान्यतः सप्ताह में 5–6 दिन 8–9 घंटे काम करना होता है। अतिरिक्त समय की आवश्यकता हो सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक→ क्रोशिया लेस मेकर-फर्निशिंग (एक्सेसरीज) → प्रोसेस सुपरवाइजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात
2. राजकीय कौशल विकास एवं हथकरघा संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. शिल्प विकास संस्थान, नई दिल्ली
4. चेन्नई फैशन संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
5. स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, पुणे, महाराष्ट्र

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

उद्यमी **तारिषी जैन** निश्चित रूप से ऐसी महिला हैं, जो हाथ से बनी वस्तुओं को प्राथमिकता देती हैं। वर्ष 2015 में, जब वह गर्भवती थीं, उनकी सास ने एक खूबसूरत फ्रॉक बुना, जिसने उन्हें बेहद प्रभावित किया। बुनाई और क्रोशिया में कुशल होने के कारण, उन्होंने इस कला को फिर से अपनाने का फैसला किया। 34 वर्षीय तारिषी याद करती हैं, "मुझे हमेशा से इन गतिविधियों में सम्मिलित होना पसंद था, लेकिन समय के साथ मैं इससे दूर हो गई थी। उस सुंदर फ्रॉक को देखकर, मुझे याद आया कि मैं कैसे क्रोशिया करके खूबसूरत टीवी कवर, रुमाल और लेस बनाती थी। इसलिए, मैंने फिर से इसे आजमाने का निर्णय लिया और दो दिनों में, मैंने अपनी बेटी के लिए एक और सुंदर फ्रॉक बना डाली।"

धीरे-धीरे, उनकी बनी हुई सुंदर वस्तुओं ने दोस्तों और परिचितों का ध्यान खींचा, जिन्होंने उनसे अपने बच्चों के लिए बुनाई करने का अनुरोध किया। माँग बढ़ने पर, तारिषी ने बुनाई और क्रोशिया की कला को और भी लोगों के साथ साझा करने का सोचा। उन्होंने महसूस किया कि एक उद्यम आरंभ करके, वह उन महिलाओं की सहायता कर सकती हैं, जो अपने घरों में आराम से काम करना चाहती हैं। इसी उद्देश्य से वर्ष 2018 में 'अजूबा' की स्थापना हुई।

'अजूबा' एक स्टार्टअप है, जो चार साल तक के बच्चों के लिए हाथ से बने ऊनी क्रोकेट और बुने हुए कपड़े बेचता है। यह स्टार्टअप हरियाणा के सोनीपत में स्थित है और सक्रिय रूप से संचालित होता है। तारिषी के स्टार्टअप आरंभ करने के बाद, उनके पति ने भी अपनी नौकरी छोड़कर 'अजूबा' के संचालन का जिम्मा संभाल लिया। अब लगभग चार साल बाद, 'अजूबा' को हर महीने करीब 4,000 ऑर्डर मिलते हैं। पिछले एक साल में, इस स्टार्टअप ने 20,000 से अधिक बच्चों को कपड़े पहनाए हैं और वे वर्तमान में 112 कारीगरों के साथ काम कर रहे हैं, जिनमें से अधिकांश गृहिणियाँ हैं जो इन सुंदर उत्पादों को हाथ से बनाती हैं। पिछले एक साल में 'अजूबा' ने छोटे स्तर पर संचालन करते हुए 1.4 करोड़ रुपये का वार्षिक कारोबार किया है।

स्रोत— https://www.thebetterindia.com/238682/knitwear- crochet-buy-online-business-home-setup-startup-haryana-entrepreneurs-children-clothing-winter-ang136/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

डोर्स एंड विंडोज फिक्सर

डोर एंड विन्डो फिक्सर को ग्राहकों के निर्देशानुसार कमरे में दरवाजे और खिड़कियाँ लगाने का कार्य करते हैं। डोर एंड विन्डो फिक्सर को कभी-कभी दरवाजे और खिड़कियों को फिट करने से पहले उनके लिए फ्रेम और सबफ्रेम भी ठीक करने पड़ते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हो।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद, डोर एंड विन्डो फिक्सर के नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

डोर्स एंड विंडोज फिक्सर की आय ₹ **10,200–26,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Skill=Window_or_Door_Installation/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आवासीय परिसर, हाउसिंग सोसायटी, स्कूल, कॉलेज भवन, निर्माण एजेंसियाँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक→ डोर एंड विन्डो फिक्सर → लीड डोर एंड विन्डो फिक्सर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
2. एप्टेक लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

संजू मालवीय की उम्र केवल 14 वर्ष थी, जब उन्होंने 10वीं कक्षा में अपने चाचा के साथ बढ़ईगीरी का काम करना आरंभ किया। वे इस क्षेत्र में पूर्णकालिक कार्य करने वाले पहले व्यक्ति बने। अपनी खुद की दुकान स्थापित करने और स्वतंत्र रूप से काम करने में उन्हें 15 साल लगे। संजू न केवल लकड़ी के काम में बल्कि दरवाजे और खिड़कियों के फ्रेम बनाने में भी कुशल हैं। वे हर महीने लगभग रुपये 15,000 कमाते हैं और अपने काम से खुश और संतुष्ट हैं।

स्रोत— संजू मालवीय के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार।

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

ड्राफ्ट्समैन

ड्राफ्ट्समैन, निर्माण के लिए तैयार किए गए सभी प्रकार के चित्रों की तैयारी, सुधार और दस्तावेजीकरण के लिए उत्तरदायी होते हैं, जिसमें सभी प्रासंगिक योजनाओं और विवरणों का विवरण होता है। उनसे प्रक्रिया और उपकरणों की आवश्यकताओं को समझने और निर्माण प्रक्रिया में सम्मिलित जोखिमों की पहचान करने की भी अपेक्षा की जाती है।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप काम करते समय बारीकियों पर ध्यान देते हों।
- आप समूह में काम करने में कुशल हों।
- आपके पास विश्लेषणात्मक कौशल हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 12 उत्तीर्ण और आई.टी.आई. प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद और 18 वर्ष की आयु होने पर आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 5 ड्राफ्ट्समैन प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

ड्राफ्ट्समैन की आय ₹ **10,000–15,500*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3KuNjv6

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— निर्माण एजेंसियाँ, वास्तुकला कंपनियाँ, सिविल इंजीनियरिंग कंपनियाँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

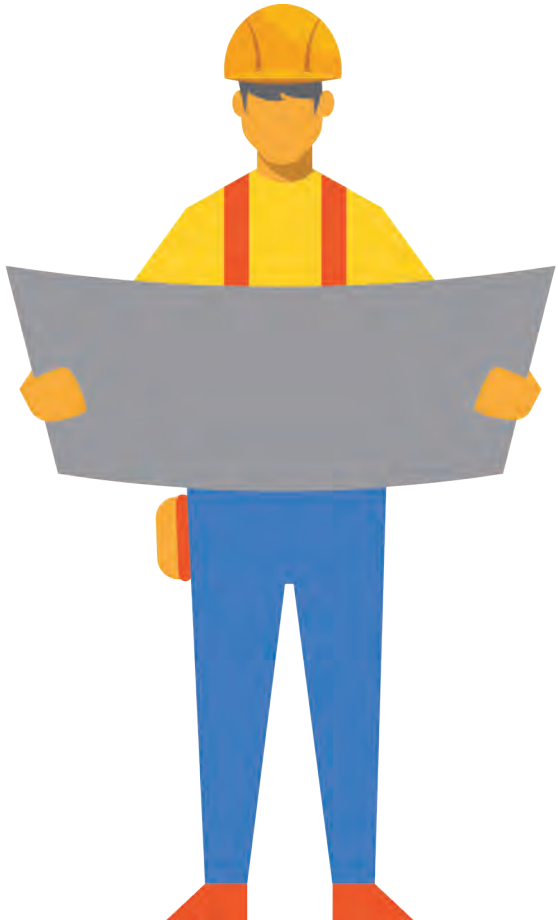
ड्राफ्ट्समैन → वरिष्ठ ड्राफ्ट्समैन → उत्पाद डिजाइन प्रबंधक → उत्पादन प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
2. केंद्रीय उपकरण डिजाइन संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
3. डिजाइन और प्रशिक्षण संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
4. औद्योगिक डिजाइन और नवाचार संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

रोहित प्रजापति ने 10वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आर्किटेक्चर में डिप्लोमा किया। डिप्लोमा पूरा करने के बावजूद, वह करियर के चुनाव को लेकर अनिश्चित थे, इसलिए उन्होंने विभिन्न निर्माण परियोजनाओं में इंटर्नशिप और सहायक के रूप में काम करना आरंभ किया। उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई और एक साल के भीतर, उन्हें वेतन मिलना आरंभ हो गया, जिससे वह ड्राइंग, कॉन्सेप्चुअल कार्य और लैंडस्केप कार्य करने में सक्षम हो गए। शुरुआत में उनका वेतन रुपये 5,000 प्रतिमाह था, जो एक साल के भीतर बढ़कर रुपये 25,000 प्रतिमाह हो गया।

स्रोत— रोहित प्रजापति के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

डी.टी.एच. सेट टॉप बॉक्स इंस्टॉलेशन और सर्विस तकनीशियन



डायरेक्ट-टू-होम (डी.टी.एच.) सेट-टॉप बॉक्स या केबल ऑपरेटर अब हमारी दिनचर्या का एक अहम हिस्सा बन चुके हैं। राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर कई सेवा प्रदान करते हैं, जो अपने संगठन में डी.टी.एच. सेट-टॉप बॉक्स इंस्टॉलेशन और सर्विस तकनीशियन नियुक्त करते हैं। इन तकनीशियनों को ग्राहक के स्थान पर सेट-टॉप बॉक्स स्थापित करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। वे सेट-टॉप बॉक्स को टीवी या होम थिएटर से कनेक्ट करते हैं और डी.टी.एच. सिस्टम में आने वाली समस्याओं की पहचान कर उन्हें ठीक करने में माहिर होते हैं। ये तकनीशियन ग्राहक और सेवा प्रदाता के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करते हैं और ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको बाहर काम करना पसंद हो।
- आपको चीजों को जोड़ना पसंद हो।
- आपके पास अच्छा संचार कौशल हो।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद और इस क्षेत्र में हेल्पर के रूप में 2 वर्ष के कार्य अनुभव के बाद डी.टी.एच. सेट टॉप बॉक्स इंस्टॉलेशन और सर्विस टेक्नीशियन के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क

अथवा

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद और इस क्षेत्र में हेल्पर के रूप में 2 वर्ष के कार्य अनुभव के बाद डी.टी.एच. सेट टॉप बॉक्स इंस्टॉलेशन और सर्विस टेक्नीशियन के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं।

अथवा

इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रॉनिक्स में आई.टी.आई. डिप्लोमा पूरा करने के बाद डी.टी.एच. सेट टॉप बॉक्स इंस्टॉलेशन और सर्विस टेक्नीशियन के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

डी.टी.एच. सेट टॉप बॉक्स इंस्टॉलेशन और सर्विस टेक्नीशियन की आय ₹ **5,000–15,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3riUsrf

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारत भर में डी.टी.एच. सेवा प्रदाता, स्थानीय केबल टी.वी. ऑपरेटर।

उद्यमिता— कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आप इस क्षेत्र में अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं। आप डी.टी.एच. कंपनी की एजेंसी भी ले सकते हैं।

कार्य वातावरण— प्रतिदिन लगभग 9 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करना होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है। यात्रा करना और बाहर काम करना नौकरी का भाग है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

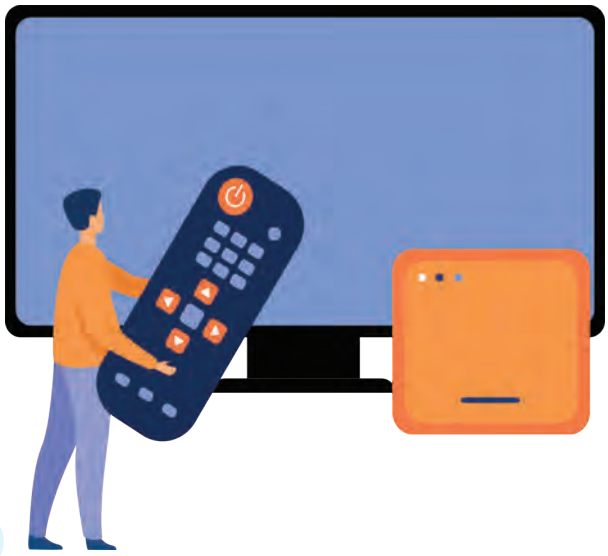
सहायक → डी.टी.एच. सेट-टॉप बॉक्स इंस्टॉलर और सर्विस टेक्नीशियन → पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय कौशल विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान, इंदौर, मध्य प्रदेश
2. पीयरलेस स्किल अकादमी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. पश्चिम बंग सोसाइटी फॉर स्किल डेवलपमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. वी. स्किल्स, नई दिल्ली
5. सुनैना समृद्धि फाउंडेशन, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश
6. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
7. उन्नत प्रशिक्षण संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
8. शासकीय पॉलिटेक्निक संस्थान



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

भोपाल के निवासी **अभिषेक तिवारी** ने स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद, उन्होंने एक स्थानीय केबल ऑपरेटर के साथ हेल्पर के रूप में काम करना आरंभ किया। इस क्षेत्र में उन्होंने 5 साल का अनुभव हासिल किया और फिर अपना खुद का व्यवसाय आरंभ किया। धीरे-धीरे, उन्होंने आस-पास के गाँवों में केबल टी.वी. चैनल उपलब्ध कराने का काम बढ़ाया। डी.टी.एच. के तेजी से बढ़ते प्रचलन को देखते हुए, उन्होंने अपना ध्यान डी.टी.एच. इंस्टॉलेशन पर केंद्रित कर लिया। अब वे हर साल 100 से अधिक डी.टी.एच. सेट टॉप बॉक्स लगाते हैं और साथ ही सर्विस, रिपेयर और अन्य आवश्यक सहायता भी प्रदान करते हैं। श्री तिवारी अपने व्यवसाय से संतुष्ट हैं।*

स्रोत— श्री अभिषेक तिवारी का साक्षात्कार–भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स, भोपाल, एम.पी.

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

इलेक्ट्रिक वाहन संयोजन तकनीशियन

इलेक्ट्रिक वाहन संयोजन तकनीशियन इलेक्ट्रिक वाहन के विभिन्न घटकों को संकलित करने का कार्य करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।
- आपकी यांत्रिक उपकरणों की मरम्मत करने में रुचि हो।
- आप एक सतर्क और व्यवस्थित व्यक्ति हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

1. कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद 2 वर्ष का आई.टी.आई. पाठ्यक्रम (अभियांत्रिकी या गैर-अभियांत्रिकी) करें।

अथवा

2. कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद 2 वर्ष का कार्य अनुभव।
3. नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 2 प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम–(ऑटोमोटिव असेंबली सहायक स्तर 2) के लिए नामांकन करें।
4. नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम इलेक्ट्रिक वाहन असेंबली ऑपरेटर के लिए नामांकन करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

इलेक्ट्रिक वाहन संयोजन तकनीशियन की आय ₹ **13,765–15,226*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/assembly-technician-salary/automobile-industry

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ऑटोमोबाइल विनिर्माण इकाइयाँ, ऑटोमोबाइल कार्यशालाएँ, सेवा केंद्र आदि।

कार्य वातावरण— इसके लिए शारीरिक गतिविधि की आवश्यकता होती है। आपको एक टीम को संभालने की आवश्यकता हो सकती है। स्थानीय यात्रा इस नौकरी की भूमिका का भाग नहीं है। अंशकालिक काम और संविदात्मक नौकरियाँ उपलब्ध हो सकती हैं। कारखाने सामान्यतः सप्ताह में 6 दिन काम करते हैं और आपको प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करना पड़ सकता है। यह कंपनी से कंपनी भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

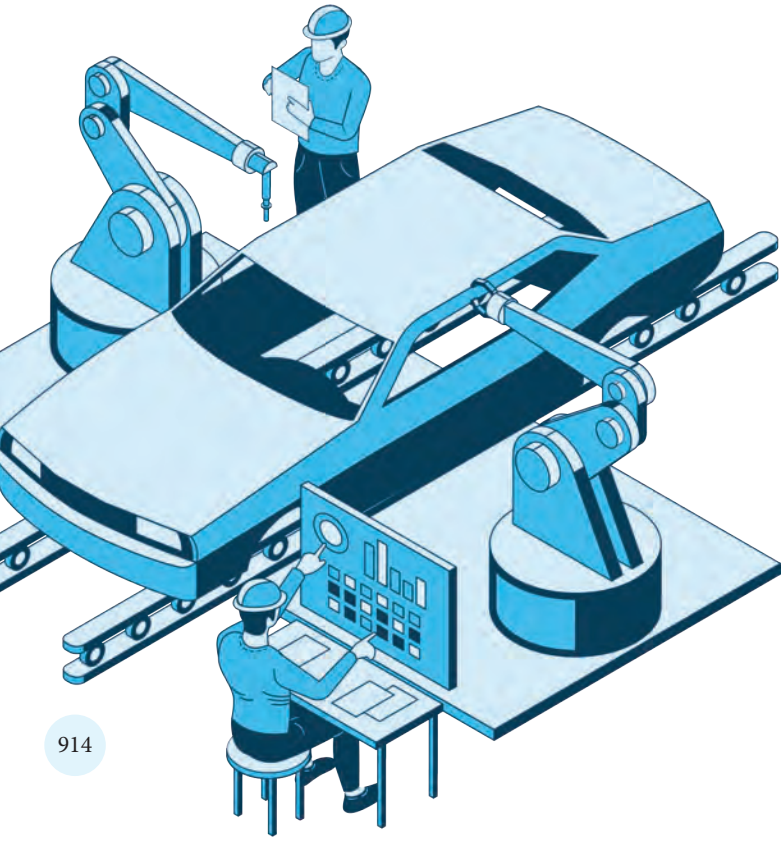
इलेक्ट्रिक वाहन संयोजन तकनीशियन → उत्पादन पर्यवेक्षक → उत्पादन प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया, पुणे, महाराष्ट्र
2. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट, पुणे, महाराष्ट्र
3. इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी, मानेसर, हरियाणा
4. इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च, नई दिल्ली



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

35 साल की, **प्रतिभा कुंभार**, दो बच्चों की माँ हैं और पुणे स्थित काइनेटिक कम्युनिकेशंस फैक्ट्री में ई.वी. स्पीडोमीटर के लिए सर्किट असेंबल करती हैं। काइनेटिक कम्युनिकेशंस, भारतीय ऑटो निर्माता काइनेटिक ग्रुप की एक सहायक कंपनी है, जो ई.वी. कंपोनेंट्स का निर्माण करती है। कुंभार कहती हैं, "मैं अपने तय समय पर काम करती हूँ और आर्थिक रूप से स्वतंत्र हूँ।"

स्रोत— https://www.businesstoday.in/auto/story/meet-the-women-driving-indias-ev-revolution -333899-2022-05-17

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

इलेक्ट्रीशियन (सामान्य)

इलेक्ट्रीशियन, बिजली के उपकरणों या बिजली के तारों को स्थापित, संचालित, रख-रखाव या मरम्मत का कार्य करते हैं। इलेक्ट्रीशियन का मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि आपके सभी बिजली के उपकरण ठीक से काम करें और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें ठीक करें।



व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।
- आपकी सोच वैज्ञानिक हो।
- आपको समस्याओं तथा स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आप परीक्षण करना पसंद करते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और न्यूनतम आयु 14 वर्ष होने के बाद, आप इलेक्ट्रीशियन (सामान्य) के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 के लिए नामांकन कर सकते हैं।

अथवा

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद आप इलेक्ट्रीशियन (सामान्य) के लिए एन.एस.क्यू.एफ. स्तर 3 के लिए नामांकन कर सकते हैं।

अथवा

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से इलेक्ट्रिकल कोर्स में डिप्लोमा। आई.टी.आई. इलेक्ट्रीशियन कोर्स के बाद आप 2 साल के लिए इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (सीधे दूसरे वर्ष) कर सकते हैं। और डिप्लोमा पूरा होने के बाद आप बी.टेक./बी.ई. (द्वितीय वर्ष) कर सकते हैं और 3 साल में पाठ्यक्रम पूरा कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

इलेक्ट्रीशियन (सामान्य) की आय ₹ **6,000–8,000*** तथा 2 या अधिक वर्षों के अनुभव के बाद आय ₹ **12,000–15,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3XsXyDV

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कारखाने, कार्यशालाएँ, बिजली घर, व्यावसायिक घर, आवासीय परिसर।

उद्यमिता— आप घर से ही सेवा प्रदान कर सकते हैं, खुद को किसी भी इलेक्ट्रीशियन की दुकान से जोड़ सकते हैं, आप खुद ही इलेक्ट्रीशियन सेवा की आपूर्ति, स्थापना, रख-रखाव की व्यवस्था कर सकते हैं और साथ ही स्वयं को किसी सेवा एग्रीगेटर में नामांकित कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— काम का समय अनुकूल होता है। यदि आप कंपनी का भाग हैं, तो आपको किसी भी समय काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। इस नौकरी में नियमित यात्रा और काफी पैदल चलने की आवश्यकता होती है।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक इलेक्ट्रीशियन → इलेक्ट्रीशियन (सामान्य) → मुख्य इलेक्ट्रीशियन पर्यवेक्षक प्रक्रिया पर्यवेक्षक

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
2. ग्रेसियस कॉलेज अभनपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़
3. भारत तकनीकी संस्थान जमशेदपुर, झारखंड
4. कोहिनूर तकनीकी संस्थान, भोपाल और इंदौर, मध्य प्रदेश
5. केलट्रॉन नॉलेज सर्विसेज ग्रुप (केरल स्टेट इलेक्ट्रॉनिक डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड), तिरुवनंतपुरम, केरल
6. एस्पॉयर अकादमी, अंगमाली, केरल

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

बेरोजगार युवक **गोपबंधु डोरा** ने ढेंकनाल जिले में स्थित एस.डी.आई., भुवनेश्वर में छह महीने का औद्योगिक इलेक्ट्रीशियन कोर्स करने का निर्णय लिया। उन्होंने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया और उन्हें लीटन इंडिया से रुपये 15,000 प्रतिमाह के वेतन पर नौकरी का प्रस्ताव मिला। एक वर्ष के भीतर, उनकी मेहनत और लगन के चलते उन्हें पर्यवेक्षक स्तर पर पदोन्नति मिली, जिसके साथ उनका वेतन रुपये 25,000 प्रतिमाह बढ़ गया। अब वह एक संतोषजनक करियर और खुशहाल जीवन का आनंद ले रहे हैं।*

स्रोत— https://www.hsscindia.in/wp-content/uploads/2018/12/Succes-Story-of-Trainees-from-SDIs.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

ई-कचरा संग्रहकर्ता

ई-कचरा संग्रह पर्यावरण की स्थिरता के लिए एक अनिवार्य कार्य है। इसमें पुराने इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, जैसे– रेफ्रिजरेटर, टीवी, कंप्यूटर और अन्य उपकरणों का संग्रह किया जाता है। ई-कचरा संग्रहकर्ताओं का दायित्व केवल खुदरा विक्रेताओं, मरम्मत की दुकानों और अन्य असंगठित हितधारकों से ई-कचरा एकत्र करने तक सीमित नहीं है; उन्हें इसे पर्यावरण के अनुकूल तरीके से निपटाने का कार्य भी करना होता है। इसके साथ ही, वे समाज में ई-कचरा प्रबंधन के महत्व को बढ़ावा देने और ई-कचरे के अनुचित प्रबंधन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भी उत्तरदायी हैं। इसके अलावा, उन्हें ई-कचरे की पैकेजिंग, लेबलिंग और परिवहन के रिकॉर्ड बनाए रखने के साथ-साथ अंततः एकत्रित ई-कचरे को केंद्रीय गोदाम तक पहुँचाने का कार्य भी करना होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आपको वस्तुओं को संयोजित करने में रुचि हो।
- आपके पास अच्छा विश्लेषणात्मक कौशल हो।
- आप अपने काम में व्यवस्थित हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

ई-कचरा संग्रह के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद ई-कचरा संग्रह में कम से कम 1 साल का कार्य अनुभव होना आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

ई-कचरा संग्रहकर्ता की आय ₹ **5,000–20,000*** प्रतिमाह तक हो सकती है।

स्रोत— https://www.salaryexpert.com/salary/job/garbage-collector/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारत भर में ई-कचरा एकत्र करने वाली कंपनियाँ।

कार्य वातावरण— आपको प्रतिदिन 8–9 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

ई-कचरा सहायक → ई-कचरा संग्रहकर्ता → ई-कचरा प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न विभागों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, कोझीकोड, केरल
3. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट, भोपाल, मध्य प्रदेश

निजी संस्थान

1. इंडियन प्लाईवुड इंडस्ट्रीज रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ वुड कार्विंग, जयपुर, राजस्थान

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

जब "**करो संभव**" ने पहली बार जिम्मेदारी से रीसाइक्लिंग का विचार फैलाना आरंभ किया, तो कुछ स्क्रैप व्यापारी, जिन्हें एग्रीगेटर के रूप में जाना जाता है, ने अपने दरवाजे बंद कर लिए। आत्मविश्वास उत्पन्न करना आवश्यक था, इसलिए संगठन के कुछ फील्ड स्टाफ उन क्षेत्रों में गए, जहाँ ये एग्रीगेटर रहते थे, जैसे– नई दिल्ली के सीलमपुर और मुंबई के कुर्ला। अंततः, ये रिश्ते बन गए। सुहैब मलिक, जो तीसरी पीढ़ी के एग्रीगेटर हैं, मुस्तफाबाद में स्थित सैकड़ों एग्रीगेटरों में से एक हैं। उनके पिता और दादा दशकों से स्क्रैप आयरन का व्यापार कर रहे थे। इस 26 वर्षीय युवक ने 2018 में अपरिचित, किंतु संभावनाओं से भरे ई-कचरा क्षेत्र में कदम रखा, जब उसने सुना कि कैसे अन्य लोग इस क्षेत्र में अच्छी कमाई कर रहे हैं। अब, वह "करो संभव" के साथ मिलकर अपने व्यवसाय को सतत रूप से बढ़ा रहा है। उसकी दुकान में काम करने की स्थिति और वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। वह कहता है, "हमें अब की-बोर्ड तोड़ने की जरूरत नहीं। हम उन्हें वैसे ही सौंप देते हैं।" इससे उसके कर्मचारियों को जहरीले कचरे के साथ घंटों तक काम करने से मुक्ति मिल गई है। अब, हर दो हफ्ते में एक ट्रक इलेक्ट्रॉनिक्स का वजन करता है और उन्हें बार-कोड वाले बोरों में भरकर प्रमाणित जिम्मेदार रीसाइक्लर के पास ले जाता है। मलिक का कहना है कि इस नए ग्राहक की लगातार माँग का मतलब है कि "व्यापार में बहुत सुधार हुआ है," उनकी दुकान के बाहर खराब सी.पी.यू. और की-बोर्ड रखे हुए हैं। वह नई दिल्ली के लगभग 100 छोटे डीलरों के साथ-साथ लगभग 1,000 मील दूर पूर्वी भारतीय राज्यों बिहार और पश्चिम बंगाल से ई-कचरा मंगवाते हैं।

**स्रोत— https://news.microsoft.com/en-in/features/karo-sambhav-responsible-e-waste-recycling-india/*

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

फील्ड तकनीशियन (अन्य घरेलू उपकरण)

फील्ड तकनीशियन घरेलू उपकरणों, जैसे– रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, वॉशिंग मशीन, वाटर प्यूरीफायर और माइक्रोवेव ओवन की स्थापना करने जैसे कार्य करते हैं। ये ग्राहक के स्थान पर जाकर सेवा और शिकायतों का समाधान भी करते हैं। वे उपकरणों में आने वाली समस्याओं का पता लगाते हैं और उनका मूल्यांकन करते हैं। यदि समस्या छोटी हो, तो उसे तुरंत ठीक कर देते हैं और यदि कोई भाग दोषपूर्ण हो तो उसे बदलने का काम भी करते हैं। बड़ी समस्या की स्थिति में, वे कारखाने में मरम्मत कराने की सलाह देते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आप वस्तुएँ बनाना या संयोजित करने में रुचि रखते हों।
- आप समूह में सहज हों।
- आपकी आँखों और हाथों का समन्वय अच्छा हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

फील्ड तकनीशियन अन्य घरेलू उपकरणों के लिए राष्ट्रीय नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए कक्षा 8 उत्तीर्ण और न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।

अथवा

इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स में आई.टी.आई. पाठ्यक्रम के बाद आप फील्ड टेक्नीशियन अन्य घरेलू उपकरणों के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

फील्ड तकनीशियन (अन्य घरेलू उपकरण) की आरंभिक आय ₹ **7,000–9,000*** और 1–2 साल के अनुभव के बाद आय ₹ **11,000–15,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर कंपनियाँ, इलेक्ट्रॉनिक स्टोर, सफेद वस्तुओं के लिए मल्टी-चैनल एजेंसियाँ, अधिकृत उपकरण सेवा केंद्र।

उद्यमिता— कुछ वर्षों में अनुभव प्राप्त करने के बाद आप अपनी खुद की इकाई स्थापित कर सकते हैं और अपनी खुद की मरम्मत की दुकान आरंभ कर सकते हैं। अधिक अनुभव और नेटवर्क के साथ आप एक अधिकृत सेवा केंद्र बन सकते हैं।

कार्य वातावरण— काम में यात्रा सम्मिलित है। सामान्य कार्य दिवस सप्ताह में 6 दिन व प्रतिदिन 8–9 घंटे का होता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु/सहायक → मरम्मत मैकेनिक →फील्ड तकनीशियन (अन्य घरेलू उपकरण) → वरिष्ठ सेवा तकनीशियन

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
2. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कालीकट, केरल
3. राजकीय पॉलिटेक्निक, मुंबई, महाराष्ट्र
4. केंद्रीय उपकरण डिजाइन संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
5. भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक

निजी संस्थान

1. जेटकिंग इन्फोट्रेन लिमिटेड, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. भारतीय हार्डवेयर प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. एपटेक लर्निंग, मुंबई, महाराष्ट्र
4. फ्रैंकफिन इंस्टीट्यूट ऑफ एयर होस्टेस ट्रेनिंग, नई दिल्ली
5. दिल्ली मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

भरत कालिया ने मैनेजमेंट कंसल्टेंसी की नौकरी छोड़कर "लाइफलॉन्ग ऑनलाइन" की स्थापना की और मिक्सर ग्राइंडर बनाने का फैसला किया। भरत, जो खुद लगभग 20–30 वर्षों से उन्हीं घरेलू उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे थे, जो उनके माता-पिता भी इस्तेमाल करते थे, को लगा कि उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के क्षेत्र में एक डिजिटल परिवर्तन की आवश्यकता है। उनका कहना है, "वर्ष 2015 के दौरान मोबाइल और टीवी उद्योग में बहुत विकास हो रहा था, लेकिन घरेलू उपकरणों और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के क्षेत्र में कोई खास प्रगति नहीं देखी गई। इन पारंपरिक श्रेणियों में उत्पादन और वितरण के तरीके बहुत भारी और गैर-कुशल थे।" भरत अपनी कंपनी के उत्पादों को ऑनलाइन बेचते हैं, जिससे वे अपने ग्राहकों को बेहतर कीमतें प्रदान कर पाते हैं। उनका दावा है कि आज, लाइफलॉन्ग ऑनलाइन की 60 सदस्यीय टीम पीक महीनों में 40 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त करती है, जिसमें कुल बिक्री का लगभग 33 प्रतिशत घरेलू और रसोई के उपकरणों से आता है।

स्रोत— *https://yourstory.com/smbstory/lifelong-online-india-home-appliances-d2c-brand*

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

फिटर (इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक असेंबली)

कारखानों में निर्मित किसी भी इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद को पूरी तरह कार्यात्मक बनाने के लिए उसके विभिन्न घटकों को जोड़ने के लिए एक कुशल विशेषज्ञ की आवश्यकता होती है। फिटर-इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक को घटकों की असेंबली, सब-असेंबली को मैन्युअल रूप से, मशीनों के साथ सोल्डरिंग आदि के माध्यम से करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें उत्पादों की मरम्मत और रख-रखाव के कार्य में भी प्रशिक्षित किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।
- आपको समस्याओं का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आपको गणितीय समस्याओं को हल करना पसंद हो।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद तथा इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रॉनिक्स में डिप्लोमा के साथ तथा फिटर (इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक असेंबली) के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

फिटर (इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक असेंबली) की शुरुआती आय ₹ **7,000–10,000*** तथा अनुभव के बाद आय ₹ **10,000–15,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3XCA6Ec

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक कारखाने, मशीन टूल कंपनियाँ, मशीन वितरण कंपनियाँ, मशीन सर्विसिंग कंपनियाँ।

कार्य वातावरण— कार्य घंटे प्रतिदिन लगभग 8–9 घंटे और प्रति सप्ताह 5–6 दिन होते हैं। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

फिटर- इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक
असेंबली → मैकेनिक- इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक असेंबली → सुपरवाइजर-इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक असेंबली

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थाओं द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सेंट्रल टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर, भुवनेश्वर, ओडिशा
2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
3. शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय (देश के विभिन्न जनपदों में)
4. इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद, तेलंगाना



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

केतनभाई भरतभाई गोदावरिया, गुजरात के बोटाड जिले के बरवाला तालुका स्थित रामपारा गाँव के निवासी हैं। उन्हें जानकारी मिली कि अहमदाबाद स्थित कौशल विकास संस्थान (एस.डी.आई.) बेरोजगार युवाओं के लिए विशेष व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जो सफलतापूर्वक पूरा करने पर नौकरी के अवसर भी प्रदान करता है। इस अवसर का लाभ उठाते हुए, केतनभाई ने फिटर कोर्स में प्रवेश लिया और 6 महीने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण समाप्ति के बाद, उन्हें पाल शेल कास्ट प्राइवेट लिमिटेड में ऑपरेटर के पद पर रुपये 8,320 मासिक वेतन के साथ नियुक्ति मिली। इस अवसर के लिए वह कौशल विकास संस्थान, अहमदाबाद के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

स्रोत— https://www.hsscindia.in/wp-content/uploads/2018/12/Succes-Story-of-Trainees-from-SDIs.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

फिटर (फेब्रिकेशन)

फिटर (फेब्रिकेशन) को घटक के ड्राइंग में दिए गए विवरण के अनुसार आवश्यक धातुओं और उपकरणों की पहचान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, ताकि आवश्यक घटकों का निर्माण किया जा सके। उनका कार्य माप, मार्किंग, आरी से काटना, पीसना, ड्रिलिंग, छेनी, थ्रेडिंग, टैपिंग, स्क्रैपिंग, मैनुअल लैपिंग जैसे फिटिंग और फैब्रिकेशन कार्यों के साथ-साथ विनिर्देशों के अनुसार संरचना में फिट होने के लिए बनाए गए घटकों का निरीक्षण करना सम्मिलित है। इसके अलावा, वे पर्यवेक्षण में बुनियादी ऑक्सी-फ्यूल गैस कटिंग और मैनुअल आर्क वेल्डिंग का भी कार्य करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।
- आपको गणितीय समस्याओं को हल करना पसंद हो।
- आपके हाथ और आँख का समन्वय अच्छा हो।
- आप निर्देशों का अच्छी तरह से पालन कर सकते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद फिटर-फेब्रिकेशन में नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। इसके लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

फिटर (फेब्रिकेशन) की शुरुआती आय ₹ **6,000–10,000*** तथा अनुभव के बाद आय ₹ **18,000–20,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/4068bOw

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— विनिर्माण कंपनियाँ, मशीन उपकरण कंपनियाँ, मशीन वितरक।

कार्य वातावरण— इस क्षेत्र में आपको सप्ताह में 5–6 दिन काम होगा और प्रतिदिन कम से कम 8–9 घंटे काम करना होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। इस कार्य क्षेत्र में विदेशों में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

फिटर–फैब्रिकेशन → सुपरवाइजर–फैब्रिकेशन/असेंबली → मैनेजर मैन्युफैक्चरिंग

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थानों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सेंट्रल टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर, भुवनेश्वर, ओडिशा
2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
3. शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय (देश के विभिन्न जनपदों में)
4. इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद, तेलंगाना



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अभिषेक त्रिवेदी, उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले के लच्छीपुर गाँव के निवासी हैं। उन्होंने वर्ष 2014 में 12वीं की परीक्षा पास की, लेकिन उसके बाद वे बेरोजगार थे और 2,000 रुपये मासिक वेतन पर एक इंटरनेट पार्लर में पार्ट-टाइम काम कर रहे थे। उसी समय, उन्हें एस.डी.आई., रायबरेली द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण और नौकरी के अवसरों के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने एस.डी.आई. से संपर्क किया। काउंसलिंग के बाद, उन्हें फिटर ट्रेड के प्रशिक्षण के लिए चुना गया। उन्होंने एस.डी.आई. रायबरेली में पाइप फिटर-सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेड में 3 महीने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। फरवरी वर्ष 2018 में प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, उन्हें ग्रीन गैस लिमिटेड की ओर से कानपुर शहर में पाइपलाइन बिछाने और रख-रखाव के लिए काम कर रही संभव प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड में पाइप फिटर के रूप में नौकरी मिली। इस नौकरी में उन्हें रुपये 12,000 मासिक वेतन का प्रस्ताव मिला।

स्रोत— https://www.hsscindia.in/wp-content/uploads/2018/12/Succes-Story-of-Trainees-from-SDIs.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

फिटर (मैकेनिकल असेंबली)

फिटर (मैकेनिकल असेंबली) को मैकेनिकल उत्पाद बनाने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाता है। ये उत्पाद विभिन्न उप-घटकों से मिलकर बनते हैं। उप-घटकों को निर्धारित विनिर्देशों के अनुसार हाथ के औजारों, पोर्टेबल पावर टूल्स और मैन्युअल मशीन टूल्स की सहायता से जोड़ा जाता है। फिटर का दायित्व केवल भागों को जोड़ने तक सीमित नहीं होता, बल्कि उन्हें माप उपकरणों का उपयोग करके और वस्तुओं के चित्रों के अनुसार कार्य टुकड़ों की गुणवत्ता की जाँच भी करनी होती है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।
- आपको यह पता लगाना पसंद हो कि वस्तुएँ कैसे काम करती हैं।
- आपके हाथ और आँख का समन्वय अच्छा हो।
- आप समूह में रहने में सहज हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने और फिटर फैब्रिकेटर या मशीनिस्ट के रूप में एक वर्ष के अनुभव के साथ आप फिटर (मैकेनिकल असेंबली) में नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

फिटर (मैकेनिकल असेंबली) की आय ₹ **6,000–25,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3XYuQug

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— विनिर्माण कंपनियाँ, मशीन उपकरण कंपनियाँ, मशीन वितरक।

कार्य वातावरण— सप्ताह में 5 दिन काम करना होता है और प्रतिदिन कम से कम 8 घंटे काम करना होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। इस क्षेत्र में विदेशों में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक → कुशल फिटर/असेंबलर → वरिष्ठ फिटर/असेंबलर → प्रक्रिया पर्यवेक्षक/टीम लीडर → उत्पादन पर्यवेक्षक/कार्यशाला पर्यवेक्षक → विनिर्माण/उत्पादन प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय
2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
3. सेंट्रल टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर, भुवनेश्वर, ओडिशा
4. राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़
5. राजीव गांधी प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

श्रीकाकुलम जिले के एक किसान के बेटे **टी. निरंजन** ने श्रीकाकुलम से अपनी आई.टी.आई. की शिक्षा और फिटर व्यापार में अपने कौशल को बढ़ाने और बढ़ाने के लिए लोहिया इंस्टीट्यूट (एस.आई.टी.), विशाखापत्तनम से प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, उन्हें एक इंडो-जापानी उद्यम प्राइम मीडेन लिमिटेड, नेल्लोर में नौकरी मिल गई। अब वह रुपये 16,000 प्रतिमाह वेतन कमा रहे हैं। वह यह अवसर प्रदान करने के देखें पूरा नहीं है।

स्रोत— https://www.hsscindia.in/wp-content/uploads/2018/12/Succes-Story-of-Trainees-from-SDIs.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

फिटर (प्रोसेसिंग)

फिटर (प्रोसेसिंग) से प्रोसेसिंग विभाग में सभी मशीनों के रख-रखाव और गतिविधियों के संचालन, जैसे कि सिंगिंग, सी.बी.आर. और ड्राइंग रेंज आदि कार्य करने की अपेक्षा की जाती है। साथ ही उन्हें सभी मशीनों के सही संचालन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से निवारक रख-रखाव गतिविधियाँ करने का उत्तरदायित्व सौंपा जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।
- आपको समस्याओं का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आपको पालन करने के लिए स्पष्ट निर्देश पसंद हो।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु के बाद आप राष्ट्रीय नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 5 फिटर (प्रोसेसिंग) प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर सकते हैं। इस क्षेत्र में 2 वर्ष का अनुभव बेहतर है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

फिटर (प्रोसेसिंग) की आय ₹ **20,500–25,600*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3m47YMi

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कपड़ा बनाने वाली कंपनियाँ।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

टेक्सटाइल वर्कर → रख-रखाव सहायक → फिटर–प्रोसेसिंग → शिफ्ट सुपरवाइजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न विभागों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सेंट्रल टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर, भुवनेश्वर, ओडिशा
2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
3. इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद, तेलंगाना

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान

1. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

राजू कन्नन द्वारा स्थापित, अंडावर लेथ वर्क्स एक अनुभवी कंपनी है, जो भारत में तेल मिल मशीनों के निर्माण और निर्यात के क्षेत्र में 55 वर्षों से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है। श्री राजू कन्नन ने अपने करियर की शुरुआत एक साधारण फिटर के रूप में की थी और समय के साथ उन्होंने अपने करियर में महत्वपूर्ण प्रगति की। आज, वह अपने दो पुत्रों, श्री बाला सुब्रमण्यम और श्री शणमुगा सुंदरम के साथ अंडावर लेथ वर्क्स का संचालन कर रहे हैं। इरोड के एक किसान परिवार से आने वाले श्री कन्नन ने वर्ष 1958 में तमिलनाडु सरकार की एजेंसी तांसी में एक टूल रूम हेल्पर के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद, उन्होंने शक्ति शुगर्स फैक्ट्री में हेल्पर के रूप में नौकरी की, जहाँ अपने गहन ज्ञान और कौशल के बल पर वह 'ए-ग्रेड फिटर' के उच्चतम पद तक पहुँचे। वर्तमान में उनकी कंपनी के पास न केवल भारत में बल्कि 24 से अधिक देशों में लगभग 32,000 संतुष्ट ग्राहक हैं।

स्रोत— https://m.dailyhunt.in/news/india/english/ahmedabad+mirror-epaper-ahdbdmr/from+fitter+to+asias+no+1+machine+manufacturer+helping+32000+farmers+to+double+their+income+transforming+indias+health+wealth-newsid-n463358068?sm=Y

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

खाद्य एवं पेय सेवा प्रबंधक

खाद्य एवं पेय सेवा प्रबंधक होटल, रेस्तरां, कैफे, भोज आदि जैसे प्रतिष्ठानों में आने वाले मेहमानों को उच्च-स्तरीय सेवाएँ प्रदान करते हैं। वे मेहमानों का स्वागत करते हैं, उन्हें बैठने की व्यवस्था कराते हैं और भोजन एवं पेय पदार्थ परोसते हैं। इसके अलावा, वे आवश्यक टेबलवेयर की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं और उपयोग किए गए बर्तनों को हटाकर टेबल की सफाई करते हैं। ग्राहक के खाते का निपटान भी वे प्रतिष्ठान के नियमों के अनुसार करते हैं। उनका दायित्व यह सुनिश्चित करना होता है कि ग्राहक हर समय संतुष्ट और प्रसन्न रहें।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आप निर्देशों का पालन करना पसंद करते हों।
- आप नए लोगों से मिलना पसंद करते हों।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 खाद्य और पेय सेवा-प्रबंधक पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

खाद्य एवं पेय सेवा प्रबंधक की आय ₹ **10,000–16,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3lRnxqm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— होटल, रेस्तरां, कैफ़े, बैंक्वेट, इवेंट मैनेजमेंट कंपनियाँ आदि।

कार्य वातावरण— आपको सप्ताह में 6 दिन 10–12 घंटे काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

खाद्य एवं पेय सेवा प्रबंधक → खाद्य एवं पेय सेवा सहयोगी → खाद्य एवं पेय सेवा प्रबंधक → रेस्तरां प्रबंधक



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम होटल प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. होटल मैनेजमेंट संस्थान, वारडेज, गोवा
2. होटल मैनेजमेंट संस्थान, नई दिल्ली
3. होटल मैनेजमेंट संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. होटल मैनेजमेंट संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. होटल मैनेजमेंट संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
6. होटल मैनेजमेंट संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल
7. होटल मैनेजमेंट संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
8. होटल मैनेजमेंट संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. होटल मैनेजमेंट संस्थान औरंगाबाद, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, मणिपाल, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे,
5. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

जसीम शेख एक पाँच सदस्यों वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आता है। उसके पिता, श्री अनवारुल, परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे, जबकि उसकी माँ गृहिणी हैं। मैट्रिकुलेशन के बाद, जसीम को अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी और वह दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करने लगा। इसी बीच, उसे पूर्णिया, बिहार में डॉन बॉस्को टेक सोसाइटी के मुफ्त कौशल विकास और प्लेसमेंट कार्यक्रम के बारे में जानकारी मिली, जो मोबिलाइजेशन टीम के माध्यम से संचालित हो रहा था। प्रारंभिक काउंसलिंग के बाद, जसीम ने फूड एंड बेवरेज सर्विस स्टीवर्ड के कोर्स में दाखिला लिया। इस कोर्स का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, उसे चेन्नई स्थित एक प्रतिष्ठित कंपनी, द बारबेक्यू नेशन में कैंपस सेलेक्शन के माध्यम से नौकरी मिल गई। जसीम ने तुरंत नौकरी ज्वाइन की और अब वह रुपये 11,000 प्रतिमाह की कमाई कर रहा है, जिसमें उसे मुफ्त भोजन और आवास की सुविधा भी मिल रही है। वह न केवल अपने भाई-बहनों की पढ़ाई में सहायता कर रहा है, बल्कि राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एन.आई.ओ.एस.) के माध्यम से अपनी खुद की शिक्षा भी जारी रखे हुए है। जसीम की इस सफलता से उसके परिवार की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है और वह अपने काम से बेहद संतुष्ट है।

स्रोत— https://dbtech.in/SuccessStory.aspx?StoryID=MpT3DTSGUcYvoXdsp3q+FqUmlAxQSGu1gj8/2OYGi8o=

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

जनरल हाउसकीपर

हाउसकीपर के उत्तरदायित्व में संपत्ति और सामान्य क्षेत्रों की सफाई करना सम्मिलित हैं, जिसमें झाड़ू और पोंछा लगाना सम्मिलित है। उन्हें सभी निर्धारित हाउसकीपिंग कार्यों को समय पर पूरा करना होता है, साथ ही कार्यस्थल पर साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखना भी आवश्यक होता है। हाउसकीपिंग के दौरान, हमेशा सही प्रक्रियाओं का पालन करना अनिवार्य होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप बुनियादी सुरक्षा और स्वच्छता मुद्दों से अवगत हों।
- आपके पास अच्छा संचार कौशल हों।
- आप निर्देशों का पालन करने में सक्षम हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद जनरल हाउसकीपर के नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 14 वर्ष होनी आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

जनरल हाउसकीपर की आय ₹ **8,000–16,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3W0DDus

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— होटल और मोटल, रेस्टोरेंट, क्रूज़ लाइनर।

कार्य वातावरण— यह शारीरिक काम है। सामान्यतः आप सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन लगभग 10–12 घंटे काम करेंगे। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

हाउसकीपिंग सहायक → हाउसकीपिंग सहायक → हाउसकीपिंग स्टाफ → हाउसकीपर प्रक्रिया पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम होटल प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. होटल प्रबंधन संस्थान
2. बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश
3. हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर
4. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
5. मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, उडुपी, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. बनारसीदास चाँदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग
4. टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
5. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
6. ओबेरॉय सेंटर ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली
7. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
8. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली, पंजाब



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

फहीम सुल्ताना, बापू नगर सेरिलिंगमपल्ली की निवासी हैं। उन्होंने पहले 3 से 4 घरों में घरेलू सहायिका के रूप में काम किया, जहाँ उन्हें प्रतिमाह कुल मिलाकर रुपये 2000 से 3000 का वेतन मिलता था। उन्होंने जनरल हाउसकीपर कोर्स के तहत पी.एम. के.वी.वाई. प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें सफाई, पोछा लगाना, धूल हटाना, सफाई एजेंटों का उपयोग, सुरक्षा, स्वच्छता और जीवन कौशल जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया था। इस प्रशिक्षण के बाद उन्हें एक प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ, जिसकी सहायता से उन्होंने डी.एल.एफ. कंपनी में नौकरी हासिल की, जहाँ उनका वेतन बढ़कर प्रतिमाह 10,000 रुपये हो गया। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान काम भी किया और उन्हें यह प्रशिक्षण बहुत लाभकारी साबित हुआ।

स्रोत— https://www.nationalskillsnetwork.in/volskytechnologies/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

हेल्पर (बढ़ई)

हेल्पर (बढ़ई) की मुख्य भूमिका सामग्री, घटकों और उपकरणों की पहचान करना और उन्हें संभालने और स्थानांतरित करने का काम करना है। वे लकड़ी/प्लाईवुड के साथ काम करते हैं और हाथ के औजारों के बारे में व्यापक ज्ञान रखते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हो।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद शटरिंग कारपेंटरी के नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 2 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

हेल्पर (बढ़ई) की आय ₹ **6,000–18,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3Z6cRCB

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— निर्माण एजेंसियाँ।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

हेल्पर कारपेंटर–शटरिंग और मचान → हेल्पर शटरिंग कारपेंटर/सहायक मचानकर्ता → मचानकर्ता/सिस्टम शटरिंग कारपेंटर/ पारंपरिक शटरिंग कारपेंटर/ बिल्डिंग कारपेंटर → कार्य पर्यवेक्षक/निर्माण ठेकेदार → परियोजना प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान
2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
3. निर्माण उद्योग विकास परिषद
4. राष्ट्रीय निर्माण अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना

निजी संस्थान

1. नेट्टूर तकनीकी प्रशिक्षण फाउंडेशन
2. डॉन बॉस्को तकनीकी संस्थान
3. लार्सन एंड टूब्रो प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

संदीप चौरसिया ने सिर्फ 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की, क्योंकि उन्हें अपने परिवार के खर्चों में सहयोग करना था। एक मध्यम आय वर्ग के परिवार से आने वाले संदीप के पिता निर्माण मजदूर के रूप में काम करते थे। संदीप हमेशा निर्माण क्षेत्र के पारंपरिक काम से हटकर कुछ अलग करने की चाहत रखते थे, इसलिए उन्होंने शटरिंग में रुचि ली। उन्होंने यह कौशल सीखा और अब शटरिंग के क्षेत्र में कुशलता प्राप्त कर चुके हैं।

स्रोत— संदीप चौरसिया (37), शटरर, इटारसी, मध्य प्रदेश के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार।

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

हेल्पर फेब्रिकेशन

फेब्रिकेशन में हेल्पर, फेब्रिकेशन की विभिन्न प्रक्रियाओं जैसे कटिंग, वेल्डिंग, फिटिंग आदि में सहायता प्रदान करते हैं। वे निर्माण क्षेत्र में कार्य करते हैं और वेल्डिंग व कटिंग जैसे कार्यों में भी कुशल होते हैं। इसके अलावा, वे उन उपकरणों की जानकारी भी प्राप्त करते हैं, जिनका उपयोग इस क्षेत्र में किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हो।
- आप टीम में काम करने में सहज हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 2 निर्माण सहायक प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

हेल्पर फेब्रिकेशन की आय ₹ **8,500–17,200*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3XSduyI

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आवासीय परिसर, हाउसिंग सोसायटी, स्कूल, कॉलेज भवन, निर्माण एजेंसियाँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

हेल्पर फेब्रिकेशन → सहायक ऑपरेटर → वरिष्ठ ऑपरेटर → पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

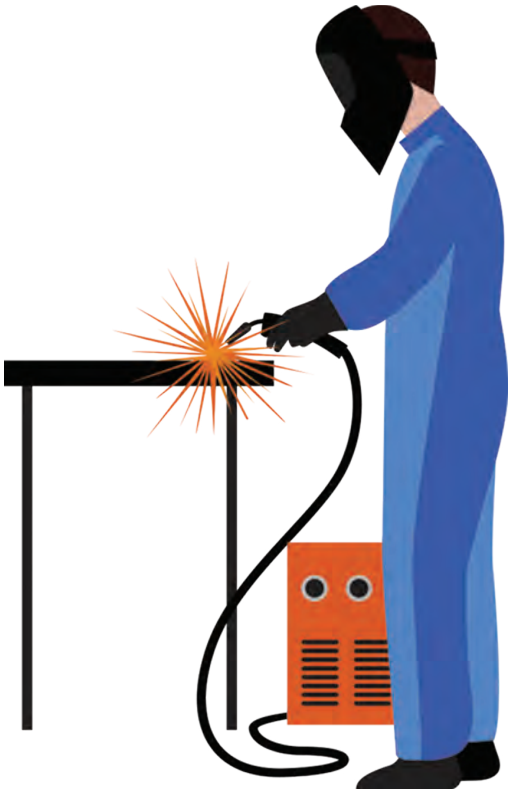
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान
2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
3. उन्नत प्रशिक्षण संस्थान
4. राष्ट्रीय माध्यमिक इस्पात प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी गोबिंदगढ़, पंजाब

निजी संस्थान

1. नेट्टूर तकनीकी प्रशिक्षण फाउंडेशन
2. डॉन बॉस्को तकनीकी संस्थान
3. लार्सन एंड टुब्रो प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

कक्षा 10 उत्तीर्ण के बाद **मनीष सिसोदिया** ने एल्युमीनियम फैब्रिकेशन सेक्शन में एक अनुभवी व्यक्ति के साथ काम आरंभ कि उन्होंने उनके साथ तीन साल तक काम किया और उसके बाद उन्होंने खुद के प्रोजेक्ट लेना आरंभ कर दिया और फिलहाल वे पूरे साल व्यस्त रहते हैं। वे कहते हैं— "मैंने अलग-अलग तरह के एल्युमीनियम के काम किए हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ सीखना बाकी है"। वे प्रोजेक्ट के आधार पर हर महीने रुपये 20,000–30,000 कमाते हैं।*

स्रोत— मनीष सिसोदिया के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार, बैतूल जिला, मध्य प्रदेश

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

होम डिलीवरी बॉय

होम डिलीवरी करने वाले लोग हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। उनका मुख्य काम रेस्तरां या खान-पान केंद्र से ग्राहकों के पास भोजन और पेय पदार्थ पहुँचाना होता है। इसके साथ ही, वे बिलों का भुगतान एकत्र करने और ग्राहकों से फीडबैक साझा करने का उत्तरदायित्व भी निभाते हैं। डिलीवरी से पहले उन्हें ऑर्डर के अनुसार डिलीवरी आइटम की पुष्टि करनी होती है। इसके अलावा, वे वाहन की छोटी-मोटी मरम्मत करने और ड्राइविंग के दौरान सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए भी प्रशिक्षित होते हैं। उन्हें विभिन्न प्रकार के ग्राहकों से बातचीत करने और एक सकारात्मक कार्य वातावरण बनाए रखने की कला भी सिखाई जाती है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको बाहर काम करना पसंद हो।
- आप नए लोगों से मिलने में सहज हों।
- आपके पास अच्छा संचार कौशल हो।
- आप विश्वसनीय और ग्राहक केंद्रित हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन्स फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ)* स्तर 4 होम डिलीवरी बॉय पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं। आपके पास दोपहिया वाहन का लाइसेंस होना चाहिए।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

होम डिलीवरी बॉय फ्रेशर के लिए आय ₹ **12,000–20,000** प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

स्रोत— htt ps//ww w.gla ssd oor.c o. in/ Sala ries/ delivery-boy-salary-SRCH_KO0,12.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— होटल, रेस्टोरेंट, ऑनलाइन फ़ूड डिलीवरी सेवाएँ

कार्य वातावरण— आपको सप्ताह में कम से कम 6 दिन काम करना होगा और प्रतिदिन 10–12 घंटे काम करना होगा। आपको ओवरटाइम और विषम परिस्थितियों में काम करना होगा। इस काम में बहुत अधिक यात्रा करनी पड़ती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु होम डिलीवरी बॉय → होम डिलीवरी बॉय → होम डिलीवरी प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थानों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. होटल प्रबंधन संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
2. बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश
3. हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड
4. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
5. मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी.से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल
3. बनारसीदास चाँदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
5. ओबेरॉय सेंटर ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली
6. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली, पंजाब



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

शिवा ने अपनी बी.टेक. की पढ़ाई करने के बाद स्विगी के लिए काम करना आरंभ किया, क्योंकि उन्हें अपनी योग्यता के अनुसार कोई अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी नहीं मिल पा रही थी। 25 वर्षीय शिवा प्रतिदिन औसत आठ घंटे काम करते हैं और प्रतिमाह लगभग रुपये 25,000 कमाते हैं। उनका मानना है कि जीवन एक महान शिक्षक है। शिवा के लिए, यह सीखने का सबक श्रम की गरिमा के बारे में था, जो उन्होंने अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान नहीं सीखा था। बी.टेक. की डिग्री लेने के दो साल बाद, अब वह प्रतिदिन आठ से नौ घंटे अपने दोपहिया वाहन पर शहर के भूखे ग्राहकों तक भोजन पहुँचाते हैं। वे कहते हैं, "पहले मैं खुद ऑनलाइन खाना मँगवाता था और कभी नहीं सोचा था कि एक दिन मैं खुद फूड डिलीवरी बॉय के रूप में काम करूँगा। हालाँकि, यह काम कठिन नहीं है," हैदराबाद में स्विगी के लिए काम करने वाले सैकड़ों डिलीवरी पार्टनर्स में से एक शिवा बताते हैं, "निश्चित रूप से, मैं जो पैसा कमाता हूँ, वह अन्य किसी नौकरी की तुलना में कहीं अधिक है।"

स्रोत— https://www.livemint.com/news/india/a-b-tech-graduate-tastes-success-delivering-food-to-customers-1548870682049.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

होम कुक

कुक और घरेलू कार्यों के लिए उत्तरदायी व्यक्ति का काम घरों में भोजन तैयार करना और पकाना है। उन्हें रसोई और खाना पकाने के बर्तनों की सफाई भी करनी होती है। वे भोजन परोसने और खाने के बाद की सफाई का भी ध्यान रखते हैं। स्वच्छता और सफाई बनाए रखना उनके काम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको अलग-अलग व्यंजन बनाना पसंद हो।
- आप समय का अच्छा प्रबंधन कर सकते हों।
- आपको व्यक्तिगत स्वच्छता और सफाई बनाए रखना पसंद हो।
- आपके पास अच्छी योजना और संगठनात्मक कौशल हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद और न्यूनतम आयु 18 वर्ष होने पर होम कुक के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 पाठ्यक्रम में नामांकन करना आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

होम कुक की आय ₹ **14,000–15,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3ZGkNfc

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— स्कूलों, बाल देखभाल गृहों, छात्रावासों, अस्पतालों, घरेलू घरों, एस.एच.जी. आदि में मध्याह्न भोजन पकाने वाले।

उद्यमिता— कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आप फ्रीलांस कुक के रूप में काम कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्यतः लचीले कार्य घंटे होते हैं। यात्रा करना नौकरी का हिस्सा है। संस्थानों में काम के घंटे 8–9 घंटे हो सकते हैं। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

घरेलू सहायक → सहायक रसोइया (कुक),
घरेलू → रसोइया (कुक), घरेलू



आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम होटल प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. होटल मैनेजमेंट संस्थान, वारडेज, गोवा
2. होटल मैनेजमेंट संस्थान, नई दिल्ली
3. होटल मैनेजमेंट संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. होटल मैनेजमेंट संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. होटल मैनेजमेंट संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
6. होटल मैनेजमेंट संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल
7. होटल मैनेजमेंट संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
8. होटल मैनेजमेंट संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. होटल मैनेजमेंट संस्थान औरंगाबाद, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, मणिपाल, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे,
5. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, बेंगलुरु, कर्नाटक

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

हाउस ऑफ फ्लेवर्स की संस्थापक और शेफ **अमृता कामथ** ने अपने खाना पकाने के जुनून के चलते होम शेफ के रूप में अपना करियर आरंभ किया। उन्होंने अपनी रसोई से दो साल तक काम किया, जहाँ वे अपने दोस्तों और परिचितों को घर का बना खाना परोसती थीं। जब उन्हें एहसास हुआ कि उनके भोजन की सराहना हो रही है और ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, तो उन्होंने अपनी पाक कला के सफर में एक और कदम बढ़ाने का निर्णय लिया। लॉकडाउन के दौरान, उन्होंने अपने व्यंजनों को और बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया, नए व्यंजन तैयार किए और अपनी विशेषता एशियाई और महाद्वीपीय व्यंजनों में बनाई। उन्होंने क्लाउड किचन के कामकाज को समझने के लिए एक कोर्स भी किया, ताकि वे कम संसाधनों में खाद्य उत्पाद बना और वितरित कर सकें। बिजनेस की बारीकियों को समझने के बाद, अमृता ने एक छोटी रसोई किराए पर ली, तीन सहायक शेफ को नियुक्त किया और इस तरह हाउस ऑफ फ्लेवर्स की शुरुआत हुई। हाउस ऑफ फ्लेवर्स अब बोरीवली से अंधेरी तक और पूरे मुंबई में थोक ऑर्डर के लिए डिलीवरी सेवा प्रदान करता है।

स्रोत— https://www.cnbctv18.com/business/inspiration-success-begins-at-home-a-picture-story-of-home-based-startups-11233582.htm

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

हाउसकीपिंग अटेंडेंट (मैनुअल क्लीनिंग)

हाउसकीपिंग अटेंडेंट (मैनुअल क्लीनिंग) को विभिन्न उद्योगों और प्रतिष्ठानों द्वारा नियुक्त किया जाता है। वे संपत्ति के फर्श, ऊर्ध्वाधर सतहों, फर्नीचर और जुड़नार की मैन्युअल रूप से सफाई करने के लिए उत्तरदायी होते हैं। ये संपत्ति के आंतरिक और बाहरी क्षेत्रों जैसे कि शौचालय, कार्यालय, सभागार, लिफ्ट, उपयोगिता कक्ष, कैंटीन, पेंट्री और सामान्य क्षेत्रों की सफाई करते हैं। व्यक्ति झाड़ू लगाने, साफ करने, पोछा लगाने, पोंछने और कचरे का निपटान करने के लिए मैन्युअल उपकरणों का उपयोग करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप मेहनती हों और साफ-सफाई पर पूरा ध्यान देते हों।
- आपका व्यक्तित्व आकर्षक हो और समय प्रबंधन कौशल भी अच्छा हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 हाउसकीपिंग अटेंडेंट (मैनुअल क्लीनिंग) कोर्स के लिए नामांकन कर सकते हैं। हाउसकीपिंग अटेंडेंट-मैनुअल क्लीनिंग के रूप में न्यूनतम 1 वर्ष के अनुभवी को प्राथमिकता।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

हाउसकीपिंग अटेंडेंट (मैनुअल क्लीनिंग) की आय **₹ 8,000–16,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3W0DDus

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कारखाने, कार्यालय, होटल, कोई भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान।

कार्य वातावरण— आपको सप्ताह में 6 दिन प्रतिदिन 10–12 घंटे काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

हाउसकीपिंग अटेंडेंट → रूम अटेंडेंट → हाउसकीपिंग सुपरवाइजर → हाउसकीपिंग मैनेजर → कार्यकारी हाउसकीपर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थानों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. होटल प्रबंधन संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
2. बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश
3. हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड
4. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
5. मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. बनारसीदास चाँदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
5. ओबेरॉय सेंटर ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली
6. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा उत्तर प्रदेश
7. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली, पंजाब



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

इवानिशा का जन्म 15 अप्रैल 1995 को मेघालय के री-भोई जिले के नोंगपोह स्थित उमजारसी गाँव में हुआ था। वह अपनी माँ, दो भाइयों और तीन बहनों के साथ रहती हैं। वर्ष 2014 में, उसके पिता के निधन के बाद, उनके परिवार को कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा। उसी समय, एक दोस्त ने उसे डॉन बॉस्को टेक सोसाइटी के कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बताया और शिलांग के किसी केंद्र में जाने की सलाह दी। अपनी दोस्त की सलाह मानते हुए, इवानिशा ग्रामीण संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र (आर.आर.टी.सी) पहुँचीं, जहाँ प्रशिक्षकों ने उनकी काउंसलिंग की और रुचियों का मूल्यांकन करने के बाद उन्हें हाउसकीपिंग मैनुअल क्लीनिंग अटेंडेंट सेवा में नामांकित करने का निर्णय लिया। इवानिशा ने मेघालय के री-भोई जिले के उमरान स्थित आर.आर.टी.सी. से हाउसकीपिंग अटेंडेंट (मैनुअल क्लीनिंग) का 60 दिवसीय प्रशिक्षण पूरा किया। इसके बाद, वह एक साक्षात्कार में सम्मिलित हुईं और उन्हें वीवर्क टी.सी.एफ.एम., बेंगलूरु में काम करने का अवसर मिला। वर्तमान में, इवानिशा वीवर्क सिम्बायोसिस, टी.सी.एफ.एम. में हाउसकीपिंग ट्रेनी के रूप में काम कर रही हैं, जहाँ उन्हें रुपये 12,000 मासिक के साथ निःशुल्क भोजन और आवास भी प्रदान किया जा रहा है।

स्रोत— https://www.dbth.in/SuccessStory.aspxStoryID=1bFHdKhZa8U2H9mPkIfMlWBqjtwY1sndv02XmJPgpYg=

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

औद्योगिक उत्पादन कार्यकर्ता (खाद्य प्रसंस्करण)

औद्योगिक उत्पादन कर्मचारी के कर्तव्यों में मशीनीकृत इकाई में उत्पादन की तैयारी, उसकी निगरानी और दिए गए निर्देशों एवं विनिर्देशों के अनुसार कार्य करना सम्मिलित है। इस भूमिका के अंतर्गत, उत्पादन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में खाद्य और व्यक्तिगत सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन करना भी आवश्यक होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप काम करते समय हर छोटी-बड़ी बात पर ध्यान देते हों।
- आप समूह में काम करने में सहज हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 2 औद्योगिक उत्पादन कार्यकर्ता प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

औद्योगिक उत्पादन कार्यकर्ता (खाद्य प्रसंस्करण) की आय **₹ 10,200–40,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/food-production-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— खाद्य प्रसंस्करण इकाई, खाद्य प्रसंस्करण कंपनियाँ, कुटीर उद्योग, स्वयं सहायता समूह, गैर राजकीय संगठन, सी.एस.आर. वित्त द्वारा वित्तपोषित परियोजनाएँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक औद्योगिक उत्पादन इकाई कार्यकर्ता → औद्योगिक उत्पादन इकाई कार्यकर्ता → उत्पादन पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
2. राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान, कुंडली, हरियाणा
3. केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर, कर्नाटक
4. भारतीय खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान, तंजावुर, तमिलनाडु

निजी संस्थान

5. सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, पुणे, महाराष्ट्र
6. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा, पंजाब
7. एमिटी यूनिवर्सिटी



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले **नवेन्दु मिश्रा** हमेशा से ही अपना व्यवसाय आरंभ करना चाहते थे। चूंकि वे 'भारत के कृषि क्षेत्र' से आते थे, इसलिए उन्हें तेल उत्पादन का विचार बहुत पसंद आया। इसी विचार से श्री घानी की शुरुआत हुई। शुरुआत में उन्होंने एक अन्य स्थानीय मालिक से सहायता माँगी। वे नारियल, तिल, मूंगफली, सरसों के बीज के तेल आदि पेरते हैं। दो साल के भीतर ही उनके कई ग्राहक बन गए।*

स्रोत— श्री नवेन्दु मिश्रा के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार।

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

इंस्टॉलर–फ्रेमलेस ग्लास डोर्स/विंडोज

फ्रेमलेस ग्लास डोर/विंडो इंस्टॉलर फ्रेम के साथ ग्लास डोर को ठीक करते हैं या आवश्यक तकनीकी हार्डवेयर का उपयोग करके नए दरवाजे और खिड़कियाँ स्थापित करते हैं। इंस्टॉलर को हार्डवेयर के उपयोग और लॉक, टिका, डोर क्लोजर आदि जैसे उपकरणों के बारे में गहन जानकारी होनी चाहिए।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हो।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 फ्रेमलेस ग्लास डोर/विंडो इंस्टॉलर प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

फ्रेमलेस ग्लास डोर्स/विंडोज लगाने वालों की आय ₹ **10,200–40,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Skill=Window_or_Door_Installation/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— निर्माण एजेंसियाँ, वास्तुकला एजेंसियाँ, सिविल इंजीनियरिंग फर्म, बिल्डर्स इत्यादि।

कार्य वातवरण— आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

टेंट फ्रेमलेस ग्लास डोर/विंडो इंस्टॉलर → फ्रेमलेस ग्लास डोर/विंडो इंस्टॉलर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
2. राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान

निजी संस्थान

1. सेंट-गोबेन प्रशिक्षण अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु
2. फेनेस्ट्रेशन और ग्लेजिंग इंडस्ट्री अलायंस
3. असाही इंडिया ग्लास लिमिटेड प्रशिक्षण केंद्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

यश मालवीय ने केवल 14 वर्ष की उम्र में ही अपने पिता के व्यवसाय में हाथ बंटाना आरंभ कर दिया था, जो दरवाजे और खिड़कियाँ बनाने में कुशल थे। जब वे पूर्णकालिक रूप से इस व्यवसाय से जुड़े, तो उन्होंने अपनी विशेषज्ञता भी इसमें जोड़ दी। यश कहते हैं, "मैं एक छोटे से शहर में रहता हूँ, घर से काम करता हूँ और मेरे पास नियमित काम है। इससे ज्यादा मुझे और क्या चाहिए?"

स्रोत— यश मालवीय के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार

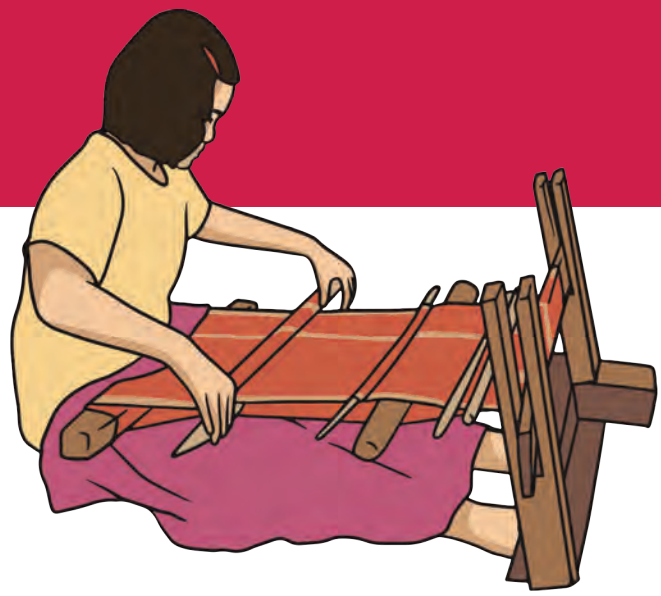
**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

जूट हथकरघा बुनकर

जूट हथकरघा बुनकर को करघे पर जूट फाइबर बुनाई का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें बुनाई करघे के संचालन में प्रशिक्षित किया जाता है और हथकरघा मशीन के उचित कामकाज को सुनिश्चित किया जाता है। उन्हें बुनकर के स्वास्थ्य और सुरक्षा पहलुओं को सुनिश्चित करने के साथ-साथ अच्छी गुणवत्ता वाले बुने हुए उत्पाद बनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपकी आँखों और हाथों का समन्वय अच्छा हो।
- आप ध्यान केंद्रित करने में कुशल हों, और लंबे समय तक काम कर सकते हों।
- आप निर्देशों का अच्छी तरह से पालन कर सकते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद और नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 जूट हथकरघा बुनकर पाठ्यक्रम के लिए नामांकन के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

जूट हथकरघा बुनकर की आय ₹ **10,149–11,269*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/weaver-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— जूट शिल्प बुनाई एजेंसी, जूट निर्माण एजेंसी।

उद्यमिता— यदि आपके घर में हथकरघा है तो एजेंसियों से ऑर्डर लिया जा सकता है।

कार्य वातावरण— एक सामान्य कार्यदिवस 8–9 घंटे का होता है और सप्ताह में 6 दिन होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु बुनकर → जूट बुनकर → पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. हथकरघा प्रशिक्षण संस्थान, बारपेटा, असम
2. हथकरघा प्रशिक्षण संस्थान, नागाँव, असम
3. हथकरघा प्रशिक्षण संस्थान, लखीमपुर, उत्तर प्रदेश
4. हथकरघा प्रशिक्षण संस्थान, बस्का, असम



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

वे दिन अब बीत चुके हैं जब जूट का उपयोग केवल पैकेजिंग के लिए बोरियों के निर्माण में कच्चे माल के रूप में किया जाता था। अब यह पर्यावरण मित्र होने के कारण फैशन और हस्तशिल्प उद्योगों में एक नई उमंग पैदा कर रहा है, जो दैनिक उत्पादों हेतु एक नए स्रोत के रूप में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में लोकप्रिय हो रहा है। बढ़ते हुए मुनाफे ने **कृष्णेंदु दत्ता** जैसे युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित किया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से स्नातक, दत्ता अब न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में जूट उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने बताया, "एक बेहतरीन चमड़े के बैग की कीमत लगभग रुपये 800 होती है, जबकि उतने ही फैशनेबल जूट बैग की कीमत सिर्फ रुपये 250 होती है।" दत्ता को उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में निर्यात में 200 प्रतिशत की वृद्धि होगी। वर्ष 1999 से जूट के विविध उत्पादों के निर्यात में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो पिछले साल रुपये 250 करोड़ (2.5 बिलियन रुपये) के आँकड़े को पार कर गया है। श्रम-प्रधान जूट उद्योग देश भर में फैली 12,000 इकाइयों में कार्यरत लगभग दो लाख कारीगरों को रोजगार प्रदान कर रहा है।

स्रोत— https://m.rediff.com/money/2005/nov/04jute.htm

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

रसोईघर प्रबंधक

रसोईघर प्रबंधक होटल, रेस्टोरेंट, कैफे, टूरिस्ट कैंप, होम स्टे आदि में काम करते हैं। उनका मुख्य कार्य किचन के बर्तन, औजार और उपकरणों को साफ करना होता है। वे रसोईघर के बर्तनों का स्टॉक बनाए रखते हैं और खाना पकाने के क्षेत्र में स्वच्छता के उच्च मानकों को सुनिश्चित करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों और आपकी सहनशक्ति अच्छी हो।
- आप दायित्व लेने के लिए तैयार हों।
- आपको दिशा निर्देश का पालन करने के लिए स्पष्ट निर्देश पसंद हो।
- आपको समूह में काम करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 रसोईघर प्रबंधक पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

रसोईघर प्रबंधक की आय ₹ **8,000–16,500*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3lLq8Cd

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— होटल, रेस्टोरेंट, कैफे, लाउंज, पर्यटक केंद्र।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 10 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करना पड़ सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु रसोई प्रबंधक → रसोई प्रबंधक → पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम होटल प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. होटल मैनेजमेंट संस्थान, वारडेज, गोवा
2. होटल मैनेजमेंट संस्थान, नई दिल्ली
3. होटल मैनेजमेंट संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. होटल मैनेजमेंट संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. होटल मैनेजमेंट संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
6. होटल मैनेजमेंट संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल
7. होटल मैनेजमेंट संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
8. होटल मैनेजमेंट संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. होटल मैनेजमेंट संस्थान औरंगाबाद, महाराष्ट्र
10. होटल मैनेजमेंट संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

शेरो होम फूड के पास 50 पंजीकृत होम शेफ हैं, जो स्विगी, जोमैटो और डंजो के माध्यम से शहर के विभिन्न स्थानों पर खान-पान सेवाएँ प्रदान करते हैं। इस सेवा की माँग लॉकडाउन के समय से बढ़ी है और अब भी जारी है। शेरो की थिलक बताती हैं, "हमारी वेबसाइट पर एक साधारण फार्म है। जब कोई होम शेफ पंजीकरण कराता है, तो हम वीडियो कॉल द्वारा उनकी और उनकी रसोई की पृष्ठभूमि की त्वरित जाँच करते हैं। यदि वे स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन करते हैं, तो हम उन्हें एफ.एस.एस.ए.आई. लाइसेंस दिलाते हैं। इसके बाद, उन्हें अन्ना नगर में हमारे डेमो किचन में या लॉकडाउन के आधार पर वर्चुअल प्रशिक्षण सत्र दिए जाते हैं। प्रशिक्षण में पेंट्री को स्टॉक करने, त्वरित व्यंजनों, पैकिंग तकनीकों, सोशल मीडिया कौशल और ऑर्डर प्रबंधन की मूल बातें सम्मिलित होती हैं। इससे वे अपनी रसोई को स्वतंत्र रूप से चलाने के लिए तैयार हो जाते हैं।" इस प्लेटफार्म से जुड़े कई होम शेफ में से एक हैं **आयशा मरियम**, जो पुसावलकम की निवासी हैं। तीन बच्चों की माँ और गृहिणी, आयशा अपने व्यक्तिगत जीवन और शेरो के लिए खाना पकाने के बीच संतुलन बना रही हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले छह महीनों से शेरो की सदस्य हैं और घर से काम करने के लिए ऑनलाइन खोज कर रही थीं। "यह मेरे लिए बहुत लाभप्रद रहा है, क्योंकि मुझे पहले से खाना बनाना आता था और इस प्लेटफार्म पर पंजीकरण के लिए कोई निवेश करने की आवश्यकता नहीं थी। मैं अपने घर के कामों को पहले से योजना बनाकर पूरा करती हूँ, फिर शेरो के लिए खाना बनाना आरंभ करती हूँ। हर ऑर्डर तैयार करने के लिए मुझे 30 मिनट मिलते हैं, इसलिए जब तक मैं एक ऑर्डर तैयार नहीं कर लेती, मैं दूसरा ऑर्डर स्वीकार नहीं करती। कभी-कभी, मेरे पास आवश्यक सामग्री नहीं होती, क्योंकि यह एक छोटी-सी रसोई है। ऐसे में उपभोक्ता को स्विगी के माध्यम से अन्य विकल्पों की जानकारी दी जाती है और वैकल्पिक व्यवस्था की जाती है। यह एक बहुत लचीला मॉडल है।" और यह मात्र खाना बनाना और भेजना भर नहीं है।

स्रोत— https://www.newindianexpress.com/cities/ chennai/2021/ jun/01/cooking-a-success-story-2310038.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

लैपिडारिस्ट

लैपिडारिस्ट, कीमती पत्थरों को काटने, आकार देने और उकेरने की कला में पारंगत होते हैं। इसके अलावा, "लैपिडरी" शब्द उन व्यक्तियों के लिए भी प्रयोग किया जाता है, जो रत्नों का संग्रह करते हैं या उनका व्यापार करते हैं।



व्यक्तिगत गुण

- आपको पत्थरों और रत्नों में गहन रुचि हो।
- आप अपने काम की प्रक्रिया खुद तय कर सकते हों।
- आप स्वयं का व्यवसाय आरंभ करना चाहते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **50,000–2,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. जेमोलॉजी/ज्वेलरी डिजाइनिंग में स्नातक (बी.एससी./बी.डेस.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

जेमोलॉजी में डिप्लोमा करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.एससी./एम.डेस.) की डिग्री प्राप्त करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

लैपिडारिस्ट की आय ₹ **20,415–4,16,667*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Job=Gemologist/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आभूषण की दुकानें, प्राचीन वस्तुओं की दुकानें, गैलरी या स्टोर आदि।

उद्यमिता— स्वयं का व्यवसाय आरंभ करना चुन सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप अपना अधिकांश समय वर्कबेंच या पॉलिशिंग स्टेशन पर बिताएँगे, उपकरण और रसायनों का उपयोग करेंगे। आप किसी टीम का नेतृत्व नहीं करेंगे। स्थानीय यात्रा नौकरी प्रोफाइल का भाग नहीं है। यदि आप किसी स्टोर या गैलरी में काम करते हैं, तो आपको सप्ताह में 5–6 दिन, प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करना होगा।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु → लैपिडारिस्ट → वरिष्ठ लैपिडारिस्ट → प्रशिक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह संस्थान रत्न विज्ञान में पाठ्यक्रम संचालित करते हैं।

संस्थान

1. राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
2. एनसाइन–द ज्वेल डिजाइन इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
3. आर्क जेमोलॉजी एंड ज्वेलरी इंस्टीट्यूट, जयपुर, राजस्थान
4. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात
5. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
6. भारतीय रत्न विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
7. भारतीय रत्न एवं आभूषण संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
8. भारतीय कला एवं डिजाइन संस्थान, नई दिल्ली
9. भारतीय रत्न विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
10. औद्योगिक डिजाइन केंद्र, मुंबई, महाराष्ट्र
11. जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सुरभि स्वरूप, एम.ए.आई.ए. बेस्पोक की संस्थापक, एक कुशल डिजाइनर और लैपिडारिस्ट हैं। उनका कार्य पेरिस के चैनल फ्लैगशिप स्टोर से लेकर भारतीय महलों और पाँच सितारा होटलों तक फैला हुआ है। स्वरूप ने दिल्ली के ए.पी.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन से डिजाइन और इतिहास में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है।

स्रोत— https://www.worldconstructionnetwork.com/contractors/interior-designers /surabhi-design/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

चमड़ा तकनीशियन

चमड़ा तकनीशियन प्राकृतिक (जैसे कच्चा चमड़ा, सेब के छिलके या अनानास की पौधों की फेंकी गई पत्तियाँ) और कृत्रिम (पॉलिमर) सामग्रियों को चमड़े में बदलने के लिए वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। इसके साथ ही, वे चमड़े के प्रसंस्करण, सामग्रियों, रसायन विज्ञान, विनिर्माण और मशीनरी से संबंधित सभी पहलुओं का ध्यान रखते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप एक रचनात्मक व्यक्ति हों।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आपको पालन करने के लिए स्पष्ट निर्देश पसंद हों।
- आपको वस्तुएँ बनाना या जोड़ना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।**
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 50,000–3,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. चमड़ा प्रौद्योगिकी में स्नातक (बी.टेक./बी.ई.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

चमड़ा प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबद्ध क्षेत्र में स्नातकोत्तर करें।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

चमड़ा तकनीशियन की आय **₹ 19,000–35,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— httpsj/www.glassdoor.eo.in/Sa/a ries/ leather-engineer-salary-SRCH_KOO,16.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आपको चमड़े के सामान बनाने वाली कंपनियों जैसे कि असबाब, जूते, कपड़े, फैशन और खुदरा क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों में काम मिल सकता है।

कार्य वातावरण— आपको अलग-अलग हितधारकों के साथ मिलकर काम करना होगा। आप सामान्यतः सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन कम से कम 8–9 घंटे काम कर सकते हैं। हालाँकि, आप लंबे अनियमित कार्य घंटों की उम्मीद कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

चमड़ा तकनीशियन → उत्पादन प्रबंधक, कारखाना → महाप्रबंधक, कारखाना

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. हरकोर्ट बटलर टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, कानपुर, उत्तर प्रदेश
2. गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, मुंबई, महाराष्ट्र
3. मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुजफ्फरपुर, बिहार
4. आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी, पटना, बिहार
5. गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड लेदर टेक्नोलॉजी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
6. कश्मीर गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर
7. गवर्नमेंट लेदर इंस्टीट्यूट, कानपुर, उत्तर प्रदेश
8. गवर्नमेंट लेदर इंस्टीट्यूट, आगरा, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा, उत्तर प्रदेश
2. अलगप्पा कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई
3. कर पॉलिटेक्निक कॉलेज, अंबुर, तमिलनाडु
4. मैंगलोर इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, कर्नाटक
5. सी.एम.जे. यूनिवर्सिटी, जोराबट, मेघालय
6. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
7. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर, पंजाब
8. साई यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—
https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

संगीता एक कुशल लेदर कटर हैं, जिन्हें राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एन.एस.डी.सी.) के तहत लेदर सेक्टर स्किल काउंसिल (एल.एस.एस.सी.) में प्रशिक्षण मिला है। एल.एस.एस.सी. में अपने प्रशिक्षण के बाद, उन्होंने मोहिब शूज में लेदर कटर के रूप में कार्य आरंभ किया। वे कहती हैं, "आज मैं मोहिब शूज में लेदर कटर के रूप में काम कर रही हूँ, जिससे मैं अपने बच्चों की शिक्षा का ध्यान रख पा रही हूँ और अपने घरेलू आवश्यकताओं को पूरा कर रही हूँ। अब मैं एक आत्मविश्वासी महिला बन चुकी हूँ।"

स्रोत— https://www.nationalskillsnetwork.in/women-in-leather-industry/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

लाइट मोटर व्हीकल ड्राइवर

ड्राइवरों की एक विशेष श्रेणी "लाइट मोटर व्हीकल ड्राइवर" (एल.एम.वी.डी.) कहलाती है। इन्हें पहले हल्के मोटर वाहन चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होता है। ऐसे ड्राइवरों के कार्यों में वरिष्ठ ड्राइवर की उपस्थिति में या उसके बिना, निर्धारित मार्गों पर सुरक्षित रूप से वाहन चलाना सम्मिलित होता है। इसके साथ ही, उन्हें यह सुनिश्चित करना होता है कि वाहन सभी आवश्यक कानूनी और अनुपालन मानकों को पूरा करता है। इसके लिए, उन्हें जीवन, वाहन और सामग्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित ड्राइविंग प्रथाओं का पालन करना आवश्यक है।

व्यक्तिगत गुण

- आप समय का अच्छा प्रबंधन करते हों।
- आप संवाद करने में अच्छे हों।
- आप स्वभाव से सतर्क हों।
- आपको दिशाओं का अच्छा ज्ञान हो।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद ड्राइविंग लाइसेंस के साथ लाइट मोटर व्हीकल (एल.एम.वी.) चलाने में कम से कम 0 से 6 महीने का अनुभव होना चाहिए, लाइट मोटर व्हीकल ड्राइवर (एल.एम.वी.डी.) के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 पाठ्यक्रम के लिए नामांकन किया जा सकता है। न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

लाइट मोटर व्हीकल ड्राइवर" (एल.एम.वी.डी.) की आय ₹ **12,000–16,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3CJVE9s

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ऐसे संगठन जिन्हें लोगों और सामग्री के परिवहन की आवश्यकता होती है, जैसे– बी.पी.ओ., आई.टी. कंपनियाँ, एयरलाइंस, पर्यटन कंपनियाँ, कैब सेवा कंपनियाँ, परिवहन कंपनियाँ या निजी और व्यावसायिक यात्रा के लिए ड्राइवर उपलब्ध कराने वाली कंपनियाँ।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

लाइट मोटर वाहन चालक → वरिष्ठ चालक → परिवहन/प्रशासन प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राज्य परिवहन निगम ड्राइविंग संस्थान
2. ऑटोमोबाइल एसोसिएशन ऑफ अपर इंडिया, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश
3. राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम ड्राइविंग स्कूल, राजस्थान



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मैं 1962 में बॉम्बे आया और 1964 में टैक्सी चलाना आरंभ किया। मैं और मेरा बड़ा भाई एक ही घर में रहते थे और हमने मिलकर अपने परिवार का पालन-पोषण किया। 1975 में एक कार दुर्घटना में उनका अचानक निधन हो गया और अचानक मैं 10 लोगों के परिवार का मुखिया बन गया। मैंने उनके बच्चों को अपने बच्चों की तरह पढ़ाया, उन्हें भी जेब खर्च दिया और अपने बच्चों की तरह उनकी देखभाल की और मेरी सारी आय उस टैक्सी से होती थी, जिसे मैं चलाता था। जैसे-जैसे सभी बच्चे बड़े होते गए, उन्होंने पार्ट टाइम जॉब करना आरंभ कर दिया और आखिरकार उन्हें बेहतरीन जॉब ऑफर मिलने लगे। मेरा बेटा एम.बी.ए. ग्रेजुएट है, जो लंदन में रहता है, मेरी बेटी की शादी कनाडा में हुई है और मेरे भाई के 4 बच्चे भी कनाडा में हैं। मेरा जीवन बहुत ही सरल रहा है। मैं 75 साल का हूँ और अभी भी काम कर रहा हूँ, क्योंकि मेरा मानना है कि इंसान को जब तक हो सके काम करना चाहिए। मैंने कभी भी मुफ्त भोजन स्वीकार नहीं किया और मुझे स्वतंत्र रहना पसंद है। मेरा घर भारत है। मैं इस टैक्सी और बॉम्बे को कैसे छोड़ सकता हूँ, जब इसने मुझे इतना कुछ दिया है?*

स्रोत— https://www.viralindiandiary.com/an-inspiring-story-of-a-75-year-old-taxi-driver-from-mumbai/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

राजमिस्त्री (सामान्य)

राजमिस्त्री का काम ईंटें बिछाने, प्लास्टर करने और इमारतों के लिए जलरोधी कार्य जैसे नियमित चिनाई कार्यों को करना होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको वस्तुएँ बनाना पसंद हो।
- आप समूह में काम करने में सहज हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 राजमिस्त्री (सामान्य) पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

राजमिस्त्री (सामान्य) की आय ₹ **7,800–10,750*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3KpFF4V

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— स्टोन कटिंग कंपनियाँ, टाइल कंपनी, आर्ट और क्राफ्ट निर्माण कंपनियाँ।

उद्यमिता— अनुभव प्राप्त करने के बाद हमेशा अपना खुद का सेटअप बनाने और स्टोन क्राफ्ट डिजाइनिंग कारीगरों को उत्पाद बेचने की गुंजाइश होती है।

कार्य वातावरण— सामान्यतः सप्ताह में 6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करना होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

राजमिस्त्री स्तर-2 → राजमिस्त्री (सामान्य) → राजमिस्त्री स्तर-4 → निर्माण पर्यवेक्षक → साइट प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
2. भारतीय कौशल विकास संस्थान प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

जून-जुलाई वर्ष 2018 के दौरान, ग्राम विकास ने ओडिशा पावर जेनरेशन कॉरपोरेशन (ओ.पी.जी.सी.) के सहयोग से 60 दिनों के लिए एक राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में **लक्ष्मी एक्का** नाम की एक युवा महिला ने भी भाग लिया। उसका सपना था कि वह अपने बच्चों को स्कूल भेज सके। उन्होंने बताया, "हम ऐसी स्थिति में रह रहे थे, जहाँ गुजारा करना बहुत कठिन था। मेरे पति और मैं अपने पाँच सदस्यीय परिवार का भरण-पोषण करने के लिए दिहाड़ी मजदूरी करते थे और हमारी संयुक्त आय रुपये 5,000 प्रतिमाह थी, जिससे गुजारा करना मुश्किल था।" प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, लक्ष्मी ओ.पी.जी.सी. परिसर में निर्माण परियोजनाओं में राजमिस्त्री के रूप में काम कर रही हैं, जिससे उनकी आय बढ़कर रुपये 15,000 प्रतिमाह हो गई है। अब लक्ष्मी के दोनों बच्चे नियमित रूप से स्कूल जा रहे हैं।

स्रोत— https://www.gramvikas.org/blg/mason-training-helps-laxmi-send-her-children-to-school/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

राजमिस्त्री (पत्थर)

राजमिस्त्री (पत्थर) विभिन्न सतहों पर निर्दिष्ट मानकों और पैटर्न के अनुसार, उपयुक्त उपकरणों और यंत्रों का उपयोग करके पत्थरों को काटने, आकार देने, बिछाने, स्थापित करने और उनकी फिनिशिंग के कार्य के लिए उत्तरदायी होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको वस्तुएँ बनाना पसंद हो।
- आप समूह में काम करने में सहज हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु के बाद आप राष्ट्रीय नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 राजमिस्त्री (पत्थर) पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

राजमिस्त्री (पत्थर) की आय ₹ **19,500–21,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3XPyGFN

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— निर्माण एजेंसियाँ, स्थानीय इमारतें आदि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

राजमिस्त्री स्तर-2 → राजमिस्त्री स्तर-3 → राजमिस्त्री संगमरमर, ग्रेनाइट और पत्थर → राजमिस्त्री स्तर-5 → निर्माण पर्यवेक्षक → निर्माण-स्थल प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
2. भारतीय कौशल विकास संस्थान प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम हरियाणा



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सीताराम जाटव ने सिर्फ 15 साल की उम्र में अपने पिता की सहायता करते हुए पत्थर का काम करना आरंभ कर दिया था। उन्होंने कक्षा 5 तक ही पढ़ाई की है। आज वे इस क्षेत्र के सबसे अनुभवी पेशेवरों में से एक माने जाते हैं। उनके शब्दों में, "मैंने भी शुरुआत एक सहायक के रूप में की, क्योंकि कम उम्र से ही मैं अपने पिता के साथ काम कर रहा था।" वे युवाओं के भविष्य को लेकर आशान्वित हैं, क्योंकि उनका मानना है कि पत्थर के काम में हमेशा अवसर बने रहते हैं और माँग होने पर युवाओं को आसानी से रोजगार मिल सकता है।

स्रोत— सीताराम जाटव, पत्थर के राजमिस्त्री, इटारसी (म.प्र.) के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार।

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

राजमिस्त्री (टाइलिंग)

टाइलिंग राजमिस्त्री, निर्दिष्ट मानकों के अनुसार उचित उपकरणों का उपयोग करके फर्श और दीवारों पर टाइलों को सही ढंग से पहचानने, काटने, पीसने और परिष्कृत करने के लिए उत्तरदायी होते हैं। इस कार्य के दौरान, वह विभिन्न उपकरणों का उपयोग करत हैं और सभी आवश्यक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको वस्तुएँ बनाना पसंद हो।
- आप समूह में काम करने में सहज हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 राजमिस्त्री (टाइलिंग) पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

राजमिस्त्री (टाइलिंग) की आय ₹ **5,800–8,750*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3Z9a1gc

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— निर्माण एजेंसियाँ, टाइलिंग एजेंसियाँ।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक→ संगतराश मशीन → प्रक्रिया पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. जन शिक्षा संस्थान, वर्ली, मुंबई, महाराष्ट्र
2. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, गुरुग्राम, हरियाणा





कार्य क्षेत्र से उदाहरण

चेतराम, मेसन ट्रेनिंग प्रोग्राम में सम्मिलित होने के बाद, चैतराम ने ऐसे औजारों के बारे में सीखा, जो उनके काम में समय बचाने और उत्पाद की बर्बादी को कम करने में सहायक थे। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, उन्होंने अपने ठेकेदारों को नवीनतम टाइल मास्टर टूलकिट के लाभों के बारे में बताया। इसका परिणाम यह हुआ कि उन्हें वेतन वृद्धि मिली और अब वह अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

स्रोत— https://www.indiamasons.com/masons-speak.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मास्टर हैंड एम्ब्रॉयडर (हैंड क्राफ्टेड टेक्सटाइल्स)

कढ़ाई एक ऐसी कला है, जिसमें सुई और धागे की सहायता से कपड़े को सजाया जाता है। हाथ से कढ़ाई करने वाले व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है कि वह कपड़े पर बनाए गए डिजाइन के ट्रेसिंग के अनुसार उस पर काम करे। इसमें विभिन्न प्रकार के कढ़ाई के टांके और तकनीकों, जैसे कि क्रॉस स्टिच, फ्रेंच नॉट स्टिच, बुलियन नॉट स्टिच, शेड वर्क, एप्लीक वर्क, इंग्लिश स्मोकिंग आदि का उपयोग सम्मिलित है। उन्हें सजावट के लिए सजावटी पत्थरों का उपयोग करने के साथ-साथ मोटे टांके, लूप टाँके और गाँठ वाले टांके बनाने की तकनीक का भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपका मन कलात्मक हो।
- आपकी आँखों और हाथों का समन्वय अच्छा हो।
- आपको वस्तुएँ बनाना पसंद हो।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद और नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 5 मास्टर हैंड एम्ब्रॉयडर (हैंड क्राफ्टेड टेक्सटाइल्स) में नामांकन के लिए कढ़ाई में कम से कम 1 वर्ष का अनुभव आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मास्टर हैंड एम्ब्रॉयडर (हैंड क्राफ्टेड टेक्सटाइल्स) की आय **₹ 8,000–9,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— bit.ly/3jvKqz7

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— फैशन डिजाइनर, स्वयं सहायता समूह और डिजाइनरों या फैशन हाउस द्वारा रखे गए गैर राजकीय संगठन, कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र।

उद्यमिता— कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आप अपना खुद का सेटअप बना सकते हैं और कढ़ाई के लिए ऑर्डर ले सकते हैं और डिलीवर कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— एक सामान्य कार्यदिवस 8–9 घंटे का होता है और सप्ताह में 6 दिन होता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

हैंड एम्ब्रॉयडर→ वरिष्ठ हैंड एम्ब्रॉयडर → उद्यमी या हैंड एम्ब्रॉयडरी डिजाइनर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान, भदोही, उत्तर प्रदेश
2. एम.आई.टी. डिजाइन संस्थान, इंदौर, मध्य प्रदेश



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

पाबिबेन रबारी, रबारी समुदाय की पहली महिला बनीं, जिन्होंने अपनी वेबसाइट बनाई, अपना व्यवसाय आरंभ किया और रबारी कढ़ाई को वैश्विक पहचान दिलाई। कच्छ के छोटे से गाँव कुकड़सर में जन्मी पाबिबेन ने चौथी कक्षा के बाद अपनी पढ़ाई छोड़ दी, लेकिन कभी हार नहीं मानी। अपने पति के निरंतर समर्थन से, उन्होंने न केवल मशीन कढ़ाई की एक नई शैली विकसित की, बल्कि एक ऐसा कारीगर उद्यम भी स्थापित किया, जो आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाता है। आज उनके डिजाइन कच्छ से निकलकर बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों में दिखाई दे रहे हैं और उन्हें दुनिया भर में सराहा जा रहा है। वह उन 15 विशिष्ट कारीगरों में से एक थीं, जिन्होंने 'सुई धागा' फिल्म के लोगों के लिए 15 अलग-अलग भारतीय कला रूपों का योगदान दिया। हाल ही में, उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ 'कौन बनेगा करोड़पति' की हॉट सीट पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

स्रोत— https://www.travelandleisureindia.in/लोग/इंटरव्यू-विद-पाबिबेन-रबारी-

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मैकेनिकल फिटर

मैकेनिकल फिटर को क्रशर, पंप, फोर्कलिफ्ट, मध्यम और हल्के वाहन, कंप्रेसर और खदानों में उपयोग होने वाली अन्य भारी अर्थ मूविंग मशीनरी और यांत्रिक उपकरणों के रख-रखाव और मरम्मत में प्रशिक्षित किया जाता है। वे अधिकांशतः अनुभवी तकनीशियनों और पर्यवेक्षकों के साथ मिलकर काम करते हैं। उन्हें विभिन्न औजारों और मशीनरी उपकरणों का उपयोग करने का भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको वस्तुओं का संयोजन करना पसंद हो।
- आपको तकनीकी समस्याओं को हल करना पसंद हो।
- आप अपने समय का प्रबंधन करने में अच्छे हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद और न्यूनतम 18 वर्ष की आयु। मैकेनिकल फिटर के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* लेवल 3 पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए हैवी ड्यूटी व्हीकल लाइसेंस अनिवार्य है।

अथवा

आई.टी.आई. मैकेनिकल पूरा करने के बाद और हैवी ड्यूटी व्हीकल लाइसेंस प्राप्त करने के बाद आप मैकेनिकल फिटर के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* लेवल 3 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मैकेनिकल फिटर फ्रेशर की आय ₹ **21,000–30,000*** तथा अनुभव के बाद ₹ **30,000–54,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3jwG7Dx

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— विनिर्माण कंपनियाँ, एच.ई.एम.एम. के लिए अधिकृत सेवा केंद्र, गैरेज।

कार्य वातावरण— प्रतिदिन 9–10 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना। इस नौकरी में यात्रा करना सम्मिलित है। ओवरटाइम काम भी हो सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

मैकेनिकल फिटर → उत्पाद रिपेयरर → पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग, नई दिल्ली
2. इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स इंस्टीट्यूशन, नई दिल्ली
3. भारत टेक्निकल इंस्टीट्यूट, जमशेदपुर, झारखंड



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

गुजरात के सुरेंद्र नगर जिले के लारखड़िया गाँव के निवासी **पार्थ विनुप्रसाद देसानी** ने आई.टी.आई. से फिटर का कोर्स पूरा किया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें नौकरी पाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। फिर उन्होंने एस.डी.आई., अहमदाबाद द्वारा संचालित मैकेनिकल टेक्नीशियन (उत्पादन) के लिए विशेष प्रशिक्षण में भाग लिया। इस प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, उन्हें आकाश एक्सप्लोरेशन सर्विसेज लिमिटेड में टेक्नीशियन के पद पर नियुक्त किया गया। इस प्रतिष्ठित कंपनी में उनकी नियुक्ति के बाद, उन्हें अब प्रतिमाह 10,000 रुपये का वेतन प्राप्त हो रहा है।

स्रोत— https://www.hsscindia.in/wp-content/uploads/2018/12/Succes-Story-of-Trainees-from-SDIs.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मल्टी-स्किल टेक्नीशियन (इलेक्ट्रिकल)

घरों में विभिन्न प्रकार के बिजली के उपकरण, जैसे– बल्ब, पंखे, मिक्सर, इस्त्री और इलेक्ट्रिक केतलियाँ उपयोग में लाए जाते हैं। इन सभी उपकरणों को समय-समय पर रख-रखाव और मरम्मत की आवश्यकता होती है। एक मल्टी-स्किल्ड इलेक्ट्रिकल तकनीशियन को इन घरेलू उपकरणों, जैसे– लाइट्स, पंखे, गीजर, वाटर प्यूरीफायर और खराब मिक्सर/जूसर/ग्राइंडर की समस्या का पता लगाने, निदान करने और उन्हें मरम्मत करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। यह प्रशिक्षण मुख्य रूप से व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से दिया जाता है, जहाँ तकनीशियन विभिन्न इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल उपकरणों, जैसे– मल्टीमीटर, सोल्डर और स्क्रू ड्राइवर सेट का उपयोग करना सीखते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको समस्याओं को हल करना पसंद हो।
- आप समूह में सहज हों।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपके पास अच्छा संचार कौशल हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 20,000–1,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद और मल्टी-स्किल टेक्नीशियन (इलेक्ट्रिकल) के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 कोर्स में नामांकन के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मल्टी-स्किल टेक्नीशियन (इलेक्ट्रिकल) की आय **₹ 6,000–15,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3kXi94y

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— मरम्मत की दुकानें, बिजली की दुकानें, विनिर्माण इकाइयाँ, बिजली के सामान की आधिकारिक सेवा तथा मरम्मत केंद्र।

उद्यमिता— आप अनुभव के साथ अपनी खुद की इकाई स्थापित कर सकते हैं और अपनी स्वयं की बिजली की मरम्मत की दुकान आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— इस कार्य में यात्रा सम्मिलित है। सामान्य कार्य दिवस सप्ताह में 6 दिन प्रतिदिन 8–9 घंटे का होता है। अतिरिक्त काम भी हो सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक इलेक्ट्रीशियन → इलेक्ट्रीशियन, सामान्य → इलेक्ट्रीशियन पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

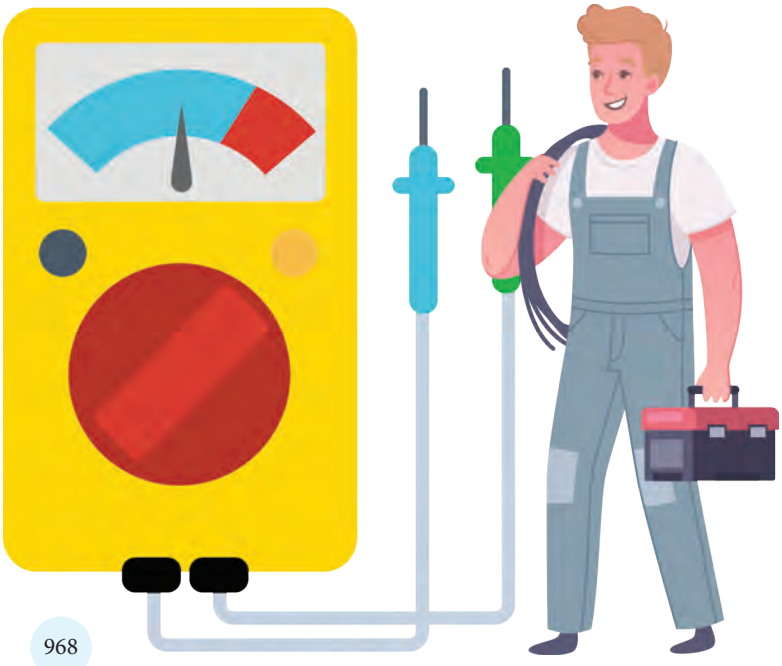
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
2. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, ओडिशा
3. पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
4. तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर असम

निजी संस्थान

5. एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश
6. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली, पंजाब
7. लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जालंधर, पंजाब
8. शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

विजेश ईवी, केरल के शोरनूर जिले के चेरीथुरुथी के निवासी हैं। वर्ष 2017 में आई.टी.आई. पूरा करने के बाद, जब वे नौकरी की तलाश में थे, तब उन्हें स्किल डेवलपमेंट इंडिया कोच्चि द्वारा प्रदान किए जा रहे प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के अवसरों के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने इलेक्ट्रीशियन कोर्स के लिए एस.डी.आई. कोच्चि में दाखिला लिया और वहाँ 6 महीने का प्रशिक्षण और प्रमाणन सफलतापूर्वक पूरा किया। इस प्रशिक्षण से उन्हें विभिन्न औद्योगिक विद्युत उपकरणों के उपयोग और मरम्मत में आत्मविश्वास मिला। इसके बाद, उन्होंने एन.बी.टी.सी. कुवैत में विदेशी प्लेसमेंट के लिए साक्षात्कार दिया और उसे उत्तीर्ण किया। एन.बी.टी.सी., जो वर्ष 1977 से कुवैत में प्रमुख भारतीय सहयोगी उद्योग है, ने उन्हें लगभग 950 केडी (लगभग 2 लाख रुपये) का सी.टी.सी. प्रस्तावित किया।

स्रोत— https://www.hsscindia.in/wp-content/uploads/2018/12/Succes-Story-of-Trainees-from-SDIs.pdf

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

मल्टी-स्किल टेक्नीशियन (फूड प्रोसेसिंग)

फूड प्रोसेसिंग में एक बहु-कौशल तकनीशियन विभिन्न प्रकार के फलों और सब्जियों की छँटाई, ग्रेडिंग, प्रसंस्करण और डिब्बाबंदी के लिए उत्तरदायी होता है, जिसमें अचार, जैम, जेली, स्क्वैश, केचप और जूस बनाने के कार्य सम्मिलित हैं। इसके अलावा, उन्हें ब्रेड, पफ, कुकीज जैसे बेक्ड उत्पाद बनाने के लिए भी प्रशिक्षित किया जाता है। इसके साथ ही, वे कार्य क्षेत्र की तैयारी और रख-रखाव के साथ-साथ प्रक्रिया मशीनरी और उपकरणों के रख-रखाव में भी संलग्न होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हो।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप समूह में काम करने में सहज हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 20,000–1,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 मल्टी-स्किल टेक्नीशियन (फूड प्रोसेसिंग) प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

मल्टी-स्किल टेक्नीशियन (फूड प्रोसेसिंग) की आय **₹ 13,300–26,700*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/Multi-Skill-Technician-salary/food-and-beverages-industry

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— खाद्य प्रसंस्करण इकाई, खाद्य प्रसंस्करण कंपनियाँ, कुटीर उद्योग, स्वयं सहायता समूह, गैर राजकीय संगठन, सीएसआर वित्त द्वारा वित्तपोषित परियोजनाएँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना पड़ सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक इकाई कार्यकर्ता → मल्टी स्किल टेक्नीशियन (फूड प्रोसेसिंग) → पर्यवेक्षक-फल और सब्जी प्रसंस्करण (स्तर 5)

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
2. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, ओडिशा
3. पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
4. तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर असम

निजी संस्थान

1. एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश
2. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली, पंजाब
3. लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जालंधर, पंजाब
4. शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

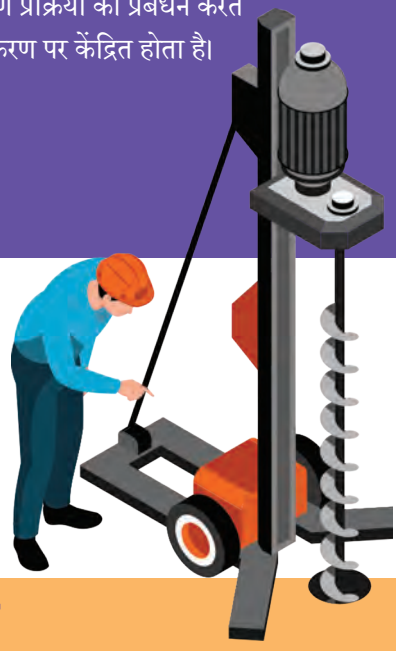
तंजावुर के **मुरुगेसन** को बिना कृत्रिम परिरक्षकों के बिस्किट बनाने का शौक है। उन्होंने आई.आई.एफ.पी.टी. में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जहाँ उन्होंने बेकरी इकाई चलाने का कौशल सीखा। इस प्रशिक्षण के बाद, उन्हें उद्यम के आवश्यक कौशल भी सिखाए गए। अब वे अपनी खुद की बिस्किट बेकरी संचालित कर रहे हैं।

स्रोत— https://www.youtube.com/watch?v=7HEtEc20Tkw

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

तेल प्रौद्योगिकीविद्

तेल प्रौद्योगिकीविद् कच्चे तेल के गुणों और वर्गीकरण को समझने के लिए उसका मूल्यांकन और परीक्षण करते हैं, जिससे इसके शोधन मापदंडों का निर्धारण किया जा सके। वे रिफाइनरी या स्नेहक निर्माण संयंत्रों में कच्चे तेल की गुणवत्ता नियंत्रण और परीक्षण प्रक्रिया का प्रबंधन करते हैं। उनका कार्य ड्रिलिंग, उत्पादन, जलाशय इंजीनियरिंग, कच्चे तेल के शोधन और पेट्रोकेमिकल्स के प्रसंस्करण पर केंद्रित होता है।



व्यक्तिगत गुण

- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।
- आपको प्रयोग करना पसंद हो।
- आपको विज्ञान और गणित विषय पसंद हो।
- आपको बाहर काम करना पसंद हो।

छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।**
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- छात्रवृत्ति के विवरण के लिए www.buddy4study.com पर जाएँ। यह कक्षा 11वीं से आरंभ होने वाली छात्रवृत्तियों को प्राप्त करने का एक माध्यम है।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 3,00,000–12,00,000* के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. तेल प्रौद्योगिकी में स्नातक (बी.टेक./बी.एससी./बी.बी.ए.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

तेल प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

तेल प्रौद्योगिकीविद् की आय **₹ 15,000–45,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/salaries/%03oil-india-salaries/technician

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— तेल और गैस उद्योग।

कार्य वातावरण— आप शोध प्रयोगशालाओं या कार्यालयों में काम करेंगे। ड्रिलिंग साइटों पर जाने में बहुत समय व्यतीत होगा। आपको लंबे समय तक और कठोर वातावरण में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सह अभियंता → वरिष्ठ अभियंता, तेल प्रौद्योगिकी → प्रबंधक → निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम तेल प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश
2. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र
3. यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड एग्रीकल्चर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र
5. जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
6. इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई, महाराष्ट्र
7. गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है)

1. लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर, महाराष्ट्र
2. यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, कवयित्री बहिनाबाई चौधरी नॉर्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव, महाराष्ट्र
3. एम.आई.टी. यूनिवर्सिटी ऑफ मेघालय, शिलांग, मेघालय
4. भारतीय इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन यूनिवर्सिटी, आंध्र प्रदेश
5. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
6. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान
7. पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गांधीनगर,
8. यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

ओगुतु ओकुडो, केन्याई तेल और ऊर्जा कार्यकारी हैं, जो वर्तमान में गूरू एनर्जी की सी.ई.ओ. हैं। वह वूमेन इन एनर्जी और एक्सट्रेक्टिव्स अफ्रीका की संस्थापक और सी.ई.ओ. भी हैं, जो लैंगिक अंतर को पाटने के लिए काम करने वाला एक गैर-लाभकारी संगठन है।

स्रोत— https://www.ogutuokudo.com/about

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

बोरिंग मशीन ऑपरेटर

बोरिंग मशीन ऑपरेटर विशिष्ट उपकरणों का उपयोग करके बोरिंग ऑपरेशन करते हैं। बोरिंग ऑपरेशन कच्चे माल की तैयारी के बाद किया जाता है, जिस पर प्रक्रिया की जानी है। इन्हें क्षैतिज या ऊर्ध्वाधर बोरिंग मशीनों का उपयोग करके शीट, प्लेट, रोल्ड सेक्शन या पाइप में किया जाता है। प्रत्येक कार्य के लिए उपयुक्त उपकरण और कटर का चयन किया जाता है। ऑपरेशन से पहले सभी सामग्रियों की त्रुटियों के लिए जाँच की जाती है। ऑपरेशन के दौरान स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी नियमों का सख्ती से पालन किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको समस्याओं को हल करना पसंद हो।
- आप समूह में सहज हों।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप संचार कौशल में निपुण हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद बोरिंग मशीन ऑपरेटर पाठ्यक्रम के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 2 पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

बोरिंग मशीन ऑपरेटर की आय ₹ **8,000–10,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3iUVMfI

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— माल निर्माण कंपनियाँ, मशीन उपकरण निर्माण कंपनियाँ, मशीन उपकरण वितरक, सेवा प्रदाता

कार्य वातावरण— सामान्यतः आपको सप्ताह में 6 दिन प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करना पड़ता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है और अतिरिक्त समय में भी कार्य करने की आवश्यकता हो सकती है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

ऑपरेटर-बोरिंग मशीन → पर्यवेक्षक → प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (देश के विभिन्न जनपदों में)
3. केंद्रीय टूल रूम और प्रशिक्षण केंद्र
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान

निजी संस्थान

1. नेट्टूर तकनीकी प्रशिक्षण फाउंडेशन
2. केंद्रीय उपकरण डिजाइन संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
3. उन्नत प्रशिक्षण संस्थान
4. सीमेंस तकनीकी अकादमी, मुंबई, महाराष्ट्र



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अतुल मेहतो एक किसान हैं, जिन्हें आय का एक नया स्रोत स्थापित करने की आवश्यकता थी। उन्होंने एक माइक्रोफाइनेंस कंपनी से लोन लेकर दो जे.सी.बी. बोरिंग मशीनें खरीदीं। इसके बाद, उन्होंने चार युवाओं को काम पर रखा और उन्हें बोरिंग के कार्य के लिए प्रशिक्षित किया। वे कहते हैं, "बोरिंग मशीनें चलाने के लिए हमेशा प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी रहती है। इन चारों ने नए सिरे से काम आरंभ किया और अब दो साल के अनुभव के साथ, वे प्रत्येक रुपये 15,000 प्रतिमाह कमा रहे हैं। यह व्यवसाय अच्छी गति से चल रहा है।"

**स्रोत— Interview of Mr. Atul Mehto, JCB Drilling Machine service provider from Itarsi M.P.*

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

पेस्ट्री शेफ

पेस्ट्री शेफ, जिसे पेटिसरी या डेजर्ट मेकर/शेफ के नाम से भी जाना जाता है, केक, पेस्ट्री, कुकीज, कपकेक, पाई, कन्फेक्शनरी, डेसर्ट, ब्रेड और अन्य बेक्ड गुड्स जैसी कई तरह की वस्तुएँ तैयार करते हैं। इसमें आपको विभिन्न सामग्रियों और उनकी मात्रा का ज्ञान होना आवश्यक है ताकि आप मनचाहा उत्पाद बना सकें। इसके अलावा, ये पेस्ट्री को आकर्षक रूप में प्रस्तुत करने की कला, बेकिंग, फ्राइंग, माइक्रोवेविंग, स्टीमिंग, सिफ्टिंग, क्रीमिंग, गूंधना, आराम देना, ऐरेटिंग, कंडीशनिंग/चिलिंग, लैमिनेटिंग, रोलिंग, फोल्डिंग और ट्रिमिंग जैसी खाना पकाने की विभिन्न तकनीकों का अभ्यास करते हैं। साथ ही, ये चॉकलेट और बॉन बॉन, फ्रोजन डेसर्ट, आइस क्रीम और शर्बत बनाने की कला भी सीखते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप विवरणों पर बारीकी से ध्यान दे सकते हों।
- आप भोजन और उससे संबंधित काम में रुचि रखते हों।
- आप समूह में काम करने में सहज हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 12 या आई.टी.आई. उत्तीर्ण करने और न्यूनतम 18 वर्ष की आयु के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 पेस्ट्री/बेकरी कमिस कोर्स के लिए नामांकन कर सकते हैं। विकलांग व्यक्ति इस कोर्स का विकल्प चुन सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

पेस्ट्री शेफ की आय ₹ **20,000–40,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— htt ps//www.glassdoor.co.in/Sala ries/pastry-chef-salary-SRCH_KO0,11.htm

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— होटल, बेकरी की दुकानें, पेस्ट्री की दुकानें, रेस्तरां।

कार्य वातावरण— आप प्रतिदिन 10–12 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करने की उम्मीद कर सकते हैं। आपको अधिकांशतः काम के घंटों से परे काम करना होगा।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु पेस्ट्री शेफ → सहायक पेस्ट्री शेफ → प्रमुख पेस्ट्री शेफ

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम होटल प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. होटल मैनेजमेंट संस्थान, वारडेज, गोवा
2. होटल मैनेजमेंट संस्थान, नई दिल्ली
3. होटल मैनेजमेंट संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. होटल मैनेजमेंट संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. होटल मैनेजमेंट संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
6. होटल मैनेजमेंट संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल
7. होटल मैनेजमेंट संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
8. होटल मैनेजमेंट संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. होटल मैनेजमेंट संस्थान औरंगाबाद, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, मणिपाल, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
5. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

शेफ **तन्वी महाजन**, जो दो कंपनियाँ विया कपकेकरी और टोस्टेड ओट चलाती हैं। वे कहती हैं, "मुझे बचपन से ही बेकिंग का बहुत शौक था।" 28 वर्षीय तन्वी ने अपनी बेकिंग की शुरुआत अपनी नानी के साथ की थी, जो लकड़ी के चम्मच और गैस ओवन का उपयोग करके सूजी के केक और वेनिला स्पॉन्ज बेक करती थीं। ओवन और बेकिंग सामग्री खरीदने के लिए तन्वी ने अपने पिता से एक छोटा ऋण लिया था और आज वह सफलतापूर्वक अपनी दो कंपनियों का संचालन कर रही हैं। वह याद करती हैं, "अपने नानी के घर जाना और उन्हें बेक करते देखना मेरी बेकिंग के प्रति रुचि को और बढ़ा देता था।" इसके बाद, तन्वी ने अपने स्कूल में बेक सेल में भाग लेना और अपनी छोटी बहन के लिए कुकीज बेक करना आरंभ किया, जिससे उनका कौशल और निखरता गया।

तन्वी बताती हैं, "मैं अपने खाली समय में बेकिंग क्लासेज लेती थी और उन पर कुछ अतिरिक्त पैसे खर्च करती थी। शुरुआत में अपने पिता को इस पेशे के लिए मनाना थोड़ा मुश्किल था, क्योंकि वे चाहते थे कि मैं पारंपरिक करियर का चुनाव करूँ, लेकिन जब उन्होंने मेरी मेहनत का फल देखा और लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, तो उन्होंने मेरे उद्यमी बनने के सपने को स्वीकार कर लिया। उनके सहयोग से मैंने एक ओवन और बेकिंग की कुछ आवश्यक सामग्रियाँ खरीदीं।"

वह आगे कहती हैं कि अपने व्यवसाय को सफल बनाने के लिए बहुत सारी मार्केटिंग और नेटवर्किंग की आवश्यकता पड़ी। आज उनकी मेहनत का परिणाम यह है कि उन्हें 600 कपकेक्स के ऑर्डर मिल रहे हैं, जिसे पूरा करने में उन्हें लगभग एक सप्ताह का समय लगता है। "हमने हाल ही में अपने सबसे बड़े ऑर्डर के लिए तैयारी की है, जिसमें हमें 1,700 बोतलें आर्टिसन ग्रैनोला की बनानी हैं, जो हमारा सबसे नया और लोकप्रिय उत्पाद है। इसे लेकर हम बेहद उत्साहित हैं!"

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

प्लंबर

प्लंबर, सैनिटरी फिक्स्चर के रख-रखाव और सर्विसिंग में सहायता करते हैं। वे सैनिटरी फिक्स्चर और फिटिंग की मरम्मत और बदलने का कार्य भी करते हैं। उन्हें प्लंबिंग सिस्टम की समस्याओं की पहचान और समाधान करने में विशेषज्ञता प्राप्त होती है। अपने काम के दौरान, वे सुरक्षा और स्वास्थ्य नियमों का सख्ती से पालन करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप स्वतंत्र रूप से काम करने में रुचि रखते हों।
- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।
- आपको लोगों की सहायता करना पसंद हो।
- आपको पालन करने के लिए स्पष्ट निर्देश पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद और सहायक प्लंबर के रूप में 2 वर्ष के अनुभव के साथ, आप प्लंबिंग के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

अथवा

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद वे प्लंबिंग में आई.टी.आई. (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) पाठ्यक्रम पूरा कर सकते हैं, फिर प्लंबिंग में नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

प्लंबर की आय ₹ **8,300–10,400*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3jKwile

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— प्लंबिंग सिस्टम वाली कोई भी जगह प्लंबर को काम पर रखेगी। उदाहरण के लिए निर्माण कंपनियाँ, आवासीय परिसर और इमारतें, कॉर्पोरेट संगठन और परिसर, मॉल और डिपार्टमेंटल स्टोर, अस्पताल, रेस्तरां और होटल, प्लंबिंग का काम करने वाली कंपनियाँ।

उद्यमिता— कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आप स्व-नियोजित हो सकते हैं और स्वतंत्र रूप से प्रोजेक्ट ले सकते हैं। आप सर्विस एग्रीगेटर कंपनियों से भी जुड़ सकते हैं।

कार्य वातावरण— यह एक फील्ड जॉब है और इसमें अलग-अलग कार्य स्थलों से यात्रा करनी पड़ती है। आपको संकुचित और नम स्थानों पर काम करना पड़ सकता है, दिन के समय काम करना पड़ सकता है और प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए अतिरिक्त घंटे लगाने पड़ सकते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक → सहायक प्लम्बर → प्लंबर (सामान्य) → प्लंबर (सामान्य)–II

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

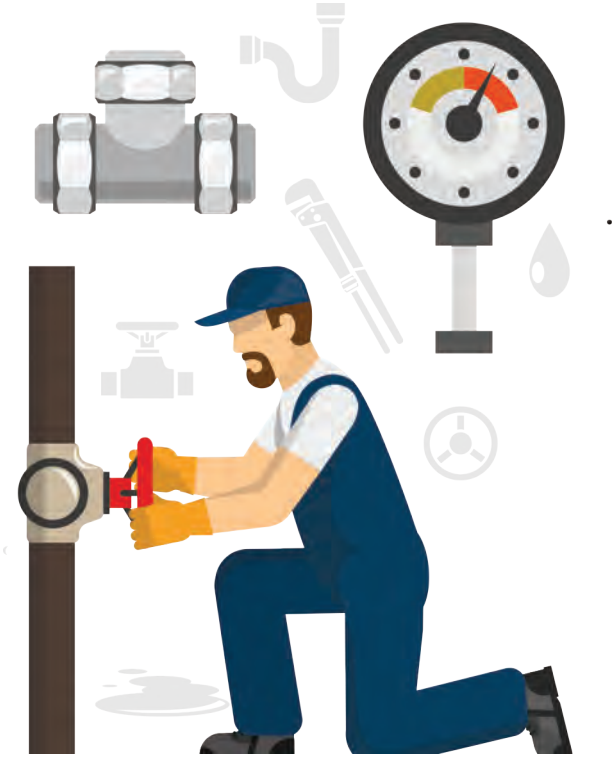
संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. शासकीय पॉलिटेक्निक संस्थान
2. शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान

निजी संस्थान

1. उन्नत प्रशिक्षण संस्थान



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

शैलजा और उनकी बेटियों ने स्किल इंडिया मिशन के तहत प्लंबिंग में पूरा प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आज, शैलजा अपने इलाके में एक प्रसिद्ध प्लंबर बन गई हैं। वह बताती हैं, "मैं हर महीने कम से कम रुपये 6,000 कमाती हूँ। मेरी एक बेटी की शादी हो चुकी है और वह नौकरी कर रही है, जबकि बाकी सभी पढ़ाई कर रही हैं। अब मैं एक सम्मानित जीवन जी सकती हूँ।" जे.एस.एस. ने 2020–21 में शोलायार आदिवासी कॉलोनी से शैलजा समेत 20 लोगों को तीन महीने के इस कोर्स के लिए चुना था।

स्रोत— https://yourstory.com/socialstory/2022/05/monday-motivation-tribal-woman-kerala-shailaja-ayyapan-plumber

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

रेफ्रिजरेशन तकनीशियन

रेफ्रिजरेशन तकनीशियन, जिन्हें रेफ्रिजरेशन मैकेनिक भी कहा जाता है, घरों और व्यवसायों में रेफ्रिजरेशन सिस्टम की स्थापना, मरम्मत और समस्या समाधान करते हैं। वे एच.वी.ए.सी. यूनिट्स के अलावा रेफ्रिजरेशन स्टोरेज यूनिट्स, आइस मशीनों और पेय उपकरण जैसी क्लाइमेट कंट्रोल प्रणालियों पर भी काम करते हैं। इन तकनीशियनों का मुख्य कार्य इन प्रणालियों को स्थापित करना, उनका परीक्षण करना, सर्विस करना और उनकी मरम्मत करना होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपको काम करते समय विवरणों पर ध्यान देना पसंद हो।
- आपको समस्याओं तथा स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आपको पालन करने के लिए स्पष्ट निर्देश पसंद हो।
- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **20,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 रेफ्रिजरेटर मरम्मत और रख-रखाव प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

रेफ्रिजरेशन तकनीशियन की आय ₹ **20,000–25,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3m2z7iK

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— घरेलू प्रशीतन और वातानुकूलन, वाणिज्यिक प्रशीतन और वातानुकूलन, इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8 से 9 घंटे और सप्ताह में 5 से 6 दिन काम करना पड़ सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

रेफ्रिजरेशन तकनीशियन → वरिष्ठ तकनीशियन → प्रमुख तकनीशियन

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. केंद्रीय मत्स्य पालन नौवहन एवं अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान, कोच्चि, केरल
2. राजकीय टूल रूम एवं प्रशिक्षण केंद्र, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
4. राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
5. शासकीय पॉलिटेक्निक मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

1. रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग प्रशिक्षण केंद्र, मुंबई, महाराष्ट्र
2. भारतीय हार्डवेयर प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कालीकट, केरल
4. एलीट इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. लक्ष्य भारती अंतर्राष्ट्रीय होटल प्रबंधन संस्थान



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

इमरान सरकार की हमेशा से इच्छा थी, कि वे कॉलेज के बाद तकनीकी क्षेत्र में जाएँ। इस दिशा में उन्होंने एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन इंजीनियरिंग का कोर्स चुना। वर्तमान में, वे रेमी सेल्स एंड इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड में एक रेफ्रिजरेशन सर्विस इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं।

स्रोत— youtube.com/watch?v=MbWsR-WDbxA

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

खुदरा कोषपाल

हर खुदरा विक्रेता के पास एक ऐसा भुगतान बिंदु होता है, जहाँ कोषाध्यक्ष लेन-देन को संभालता है। एक रिटेलर के रूप में, आप क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, वाउचर आदि के साथ कोषाध्यक्ष की प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आपको कैश प्वाइंट सुरक्षा प्रक्रिया का पालन करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, आपको नियमित रूप से कैश प्वाइंट्स से संबंधित समस्याओं और समाधान के तरीकों के बारे में भी बताया जाता है। आप डेटा सुरक्षा दस्तावेजों को पढ़ने, उनका वर्णन करने और संभावित खतरों से निपटने के तरीकों के बारे में भी सीखते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात, आपको हमेशा निवेशकों के लिए रोजगार संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आपको संख्याओं के साथ काम करना पसंद हो।
- आप नए लोगों से मिलने में सहज हों।
- आप अपने काम में बहुत सावधानी बरतते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

10वीं कक्षा उत्तीर्ण करने और न्यूनतम 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 2 खुदरा कोषपाल पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

खुदरा कोषपाल की आय ₹ **8,000–25,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3Ix5uyK

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सभी तरह के रिटेल आउटलेट

कार्य वातावरण— आपको प्रतिदिन 10 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करना होगा। त्यौहार के दौरान अतिरिक्त समय में काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

कोषाध्यक्ष → प्रमुख कोषाध्यक्ष → विभागीय प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
2. राष्ट्रीय खुदरा प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
3. भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली
4. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र
5. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा, उत्तर प्रदेश

निजी संस्थान

1. मुद्रा संचार संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात
2. सिम्बायोसिस सेंटर फॉर मैनेजमेंट एंड ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट, पुणे, महाराष्ट्र
3. एस.पी. जैन प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. एमिटी बिजनेस स्कूल, नोएडा, उत्तर प्रदेश
5. पर्ल अकादमी, जयपुर, राजस्थान



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

शेखावत ने उन्नति फाउंडेशन से रिटेल कैशियर का प्रशिक्षण प्राप्त किया था और अब वह बिग बाजार में काम कर रहा है। शेखावत कहते हैं, "मैंने उन्नति फाउंडेशन से 50 दिनों का प्रशिक्षण लिया और अब मुझे नौकरी मिल गई है। मुझे रोजाना ग्राहकों से बातचीत करना अच्छा लगता है और मैं अकाउंट्स की बुनियादी बातें भी सीख रहा हूँ।"

स्रोत— https://www.youtube.com/watch?v=tCaWKC0mdC0

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

रिटेल स्टोर ऑपरेशन असिस्टेंट

रिटेल स्टोर ऑपरेशन असिस्टेंट मुख्य रूप से डिपार्टमेंटल स्टोर, हाइपरमार्केट या विभिन्न उत्पादों की बिक्री करने वाले बड़े स्टोर्स में काम करते हैं। उनका मुख्य कार्य ग्राहकों को संभालना होता है, साथ ही स्टोर की दैनिक बिक्री गतिविधियों का प्रबंधन करना भी उनका दायित्व होता है। वे आने वाले सामान को प्राप्त कर उसका प्रोसेसिंग करते हैं और स्टोर में उत्पादों को व्यवस्थित करने और अलमारियों को भरने में सहायता करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आप नए लोगों से मिलने में सहज हों।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप लोगों को मनाने के प्रयास करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 12 उत्तीर्ण करने और न्यूनतम 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 1 रिटेल स्टोर ऑपरेशन असिस्टेंट पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

रिटेल स्टोर ऑपरेशन असिस्टेंट की आय **₹ 8,000–10,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— http://bit.ly/3KbBfP1

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सभी तरह के रिटेल आउटलेट

कार्य वातावरण— आपको प्रतिदिन 10 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करना पड़ सकता है। त्यौहारों के दौरान अतिरिक्त समय में काम करना होगा।

पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

स्टोर ऑपरेशन हेल्पर → दुकान सहायक → सेल्समैन, रिटेल → विभागीय प्रबंधक → हेल्पर स्टोर मैनेजर → स्टोर मैनेजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
2. लाला लाजपत राय कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली
3. शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, नई दिल्ली
4. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5. सिडेनहैम कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, मुंबई, महाराष्ट्र
6. सेरामपुर कॉलेज, सेरामपुर, पश्चिम बंगाल
7. शासकीय कॉलेज, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश
8. शासकीय कॉलेज ऑटोनॉमस, राजमुंदरी, आंध्र प्रदेश



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सचिन कुमार एक किसान परिवार से हैं, जहाँ उनके पिता परिवार के एकमात्र कमाने वाले थे। 12वीं कक्षा पास करने के बाद, सचिन ने नौकरी की तलाश आरंभ की, लेकिन उन्हें महसूस हुआ कि ऐसी किसी प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए उनके पास पैसे नहीं हैं, जो उन्हें नौकरी के योग्य बना सके। इसी दौरान, उन्होंने अमरोहा में पी.एम.के.के. एम्पावर प्रगति द्वारा दी जाने वाली मुफ्त जॉब लिंक्ड स्किल ट्रेनिंग के बारे में सुना। वह इस संस्थान द्वारा आयोजित मोबिलाइजेशन कैंप में सम्मिलित हुए और फिर काउंसलिंग के लिए ट्रेनिंग सेंटर पहुँचे। काउंसलिंग के दौरान सचिन ने रिटेल ट्रेनी एसोसिएट कोर्स में सम्मिलित होने का निर्णय लिया, क्योंकि यह मुफ्त था और एन.एस.डी.सी. से जुड़ा हुआ था। कोर्स पूरा करने के बाद, उन्हें रैंडस्टैड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सुपरवाइजर के पद पर नौकरी मिल गई, जिससे वह अपने परिवार की आर्थिक सहायता कर रहे हैं। अब उनका हर महीने का वेतन रुपये 13,342 है।

स्रोत— https://www.nationalskillsnetwork.in/empower-pragati-2/4/

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

रूम अटेंडेंट

रूम अटेंडेंट, सामान्यतः होटलों और गेस्ट हाउस में कार्यरत होते हैं। उनके उत्तरदायित्वों में कार्यस्थल की सफाई और स्वच्छता की देख-रेख सम्मिलित है। उन्हें हाउसकीपिंग की आवश्यकताओं का आकलन करना होता है और संबंधित प्रक्रियाओं पर निर्णय लेना होता है। इसके अलावा, वे गेस्ट रूम और निर्धारित क्षेत्रों के लिए आवश्यक संसाधनों को इकट्ठा करते हैं और उन्हें सौंपे गए हाउसकीपिंग कार्यों को पूरा करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों और आपकी सहनशक्ति अच्छी हो।
- आप मिलनसार और संचार कौशल में निपुण हों।
- आप विवरणों पर नजर रखते हों।
- आप निर्देशों का पालन करना पसंद करते हों।
- आप में विश्वसनीयता का प्रमुख गुण हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 रूम अटेंडेंट पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं। हाउसकीपिंग अटेंडेंट (मैनुअल क्लीनिंग) के रूप में न्यूनतम 2 वर्ष का अनुभव बेहतर है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

रूम अटेंडेंट की आय ₹ **15,000–35,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/41aYmPR

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— होटल, गेस्ट हाउस, होमस्टे, रेस्टोरेंट या पर्यटन क्षेत्र में कार्य कर रही कंपनियाँ होटल स्टे संबंधित।

कार्य वातावरण— आपको सप्ताह में 6 दिन 10–12 घंटे काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

रूम अटेंडेंट → हाउसकीपिंग
सुपरवाइजर → हाउसकीपिंग मैनेजर → कार्यकारी हाउसकीपर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थानों द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. होटल प्रबंधन संस्थान, भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित
2. बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश
3. हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड
4. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
5. मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, मणिपाल, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. बनारसीदास चाँदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
5. ओबेरॉय सेंटर ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली
6. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली, पंजाब

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

गुलाम मोहम्मद गोजर बडाना, 24 वर्षीय एक होनहार युवा है और वर्तमान में बारबेक्यू नेशन में जनरल सर्विस असिस्टेंट के रूप में कार्यरत है। उसका जन्म कंगन, जिला गंदेरबल के एक गरीब परिवार में हुआ था और वह आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग से आता है। गुलाम, मीर मोहम्मद बडाना का बेटा है, जो कंगन में दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। बेहतर भविष्य के लिए उसने कंगन के संस्थान डॉन बॉस्को टेक-हिमायत के माध्यम से प्रशिक्षण और नौकरी की तलाश आरंभ की। काउंसलिंग के बाद, उसने हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में तीन महीने के प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। अपनी कड़ी मेहनत और लगन से, गुलाम ने प्रशिक्षण के अंत में अच्छे अंकों के साथ सफलता प्राप्त की। कैंपस प्लेसमेंट के दौरान, उसने बारबेक्यू नेशन में नौकरी प्राप्त की। डॉन बॉस्को टेक-हिमायत-कंगन के केंद्र समन्वयक श्री सैयद नगीना, गुलाम की प्रशंसा करते हुए कहते हैं कि वह एक प्रतिभाशाली और समर्पित व्यक्ति है।

https://www.dbtech.in/SuccessStory.aspxStoryID=WGPwkhZohRr2zRjreh2SNmwDDe5GL2DqlKyq7vGMQA=

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

रबर प्रौद्योगिकीविद्

रबर प्रौद्योगिकीविद्, रबर और अन्य प्रकार के इलास्टिक सामग्रियों को उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित करने में विशेषज्ञ होते हैं, जैसे कि ऑटोमोबाइल टायर, रबर मैट और व्यायाम के लिए रबर स्ट्रेचिंग बैंड।

व्यक्तिगत गुण

- आपको विज्ञान और गणित पसंद हो।
- आपको वस्तुएँ बनाना पसंद हो।
- आपको प्रयोग करना पसंद हो।
- आपको समस्याओं तथा स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा होती है। यह भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उच्च योग्यताधारक आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— आई.ओ.सी. लिमिटेड पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को एक स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. योजनाओं और राज्य शासन की योजनाएँ प्रस्तुत की जाती हैं।*
- छात्रवृत्ति के विवरण के लिए www.buddy4study.com पर जाएँ। यह कक्षा 11 से आरंभ होने वाली छात्रवृत्तियों को प्राप्त करने का एक माध्यम है।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 30,000–1,50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. रबर और प्लास्टिक प्रौद्योगिकी में स्नातक (बी.ई./बी.टेक.) करें।

अथवा

रबर प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी विषय में स्नातकोत्तर (एम.ई./एम.टेक.) करें।

अथवा

स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करें, जिसके बाद आप रबर प्रौद्योगिकी में पीएच.डी. की डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं।

प्रवेश के लिए, आपको राष्ट्रीय स्तर (जे.ई.ई मेन, जे.ई.ई. एडवांस इत्यादि) या राज्य स्तर (डब्ल्यू.बी.जे.ई.ई., ए.पी.ई.ए.एम.सी.ई.टी. इत्यादि) या संस्थान स्तर (वी.ई.टी., आई.पी. इत्यादि) पर आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

रबर प्रौद्योगिकीविद् की आय **₹ 20,000–40,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.payscale.com/research/IN/Industry=Rubber%2C_Rubber_Products/Salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— आप कृषि क्षेत्र, ऑटोमोबाइल उद्योग, परिवहन कंपनियों, निर्माण फर्मों, दूरसंचार क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र, कंप्यूटर उद्योग, बिजली संचरण, कृत्रिम अंग उद्योग और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में भी रोजगार पा सकते हैं।

कार्य वातावरण— अनुसंधान समय सामान्यतः सप्ताह में 5 या 6 दिन और प्रतिदिन 8 या 9 घंटे के लिए तय किया जाता है। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है और पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

इंजीनियर प्रशिक्षु → सहायक इंजीनियर → वरिष्ठ इंजीनियर → प्रधान इंजीनियर/परियोजना प्रबंधक → महाप्रबंधक इंजीनियरिंग/इंजीनियरिंग प्रमुख → मुख्य इंजीनियर/उपाध्यक्ष → मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी/निदेशक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. एल.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद, गुजरात
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
3. मद्रास प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
4. राजकीय पॉलिटेक्निक, मुंबई, महाराष्ट्र
5. त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, अगरतला, त्रिपुरा
6. अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु
7. गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
8. कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि, केरल

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. डॉ एम.जी.आर. शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
2. एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश
3. हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई, तमिलनाडु

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

रमेश कुमार दुआ, रिलैक्सो फुटवियर के मालिक हैं, जो देश के अग्रणी शू मेकर्स में से एक है। दुआ ने लंदन से एक प्रशिक्षित रबर प्रौद्योगिकीविद् के रूप में अपना करियर आरंभ किया, जो वर्ष 1974 से अपने पारिवारिक फुटवियर और साइकिल पार्ट्स व्यवसाय के लिए काम कर रहे थे। आज, रिलैक्सो फुटवियर के पास आठ कारखाने हैं, जिनकी क्षमता एक दिन में दस लाख जोड़े बनाने की है।*

स्रोत— https://www.forbes.com/profile/ramesh- kumar-dua/?sh=7bcd64751370

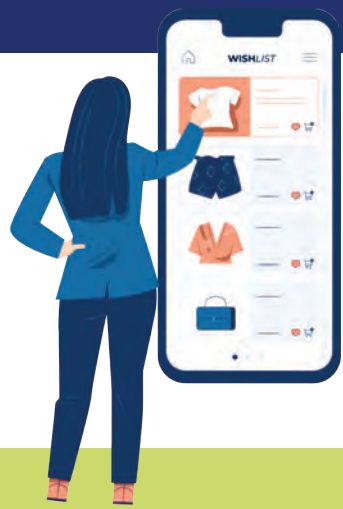
**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

स्व-नियोजित ई-टेलर

स्व-नियोजित ई-टेलर के रूप में, आप एक ऑनलाइन स्टोर के माध्यम से ग्राहकों को उत्पाद और सेवाएँ बेचने वाले खुदरा विक्रेता बन सकते हैं। ई-टेलर बनने के लिए आपको भौतिक दुकान के मालिक होने या उसे किराए पर लेने की आवश्यकता नहीं होती, हालाँकि कुछ ऐसा करना पसंद कर सकते हैं। इस व्यवसाय में निर्माता ई-टेलर को उत्पाद वितरित करते हैं, जिसे फिर वह अपनी वेबसाइट पर ग्राहकों को बेचने के लिए प्रस्तुत करते हैं। इस भूमिका में, व्यक्ति किसी नियोक्ता के लिए काम करने के बजाय अपने लिए काम करते हैं और अपनी आय अर्जित करते हैं। इस प्रक्रिया को प्रबंधित करने के लिए, आपको लाइसेंस की आवश्यकता, कानूनी नीतियों, उत्पाद और सेवाओं की खरीद लागत और संभावित जोखिमों को समझना होता है। इसके अलावा, आपको डेटा शीट पढ़ने और बनाने, ग्राहक की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने और यह समझने की आवश्यकता होगी कि किसी उत्पाद को बाजार में क्यों और कैसे बेचा जाता है। आप ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से कमीशन पर कमाई करेंगे।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आप कंप्यूटर का उपयोग करने में सहज हों।
- आप समूह में काम करना पसंद करते हों।
- आप आवश्यकतानुसार समस्याओं का समाधान कर सकते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने और न्यूनतम 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 स्व-नियोजित ई-टेलर पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

स्व-नियोजित ई-टेलर की आय ₹ **17,700–18,800*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/e-commerce-executive-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अपने घर या कार्यालय से काम करेंगे। यह मुख्य रूप से उद्यमी कार्य है।

कार्य वातावरण— जब भी काम करने की आवश्यकता होगी, आप अपने स्वयं के प्रतिष्ठान से काम करेंगे। काम मुख्य रूप से ऑनलाइन है और इसमें आपूर्ति शृंखला, सेवा उत्पादकों, बैंकों और ग्राहकों के बीच बहुत अधिक समन्वय सम्मिलित है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक ई-टेलर → ई-टेलर → प्रबंधक ई-स्टोर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. डॉ. डी.वाई. पाटिल विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
2. चितकारा विश्वविद्यालय, राजपुरा, पंजाब
3. मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

जबोंग.कॉम, भारत में ग्राहकों के लिए फैशन और लाइफस्टाइल से जुड़ी सभी आवश्यकताओं के लिए एक वन-स्टॉप शॉप है। यह प्लेटफॉर्म परिधान, एक्सेसरीज, फुटवियर, होम एंड लिविंग, स्पोर्ट्स वियर और कई अन्य श्रेणियों में फैशन और लाइफस्टाइल ब्रांड्स की विस्तृत शृंखला पेश करता है। जबोंग.कॉम पर उपभोक्ता विभिन्न ब्रांड, स्टाइल, रंग और कीमतों की तुलना कर सकते हैं। जबोंग शीर्ष 10 शहरों में 48 घंटों के भीतर डिलीवरी सुनिश्चित करता है, जबकि अन्य शहरों के लिए डिलीवरी का समय एक से तीन दिनों तक हो सकता है। इसके अलावा, जबोंग.कॉम पर फैशन स्टाइलिस्ट उपलब्ध हैं, जो उपभोक्ताओं को उनके खरीदारी के फैसलों में मार्गदर्शन करते हैं। इस कंपनी की स्थापना वर्ष 2011 के अंत में हुई थी और वेबसाइट वर्ष 2012 की शुरुआत में लाइव हुई।

स्रोत— https://www.indianretailer.com/magazine/2012/august/Top-20-E-retailers.m58-1-1

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सिलाई मशीन संचालक

सिलाई मशीनों के माध्यम से कई तरह के डिजाइन, पैटर्न बनाए जा सकते हैं। सिलाई मशीन के कई प्रकार हैं और सिलाई मशीन संचालक को इन मशीनों को चलाने का कौशल सिखाया जाता है। संचालन के अलावा, इस व्यापार में व्यावहारिक कक्षाओं के माध्यम से विभिन्न प्रकार के औजारों, भागों, मरम्मत, सुरक्षा उपायों के रख-रखाव के बारे में भी सिखाया जाता है।



व्यक्तिगत गुण

- आप में रचनात्मक कौशल हो।
- आप अपने हाथों से काम करने में कुशल हों।
- आपके पास अच्छा संचार कौशल हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद और सिलाई मशीन संचालकों के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 प्रशिक्षण के लिए नामांकन के लिए न्यूनतम आयु 14 वर्ष होनी चाहिए।

अथवा

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद आप सिलाई मशीन संचालक के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर सकते हैं या किसी आई.टी.आई. से सिलाई प्रौद्योगिकी का 1 वर्षीय गैर-इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सिलाई मशीन संचालक की आय ₹ **15,000–18,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3impsC9

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— परिधान निर्माण उद्योग, बुटीक, बड़ी टेलरिंग दुकानें, सिलाई मशीन बेचने वाली दुकानें

उद्यमिता— अनुभव प्राप्त करने के बाद आप हमेशा अपना खुद का टेलरिंग व्यवसाय खोल सकते हैं

कार्य वातावरण— संगठन सामान्यतः सप्ताह में 5–6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करते हैं। यह संगठन से संगठन में भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

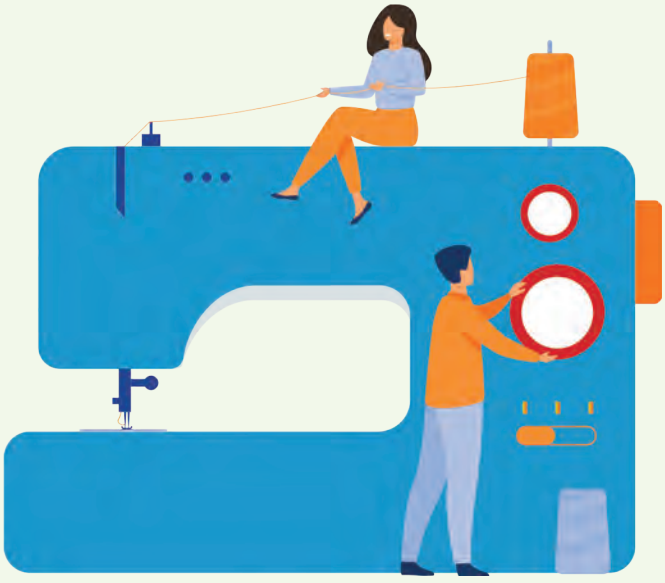
हेल्पर → कार्यकर्ता → विशेषज्ञ सिलाई मशीन संचालक → प्रक्रिया पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. आई.आई.जी.एम. अप्रूवल इंजीनियरिंग सेंटर, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जियोमैग्नेटिज्म मुंबई, महाराष्ट्र
3. अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर, भोपाल, मध्य प्रदेश



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जनपद की महिला व्यवसायी **अर्चना चौरे** बताती है कि "मैं सिलाई करना जानती थी, क्योंकि यह एक घरेलू कौशल है, लेकिन जन शिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण ने मुझे कई अवधारणाओं को समझने में सहायता की, जिनके बारे में मुझे जानकारी नहीं थी। मुझे जो प्रमाणपत्र मिला है, उसके साथ मैं प्रशिक्षण भी देती हूँ और अपना व्यवसाय भी चलाती हूँ। चूँकि मैं राजकीय योजनाओं के माध्यम से प्रशिक्षित हूँ, इसलिए मुझे अपने सिलाई व्यवसाय में राजकीय अधिकारियों का सहयोग भी मिलता है।"

स्रोत— जे.एस.एस. होशंगाबाद एम.पी.

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

शोरूम होस्टेस/परिचारक

शोरूम होस्टेस या परिचारक, जो ग्राहकों का स्वागत करते हैं और व्यवसाय के फ्रंट ऑफिस को कुशलता से प्रबंधित करते हैं। इनका मुख्य कार्य शोरूम में आने वाले ग्राहकों की देखभाल करना, उनके प्रश्नों का उत्तर देना, समस्याओं का समाधान करना और ग्राहकों की आवश्यकताओं और शोरूम की सेवाओं के बीच समन्वय स्थापित करना होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप सामाजिक हों।
- आप लोगों से बातचीत करना पसंद करते हों।
- आपके पास अच्छा संचार कौशल हो।
- आप अपने काम में व्यवस्थित हों।
- आपमें सहनशक्ति और धैर्य हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 12 की पढ़ाई पूरी करने के बाद और शोरूम होस्टेस/परिचारक के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

शोरूम होस्टेस या परिचारक की आय **₹ 13,000–15,200*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/Showroom-hostess-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— कार शोरूम, ज्वैलरी शोरूम, शॉपिंग सेंटर, शॉपिंग मॉल।

कार्य वातावरण— सामान्यतः प्रतिदिन 8–9 घंटे और सप्ताह में 6 दिन तथा पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

हेल्पर शोरूम होस्टेस → शोरूम होस्टेस → फ्लोर मैनेजर, शोरूम → प्रोसेस सुपरवाइजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. अन्नाई इंदिरा एयर होस्टेस प्रशिक्षण अकादमी, कन्याकुमारी, तमिलनाडु
2. पेरियार विश्वविद्यालय, पेरियार,तमिलनाडु
3. अदिति महाविद्यालय, नई दिल्ली

निजी संस्थान

1. फ्रैंकफिन इंस्टीट्यूट ऑफ एयर होस्टेस ट्रेनिंग
2. वेस्टर्न इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिक्स, अहमदाबाद, गुजरात
3. फ्लाईव्हील एविएशन अकादमी, नागपुर, महाराष्ट्र
4. एप्टेक एविएशन अकादमी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. पी.टी.सी.–एविएशन अकादमी, बेंगलुरु, कर्नाटक
6. बॉम्बे फ्लाइंग क्लब, मुंबई, महाराष्ट्र
7. यूनिवर्सल एविएशन अकादमी, चेन्नई, तमिलनाडु
8. सेंटर फॉर सिविल एविएशन ट्रेनिंग, नई दिल्ली

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

फेमास्दी गिरिसा एक बी.पी.एल. परिवार से आती हैं; उनके परिवार में छह सदस्य हैं, जो पूरी तरह से खेती पर निर्भर हैं। परिवार की वार्षिक आय लगभग रुपये 20,000 है। 10वीं पास करने के बाद उन्हें अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी। अब वह अपने परिवार की सहायता के लिए कुछ करना चाहती थीं। उन्होंने नागालैंड में डी.बी. टेक द्वारा दिए जा रहे सेल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम में दाखिला लिया और इससे उन्हें अलग-अलग ग्राहकों को आत्मविश्वास के साथ संभालने के कौशल सीखने में सहायता मिली। उन्होंने कंप्यूटर चलाना और प्रभावी ढंग से संवाद करना भी सीखा। उन्होंने कड़ी मेहनत और ईमानदारी के साथ जीवन का सामना करने का सही रवैया विकसित किया था। उनका चयन नागालैंड के दीमापुर में एक विशेष शोरूम जैक एंड जिल में हुआ और वे बहुत संतुष्टि के साथ काम कर रही हैं। जब उनसे पूछा गया कि काम करके कैसा लगता है, तो उन्होंने कहा, "मैं हमेशा सोचती थी कि नौकरी करना बहुत मुश्किल काम है, क्योंकि इसमें लंबे समय तक काम करना पड़ता है और अपने वरिष्ठों की आज्ञा का पालन करना पड़ता है। लेकिन अब मुझे यह वास्तव में अच्छा लगता है, मैं आस-पास के लोगों के साथ प्रभावी ढंग से व्यवहार करने के लिए बहुत-सी नई चीजें सीख रही हूँ। वह वर्तमान में रुपये 6500 मासिक वेतन कमा रही हैं। 6500 रुपये में से 1500 रुपये वह खुद खर्च करती है और बाकी अपने परिवार पर खर्च करती है। उसके कार्यस्थल पर उसके एक सहकर्मी से बात करने पर हमें पता चला कि वह अपने काम के प्रति वाकई समर्पित है और आगे बढ़ने की इच्छा रखती है। अब वह सुपरवाइजर के पद पर पदोन्नति चाहती है। उसकी सफलता पर उसके माता-पिता कहते हैं, "डी.बी. टेक ने फेमास्दी गिरिसा को अपना करियर उज्ज्वल बनाने के लिए एक अच्छा मंच प्रदान किया है और हमें जीने का एक कारण दिया है।"*

स्रोत— https://www.dbtech.in/SuccessStory.aspx?StoryID=CMAmPw+643x7AOBBSHt/yLs0MUM9rXQ/TQUGv4OzbMI=

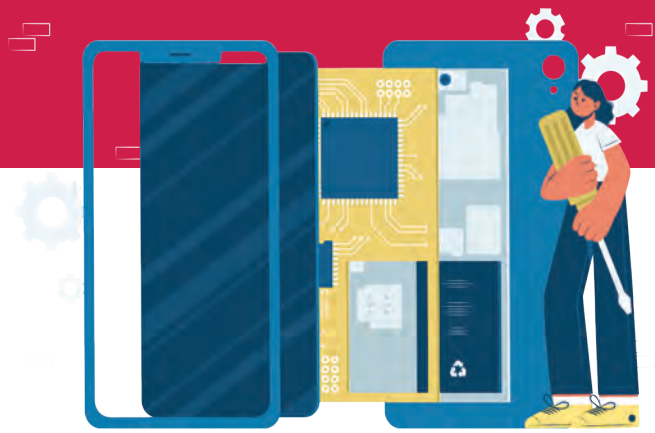
**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

स्मार्टफोन रिपेयर तकनीशियन

स्मार्टफोन रिपेयर तकनीशियन, ग्राहक द्वारा लाए गए फोन में खराबी का पता लगाने और उसे ठीक करने के लिए उत्तरदायी होते हैं। वे सबसे पहले खराब स्मार्टफोन प्राप्त करते हैं, खराब फोन में समस्या का निदान और उसकी मरम्मत करते हैं। वे आवश्यकतानुसार फ्रंट एंड या हार्डवेयर स्तर की मरम्मत कर सकते हैं। उन्हें सॉफ्टवेयर समस्याओं को हल करने और ग्राहकों को फोन वापस देने से पहले सुचारू रूप से काम कर रहा है या नही को सुनिश्चित करने के लिए भी प्रशिक्षित किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।
- आपके पास अच्छा विश्लेषणात्मक कौशल हो।
- आप अपने काम में व्यवस्थित हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

स्मार्टफोन रिपेयर तकनीशियन के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए कक्षा 10 की पढ़ाई पूरी करने के बाद हार्डवेयर रिपेयर में कम से कम 1 साल का कार्य अनुभव होना आवश्यक है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

स्मार्टफोन रिपेयर तकनीशियन की आय ₹ **15,000–20,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3YanALM

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— स्मार्टफोन कंपनियाँ, मोबाइल शॉप, मोबाइल रिपेयर शॉप, मोबाइल के लिए कंपनी के आधिकारिक रिपेयर सेंटर आदि।

उद्यमिता— कुछ वर्षों का अनुभव प्राप्त करने के बाद आप अपनी मोबाइल रिपेयर शॉप खोल सकते हैं। आप अपना स्वयं का व्यवसाय खोलने के लिए मोबाइल कंपनियों से एजेंसी ले सकते हैं।

कार्य वातावरण— काम प्रतिदिन 8–9 घंटे और सप्ताह में 6 दिन होता है। आपको ओवरटाइम भी करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

स्मार्टफोन रिपेयर तकनीशियन → वरिष्ठ रिपेयर तकनीशियन

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. एच.के.आई.टी. जयपुर, राजस्थान
2. गायकवाड़ तकनीकी संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र
3. ए.सी.ई. तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल
4. ए.के. इन्फो इंडिया, नई दिल्ली

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

पी. बालासुब्रमण्यम का जन्म तमिलनाडु के एक छोटे से गाँव में हुआ था और वे एक बड़े परिवार से थे। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें परिवार की आर्थिक सहायता के लिए काम करना पड़ा और यहीं से उनके संघर्ष की शुरुआत हुई। उस समय मोबाइल फोन उद्योग तेजी से बढ़ रहा था और एक मित्र की सलाह पर उन्होंने मोबाइल रिपेयरिंग का कोर्स किया। कोर्स पूरा करने के बाद उन्होंने चेन्नई के पैरीज कॉर्नर में एक छोटी-सी मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान खोली, लेकिन उन्हें कुशल तकनीशियन की कमी के कारण यह व्यवसाय अधिक दिन नहीं चला।

इसके बाद उन्होंने एक मोबाइल सेवा प्रशिक्षण संस्थान में रुपये 10,000 के वेतन पर नौकरी कर ली। वर्ष 2006 में, उन्हें एक मोबाइल फोन रिटेल चेन, द मोबाइल स्टोर, में तमिलनाडु के तकनीकी प्रमुख के रूप में रुपये 25,000 के वेतन पर नियुक्ति मिली। इस अनुभव ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। आखिरकार, उन्होंने यह नौकरी छोड़ दी और वर्ष 2009 में अड्यार में अपना खुद का मोबाइल फोन रिपेयर सेंटर, फर्स्ट कॉल, आरंभ किया। अपने काम के प्रति समर्पण और निरंतर सीखने की लगन के चलते आज वे सफलता की ऊँचाइयों पर हैं।

स्रोत— https://www.theweekendleader.com/Success/2853/upwardly-mobile.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

सोलर एवं एल.ई.डी. तकनीशियन

सोलर पैनलों का उपयोग विभिन्न संगठनों और घरों में तेजी से एक वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के रूप में किया जा रहा है। सौर एवं एल.ई.डी. तकनीशियनों को बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स, एल.ई.डी. और सौर फोटोवोल्टिक (पी.वी.) प्रणाली की मूलभूत अवधारणाओं का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें कार्यक्षेत्र की तैयारी, पैनल स्थापना के लिए संरचना तैयार करने, सौर एल.ई.डी. लाइटिंग की मरम्मत और उचित उपकरणों का उपयोग करके इन लाइटिंग सिस्टम को सौर पैनलों से जोड़ने के कौशल सिखाए जाते हैं। वे छत और गैर-छत दोनों प्रकार की संरचनाओं में पी.वी. पैनल स्थापित करना सीखते हैं। इसके अलावा, उन्हें गैर-कामकाजी प्रणालियों में संभावित दोषों की पहचान करने और उन दोषों को ठीक करने का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। वे न केवल सौर ऊर्जा प्रणालियों की स्थापना करते हैं, बल्कि उनके रख-रखाव का कार्य भी करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप संचार कौशल में निपुण हों।
- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।
- आपकी आँखों और हाथों का समन्वय अच्छा हो।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

विज्ञान वर्ग में कक्षा 12 उत्तीर्ण करने के बाद आप सोलर और एल.ई.डी. तकनीशियन स्तर 4 के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं।

अथवा

इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स में आई.टी.आई. की पढ़ाई पूरी करने के बाद आप सोलर और एल.ई.डी. तकनीशियन स्तर 4 के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

सोलर और एल.ई.डी. तकनीशियन की आय ₹ **18,000–35,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3wKje2D

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— सोलर इंस्टॉलेशन कंपनियाँ, सोलर अप्लायंस स्टोर, सोलर पैनल निर्माता, सोलर ऊर्जा सलाहकार।

उद्यमिता— आप सोलर इंस्टॉलेशन कंपनियों को अनुबंध के आधार पर अपनी सेवाएँ प्रदान कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— प्रतिदिन 9–10 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना। इस नौकरी में यात्रा करना सम्मिलित है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सोलर पैनल सहायक → सोलर पैनल इंस्टालेशन तकनीशियन → वरिष्ठ इंस्टालेशन तकनीशियन

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
2. राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तिरुवनंतपुरम, केरल
3. केंद्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली
5. राष्ट्रीय कौशल विकास निगम, नई दिल्ली

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मैं **अशोरबा गायकवाड़** हूँ। मेरे पिता एक किसान हैं और हमारे पास 2 एकड़ से भी कम जमीन है, जिस पर हम खेती करते थे। इस खेती से होने वाली आय हमारे परिवार के खर्चों के लिए पर्याप्त नहीं थी। आर्थिक तंगी के कारण, मुझे 12वीं के बाद अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी। मैंने अपने पिता के साथ खेत में काम करना आरंभ किया, लेकिन हमारी मेहनत से बहुत लाभ नहीं हो रहा था। फिर मुझे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.) के बारे में जानकारी मिली और मैंने सोलर पैनल तकनीशियन के प्रशिक्षण के लिए नामांकन करने का निर्णय लिया। इस प्रशिक्षण के दौरान मैंने सौर ऊर्जा और उपकरणों के उपयोग के बारे में गहन जानकारी हासिल की। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, मेरी ट्रेनिंग कंपनी मोसा ए.आई.सी. ने मुझे आद्रिक प्राइवेट लिमिटेड में मशीन ऑपरेटर की नौकरी दिलाई, जहाँ मुझे रुपये 15,500 प्रतिमाह का वेतन मिलने लगा। इस प्रशिक्षण ने न केवल मेरे जीवन को बदल दिया, बल्कि मेरे पूरे परिवार के जीवन में भी सुधार लाया। मेरे पिता मुझ पर खुश और गर्व महसूस करते हैं। मैं कहना चाहता हूँ कि पी.एम.के.वी.वाई. का प्रशिक्षण युवाओं के लिए अपने सपनों को पूरा करने और उन्हें हकीकत में बदलने का एक बेहतरीन मंच है। इस प्रशिक्षण के कारण मैं अब प्रमाणित और एक उज्ज्वल भविष्य की ओर देख रहा हूँ।

स्रोत— https://www.pmkvyofficial.org/successdetail/611f42931f610000520030f

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

स्पा थेरेपिस्ट

स्पा थेरेपिस्ट उन प्रक्रियाओं और उपचारों में विशेषज्ञ होते हैं, जो सौंदर्य, त्वचा की देखभाल और विशिष्ट स्पा तकनीकों पर केंद्रित होती हैं। इन प्रक्रियाओं के माध्यम से वे ग्राहकों को दर्द और तनाव से राहत दिलाने के साथ-साथ अन्य स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने के लिए मांसपेशियों और कोमल ऊतकों पर काम करते हैं। वहीं, सहायक स्पा थेरेपिस्ट का काम वरिष्ठ स्पा थेरेपिस्ट की सहायता करना होता है, ताकि वे ग्राहकों को बेहतरीन स्पा सेवाएँ प्रदान कर सकें।

व्यक्तिगत गुण

- आपके पास उत्कृष्ट पारस्परिक संचार कौशल हो।
- आपको दूसरों को अच्छा महसूस कराने में खुशी मिलती हो।
- आप एक विवरण उन्मुख व्यक्ति हों।
- आप दिए गए निर्देशों का पालन करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद आप स्पा थेरेपिस्ट के लिए नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

स्पा थेरेपिस्ट की आय ₹ **15,000–20,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3vSK9bQ

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— स्टैंड-अलोन स्पा, होटल और रिसॉर्ट में स्पा और मेडी-स्पा।

उद्यमिता— कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आप किसी सर्विस एग्रीगेटर से जुड़ सकते हैं। आप अपना स्वयं का प्रतिष्ठान भी आरंभ कर सकते हैं।

कार्य वातावरण— सामान्य कार्य घंटे सप्ताह में 6 दिन प्रतिदिन 8–9 घंटे होते हैं। कभी-कभी अतिरिक्त समय में काम भी करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक स्पा थेरेपिस्ट → स्पा थेरेपिस्ट → स्पा प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. राष्ट्रीय कौशल विकास निगम, नई दिल्ली
2. श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलाड़ी, केरल
3. ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर स्किल काउंसिल, नई दिल्ली
4. तमिलनाडु ओपन यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
5. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

मैं सात साल से नवी मुंबई में 'ग्रेस अरोमा' नाम से एक स्पा चला रहा था, लेकिन मुझे अपनी सेवाओं को आधुनिक बनाने और बेहतर बनाने की आवश्यकता महसूस हुई। मैंने स्पा कंसल्टेंट्स की सहायता लेने का फैसला किया। मेरे मौजूदा कर्मचारियों ने ग्राहक प्रबंधन और स्पा उपचार की नवीनतम तकनीकों में प्रशिक्षण लिया। उन्होंने मेरे स्पा को फिर से डिजाइन करने में भी सहायता की और हम सभी को सर्वश्रेष्ठ स्पा प्रबंधन तकनीकों में प्रशिक्षित किया गया। अब इसे अपने नए अवतार में जी-स्पा कहा जाता है। डॉ. मनीष और डॉ. स्वप्निल द्वारा दिए गए प्रशिक्षण ने इस बदलाव को यादगार बना दिया। कंचन सी, मालिक और अरोमा थेरेपिस्ट जी-स्पा, नवी मुंबई।*

स्रोत— https://www.spaconsultants.in/testimonials.php

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

स्टोन कटर (कटिंग मशीन ऑपरेटर)–स्टोन क्राफ्ट

स्टोन कटर बड़े कठोर पत्थर के स्लैब को आवश्यकतानुसार अलग-अलग आकारों में काटने व आगे की प्रक्रिया के लिए उत्तरदायी होते हैं। इसके लिए उन्हें मशीन के संचालन में कुशल बनाया जाता है ताकि पत्थर को प्रभावी रूप से काटा जा सके। इसके अलावा, वे खराद मशीन के संचालन के माध्यम से विभिन्न विशेषताओं वाले पत्थर के घटकों का उत्पादन भी करते हैं। शिल्पकार मशीन की कार्यक्षमता को बनाए रखने के लिए इसके संचालन पर लगातार निगरानी रखते हैं और आवश्यकता पड़ने पर इसकी सेटिंग्स में समायोजन भी करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप समूह में काम करने में सहज हों।
- आपके हाथों तथा आँखों का समन्वय अच्छा हो।
- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद और नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 स्टोन कटर (कटिंग मशीन ऑपरेटर) पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

स्टोन कटर (कटिंग मशीन ऑपरेटर)–स्टोन क्राफ्ट की आय ₹ **10,000–25,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3jxaQ3g

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— स्टोन कटिंग कंपनियाँ, टाइल कंपनी, कला और शिल्प निर्माण कंपनियाँ।

उद्यमिता— अनुभव प्राप्त करने के बाद हमेशा अपना खुद का सेट-अप बनाने और स्टोन क्राफ्ट डिजाइनिंग कारीगरों को उत्पाद बेचने की गुंजाइश होती है।

कार्य वातावरण— सामान्य काम सप्ताह में 6 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे का होता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

हेल्पर → स्टोन कटर, मशीन → प्रोसेस सुपरवाइजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. केंद्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. प्रशिक्षण महानिदेशालय, पणजी, गोवा
3. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, (एम.एस.एम.ई. प्रौद्योगिकी केंद्र), नई दिल्ली
4. एन.आई.ओ.एस प्रशिक्षण केंद्र, उत्तर प्रदेश

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सिकंदरा, जो कभी एक पिछड़ा इलाका माना जाता था, अब पत्थर की कलाकृतियों के व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से खरीदार यहाँ न केवल छोटी कलाकृतियाँ खरीदने आते हैं, बल्कि पत्थर के खंभे, बाड़, कुर्सियाँ और बगीचे की अन्य सजावट सामग्री भी लेते हैं। यहाँ के कारीगर ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया में भी अपनी कलाकृतियों का निर्यात करते हैं। इन कलाकृतियों में जाली का काम, बर्तन, देवी-देवताओं की मूर्तियाँ, पशु आकृतियाँ, लैंप, खंभे, मंदिर के मॉडल, फव्वारे और फर्नीचर सम्मिलित होते हैं।

गैंदा लाल गुज्जर ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया, "मेरे दोस्त कालू राम ने मुझे अपने काम में सहायता के लिए कहा और शुरुआती दिनों में मैं 2–3 घंटे काम करके प्रतिदिन 12 से 15 रुपये कमाता था। धीरे-धीरे मैंने अपने कौशल को बेहतर किया और अब मैं प्रतिदिन रुपये 100 तक कमाने लगा हूँ। अब हम परिवार के चार सदस्य मिलकर यह काम करते हैं और हर महीने लगभग रुपये 60,000 से 70,000 कमा लेते हैं।"

राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित स्टोन डेवलपमेंट सेंटर (सी.डी.ओ.एस.) अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एक उत्कृष्टता केंद्र है, जिसका उद्देश्य डायमेंशनल स्टोन सेक्टर को विकसित, प्रोत्साहित और समर्थन देना है। सी.डी.ओ.एस. क्षेत्र के युवाओं को प्रशिक्षित किया, जिससे उन्होंने मशीनों के संचालन और रख-रखाव में दक्षता प्राप्त की। पहले, पत्थर के प्रसंस्करण में उपयोग होने वाले औजारों और मोटरों की मरम्मत के लिए लोगों को दौसा या जयपुर जाना पड़ता था। अब, इन युवाओं ने न केवल पत्थरों को तराशने में विशेषज्ञता हासिल की है, बल्कि कटर और मोटर जैसे औजारों की मरम्मत में भी कुशल हो गए हैं। सीनियर शिल्पकार खैराती लाल कहते हैं, "युवाओं की बढ़ती रुचि और प्रशिक्षण के कारण, वे अब पत्थरों को तराशने के साथ-साथ उपकरणों की मरम्मत करने में भी निपुण हो गए हैं। हमें उन पर पूरा भरोसा है, क्योंकि उन्हें अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया गया है।"

सी.डी.ओ.एस. के सी.ई.ओ. आर.के. गुप्ता ने कहा, "सी.डी.ओ.एस. ने सिकंदरा के कारीगरों को अपने उपकरण और कौशल उन्नत करने में सहायता की है और उन्हें खरीदारों से बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित किया है। अब वे शोरूम के माध्यम से व्यापार करते हैं, अपनी वेबसाइट बनाई है और स्वयं के ब्रोशर प्रकाशित करते हैं।"

स्रोत— https://www.thehindu.com/features/magazine/ stories-in-stone/ article4484528.ece

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

स्टोर कीपर (कंस्ट्रक्शन)

कंस्ट्रक्शन स्टोर कीपर का मुख्य कार्य आने वाली सामग्री को प्राप्त करना, उसका उचित भंडारण और ढेर करना और आवश्यकतानुसार सामग्री जारी करना होता है। इसके अलावा, उन्हें निर्माण स्थल पर आवश्यक दस्तावेज तैयार करने और लॉग बुक, प्रवेश एवं निकास रजिस्टर तथा डिलीवरी और आवक-जावक रजिस्टर को सही ढंग से बनाए रखने का दायित्व भी होता है।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हो।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 12 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 25 स्टोर कीपिंग प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर सकते हैं। 2 वर्ष का पूर्व अनुभव बेहतर माना जाएगा।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

स्टोर कीपर (कंस्ट्रक्शन) की आय ₹ **30,000–45,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/salaries/onshore-construction-salaries/store-keeper

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— गोदाम, निर्माण एजेंसियाँ, बिल्डर, सिविल इंजीनियरिंग कंपनियाँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक स्टोर कीपर–कंस्ट्रक्शन → स्टोर कीपर–कंस्ट्रक्शन

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. राष्ट्रीय निर्माण अकादमी, हैदराबाद, तमिलनाडु
2. भारतीय व्यवसाय प्रबंधन एवं प्रशासन विद्यालय, नई दिल्ली
3. भारतीय कौशल विकास प्रशिक्षण संस्थान, पन्ना, मध्य प्रदेश
4. राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

गुड्डू शुक्ला ने अपने करियर की शुरुआत एक निर्माण स्थल पर सेल्समैन के रूप में की, जहाँ उन्होंने कई संभावित ग्राहकों को आकर्षित किया। उनकी कड़ी मेहनत और प्रदर्शन के चलते उन्हें वरिष्ठ स्टोर प्रबंधक के पद पर पदोन्नत किया गया। इस भूमिका में वे स्टोर रिकॉर्ड बनाए रखने, नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने और बर्बादी को कम करने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का प्रबंधन करते हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में रुपये 5,000 प्रतिमाह कमाए थे, लेकिन अब वे प्रतिमाह रुपये 15,000 की सम्मानजनक आय अर्जित कर रहे हैं।

स्रोत— श्री गुड्डू शुक्ला के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

स्ट्रिंगिंग/बीडिंग आर्टिस्ट (फैशन ज्वेलरी)

स्ट्रिंगिंग/बीडिंग कारीगर, एन.एस.क्यू.एफ. प्रशिक्षण के फैशन ज्वैलरी सेक्शन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। इन कारीगरों को कच्चे माल की तैयारी और अलगाव, दिए गए डिजाइन के अनुसार मोतियों की पिरोई, क्लैस्प बनाने और फिर डिजाइन के अनुसार आभूषण तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके साथ ही, उन्हें उत्पाद की गुणवत्ता की जाँच करने और निर्धारित मानकों के अनुसार उच्च-स्तरीय उत्पाद तैयार करने के लिए भी प्रशिक्षित किया जाता है।

व्यक्तिगत गुण

- आपका मन कलात्मक हो।
- आप ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और लंबे समय तक काम कर सकते हों।
- आपकी आँखों और हाथों का समन्वय अच्छा हो।
- आपके पास अच्छा संचार कौशल हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क **₹ 10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के बाद और नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 2 स्ट्रिंगिंग/बीडिंग आर्टिजन (फैशन ज्वैलरी) पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

स्ट्रिंगर/बीडिंग आर्टिस्ट (फैशन ज्वेलरी) की आय **₹ 8,500–30,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.ambitionbox.com/profile/artisan-salary

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— स्वयं सहायता समूह, कृत्रिम आभूषण बनाने वाली कंपनियाँ, कला और शिल्प एजेंसियाँ।

उद्यमिता— कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद आप अपना खुद का व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं। आप ऑनलाइन या दुकान के माध्यम से उत्पाद बेच सकते हैं।

कार्य वातावरण— आप घर से या किसी कंपनी में काम कर सकते हैं। सामान्य कार्य घंटे प्रतिदिन 8–9 घंटे और प्रति सप्ताह 5–6 दिन होते हैं। जब तक ऑर्डर समय पर पूरे किए जाते हैं, तब तक कार्य घंटे लचीले होते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक स्ट्रिंगर → स्ट्रिंगर/बीडिंग आर्टिस्ट → पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. समृद्ध ग्राम, अल्मोड़ा, उत्तराखंड
2. जन शिक्षा संस्थान, हावड़ा, पश्चिम बंगाल
3. हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद्, नई दिल्ली

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

स्नेहा प्रबीन, कोझिकोड, केरल की एक प्रतिभाशाली युवा डिजाइनर हैं, जो मोतियों की बहुमुखी प्रतिभा पर विश्वास करती हैं। वह बताती हैं, "स्नातक की पढ़ाई के बाद की गर्मियों की छुट्टियों के दौरान, मुझे अपनी अलमारी में कुछ मोतियों के टुकड़े मिले। मैंने तुरंत उनसे एक पायल बनाने का निर्णय लिया। जब मैंने देखा कि उन साधारण मोतियों से एक नाजुक और खूबसूरत आभूषण तैयार हो सकता है, तो मैं चकित रह गई। तभी मुझे समझ आया कि मोती उतने साधारण नहीं थे जितना मैंने पहले सोचा था। इसके बाद, मैंने हर एक्सेसरी में अपनी कलात्मकता और उपयोगिता का संयोजन कर मोतियों का उपयोग करना आरंभ कर दिया।"

स्नेहा को अपने आभूषण बनाने के जुनून को पेशे में बदलने का निर्णय लेने में सात साल का समय लगा और उनके इसी जुनून ने 'युवांता' की नींव रखी। आज, युवांता में सजावट के लिए विभिन्न प्रकार के आइटम जैसे मोतियों के पर्दे, जगमगाते खिड़की के पर्दे, शो-पीस और अन्य अनूठे उत्पाद सम्मिलित हैं। इसके अलावा, स्नेहा के कलेक्शन में हार, झुमके, नथ, हेडगियर, हेयर एक्सेसरीज, कंगन, पायल आदि जैसी पारंपरिक आभूषणों की भी भरमार है। वह मोतियों से बने और भी अधिक उपयोगी और दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाली वस्तुओं को अपने कलेक्शन में सम्मिलित करने की योजना बना रही हैं।

वर्तमान में युवांता की कोझिकोड में एक विनिर्माण इकाई भी है। स्नेहा, जो डिजाइनिंग के क्षेत्र में कदम रखने के इच्छुक नए उद्यमियों को प्रेरित करती हैं, कहती हैं, "अपना माध्यम अच्छी तरह चुनें; यह आपकी नियति तय करता है। बड़े सपने देखें; अगर आप इसकी कल्पना कर सकते हैं, तो आप इसे अवश्य हासिल कर सकते हैं।"

स्रोत— https://www.onmanorama.com/lifestyle/women/2017/11/24/yuvanta-beads-jewelry-sneha-prabeen.html

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

शर्करा प्रौद्योगिकीविद्

शर्करा प्रौद्योगिकीविद्, गन्ने से शर्करा के उत्पादन, शोधन और पैकेजिंग से संबंधित हाते हैं। वे उच्च गुणवत्ता वाली शर्करा बनाने के लिए बेहतर तरीके विकसित करने के लिए शोध भी करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपको प्रयोग करना पसंद हो।
- आपको समस्याओं तथा स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद हो।
- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आपको समूह में काम करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना छात्रवृत्ति— यह छात्रवृत्ति अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकित विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। इसकी पात्रता में एक योग्यता परीक्षा सम्मिलित है। यह भारत सरकार द्वारा आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है, जिसके पास वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक उत्तम योग्यता होती है।*
- योग्यता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति— अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 अभियांत्रिकी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत उम्मीदवारों के पाठ्यक्रम का समस्त शुल्क सीधे उनके संस्थानों को भुगतान किया जाता है।*
- इंडियन ऑयल एजुकेशनल स्कॉलरशिप— भारतीय तेल निगम पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष 300 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है, इसके लिए विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकित होना होता है। छात्रवृत्ति विशेष रूप से शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों, महिलाओं, उत्तर-पूर्व और जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए है।*
- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. योजनाओं और राज्य शासन की योजनाएँ प्रस्तुत की जाती हैं।*
- छात्रवृत्ति के विवरण के लिए www.buddy4study.com पर जाएँ। यह कक्षा 11वीं से आरंभ होने वाली छात्रवृत्तियों को प्राप्त करने का एक माध्यम है।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क
₹ 26,000–2,00,000* के बीच होता है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) में 10+2 उत्तीर्ण करें।
2. शर्करा प्रौद्योगिकी में स्नातक (बी.एससी.) करें।

अथवा

शर्करा प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा करें।

अथवा

उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातक के बाद स्नातकोत्तर (एम.एससी./पी.जी. डिप्लोमा) करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

शर्करा प्रौद्योगिकीविद् की आय **₹ 8,000–1,25,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3kqwgzM

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— शर्करा कारखाने, पेय पदार्थ उत्पादन कंपनियाँ, अनुसंधान प्रयोगशालाएँ और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ आदि।

कार्य वातावरण— यह डेस्क जॉब नहीं है। स्थानीय यात्रा नौकरी की भूमिका का हिस्सा नहीं है। कंपनियाँ सामान्यतः सप्ताह में 5 से 6 दिन और प्रतिदिन 8 से 9 घंटे काम करती हैं। यह कंपनी से कंपनी भिन्न हो सकता है। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

अनुसंधान प्रशिक्षु → शर्करा प्रौद्योगिकीविद् → वरिष्ठ शर्करा प्रौद्योगिकीविद् → सहयोगी प्रबंधक अनुसंधान गतिविधियाँ → प्रबंधक अनुसंधान → अनुसंधान प्रमुख

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग/शर्करा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश
2. मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक
3. राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश
4. राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, वेल्लोर, तमिलनाडु
5. गुलबर्गा विश्वविद्यालय, गुलबर्गा, कर्नाटक
6. सर एम. विश्वेश्वरैया स्नातकोत्तर केंद्र, बेंगलुरु, कर्नाटक
7. डॉ बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर, पंजाब
8. रायबाग पॉलिटेक्निक, रायबाग, कर्नाटक

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. और ए.आई.सी.टी.ई. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वसंतदादा शर्करा संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
2. राजारामबापू शर्करा प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इस्लामपुर, महाराष्ट्र

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

जसबीर सिंह एक शर्करा प्रौद्योगिकीविद् और सलाहकार हैं, जो अवरमार्ट्स के लिए कार्यरत हैं। अवरमार्ट्स एक ऑनलाइन मार्केटप्लेस है, जो निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं और निर्यातकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर व्यापार करने में सहायता करता है। सिंह के पास चीनी उद्योग में 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है और उन्होंने नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट, कानपुर से शर्करा प्रौद्योगिकी में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा प्राप्त किया है।

स्रोत— -https://www.ourmarts.com/raj-tech

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

टी टेस्टर

टी टेस्टर, वे कुशल विशेषज्ञ होते हैं, जिनका मुख्य कार्य चाय के विशेष नमूने की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना होता है। टी टेस्टर को न केवल चाय की गुणवत्ता का निर्धारण करना होता है, बल्कि वह विभिन्न प्रकार की चाय के बीच भिन्नताओं को भी स्पष्ट करने का दायित्व निभाते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप स्वतंत्र रूप से काम करने में रुचि रखते हों।
- आपको वस्तुओं को संयोजित करना पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **24,000-1,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. विज्ञान वर्ग (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. वनस्पति विज्ञान/बागवानी/कृषि विज्ञान/खाद्य विज्ञान या अन्य संबंधित क्षेत्रों में स्नातक (बी.एससी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक के बाद उसी या संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर (एम.एस.सी.) की डिग्री प्राप्त करें।

अथवा

स्नातक के बाद टी टेस्टर का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम करें।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

टी टेस्टर की आय ₹ **22,300–2,00,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.jobted.in/salary/sommelier

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— चाय कंपनियाँ।

कार्य वातावरण— यह डेस्क जॉब नहीं है। आपको चाय बागान श्रमिकों की एक टीम की देख-रेख करने की संभावना है। स्थानीय यात्रा इस कार्य भूमिका का भाग नहीं है। अंशकालिक कार्य और संविदात्मक नौकरियाँ मिलने की संभावना है। कंपनियाँ सामान्यतः सप्ताह में 6–7 दिन और प्रतिदिन 8–9 घंटे काम करती हैं। यह कंपनी से कंपनी भिन्न हो सकता है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

चाय प्रसंस्करण कार्यकर्ता → टी टेस्टर → बागान प्रबंधक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

संस्थान

1. बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूचरिस्टिक स्टडीज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. डिप्रास इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. भारतीय वृक्षारोपण प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
4. उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल
5. एन.आ.ई.टी.ए.म, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल
6. असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम
7. चौ. सरवन कुमार कृषि विश्व विद्यालय, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश
8. उत्तर बंग कृषि विश्व विद्यालय, कूच बिहार पश्चिम बंगाल
9. तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु
10. एशियन स्कूल ऑफ टी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

स्निग्धा मनचंदा, भारत की पहली प्रमाणित चाय परिचारक, चाय चखने वाली और चाय सलाहकार हैं। उन्होंने वर्ष 2013 में अपनी कंपनी टी ट्रंक की स्थापना की। उनका प्रशिक्षण श्रीलंका के एक प्रतिष्ठित चाय स्कूल से हुआ, जहाँ उन्होंने जापानी चाय मास्टर, नाओ कुमेकावा के मार्गदर्शन में अध्ययन किया। श्रीलंका के अनुभव के बाद, उन्होंने न्यूयॉर्क स्थित द स्पेशलिटी टी इंस्टीट्यूट में काम किया, जहाँ उन्होंने चाय मिश्रण की कला सीखी। इसके साथ ही, उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से मार्केटिंग, ग्रामीण विपणन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, संगठनात्मक विकास और मानव संसाधन में प्रबंधन अध्ययन (बी.एम.एस.) में स्नातक की डिग्री भी प्राप्त की है।

स्रोत— https://teatrunk.in/pages/about

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

टूर ऑपरेटर

टूर ऑपरेटर, अवकाशों के लिए यात्रा कार्यक्रम एवं अवकाश यात्रा के लिए आवश्यक सामग्री को समायोजित करने और डिजाइन करने के लिए उत्तरदायी होते हैं। वे पैकेज को सीधे उपभोक्ता को बेचते हैं या ऐसा करने के लिए ट्रैवल एजेंट की सेवाओं का उपयोग करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आपके पास नेटवर्किंग कौशल होना चाहिए।
- आपके पास नेतृत्व और समूह कार्य कौशल होना चाहिए।
- आपके पास दौरे के दौरान समस्या समाधान करने की क्षमता होनी चाहिए।
- आपके पास ग्राहकों, सेवा प्रदाताओं और टीम के सदस्यों के साथ स्पष्ट और प्रभावी संचार होना चाहिए।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **15,000–6,00,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

1. किसी भी विषय-वर्ग में 10 + 2 उत्तीर्ण करें।
2. ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में स्नातक (बी.बी.ए.) करें।

अथवा

किसी भी विषय में स्नातक करें और ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में एम.बी.ए. करें।

अथवा

ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में डिप्लोमा करें।

अथवा

व्यक्तिगत रूप से काम करने के लिए राजकीय लाइसेंस या अनुमति का अनुभव होना अनिवार्य है।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

टूर ऑपरेटर की आय ₹ **21,000–45,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://www.salaryexpert.com/salary/job/tour-operator/india

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— ट्रैवल एजेंसियाँ, टूर कंपनियाँ।

उद्यमिता— आप अपना खुद का व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं

कार्य वातावरण— आप इनडोर और आउटडोर दोनों जगह काम करेंगे। आप होटल और एयरलाइन जैसे विक्रेताओं के साथ आवास, परिवहन या टिकटिंग विकल्पों की व्यवस्था करने में फोन पर समय व्यतीत करने की संभावना रखते हैं। आप आवास या आकर्षण की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न स्थानों की यात्रा कर सकते हैं ताकि आप ग्राहकों को उचित अनुशंसा कर सकें। आप सप्ताह में 6 दिन 9–10 घंटे प्रतिदिन काम करने की संभावना रखते हैं।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

टूर ऑपरेटर → टूर मैनेजर → टूर डायरेक्टर → टूर लीडर → ऑपरेशन मैनेजर → प्रोडक्ट मैनेजर → टूरिज्म मैनेजर

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थानों द्वारा स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री प्रोग्राम के रूप में संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. होटल प्रबंधन संस्थान
2. बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश
3. हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड
4. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
5. मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम
6. तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर, तमिलनाडु

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, मणिपाल, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. बनारसीदास चाँदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र
5. ओबेरॉय लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर, नई दिल्ली
6. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश
7. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक
8. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली, पंजाब



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

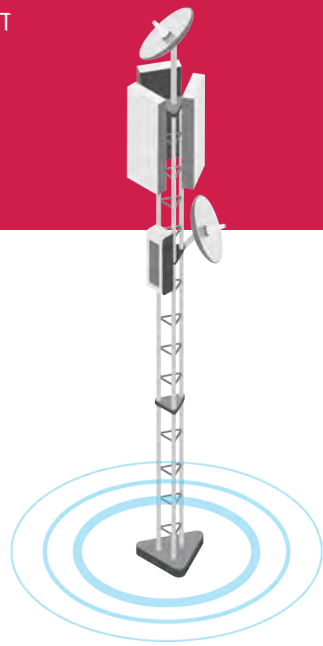
सुमित्रा सेनापति वूमन ऑन वंडरलस्ट (वाओ) क्लब की संस्थापक हैं। उन्होंने दिल्ली के कैटरिंग इंस्टीट्यूट से होटल मैनेजमेंट की डिग्री प्राप्त की और दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.ए. किया। होटल उद्योग में कुछ वर्षों तक काम करने और स्वतंत्र लेखन का अनुभव लेने के बाद, उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण को ध्यान में रखते हुए एकल महिलाओं के लिए समूहों में यात्रा करने का अवसर प्रदान करने के लिए यह क्लब स्थापित किया।

स्रोत— http://www.thinklink.in/blog/sumitra-senapaty

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

टावर तकनीशियन

टावर तकनीशियन, दूरसंचार उद्योग में कार्यरत होते हैं। उनका मुख्य कार्य साइट को 24×7 सक्रिय बनाए रखना है। उन्हें दूरसंचार टावर साइट पर प्राथमिक स्तर की समस्याओं का रख-रखाव और मरम्मत करना होता है। इसके अलावा, वे समय पर पर्यवेक्षक को निवारक और सुधारात्मक रख-रखाव की समस्याओं की रिपोर्ट भी करते हैं। टावर तकनीशियनों को अंतर-राज्यीय यात्रा करने की आवश्यकता होती है और काम की अधिकता होने पर अतिरिक्त घंटों में भी काम करना पड़ सकता है।



व्यक्तिगत गुण

- अपको तकनीकी काम पसंद हो।
- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- अपको बाहर काम करना पसंद हो।
- आप समूह में काम करने में सहज हों।

छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

आप कक्षा 12 उत्तीर्ण करने के बाद या इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल में आई.टी.आई. डिप्लोमा पूरा करने के बाद नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 टावर तकनीशियन कोर्स में नामांकन करा सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

टावर तकनीशियन की आय ₹ **10,000–18,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3xyjYbk

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— भारत भर में दूरसंचार कंपनियाँ, भारत भर में इंटरनेट सेवा प्रदाता।

कार्य वातावरण— आप प्रतिदिन 9–10 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम करेंगे। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

टावर सहायक → टावर तकनीशियन → वरिष्ठ टावर तकनीशियन

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारत तकनीकी संस्थान, जमशेदपुर, झारखंड
2. टाटा पावर कौशल विकास संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
3. राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान, जमशेदपुर, झारखंड



प्रशिक्षु शेफ/सहायक रसोइया

"सहायक रसोइया" या प्रशिक्षु शेफ वरिष्ठ शेफ, के मार्गदर्शन में रसोई की तैयारी, पकाने और रख-रखाव के लिए उत्तरदायी होते हैं। इस क्षेत्र में इन्हें कंपनी की मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार ईंधन, सफाई, आपूर्ति, स्टॉक और वितरण की देखभाल करते हुए रसोई की तैयारी और रख-रखाव की दक्षता विकसित करना होता है। इसके अलावा, ये टीम के अन्य सदस्यों के साथ समन्वय में कार्य करने की क्षमता भी विकसित करनी होती है।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप समूह में काम करने में सहज हों।
- आप स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 3 प्रशिक्षु शेफ पाठ्यक्रम के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

प्रशिक्षु शेफ की आय ₹ **10,195–14,612*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https//education.arunachal.gov.in/career/career/trainee-chef-assistant-cook/

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— होटल, पर्यटन उद्योग, रेस्तरां, कैफे आदि।

कार्य वातावरण— आपको सप्ताह में 6 दिन प्रतिदिन 10–12 घंटे काम करना होगा। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

प्रशिक्षु शेफ → सहायक शेफ → शेफ

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

यह पाठ्यक्रम होटल प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है

सरकारी संस्थान

1. होटल मैनेजमेंट संस्थान, वारडेज, गोवा
2. होटल मैनेजमेंट संस्थान, नई दिल्ली
3. होटल मैनेजमेंट संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
4. होटल मैनेजमेंट संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
5. होटल मैनेजमेंट संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
6. होटल मैनेजमेंट संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल
7. होटल मैनेजमेंट संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना
8. होटल मैनेजमेंट संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक
9. होटल मैनेजमेंट संस्थान औरंगाबाद, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

(कृपया आवेदन करने से पहले जाँच लें कि क्या संस्थान यू.जी.सी. से संबद्ध और मान्यता प्राप्त है।)

1. वेलकम ग्रेजुएट स्कूल ऑफ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, मणिपाल, कर्नाटक
2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
3. गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
4. भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे,
5. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, बेंगलुरु, कर्नाटक

संस्थान रैंकिंग की जानकारी यहाँ उपलब्ध है—

https://www.nirfindia.org/Rankings/2023/Ranking.html

दूरस्थ शिक्षा संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

सुरेश पिल्लई, एक सेलिब्रिटी शेफ हैं। उनको वर्ष 1993 में वित्तीय समस्याओं के चलते दसवीं की पढ़ाई छोड़नी पड़ी और 16 साल की उम्र में कोल्लम अपने गाँव कोल्लम को छोड़ना पड़ा। उस समय सुरेश के पास अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए छोटे-मोटे काम करके पैसे कमाने का ही विकल्प था। उन्होंने सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करने की कोशिश की, लेकिन रात में अकेले काम करने के डर के चलते यह नौकरी नहीं कर सके। अंततः, पिल्लई को एक होटल में वेटर की नौकरी मिली, जिसमें उन्हें रुपये 450 मासिक वेतन मिलता था।

पिल्लई ने एक व्यस्त होटल में काम के साथ ही प्री-डिग्री की पढ़ाई आरंभ की। वह अधिकांशतः रसोई में सब्जियाँ काटकर मुख्य रसोइए की सहायता करते थे। उनकी तेजी देखकर मुख्य रसोइए ने उन्हें अपने संरक्षण में ले लिया, यह देखकर कि वह प्रशिक्षित सहायक की तुलना में तेजी से प्याज काटते थे। हालाँकि काम के दबाव के कारण उन्होंने अपनी प्री-डिग्री की पढ़ाई को स्थगित कर दिया, लेकिन यह उनके सफर की शुरुआत थी, जो उन्हें दुनिया के सबसे प्रसिद्ध शेफ में से एक बना देगी। पिल्लई का जीवन एक प्रेरणा है, जो यह दर्शाता है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से कोई भी ऊँचाइयों को छू सकता है।

स्रोत— https://timesofindia.indiatimes.com/city/kochi/recipe-for-success/articleshow/86698246.cms

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

अपशिष्ट संग्रहकर्ता

अपशिष्ट संग्रहकर्ता का कार्य सड़कों, कूड़ेदानों, लैंडफिल और सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाओं से कचरा, कूड़ा या अपशिष्ट इकट्ठा करना और उन्हें अलग करना होता है। वे पुनर्चक्रण के लिए पुन: उपयोग किए जा सकने वाले कचरे और निपटान के लिए गैर-पुन: उपयोग किए जा सकने वाले कचरे को विभाजित करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आप दूसरों की सहायता करना पसंद करते हों।
- आप दूसरों के साथ संवाद करने में सहज हों।
- आपको पालन करने के लिए स्पष्ट निर्देश पसंद हो।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 8 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 अपशिष्ट संग्रहकर्ता और पृथक्करण प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर सकते हैं।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

अपशिष्ट संग्रहकर्ता की आय ₹ **5,000–5,500*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3m4UEaA

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— अपशिष्ट संग्रह एजेंसियाँ, अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइयाँ इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

अपशिष्ट संग्रहकर्ता → प्रक्रिया पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, कोझीकोड, केरल
3. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट, भोपाल, मध्य प्रदेश

निजी संस्थान

1. इंडियन प्लाईवुड इंस्ट्रस्ट्रीज रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, बेंगलुरु, कर्नाटक
2. राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ वुड कार्विंग, जयपुर, राजस्थान

कार्य क्षेत्र से उदाहरण

देबार्थ बनर्जी, जयंत नटराजू और **रित्विक राव** ने भारत में कचरे के प्रबंधन को एक नई दिशा देने का साहसिक कार्य किया। उन्हें केवल लोगों की अज्ञानता से ही नहीं, बल्कि उनकी उदासीनता से भी लड़ाई करनी पड़ी। इंजीनियरिंग की डिग्री और सामाजिक उद्यमिता में स्नातकोत्तर की शिक्षा के साथ, उन्होंने संपूर्ण अर्थ की स्थापना की, जो मुंबई में स्थित एक स्टार्टअप है, जो शहरी अपशिष्ट प्रबंधन पर केंद्रित है। एक ग्राहक, विजया श्रीनिवासन, बताती हैं कि उनके पड़ोस के लोग आरंभ में इस पहल के प्रति काफी अनिच्छुक थे। उन्हें दो अलग बैग रखने और स्रोत पर खाद्य अपशिष्ट को अलग करने की पूरी प्रक्रिया अपनाने में कोई रुचि नहीं थी, लेकिन छह महीने के निरंतर प्रयासों के बाद, टीम के प्रयासों से स्थिति में बदलाव आना आरंभ हो गया है। हालाँकि लोगों की सोच में बदलाव लाने के लिए अभी लंबा सफर तय करना बाकी है, सह-संस्थापक और निदेशक देबत्रा बनर्जी का मानना है कि बदलाव की दिशा सही है। यह कचरा संग्रहकर्ताओं को उचित कार्य परिस्थितियाँ प्रदान करके उन्हें सम्मानित नहीं करता, बल्कि उन्हें गर्व से 'कचरा प्रबंधक' का नया नाम भी देता है। संपूर्ण अर्थ का उदय असंतोष और मोहभंग की भावना से हुआ और इसका उद्देश्य देश की आम जनता की मानसिकता में सुधार लाना है।

स्रोत— https://yourstory.com/2015/03/sampurnearth-waste-management

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

वुड पॉलिशर

वुड पॉलिशर, फर्नीचर की सतह की गुणवत्ता का मूल्यांकन करते हैं, ग्राहक को पूर्व उपचार की सलाह देते हैं, लकड़ी के फर्नीचर को तैयार और साफ करते हैं और फिर कंपनी के मानकों या ग्राहक की आवश्यकताओं के अनुसार इच्छित फिनिश प्राप्त करने के लिए उपयुक्त कोटिंग्स, पॉलिश और उपकरणों का उपयोग करके इसे पेंट करते हैं।

व्यक्तिगत गुण

- आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- आपको स्पष्ट निर्देशों का पालन करना पसंद हो।
- आप काम करते समय विवरणों पर ध्यान देते हों।
- आप समस्याओं तथा स्थितियों का विश्लेषण करना पसंद करते हों।



छात्रवृत्ति

- सभी नवीनतम जानकारियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर जाएँ। इस पोर्टल के अंतर्गत केंद्र के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी./ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा प्रदत्त योजनाएँ और राज्य सरकार की योजनाएँ उपलब्ध हैं।*
- योग्यता के आधार पर संस्थानों द्वारा भी छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं।*

*(इन छात्रवृत्तियों की उपलब्धता समय-समय पर भिन्न हो सकती है।)

ऋण

- विद्यालक्ष्मी, www.vidyalakshmi.co.in शिक्षा ऋण लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पोर्टल है। यह पोर्टल वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी अपने शिक्षा ऋण आवेदनों की अद्यतित स्थिति ज्ञात कर सकते हैं और नए आवेदन कर सकते हैं।
- कुछ राज्यों, जैसे– पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार आदि में कम ब्याज दर पर विद्यार्थी क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध हैं।
- सभी बैंक शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम शुल्क

शुल्क

अनुमानित पाठ्यक्रम शुल्क ₹ **10,000–50,000*** के बीच है।

**उपरोक्त आँकड़े अनुमानित हैं। यह अलग-अलग संस्थानों में भिन्न हो सकते हैं।*

शैक्षिक मार्ग

न्यूनतम योग्यता

कक्षा 10 उत्तीर्ण करने और 18 वर्ष की आयु होने के बाद आप नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.)* स्तर 4 वुड पॉलिशिंग प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर सकते हैं। 2 वर्ष का अनुभव बेहतर होगा।

कृपया नामांकन के दौरान पाठ्यक्रम की अवधि की जाँच करें।

अपेक्षित आय

वुड पॉलिशर की आय ₹ **8,000–40,000*** प्रतिमाह हो सकती है।

स्रोत— https://bit.ly/3KwvaNh

**उल्लिखित आय सांकेतिक एवं परिवर्तनीय है।*

आप कहाँ काम करेंगे ?

कार्य स्थल— फर्नीचर स्टोर/मिल, संगीत वाद्ययंत्र स्टोर, लकड़ी के सामान बेचने वाले स्टोर, रियल एस्टेट सेक्टर इत्यादि।

कार्य वातावरण— आपको कम से कम 8–9 घंटे और सप्ताह में 5–6 दिन काम करना होगा। पालियों में भी कार्य करना पड़ सकता है। अतिरिक्त समय में काम करना सामान्य बात है।

इस क्षेत्र में विशेष आवश्यकता समूह वालों के लिए कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

अपेक्षित विकास पथ

सहायक वुड पॉलिशर → वुड पॉलिशर → पर्यवेक्षक

आप कहाँ पढ़ेंगे ?

संस्थानों की यह सूची केवल सांकेतिक है।

सरकारी संस्थान

1. भारतीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, गुरुग्राम, हरियाणा
2. राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
3. लकड़ी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक



कार्य क्षेत्र से उदाहरण

अब्दुल रहमान भट्टी, पिछले 40 वर्षों से लकड़ी की पॉलिशिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वर्तमान में, वे टी.डी.ए.फ. मैग्निफाई साइंस सेंटर (एम.एस.सी.) में काम कर रहे हैं, जो एक स्वतंत्र विज्ञान केंद्र है। भट्टी एम.एस.सी. में लकड़ी की पॉलिशिंग के जरिए आंतरिक सजावट में योगदान देकर बेहद खुश हैं और उनका मानना है कि बच्चे केंद्र में स्थापित प्रदर्शनों से महत्वपूर्ण वैज्ञानिक ज्ञान हासिल करेंगे।

स्रोत— youtube.com/watch?v=UIJdvADLIO0

**उपरोक्त जानकारी केवल प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए है और इसका उपयोग किसी व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जाएगा।*

अगर आप ...



पढ़ाई एवं परीक्षा



निजी संबंधों



करियर



साथियों के दबाव

को लेकर किसी भी तरह के तनाव, चिंता, परेशानी, उदासी या उलझन में हैं, तो काउंसलर की मदद लें



राष्ट्रीय टोल-फ्री काउंसलिंग टेली-हेल्पलाइन
सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक
सप्ताह के प्रत्येक दिन

मनोदर्पण

कोविड-19 के प्रकोप के दौरान और उसके बाद विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु मनो-सामाजिक सहायता
(आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल)

www.https://manodarpan.education.gov.in

Scan, download, and explore endless stories with Rashtriya e-Pustakalaya – your free digital library!



23113

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

ISBN 978-93-5729-462-1